'बांकीदास (आसिया)' से 'हितसेवक' तक

हस्तलिखित हिंदी पुस्तकों का संक्षिप्त विवरण

[सन् १९००–१९५५ ई० तक]

द्वितीय भाग

नागरीप्रचारिणी सभा, काशी

सं० २०२१ वि०

प्रकाशक : नागरीप्रचारिणी सभा, काशी ।

मुद्रक : नागरी मुद्रण, ना० प्र० सभा, काशी ।

प्रथम संस्करण, ११०० प्रतियाँ, सं० २०२१ वि० ।

मूल्य १०) प्रति भाग

संपादन उपसमिति

संकेत सूची

—:०:—

अनु०	अनुमान से
अप्र०	अप्रकाशित (खो० वि० सन् १९४१-४३ के अप्रकाशित विवरण पत्र)
उप०	उपनाम
खो० वि०	खोज विवरण
गो०	गोस्वामी
टि०	टिप्पणी
ठा०	ठाकुर
दि०	दिल्ली खोज विवरण सन् १९३१
पं०	पंजाब खोज विवरण सन् १९२२-२४
परि०	परिशिष्ट
प्रा०	प्रतिस्थान
मा० वि० हिं०	दी माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर आफ हिंदुस्तान
मि० वि०	मिश्रबंधुविनोद
मु० का० सं०	मुद्रण काल संवत्
र० का० सं०	रचना काल संवत्
लि० का० सं०	लिपि काल संवत्
वि०	विषय
सं०	संवत्
सं० का० सं०	सक्षिप्त काल विवरण
सं० वि०	संक्षिप्त-विवरण
स्व०	स्वर्गीय
स्वा०	स्वामी
हि०	हिजरी
—	देखिए

खोज में उपलब्ध

हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों

का

संक्षिप्त विवरण

(खंड २)

[सन् १९०० से १९५५ ई० तक]

बाँकीदास (आसिया)—जोधपुर के राजा मानसिंह के समकालीन और संभवतः उन्हीं के आश्रित ।

धवलपचीसी (पद्य)→४१-१५४ क ।

मानजसोमंडन (पद्य)→४१-१५४ ख ।

बाँकीदास (बीठू)—सं० १८८३ के लगभग वर्तमान ।

दामोदर हरिदास चरित (पद्य)→४१-१६० ।

बाँकेराम (दीक्षित)—(?)

सामुद्रिक (पद्य)→२६-४० ए, बी ।

बाँदावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६१ । वि० वृक्षों के बाँदाओं द्वारा औषधि निर्माण और उपचार विधि ।

प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी वैद्य, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७-२४४ ।

बाँदीनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । वि० शृंगार ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ ग ।

बाँसुरी (पद्य)—नजीर कृत । वि० श्रीकृष्णजी की मुरली का वर्णन ।

प्रा०—मुंशी पदमसिंह कायस्थ, कैथा, डा० कोटला (आगरा) ।→२९-२५१ बी ।

बाँसुरीलीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत । र० का० सं० १९४० । लि० का० सं० १९४० । वि० राधा का श्रीकृष्ण की बाँसुरी चुराना और श्रीकृष्ण का उनसे माँगना ।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामविहारीलाल का मंदिर, पीलीभीत । → १२-६३ बी ।

बाँसुरीलीला → 'वंशीलीला' (सूरदास कृत) ।

बाग वर्णन (पद्य)—ओभा कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—मुं० शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी) । → ३२-३१ ए

बागविलास (गद्यपद्य)—सेवक (सेवकराम) कृत । वि० नायिकाभेद और महाराज हरिशंकर द्वारा काशी में लगवाए गए बाग का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—ठा० अनिरुद्धसिंह, सहायक प्रबंधक, नीलगाँव (सीतापुर) । → २३-३८३ ।

(ख) प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी, एम० ए०, एलएल० बी०, बलिया । ४१-२६८ क, ख ।

बागोराम और गाडूराम—भाई भाई और सहयोगी कवि । मारवाड़ निवासी । जलंधरनाथ के शिष्य । जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित । सं० १८८२ के लगभग वर्तमान ।

जसभूषण (पद्य) → ०२-३२ ।

जसरूपक (पद्य) → ०२-३३ ।

बागेश्वर भारती—अतीथ । माता का नाम सती । बुढ़ानपुर (यमुनातट पर) के निवासी । सं० १६०६ के पूर्व वर्तमान ।

सुखदेवपुराण (पद्य) → सं० ०४-२३६ ।

बाघमल्ल (साह)—बीकाणपुरी (बीकानेर ?) के साह । चोरडीया गोत्रीय । बीकाणपुरी के संस्थापक खींमसी के पुत्र । लखमीवल्लभ (लक्ष्मीवल्लभ) के आश्रयदाता । → सं० ०७-१७२ ।

बाघरा—(?)

बाघरा रा दुहा (पद्य) → ४१-१५५ ।

बाघरा रा दुहा (पद्य)—बाघरा कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर । → ४१-१५५ ।

बाघोरा (भाट)—नंद के पुत्र । सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है । → सं० ०४-४६ ।

बाजनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) । लि० का० सं० १७७७ । वि० बाज पत्ती को पकड़ने की युक्ति तथा उसके पालन पोषण और रोग आदि के उपचारों का वर्णन ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद । → सं० ०१-१२६ घ१ ।

बाजनामा (पद्य)—सिकंदर फिरंगी कृत । लि० का० सं० १८२० । वि० बाज पत्ती को पकड़ने और पालने की विधि ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४४६ ।

बाजनामा (गद्यपद्य)—रचयिता । वि० शिकारी बाज के रोगों की चिकित्सा ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) । → ३२-२३६ ।

बाजनामा →'दौलतनामा' (फिरोजशाह बादशाह की आज्ञा से निर्मित) ।

बाजनामा मय चीतेनामा व हिरननामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६१२ । वि० बाज, चीते और हिरन आदि को पहचानने के लक्षण तथा उनकी चिकित्सा इत्यादि ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) । → ३२-२३७ ।

बाजनामा रूमी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पक्षियों का आखेट ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंहदेव, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) ।→ २६-३४२ ।

बाजिद—जाति के पठान । दादूदयाल के शिष्य । सं० १६५७ के लगभग वर्तमान । 'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत । →०२-८४ (नो) ।

अरिल्ल (पद्य)→२६-३२७ ए; सं० ०७-१३१ क ।

गणराजा री बात (पद्य)→०२-७६; ३२-२२७ सी, ४१-५२४ (अप्र०) ।

गुनकठियारानामा (पद्य)→सं० ०७-१३१ ख ।

गुननामा (पद्य)→३२-२२७ ए ।

जखड़ी (पद्य)→सं० ०७-१३१ ग ।

नैननामौ (पद्य)→३२-२२७ बी ।

पंछीनामा (पद्य)→४१-२५० ।

पद (पद्य)→सं० ०७-१३१ घ ।

मुखनामौ और गुनकठियारा (पद्य)→४१-१५६ ।

मूपनागौ जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७-१३१ ङ ।

वाजिद की साखी (पद्य)→२६-३२७ बी ।

विरहअंग (पद्य)→सं० ०१-३८४ ।

बाजीलाल (शुक्ल)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । कुँवरा (सीतापुर) निवासी । सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→०१-३६; ४६-२८ ।

बाजूराय—संभवतः बुंदेलखंड निवासी । सं० १८२२ के लगभग वर्तमान ।

भागवत (दशमस्कंध की संक्षिप्त कथा) (पद्य)→०६-६ ।

बाण (कवि)—मथुरिया पाठक । दिल्ली के निकट किसी गाँव के निवासी । अब्दुर्रहीम खानखाना के आश्रित । इन्हें राव की उपाधि और अकबर की ओर से नदी गाँव जागीर में मिला था । सं० १६७४ के लगभग वर्तमान ।

कलिचरित्र (पद्य)→०६–१३४ ।

बात दूर देश की (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८२१ (लगभग) । लि० का० सं० १८८६ । वि० जैन तीर्थस्थान गोमठ की यात्रा का वर्णन ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–२४५ ।

बादशाहो राज्यकाल का परगना आदि विवरण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मुसलमानी बादशाहों के राज्यकाल और उनके सूबों का उल्लेख ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५४२ ।

बादीराय→'बादेराय' ('रामायण' के रचयिता) ।

बादेराय—संभवतः कायस्थ । तिलोई राज के दीवान । पिता का नाम रामगुलाम । जफरपुर (बाराबंकी) में ग्रंथ रचना की ।

रामायण (पद्य)→२६–१६ ।

बानचंद→'वनचंद्र' (गोस्वामी) ।

बानी (पद्य)—ईस्वरनंद कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

प्रा० महंत श्री अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०७–८ ।

बानी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १५६६ ।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर) ।→०६–१७७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १५६६ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१४३ एम ।

(घ) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२१ क ।

(ङ) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा) । →३२–१०३ एम ।

बानी (पद्य)—गुलाबलाल (द्विज) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० भिन्न भिन्न प्रकार के अनुभवों का वर्णन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७३ (विवरण अप्राप्त) ।

बानी (पद्य)—गुलाल साहब कृत । र० का० सं० १८०० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का स्थान, अयोध्या ।→२०–५५ ।

बानी (पद्य)—दीनदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६३४ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–१५६ क ।

बानी (पद्य)—बखतकुँवरि (प्रियासखी) कृत। र० का सं० १८४८ (लगभग)। लि० का० सं० १८४८। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–८।

बानी (पद्य)—मनमोहनदास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री धरणीधर दूबे, दुबौली, डा० कलवारी (बस्ती)।→सं० ०४–२७६।

बानी (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामचंद्र जी की भक्ति।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५–८२।

बानी (पद्य)—रैदास कृत। र० का० सं० १५०७। ईश्वर महिमा।
(क) लि० का० सं० १८५५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२३४।
(ख) लि० का० सं० १८५५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१७१ ग।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२४०।

बानी (पद्य)—लालस्वामी (हित) या लालदास स्वामी कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
प्रा०—गो० गोवर्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१०८ ए।

बानी (पद्य)—अन्य नाम 'विट्ठल विपुल की बानी।' विट्ठलनाथ कृत। वि० राधाकृष्ण का शृंगार।
(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–६०।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–२६।
(ग)→पं० २२–१६।

बानी (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत श्री राजकिशोर, डा० रतसंड (बलिया)।→४१–२६३ ध।

बानी (पद्य)—अन्य नाम 'सरसदास की बानी।' सरसदास कृत। वि० राधाकृष्ण का सौंदर्य और गुण वर्णन।
(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर।→०६–२२६ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–३७६।

बानी (पद्य)—सिध्यादास कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)। → सं० ०४–४०६ क।

बानी (पद्य)—अन्य नाम 'सेवकहित की बाणी।' सेवकहित कृत। वि० हित हरिवंश की प्रशंसा।
(क) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—श्री कालिकाप्रसाद अध्यापक, कमतरी (आगरा) ।→३२-१६६ ।

(ख) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—गो० महाराज गोपीकृष्ण जी, विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-५७५ (अप्र०) ।

(ग) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा० – लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर ।→०६-२३२ (विवरण अप्राप्त) ।

(एक अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है) ।

बानी (पद्य)—सेवादास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४६७ ।

बानी (पद्य)—हजारीदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४-४२७ क ।

बानी (पद्य)—अन्य नाम 'मालाजोग (ग्रंथ) ।' हरिदास (स्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५-३६ बी ।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५-६७ ।

(ग) प्रा० – पं० राधाचरण गोस्वामी, अवैतनिक नगराधीश, वृंदावन (मथुरा) । →०६-१०६ बी ।

(घ) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३-१५५ ।

(ङ) प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २६-१४० ई ।

(च) प्रा०—पं० गंगाधर शर्मा, गोछ, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । → २६-१४० एन ।

(छ) प्रा०—पं० हरदत्त, मानपुर, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३२-७८ ए ।

(ज) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-३१८ ।

बानी (पद्य)—हितचंदलाल कृत । वि० राधा वल्लभ की विनय ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३५ सी ।

बानी→'आनंदवर्द्धिनी' (बाबा फकीरदास कृत) ।

बानी→'तुलसीदास की बानी' (तुलसीदास कृत) ।

बानी→'पलटूसाहब की बानी' (पलटूदास कृत) ।

बानी→'रसमार' (रसिकदास कृत) ।

बानी→'रामचरणजी की बानी' (स्वा० रामचरण कृत) ।

बानी चरनदासजी को (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—पं० परमानंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→३८-२५ ए।

बानी दादूजी→'दादू की बानी' (दादूदयाल, कृत)।

बानीभूषण (गद्यपद्य)—रामसहाय कृत। वि० काव्यांग।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-२३।

बानी या शब्द (पद्य)—प्रह्लाददास कृत। लि० का० सं० १९५०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-१० क।

बानी या शब्दावली (पद्य)—गिरधरदास साहब कृत। लि० का० सं० १९५०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-६४ ग।

बानी या साखी (पद्य)—संतदास कृत। वि० ज्ञान, भक्ति, उपदेश आदि।
(क) लि० का सं० १८५२।
प्रा०—श्री हरवंशराय, टेकारी (रायबरेली)।→२३-३७५ ए।
(ख) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—पं० देवीदत्त शर्मा, फतेहपुर (बाराबंकी)।→२३-३७५ बी।

बानीविलास (पद्य)—रूपलाल (गोस्वामी) कृत। वि० हित हरिवंश की जीवनी।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५८ जे।

बाबा साधू→'साधू जी' (स्वामी दादूदयाल के शिष्य)।

बाबा साहब (डाक्टर)—मजूमदार (गुजराती ?)। नेपाल निवासी। बीसवीं शताब्दी में वर्तमान।
अमृत संजीवनी (पद्य)→०६-१२ बी।
उपदेशादि (गद्य)→०६-१२ ए।
ज्वर चिकित्सा प्रकरण (गद्य)→०६-१२ सी।
स्त्रीरोग चिकित्सा (गद्य)→०६-१२ डी।

बाबूराम (पांडे)—गोंडा (प्रतापगढ़) निवासी। सं० १८०२ के लगभग वर्तमान।
औषधि संग्रह (गद्यपद्य)→२६-२२।

बाबूलाल रघुसुत या रघुवरसुत (जैन)—निज का नाम बाबूलाल और पिता का नाम रघुवर।
विष्णुकुमार महामुनि पूजन (पद्य)→सं० १०-८७ क।
सलूनोपूजन (पद्य)→सं० १०-८७ ख।

बामन कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि० वामन अवतार की कथा।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००-१४२।

बार ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७४७। वि० आदित्यवार से शनिवार तक प्रत्येक दिन की साधना और सिद्धांत का वर्णन।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५-४६ ई।

बारह अनुप्रेक्षा भावना (पद्य)—अवधू कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० जैनधर्म।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-१०।

बारहखड़ी (पद्य)—चंचल (जैन) कृत। लि० का० सं० १६५६। वि० भजन के द्वारा ज्ञानोपदेश।

प्रा० – श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-३१।

बारहखड़ी (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। र० का० सं० १६३७। वि० गोपी विरह वर्णन।

प्रा०—पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३२-१६६ए।

बारहखड़ी (पद्य)—प्रभुलाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२१५।

बारहखड़ी (पद्य)—भीखजन कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—पं० शोभाराम, जैंत (मथुरा)।→३५-१३।

बारहखड़ी (पद्य)—रामरंग कृत। लि० का० सं० १८०६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-२२८।

बारहखड़ी (पद्य)—विष्णुदास कृत। र० का० सं० १८५१। वि० कृष्ण लीला।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१६७।

(ख) प्रा०—पं० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३२७।

(ग) प्रा०—पं० कृष्णकुमार, बहादुरगंज, रायबरेली।→२३-४४२।

बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तपत्रिका'। व्रजदूलह कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४०१ ख।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरत कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० ज्ञानोपदेश और जिनदेव की भक्ति।→पं० २२-१०८।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० प्रह्लाद चरित्र।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-४६२।

बारहखड़ी (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० कृष्ण सुदामा चरित्र।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल, अकबरा, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२-२१२ ए।

बारहखड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकथा।

प्रा०—पं० बाबूराम मिश्र, भरवार, डा० चलरई (इटावा)→३५-१२४।

बारहखड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, संपादक 'सनाढ्य जीवन', इटावा।→३५-१२५।

बारहखड़ी→'कवितावली' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।

बारहखड़ी→'गोपीकृष्ण की बारहखड़ी' (संतदास कृत)।

बारहखड़ी→'सिद्धांतचौंतीसीसी' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।

बारहबाट अठारह पैंड़े (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण का स्नेह।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१४ बी।

बारहमासा (पद्य)—अँगनेराय (रसाल) कृत। र० का० सं० १८८६। वि० विरह वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४८।

प्रा०—कुमार रामेश्वरसिंह, जमींदार, सीतापुर।→१२-१५१।

(ख) लि० का० सं० १६६३।

प्रा०—ठा० बलवंतसिंह, लोमामऊ, डा० संडीला (हरदोई)।→२६-१७।

बारहमासा (पद्य)—अवधविहारीलाल कृत। र० का० सं० १६३७। वि० वियोग वर्णन।

प्रा०—श्री व्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़।→२६-१६ सी।

बारहमासा (पद्य)—खैराशाह कृत। वि० शृंगार।

(क) लि० का० सं० १६२२।

प्रा०—श्री दलपतिसिंह (नवी दलपतिसिंह), पेग का पुरा, डा० लाला की बाजार (प्रतापगढ़)→सं० ०४-५१ ग।

(ख) लि० का० सं० १६२७।

प्रा०—ठा० रामनरेशसिंह, तारापत का निवादा, डा० भलियाबुजुर्ग (खीरी)। →२६-२३४ ए।

(ग) प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर।→१२-६१।

(घ) प्रा०—श्री कृष्णगोपालशर्मा, दी यंग फ्रेंड एंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली। →दि० ३१-४६।

(ङ) प्रा०—श्री शिवसहाय खत्री, नवाबगंज, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-२३४ बी।

(च) प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७-२८।

बारहमासा (पद्य)—गंगाराम (तिवारी) कृत। वि० बारह महीनों का शृंगारिक वर्णन।

प्रा०—पं० देवीदत्त शुक्ल, 'सरस्वती' संपादक, प्रयाग।→४१-४५ ख।

बारहमासा (पद्य)—गोपाल (जनगोपाल) कृत। वि० विरह वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७६३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ ङ।

(ख) प्रा०—श्री दामोदर वैश्य, कंठवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)। १२-८३।

बारहमासा (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १६४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६-१६२ एम।

बारहमासा (पद्य)—जवाहिरराय कृत। र० का० सं० १८२२। वि० राधाकृष्ण का विरह।
प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२-८४ ए।

बारहमासा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ छ।

बारहमासा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ क'।

बारहमासा (पद्य)—नंदलाल कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० राधाकृष्ण विरह।
प्रा०—ठा० जयरामसिंह, मिरजापुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २३-२६६।

बारहमासा (पद्य)—नत्थन कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० विरह शृंगार।
प्रा०—श्रीमती दलपतिसिंह, प्रान का पुरा, डा० लाला की बाजार (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-१८०।

बारहमासा (पद्य)—बहाव कृत। विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८४८।
प्रा०—पं० बाबूराम बित्थरिया, सिरसागंज (मैनपुरी)।→२६-४८६ ए।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर)।→२६-४८६ बी।
(ग) लि० का० सं० १६२७।
प्रा०—लाला दिलसुखराय, महोली (सीतापुर)।→२६-३८६ सी।
(घ) प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२३५ क।
(ङ) प्रा०—श्री विश्वंभरनाथ पांडेय, पोखरा पांडेय, डा० डुमरियागंज (बस्ती)। →सं० ०४-२३५ ख।
(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१२६।

बारहमासा (पद्य)—बालमुकुंद कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १६३६। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)। →२६-३७।

बारहमासा (पद्य)—भगनदास कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० बारह महीनों का वर्णन।
प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७-१३६ क।

बारहमासा (पद्य)—भगवतीदास कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१६६।

बारहमासा (पद्य)—महादेव कृत। वि० विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—लाला जयनारायण, नगला राजा, डा० नौखेड़ा (एटा)। → २६-२१६ सी।
(ख) लि० का० सं० १६५०।
प्रा०—लाला रामदीन, अतरौली (हरदोई)।→२६-२१६ बी।

बारहमासा (पद्य)—मुहम्मदशाह कृत। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—कुँवर महुमसिंह, गोरहार।→०६-२६४ (विवरण अप्राप्त)।

बारहमासा (पद्य)—रामरूप कृत। वि० ईश्वर प्रेम तथा भक्ति।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१५७।

बारहमासा (पद्य)—रुद्रनाथ (खुशाली कवि) कृत। र० का० सं० १८७६। लि० का० सं० १८६६। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० रामभजन पाठक, महमूदपुर नवाब, डा० हरगाँव (सीतापुर)। → २६-४०६।

बारहमासा (पद्य)—लखनसेनि कृत। वि० श्रृंगार।
(क) लि० का० सं० १७८५।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सद्रावर्ती (आजमगढ़)। → ४१-२३६ ख।
(ख) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—श्री रामचन्द्र पांडेय, बोदरी, डा० जेनदआ (जौनपुर)।→सं० ०१-३६८।
(ग) प्रा०—पं० सरल चौबे पं० रामनरेश चौबे, सहनवार, दखिनटोला, बलिया।→४१-२३६ क।

बारहमासा (पद्य)—संवर (कवि) कृत। वि० विरह।
प्रा०—पं० विश्वनाथ, केमहरा, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६-४२२।

बारहमासा (पद्य)—सुदर्शन कृत। र० का० सं० १८६२। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१८२।

बारहमासा (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १६१०। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—ठा०—सूरतसिंह, शिवरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६-४७१ सी।

बारहमासा (पद्य)—हंसराज कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३०६ ।

बारहमासा (पद्य)—हरिवंश कृत । वि० राधा का विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री श्रीनाथ द्विवेदी, वासूपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-४३६ ।

बारहमासा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शृंगार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । सं० ०१-५४३ ।

बारहमासा→'ज्ञान की बारहमासी' (शिवदत्त रामप्रसाद कृत) ।

बारहमासा→'बारहमासा विरहिनी' (गणेशप्रसाद कृत) ।

बारहमासा→ बारहमासी' (कबीरदास कृत) ।

बारहमासा (हरनाम का) (पद्य)—हरनाम कृत । र० का० सं० १६१० । वि० विरह वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—पं० रामभरोसे मिश्र, बटौली, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६-१६७ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, गाजीमऊ, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२६-१६७ बी ।

बारहमासा द्वादसानुप्रेक्षा→'नेमनाथजी को बारामासो' (विनोदीलाल कृत) ।

बारहमासा निपट नादान (पद्य)—रंगीलाल (द्विज) कृत । वि० अल्पवयस्क बालक का युवती से विवाह होने पर युवती के कष्ट का वर्णन ।

प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→२६-४०१ ।

बारहमासा लावनी (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, रहीमपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६-४७ आई ।

बारहमासा वर्णन (पद्य)—केशवदास (?) कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री राजाराम, नरहा (सीतापुर) ।→२६-२३३ ए ।

बारहमासा विनय (पद्य)—सर्वसुखशरण कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० विरह वर्णन ।

प्रा० सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१७० ए ।

बारहमासा विरह का (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० राधिका का विरह वर्णन ।

प्रा०—बाबा नारायणाश्रम, कुटी मोहनपुर (एटा) ।→२६-४७ डी ।

बारहमासा विरहिनी (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । वि० विरह वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—श्री कृष्णसहाय, झाँझनी, डा० जलाली (अलीगढ़) ।→२६-१०७ ए ।

(ख) मू० का० सं० १६५४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-६१ ।

बारहमासा विरहिनी→'बारहमासा' (महादेव कृत) ।

बारहमासा श्रीकृष्णजी का (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० सं० १९३२ ।
वि० राधिका और गोपियों का विरह वर्णन ।
प्रा०—पं० रामदीन गौड़, सिरहपुरा (एटा) ।→२९-४७ एफ ।

बारहमासी (पद्य)--कबीरदास कृत । वि० बारहमासा में ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १९११ ।
प्रा०—श्री गोविंदसिंह, विशेष कार्याधिकारी, हिंदी विभाग, लखनऊ । → सं० ०७-११ ड ।
(ख) प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर । →०६-१४३ जे ।
(ग) प्रा०—पं० रामनारायण, नगला मुकुंद, डा० मदान (मैनपुरी) । → ३२-१०३ डी ।
(घ) प्रा०—लाला बालाप्रसाद, कीठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → →३२-१०३ ई ।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२४ भ ।

बारहमासी (पद्य)—खेतसिंह कृत । र० का० सं० १८७८ । वि० निर्गुण सगुण ज्ञान वर्णन ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-६० ए ।

बारहमासी (पद्य)—चेतसिंह (दुल्लो) कृत । लि० का० सं० १९२४ । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—पं० बाबूराम शर्मा, हविलिया, डा० करहल (मैनपुरी) ।→३२-५६ ।

बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत । लि० का० सं० १९३७ । वि० वियोग ।
प्रा०—लाला भक्तराम, बनैला, डा० गुलजारपुर (उन्नाव) ।→२६-१९० ।

बारहमासी (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत । लि० का० सं० १८२१ । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद, गोनमियों, अजयगढ़ ।→०६-२८ एफ ।

बारहमासी (पद्य)—नरहरिदास (बरुशी) कृत । लि० का० सं० १९४२ । वि० व्रतों और त्योहारों का वर्णन ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-७७ ।

बारहमासी (पद्य)—पजनकुँवरि कृत । वि० गोपीउद्धव संवाद ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-८३ ।

बारहमासी (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-९५ सी ।

बारहमासी (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० गोपी विरह वर्णन ।
प्रा०—पं० ब्रजकिशोर शास्त्री, शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२-१६६ बी ।

बारहमासी (पद्य)—बलभद्रसिंह कृत । र० का० सं० १८७८ । लि० का० सं० १९११ ।
वि० राधाकृष्ण के बारह महीनों का शृंगारिक वर्णन ।
प्रा०—पं० रामभरोसे उपाध्याय, उचेहरा (नागोद) ।→००–५० ।

बारहमासी (पद्य)—अन्य नाम 'बेनीमाधव की बारहमासी' । बेनीमाधव कृत । वि० राधा का विरह वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १८१० ।
प्रा०—श्री गंगादीन मुराऊ, लछिमनपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६–४७१ ओ ।
(ख) लि० का० सं० १९४१ ।
प्रा०—श्रीमती चौरासीदेवी, धर्मपत्नी स्व० रामशंकर पांडेय, कौंडीहार (सुरसुतीपुर), डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-४६४ ख ।
(ग) प्रा०—बाबू व्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़ ।→२६–४३ ।
(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४६४ क ।
टि० खो० वि० २६–४७१ और सं० ०१–४६४ क, ख पर भूल से सूरदास को रचयिता मान लिया गया है ।

बारहमासी (पद्य)—चोधा कृत । वि० संयोग वियोग वर्णन ।
प्रा०—मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→३२–३१ बी ।

बारहमासी (पद्य)—भोला कृत । लि० का० सं० १९३६ । वि० शृंगार ।
प्रा०—श्री उमाशंकर शुक्ल, मुड़ेरा शुक्ल, डा० सिरसी (बस्ती) । → सं० ०४–२७१ ।

बारहमासी (पद्य)—मगन जी कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२६६ ।

बारहमासी (पद्य)—रतनदास कृत । वि० साधु रामचरण की महिमा का वर्णन ।
प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० बलदेव (मथुरा) ।→३५–८८ ।

बारहमासी (पद्य)—रसानंद कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२६ ख ।

बारहमासी (पद्य)—रिसालगिरि कृत । र० का० सं० १७०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद पुरोहित, खेड़ाबुजर्ग, डा० बलरई (इटावा) ।→ ३५–८९ ।

बारहमासी (पद्य)—लालदास कृत । वि० गोपियों का विरह ।
(क) लि० का० सं० १९२२ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ । →०६–१९० ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सरैयाखीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर) ।→२३–२३९ डी ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२३६ ।

बारहमासी (पद्य)—सुंदर कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—दतिया नरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२४१ बी (विवरण अप्राप्त) ।

बारहमासी (पद्य)—सुंदर (कवि) कृत । वि० शृंगार वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४५२ । टि० प्रस्तुत पुस्तक फारसी मिश्रित खड़ी बोली में है ।

बारहमासी (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० कृष्ण जन्म से नाग नाथने तक की लीला ।

प्रा०—चौ० अंगदसिंह, नयानगला, डा० मदान (मैनपुरी) ।→३२-२१२ बी ।

बारहमासी (पद्य)—हजारीलाल (कायस्थ) कृत । वि० रामचंद्र जी की लंका विजय ।

प्रा०—पं० मुन्नीलाल, द्वारा चौधरी जनकसिंह, जायमई, डा० मदान (मैनपुरी) ।→३५-४१ ।

बारहमासी (पद्य)—हरिनाम (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६०८ । वि० वियोग वर्णन ।

प्रा०—पं० रेवतीरमण मिश्र, बेरी, डा० बरारी (मथुरा) । →३८-५८ बी ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—पं० राधाकृष्ण शर्मा, ब्यारी भटपुरा, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-१२६ ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गोपी विरह वर्णन ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद मिश्र, खेड़ा, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-१२७ ।

बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संक्षिप्त रामकथा ।

प्रा०—पं० श्यामलाल शर्मा, इंधौआ, डा० इकदिल (इटावा) ।→३५-१२८ ।

बारहमासी कीर्तनसागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य कृष्णभक्त) कृत । लि० का० सं० १८२४ । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—पं० भूदेव शर्मा, गंगाजी का मंदिर, कुराता (मथुरा) ।→३५-१२९ ।

बारहमासी कृष्णजी की (पद्य)—हरदास कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० श्रीकृष्ण विरह ।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२५-१६६ डी ।

बारहमासी ख्याल (पद्य)—छज्जू कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०-पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-२० ।

बारहमासी गदर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सन् १८५७ के गदर (क्रांति) का वर्णन ।

प्रा०—श्री ओंकारनाथ जैन, रुनकुता (आगरा) ।→३२-२३८ ।

बारहमासी पूर्वी भरतजी की (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० राम के वियोग में भरत जी की दशा का वर्णन ।

प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-१६६ ई ।

बारहमासी पूर्वी में (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० कृष्ण के वियोग में ब्रज बालाओं की करुणावस्था का वर्णन ।

प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–१६६ डी ।

बारहमासी रसखान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—पं० नारंगीलाल, भदेसरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३५–१३० ।

बारहमासी लावनी की (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० ब्रज वनिताओं की विरह दशा का वर्णन ।

प्रा० पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी) । → ३२–१६६ मी ।

बारहमासी विरहिनी (पद्य)—देवीप्रसाद (ब्राह्मण) कृत । र० का० सं० १६०५ । लि० का० सं० १६१२ । वि० श्रीकृष्ण के वियोग में गोपियों का विरह वर्णन ।

प्रा०—पं० रामसनेही मिश्र, मानिकखेड़ा, डा० फिसेरगंज (एटा) । → २६–८४ ए ।

बारहराशि को जन्म (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८६० । लि० का० सं० १८६१ । वि० आयु पर राशियों का प्रभाव वर्णन ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६–५६ (परि० ३) ।

बाराखड़ी (पद्य)—मोकमदास कृत । र० का० सं० १८३५ । लि० का० सं० १८४० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–२०५ ।

बाराखड़ी (पद्य)—रगयोज कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३२१ ।

बाराभावन (बारहभावना) (पद्य)—जगदीश (स्वामी) कृत । वि० जैन धर्मानुसार बारह भावनाओं का वर्णन ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–५५ ।

बारामासा (पद्य)—मनमुख कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२८२ ।

बारामासा या बारामासी→'बारहमासी' (कबीरदास कृत) ।

बारामासी (पद्य)—मंडन (मणिमंडन) कृत । वि० शृंगार ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२६५ ।

बारामासी (पद्य)—मुरलीदास कृत । वि० शृंगार ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३०२ ।

बाराहपुराण (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत । र० का० सं० १६२७ । वि० बाराह अवतार की कथा ।

(क) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—पं० हरिविष्णु, पुरवा बहादुरपुर, डा० पिहानी (हरदोई) ।→२६–६४ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं० रामनाथ शास्त्री, रामनगर, डा० सोरों (एटा) ।→२६–६.४ बी ।

बाराहसंहिता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव कृत) । वि० वाराह संहिता का अनुवाद ।

(क) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ बाई ।

(ख) प्रा० - श्री श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३–३५७ सी ।

बालअलि→'बालकृष्ण (नायक)' ('अवतार चेतावनी' आदि के रचयिता) ।

बालकदास—कदम के शिष्य । संभवतः कोई मुसलमान साधु ।

सामुद्रिक (पद्य)→२०-१० ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→०६–१३३ ।

बालकराम—भक्तमाल के अनुसार सुंदरदास जी के शिष्य और स्वा० दादूदयाल जी के पौत्र शिष्य । सं० १८६० के पूर्व वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→पं० २२-११; ३८–३; सं० ०१-१३२ ।

बालकराम - सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान ।

भक्तदामगुण चित्रणी टीका (पद्य)→२३-३२ ।

बालकराम (नयनसुख)—सं० १८७० के लगभग वर्तमान ।

बालचिकित्सा (पद्य)→२६–३६ ।

बालकराम विनोद नवरस (गद्यपद्य)—हरिप्रसाद कृत । वि० नौ रसों का वर्णन ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२–८२ ।

बालकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत) ।

बालकांड की टीका→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत) ।

बालकृष्ण—त्रिपाठी ब्राह्मण । पिता का नाम बलभद्र त्रिपाठी । बड़े भाई का नाम काशीनाथ त्रिपाठी ।

रसचंद्रिका (पद्य)→४१ -१५७ ।

बालकृष्ण—गोपी मिश्र के पुत्र । ओरछा (?) निवासी । राय रनजीत जू के पुत्र भागवानदास के आश्रित । सं० १७०५ में वर्तमान ।

रागरूपमाल (पद्य)→३२–१६ ।

बालकृष्ण—सं० १८०४ के लगभग वर्तमान ।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→२६–२६; दि० ३१-१० ।

बालकृष्ण—(?)

जानकीराममंगल (पद्य)—सं० ०४–२३७ ।

बालकृष्ण (नायक)—अन्य नाम रामकृष्ण चौबे और मानदास । बुंदेलखंड निवासी । चरणदास और पुरुषोत्तम के शिष्य । पन्ना नरेश अमानसिंह और हृदयसाहि के समय में कालिंजर के किलेदार । अंत में साधु होकर व्रज में रहने लगे । सं० १७९६–४६ के लगभग वर्तमान ।

अवतार चेतावनी (पद्य)→०६–१०० जे।
अष्टक (पद्य)→०६–१०० के।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)→२६–२२६।
कृष्णविलास (पद्य)→०६–१०० ए; ०६–१६५ ए।
ग्वालपहेली लीला (पद्य)→०६–६ बी; ०६–१०० एल।
ध्यानमंजरी (पद्य)→०६–६ ए; १७–१६ ए; २३–३३।
नायिकाभेद (पद्य)→०५–७७; ०६–१०० जी।
नेहप्रकाश (पद्य)→००–३५; १७–१६ बी; २०–६; सं० ०८–२३८।
परतीतपरीक्षा (पद्य)→०६–६ डी; ०६–२४८; पं० २२–६३ ए।
प्रेमपरीक्षा (पद्य)→०५–६ सी; पं० २२–६३ बी।
व्रजनाम की कथा (पद्य)→०६–१०० आई।
रामकूट विस्तार (पद्य)→०६–१६५ बी।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→०६–१०० एफ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→०६–१०० ई।
रुक्मिणीमंगल (दूसरो) (पद्य)→०६–१०० एच।
विनयपचीसी (पद्य)→०६–१०० बी।
स्फुट कवित्त (पद्य)→०६–१०० डी।
स्फुट पद (पद्य)→०६–१०० सी।

बालकृष्ण (भट्ट)—गोकुल निवासी।
वैद्यमातंग (पद्य)→१२–११।

बालकृष्ण (वैष्णव)—पूरा नाम बालकृष्णदास। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। गो० गिरधरदास के शिष्य। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
दृष्टिकूट के पद (गद्यपद्य)→००–६; ४१–५७३ (अप्र०); सं० ०१–२३७; सं० ०१–४६१ घ।

बालगुदाई—अन्य नाम बालनाथ, लक्ष्मण या लक्ष्मणनाथ। पूरा नाम बालगोविंद। गोरखनाथ की शिष्या विमलादेवी द्वारा प्रवर्तित आई पंथ के अनुयायी। गुरु का नाम संभवतः अजयपाल। तेरहवीं शताब्दी (?) में वर्तमान। इनके नाम से पंजाब में बालानाथ का टीला प्रसिद्ध है। 'सिद्धों की बाणी' में भी संगृहीत।→४१–१६; ४१–१५८।
सबदी (पद्य)→सं० १०–८८।

बालगोपाल चरित्र (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत। वि० कृष्णचरित्र।
(क) लि० का० सं० १८४१।
प्रा०—मन्नूलाल पुस्तकालय, गया।→२६–३६६ ए।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल शर्मा, दी यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–६८।

बालगोविंद—(?)

संस्कृत के कुछ पद्य खंडों पर सवैये (पद्य)→३८-२ ।

बालगोविंद—(?)

भागवत (पद्य)→२६-३५ ।

बालगोविंद->'बालगुदाई' (आई पंथ के अनुयायी) ।

बालगोविंद (वैष्णव)—गोंडवा निवासी । सं० १८०९ के पूर्व वर्तमान ।

भगवद्गीता (पद्य)->२६-३५/१ ।

बालचंद—अन्य नाम बालनदास । संभवतः सत्रहवीं शताब्दी के अंत में वर्तमान ।

स्वरोदय (पद्य)→२६-३० ।

बालचरित्र (पद्य)—देवीदास कृत । वि० श्रीकृष्णजी का बाल चरित्र ।

प्रा०—श्री बलवंतसिंह अध्यापक, बिरथला, डा० सैयाँ (आगरा) ।→२६-८३ ।

बालचरित्र (पद्य)—महावदास कृत । वि० श्रीकृष्ण की बाल लीलाएँ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-२८० ।

बालचिकित्सा (पद्य)—बालकराम (नयनसुख) कृत । र० का० सं० १८७० । लि० का० सं० १६१४ । वि वैद्यक ।

प्रा०—लाला रामप्रसाद पटवारी, देहटा, डा० तंबौर (सीतापुर) ।→२६-३६ ।

बालतंत्र (भाषा)→'स्त्री चिकित्सा' (दीपचंद कृत) ।

बालदास—संभवतः सं० १८४५ के पूर्व वर्तमान ।

साठिका (पद्य)→१२-१० ।

बालदास (बाबा)—एक सिद्ध माहात्मा । त्रिपाठी ब्राह्मण । जन्मस्थान जयनगरा (रायबरेली) । पिता का नाम नंदलाल । जन्म सं० १८०८ में और दीक्षा सं० १८२० में । पक्के वैष्णव तथा निर्गुण सगुण दोनों के प्रतिपादक । गुरु का नाम गायत्रीसहाइ । इनके पूर्वज दयालपुर में रहते थे, जहाँ से इनके पिता सोनिकपुर और फिर जयनगरा में बस गए । सं० १८४० के भीषण अकाल में इन्होंने एक स्त्री को अपना बच्चा काटकर पकाते और खाते हुए देखा, जिससे ये अत्यंत मर्माहत हुए । लोगों के कहने से अकाल का निवारण किया । हरिग्राम के राजा रामदेव द्विवेदी का पक्ष लेकर खीरी लखीमपुर के राजा और नवाबों को युद्ध में परास्त किया । सं० १८०८-४४ के लगभग वर्तमान ।

अहोरवाष्टक (पद्य)→२६-२४ डी ।

चिंताबोध (पद्य)→१७-१४; २६-२१ बी, सं० ०४-२३६ क, ख; सं० ०७-१३३ ।

बालपुरान (भागवत) (पद्य)→सं० ०४-२३६ ग ।

ब्रह्मवाद (पद्य)→२६-२१ ए ।

भागवत को अनुक्रमनी (पद्य)->सं० ०४-२३६ घ ।

मयनगो (?) (पद्य)→२६-२४ ए ।

मारकंडेयपुराण (पद्य)->सं० ०४-२३६ ङ ।

सवार्थपुराण (पद्य)→सं० ०४–२३६ च।

स्वरोदय तथा वेदांत (पद्य)→सं० ०४–२३६ ङ।

बालनदास→'बालचंद' ('स्वरोदय' के रचयिता)।

बालनाथ—'नाथसिद्धों की बानियाँ' (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी) के अनुसार बालनाथ, बालगुदाई, लक्ष्मण या लक्ष्मणनाथ एक ही हैं। गुरु का नाम अजैपाल।

सबदी (पद्य)→सं० १०–८:।

बालनाथ→'बालगुदाई' (आई पंथ के अनुयायी)।

बालपुरान भागवत (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १९५६। वि० कृष्ण का बालचरित्र वर्णन।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद, जैनगरा, डा० राजाफत्तेहपुर (रायबरेली)। → सं० ०५–२३६ ग।

बालबजरंगी चरित्र (पद्य) रचयिता अज्ञात। वि० हनुमान जी की उत्पत्ति का वर्णन।

प्रा०—पं० लल्लूप्रसाद महेरे, बाउथ, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३८–१६७।

बालबोध (पद्य)—जानकीदास कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, अठदमा रियासत (बस्ती)।→सं० ०४–१२५ घ।

बालबोधनी (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री बलभद्र मिश्र, सिरजम, डा० गौरीबाजार (गोरखपुर)। → सं० ०१-५४४।

बालबोधनी→'विनयपत्रिका तिलकम' (गंगाप्रसाद व्यास कृत)।

बालमीकि रामायण बालकांड की सुखबोधनी टीका (गद्य)—वैद्यनाथ (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १९२३। लि० का० सं० १९२४। वि० बालमीकि रामायण का अनुवाद।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ। →सं० ०८–१८२।

बालमुकुंद—ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद) निवासी। संभवतः सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→ ६–३७।

बालमुकुंद—ब्राह्मण। जगनेर निवासी।

निघंट (भाषा) (पद्य)→२६–२८।

बालमुकुंद—शालिग्राम के पुत्र और अलिरसिकगोविंद के भाई। जयपुर निवासी। इन्हीं के पुत्र नारायण के लिये गोविंद ने 'गोविंदानंदघन' की रचना की थी। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।→०६–१२२; १२–६५।

बालमुकुंद लीला (पद्य)—भीष्म(कवि) कृत। वि० भागवत (दशमस्कंध पूर्वार्द्ध) का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१२ ।

बाललीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० श्रीकृष्ण की बाललीला ।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर त्रिपाठी, बाह (आगरा) ।→२६–६५ डी ।

बालविनोद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १८०६ । वि० कृष्ण की बाललीला ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२८ ।

बालविवेक (पद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत । वि० वि० ज्योतिष ।

प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुरा, दतिया ।→०६–२६७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

बालसनेहीदास—ब्रज निवासी कोई गोसाईं ।

सहजमान लीला (पद्य)→१२–१२ ।

बाल्मीकि रामायण(पद्य)- कलानिधि कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

बालकांड

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-६३ बी ।

युद्धकांड

(ख) लि० का० सं० १८२० ।

प्रा०—हिंदी साहित्य सामिति, भरतपुर ।→१७–६३ सी ।

लंकाकांड

(ग) प्रा०—पं० मदनलाल, गली कसेरान, रामदास मंडी, मथुरा । → ३८-१४६ ।

उत्तरकांड

(घ) लि० का० सं० १८२८ ।

प्रा०--दी ब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-६३ डी ।

बाल्मीकि रामायण (पद्य)– केसरीसिंह कृत । र० का० सं० १५२७ । लि० का० सं० १८८० । वि० रामचरित ।

प्रा०—श्री रायकृष्णदास, कलाभवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । → सं० १०–१८ ।

बाल्मीकि रामायण (भाषा) (पद्य)—विष्णुदास कृत । लि० का० सं० १८०७ से पूर्व । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२५४ ।

बाल्मीकि रामायण (श्लोकार्थ प्रकाश) (पद्य)—गणेश (कवि) कृत । वि० संपूर्ण बालकांड तथा सुंदरकांड के पाँच अध्यायों का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–२४ ।

बावनअखरी (पद्य)—लोधेदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० देवीदत्त पांडेय, अहियागंज टाटपट्टी, लखनऊ ।→सं० ०७–१७८ ।

बावनअच्छरी छै ढाल (पद्य)—अन्य नाम 'संबोध पंचासिका'। द्यानतराय कृत। र० का० सं० १७६८। वि० उपदेश।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-५८ सी।

बावनचाल रूपदीप पिंगल (पद्य)—रूपदीप (कटारियो) कृत। र० का० सं० १७७२। लि० का० सं० १९१७। वि० पिंगल।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-७३।

बावनबृहदपुराण की भाषा (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० व्रज की गोपियों का माहात्म्य।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-१४।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०९-७३ एच।

बावन सवैया (पद्य)—बनारसीदास कृत। र० का० सं० १६८६। वि० जैन धर्म विषयक उपदेश।

प्रा०—पं० कालिकाप्रसाद, रुस्तमपुर, राजेपुर (उन्नाव)।→२६-३९ ए।

बावनीजोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२९९ ठ।

बावनी रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५-४९ एफ।

बावनीलीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३५-७४ एल।

बावरी साहबा—निर्गुणपंथी मुसलमान महिला। सत्यनामी पंथ की प्रवर्तिका। दयानंद जी की शिष्या। सत्यनामी पंथ के विशेष प्रचारक बुल्लासाहब के शिष्य जगजीवनदास इन्हीं की शिष्य परंपरा में थे। संभवतः मुगल सम्राट् अकबर के पूर्व वर्तमान। →४१-१७१।

बावरी साहबा के शब्द (पद्य)→४१-१५९।

बावरी साहबा के शब्द (पद्य)—बावरी साहबा कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० ज्ञान।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१५९।

बावेनानकदीयाँ बेंतालीस→'सिहरफी' (गुरु नानक कृत)।

बाहुप्रकाशिका (गद्यपद्य)—जुगलदास कृत। र० का० सं० १९०८। लि० का० सं० १९०८। वि० तुलसी कृत हनुमानबाहुक की टीका।

प्रा०—राजा भगवानबक्शसिंह जी, अमेठी (सीतापुर) ।→२३-१६६ ।

बाहुक या बाहुक विनय→'हनुमानबाहुक' (गो० तुलसीदास कृत) ।

बाहुकस्तोत्र→'हनुमानबाहुक' (गो० तुलसीदास कृत) ।

बाहुविलास (पद्य)—राजसिंह (महाराणा) कृत । वि० श्रीकृष्ण और जरासिंध के युद्ध का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १७६२ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०१-७४ ।

(ख) लि० का० सं० १८२७ ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-३३३ ।

बाहुसर्वांग (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१३ ।

बिंद्रावन (वृंदावन)—गुरु का नाम उदादास ।

नौनिधि (पद्य)→सं० ०७-१३४ ।

बिरहुली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६६२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद दुकानदार, अगरथाल, डा० जैंत (मथुरा) । → ३५-४६ जे ।

बिसनदास (जन)—(?)

पांडवसत (पद्य)→३८-१६१ ।

बिसराम—सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।

मानलीला (पद्य)→२६-६६ ए, बी ।

सांगीत लैलामजनूँ (पद्य)→२६-५६ सी ।

बिसातिन लीला (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० श्रीकृष्ण का बिसातिन के रूप में राधा के पास जाना ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—ठा० श्याममनोहरसिंह, मुबारकपुर, डा० भगराहर (उन्नाव) । → २६-३५५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—लाला भक्तराम, बनैला, डा० गुलजारपुर (उन्नाव) ।→२६-३५५ बी ।

(ग) प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी ।→०६-२३६ बी ।

बिसातिन लीला (पद्य)—सूरदास कृत । वि० श्रीकृष्ण का बिसातिन लीला का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८३१ ।

प्रा०—ठा० हरिसिंह रघुवंशी, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़) । → २६-३१६ जे ।

(ख) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—श्री दूधनाथ चौबे, पीथापुर, डा० अमरगढ़ (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-४२० ख ।

(ग) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—लाला रामनारायण, नसीरपुर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६-४७१ बी ।

(घ) प्रा०—श्री गणेशीलाल, ग्राम तथा डा० जैतपुर कलाँ (आगरा) ।→ २६-३१६ के ।

बिहारिनदास—ब्राह्मण । वृंदावन निवासी । स्वामी हरिदास के अनुयायी । विट्ठल-विपुल (विट्ठलनाथ गोसाँई) के शिष्य । दिल्ली के शाही दीवान । अनंतर विरक्त हो गये थे । अपने गुरु के बाद ये ही गद्दी के अधिकारी हुए थे । सरसदास और नागरीदास के गुरु । सं० १६३० के लगभग वर्तमान । → ०५-३१; ०६-२२६; २३-२६१ ।

बिहारिनदास की बानी (पद्य)→०५-६१; १२-२७; २६-५२; ३८-१६ ।

समयप्रबंध (पद्य)→०६-३१; २३-६४ ।

बिहारिनदास की बानी (पद्य)—बिहारिनदास कृत । र० का० सं० १६३० । वि० शृंगार आदि ।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५-६१ ।

(ख) प्रा०—गोरेलाल की कुंज, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-२७ ।

(ग) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी, घेरा राधारमण, वृंदावन (मथुरा) । → २६-५२ ।

(घ) प्रा०—मंदिर श्री ठाकुर रसिक बिहारी जी, वृंदावन (मथुरा) ।→३८-१६ ।

बिहारिनदेव→'बिहारिनदास' (वृंदावन निवासी) ।

बिहारी—जन्मकाल सं० १७६६ । सं० १८२० के लगभग वर्तमान ।

नखशिख रामचंद्रजू को (पद्य)→०६-३०; १२-२५ ।

बिहारी→'बिहारीलाल' (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि) ।

बिहारीदास—जैन । आगरा निवासी । सं० १७५८ के लगभग वर्तमान ।

संबोधिपंचाशिका (भाषा) (पद्य)→००-११६ ।

बिहारीदास—इन्होंने बिहारी के दोहों पर कवित्तों की रचना की थी ।

राधाकृष्ण कीर्ति (गद्यपद्य)→१७-२८ ।

बिहारीदास (?)—संभवतः जैन ।

कृष्ण ब्रजलीला (पद्य)→३२-२८ ।

बिहारीदास—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (चच्चीस)।

बिहारीरमणेश (रमणबिहारी)—कनकभवन (अयोध्या) के महंत रसिकेश के शिष्य।
रामायण माहात्म्य (पद्य)→सं० ०१-२४०।

बिहारीलाल— हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि। माथुर चौबे। ग्वालियर के पास बसुआ गोविंदपुर में लगभग सं० १६६० में जन्म। जयपुर नरेश जयसिंह मिर्जा के आश्रित। कृष्ण कवि के गुरु। →०१-५२; २३-२२२; दि० ३१-५१।
बिहारी सतसई (पद्य)→००-११५; ०१-२७, ०२-८; २०-२० ए, बी; पं० २२-१४; २३-६२ ए से जी तक; २६-६८ ए से ई तक; २६-५३ ए, सी; दि० ३१-१३ ४१-५२६ क, ख (अप्र०)।

बिहारीलाल—सनाढ्य ब्राह्मण। बाह (आगरा) के निवासी। सं० १९०२ के पूर्व वर्तमान।
रसप्रक्रिया (गद्य)→२९-५४।

बिहारीलाल—बुंदेलखंड निवासी। सं० १८१५ के लगभग वर्तमान।
हरदौलचरित्र (पद्य)→०५-६२।

बिहारीलाल—सं० १८६९ के पूर्व वर्तमान।
गजेंद्रमोक्ष कथा (पद्य)→३२-२९।

बिहारीलाल (अग्रवाल)—कोसीकलाँ (मथुरा) निवासी। गुरु का नाम दरबारीलाल। किसी दरबारी सुकवि से पिंगल की शिक्षा पाई थी। सं० १९२३ में वर्तमान।
गंगाशतक (पद्य)→३२-३० बी।
छंदप्रकाश (पद्य)→३८-१५।
दोषनिवारण (पद्य)→३२-३० ए।
नामप्रकाश (पद्य)→३५-४५।

बिहारीलाल (याज्ञिक)—गुर्जर ब्राह्मण। सं० १९२६ के लगभग वर्तमान।
महिम्न (भाषा) (गद्यपद्य)→२३-६३।

बिहारीवल्लभ—भगवतरसिक के शिष्य। पहले कालिंजर और बाद में ब्रज के निवासी। सं० १६३२ के लगभग वर्तमान। →००-३४; २०-२०।
बिहारीवल्लभ की बानी (पद्य)→१२-२६।
भगवतरसिक की प्रशंसा (पद्य)→०६-१३९।

बिहारीवल्लभ की बानी (पद्य)—बिहारीवल्लभ कृत। वि० ईश्वर और भक्त माहात्म्य तथा भगवतचरित वर्णन।
प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२-२६।

बिहारी सतसई (पद्य)—बिहारीलाल कृत। र० का० सं० १७०७। वि० शृंगार रस, नायिकाभेद और नीति भक्ति आदि के सात सौ दोहों का संग्रह।

(क) लि० का० सं० १७६५ (?)।

प्रा०—पं० ललिताप्रसाद दीक्षित, जगनेर (आगरा)।→१६–५३ सी।

(ख) लि० का० सं० १७७४।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, चँदनिया, फतहपुर।→२०–२० ए।

(ग) लि० का० सं० १७७५।

प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, लखनऊ।→०१–२७।

(घ) लि० का० सं० १७८०।

प्रा०—पं० शशिशेखर शुक्ल, शिवलालराम पंडित का पुरवा, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर)।→२३–६२ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५२६ क (अप्र०)।

(च) लि० का० सं० १७८६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५२६ ख (अप्र०)।

(छ) लि० का० सं० १८१४।

प्रा०—पं० श्यामविहारी पांडे, चौक बाजार, बहराइच।→२३–६२ बी।

(ज) लि० का० सं० १८२८।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–६८ ए।

(झ) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—मुंशी व्रजमोहनलाल साहब, टेकवाँ (प्रतापगढ़)।→२६–६८ बी।

(ञ) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—बाबू व्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी।→२०–२० बी।

(ट) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—भैया संतबक्ससिंह, गुठवा (बहराइच)।→२३–६२ सी।

(ठ) लि० का० सं० १८९८।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सांकरी, डा० तंबोर (सीतापुर)।→२६–६८ सी।

(ड) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, मिर्जालेन, ११८, लाटूश रोड, लखनऊ।→२३–६२ डी।

(ढ) लि० का० सं० १९०९।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–६८ डी।

(ण) लि० का० सं० १९४१।

प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३-६२ ई ।

(त) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००-११५ ।

(थ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८ ।

(सं० १८०३ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है) ।

(द) प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सराय खीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर) ।→२३-६२ एफ ।

(ध) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-६२ जी ।

(न) प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलन टोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-६८ ई ।

(प) प्रा०—पं० कैलाशपति सेंगुरिया, बिजौली, डा० बाह (आगरा) । →२६-५३ ए ।

(फ) प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली । →दि० ३१-१३ ।

(ब)→पं० २२-१४ ।

बिहारी सतसई (पद्य)—राम (कवि) कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० बिहारी के दोहों का विषयानुसार वर्गीकरण ।

प्रा०—पं० मोहनवल्लभ पंत, किशोरीरमण कालेज, मथुरा । →३८-११६ ।

बिहारी सतसई (पद्य)—अन्य नाम 'सप्तसतिका' । हरजू (सुकवि) कृत । वि० नायिका भेद के अनुसार बिहारी सतसई का संपादन ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३१२ ।

(ख) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१-४७७ ।

बिहारी सतसई (गोवर्द्धन सतसैया को सार) (पद्य)—कान्ह और व्यास कृत । लि० का० सं० १७८७ । वि० बिहारी सतसई का अकारादि क्रम से संपादन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०२-३६ ।

बिहारी सतसई की टीका (गद्य)—गजनंद कृत । र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १८६८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल महापात्र, डा० असनी (फतेहपुर) । →२०-३ ।

बिहारी सतसई की टीका (पद्य)—राधाकृष्ण (चौबे) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०६-६६ ।

(सं० १८५१ की एक प्रति उपर्युक्त पुस्तकाधिकारी के पास और है) ।

(ख) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—पं० सकठाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर) । →२६-३६५ ।

बिहारी सतसई की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४७८।

बिहारी सतसई की टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबू जयमंगल राय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर। → २६–६० (परि० ३)।

बिहारी सतसई की टीका→'अमरचंद्रिका' (सूरति मिश्र कृत)।

बिहारी सतसई की टीका→'सतसैया वरनार्थ (ठाकुर कवि कृत)।

बिहारी सतसई की टीका→'हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई)' (हरिचरणदास कृत)।

बिहारी सतसई की टीका (संस्कृत में)—आत्माराम कृत। र० का० सं० १८८१।
वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२-६।

बिहारी सतसई सटीक (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८२४।

प्रा०—ठा० नारायणसिंह, हुसेनपुर, डा० पैनेपुर (सीतापुर)।→२६–२४८ ए।

(ख) लि० का० सं० १८३७।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–५२।

(ग) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३–२३–२२२ ए।

(घ) प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–२४८ बी।

(ङ) प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–२०५ ए।

बिहारी सतसई सटीक (गद्यपद्य)—मानसिंह कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—चारण चालकदान जी, खाट (जोधपुर)।→०१–७५।

बीजक (पद्य)—अन्य नाम 'कबीरबीजक' और 'बीजकरमैनी'। कबीरदास कृत। र० का० सं० १७७५ के लगभग। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२४ अ।

(ख) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—पं० दाताराम, श्री कबीर जी की शाला, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)।
→२६–१७८ डी।

(ग) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–११ द।

(घ) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—महंत जवाहिरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच)। → २३-१६८ आई।

(ङ) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—मुंशी श्रीनारायण श्रीवास्तव, धौलपुर, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→ २६--१७८ एफ।

(च) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—बाबा सुदर्शनदास आचार्य, गोंडा।→२०-७४ ए।

(छ) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)→०६-१४३ एल।

(ज) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३-१६८ जे।

(झ) प्रा०—पं वेदनिधि चतुर्वेदी, पारना (आगरा)।→२६-१७८ ई।

बीजक (दरिया साहब) (पद्य)—दरिया साहब कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→ ६-५५ डी।

बीजक चिंतामणि (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० सुरति तथा अनहद शब्द की महत्ता।

प्रा०—ठा० मुलूसिंह,कुड़ाखर, डा० बलरई (इटावा)।→३१-४६ एच।

बीजक रमैनी→'बीजक' (कबीरदास कृत)।

बीज ग्रंथ (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८६८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत जवाहरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच)। → २३ १११ बी।

बीजमंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७६। वि० मंत्र।

प्रा०—श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल, गड़ियाहूँ बाजार, जौनपुर। → सं० ०४-४७६।

बीझैसोरणो रा दुहा (पद्य)—सोहरण कृत। वि० बीझै और सोरठी का संवाद।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२२४।

बीतक (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० धामी पंथ के सिद्धांत।

प्रा० श्री महंत जी, रजनौली मठ, डा० सिरसी (बस्ती)।→सं० ०४-२१८ ग।

बीर→'वीर' ('प्रेमदीपिका' के रचयिता)।

बीरबल (राजा)—वास्तविक नाम राजा महेशदत्त। उप० ब्रह्म कवि। अकबरी दरबार के प्रसिद्ध रत्न। इनके प्रहसन और चुटकुले प्रसिद्ध हैं।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२३-६७।

बीरूसाहब—दिल्ली निवासी। मुसलमान। निर्गुण मतानुयायी यारी साहिब के शिष्य।

बीरूसाहब के शब्द (पद्य)→४१-१६१।

बीरूसाहब के शब्द (पद्य)—बीरूसाहब कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० आध्यात्मिक ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१६१।

बीस गिरोहों का बाब (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० मुसलमानों की धार्मिक पुस्तकों की शिक्षाप्रद कहानियाँ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-६० सी।

बीस ग्रंथ टीका (गद्य)—वल्लभाचार्य कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के बीस संस्कृत ग्रंथों की टीका।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल, (मथुरा)।→३२-२२८।

बीस बिहरमान पाठ (पद्य)—थानमल (जैन) कृत। र० का० सं० १६३४। लि० का० सं० १६८४। वि० बीस बिरहमन जी की पूजा।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–५४।

बीसलदेव (राजा)—अजमेर के चौहान महाराज विग्रहराज चतुर्थ का दूसरा नाम। पृथ्वीराज चौहान के पूर्वज। नरपतिनाल्ह और सोमदेव ('ललितविग्रहराज नाटक' संस्कृत ग्रंथ के रचयिता) के आश्रयदाता। सं० १२१०–१२२० के लगभग वर्तमान।→००–६०।

बीसलदेवरासो (पद्य)—नरपति नाल्ह कृत। र० का० सं० १२१२ (१३५५ ?)। लि० का० सं० १६६६। वि० राजा बीसलदेव का चरित्र।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–६०।

बीसा जी—कोई वैष्णव भक्त। संभवतः पश्चिमी राजस्थान निवासी।

पद (पद्य)→सं० १०-६०।

बुंदेलवंशावली (पद्य)—शाह जू (पंडित) कृत। र० का० सं० १८८८। वि० बुंदेलखंड के राजाओं की वंशावली।

प्रा०—गो० गोविंददास, दतिया।→०६–१०७ बी।

बुढ़ियालीला (पद्य)—वीरभद्र कृत। वि० कृष्ण का बुढ़िया बनकर गोपियों को उपदेश देना।

प्रा०–ठा० मोहरसिंह जाट, रार, डा० बरसाना (मथुरा)।→३५ १०५।

बुद्धसिंह (रावराजा)—बूँदी नरेश राजा अनिरुद्धसिंह के पुत्र। सिंहासनारोहण काल सं० १७६४। कृष्ण कवि (कलानिधि) के आश्रयदाता। सं० १७८४ के लगभग वर्तमान।→००–८३; १२–१७६; १७–६३।

स्नेहतरंग (पद्य)→३८-१६।

बुद्धसिंहवंस भास्कर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६००। वि० वंशावली।

प्रा०—सरदार भूरासिंह पंजाबी, बरला (अलीगढ़)।→२६–३५४।

बुद्धिदाइक (पद्य) जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ स।

बुद्धिदीप (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०–हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ स।

बुद्धिपरीक्षा (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत । र० का० सं० १८२६ । वि० पहेलियाँ ।

प्रा०—श्री मगन उपाध्याय भट्ट, मथुरा ।→१७-७८ बी ।

बुद्धिप्रकाश (पद्य)—हुलासराय कृत । र० का० सं० १८०० । लि० का० सं० १६२३ । वि० पिंगल, नायिकाभेद इत्यादि ।

प्रा०—पं० मथुराप्रसाद मिश्र, रामनगर, अमेठी (बाराबंकी) ।→२३-१७० ए ।

बुद्धिविलास (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० देवी देवताओं की स्तुति ।

प्रा०—पं० गिरजाशंकर, मोतीपुर, डा० अलीगंज (खीरी) ।→२६-१२५ ए ।

बुद्धिविलास (पद्य)—मोहनदास कृत । वि० उपदेश और कृष्णभक्ति ।

प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा) ।→३८-६६ ।

बुद्धिविलास (पद्य)—रामहरी (जौहरी) कृत । र० का० सं० १८३२ । वि० कृष्ण की वंदना तथा उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३२ ।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—बाबा वंशीदास, नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा) ।→ ४१-५५४ (अप्र०) ।

बुद्धिवृद्धि (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८५ । लि० का० सं० १६४० । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ बी ।

बुद्धिसागर (पद्य)—अन्य नाम 'मधुकरमालती की कथा' । जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६६१ । लि० का० सं० १७७८ । वि० मधुकर और मालती की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१ १२६ श ।

बुद्धिसिंह—अन्य नाम बुधदेवसिंह । कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।

सभाप्रकाश (पद्य)→०६-१७; ४१-५२७ (अप्र०) ।

बुद्धिसेन→'बोधा' (राजापुर निवासी) ।

बुध (कवि)—काशी निवासी । सं० १८१७ के लगभग वर्तमान ।

ज्योतिष विचार (पद्य)→२६-७३ ए, बी, सी ।

बुध कथा (?) (पद्य)—गिरधरदास (गोपालचंद) कृत । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

(क) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—सेठ जयदयाल ताल्लुकेदार, कटरा, सीतापुर ।→१२-६० बी ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४८८ (अप्र०) ।

बुधचातुरी विचार (पद्य)—रतन (कवि) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० बुद्धि की चतुराई के भेद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-९८ ।

बुधजन—जैन । जयपुर राज्य के निवासी । सं० १८५६-१८९५ के लगभग वर्तमान ।

छैढालो (पद्य)→सं० ०४-२४० ।

देवानुराग सतक (पद्य)→२६-६१ ।

बुधजन सतसई (पद्य)→२६-७४ ।

योगींद्रसार (भाषा) (पद्य)→ ०-११८ ।

बुधजनदास→'बुधजन' (छैढालो' आदि के रचयिता) ।

बुधजन सतसई (पद्य)—बुधजन कृत । र० का० सं० १८९५ । लि० का० सं० १९०५ । वि० भगवान की महिमा और भक्ति ।

प्रा०—लाला प्रभुदयाल, आलमनगर, लखनऊ ।→२६-७४ ।

बुधदेवसिंह→'बुद्धिसिंह' ('सभाप्रकाश' के रचयिता) ।

बुधविलास→'बुद्धिविलास' (रामहरी जौहरी कृत) ।

बुधानंद—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । →०२-६४ (पाँच) ।

बुनिबिया साहब (डाक्टर)—किसी समय इटावा जिले के इम्पीरियल अस्पताल के सिविल सर्जन ।

दवाओं की किताब (गद्य)→३२-३५ ।

बुरहान—चिश्ती संप्रदाय के फकीर । सहसराम (बिहार) निवासी । मलिकमुहम्मद जायसी और कुतबन शेख के गुरु । जौनपुर के बादशाह के समकालीन । सं० १५६६ के पूर्व वर्तमान ।→००-४; ००-५४ ।

बुरहानउद्दीन जानाँ (शाह)—सूफी । सं० १६६५ के पूर्व वर्तमान ।

इरशादनामा (गद्यपद्य)→४१-१६३ ।

कशफुलवजूद अर्थात ब्रह्मनिरूपण (पद्य)→४१-१६२ क ।

मुनफातुलइमान (पद्य)→४१-१६२ ख ।

बुलाकराम—मथुरा निवासी । सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान ।

गरुणपुराण (गद्य)→१२-३३ ।

बुलाकीदास—अन्य नाम बूलचंद । जैन मतावलंबी । गोयलगोत्रीय अग्रवाल वैश्य । माता पिता के नाम क्रमशः जैनुलदे और नंदलाल । पितामह और पितामही के नाम क्रमशः श्रवनदास और आनंदी । प्रपितामह का नाम प्रेमचंद । गुरु का नाम अरुनरतन, जो गढ़गोपाचल (ग्वालियर) के निवासी थे । मूलस्थान बयानो

नगर (मध्यदेश) । जन्मस्थान आगरा (जहानाबाद) । अनंतर दिल्ली में निवास । बादशाह औरंगजेब के समकालीन । सं० १७५८ के लगभग वर्तमान ।

जैनचौबीसी (पद्य)→३२-३४ ए ।

पांडवपुराण कथा (पद्य)→३२-३४ सी; सं० ०४-२३१; सं० १०-६१ क ।

श्रावकाचार (पद्य)→२३-७१; सं० १०-६१ ख ।

श्रीमन्महाशीलाभरणभूषित (?) (पद्य)→३२-३४ बी ।

बुलाकीनाथ (बाबा)—गौतम गोत्र के सेंगर ठाकुर । मुरतानपुर (बलिया) निवासी । सिद्ध महात्मा । जोधसिंह के पुत्र । जुड़ावन परबत के शिष्य । संभवतः सं० १८०७ में वर्तमान ।

गीताज्ञान सागर (पद्य)→४१-१६४ ग ।

रामायण (पद्य)→४१-१६४ क, ख ।

बुलाकीराम→'बुल्ला साहब' (यारी साहब के शिष्य) ।

बुल्ला साहब—वास्तविक नाम बुलाकीराम । कुनबी । यारीसाहब के शिष्य । भुरकुड़ा (गाजीपुर) निवासी । जगजीवनदास और गुलाल साहब के गुरु । सं० १८०० के पूर्व वर्तमान ।

शब्दसार (पद्य)→२०-२३ ।

साखी (पद्य)→४१-१६५ ।

बूटीसंग्रह वैद्यक (गद्य)—सुखराम कृत । र० का० सं० १६०० । लि० का० सं० १६१४ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० रामनाथ वैद्य, दातागाँव, डा० खैर (अलीगढ़) । →३२-२०६ ।

बूढ़ाचार्यो (पद्य)—नंदपरतिप कृत । र० का० सं० १८३२ । लि० का० सं० १६११ । वि० उपदेश ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१०७ ।

बूलचंद→'बुलाकीदास' ('पांडवपुराण कथा' आदि के रचयिता) ।

बूलचंद (जैन)- जन्पथनगर (?) निवासी । गुरु का नाम उग्रसेन । इनके तीन मित्र थे—टंडीराम, अल्लाम और जलसहाय ।

परदवनचरित्र (भाषा) (पद्य)→सं० १०-६२ ।

बृहज्जातक और राजमूक प्रश्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७४४ । वि० फलित ज्योतिष ।

प्रा०—श्री दिवाकरराय भट्ट, गुलेर (काँगड़ा) ।→०३-२ ।

बृहद्बावन पुराण की भाषा→'बावनबृहद्पुराण की भाषा' (ध्रुवदास कृत) ।

बेइली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६६२ । वि० कबीर दर्शन ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद अग्रवाल, डा० जैत (मथुरा) ।→३५-४६ जी ।

बेगुनदास→'सिपहदार खाँ' ('पदमाला श्री जगन्नाथ जी' के रचयिता) ।

बेधा (?)—गुरु का नाम शिवलाल मिश्र। दादागुरु का नाम सुखदेव मिश्र, जो हिंदी के प्रसिद्ध कवि थे। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

कवित्त संग्रह (पद्य)→सं० ०४–२४२।

बेन (वैद्य)→'बेनीप्रसाद (त्रिपाठी)' ('लोलिमराज' के रचयिता)।

बेनी (कवि)—बैंती (रायबरेली) निवासी। बैसवाड़ा (रायबरेली) के खूबचंद कायस्थ और अवध के नवाब के मंत्री राजा टिकैतराय (लखनऊ निवासी) के आश्रित। सं० १८४६–७४ के लगभग वर्तमान।

टिकैतराय प्रकाश (पद्य)→०६–१४; २३–३८ सी; सं० ०४–२४३ ख।

यशलहरी (पद्य)→२३–३८ बी।

रसविलास (पद्य)→१२–१६; २३–३८ ए; सं० ०४–२४३ क।

बेनी (कवि)—असनी (फतेहपुर निवासी। निहचलसिंह के आश्रित। स० १८१७ के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→०३ ८६।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२३–३७।

रसमय (ग्रंथ) (पद्य)→०३–१२२; ०४–५२।

शृंगार (पद्य)→०३–६२।

बेनी (कवि)—भिंड (ग्वालियर) निवासी। खगेश के पुत्र।

शालिहोत्र (पद्य)→०६–१३५।

बेनीप्रवीन—वाजपेयी ब्राह्मण। लखनऊ निवासी। अवध के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के समकालीन। लखनऊ के राजा दयाकृष्ण के पुत्र नवलकृष्ण (नवलराय) एवं हित हरिवंश के वंशज वंशीलाल के आश्रित। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

नवरसतरंग (पद्य)→०६–१६; २०–१३; २३–४०; २६–४५।

बेनीप्रसाद—उप० प्रसाद। महाराज छत्रसाल के पुत्र राजा जगतराज के आश्रित। सं० १७६५ के लगभग वर्तमान।

रसशृंगार समुद्र (पद्य)→१७–२१।

बेनीप्रसाद (त्रिपाठी)—उप० बेन वैद्य। स० १ ६६ में वर्तमान। संभवतः शालिहोत्र के रचयिता बेनी कवि भी यही हैं।→०६–१३५।

लोलिमराज (पद्य)→२६–३१ ए, बी।

बेनीबख्श—राजपूत। जिला सीतापुर के निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)→१२–१७, २६–४२।

बेनीमाधव (?

बारहमासी (पद्य)→२६–४३; २६–४७१ ओ; सं० ०१–४६४ क, ख।

बेनीमाधव की बारहमासी→'बारहमासी' (बेनीमाधव कृत)।

बेनीमाधवदास (बाबा)—गो० तुलसीदास के शिष्य। सं० १६८७ के लगभग वर्तमान।

गोसाईंचरित (मूल) (पद्य)→२६–४४।

बेनीराम—जैन। दयाराम के शिष्य। खतरगच्छ निवासी। पीपाड़ (जोधपुर) के जागीरदार राठौर के आश्रित। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।

जिनरस (पद्य)→०१–१०६।

बेलरा→'श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी वेलि' (पृथ्वीराज राठौर कृत)।

बैजनाथ—नऊआडीह (बादशाहपुर के उत्तर, जौनपुर) के निवासी। त्रिपाठी ब्राह्मण। दिनेश के पुत्र। बादशाहपुर के बाबू सीताराम के आश्रित। सं० १६१४ के लगभग वर्तमान।

गोपीबिरह (पद्य)→२६–२४ ए; सं० ०४–२४४।

कामविलास (पद्य)→२६–२४ बी।

टि० खो० वि० सं० ०४ ३७१ के वैद्यनाथ प्रस्तुत रचयिता ही प्रतीत होते हैं।

बैजनाथ—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। ऐशबाग (लखनऊ) निवासी। पिता का नाम भवानीदत्त। सं० ११३० के लगभग वर्तमान।

वालमीकि रामायण बालकांड की सुखबोधनी टीका (गद्य)→सं० ०७–१८२।

संस्कृत भक्तमाल की टीका (गद्य)→सं० ०७–१३५।

बैजनाथ—अन्य नाम वैद्यनाथ। सं० १६२१ के लगभग वर्तमान।

शारंगधर सुधाकर (गद्यपद्य)→सं० ०४–२४५ क, ख।

बैजनाथ—(?)

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)→सं० ०१–२४१।

बैजनाथ→'वैद्यनाथ' ('श्रीकृष्ण खंड' के रचयिता)।

बैजनाथ (कूर्म)—मानपुर डेहवा (बाराबंकी) के निवासी। सं० १६३५ में वर्तमान।

काव्यकल्पद्रुम (गद्य)→१६–२०।

बैजू—संभवतः ग्वालियर निवासी। सं० १८८० के पूर्व वर्तमान।

मतिबोधिनी (पद्य)→३२–१० बी।

मनमोहनी (पद्य)→३२–१० ए।

बैजू (कवि)—सं० १८७१ के लगभग वर्तमान।

कवित्त संग्रह (पद्य)→२६–२५।

बैत सरमद की (पद्य)—सरमद (महम्मद औलिया) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२७६; सं० ०१–४४३।

बैतहाफिज साहिब (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सूफी मतानुसार अध्यात्म।

प्रा०—सर्वोपकारक पुस्तकालय, सुरीर (मथुरा)।→३२–२३५।

बैताल (कवि)—(?)

बैतालपचीसी (पद्य)→२६–२७।

बैतालपचीसी (पद्य)—देवीदत्त कृत। र० का० सं० १८१२। वि० संस्कृत ग्रंथ 'बैतालपचीसी' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५–२७ ।

(ख)→पं० २२–२६ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—प्रह्लाद कृत । र० का० सं० १७६१ (?) । वि० संस्कृत ग्रंथ बैताल पचीसी का अनुवाद ।→पं० २२–८५ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—बैताल (कवि ?) कृत । लि० का० सं० १७६८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६–२७ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—भवानीशंकर कृत । र० का० सं० १८७१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—दरबार पुस्तकालय, रीवाँ ।→०१–१२ ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री अंबिकाप्रसाद, रामापुरा, वाराणसी ।→०६–२६ (रचयिता की स्वहस्तलिखित प्रति) ।

टि० खो० वि० ०६–२६ में भूल से रचयिता का नाम भवानीसहाय माना गया है ।

बैतालपचीसी (पद्य)—मनिकंठमनि कृत । र० का० सं० १७८२ । वि० संस्कृत ग्रंथ बैतालपचीसी का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—श्री सरजू स्वर्णकार, डेहमा (गाजीपुर) ।→सं० ०१–२२३ ।

(ख) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२७३ क ।

(ग) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—श्री चंद्रचूड़मणि त्रिपाठी, भिरजम, डा० गौरीबाजार (गोरखपुर) ।→सं० ०१–२७३ ख ।

(घ) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–२६६ ।

(ङ) प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़) । →४१–१४७ ।

टि० खो० वि० सं० ०१–२२३ में भूल से फकीरसिंह को रचयिता मान लिया गया है ।

बैतालपचीसी (पद्य)—मानिक (कवि) कृत । र० का० सं० १५४२ । लि० का० सं० १७६३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामनारायण, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–१४२ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १८०६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८२६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–४२१ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—लाला मोहनलाल हलवाई, नवाबगंज, बाराबंकी ।→२३–३७१ ई ।

(ग) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—ठा० वसंतसिंह, अड्व, डा० शाहमऊ (रायबरेली) ।→२३–३७१ एफ ।

(घ) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६–२३४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ङ) प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर ।→सं० ०१–४०८ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—शिवरत्न (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला शिवदयाल, बरखेड़वा, डा० टड़ियावाँ (हरदोई) ।→२६–३१४ ।

बैतालपचीसी (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८२३ ।

प्रा०—श्री गंगादीन गंगापुत्र, बसीरपुर, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६–४७४ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—ठा० रतनसिंह, जयसिंह का खेड़ा, डा० हौरा (उन्नाव) ।→२६–४७४ सी ।

(ग) लि० का० सं० १९०८ ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद अवस्थी, बिल्होर (कानपुर) ।→२६–४७४ डी ।

(घ) लि० का० सं० १९२४ ।

प्रा०—श्री रामदत्त दुबे, मुबारकपुर, डा० लहरपुर (सीतापुर) ।→२६–४७४ ई ।

(ङ) प्रा०—महाराजकुमार रणंजयसिंह जी, युवराज अमेठीराज, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०७–४०० ।

बैतालपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७८२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री मन्नूलाल जी पुस्तकालय, मुरारपुर (गया) ।→२६–६१ (परि०३) ।

बैतालपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–८५ ।

बैतालपचीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४१२ ।

बैदकमत पंदनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६६५ । लि० का० सं० १७७७ ; वि० वैद्यक ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ अ ।

बैनबत्तीसी (पद्य)—हेमराज कृत । र० का० सं० १८१६ । वि० श्रीकृष्ण की वंशी के प्रति गोपियों का द्वेषभाव वर्णन ।
प्रा०—श्री मुन्नूलाल शुक्ल, स्थान व डा० पश्चिम सरीरा (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–४६५ ।

बैनबिलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० बाँसुरी के व्याज से कृष्ण प्रेम का वर्णन ।→पं० २२–६६ बी ।

बैराग बारहमासा (पद्य)—जनबेगम कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–११३ ।

बैरिसाल (रायराया)—रामपुर (गंगा के तट) के राजा । मझौली (गोरखपुर) के राजाओं के वंशज । शिवराज महापात्र के आश्रयदाता ।→सं० ०४–३८६ ।

बैरीसाल—असनी (फतेहपुर) निवासी । सं० १८२५ के लगभग वर्तमान ।
भाषाभरण (पद्य)→०६–१३२; ०६–१३, २३–२५ ए, बी; २६–२६ ।

बैसाख माहात्म्य (गद्य)—बैकुंठमणि (शुक्ल) कृत । लि० का० सं० १७६६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–५ ए ।

बोधदास—अन्य नाम बोधमल । कायस्थ । सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । बरैठा (बाराबंकी) के निवासी । अनंतर कोटवा में बस गए । पर कौटुंबिक झगड़ों के कारण वहाँ से भागकर लखनऊ के कागदीटोला में रहने लगे । कोटवा (बाराबंकी) के रामेश्वर के शिष्य । सं० १८४८ के लगभग वर्तमान ।
भक्तिविनोद (पद्य)→२३–६६; २६–७०; सं० ०४–२४६ क, ख, ग ।

बोधदास→'बोधीदास' ('झूलना' आदि के रचयिता) ।

बोधप्रकाश (पद्य)—गोपाल कृत । र० का० सं० १८३१ । लि० का० सं० १८६२ । वि० राम नाम की महिमा ।
प्रा०—बाबा बिहारीदास, स्यारपुर (बहराइच) ।→२३–१३१ ।

बोधबावनी (पद्य)—रामहरी (जौहरी) कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० वैष्णवों की प्रेमाभक्ति ।
प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६–३८३ बी ।

बोधमल→'बोधदास' ('भक्तिविनोद' के रचयिता) ।

बोधरतन (पद्य)—भगवतदास कृत । वि० वेदांत ।
(क) लि० का० सं० १८६२ ।
प्रा०—पं० बेनीमाधव, हसनपुर (सुलतानपुर) ।→२३–४४ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२४६ ।

बोधरत्नाकर→'बोधरतन' (भगवानदास कृत) ।

बोधलाल—(?)
मीनालोहाबाद (पद्य)→सं० ०१–२४३ ।

बोधलीला (पद्य)—धरनीदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-११४ ङ ।

बोधविलास (पद्य)—सदाराम कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० जीव और ब्रह्म का विवेचन ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी ।→०६-२७२ बी ।

बोधा—उसायनी (फिरोजाबाद, आगरा) निवासी । सं० १९३६ में वर्तमान ।

पक्षीमंजरी (पद्य)→३२-३१ डी ।

पशुजाति नायिका नायक मथन (पद्य)→३२-३१ ई ।

फूलमाला (पद्य)→३२-३१ सी; सं० ०४-२४५ ।

बाग वर्णन (पद्य)→३२-३१ ए ।

बारहमासी (पद्य)→३२-३१ बी ।

बोधा—सरयूपारी ब्राह्मण । वास्तविक नाम बुद्धिसेन । राजापुर (बांदा) निवासी । जन्म सं० १८०४ । र० का० सं० १८३०-६० । बाल्यावस्था से ही पन्ना (बुंदेलखंड) में आकर रहने लगे थे और वहीं के तत्कालीन महाराज के दरबारी कवि थे । कुछ समय तक फिरोजाबाद के राजा खेतसिंह के भी आश्रय में रहे ।

इश्कनामा (पद्य)→१७-३०; २०-२१ ।

बोधीदास—कोई संत । सं० १९३० के लगभग वर्तमान ।

झूलना (पद्य)→०६-३३; सं० ०१-२४२ ।

भक्तिविवेक (पद्य)→२३-६५; २६-५३ ए, बी; सं० ०४-२४८ ।

गोमनःशिष्ठ (पद्य)→२६-७१; दि० ३१-२४ ।

बोधैदास—कोई महाराष्ट्रीय संत । संभवतः सुल्ताडोन बैसशा कुटी निनवाला (बरार) के निवासी ।

विवेकवैराग्य दशक (पद्य)→सं० ०४-२४६ ।

बोलारचरित्र (पद्य)—कुबेरराम (बरनाल) कृत । र० का० सं० १८१३ । लि० का० सं० १८५३ । वि० नागकन्या से उत्पन्न भीमसेन के पुत्र बोलार की कथा ।

प्रा०—श्री रघुनंदनप्रसाद चौबे, तितिया बड़ी, डा० सतराँव (गोरखपुर)→सं० ०१-१६० ।

बोलारचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाग कन्या से उत्पन्न भीमसेन के पुत्र बोलार की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-१९० ।

ब्यालीस बानी (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि० का० सं० १८२७ । वि० विविध ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१५६ डी (विवरण अप्राप्त) ।

ब्यालीस लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० रत्नाकार के ४२ ग्रंथों का संग्रह ।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा वैद्य, कचौराघाट (आगरा) ।→२६ ८८ बी ।

ब्याहलो (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६-७३ एल ।

ब्याहलो (पद्य)—रसिकबिहारिनदास कृत । वि० राधाकृष्ण का विवाह ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२१८ (विवरण अप्राप्त) ।

ब्याहविनोद (पद्य)—गणेश कृत । वि० भरतपुरनरेश महाराज बलवंतसिंह (ब्रजेंद्र) का ब्याह वर्णन ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-५४ ।

ब्रज को बाललीला (पद्य)—वीरभगत कृत । लि० का० सं० १८८८ । वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३६१ ।

ब्रजगोपालदास—वृंदावन निवासी । रासबिहारीलाल के शिष्य ।

फुटकर बानी की भावना बोधिनी टीका (गद्यपद्य)→१२-३१ ।

ब्रजचरित्र (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० कृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६-६५ एल ।

(ख) प्रा०—श्री बच्चन गोस्वामी, ताहिरपुर, डा० सिकरारा (जौनपुर) ।→ सं० ०४-६३ क ।

ब्रजदीपिका (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १८८३ । लि० का० सं० १८८३ । वि० ब्रज वर्णन ।

प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, सभथर ।→०६-८६ ई ।

ब्रजनाथ—ब्राह्मण । महीपति मिश्र के वंशज । कंपिला निवासी । सं० १७३२ के लगभग वर्तमान ।

पिंगल (पद्य)→०६-१४२, सं० ०४-३७२ ।

ब्रजपरिक्रमा (पद्य)—जगतानंद कृत । वि० ब्रज के वन, उपवन कुंड, सरोवर आदि का वर्णन ।

(क) प्रा०—पं० नत्थी भट्ट, दस बिस्वा, गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१७-८० ए ।

(ख) प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७-५४ ।

ब्रजभूषन स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महादेव जी की स्तुति ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-१६ (परि० ३) ।

ब्रजमहात्म चंद्रिका (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८०५ । वि० ब्रज माहात्म्य ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१५५ ।

ब्रजलीला (पद्य)—आत्माराम कृत । वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला ।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद पांडेय, अध्यापक, मिडिल स्कूल, कुंडा (प्रतापगढ़)। → सं० ०४–१२ ख।

ब्रजलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० श्री कृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६–७३ वी।

(ख) प्रा०— पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ भ (अप्र०)।

(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१७४ ज।

ब्रजलीला (पद्य)—हरिकेश (द्विज) कृत। लि० का० सं० १८७१। वि० राजा छत्र-साल और हृदयसाहि की प्रशंसा और राधाकृष्ण चरित्र।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-४६ बी।

ब्रजलीला (पद्य)—हरिदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीलाओं का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४८२।

ब्रजलीला के पद (पद्य)—परमानंददास कृत। वि० ब्रजलीला तथा भक्ति।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२-१६२ ए।

ब्रजवासीदास—वृंदावन निवासी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।

अगासुरवध लीला (पद्य)→२६–५७ एफ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→०४–८; ०६–१४१; २३ ६६।

मानचरित्र लीला (पद्य)→२६–५७ जी।

माखनचोरी लीला (पद्य)→२६–५७ ई।

ब्रजविलास (पद्य)→०६–३६, २०–२२ ए, बी; २३–७० ए, बी; २६–७२ ए, बी, २६–५७ ए, बी, सी, डी; ४१–२६१; सं० ०३–१८३।

ब्रजविलास (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र० का० सं० १८२७। वि० कृष्ण चरित्र।

(क) लि० का० सं० १८२७।

प्रा०—बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। → २०–२२ बी।

(ख) लि० का० सं० १८७८।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, राजा दरवाजा, वाराणसी।→२०–२२ ए।

(ग) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—श्री जयानंद मिश्र, बालूजी का फाटक, रामघाट, वाराणसी।→४१–२६१।

(घ) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—लाला भगवतप्रसाद, सधवापुर, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–७० ए।

(ङ) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० शिवमंगल, शिवगंज, डा० मारहरा (एटा)।→२६–५७ डी।

(च) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—ठा० गयादीनसिंह, जमीदार जोगीपुर, डा० रखहा (प्रतापगढ़)। → २६-७२ ए।

(छ) लि० का सं० १८६६।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी, कभरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२३-७२ बी।

(ज) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →०६ ३६।

(झ) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुठवा (बहराइच)।→२३-७० बी।

(ञ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सँगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-५७ ए।

(ट) प्रा०—पं० भोजराम शुक्ल, एतमादपुर (आगरा)।→२६-५७ बी।

(ठ प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, पचलोई, डा० माधोगंज (हरदोई)। → २६-५७ सी।

(ड) प्रा०—पं० कनकराम शुक्ल, खरदहा, डा० पथराबाजार (बस्ती)। → सं० ०७-१८३।

ब्रजविलास (पद्य)—अन्य नाम 'ब्रजविहार'। वीरभद्र कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रज लीलाएँ।

(क) प्रा० याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → सं० ०१-३६४ क।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१ ३६४ ख।

ब्रजविहार→'ब्रजविलास' (वीरभद्र कृत)।

ब्रजविहार (द्वितीय सोपान) (पद्य)—ब्रह्मज्ञानेंदु कृत। लि० का० सं० १८४४। वि० श्रीकृष्ण का ब्रजविहार वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२४४।

ब्रजविहार लीला (पद्य)—हरिलाल कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० श्रीकृष्ण की ब्रज लीलाओं का वर्णन।

प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० धनघटा (बस्ती)। → सं० ०४-४३८।

ब्रजसंबंध नाममाला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० श्रीकृष्ण के ब्रज संबंधी नामों की प्रशंसा।

प्रा०—बाबा राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→०१-११८।

ब्रजाभार (दीक्षित)→'ब्रजाभरण (दीक्षित)' ('वल्लभाख्यान सटीक' के रचयिता)।

ब्रजेंद्रविनोद दशमस्कंध भाषा उत्तरार्ध (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० भागवत दशमस्कंध।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-१७६ ए।

ब्रह्म→'ब्रह्मज्ञानेंदु' ('ब्रह्मविलास' के रचयिता)।

ब्रह्म (कवि)→'बीरबल (राजा)'।

ब्रह्मगुलाल—जैन। आगरा जिलांतर्गत किसी गाँव के निवासी। सं० १६७१ के लगभग वर्तमान।

कृपणजगन्मानिक कथा (पद्य)→३२-३२।

ब्रह्मगुलाल चरित्र (पद्य)—छत्र या छत्र (जैन) कृत। र० का० सं० १९०६। वि० ब्रह्म गुलाल का जीवनवृत्त।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-३६।

ब्रह्मअभ्यास जोग सास्त्र (गद्य)—शंकराचारज कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७ १८८ ख।

ब्रह्मजिज्ञास→'रामगीता' (रचयिता अज्ञात)।

ब्रह्मजिज्ञासा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० माया और ब्रह्म का विवेचन।

प्रा०—पं० नंदलाल, वाजना (मथुरा)।→३८-१६६।

ब्रह्मज्ञान (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-८ डी।

ब्रह्मज्ञान (पद्य)—व्यासदास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० विष्णु अवतार का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३४३ ए (विवरण अप्राप्त)।

ब्रह्मज्ञान→'ब्रह्मज्ञान सागर' (स्वा० चरणदास कृत)।

ब्रह्मज्ञान की गूदरी→'ज्ञानगूदरी' (कबीरदास कृत)।

ब्रह्मज्ञान सागर (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद द्विवेदी इटौरा, डा० मानिकपुर (प्रतापगढ़)। → सं० ४७ ९३ ख।

(ख) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रामपुर, डा० अगराह (उन्नाव)।→२६-७८ डी।

(ग) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० पाना (उन्नाव)।→२६-७८ ई।

(घ) लि० का० सं० १८९६।

प्रा०—भगत रामदीन काछी, रुस्तमपुर कलाँ, डा० गुलजारपुर (उन्नाव)। → २६-७८ एफ।

(ङ) लि० का० सं० १९०२।

प्रा०—बाबा विष्णुगिरि, शिवनगर, डा० महावर (एटा)।→२६-६५ एन।

(च) लि० का० सं० १९१५।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कंठीवाला, लोई बाजार, वृंदावन (मथुरा)। →
१२-३६ सी।

(छ) प्रा०—पं० देवकीनंदन शुक्ल, रामपुर गढ़ौली, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।
→२६-७८ जी।

(ज) प्रा०—ठा० जोरावरसिंह, मिढ़ाकुर (आगरा)। →२६-६५ आई।

(झ) प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद शर्मा, बरतरा, डा० कोटला (आगरा)। →
२६-६५ जे।

(ञ) प्रा०—पं० दीनानाथ अध्यापक, चंद्रपुर, डा० कमतरी (आगरा)। →
२६-६५ के।

(ट) प्रा०—पं० कृष्णगोपाल, यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली। →
दि० ३१-१८ बी।

ब्रह्मज्ञानेंदु—किसी शुक्राचार्य के शिष्य।

ब्रह्मविहार (द्वितीय सोपान) (पद्य)→सं० ०१-२४४।

ब्रह्मविलास (पद्य)→०६-३७; १७-३१।

ब्रह्मदत्त (उपाध्याय)—काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह और उनके भाई बाबू
दीपनारायणसिंह के आश्रित। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

दीपप्रकाश (गद्य)→०३-४६।

विद्वद्विलास (पद्य)→०४-३४।

ब्रह्मदास—सिकंदरा (आगरा) के निवासी।

मंत्र (गद्य)→२६-५६।

ब्रह्मनिरूपण (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और धर्मदास के संवादरूप में
ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-११ ञ।

(ख) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—महंत जगन्नाथ, मऊ, छतरपुर। →०६-१७७ एम (विवरण अप्राप्त)।

ब्रह्मबानी (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० ईश्वर प्रेम।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी। →०६-६० डी।

ब्रह्ममाला और योगसिंधु (?) (पद्य)—चिंतामणि (ऋषिचिंतु) कृत। लि० का०
सं० १७७५ से १७८० के बीच। वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोविंसियल हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ। →
सं० ०४-६५।

ब्रह्मरहस्य (पद्य)—रतनहरि (रत्नहरि) कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०४-३२०।

ब्रह्मरायमल (जैन)—मूलसंघ और सारदगच्छ के आचार्य रत्नकीर्ति मुनि की शिष्य

परंपरा में मेघबूँद के शिष्य। ढूँढाहर (जयपुर-राजस्थान) के अंतर्गत साँगानेर तथा रणथंभौर के निवासी। बादशाह अकबर और राजा भगवंतदास के समकालीन। सं० १६१६-३३ के लगभग वर्तमान।

श्रीपालरासो (पद्य)→००-१२४।

श्रुतपंचमी कथा (पद्य)→२३-६८।

हनूमानचरित्र (पद्य)→००-१२३; सं० १०-६३।

ब्रह्मलीला (पद्य)—मोहनदास कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१५६।

ब्रह्मवाद (पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी विशारद, मिडिल स्कूल, तिलोई (रायबरेली)। →२६-३१ ए।

ब्रह्मवाद (पद्य)—यज्ञप्रसाद कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद, जैनगरा, डा० राजाफतेपुर (रायबरेली)। → सं० ०४-३१२ क।

(ख) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-३१२ ख।

ब्रह्मविचार (पद्य)—अन्य नाम 'शिष्य सवाल'। रचयिता अज्ञात। वि० सृष्टि तत्व और ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी वैद्य, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं० ०४-४८०।

ब्रह्मविलास (पद्य)—ब्रह्मज्ञानेंदु कृत। वि० वेदांत।

(क) प्रा०—पं० वचनेश मिश्र, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→०६-३७।

(ख) प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-३१।

ब्रह्मविलास (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८०४ (?)।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-२५३ क।

(ख) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, द्वारा श्री केशवदेव रंगवाले, पुरानी डीग (भरतपुर)।→३८-८ बी।

(ग) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं १०-६४ घ।

(घ) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—श्री जैनमंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-२१।

(ङ) लि० का० सं० १६८६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६४ ङ ।

ब्रह्मविलास (पद्य)—रामभरोसादास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६१८-२१ । वि० सांख्ययोग ।

(क) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—ठा० रामदेवीसिंह, भीमपुरा, डा० औराईकलाँ (बलिया) । → ४१-२२७ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा कुटी, डा० रतनपुरा (बलिया) ।→ ४१-२२७ क ।

ब्रह्मविवेक (पद्य)—दरिया साहब कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-५५ बी ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (पद्य)—श्रीगोविंद कृत । र० का० सं० १८६७ । लि० का० सं० १६५२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० भगवानदीन मिश्र, वैद्य बहराइच ।→२३-४०३ ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (कृष्णखंड भाषा) (पद्य)—जयजयराम कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० ब्रह्मवैवर्त पुराणांतर्गत कृष्ण खंड का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—श्री भारती भवन, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१७३ ।

(ख) प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य संमेलन, इंदौर ।→१७-८७ ।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)—ज्ञानीजी कृत । वि० ब्रह्म स्तुति ।

प्रा०—पं० उजागरलाल, लुधियानी, डा० बकेवर (इटावा) ।→३८-७५ ए ।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०-१५४० के बीच । वि० ब्रह्म की महिमा ।

प्रा०—महंत गोपालदास, नारनौल, पटियाला राज्य ।→पं० २२-३७ बी ।

ब्रह्मांडलीला (पद्य)—गुरुगोविंद कृत । र० का० सं० १५५६ । वि० सृष्टि वर्णन ।

प्रा०—श्री रामअधार पांडेय, करमपुर, डा० जयनिहार (गाजीपुर) । → सं० ०१-८३ ।

ब्रह्मांडवर्णन (पद्य)—श्यामराम कृत । र० का० सं० १७७५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८० ।

ब्रह्मा के चतुर्मुख के नाम (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७६७ । वि० ब्रह्मा के चार मुखों के नाम और उनसे वेदों की उत्पत्ति का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२६३ ।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में नरसिंह, सुंदरदास और नानक की रचनाएँ संगृहीत हैं ।

ब्रह्मापिंड (पद्य) – अन्य नाम 'महमदर्स्तु'। अक्रूरपुरी कृत। वि० मंत्र, तीसा, चौबीसा, गायत्री आदि।

(क) प्रा०—मुं० मुन्नालाल, बछगाँव, डा० हिम्मतपुर (आगरा)।→२६–६।

(ख) प्रा०—पं० कृष्णगोपाल, दी यंग फ्रेंड एंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली। →दि० ३१-५।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में कुछ पद हितहरिवंश के भी हैं तथा मुहम्मद साहब की भी प्रशंसा की गई है।

ब्रह्मायण ज्ञानमुक्तावली→'विज्ञान मुक्तावली' (बनादास कृत)।

ब्रह्मायण तत्वनिरूपण (पद्य)—बनादास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

प्रा० – महंत भगवानदास, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२०–११ एच।

ब्रह्मायण द्वार (पद्य)—बनादास कृत। र० का० सं० १६२६। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) प्रा०—बाबा मोहनदास पुजारी, भवहरन कुंज, अयोध्या। → २०–११ आई।

(ख) प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाई स्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१–२३० ग।

ब्रह्मायण परमातमबोध (पद्य) - बनादास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

प्रा०—श्री मोहनदास पुजारी, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२०-११ के।

ब्रह्मायण पराभक्ति परत्तु (परत्व) (पद्य)—बनादास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२०-११ जे।

ब्रह्मायण विज्ञान छत्तीसा (पद्य)—बनादास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२०–११ एल।

ब्रह्मायण शांति सुपुनि (पद्य)—बनादास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरन कुंज, अयोध्या।→२०–११ एम।

ब्रह्मावर्त माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'उत्पलारण्य माहात्म्य'। शिवदत्त रामप्रसाद कृत। र० का० सं० १६२६। वि० ब्रह्मावर्त तीर्थ माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—श्री देवीप्रसाद शास्त्री, सकटिया, डा० महोली (सीतापुर)। → २६–४४३ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—डा० शिवरतसिंह, श्रीनगर, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६–४४३ बी।

(ग) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी, गंगापुर, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–४४३ सी।

ब्रह्मोत्तरखंड (भाषा) (पद्य)—दीनानाथ कृत। लि० का० सं० १८८४। वि० 'ब्रह्मोत्तरखंड' का अनुवाद।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-१०७।

ब्रह्मोत्सव आनंद निधि (पद्य)—श्रीनिवास कृत। वि० वर्ष भर के ब्रह्मोत्सवों का वर्णन।

प्रा०—पं० बालकराम विनायक, स्वर्गद्वार, अयोध्या।→२०-१८४।

ब्रह्मोपासना (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण कवि) कृत। वि० उपासना विधि।

प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→६८-८४ एम।

भँडुवा (पद्य)—शिव कृत। वि० चुटकुले, भड़ौवे आदि।

प्रा० -पं० कन्हैयालाल पं० महावीरप्रसाद चतुर्वेदी, फतेहपुर।→२०-१८०।

भँवरगीत (पद्य)—प्रागन (प्रागनि) कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३४७ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—पं० शिवदानीलाल मिश्र, मुहम्मदपुर खाला (बाराबंकी)। → २३-३१६ ए।

(ग) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)। → २३-३१६ बी।

(घ) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-३१६ बी।

(ङ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०— ठा० गुरुप्रसादसिंह बिसेन, गुठवाँ (बहराइच)।→२३-३१६ सी।

(च) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→सं० ०४-२१७ क।

(छ) लि० का० सं० १६४६।

प्रा०—पं० केदारनाथ, उत्तरपाड़ा, रायबरेली।→२३-३१६ ई।

(ज) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६-३४७ बी।

(झ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। →४१-५१७ क, ख (अप्र०)।

(ञ) प्रा०—पं० जमुनाप्रसाद, मुनखरी, डा० हरिहरपुर (बस्ती)। → सं० ०४-२१७ ख।

(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-२१७ ग।

(ठ) प्रा० -श्री सद्‌गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला, रायबरेली। → सं० ०४-२१७ घ।

भँवरगीत (पद्य)—रसिकराय कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।

(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। ०२-३८।

(ख) प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय, अजयगढ़। →०६-३१६ बी (विवरण अप्राप्त)।

भँवरगीत (पद्य)—संतदास (संतरसिक) कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—श्री नृसिंहनारायण शुक्ल, मांरजहाँपुर, डा० भिंडारा (इलाहाबाद)। → सं० ०१-४३५।

भँवरगीत (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८०४। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—गो० मोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ आई।

भँवरगीत→'भ्रमरगीत' (नंद और मुकुंद कृत)।

भँवरगीत→'भ्रमरगीत' (सूरदास कृत)।

भँवरगीता (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० भक्ति।

प्रा०—पं० गयाप्रसाद, नेपालपुरा (सीतापुर)।→२३-४३२ डी।

भँवरगुंजार (पद्य)—भगनदास कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत आज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०४-२५० ग।

भक्तउपदेशनी (पद्य)—सुखसखी कृत। वि० भक्ति संबंधी उपदेश।

प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा)।→ ३५-६५ ए।

भक्तगीनामृत (पद्य)—उमराव (जन उमराव) कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० सं० १६१४। वि० भक्तों का चरित्र वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-१८।

भक्तचंद्रिका (भाषा) (पद्य)—केशवनारायणसिंह कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १६०५। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर)।→सं० ०१-८८।

भक्तचरितावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्तों के चरित्र।

प्रा०—पं० देवीदत्त शुक्ल, 'सरस्वती' संपादक, प्रयाग।→४१-१६४।

भक्तचरित्रावली (गद्य)—ज्वालानाथ कृत। वि० विविध भक्तों का चरित्र वर्णन।

प्रा०—ठा० श्रीनारायणसिंह, बरसाना (मथुरा)।→३२-१०२।

भक्तचिंतामणि (पद्य)—भक्तदास द्वारा संगृहीत। सं० का० सं० १८५५ (?)। लि० का० सं० १६०७ (?)। वि० श्रीकृष्णलीला और राग रागिनी।

प्रा०—ठा० मन्नासिंह, शरबतपुर, डा० कुतुबनगर (सीतापुर)।→२६-५६।

भक्तदामगुणचित्रणी टीका (पद्य)—बालकराम कृत। लि० का० सं० १८७६। वि० नाभादास के 'भक्तमाल' की टीका।
प्रा०—ठा० यदुनाथसिंह रईस, रेहुवाँ, डा० चौड़ी (बहराइच)।→२३-३२।

भक्तन के नाममाला या भक्तबछावली (पद्य)—गरीबदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० भक्तों का गुणगान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४८।

भक्तनामावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० भक्तों का चरित्र वर्णन।
(क) प्रा० बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००-१५।
(ख) प्रा० पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-७३ बी।
(ग) प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या।→१७-५१ सी।

भक्तनामावली (पद्य)—अन्य नाम 'हरिजन यशावली'। मुधामुखी कृत। वि० भक्तों की नामावली।
(क) प्रा०—महंत रामविहारीशरण, तुलसीपत्र कार्यालय, अयोध्या। → २०-१८६।
(ख) प्रा०—श्री गणेशप्रसाद, दनोज (रायबरेली)।→२३-४१०।

भक्तपत्रिका→ 'बारहखड़ी' (व्रजदूलह कृत)।

भक्तबछावली (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० भक्ति वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८५५।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-१८५ ए।
(ख) लि० का० सं० १८७६।
प्रा०- महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-८०।
(ग) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—जती जी का मंदिर, करहल (मैनपुरी)।→३२-१३८ बी।
(घ) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—पं० रामनरेश पांडे, चिरैया, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)।→२६-२६०।
(ङ) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—श्री रामलाल दूबे, दुबौलीबाजार (बस्ती)।→सं० ०४-२८८ छ।
(च) प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३२-१३८ ए।

भक्तभावन (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १६१६। वि० यमुनालहरी श्रीकृष्णाचंद्रजू को नखशिख, गोपीपच्चीसी, राधाष्टक, कृष्णाष्टक, रामाष्टक, कवित्त गंगाजी के, देवीदेवतान के गणेशाष्टक ध्यानादि, षट्ऋतु वर्णन, अन्योक्तिमित्रता' आदि छोटे छोटे ग्रंथों का संग्रह।
(क) लि० का० सं० १६५४।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५–१४।

(ख) प्रा०—पं० नवनीत चौबे कवि, मारूगली, मथुरा। →१७–६५ बी।

भक्तभावन (पद्य)—लोचनदास कृत। र० का० सं० १६०३। वि० कबीरदास का चरित्र वर्णन।

प्रा०—सेठ अयोध्याप्रसाद, शृंगारहाट, अयोध्या। →२०–६६।

भक्तमंजरी (पद्य)—दीनानाथ कृत। वि० भागवत, रामायण और अवतारों का वर्णन।

प्रा०—पं० रामबक्स, ताजगंज, आगरा। →०४–७५।

भक्तमाल (पद्य)—दुखहरन कृत। वि० भक्तों का वर्णन।

प्रा०—पं० शिववचन उपाध्याय, सिकंदरपुर (बलिया)। →४१–१०५ ख।

भक्तमाल (पद्य)—नाभादास (नारायणदास) कृत। र० का० सं० १६४२। वि० लगभग दो सौ प्रसिद्ध भक्तों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७७०।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना। →०६–२११।

(ख) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० सरजूप्रसाद, महरू, डा० मैनरा (बहराइच)। →२३–२८६ बी।

(ग) प्रा०—पं० रघुनंदनप्रसाद पाठक, सिरसा (इलाहाबाद)। →१७–११७।

भक्तमाल (पद्य)—राघवदास (राघोदास) कृत। र० का० सं० १७१७। लि० का० सं० १६३३। वि० भक्तों के चरित्र।

प्रा०—गो० देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामवन (भरतपुर)। →३८–११२।

भक्तमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६६२। वि० भक्तों का चरित्र वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–३६५।

भक्तमाल की टिप्पणी (गद्यपद्य)—जमाल कृत। वि० भक्तमाल पर टिप्पणी।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)। →१२–८२ बी।

भक्तमाल प्रसंग (गद्यपद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० भक्तमाल की टीका।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता। →०१–५४।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० 'भक्तमाल' की महिमा।

प्रा०—गो० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा)। →२२–१३६ बी।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—भागवतदास कृत। वि० भक्तमाल की महत्ता का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह, अहौली, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-५३ बी।
(ख) लि० का० सं० १६१३।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग। → ४१-५३३ (अप्र०)।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १६१४। लि० का० सं० १६१४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री प्रभुदयाल अवस्थी, मुंशीगंज, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → ४१-३७० डी।

भक्तमाल माहात्म्य (गद्य)—वैष्णवदास कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतितानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२४७ ए (विवरण अप्राप्त)।

भक्तमाल रसबोधनी टीका (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तरसबोधिनी'। प्रियादास कृत। र० का० सं० १७६६। वि० नाभादास कृत 'भक्तमाल की टीका।
(क) लि० का० सं० १८३१।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१३८।
(ख) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—मुंशी चतुरविहारीलाल, जिलेदार, सढ़वा चंडिका, डा० अंतू (प्रतापगढ़)। →२६-३६१ ए।
(ग) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—ठा० लक्ष्मणसिंह, सैदपुर, डा० मछिहा (सीतापुर)।→२३-३२३ ए।
(घ) लि० का० सं० १८७७।
प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह तालुकेदार, अगरेसर, डा० तिरसंडी (सुलतानपुर)। →२३-३२३ डी।
(ङ) लि० का० सं० १८६६।
प्रा० ठाकुर द्वारा पंचायती, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-१३५ ए।
(च) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—श्री हरिमोहन मिश्र, सिंगरावली, डा० ताँतपुर (आगरा)। → २६-२७३ बी।
(छ) लि० का० सं० १६१३।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल अवस्थी, मुंशीगंज, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६-३६१ बी।
(ज) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—पं० सरजूप्रसाद, महरू, डा० मतारा (बहराइच)।→२३-३२३ बी।
(झ) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→२०-१३५ बी ।

(ञ) लि० का० सं० १६३७ ।

प्रा०—विद्यार्थी श्री जोगेंद्र, क्रिश्चियन कालेज, लखनऊ ।→२३-१२३ सी ।

(ट) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-५५ ।

(ठ) प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-६७ ।

भक्त माहात्म्य (पद्य)—गंगासुत कृत । र० का० सं० १७०० । लि० का० सं० १६२२ । वि० भक्तों की महिमा और कथाएँ ।

प्रा०—लाला रामजियावनलाल, अध्यापक, टाउनस्कूल, फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२३-१२० ।

भक्त माहात्म्य (पद्य)—रमनदास कृत । वि० भक्तों का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२१५ ।

भक्तरसबोधिनी टीका (गद्यपद्य)—अग्रनारायण और वैष्णवदास कृत । र० का० सं० १८४४ । वि० प्रियादास के भक्तमाल की टीका पर व्याख्या ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-८८ ।

भक्तरसमाल (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत । र० का० सं० १८१४ (लगभग) । वि० नाभादास जी कृत 'भक्तमाल' की टीका ।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, गाजीपुर ।→०६-३४ ए ।

भक्तराम—जालंधर (पंजाब) निवासी ।

भक्तचिंतामणि (पद्य)→२६-५६ ।

भक्तवत्सल→'भक्तवत्सावली (मलूकदास कृत) ।

भक्तविनोद (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । वि० रामकृष्ण के विविध चरित्र ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१८६ बी ।

भक्तविनोद→'भक्तिविनोद' (बोधदास या गोपमन कृत) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—अमरदास कृत । र० का० सं० १७५२ । वि० ईश्वर भक्ति ।

(क) लि० का० १७६४ ।

प्रा०—बाबा रामदास, दही नगर, डेरहाँ (उन्नाव) ।→२६-६ बी ।

(ख) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—पं० दीनानाथ मिश्र, फतेहपुर चौरासी, डा० सफीपुर (उन्नाव) ।→२६-८ए ।

(ग) लि० का० सं० १७६० ।

प्रा०—पं० रामरत्न शुक्ल, दरियाबाद, उन्नाव ।→२६-८ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—पं० लल्लूराम मिश्र, मड़इया (फतेहपुर) ।→२०-५ ।

(ङ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-१२३ (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-६ ए ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्तों का माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८२ ख ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—मलूकदास । वि० भक्तों की प्रशंसा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । → ०६-१६४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—लघुराम कृत । वि० भक्तों की महिमा का वर्णन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । → ०६-२८७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

भक्तविरुदावली (पद्य)—शिवलाल कृत । वि० राम नाम तथा भक्तों की महिमा ।

(क) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, जसवंतनगर (इटावा) ।→२६-६२ ए ।

(ख) प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, सिसियाट, डा० बलरई (इटावा) । → ३५-६२ बी ।

भक्तविहार (पद्य)—चंददास कृत । र० का० सं० १८०७ । लि० का० सं० १८०७ । वि० भक्तों का वर्णन ।

प्रा०—पं० भैरोप्रसाद, हँसुआ (फतेहपुर) ।→२०-२६ बी ।

भक्तशिरोमणि (पद्य)—गंगादास कृत । लि० का० सं० १८५२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-५६ ।

भक्त साक्त का झगड़ा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७०१ । वि० वैष्णव भक्तों और शाक्तों का झगड़ा ।

प्रा०—मौलवी शेख अब्दुल्ला, धुनियाँ टोला, मिरजापुर ।→०२-११० ।

भक्तसार (पद्य)—नवनदास कृत । लि० का० सं० १८१७ । वि० वैराग्य प्रतिपादन ।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा) ।→२६-२५० ।

भक्तसुजसवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० भक्तों का सुयश वर्णन ।

प्रा०—राधावल्लभी गोस्वामी मोहनकिशोर जी, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) । →१२-१६६ जी ।

भक्तानंद (गुरु)→'रामरूप' (गौड़ ब्राह्मण) ।

भक्तामर की कथा→'भक्तामरचरित्र' (विनोदीलाल कृत) ।

भक्तामरचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'भक्तावर की कथा' । विनोदीलाल कृत । र० का० सं० १७७० । वि० जैन धर्मानुयायियों की कथाएँ ।

(क) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-४४० ङ ।

(ख) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४-३६२ ख ।

(ग) लि० का० सं० १९०६ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ । →सं० ०४-३६२ का ।

(घ) लि० का० सं० १९२५ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं १०-१२१ क ।

(ङ) लि० का० सं० १९३६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१२१ ख ।

(च) लि० का० १९६२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१२१ ग ।

भक्तामर संस्कृत की भाषा→'भक्तामर स्तोत्र (भाषा)' (हेमराज जैन कृत) ।

भक्तामर स्तोत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जैन मंत्रादि ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-१३ (परि०३) ।

भक्तामर स्तोत्र (भाषा) (पद्य)—हेमराज (जैन) कृत । वि० जिन भगवान की भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-३६६ क ।

(ख) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०- डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७-२१६ ग ।

(ग) लि० का० सं० १९१८ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१४६ ख ।

(घ) लि० का० सं० १९५३ ।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर । → सं० १०-१४९ ।

(ङ) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-१०८ ।

(च) प्रा०—श्री धर्मचंद जैन, चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→२६-१०८ ।

(छ) प्रा०—श्री जैन मंदिर, कठवारी, डा० अछनेरा (आगरा)→३२-८७ ए ।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३६६ ग ।

(झ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०-१४६ क ।

(ञ)→पं० २२-४० ।

टि० खो० वि० ४१-३६६ क, ख; सं० १०-१७१ की प्रतियाँ भूल से अज्ञात कृत मान ली गई हैं ।

भक्तिउक्ति कृष्ण आज्ञा (पद्य)—दासराम कृत । र० का० सं० १७७१ । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री केदारनाथ मिश्र, इमलिया, डा० बाघानारा (बस्ती) । → सं० ०४-१५६ ।

भक्तिकल्पतरु (पद्य)—पदुमनदास कृत । र० का० सं० १७३६ । वि० भागवत का संक्षिप्त अनुवाद ।

प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद श्रीवास्तव, सोन बरसा, डा० बैरिया (बलिया) । → ४१-१३१ ।

भक्ति कौ अंग (पद्य)— कबीरदास कृत । वि० भक्ति और उसका प्रभाव ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ के ।

भक्तिचिंतामणि (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३४ । वि० भक्ति ।

प्रा०—पं० रामदेव तिवारी, पट्टी बरकत नगर, डा० नगराम (लखनऊ) । →२६-३५० ।

भक्तिजयमाल (पद्य)—शिवराम (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८०३ ।

प्रा०—कीनाराम बाबा की धर्मशाला, रामगढ़ (वाराणसी) ।→०६-२६६ ।

(ख) प्रा०—पं० जनदेवराय शर्मा, वकील, नरहरी (बलिया) ।→४१-२६६ ।

(ग) प्रा०—मुं० हरप्रसादलाल, कारों (बलिया) ।→सं० ०१-४१८ ।

भक्तिपचीसी (पद्य)—खेमदास कृत । र० का० सं० १७१६ । वि० राजा परीक्षित, ध्रुव, प्रह्लाद आदि पचीस भक्तों का वर्णन ।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद डाकिया, सीतापुर ।→२३-२०६ ए ।

भक्तिपदारथ→'भक्तिपदार्थ' (स्वा० चरणदास कृत) ।

भक्तिपदार्थ (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश आदि ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—पं०—भोजराम शुक्ल, एतमादपुर (आगरा) ।→२६-६५ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६-६५ ई ।

(ग) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—श्री धीरजराम पुजारी, बड़ी संगत, बहराइच ।→२३-७४ बी ।

(घ) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—श्री धीरजराम पुजारी, बड़ी संगत, बहराइच ।→२३-७४ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७-३८ बी।

(च) प्रा०—महंत जगन्नाथदास, कबीर पंथी, मऊ (छतरपुर)। →०६-१४३ डी (विवरण अप्राप्त)।

(छ) प्रा०—पं० अमोल शर्मा, चंडनियाँ (रायबरेली)। →२३-७४ डी।

(ज) प्रा०—बाबू चंद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ। →२३-७५ ई।

(झ) प्रा०—पं० भोजराज शुक्ल, अवकाश प्राप्त विद्यालय निरीक्षक, एतमादपुर (आगरा)। →२६-६५ जी।

(ञ) प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिषरत्न, बनतारान, मुजफ्फरनगर। →सं० १०-३२।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १६०२। लि० का० सं० १६०३। वि० राम का मानव प्रेम वर्णन।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर। →०६-६५ सी।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—लोकीदास कृत। र० का० सं० १८५७। वि० धार्मिक कथाओं द्वारा उपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—बाबा रामानंद महंत, खशहाकुटी, तहसील केशरगंज (बहराइच)। → २३-२४८ बी।

(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—लाला रघुवरदयाल फकीरचंद्र, बहराइच। →२३-२४८ सी।

भक्तिप्रकाश (पद्य)—शिवसिंह कृत। र० का० सं० १८५२। वि० पिंगल।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)। →२३-३६७ सी।

भक्तिप्रकाशिका टीका (पद्य)—विष्णुपुरी कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१-३६२।

भक्तिप्रताप (पद्य)—चतुर्भुज कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० भक्ति माहात्म्य।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-१४८ बी (विवरण अप्राप्त)।

भक्तिप्रबोध (पद्य)—जुगतानंद कृत। र० का० सं० १८२४। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। →४१-८३ क।

भक्तिप्रभा की सुलोचनी टीका (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० भक्ति और ज्ञान आदि विषयक 'भक्तिप्रभा' की टीका।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, नंदियाना (फतेहपुर)। →२०-१३५ सी।

भक्तिप्रशंसा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैष्णव और भगवद्भक्ति की विवेचना।

प्रा०—भगत मनीराम वैश्य, आन्योर, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–१४४ ।

भक्तिबावनी (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । र० का० सं० १८४१ । लि० का० सं० १८७१ । वि० भक्ति ।

प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४–१२३ क ।

भक्तिवैकुंठजोग (ग्रंथ) (पद्य)—पृथ्वीनाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११८ क ।

भक्तिबोध (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । र० का० सं० १८३४ । वि भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४–१२३ ख ।

(ख) प्रा०—पुत्री श्री द्वारिकाप्रसाद त्रिवेदी, द्वारा श्री देवीदीन कूर्म नंबरदार, लक्ष्मणपुर, डा० सतरिखा (बाराबंकी) ।→१३–१८२ ।

भक्तिभग्रहर स्तोत्र (पद्य)—अग्निभू कृत । लि० का० सं० १८५३ । वि० वेदांत तथा गुरुभक्ति वर्णन ।

प्रा०—पं० मक्खनलाल मिश्र, मथुरा ।→००–६५ ।

भक्तिभावती (पद्य)—प्रपन्न गैसानंद कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० ज्ञान और भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८१० ।

प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई) ।→२६–२७० ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११६ ।

(ग) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर ।→०२–१३६ ।

भक्तिमंजरी (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० भक्ति ।

(क) लि० का० सन् १२७७ साल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–६७ ।

(ख) लि० का० सं० १२७७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३२ ।

भक्तिमगदीपिका (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १८०२ । वि० नवधा भक्ति के लक्षणादि ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२४ ।

भक्तिमहिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत । र० का० सं० १८३८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुर सीकरी (आगरा) । → ३२–१२० बी ।

भक्तिमाला (पद्य)—चरणदास कृत । वि० भक्ति का माहात्म्य ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–३७ बी ।

भक्तिमाहात्म्य (पद्य)—गिरधारी कृत । र० का० सं० १७०५ । वि० भक्तों का माहात्म्य ।

(क) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—पं० गयाप्रसाद तिवारी, दोस्तपुर (सुलतानपुर) । →२३–१२५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—श्री काशीनाथ पांडेय, सतीरपुर, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) । → सं० ०४–६५ क ।

(ग) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४८६ (अप्र०) ।

(घ) लि० का० सं० १९३४ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०४–६५ ख ।

(ङ) लि० का० सं० १९४१ ।

प्रा०—महंत जवाहरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच) । → २३ १२५ बी ।

(च) लि० का० सं० १९४४ ।

प्रा०—महंत बाबा पूर्णभामीदास, ददरीघाट, गाजीपुर ।→सं० ०७–२१ ।

(छ) प्रा०—भैया तालुकेदारसिंह, नायब, देवोत्तर संपत्ति, गोंडा । →०६ ८४ ।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–६५ ग ।

भक्तिरत्नमाला (पद्य)—ईश्वर (कवि) कृत । र० का० सं० १९३० । वि० भक्ति सत्संग आदि ।

प्रा०—बाबू हनुमानप्रसाद पोद्दार, सहायक पोस्ट मास्टर, राया (मथुरा) ।→ २६–१५८ ए, बी ।

भक्तिरत्नावली टीका (गद्य)—विष्णुपुरी (परमहंस) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

(क) प्रा०—पं० भगवानदीन मिश्र वैद्य, बहराइच ।→२३–४४४ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५६१ (अप्र०) ।

भक्तिरसबोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत । लि० का० सं० १९२९ । वि० ईश्वर भक्ति ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१४४ डी ।

भक्तिरसबोधिनी टीका→'भक्तमाल रसबोधिनी टीका' (प्रियादास कृत) ।

भक्तिवल्लल→'भक्तवच्छावली' (मलूकदास कृत) ।

भक्तिवर्द्धिनी (गद्य)—गुसाईं जी कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—श्री कुल्लन चौधरी, अन्योर, डा० जतीपुरा (मथुरा) ।→३५–३२ बी ।

भक्तिविधान (पद्य)— शोभाचंद कृत । र० का० सं० १६८१ । लि० का० सं० १७४८ । वि० पुष्टिमार्गी सेवा प्रकार और उत्सवादि का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४२३ ।

भक्तिविनय दोहावली (पद्य)—गिरवरदास कृत । र० का० सं० १८४८ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडेय का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली)। →सं० ०४-६४ क ।

(ख) लि० का० सं० १६५० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरग्राम, डा० पर्वतपुर (मुलतानपुर) ।→२३-१२८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६८२ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६-१४२ ।

(घ) प्रा०—बाबा लक्ष्मणशरण, कामदकुंज, अयोध्या ।→२०-५० ।

(ङ) प्रा०—ठा० रछपालसिंह, अग्रहार, डा० रुदौली (बाराबंकी) । → २३ १२८ बी ।

(च) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव (सिध्यादास बाबा की कुटी), डा० पर्वतपुर (मुलतानपुर) ।→सं० ०४-६४ ख ।

भक्तिविनोद (पद्य)—बोधदास (बोधमल) कृत । र० का० सं० १८४८ । वि० सतनामी भक्तों का माहात्म्य ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ सं० ०४-२४६ क ।

(ख) लि० का० सं० १६४७ ।

प्रा० -- महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४-२४६ ग ।

(ग) लि० का० सं० १६६६ ।

प्रा०—ठा० गंगादीन ईश्वरी मुराऊ, उदयापुर, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→ २३ ६६ ।

(घ) लि० का० सं० १६८० ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पाडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६ ७० ।

(ङ) प्रा०—महंत गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजाफत्तेपुर (रायबरेली) । → सं० ०४-२४६ ख ।

भक्तिविनोद (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० सं० १८५० । लि० का० सं० १८५० । वि० भक्ति ।

प्रा०—बाबा प्रयागशरणदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। → ३५-१४ सी।

भक्तिविनोद (पद्य)—भोजदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत सतनदास, उजेहनी, डा० राजा फतेपुर (रायबरेली)। → सं० ०४-२६६।

भक्तिविरुदावली →भक्तविरुदावली' (अमरदास कृत)।

भक्तिविलास (पद्य)—छबीलेदास कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—पं० शालिग्राम दीक्षित, जामू, डा० संडीला (हरदोई)।→२६-८१।

भक्तिविलास (पद्य)—बदलीदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० रामचरित्र।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-२२६ ग।

भक्तिविलास (पद्य)—हरिदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १६३८। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६८६।

प्रा०—मुंशी संतप्रसाद, बड़ागाँव, डा० रसेहता (रायबरेली)।→३५-३५।

(ख) प्रा०—बाबा अवसानदास, बबुरहा का पुरवा, डा० महाराजगंज (रायबरेली)।→सं० ०४-४३२ ख।

भक्तिविलास (भाषा) (पद्य)—संतदास कृत। र० का० सं० १६११। लि० का० सं० १६१७। वि० रामचरित्र।

प्रा०—महंत जगदेवदास, फडरीगनेशपुर, डा० रायबरेली (रायबरेली)। → सं० ०४-३६८।

भक्तिविवेक (पद्य)—बोधीदास (बोधदास) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० श्याममनोहर शुक्ल, मानपुर (हरदोई)।→२६-५५ बी।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—ठा० परशुरामसिंह, रामनगर, डा० बारा (मोतापुर)।→२६-५५ ए।

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२४८।

(घ) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, चटैला, डा० चिलवलिया (बहराइच)। →२३-६५।

भक्तिशाल (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत। र० का० सं० १८४७। वि० काली जी की वंदना।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-२६ ए।

भक्तिसागर (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७८१। वि० ब्रज और नाम महिमा तथा भक्ति का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—लाला जीवनलाल भक्त, चीपी बाड़ा, मुजफ्फरनगर।→१२-३६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—पं० गणपति दूबे, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६-७८ बी।

(ग) प्रा०—पं० लालताप्रसाद दूबे, जदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। →२६-७८ सी।

भक्तिसागर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १७६६। वि० आध्यात्म के विषय में भक्ति की दृष्टि से विचार।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-१६८ बी (विवरण अप्राप्त)।

भक्तिसिद्धांतमणि (पद्य)—रसिकदास कृत। वि० भक्ति के सिद्धांत।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१८ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)। →१२-१५४ यू।

भक्तिसुमिरनी (पद्य)—बैनराग कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० भक्तों का वर्णन।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़। →०६-१४३ (विवरण अप्राप्त)।

भक्तिहेतु (पद्य)—दरिया साहब कृत। र० का० सं० १८३७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-२५ सी।

(ख) लि० का० सं० १६६४।

प्रा०—रियासत शोहरतगढ़ (बस्ती)।→सं० ०४-१५४ घ।

भक्त्यक्षर मालिका बावनी स्तवन→'अध्यात्म बारहखड़ी' (दौलतराम जैन कृत)।

भगत—(?)

भगतचालीसा (पद्य)→०६-२०।

भगतचालीसा (पद्य)—भगत कृत। लि० का० सं० १६५७। वि० भक्तों की नामावली।

प्रा०—मुहम्मद इब्राहीम तहसीलदार, नयाबाजार, बस्ती।→०६-२०।

भगतबछल (भक्तवत्सल)→'भक्तवच्छावली' (मलूकदास कृत)।

भगनदास—आपापंथी साधु । जाति के क्षत्रिय । कुटी गूँगदास (पंनपेड़वा, गोंडा) के महंत । गूँगदास के शिष्य । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।

गुरुगोष्टी (पवनगुंजार) (पद्य)→सं० ०४–२५० क ।

गुरुमहिमा (पद्य)→सं० ०४–२५० ख ।

नामनिधि (पद्य)→सं० ०४–२५० ग ।

बारहमासा (पद्य)→सं० ०७–१३६ क ।

भँवरगुंजार (पद्य)→सं० ०४–२५० घ ।

शब्दगुंजार (पद्य)→सं० ०४–२५० ङ ।

शब्दावली (पद्य)→सं० ०७–१३६ ख, ग ।

भगवंतभूषण (पद्य)—ललितलाल कृत । र० का० सं० १९०१ । वि० धौलपुर राज्य के स्थानों, उत्सवों, मेलों और राजकार्य का वर्णन ।

प्रा०—बाबू हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्ट मास्टर, राया (मथुरा) । → २६–२१० ।

भगवंतराय की विरुदावली (पद्य)—गोपाल (कवि) कृत । लि० का० सं० १९३४ । वि० राजा भगवंतराय खीची और सआदतखाँ के युद्ध का वर्णन ।

प्रा०—पं० मुरलीमनोहर त्रिवेदी, महोबा (हमीरपुर) ।→०९–९८ ।

भगवंतराय खीची—सं० १७२७ के लगभग वर्तमान । असोथर (फतेहपुर) के जागीरदार । सुखदेव मिश्र और गोपाल कवि के आश्रयदाता ।→०६–२४०; ०९–९८; १७–१८३; २०–१८७; दि० ३१–८० ।

हनुमतपच्चासा (पद्य)→२३–४२, २६–४६ ए, बी ।

भगवंतराय यश वर्णन (पद्य)—शंभुनाथ (मिश्र) कृत । वि० भगवंतराय खीची का यश वर्णन ।

प्रा०—पं० रामप्रताप त्रिवेदी, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) । → २०–१७२ बी ।

भगवंतरायरासा (पद्य)—सदानंद कृत । र० का० सं० १७६७ । वि० भगवंतराय खीची और सआदतखाँ का युद्ध ।

(क) लि० का० सं० १७९८ ।

प्रा०—श्रीमान महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह साहब, भिनगाराज (बहराइच) ।→ २३–३६४ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९३६ ।

प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, नरायनपुरतपरा (हरिहरपुर), डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३–३६४ बी ।

(ग) लि० का० सन् १२५७ (संभवतः फसली) ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५६७ (अप्र०) ।

भगवंतसिंह (महाराणा)—धौलपुर के महाराजा। ईश्वर कवि के आश्रयदाता। सं० १६'७ के लगभग वर्तमान।→पं० २२-११७।

भगवत—(?)
नागरसभा (पद्य)→२६-५०।

भगवतगीता (पद्य)—रामानुजदास कृत। लि० का० सं० १६३४। वि० गीता की टीका।
प्रा० - श्री अंबिकाप्रसाद दूबे, कड़ा (इलाहाबाद)।→सं० ०१-३५६।

भगवतगीता (पद्य)—हरदेव (गिरि) कृत। र० का० सं० १६०१। वि० गीता का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १६०१।
प्रा० —कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→१७-६६।
(ख) लि० का० सं० १६०१।
प्रा० - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४७८।

भगवतगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८३८। वि० गीता का अनुवाद।
प्रा०—श्री रामअनंद त्रिपाठी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। → सं० ०१-५४१।

भगवतगीता→'भगवद्गीता' (काशीगिरि कृत)।

भगवतगीता (भाषा) (पद्य)—माधव कृत। वि० गीता का अनुवाद।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद, धरनपुर, डा० परशुरामपुर (बस्ती)।→सं० ०४-२६४।

भगवतचरित्र→'भागवतचरित्र' (भागवतदास कृत)।

भगवतदास—श्रीनिवास के शिष्य। रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। १४वीं शताब्दी में वर्तमान।
भेदभास्कर (पद्य)→१७-२३।

भगवतदास—अयोध्या के दक्षिण ओर के निवासी। संभवतः 'रामसावित्री' के रचयिता भगवतदास भी यही हैं।→सं० ०१-२४६।
दीपरामायण (पद्य)→सं० ०१-२४७।

भगवतदास—किसी कृष्णदास के वंशज। सं० १७७० के लगभग वर्तमान।
शृंगाररससिंधु (पद्य)→सं० ०१-२४५।

भगवतदास—रामानुज संप्रदाय के अनुयायी।
बोधरत्न (पद्य)→२३-४४; सं० ०१-२४६।

भगवतदास—(?)
रामसावित्री (पद्य)→२६-५२; सं० ०१-२४६।

भगवतदास (भागवतदास)—प्रयाग निवासी। किसी टहलदास के शिष्य।
प्रयागशतक (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-२४८; सं० ०४-२५६।

भगवतबानी (पद्य)—उद्योतसिंह (महाराज) कृत । वि० कृष्ण चरित्र ।
प्रा०—ठा० ताल्लुकेदारसिंह, अहलमद, गोंडा ।→२०-१२१ ।

भगवतमुदित या भागवतमुदित—संभवतः माधोमुदित के पुत्र । राधावल्लभी संप्रदाय के स्वामी हित हरिवंश के अनुयायी । सं० १७०७ के लगभग वर्तमान ।
रसिक अनन्यमाल (पद्य)→०६-२३ सी ।
वृंदावनसत (पद्य)→१२-२१; ४१-५२८ (अप्र०) ।
सेवकचरित्र (पद्य)→०६-२३ बी ।
हितचरित्र (पद्य)→०६-२३ ए ।

भगवतरसिक—अन्य नाम अनन्यरसिक । स्वा० हरिदास (या स्वा० ललितमोहनीदास) के शिष्य । बिहारीवल्लभ के गुरु । जन्म सं० (अनुमानतः) १७६५ । र० का० सं० १८३०-५० के लगभग ।→०६-१३६; १२-२६ ।
अनन्यनिश्चयात्मक (ग्रंथ) (पद्य)→००-२६; ००-३२; ४१-५२८ (अप्र०) ।
अनन्यरसिकाभरण (पद्य)→०० ३१ ।
जुगलध्यान (पद्य)→३२-२० ।
नित्यविहारी जुगल ध्यान (पद्य)→००-३०; २३-२० ।
निर्विरोध मनरंजन (पद्य)→००-३३ ।

भगवतरसिक की प्रशंसा (पद्य)—बिहारीवल्लभ कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ०६-१३६ (विवरण अप्राप्त) ।

भगवतबिहार लीला (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० राधाकृष्ण का चरित्र ।
प्रा०—श्री रायकृष्णदास गुप्त, रामघाट, वाराणसी ।→०६-२२६ सी ।

भगवतीअस्तुति→'दुर्गास्तुति' (मुकुंददास कृत) ।

भगवती आराधना की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—सदासुख (जैन) कृत । र० का० सं० १९०८ । लि० का० सं० १९१० । वि० सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र और सम्यक तप आदि का वर्णन ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १० -१२७ ङ ।

भगवतीगीत (पद्य)—विद्याकमल कृत । वि० जैन धर्मानुसार सरस्वती की वंदना ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-६० ।

भगवतीदास—(?)
बारहमासा (पद्य)→४१-१६६ ।

भगवतीदास→'भगौतीदास (कवि)' ('सीतासत भाषा' के रचयिता) ।

भगवतीदास (द्विज)—सं० १६८८ के लगभग वर्तमान ।
नासिकेतकथा प्रसंग (पद्य)→२३-४८ ए, बी, सी; २६-५५; २६-३८; ४१-१७० ।

भगवतीदास (भैया)→'भगौतीदास (भैया)' ('चेतनकर्मचरित्र' आदि के रचयिता) ।

भगवतीपंचरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१५७ ख।

भगवतीरसिक→'भगवतरसिक' ('अनन्यरसिकाभरण' आदि के रचयिता)।

भगवतीविनय (पद्य)—जानकीप्रसाद (पँवार) कृत। वि० भगवती देवी की स्तुति।
(क) मु० का० सं० १९२३।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१३० क।
(ख) प्रा०—ठा० कृष्णपालसिंह, 'वीर' कवि, तिवारीपुर, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़)।→२६–१९६ ए।

भगवतीस्तुति (पद्य)—काशीप्रसाद (शुक्ल) कृत। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—पं० कृष्णकुमार शुक्ल, रामदयाल का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–३१ ख।

भगवद्गीता (पद्य)—आनंद कृत। र० का० सं० १८३९। लि० का० सं० १८६०।
वि० भगवतगीता का अनुवाद।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण शर्मा, मिरजापुर।→०९–४ ए।

भगवद्गीता (पद्य)—काशीगिरि कृत। र० का० सं० १७९१। वि० गीता का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १७९१।
प्रा०—श्री बुद्धप्रकाश वैद्य, होलीपुरा (आगरा)।→३२–१०८।
(ख) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०—श्री शिवदुलारे मिश्र, दारानगर, इलाहाबाद।→सं० ०१–४१।

भगवद्गीता (पद्य)—अन्य नाम 'अर्जुनगीता'। जनभुवाल (भुवाल) कृत। र० का० सं० १७००। वि० भगवद्गीतांतर्गत कृष्णार्जुन संवाद।
(क) लि० का० सं० १७६२।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१३२।
(ख) लि० का० सं० १८००।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, मथुरा।→१७–२७।
(ग) लि० का० सं० १८९८।
प्रा०—श्री राधाप्रसाद, फेफना (बलिया)।→४१–१७६।
(घ) प्रा०—पं० रामलक्षन पांडेय, ग्रा० तथा डा० नवली (गाजीपुर)।→सं० ०१–२६२ क।

भगवद्गीता (गद्य)—नंदीराम कृत। र० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० हरभगवान (लेखक के पौत्र), फरछुना (इलाहाबाद)।→१७–१२२।

भगवद्गीता (पद्य)—बालगोविंद (वैष्णव) कृत। लि० का० सं० १८०९। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।
२६–३५।१।

भगवद्गीता (पद्य)--रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७६१। लि० का० सं० १८६८। वि० भगवद्गीता की भाषा टीका।
प्रा०--ठा० उमरावसिंह, जखेत (बुलंदशहर)।→१७-६३ (परि० ३)।

भगवद्गीता (गद्य)--रचयिता अज्ञात। वि० भगवद्गीता की भाषा टीका।
प्रा०--पं० बद्रीसिंह, सालिगपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५-१३२।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)--उदयराजदास कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०--पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६-४८७।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)--तुलसीदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०--भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०६-३३८ ए (विवरण अप्राप्त)।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)--रामानंद कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०--पं० शंकरदयाल ब्रह्मभट्ट, घासमंडी पाठशाला, कानपुर।→०६-२५१ ए।

भगवद्गीता (भाषा) (गद्य)--हरवंशराय कृत। र० का० सं० १६२८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०--पं० मुरलीधर द्विवेदी, लहरपुर (सीतापुर)।→२६-१७५ बी।
(ख) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०--वैद्य रामभूषण जी, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६-१७५ ए।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)--हरिवल्लभ कृत। र० का० सं० १७०१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८२४।
प्रा०--श्री काशीराम ज्योतिषी, डा० रिजोर (एटा)।→२६-१४७ ए।
(ख) लि० का० सं० १८४४।
प्रा०--बाबू राधाकृष्ण, कुंकिंग क्लर्क, मथुरा छावनी, मथुरा।→२६-१४७ ई।
(ग) लि० का० सं० १८४५।
प्रा०--रघुवर हिंदी पुस्तकालय, हाथरस (अलीगढ़)।→२७-२०।
(घ) लि० का० सं० १८५८।
प्रा०--जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-८०।
(ङ) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०--श्री शारदाराम अध्यापक, रमौली (बाराबंकी)।→३३-१५० ए।
(च) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०--पं० गणेशबिहारी मिश्र, हुसेनगंज, गोलागंज (लखनऊ)।→२६-२४६।
(छ) लि० का० सं० १८७८।

प्रा०—श्री अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर।→२३-१५० बी।

(ज) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—महंत भजनदास, चित्राहाट (आगरा)।→२६-१४७ एफ।

(झ) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—श्री रामभरोसे, केवलपुर (खीरी)।→२६-१७३ ए।

(प्रस्तुत हस्तलेख में अन्य हस्तलेखों से कुछ अंतर है)।

(ञ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२६० (विवरण अप्राप्त)।

(एक अन्य प्रति इसी पुस्तकालय में और है)।

(ट) लि० का० सं० १६२२।

प्रा०—पं० गंगाविष्णु अवस्थी, पुरहिया, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → २६-१४७ एच।

(ठ) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—ठा० लछमणसिंह, सैदापुर डा० नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-१५० सी।

(ड) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—पं० दाताराम दीक्षित, जयनगर, डा० डोहकी (आगरा)।→२६-१४७ सी।

(ढ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—लाला रतनलाल, मोहारी, डा० सरदारपुर (सीतापुर)।→२६-१७१ सी।

(ण) लि० का० सं० १६३३।

प्रा०—पं० हरिप्रसाद आचार्य, आवलखेड़ा (आगरा)।→२६-१४७ बी।

(त) प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी)। → ०६-११७।

(थ) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद शर्मा, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर। →२३-१५० डी।

(द) प्रा०—ठा० हुकुमसिंह, प्रधानाध्यापक, मिढ़ाकुर (आगरा)। → २६-१४७ डी।

(ध) प्रा०—पं० शालिग्राम, महुआ, डा० बाह (आगरा)। → २६-१४७ आई।

(न) प्रा०—पं० भोलानाथ शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-१४७ जे।

(प)→पं० २२-३५ बी।

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७६८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री जगतजी, मथानिया, जोधपुर।→०१-६१।

भगवद्गीता (भाषा टीका) (गद्य)--रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—चौ० बुद्धूसिंह, बलरई (इटावा)।→३५-१३१।

भगवद्गीता (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१-३५५।

भगवद्गीता (संबोधनो टीका)→'भगवद्गीता सटीक' (आनंदराम कृत)।

भगवद्गीता की टीका (पद्य)—जयराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग।→४१-७७।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—अन्य नाम 'भाषामृत'। भगवानदास कृत। र० का० सं० १७५६। वि० रामानुजाचार्य कृत गीताभाष्य का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००-६६।

(ख) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग। → ४१-५३० (अप्र०)।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—मंजु (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८०७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गजाधर तिवारी, बंदा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६-२६४।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० गीता के आरंभिक दो अध्यायों की टीका।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-३० ई।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)- रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० गजाधर तिवारी, बंदा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-६२ (परि०३)।

भगवद्गीता की बालबोधनो टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, कुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-६२ (परि०३)।

भगवद्गीता की भाषा टीका (गद्य)—बद्रीलाल (गुसाईं) कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-१७६।

भगवद्गीता के प्रश्न (गद्य)—नवरंग (स्वामी) कृत। वि० भगवद्गीता संबंधी प्रश्नोत्तर।

प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानीबस्ती, कटनीमुड़वारा (जबलपुर)। →२६-३२६।

भगवद्गीता टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१-३५६।

भगवद्गीता टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० राममनोहर, कौडिहार, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)। → ४१–३५७।

भगवद्गीतामाला (पद्य)—जुगतानंद कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भगवद्गीता का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–८३ ख।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में रामअष्टक, हनुमानजैत, विष्णुपंजर स्तोत्र, मानसहंस वृत्ति भाषा, चतुश्लोकी गीता, चतुर्विंशतिगायत्री, पंचमुखी रतन सागर भी संकलित हैं।

भगवद्गीता संबोधिनी वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भगवद्गीता का अनुवाद।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी, अजनौरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५–१३३।

भगवद्गीता सटीक (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'गीताप्रकाश' और 'परमानंदप्रबोध'। आनंदराम कृत। र० का० सं० १७६१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७६१।

प्रा०—श्री प्यारेलाल हलवाई, अतरौली (अलीगढ़)।→१७–६ बी।

(ख) लि० का० सं० १८०५।

प्रा०—पं० गणपति दूबे, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६–१३।

(ग) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—पं० छिंगामल पुजारी, राधाकृष्ण मंदिर, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–१२ सी।

(घ) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, ब्राह्मन थोक, समाई, आगरा।→२६–१२ ई।

(ङ) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—पं० श्रीनाथ, दालो, डा० रामनगर (सुलतानपुर)।→२३–१५ ए।

(च) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३–१५ बी।

(छ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० विहारीलाल, प्रधानाध्यापक, नौगवाँ (आगरा)।→२६–१२ एच।

(ज) लि० का० सं० १८७७।

प्रा०—पं० जगगोविंद मिश्र, सरहैदी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६–१२ जे।

(झ) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—मुंशी देवीप्रसाद मुंसिफ, जोधपुर।→०१–८४।

(ञ) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—श्रीमद् मातंगध्वजप्रसादसिंह, बसवाना (अलीगढ़)।→१७–६ ए।

(ट) लि० का० सं० १९०२।

प्रा० — आचार्य पं० राजनारायण, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, गाजीपुर ।→ सं० ०७-६ ।

(ठ) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—पं० वेदनिधि चतुर्वेदी, पारना (आगरा) ।→२६-१२ डी ।

(ड) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा० - श्री परशुराम चौहरे, नगलाधीर, डा० बरहन (आगरा) ।→२६--१२ ए ।

(ढ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-१२७ (विवरण अप्राप्त) ।

(ण) प्रा०—महंत दयालगिरि, कमलेश्वर का मंदिर, श्रीनगर (गढ़वाल) । →१२-५ ।

(त) प्रा०—पं० भागीरथी, पीपरपुर (सुलतानपुर) ।→२३-१५ सी ।

(थ) प्रा०—पं० केदारनाथ, कुंडोल, डा० डौकी (आगरा) ।→२६-१२ बी ।

(द) प्रा०—पं० गंगाप्रसाद तिवारी, प्रधानाध्यापक, टाउनस्कूल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६ -१२ एफ ।

(ध) प्रा०—पं० गौरीशंकर गौड़, नगला धौंकल, बरहन (आगरा) । → २६-१२ जी ।

(न) प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद, मूसेपुरा, डा० फतेहाबाद (आगरा) । → २६-१२ आई ।

भगवद्गीता सटीक (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १८११ । वि० गीता का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८२० ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-७२ ।

(ख) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-२५६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—पं० रामेश्वरदत्त शर्मा, सहायक अध्यापक, हाईस्कूल, रायबरेली । → १७-८१ ।

भगवान—अजबदास के शिष्य ।

गुरुमैत्री (ग्रंथ) (पद्य)→२६-३४ ए ।

तमाचा (पद्य)→२६-३४ बी ।

भगवान—सं० १७२६ के लगभग वर्तमान ।

विचारमाला (पद्य)→२३-४१ ।

भगवान (?)—सं० १८५५ के पूर्व वर्तमान ।

अनुभवहुलास (पद्य)→३८-६

भगवान—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२-५७ (पैंतालीस) ।

भगवान के दसौ अवतार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-६३ (परि० ३)।

भगवानदास—काशी निवासी। कूबाजी की शिष्यपरंपरा में मथनकाचार्य के शिष्य। सं० १७५६ के लगभग वर्तमान।
गीतावार्तिक (गद्य)→१६-३५।
भगवद्गीता की टीका (गद्य)→००-६६; ४१-५३० (अप्र०)।

भगवानदास—सनाढ्य ब्राह्मण। वासुदेव के भाई। बाह (आगरा) निवासी। सं० १८८५ के पूर्व वर्तमान।
शीघ्रबोध सटीक (गद्य)→२६-३७ ए, बी।

भगवानदास—हित संप्रदाय के अनुयायी। रामराय के शिष्य।
प्रेमपदारथ (पद्य)→४१-१६७।

भगवानदास—रामानुजी संप्रदाय के अनुयायी।
गीतगोविंद (अमृतभाष्य) (पद्य)→४१-१६६।

भगवानदास—सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
आरतमोचन (पद्य)→सं० ०४-२५१।

भगवानदास—सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान।
रमलसार (पद्य)→२५-११ ए, बी, सी; सं० ०१-२५०।

भगवानदास—सं० १६३१ में वर्तमान।
हरिचरित्रपारायण अमृत कथा (वृंदावन खंड) (पद्य)→४१-१६८।

भगवानदास (खत्री)—(?)
महारामायण (गद्य)→१७-२२ ए, बी।

भगवानदास (निरंजनी)—बारल विहटा देवदास निवासी। अर्जुनदास के शिष्य। निरंजनी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७२२ के लगभग वर्तमान।
अमृतधारा (पद्य)→०६-१३६; २६-४८; २६-३६ डी।
कार्तिकमाहात्म्य (गद्य)→पं० २२-१३; २६-३६ ए, बी, सी; ३८-१० बी।
गीतामाहात्म्य (पद्य)→२३-४२ ए, बी, सी; सं० ०१-२५१।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→३८-१० ए।
वैराग्यवृंद टीका (पद्य)→सं० ०७-१३७।

भगवानहितु रामराय—वास्तविक नाम भगवान। कोई राजा (जयपुर ?)। माध्वगौडेश्वर संप्रदाय के आचार्य रामराय के शिष्य। अकबर बादशाह के समकालीन। इन्होंने गोवर्द्धन में मानसीगंगा का पक्का घाट और हरदेव जी का मंदिर बनवाया था।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→सं० ०१-२५२ ख।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→सं० ०१-२५२ क।

भगीरथप्रसाद (त्रिपाठी)—निगोहाँ (रायबरेली) के निवासी। सं० १९६१ के लगभग वर्तमान।

अंबिकाचरित्र (पद्य)→सं० ०४-२५२।

भगोतीदास (कवि)—जैन। गुरु का नाम मुनि महेंद्रसेना भट्टारक। सुहावै बूड़ीये (?) के निवासी। बादशाह जहाँगीर के राजत्वकाल में सं० १६८० के लगभग वर्तमान।

श्रीचूनरी (पद्य)→३८-८ ए।

सीतासत (भाषा)→सं० १०-३५।

टि० संभवतः ये भगोतीदास भैया ही हैं।

भगोतीदास (भैया)—जैन। कटारिया गोत्रीय ओसवाल वैश्य। आगरा निवासी। पिता का नाम लालजी। पितामह का नाम दशरथ साहु। औरंगजेब बादशाह के समकालीन। सं० १७३२-१७५५ के लगभग वर्तमान।

चेतनकर्म चरित्र (पद्य)→००-१३३; सं० ०४-२५३ ग।

निर्वाणकांड (पद्य)→२३-४७; सं० १०-६४ क, ख, ग।

पुन्यपचीसिका (पद्य)→२६-५४; सं ०४-२५३ ख।

ब्रह्मविलास (पद्य)→३२-२१; ३८-८ बी; सं० ०४-२५३ क; सं० १०-६४ घ, ङ।

वैराग्यपचीसी (पद्य)→३५-१० डी।

भजन (पद्य)—देवीसहाय कृत। लि० सं० १९६०। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—मुहम्मद इब्राहीम तहसीलदार, नया बाजार, बस्ती।→०६-१६।

भजन (पद्य)—लछिमनदास (उदासी) कृत। वि० नानक जी की प्रशंसा।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, संपादक, 'सनाढ्य जीवन', इटावा।→३८-८७।

भजन (पद्य)—संकटाप्रसाद (तिवारी) कृत। र० का० सं० १९३०। लि० का० सं० १९३६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री हृदयनारायण तिवारी, हरिनारायपुर (रायबरेली)। → सं० ०४-२९५।

भजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० विशेश्वरदयाल, गण्डा, बाह (आगरा)।→२६-३४८।

भजन (अभिमन्यु की लड़ाई के) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अभिमन्यु का चक्रव्यूह भेदन वर्णन।

प्रा०—पं० पूरीलाल, बलीपुर, डा० उरावर (मैनपुरी)।→३५-१३४।

भजन (गोपीचंद संवादी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजा गोपीचंद की कथा।

प्रा०—श्री प्यारेलाल जाट, मुड़ियापुरा, डा० किरावली (आगरा)। → २६-३४६।

भजन उपदेश बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१०। वि० भक्ति, उपदेश आदि।
प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ २३-२३२ ए।

भजन कुंडलिया (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० कृष्ण की रासलीला।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी। → ००-१३ (चौदह)।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६-७३ यू।

भजन खिमटा (पद्य)—इंद्रजीत कृत। वि० भक्ति तथा उपदेश।
प्रा०—श्री ताल्लुकेदारसिंह वैद्य, गोंडा।→२०-६१।

भजन पचासा (पद्य)—पहिलमान (द्विज) कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० भजन।
प्रा०—बाबू दीपचंद, चौगन्नापुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६-२६०।

भजन प्रभाती (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामभक्ति।
(क) प्रा०—ठा० शेरसिंह साहब जमींदार, मैयामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५-१३७ ए।
(ख) प्रा०—पं० सीताराम, भीखनपुर, डा० बरनाहल (मैनपुरी)। → ३५-१३७ बी।

भजन मनोरंजनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्ति।
प्रा०—मुं० बच्चनलाल, चकवाखुर्द, डा० बसरेहर (इटावा)।→३५-१३६।

भजन महाभारत (उद्योगपर्व) (पद्य)—नौबतिराय कृत। वि० महाभारत के उद्योगपर्व की कथा।
प्रा०—पं० धूरीमल, बलीपुर, डा० उरावर (मैनपुरी)।→२५-६८।

भजन मुक्तावली (पद्य)—दुनियामणि कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० रामभक्ति।
प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन, शृंगारहाट, अयोध्या।→२०-४७।

भजन रामायणादि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकथा, भागवत तथा अन्य रसात्मक गीत।
प्रा०—पं० लज्जाराम शर्मा, लदपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५-१३८।

भजन विनोद (पद्य)—जानकीसहाय कृत। र० का० सं० १८८३। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री उमाशंकर दुबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → २६ १६८।

भजन विलास (पद्य)—लक्ष्मीनाथ कृत। र० का० सं० १८८३। वि० जालंधरनाथ के भजन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-२३।

भजन संग्रह (पद्य)—रामदत्त कृत। वि० भजनों का संग्रह।→पं० २२-११८।

भजन संग्रह (पद्य)—रामानंद कृत। लि० का० सं० १६३३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-२५१ बी।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० सत्यनारायण त्रिपाठी, अंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-६४ (परि० ३)।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामभक्ति।

प्रा०—पं० बाबूराम, बीरई, डा० उरावर (मैनपुरी)।→३५-१४१।

भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बद्रीसिंह, मालिगपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५-१४२।

भजन सत लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण के भजन का माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→०० १७।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५६ एफ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६-७३ आर।

भजन सर्व संग्रह (पद्य)—पतितदास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० फुटकर भजन।

प्रा०—महंत किशोरराम, रानूपाली, अयोध्या →२०-१२७।

भजन सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्ति।

प्रा०—चौधरी मिश्रीलाल, नैदपुरा (इटावा)।→३५-१३६।

भजन सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकृष्ण भक्ति।

प्रा०—चौ० बुद्धूसिंह, बलरई (इटावा)।→३५-१४०।

भजनादि संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राम और कृष्ण भक्ति।

प्रा०—पं० रामसनेही, नगार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-१३५।

भजनावली (पद्य)—गयाप्रसाद (कायस्थ) कृत। लि० का० स० १६४६। वि० निर्गुण ज्ञान।

प्रा०—पं० रामशंकर गौड़, रती का नगला, डा० हाथरस (अलीगढ़)। → २६-११३।

भजनावली (पद्य)—त्रिलोकदास कृत। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६-३२०।

भजनावली (पद्य)—पातीराम कृत। वि० द्रोण, हनुमान, अज, उद्धव व्रज गमन आदि के भजन।

प्रा०—पं० टीकाराम शास्त्री, अछनेरा (आगरा)।→३२-१६४ ए।

भजनावली (पद्य)—समरदास कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० स्फुट भजन।

प्रा०—श्री चंद्रिकाबक्शसिंह, डा० तालाबबक्शी (लखनऊ)।→२६-४१६ बी।

भजनावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामकृष्ण की भक्ति।

प्रा०—श्री रामजी दूबे, चौंबिया (इटावा)।→३५-१४३।

भजनाष्टक (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हित संप्रदायानुसार भगवद्भजन की महिमा का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—श्री नारायण जी दंडी, नारायणगढ़ तथा श्रीनगर, डा० श्रीनगर (बलिया)।

→४१-११७ क।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११७ ख।

(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-११७ ज।

(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१७४ घ।

भट्ट जी (महाराज)→'रसिकदास' ('कीर्तन संग्रह' के रचयिता)।

भट्टाचार्य→'श्रीभट्ट' ('जुगलसत' आदि के रचयिता)।

भट्टोत्पल—किसी महाराज कुमार अचलसिंह के आश्रित।

प्रश्नज्ञान (गद्य)→३८-११।

बृहत्संहिता भाषार्थ (गद्य)→सं० ०१-२५३।

भड्डरपुराण→'भड्डलिपुराण' (भड्डलि कृत)।

भड्डरी→'भड्डलि (भड्डरी)' (प्रसिद्ध शकुनशास्त्री)।

भड्डलि (भड्डरी)—संभवतः वास्तविक नाम सहदेव भड्डरी। डक्क ऋषि के नाम से भी प्रसिद्ध। ज्योतिष और कृषि शास्त्र के पंडित। घाघ की भाँति इनकी अनेक कहावतें गांवों में प्रचलित हैं। जनश्रुति के अनुसार काशी के किसी ज्योतिषाचार्य और गड़ेरिये या अहीरनी से उत्पन्न। कालांतर में मारवाड़ में जाकर रहने लगे थे। एक मत के अनुसार यह किसी व्यक्ति का नाम नहीं, वरन् एक जाति है जो अभी भी पश्चिमी उत्तरप्रदेश में निवास करती है। जोइषी और जुतषी या ज्योतिषी नाम से भी ये प्रसिद्ध हैं। संभवतः सं० १७०७ के लगभग वर्तमान।

भड्डलिपुराण (गद्य)→००-६८; पं० २२-११३; २६-४६ ए; दि० ३१-२३।

भड्डलीज्योतिष टीका (गद्यपद्य)→सं० ०१-२५४।

भड्डलीवाक्य (पद्य)→१२-२०।

बृहस्पतिकांड (गद्यपद्य)→२६-४६ बी।

सगुनावली (पद्य)→२६-४६ सी, डी ई; ३५-६०; ३८-७ ए बी; ४१-५६६ (अप्र०)।

भड्डलिपुराण (गद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि० कृषि विषयक कहावतें।

(क) लि० का० का० सं० १६.६।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→०० -६८।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१-२३।

(ग) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरा विश्राभदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→ २६-४६ ए।

(घ) पं० २२-११३।

भड्डली (ग्रंथ)→'भड्डलिपुराण' (भड्डलि या भड्डरी कृत)।

भड्डली ज्योतिष टोका (गद्यपद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री राघवराम द्विवेदी, पूरेडीह, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद)।→ सं० ०१-२५४।

भड्डलीवाक्य (पद्य)—भड्डलि (भड्डरी) कृत। वि० शकुन आदि कहावतें।

प्रा०—गो० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-२०।

भड्डली सगुनावली→'सगुनावली' (भड्डलि या भड्डरी कृत)।

भड़ईविलास (गद्य)—गोपाल कृत। र० का० सं० १६०२। लि० का० सं० १६२७। वि० अकबर और बीरबल की कहानियाँ।

प्रा०—श्री गुरजीराय, दुर्गापुर, डा० नौखेड़ा (एटा)।→२६-१२२।

भद्रनाथ (दीक्षित)—बिलहौर (कानपुर) निवासी। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

छंदशिरामणि (पद्य)→२६-४७; २६-३२।

भद्रबाहु चरित्र (पद्य)—किसनहरि (किसनसिंघ) कृत। र० का० सं० १७८३। वि० जैनधर्म के अनुयायी भद्रबाहु की कथा।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४-३८।

(ख) लि० का सं० १६१२।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आनूपुर, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१४ ख।

भद्रबाहु चरित्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७४। वि० जैनधर्मानुयायी भद्रबाहु का चरित्र वर्णन।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-४८१।

भद्रसेन (मुनि)—संभवतः १७वीं शताब्दी में वर्तमान।

चंदन मलयगिरि कथा (पद्य)→२०-१४; ४१-५११ (अप्र०)।

भमरबत्तीसी→'भ्रमरबत्तीसी' (केशवदास कृत)।

भयचिंतावनी (पद्य)—अन्य नाम 'चिंतावणी'। लालस्वामी (हित) या लालदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५५५ (अप्र०)।

(ख) प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कंठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)। →१२-१०२ सी।

भरत (भरथ)→ 'भारतशाह' ('हनुमानविरुदावली' के रचयिता)।

भरत की बारहमासी (पद्य)—लालदास कृत। र० का० सं० १६६०। वि० बारह महीनों में भरत और राम की दशा का वर्णन।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१६० बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)।→२६-२६२ बी।

भरतमिलाप (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत मोहनदास, द्वारा स्वा० पीतांबरदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-६५ (परि० ३)।

भरतमिलाप→'भरतविलाप' (ईश्वरदास कृत)।

भरतरीचरित्र→'भरथरीचरित्र' (काशीनाथ कृत)।

भरतविलाप (पद्य)—अन्य नाम 'भरतकथा'। ईश्वरदास (इसरदास) कृत। वि० राम कथांतर्गत भरत विलाप का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १ ८०।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद शास्त्री, बेलासदाँ, डा० भदैयाँ (सुलतानपुर)। → सं० ०१-२१ क।

(ख) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—पं० रामावतार, पंडित रामावतार का पुरवा, डा० रिसिआ (बहराइच)। →२३-१७३।

(ग) प्रा०—पं० शालिग्राम दीक्षित, जामू, डा० संडीला (हरदोई)। → २६-४८५ ए।

(घ) प्रा०—श्री दौलतराम पांडेय, सहिजादपुर (इलाहाबाद)। → सं० ०१-२१ ख।

(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२१ ग।

(च) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → सं० ०१-२१ घ।

(छ) प्रा०—श्री देवनारायण पांडेय, ग्राम तथा डा० सेवटा (आजमगढ़)।→ सं० ०१-१४३ घ।

(ज) प्रा०—श्री रामेश्वर मिश्र, डोंगीपार, डा० भैंसाबाजार (गोरखपुर)।→ सं० ०१–१४३ छ।

(झ) प्रा०—श्री रामनरेश द्विवेदी, गजहड़ा, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)। →सं० ०१–१४३ च।

(ञ) प्रा०—श्री भिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती)।→सं० ०४–१८ क।

(ट) प्रा०—श्री रामअधार नाऊ, माटागाँव, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०४–१८ ख।

(ठ) प्रा०—श्री काशीप्रसाद ओझा, लीलापुर (प्रतापगढ़)। → सं० ०४–१८ ग।

(ड) प्रा०—मुं० बोधप्रसाद श्रीवास्तव, रामपुर टंदेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं० ०४–१४६।

टि० खो० वि० २६–४८१ ए; सं० ०१–१४३ घ, ङ, च; सं० ०४–१४६ में भूल से तुलसीदास को रचयिता मान लिया गया है।

भरतसंगीत (पद्य)—लघुजन (विक्रमाजीत) कृत। लि० का० सं० १८८१। वि० सं० संगीत।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ →०६–६७ बी।

भरथ (राजा) चरित्र →'जड़भरथचरित्र' (गोपाल कृत)।

भरथरी—गोरखनाथ के शिष्य। कोई राजा। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत। → ४१–५६; ४१–१७२।

सबदी (पद्य)→सं० ०७–१३८।

भरथरीकथा (पद्य)–रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९४१। वि० भरथरी का चरित्र वर्णन।

प्रा०—श्रीमती चौरासादेवी, धर्मपत्नी स्व० पं० रामशंकर पांडेय, सुरसुती (कौंडीहार), डा० आदरामपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१–५४६।

भरथरीचरित्र (पद्य)—काशीनाथ कृत। र० का० सं० १८०५। वि० राजा भर्तृहरि की कथा।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—श्री गोविंदलाल, निहालपुर, डा० नारायणदास का खेड़ा (उन्नाव)। →२६–२२९ ए।

(ख) लि० का० सं० १९१६।

प्रा०—पं० रामदत्त, रायपुर, डा० गोनमत (अलीगढ़)।→२६–१८८।

(ग) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० रतनसिंह, भरथा, डा० निमवाँ (सीतापुर)।→२६–२२९ बी।

(घ) लि० का० सं० १९३१।

प्रा०—श्री शिवकुमार, गोपालपुर, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६–२२९ सी।

(ङ) प्रा०—श्री ओंकारनाथ जैन, रुनकुता (आगरा) ।→३२-१०६ ।

भरथरीचरित्र (पद्य)—जीवणदाव (जन) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० राजा भर्तृहरि की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-६४ ।

भरथरीचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०—पं० रामनरायण, असराना (मैनपुरी) ।→३५-१४५ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० तोपसिंह, कीठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । →३५-१४५ बी ।

भरथरीजो का श्लोक सुलकरमई का (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि० भर्तृहरि, विक्रमादित्य और मंत्री के ज्ञानोपदेश संबंधी प्रश्नोत्तर ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२४६ ।

भरथरीजो की महिमा के पद (पद्य)—कालू कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१७ ख ।

भरथरीशतक (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । लि० का० सं० १६०८ । वि० भर्तृहरि के तीनों शतकों का अनुवाद ।

प्रा० पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३-३२२ बी ।

भरथविलाप (पद्य)—आनन्दंद कृत । लि० का० सं० १९१७ । वि० भरत विलाप ।

प्रा०—पं० कनकराम शुक्ल, खदरा, डा० पथराबाजार (बस्ती) ।→सं० ०७-१११ ।

भरसी मिश्र और रामनाथ (पंडित)—आजमगढ़ के दक्षिण मेहाग्राम और महादेवपारा के निवासी ।

नलोपाख्यान (पद्य)→सं० ०१-२५५ ।

भर्तृहरिशतक की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० लल्लूमल शर्मा, आउथ, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-१४९ ।

भर्तृहरिसार (पद्य)—अर्जुन कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १९५८ । वि० भर्तृहरि कृत नीतिशतक का अनुवाद ।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६-१३१ (विवरण अप्राप्त) ।

भवॅरबत्तीसो (भमरबत्तीसी)→'भ्रमरबत्तीसी' (केशवदास कृत) ।

भवतारन (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२१ ग ।

(ख) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास, मठाधीश, बनकेगाँव कादीपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०४-२४ ट ।

भवनसारसंग्रह (पद्य) – खुशाल (दूबे) कृत । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—पं० गंगाविष्णु ज्योतिषी, बंथरा (उन्नाव) । →२६-२३८ बी ।
(ख) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—पं० शिवदीन जोशी, पटरासा, डा० खैराबाद (सीतापुर) । →२६-२३८ सी ।
(ग) लि० का० सं० १६३२ ।
प्रा०—श्री बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० ताजब्बख्शी (लखनऊ) । →२६-२३८ डी ।

भवानी—अयोध्या निवासी ।
रामजी के बारहमासा (पद्य) →२६-५८; सं० ०१-२५६ क, ख ।

भवानी अष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५३ । वि० भवानी स्तुति ।
प्रा०—बोहरे रोशनलाल जी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३५-१४७ ।

भवानी की स्तुति→'स्तुति (भवानी की)' (मुकुंददास कृत) ।

भवानीचरण—गोविंदपुर (गोरखपुर) के निवासी । मानीराम ग्राम (गोरखपुर) के जमींदार वृद्धिनिधि त्रिपाठी और कोई सोमवंशी राजा सर्वजीतसिंह के आश्रित । सं० १६०४ के पूर्व वर्तमान ।
गृहदीपक (पद्य)→सं० ०४-२५४ ।

भवानीचरित्र (भाषा) (पद्य)—गुनीराम (श्रीवास्तव) कृत । र० का० सं० १७६८ ।
वि० दुर्गा जी का चरित्र : (संस्कृत 'दुर्गापाठ' का अनुवाद) ।
प्रा०—मुंशी भगवतबिहारीलाल (मुहर्रिर), दरियाबाद (बाराबंकी) । →२३-१४२ ।

भवानीछंद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७७२ । वि० भवानी की महिमा का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३६७ ।

भवानीदास—जन्मकाल संभवतः सं० १८७१ ।
सूर्यमाहात्म्य (पद्य)→२०-१६ ।

भवानीदास—(?)
चाणक्यनीति टीका (पद्य)→२६-६० ।

भवानीदास—(?)
ब्रजराजविनोद (पद्य)→२६-५६ ।

भवानीदास—(?)
स्वरोदय मनबोध (पद्य)→२३-५३ ।

भवानीप्रसाद—सं० १६२० के पूर्व वर्तमान ।
श्रीराम को परमधाम वर्णन (पद्य)→सं० ०४-२५५ ।

भवानीप्रसाद→'भावन' ('कवित्त' आदि के रचयिता) ।

भवानीप्रसाद (ब्राह्मण)—नौपुरा (आगरा) निवासी । सं० १६२१ के लगभग वर्तमान ।
गोपालसहस्रनाम सटीक (गद्य)→२६-४२ ।

भवानीप्रसाद (शुक्ल)—सं० १६१६ के पूर्व वर्तमान ।
उपालंभशत (पद्य)→१७-२४ बी ।
दीनव्यंगशत (पद्य)→१७-२४ ए ।

भवानीबख्शराय—दलीपपुर निवासी ।
ज्योतिषरत्न (पद्य)→२०-१५ ।

भवानीलाल—सं० १८४० से १८५७ के लगभग वर्तमान ।
अद्भुतरामायण (पद्य)→३५-१२ ।

भवानीशंकर—लक्ष्मण पाठक के पुत्र । जन्मभूमि गोरखपुर । अनंतर काशी चले आए और भदैनी मुहल्ले में रहने लगे । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।
बैतालपचीसी (पद्य)→०१-१३; ०६-२६ ।

भवानीसहस्रनाम (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १७६८ ।
वि० देवी सहस्रनाम का अनुवाद ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८७ ।

भवानीसिंह (भैया)—दूधाधारी के आश्रयदाता ।→२६-१०८ ।

भवानीस्तोत्र (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० स्तुति ।
प्रा०—लाला कल्याणसिंह, मुतसद्दी, प्रधान मजिस्ट्रेट का न्यायालय, टीकमगढ़ ।
→०६-२ आई ।

भविष्यदत्त कथा (पद्य)—धनपाल कृत । वि० भविष्यदत्त की कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६६ ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ अपभ्रंश में है ।

भँवरगीता→'भ्रमरगीत' (नंददास) कृत ।

भाऊ (कवि)—गर्ग गोत्री जैन । मलूक के पुत्र । माता का नाम गौरी ।
आदित्य कथा (बड़ी) (पद्य)→००-११४ ।

पुष्पदंत कथा (पद्य)→३२-२२ ।

भागचंद (जैन)—ओसवाल वैश्य । ग्वालियर राज्यांतर्गत ईसागढ़ निवासी। सं० १६१२ के लगभग वर्तमान ।

उपदेश सिद्धांत रत्नमाला ग्रंथ की वचनिका (पद्य)→सं० ०१-६६ क ।

नेमपुराण की कथा वचनिका (गद्य)→सं० ०१-६६ ख ।

पद (पद्य)→३२-१६ ।

श्रावकाचार (पद्य)→२६-३३ ।

भागवत (पद्य)—कृष्णदास कृत । र० का० सं० १८५२ से १८५५ तक । लि० का० सं० १८८६ । वि० भागवत का अनुवाद ।

प्रा० -श्री वासुदेव काँदू, गोंठाखास, डा० दोहरी घाट (आजमगढ़)। → ४१-४८२ क (अप्र०) ।

भागवत (पद्य)—केशवदास कृत । वि० भागवत की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३६ ।

भागवत (पद्य)—गोपाल कृत । र० का० सं० १७८७ । वि० भागवत का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → २६-१४६ (नवमस्कंध तक) ।

(ख) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—श्री बद्रीनारायण पांडेय, अगरापट्टी, डा० मैलहन (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-८६ ।

भागवत (पद्य)—नागरीदास कृत । र० का० सं० १८५८ से ६३ तक । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०— हिंदी साहित्य समिति, भरतपुर ।→१०-११८ ।

टि० इसमें प्रथम, पंचम, नवम तथा दशमस्कंध नहीं है ।

(ख) प्रा० —पं० सियाराम शर्मा, रुनकुता, डा० बाह (आगरा) । → २६-२४१ ।

टि० यह दशमस्कंध का अनुवाद है ।

भागवत (पद्य)—बालगोविंद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रमाकांत त्रिपाठी 'प्रकाश', जेठा, गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६-३५ ।

भागवत (पद्य)—भीष्म कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—पं० पन्नालाल, कठैला, डा० श्री बलदेव (मथुरा) ।→३८-१२ बी । (संपूर्ण भागवत, पंचम स्कंध को छोड़कर) ।

प्रथम स्कंध

(ख) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद वैद्य, सेमरा (आगरा)।→२६-४१ ए।

(ग) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० जयदेव मिश्र, नरैथी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६-४६ बी।

प्रथम तथा तृतीय स्कंध

(घ) लि० का० सं० १६२४।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२५ ए।

नवम स्कंध

(ङ प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२५ बी।

दशम स्कंध

(च) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० हरीनारायण पुजारी, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-४६ डी।

(छ) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० हरीनारायण, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-४६ एफ।

दशम स्कंध उत्तरार्द्ध

(ज) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा)।→२६-४६ सी।

(झ प्रा०—श्री ईश्वरीप्रसाद शर्मा, सेमरा, डा० खंदौली (आगरा)। → २६-४६ ई।

(ञ) प्रा०—पं० धर्मानंद, पेलखूँ, डा० राल (मथुरा)।→३८-१२ ए।

भावगत (पद्य)—सेवाराम मिश्र या सेवादास कृत। र० का० सं० १८८४। लि० का० सं० १८८४। वि० संपूर्ण भागवत का अनुवाद।

प्रा०—श्री गनेसीलाल मिश्र, अछनेरा (आगरा)।→३२-१६८ बी।

भागवत—(?)

सतसंगतिमहातम (पद्य)→सं० ०७-१३६।

भागवत→'दशमस्कंध (संक्षेपलीला)' (माधवदास कृत)।

भागवत→'सूरसागर' (सूरदास कृत)।

भागवत (एकादश अध्याय) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत (एकादश स्कंध) के अंतर्गत श्रीकृष्ण उद्धव संवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२५१।

भागवत (एकादश की भाषा)→'भागवत (एकादश स्कंध)' (चतुरदास कृत) ।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—कृपाराम कृत । वि० भागवत का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२४५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री बालमोहन, विक्रमपुर (गाजीपुर) ।→सं० ०१-४६ ।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—चतुरदास कृत । र० का० सं० १६६२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १७६३ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-४३ क ।

(ख) लि० का० सं० १७६५ ।

प्रा०—गोपालजी का मंदिर, जोधपुर ।→०१-११० ।

(ग) लि० का० सं० १८४१ ।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-७१ ।

(घ) लि० का० सं० १८४१ ।

प्रा०—जानकी पुस्तकालय, बुलंदशहर ।→१७-४० ।

(ङ) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-४३ ख ।

(च) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—महंत दातारामदास, कबीरपंथी, भेवली, डा० जगनेर (आगरा) । → २६-६६ ।

(छ) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद दूबे, रामनगर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-७६ ।

(ज) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । → ४१-४६४ (अप्र०) ।

(झ) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-१४६ (विवरण अप्राप्त) ।

(ञ) प्रा०—महंत राधाकृष्ण, बड़ी संगत, बहराइच ।→२३-७६ ।

(ट)→पं० २२-२० ।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—बालकृष्ण कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ६२५, कूचा शरीफ बेग, मुक्ताराम का

मंदिर, दिल्ली।→दि० ३१-१०।

(ख) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०— श्री बनवारीदास पुजारी, बाह्मन थोक मंदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा)।→२६-२६।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)—रामरसिक कृत। लि० का० सं० १८४०। वि० भागवत एकादश स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—पं० रामरत्न त्रिपाठी 'निर्भीक', अध्यापक, फर्स्ट हाईस्कूल (फैजाबाद)। →सं० ०१-३५५।

भागवत (एकादश स्कंध टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह, रजनपुर (गंगासिंह का पुरवा), डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-४८२।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—खर्ग (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—गजाधरसिंह, सुरहैदी (आगरा)।→३२-११६।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)— जनलाल (सोती) कृत। र० का० सं० १५३७। लि० का० सं० १८८३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० कन्हैयाराम सोती, सीस्ता, डा० सैमरा (मथुरा)।→३२-६५।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—जयकृष्ण कृत। लि० का० सं० १८२२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०— पं० भजनराम, पानी ग्राम, वृंदावन (मथुरा)।→३२-६८।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—ज्ञानानंद कृत। लि० का० सं० १९०५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० चोखेलाल, परसोत्तीगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३२-९९।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—नंददास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८३३।

प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-११।

(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-२०० बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—श्री मुरालीलाल केडिया, नंदनसाहु की गली, वाराणसी। → ४१-५०८ ग (अप्र०)।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १८२३। वि० भागवत दशम स्कंध का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८३१।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)। → सं० ०४-१८३ ज।

(ख) लि० का० सं० १९०८।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर, रारीभोत, डा० नरखुरिया (बस्ती) ।→सं० ०७-६६ ।

(ग) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६-२१३; २०-११८ ।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—निहालदास कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत राधाकृष्ण जी, बड़ी संगत, बहराइच ।→२३-३०५ ।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—त्रकस (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—श्री विष्णुभरोसे शुक्ल, जनगाँव, डा० अतरौली (हरदोई) । → २६-२१ ए ।

(ख) प्रा०—श्री हरिवल्लभ मिश्र, झाझन, डा० पिहानी (हरदोई) ।→ २६-२१ बी ।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—अन्य नाम 'हरिचरित्र' । भूपति कृत । र० का० सं० १७४४ । वि० भागवत का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८५७ ।

प्रा०—बाबू कृष्णप्रसादसिंह, गोरखपुर ।→०२-११५ ।

(ख) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—अमीरउद्दौला पुस्तकालय, लखनऊ ।→सं० ०७-१४१ ।

(ग लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—श्री शाकंभरीलाल भटनागर, शारिवान (मुजफ्फरनगर) ।→सं० १०-१०१ ।

(घ) प्रा०—पं० गोकुलचंद्र, धर्मशाला गिरीश बाबू, राधाकुंड, मथुरा ।→ १७-२६ ए ।

(ङ) प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा, बुलंदशहर ।→१७-२६ बी ।

(च) प्रा०—मुंशी गंगासहाय, लिपिक (क्लर्क) अमेठी राज्य, फरौंदी (सुलतानपुर) ।→२३-५६ ।

(छ) प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→३८-१३ ए ।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८-१३ बी ।

(झ) प्रा०—पं० लालताप्रसाद, लुपैटी, इटावा ।→३८-१३ सी ।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—रामदास कृत । वि० भागवत दशम स्कंध का अनुवाद ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३३१ क ।

(ख) प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद दूबे, उसरहा, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३३१ ख ।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—श्रीलाल कृत । र० का० सं० १६७४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→ ३२-२०७।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—हरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—सर्वोपकारक पुस्तकालय, अछनेरा (आगरा)।→३२-७७ ए।

भागवत (दशम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्रीयुत गोपालचंद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, गाजीपुर।→सं० ०७-२५०।

भागवत (दशम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मोटर ड्राइवर, उसायनी, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-३४५।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—मुं० रामप्रसाद, धीरपुरा, डा० टूँडला (आगरा)।→२६-३४६।

भागवत (दशम स्कंध)→'आनंदमंगल' (मनीराम कृत)।

भागवत (दशम स्कंध)→'आनंदलहरी' (रतन कृत)।

भागवत (दशम स्कंध)→'कृष्णविलास' (शंभुनाथ त्रिपाठी 'शंभु' कृत)।

भागवत (दशम स्कंध)→'सुधासार' (छत्र कवि कृत)।

भागवत (दशम स्कंध)→'हरिभक्ति विलास' (राजा विक्रमसाहि कृत)।

भागवत (दशम स्कंध की संक्षिप्त कथा) (पद्य)—बाजूराय कृत। लि० का० सं० १८४३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला भगवानदीन जी, छतरपुर।→०६-६।

भागवत (दशम स्कंध चरित्र उपाख्यान सहित) (पद्य)—जगतानंद कृत। र० का० सं० १७३१। वि० भागवत दशम स्कंध का संक्षिप्त वर्णन।

(क) प्रा०—श्री देवकीनंदाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-८० बी।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-११६ क।

भागवत (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मोटर ड्राइवर, उसायनी, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-३४४।

भागवत (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध भाषा) (पद्य)—गोपीनाथ (द्विज) कृत। र० का० सं० १६३६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० शिवलालसिंह, पिपरौली (आगरा)।→२६-१२६।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (गद्य)—अंगद (शास्त्री) कृत। लि० का० सं० १६४२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मुरलीधर द्विवेदी, लहरपुर (सीतापुर)।→२६-१६।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—आनंद कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद पांडेय, बिलंदा, डा० हसुआ (फतेहपुर) ।→२० ७ ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—कनकसिंह कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री रामनाथ वैद्य, सलेमपुर (अलीगढ़) ।→२६-१८२ ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'भागवत भाषानुवाद' । कृपाराम कृत । र० का० सं० १८१५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८१६ ।

प्रा०—गूदड़ बाबा का मंदिर, चित्रकूट, बाँदा ।→०६-१५५ ।

(ख) लि० का० सं० १६०६-१६०६ के बीच ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेख (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०५-६ ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचरित्र', 'श्यामविलास', और 'गिरिधारी काव्य' । गिरिधारीदास (गिरिधारी) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, गौरागाँ (उन्नाव) ।→सं० ०४-३३ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र, दीनदारपुर (मुरादाबाद) ।→१२-६१ ।

(ग) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—पं० केदारनाथ तिवारी, उत्तरपाड़ा, रायबरेली ।→२३-१२४ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६५६ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी विशारद, पूरेपरान पांडे (रायबरेली) ।→ २६-१४१ ।

(ङ) लि० का० सं० १६६५ ।

प्रा०—श्री उमेशदत्त त्रिपाठी, गौरा (उन्नाव) ।→सं० ०४-६६ ग ।

(च) लि० का० सं० १६६६ ।

प्रा०—श्री रामशंकर त्रिपाठी, उत्तरपाड़ा (रायबरेली) ।→सं० ०४-६६ घ ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—नरहरिदास (बारहट) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-४८ ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (गद्य)—मक्खनलाल (खत्री) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, शिवगढ़, डा० सिधौली (सीतापुर) । → २६-२८८ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, जैपालपुर, डा० गंगागंज (सीतापुर) ।→२६-२८८ बी ।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सगरगेट, झाँसी।→०६–१६६ बी।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (गद्य)—शालिग्राम (वैश्य) कृत। लि० का० सं० क्रमशः १९५० और १९५१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला रामचरण कुर्मी, इनायतपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २६–४१८ ए, बी।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (गद्य)—सेवादास (सेवाराम) कृत। र० का० सं० १८८०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० भजनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८–१३६ सी।

(ख) प्रा०—श्री मुरलीधर, कनौरा (आगरा)।→३२–१६८ ए।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—हरलाल (चतुर्वेदी) कृत। र० का० सं० १८०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री नटवरलाल वैद्य, गुजरइट्टा, मथुरा।→३२–७१।

भागवत (दशम स्कंध भाषा) (पद्य)—हितदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा० गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–७६ सी।

भागवत (दशम स्कंध भाषा)→'कृष्णविनोद' (चंददास कृत)।

भागवत (दशम स्कंध भाषा)→'हरिचरित्र' (लालचदास हलवाई कृत)।

भागवत (द्वादश स्कंध) (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १८४६-५१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८३।

भागवत (द्वादस स्कंध अनुवाद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८०७। लि० का० सं० १९वीं शती। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। →४१–३७६।

भागवत (प्रथम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत प्रथम स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२४७।

भागवत (प्रथम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भागवत प्रथम स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—श्रीयुत गोपालचंद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, गाजीपुर।→सं० ०७–२४८।

भागवत (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'भागवत (महापुराण)'। रसजानिदास कृत। र० का० सं० १८०७। वि० नाम से स्पष्ट।

भागवत के बारहों स्कंध

(क) लि० का० सं० १९०५।

प्रा०—महंत त्रिवेणीदास, चेला मंगलदास जी, राधावल्लभ की शाला, डा० बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-२६४ बी ।

(ख) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर ।→०१-६४ ।

(ग) प्रा०—श्री ललितप्रसाद हकीम, बाँस की मंडी, मुरादाबाद । → १२-१५० ।

(घ) प्रा०—पं० खुशालीराम राजोरिया, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा) । → २६-२६४ ए ।

प्रथम तथा द्वितीय स्कंध

(ङ) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—श्री नन्हूप्रसाद दूबे, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-२६४ एफ ।

अन्य स्कंध क्रमशः

(च) लि० का० सं० १६१२ ।

(प्रथम स्कंध) ।→२६-२६४ सी ।

(छ) (द्वितीय स्कंध) ।→२६-२६४ ई ।

(ज) (तृतीय स्कंध) ।→२६-२६४ जी ।

(झ) लि० का० सं० १८६२ ।

(चतुर्थ स्कंध) ।→२६-२६४ एच ।

(ञ) लि० का० सं० १६१२ ।

(पंचम स्कंध) ।→२६-२६४ आई ।

(ट) (षष्ठम स्कंध) ।→२६-२६४ जे ।

(ठ) लि० का० सं० १८६४ ।

(सप्तम स्कंध) ।→२६-२६४ के ।

(ड) लि० का० सं० १८६४ ।

(अष्टम स्कंध) ।→२६-२६४ एल ।

प्रा०—(उपर्युक्त सभी का)—पं० कैलाश शर्मा, चित्रौली, डा० बाह (आगरा) ।

प्रथम स्कंध

(ढ) प्रा०—पं० जयदेव मिश्र, मरैनी, डा० जगनेर (आगरा) । → २६-२६४ डी ।

अष्टम स्कंध

(ण) प्रा०—बाबू रामबहादुर अग्रवाल, बाह (आगरा) ।→२६-२६४ एम ।

भागवत (भाषा) (गद्यपद्य)—रामवल्लभ (कवि चंद्र) कृत । र० का० सं० और लि० का० सं० १८६१-१८७० तक । वि० भागवत दशम स्कंध का अनुवाद ।

प्रा०—श्री रामेश्वर मिश्र, डुँगीपार, डा० भैंसा बाजार (गोरखपुर) । → सं० ०१-३५३ ।

भागवत (भाषा) (पद्य)—लच्छीराम कृत । वि० भागवत के कुछ अंशों का अनुवाद ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०९-१६१ ।

भागवत (भाषा)→'कृष्णविनोद' (चंददास कृत) ।

भागवत (भाषानुवाद)→'आनंदाबुनिधि' (महाराजा रघुनाथसिंह कृत) ।

भागवत (भाषानुवाद)→'भागवत (दशम स्कंध भाषा)' (कृपाराम कृत) ।

भागवत (भावार्थदीपिका) (गद्य)—श्रीधर (स्वामी) कृत । वि० भागवत चतुर्थ पंचम, षष्ठ, अष्टम और नवम स्कंध का भावार्थ ।

प्रा०—पं० गौरीशंकर गौड़, धौंकल, डा० बरहन (आगरा) ।→२९-३१५ ए से ई तक ।

भागवत (महापुराण) (पद्य)—मुकुंददास कृत । वि० भागवत के प्रथम से अष्टम स्कंध तक का अनुवाद ।

प्रा०—पं० केदारनाथ ज्योतिषी, मारू गली, मथुरा ।→३५-६५ ।

भागवत (महापुराण)→'भागवत (भाषा)' (रसजानिदास कृत) ।

भागवत (षष्ठ और सप्तम स्कंध) (पद्य)—परशुराम कृत । वि० भागवत के षष्ठ और सप्तम स्कंध का अनुवाद ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद चौहरे, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-७३ ।

भागवत (सप्तम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भागवत सप्तम स्कंध की टीका ।

प्रा०—पं० बाबूलाल दूबे, भलिया, डा० काकोरी (लखनऊ) ।→सं० ०७-२४९ ।

भागवत अवतरणिका (पद्य)—गणेशदत्त कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० भागवत की विषय सूची ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-५५ ।

भागवत की अनुक्रमनी (पद्य)—आलदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० भागवत की अनुक्रमणिका ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२३९ घ ।

भागवतगीता (भाषा) (पद्य)—जयतराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—श्री एडवर्ड हिंदी पुस्तकालय, हाथरस ।→१२-८५ ।

(ख)→१७-८८ ।

भागवतगीतावली (दशम स्कंध) (पद्य)—लोकदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० श्रीमद् भागवत के दशम स्कंध में श्रीकृष्ण चरित्र का वर्णन ।

प्रा०—महंत रामानंद, लखहाकुटी (बहराइच) ।→२३-२४८ ए ।

भागवत चक्र (पंचम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पृथ्वीखंड सागर इत्यादि का परिमाण दर्शक चक्र ।

प्रा०—पं० जौहरीलाल शर्मा, बुलंदशहर ।→१७-१२ (परि० ३) ।

भागवत चरित्र (पद्य)—भागवतदास कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० शंकराचार्य,

रामानुज, मीरा, नरसी, जयदेव, चतुरदास, हितहरिवंश, कबीर, तुलसीदास और सूरदास आदि भक्तों का चरित्र वर्णन।

(क) का० सं० सं० १८८०।

प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग।→४१-१७३ क।

(ख) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह साहब, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-५१ ए।

(ग) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → ०६-२२।

भागवतदर्शन स्तोत्र की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गुरु भक्ति एवं उपदेश।

प्रा०—श्री नत्थी भट्ट, गोवर्धन (मथुरा)।→१७-११ (परि० ३)।

भागवतदास—श्री संप्रदाय के वैष्णव। मगरौरा (रायबरेली) के निवासी। रामप्रसाद के पुत्र। पहले प्रयाग में बाबा सीताराम के शिष्य हुए। अनंतर शिलावत गाँव (फतेहपुर) में रहने लगे। सं० १८६३-१८६७ के लगभग वर्तमान।

तत्वबोध (पद्य)→४१-१७३ ङ।

भक्तमालमाहात्म्य (पद्य)→२६-५१ बी; ४१-५३३ (अप्र०)।

भागवतचरित्र (पद्य)→०६-२२; २६-५१ ए; ४१-१७३ क।

रामकंठाभरण (पद्य)→४१-१७३ ट।

रामरसायन पिंगल (पद्य)→०६-२१; २३-४५; ४१-१७३ च, छ।

रामरहस्य (पद्य)→४१-१७३ अ।

रामायणमाहात्म्य (पद्य)→४१-१७३ ग, घ।

सच्चिदानंदविहार स्तोत्र (पद्य)→४१-१७३ झ।

सूर्यपुराण (पद्य)→४१-१७३ ज।

हनुमानअष्टक (पद्य)→४१-१७३ ख।

भागवतदास—रेहुआ (बहराइच) में सरयू किनारे बरनापुर के निवासी। बीसवीं शताब्दी में वर्तमान।

न्यायनिरूपण ककहरा (पद्य)→२३-४६।

भागवतदास→'भगवतदास' ('जोधरतन' के रचयिता)।

भागवतपचीसी (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। लि० का० सं० १९०६। वि० भागवत का माहात्म्य।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-२०६।

भागवतपुरान (दशम, एकादश, द्वादश स्कंध)→'सूरसागर' (सूरदास कृत)।

भागवत भाषा (जन्म, मध्य और पारायण कांड) (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १८२३। वि० भागवत की कथाओं का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३१।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर) ।→२३-३०१ डी ।
(ख) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, राज पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर (गोंडा) । → ०६-२१६ ।
(ग) प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडे का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→सं० ०४-१८३ झ ।

भागवत भाषा (दशम स्कंध) (पद्य)—अन्य नाम 'हरिचरित्र' । सबलस्याम (सबलश्याम) कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० कृष्ण चरित्र ।
(क) लि० का० सं० १७७५ ।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, बिसवाँ (सीतापुर) ।→१२-१६० ।
(ख) लि० का० सं० १७७५ ।
प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-४१३ ए ।
(ग) लि० का० सं० १८१० ।
प्रा०—पं० रामसुंदर मिश्र, बटाघरी, डा० अकौना (बहराइच) । → २३-३६३ ए (ए) ।
(घ) लि० का० सं० १८१८ ।
प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→ २३-३६३ ए (बी) ।
(ङ) लि० का० सं० १८७५ ।
प्रा०—भैया संतबक्ससिंह, गुठवारा (बहराइच) ।→२३-३६३ ए (सी) ।
(च) लि० का० सं० १८७१ ।
प्रा०—श्री सीतलप्रसाद निगम, पट्टीदारान, सैदपुर (बाराबंकी) । → २३-३६३ ए (ई) ।
(छ) का० सं० १८८८ ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) । → २३-३६३ ए (डी) ।
(ज) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—ठा० रामसिंह अध्यापक, बभनगवाँ, डा० अमोढ़ा (बस्ती) । → सं० ०४-४०१ ।
(झ) प्रा०—भैया संतबक्शसिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३-३६३ ए (एफ) ।
(ञ) प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैला सराय, डा० बौंढ़ी (बहराइच) ।→ २३-३६३ ए (जी) ।
(ट) प्रा० -राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→ ३६-४१३ बी ।

भागवत भाषा (द्वादश स्कंध) (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १८५२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बृजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०६–१५८ ए।

भागवत भाषा (पंचम स्कंध) (पद्य)—मुरलीधर (कविराई) कृत। वि० भागवत पंचम स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३०३।

भागवत भाषा (प्रथम स्कंध) (पद्य)—कृष्णदास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० भागवत प्रथम स्कंध का अपूर्ण अनुवाद।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२०–८७।

भागवत भाषा (संपूर्ण) (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि० प्रथम से द्वादश स्कंध तक का अनुवाद।

(क) प्रथम स्कंध।→२३–२१८ ए।

(ख) लि० का० सं० १८६३। द्वितीय स्कंध।→२३–२१८ बी।

(ग) तृतीय स्कंध।→२०–२१८ सी।

(घ) लि० का० सं० १६१०। चतुर्थ स्कंध।→२३–२१८ डी।

(ङ) लि० का० सं० १६१०। पंचम स्कंध।→२३–२१८ ई।

(च) लि० का० सं० १६१०। षष्ठ स्कंध।→२३–२१८ एफ।

(छ) लि० का० सं० १६१०। सप्तम स्कंध।→२३–२१८ जी।

(ज) अष्टम स्कंध।→२३–२१८ एच।

(झ) लि० का० सं० १६१०। नवम स्कंध।→२३–२१८ आई।

(ञ) लि० का० सं० १६१०। दशम स्कंध।→२३–२१८ जे।

(ट) एकादश स्कंध।→२३–२१८ के।

(ठ) लि० का० सं० १६१०। द्वादश स्कंध।→२३–२१८ एल।

प्रा०—(उपर्युक्त सभी का) हिंदी पुस्तकालय, नवाबगंज, बाराबंकी।

भागवत महिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत। र० का० सं० १८३७। वि० भागवत का माहात्म्य और बारहों स्कंधों का सार।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुर सीकरी (आगरा)।→ ३२–१२० ए।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १८५५। वि० पद्मपुराण के भागवत माहात्म्य का अनुवाद।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५–६।

(ख) प्रा०—पं० बृजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०६–१५८ बी।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—मेहरबानदास कृत। र० का० सं० १८८६। लि० का० सं० १९३५। वि० भागवत का संक्षिप्त वर्णन।

प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, राजकीय पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर।→०६-१६८।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—यमुनादास कृत। र० का० सं० १६०४ (?)। वि० पद्मपुराणांतर्गत भागवतमाहात्म्य का अनुवाद।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद ब्रह्मभट्ट, लालदरवाजा, मथुरा।→३५-१०७।

भागवत माहात्म्य (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १६११। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१८।

भागवत माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामचंद्र जाट, पनवारी, डा० अछनेरा (आगरा)।→२६-३४७।

भागवत मुदित→'भगवत मुदित' ('वृंदावनसत' के रचयिता)।

भागवत विलासिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत। र० का० सं० १८८१। लि० का० सं० १८८१। वि० भागवत के अंतर्गत खगोल विद्या का वर्णन।

प्रा०—श्री रामानंद द्विवेदी पीडरी, डा० काझा (आजमगढ़)। → सं० ०१-३५८ घ।

भागवतशरण (पांडेय)—सरयूपारीण ब्राह्मण। पुरवा हरदत्त मिश्र (प्रतापगढ़) के निवासी। कानपुर की ब्राह्मण पलटन के जमादार।

अक्षरशब्दप्रपाटिका (पद्य)→२६-५३ ए।

ज्ञानदीपक (पद्य)→२६-५३ बी।

भागवतसार (भाषा)→'भागवतसार पचीसी' (हितचंदलाल कृत)।

भागवतसार पचीसी (पद्य)—हितचंदलाल कृत। र० का० सं० १८५४। वि० भागवत की संक्षिप्त कथा।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००-६६।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →०६-४३ सी।

भागवतसुलोचना टीका (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० भागवत का माहात्म्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१४१।

भागीरथीप्रसाद→'अधीन' (बाँकीमौली) निवासी।

भागीरथीलीला (पद्य)—तारापणि कृत। वि० राजा भगीरथ द्वारा गंगा को पृथ्वीपर लाने की कथा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३३६ (विवरण अप्राप्त)।

भाग्यबोधिनी (गद्य)—रामेश्वर कृत। लि० का० सं० १६३१। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री रामस्वरूप शर्मा, वीरमपुर, डा० किशनी (मैनपुरी) । →३२-१८४ ।

भान→'हरिमान' ('नरेंद्रभूषण' के रचयिता) ।

भानु (मिश्र)—सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

रसवृंद (गद्यपद्य)→२३-५० ।

भानुकीर्ति→(?)

आदित्य कथा (पद्य)→२६-४१ ।

टि० खो० वि० में रचयिता का नाम भूल से भाऊ कवि मान लिया गया है ।

भानुकुँवर—ग्वालियर (गोपाचल) नरेश कीरतिसिंह के पुत्र । थेघनाथ के आश्रयदाता । →सं० ०१-१४६ ।

भानुजसिंह—सं० १८८८ के पूर्व वर्तमान ।

जपमंगल (पद्य)→सं० ०४-२५७ ।

भानुप्रताप—बिजावर नरेश । महाराज छत्रशाल के वंशज । लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहिब) के आश्रयदाता । सं० १९०९ के लगभग वर्तमान ।→०५-८४ ।

भानुमती कबूतरकला चरित्र (गद्य)—नरसिंह कृत । वि० मंत्र सिद्धि के उपाय ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-२४६ ।

भारत (मूल) (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १९१२ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—श्री गदाधर, चौकसी, समथर ।→०६-७९ आई ।

भारत कवितावली (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १९१२ । लि० का० सं० १९१२ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—श्री गदाधर, चौकसी, समथर ।→०६-७९ के ।

भारत का इतिहास (पद्य)—गणेशीलाल कृत । वि० 'इतिहास तिमिर नाशक' के आधार पर भारतवर्ष का इतिहास ।

प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवइया (फतेहपुर) । →२०-४९ ।

भारतप्रबंध (पद्य)—मनसाराम (पांडे) कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० महाभारत की संक्षिप्त कथा ।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर । →०५-६६ ।

भारतवर्ष का इतिहास (गद्य)—वंशीधर कृत । र० का० सं० १९०९ । वि० सन् १८४७ ई० तक का भारतवर्ष का इतिहास ।

(क) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—ठा० हरिहरसिंह, एटा ।→२६-२९ इ ।

(ख) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०—लाला रामदयाल, आजनगर, डा० नौखेड़ा (एटा) ।→२६-२९ एफ ।

भारतवर्षीय वृत्तांतप्रकाश (गद्य)—मगनलाल (पंडित) कृत । र० का० सं० १९२६ । मु० का० सं० १९२६ । वि० उर्दू तवारीख वाकिआतहिंद का अनुवाद ।

प्रा०—श्री विक्रमाजीतसिंह भादर (सुलतानपुर) ।→सं० ०४-२७४ ।

भारतवार्तिक (गद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । लि० का० सं० १९१२ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी (फारेस्ट आफीसर), दतिया ।→ ०६-७९ एक्स ।

भारतविलास (पद्य)—दिग्गज (कवि) कृत । र० का० सं० १७६६ । वि० महाभारत की कथा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-३८ ।

भारतशाह—उप० भरत (भरथ) । दीवान सावंतसिंह (बिजना, बुंदेलखंड) के जागीरदार के पौत्र । सं० १७९७ के लगभग वर्तमान ।

उपाअनिरुद्ध की कथा (पद्य)→०६-१४ ए ।

हनुमान विरुदावली (पद्य)→०६-१४ बी; ०९-२५; ४१ ५३२ (अप्र०) ।

भारतसार (पद्य)—लाल (कवि) कृत । लि० का० सं० १९१२ । वि० महाभारत विराट, वन और उद्योग पर्व की कथा ।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६-१८८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

भारतसार (भाषा) (पद्य)—चैनराम कृत । र० का० सं० १८८५ । वि० महाभारत की संक्षिप्त कथा ।

प्रा०—श्री आरतराम, महामंदिर, जोधपुर ।→०१-८३ ।

भारतसावित्री (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० और लि० का० सं० १९१२ । वि० कौरव और पांडवों के जन्म की कथा ।

प्रा०—श्री गदाधर चौकसी, समथर ।→०६-७९ जे ।

भारती—वास्तविक नाम भारतीचंद । ओछड़ा नरेश । सं० १८३२ के लगभग वर्तमान ।

रसशृंगार (गद्यपद्य)→०६-१३ ।

भारतीकंठाभरण (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-१७९ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८९६ ।

प्रा०—श्री मंगलाप्रसाद द्विवेदी, गोगहर, डा० ढेंगुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-१०६ क ।

भारतीचंद→'भारती' ('रसशृंगार' के रचयिता) ।

भारथसाहि—अन्य नाम भारथसिंह । कोई राजवंशी । पिता का नाम हरिसिंघ । देउरा निवासी । सं० १८९७ के पूर्व वर्तमान ।

सतकविकुलदीपिका (पद्य)→सं० ०१-२५७ ।

भारथसिंह→'भारथसाहि ('सतकविकुलदीपिका' के रचयिता) ।

भारामल्ल (जैन)—फरुखाबाद निवासी । पश्चात् भदावर राज्यांतर्गत भिंड नगर में

निवास। पिता का नाम संघई परसुराम। सं० १८१४-३२ के लगभग वर्तमान।

चार कथा का गुटका (पद्य)→सं० ०४-२५८ क।

जिदर्शन कथा (पद्य)→२६-३६ ए; सं० १०-६७ क से न तक।

दान कथा (पद्य)→सं० ०४-२५८ ख।

निशिभोजन त्याग व्रत कथा (पद्य)→२३-५१ ए।

मुक्तावली व्रत कथा (पद्य)→२६-३६ बी।

शीलकथा (पद्य)→२३-५१ बी; सं० १०-६७ च, छ।

सप्तव्यसन पुराण की भाषा (पद्य)→सं० १०-६७ झ, ञ, ट।

भावकल्लोल (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १७१३। वि० शृंगार काव्य।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ तो।

भावचंद्रिका (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८५१। वि० गीतगोविंद का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—ठा० कामतासिंह, किशनपुर, डा० सेवटा (आजमगढ़)। → सं० ०१-३०६।

(ख) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—लाला हरप्रसाद, छतरपुर।→५०-७२।

भावदीपक→'सरसप्रकाश' (गंगाराम यति कृत)।

भावन—वास्तविक नाम भवानीदत्त। मयूरध्वज नगर (मौरावाँ, उन्नाव) के निवासी। पाठक (छितुपुरी) ब्राह्मण छोटे भाई का नाम फणींद्रदत्त। पिता का नाम गंगाप्रसाद। पितामह का नाम शीतल शर्मा और परपितामह का नाम भावदत्त। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-२६० क।

बरवै (पद्य)→सं० ०४-२६० ख।

शक्तिचिंतामणि (पद्य)→०६-२८; २३-५२ सी; २६-५५; सं० ०४-२६० ग, घ।

भावन—(?)

मंगलगारी (पद्य)→सं० ०४-२५६।

भावनापचीसी (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० राम सीता की सखियाँ और उनकी दिनचर्या का वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-६६ सी।

भावनापचीसी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-२६ सी।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-४३ जे।

भावनाप्रकाश (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८४९। वि० ब्रज की नित्य विहार लीला।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)।→०१-१०४।

भावनामृत कादंबिनी (पद्य)—युगलअलि (युगलमंजरी) कृत। वि० भगवद्भक्ति और रामसीता का विहार।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३४६ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १९०९।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-२०५।

भावनारहस्य→'बरवाविलास' (युगलानन्यशरण कृत)।

भावनासत (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० रामोपासना की विधि।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२७९ डी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-८५।

भावनासागर (गद्य)—चतुरशिरोमणिलाल कृत। र० का० सं० १८६८। लि० का० सं० १९६४। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।

प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →३८-७६।

भावनासुबोधिनी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। लि० का० सं० १८९६। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० गिरधरलाल जी, झाँसी।→०९-४३ ई।

भावनिदान (पद्य)—गंगाराम (यति) कृत। र० का० सं० १८७८। वि० वैद्यक।→ पं० २२-३१ सी।

भावपंचाशिका→'भावप्रकाश पंचाशिका' (वृंद कवि कृत)।

भावप्रकाश (पद्य)—गिरिधर (भट्ट) कृत। र० का० सं० १९१२। लि० का० सं० १९३९। वि० चिकित्सा विषयक संस्कृत 'भावप्रकाश' का अनुवाद।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-३८ सी।

भावप्रकाश→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत)।

भावप्रकाश पंचाशिका (पद्य)—अन्य नाम 'भावपंचाशिका'। वृंद (कवि) कृत। र० का० सं० १७४३। वि० शृंगार, रस, नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—ठा० गंगासिंह, देवरिया, डा० बसोरा (सीतापुर)।→२६-५०४।

(ख) लि० का० सं० १९५३।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०९-३३० ए।

(ग) प्रा०—पं० रामदेव, बबुरीगाँव, डा० धनौली (बाराबंकी)।→२३-४४६ ए।

(घ) प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१-१६।

(ङ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५६२ (अप्र०)।

भावप्रकाशिनी टीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'भावप्रकाश' और 'विमलवैराग्य संपादिनी'। संतसिंह कृत। र० का० सं० १८८१-८८। वि० रामचरितमानस की टीका।

संपूर्ण

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-७८।

बालकांड

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-२८२ ए।

(ग) लि० का० सं० १६५२।

प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४२६ बी।

अयोध्याकांड

(घ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६-२८२ बी।

(ङ) लि० का० सं० १६५२।

प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४२६ ए।

अरण्यकांड

(च) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-२८२ सी।

किष्किंधाकांड

(छ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६-२८२ डी।

सुंदरकांड

(ज) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-२८२ ई।

लंकाकांड

(झ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-२८२ एफ।

उत्तरकांड

(ञ) प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-२८२ जी।

भावभावना (गद्य)—हरिराय कृत। वि० पुष्टिमार्गीय सिद्धांतानुसार राधाकृष्ण विषयक उत्सव एवं सेवाएँ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-८३ जी।

भावरसामृत (पद्य)—गुलाबसिंह कृत। र० का० सं० १८३४। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→सं० ०४-७१।

(ख) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—पं० अवधेश, भिउरा, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)।→सं० ०७-३३।

भावविलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत। वि० काव्य के भावों का वर्णन।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ जी।

भावविलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र० का० सं० १७४६। वि० अलंकार, नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-४१।

(ख) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६-६४ एफ।

(ग) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—श्री ललिताप्रसाद वैश्य, नयाघाट, अयोध्या।→२०-३६ ए।

(घ) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा)।→२६-८० ई।

(ङ) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-८६ जी।

(च) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—श्री मुन्नू मिश्र, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-८६ एच।

(छ) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-८६ आई।

(ज) प्रा०—पं० महाराजदीन चौबे, कसराय (रायबरेली)।→२३-८६ जे।

भावविलास (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२०। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी (मिरजापुर)। →०६-३३१ सी।

भावशतक (पद्य)—शारंगधर कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-४११।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ की प्रतिलिपि सं० १७६२ की प्रति से हुई है।

भावसत (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० भावपूर्ण सौ दोहों का संग्रह।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ द ।

भावसिंह—आगरा निवासी । जैन धर्मानुयायी । सं० १७८२ के लगभग वर्तमान । 'पुण्याश्रवकथाकोस भाषा' नामक इनकी रचना इनकी मृत्यु के कारण अधूरी रह गई थी जिसको जियराज ने पूरा किया ।→सं० ०४–१३३ ।

जीवनचरित्र (भाषा) (पद्य)→२३–५४; ४१–५१४ (अप्र०) ।

भावसिंह—बूँदी के महाराज हाड़ा सुरजनराव के वंशज । मतिराम के आश्रयदाता । सं० १७०७ के लगभग वर्तमान ।→०३–६७ ।

भावार्थचंद्रिका (पद्य)—मनियारसिंह कृत । र० का० सं० १८४३ । लि० का० सं० १८५६ । वि० महिम्नस्तोत्र का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–४७ ।

भाषा काव्यप्रकाश→'कवित्त भाषादूषण विचार' (बलभद्र कृत) ।

भाषाकोश (हिंदी संस्कृत) (गद्यपद्य)—माधवदास (भट्ट) कृत । वि० कोश ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२८६ ।

भाषाचंद्रोदय (गद्य)—वंशीधर कृत । र० का० सं० १९११ । लि० का० सं० १९११ । वि० हिंदी का व्याकरण ।

प्रा०—पं० रामभरोसे, देवकुली, डा० मारहरा (एटा) ।→२६–२९ जी ।

भाषाचंद्रोदय (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत । र० का० सं० १९२२ । मु० का० सं० १९२२ । वि० व्याकरण ।

प्रा०—श्री नरसिंहनारायण शुक्ल, मीरजहाँपुर, डा० भिडारा (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४३५ क ।

भाषाजातक→'जातकालंकार (भाषा)' (लोचनसिंह कायस्थ कृत) ।

भाषाद्विर्घटिका (पद्य)—रघुवरदयाल कृत । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—ठा० बलदेवसिंह, गौरी, डा० माल (लखनऊ) । →सं० ०७–१५९ ख ।

भाषापंचपक्षी (पद्य)—सूपण कृत । वि० शुभाशुभ शकुन वर्णन ।

प्रा०—श्री सरजूप्रसाद दूबे, लच्छी पट्टी, डा० गंगरामऊ (जौनपुर) । → सं० ०४–८२१ ।

भाषापंचाध्यायी→'रासपंचाध्यायी' (गोपालराय भाट कृत) ।

भाषापिंगल→'पिंगल' (चिंतामणि त्रिपाठी कृत) ।

भाषाभरण (पद्य)—बैरीसाल कृत । र० का० सं० १८२५ । वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १९४६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–२६ ।

(ख) लि० का० सं० १८७९ ।

प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–२५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९३५ ।

प्रा०—ठा० लक्ष्मणसिंह, सैदापुर, डा० मंडिया, तालुका नीलगाम (सीतापुर)। →२३-२५ बी।

(घ) लि० का० सं० १६४६।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६-१३।

(ङ) प्रा०—श्री छन्नूलाल भट्ट, अजयगढ़।→०६-११२ (विवरण अप्राप्त)।

भाषा भागवत समूल एकादश स्कंध (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १८१३। लि० का० सं० १८२०। वि० भागवत एकादश स्कंध का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५५।

भाषाभूषण (पद्य) - जसवंतसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० नायक नायिकाभेद और अलंकार।

(क) लि० का० सं० १७८४।

प्रा०—पं० ब्रजभूषण, दानयालपुर, डा० तंबोर (सीतापुर)।→२६-२०१ बी।

(ख) लि० का० सं० १८४२।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७६ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—राजा भगवानबक्श जी, अमेठी राज (सुलतानपुर)।→२३-१८३ ए।

(घ) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-१८३ बी।

(ङ) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—बाबू जयमंगलराय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर।→२६-२०१ ई।

(च) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-१८३ सी।

(छ) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२०-७०।

(ज) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, गंगापुरवा, डा० औरंगाबाद (सीतापुर)। →२६-२०१ सी।

(झ) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० राधाकृष्ण शास्त्री, अध्यापक, किठावर पाठशाला, डा० पूरबगाँव (प्रतापगढ़)।→२६-२०१ डी।

(ञ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-४७।

(ट) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२५१ (विवरण अप्राप्त)।

(ठ) प्रा०—पं० केदारनाथ, बुढ़ावल, डा० रामनगर (बाराबंकी)। → २३-१८३ डी।

(ड) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, तालुकेदार, लवेदपुर (बहराइच)। → २३-१८३ ई।

(ढ) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → २३-१८३ एफ।

(ण) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)। → २६-१७०।

(त) प्रा०—ठा० रामसिंह, मंडौली, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१-४३।

(थ) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७-६१।

भाषाभूषण (पद्य)—श्रीधर (मुरलीधर) कृत। र० का० सं० १७६७। वि० अलंकार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२७०।

भाषाभूषण→'अलंकाररत्नाकर' (दलपतिराम कृत)।

भाषाभूषण की टीका (पद्य)—नारायणदास कृत। लि० का० सं० १८४३। वि० महाराज जसवंतसिंह कृत 'भाषाभूषण' की टीका।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-७८ बी।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)—हरि (कवि) कृत। वि० अलंकार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३११।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'चमत्कारचंद्रिका'। हरिचरणदास कृत। र० का० सं० १८३४। वि० महाराज जसवंतसिंह कृत 'भाषाभूषण' की टीका।
(क) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-४७।
(ख) लि० का० सं० १८४०।
प्रा०—पं० रामेश्वर दूबे, असनी (फतेहपुर)।→२०-५६ ए।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३१३।
(घ)→पं० २२-३६ ए, बी।

भाषामहिम्न→'शिवमहिम्न' (दयाल कृत)।

भाषामृत→'भगवद्गीता की टीका' (भगवानदास निरंजनी कृत)।

भाषा लघुव्याकरण (दूसरा भाग) (गद्य)—केशवप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १९३६। वि० हिंदी व्याकरण।
प्रा०—ठा० बलदेवसिंह, गौरी, डा० माल (लखनऊ)।→सं० ०७-२४।

भाषा लीलावती→'लीलावती (भाषा)' (चक्रपाणि कृत)।

भाषा संग्रह (पद्य)—चतुर्भुज (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७०२। लि० का० खो० सं० वि० १४ (११००-६४)

सं० १२०३ के पूर्व। वि० नवरसों पर रचे गए विविध कवियों के १२०० छंदों का संग्रह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१११।

भाषा सप्तशती (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६१७। लि० का० सं० १६१७। वि० 'भाषा सप्तशती' नामक संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०६-७६ एल।

भाषा सामुद्रिक (पद्य)—अजयराज कृत। वि० सामुद्रिक ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६२४।

प्रा०—पं० रामलाल, तुरकैया, अछनेरा (आगरा)।→२६-४ ए।

(ख) प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिया, डा० करहल (मैनपुरी)। →दि० ३१-४।

भाष्यप्रकाश (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० सं० १८०८। वि० रामानुजाचार्य के गीता भाष्य का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-४६।

भास्वति (भाषाटीका) (गद्य)—यशोधर कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० महादेव मिश्र, बटसरा, डा० कम्पिया (गोरखपुर)। → सं० ०१-३११।

भिक्षुकगीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण का उद्धव को ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० वासुदेव, अकोरा (मथुरा)।→३५-१४८।

भिखारीदास—उप० दास। कायस्थ। हिंदी के प्रसिद्ध आचार्य कवि। कृपालदास के पुत्र और वीरभानु के पौत्र। ट्योंगा (अरवर, प्रतापगढ़) निवासी। रचनाकाल सं० १७६५-१८०७ के लगभग। पहले ये बुंदेलखंड के सोमवंशी राजा पृथ्वीसिंह के भाई कुँवर हिंदूपति और पश्चात काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित रहे।

अमरकोश (नामप्रकाश) (पद्य)→सं० ०४-२६१ क।

अमरतिलक (पद्य)→२६-६१ ए, बी।

काव्यनिर्णय (पद्य)→०३-६१; २०-१७ ए, बी; पं० २२-२२; २३-५५ डी, ई; २६-६१ ई से आई तक; २६-४४; सं० ०४-२६१ ख, ग।

छंदप्रकाश (गद्यपद्य)→०३-३२।

छंदार्णव (पिंगल) (पद्य)→०३-३१; २०-१७ सी; २३-५५; ए, बी, सी; २६-६१ सी, डी; सं० ०४-२६१ घ, ङ।

तेरिज काव्यनिर्णय (पद्य)→२६-६१ ओ।

तेरिज रससारांश (पद्य)→२६-६१ पी।

रससारांश (पद्य)→०३-४५; ०४-२१; २३-५५ एफ, जी; २६-६१ जे, के; सं० ०४-२६१ च, छ, ज।

विष्णुपुराण (पद्य)→०६–२७ बी; २६-६१ क्यू, आर; सं० ०४–२६१ भ।

शतरंजशतक (पद्य)→०६–२७ ए; सं० ०४–२६१ ञ।

शृंगारनिर्णय (पद्य)→०३–४६; २३–५५ एच, आई; २६–६१ एल, एम, एन।

भिषजप्रिया (पद्य)—सुदर्शन (वैद्य) कृत। र० का० सं० १७२६। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० रामाधीन वैद्य, बाराबंकी।→२३–४०६।

(ख) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–११२।

(ग) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—पं० ताराचंद मुनीम, दूकान, मुरलीधर महादेवप्रसाद, सिरसागंज (मैनपुरी)। →२६–४६२।

(घ) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर।→०५–८७।

भीखजन—ब्राह्मण। सं० १६८३ में वर्तमान।

बारहखड़ी (पद्य)→३५–१३।

सर्वज्ञबावनी (पद्य)→२६–४५; ३२–२४।

भीखा साहब—सतनामी साधु। संत गुलाल साहब के शिष्य। गोविंद साहब के गुरु। जन्म स्थान खानपुरबोहना (आजमगढ़)। पश्चात् भुड़कुड़ा (गाजीपुर) में रहे। सं० १७८८-६२ के लगभग वर्तमान।→२०–७१।

ककहरा (पद्य)→४१–१७४ क।

नामपहारा (पद्य)→४१–१७४ ख।

रामकुंडलिया (पद्य)→४१–१७४ ग।

रेखता (पद्य)→४१–१७४ ङ।

शब्दावली (पद्य)→२०–१८।

सहस्रनाम (पद्य)→४१-१७४ घ; सं० ०७–१४०; सं० १०–६८।

भीम—संभवतः अमरनगर के निवासी वनुकईद्रदेव कायस्थ के पुत्र नौरतन के कुल में उत्पन्न। सं० १५५० के लगभग वर्तमान।

डंगवेपुराण (पद्य)→सं० ०१–२५८; सं० ०४–२४२।

भीम—राजस्थान के निवासी। सं० १५४१ के लगभग वर्तमान।

हरिलीला सोलह कला (पद्य)→सं० ०१–२५६।

भीम—(?)

महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)→१०–१६।

भीम—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–६५(ग्यारह)।

भीमचंद (मथेन)—विविध कवि कृत 'शंकर पचीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-७२ (चौदह)।

भीम जी—संभवतः राजस्थानी। कोई वैष्णव।
पद (पद्य)→सं० १०-६६।

भीम जू—कायस्थ। भदरस (कानपुर) निवासी। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान। इनके किसी पूर्वज को दिल्ली के बादशाह ने 'कटारमल' की उपाधि दी थी।
गणितसार (पद्य)→०६-१३७।

भीमसिंह—मालवा के कोई राजा। कृष्णदास ('सिंहासनबत्तीसी' के रचयिता) के आश्रयदाता।→०६-१८४।

भीमसिंह—जयपुर के जागीरदार। राधाकृष्ण के आश्रयदाता। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।→०६-२३३।

भीमसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश। राज्यकाल सं० १८४६-६०। कुशल शासक। भंडारी उत्तमचंद के आश्रयदाता।→०२-१८; ०२-१६।

भीमसिंह (महाराणा)—उदयपुर के राणा। राय चिरंजीलाल और उनके पुत्र विनोदीलाल के आश्रयदाता। सं० १८३४ में जन्म तथा सं० १८८५ में मृत्यु।→०२-१०२।

भीमसेन—संभवतः 'डंगवेपुराण' के रचयिता भीम।→सं० ०१-२५८; सं० ०४-२६२।
चक्रव्यूह (पद्य)→सं० ०१-२६०।

भीष्मदास (बाबा)—कश्यप गोत्रीय भट्ट। डौंडियाखेड़ा (बैसवाड़ा) निवासी। हरिवंशराय के पुत्र। युवावस्था में अवध के नवाब शुजाउद्दौला की फौज में नौकर हुए और वहीं साधुओं के सत्संग से वैराग्य उत्पन्न हुआ। फलस्वरूप किसी अनंतदास के शिष्य हो गए जिनके नाम पर अनंतपंथ चलाया। सं० १७७० के लगभग वर्तमान।
अमरावली (पद्य)→३५-१४ ए।
अनुरागभूषण (पद्य)→३५-१४ बी।
कृष्णकेलि (पद्य)→३५-१४ डी।
तत्वसार (ग्रंथ) (पद्य)→३५-१४ एल।
भक्तिविनोद (पद्य)→३५-१४ सी।
मंगलाचरण (पद्य)→३५-१४ ई।
विवेकसागर (पद्य)→३५-१४ एम।
शब्दावली (पद्य)→३५-१४ एफ।
शब्दावली (पद्य)→३५-१४ एन।
संमतसार (ग्रंथ) (पद्य)→३५-१४ एच।
समुझिसार (पद्य)→३५-१४ जी।
सुक्खसागर (पद्य)→३५-१४ के।

सृष्टिसागर (पद्य)→३५-१४ जे; सं० ०४ २६१।
सोसासार (पद्य)→३५-१४ आई।

भीष्म—कबीरपंथी साधु। श्यामदास के शिष्य। अंतर्वेद निवासी। सं० १६२४-१६५१ के लगभग वर्तमान।
नखशिख (पद्य)→२६-६२; सं० ०४-२६३।
भागवत (पद्य)→१७-२५ ए, बी; २६-४६ ए से एफ तक; ३८-१२ ए, बी।

भीष्म—पुष्पावती के राजा गोविंदचंद के आश्रित। सं० १८०० के लगभग वर्तमान।
माधवविलास (पद्य)→सं० ०१-२६१।

भीष्म (कवि)—काशी नरेश महाराज बलवंतसिंह (बरिबंडसिंह) के आश्रित।
बालमुकुंदलीला (पद्य)→०३-१२।

भीष्म पर्व→'महाभारत'।

भुल्लन (शेख) – भरतपुर निवासी।
मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से (गद्य)→२६-६४; २६-५०।

भुवनदास—कानपुर (करहिया बाजार, रायबरेली) के निवासी। इनके वंशज देवता महाराज अभी तक वर्तमान हैं। १८ वीं विक्रम शती में वर्तमान।
दोहावली (पद्य)→सं० ०४-२६५।

भुवनदास—(?)
कृष्णसंहिता (पद्य)→४१-१७५ क।
रामसंहिता (पद्य)→४१-१७५ ख।

भुवनदीपक (पद्य) – रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६७१। वि० ज्योतिष।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-१००।

भुवनसार संग्रह (पद्य)—खुसाल (कवि) कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री हरिहरदत्त दूबे, बहरा, डा० तिथरा (जौनपुर)।→सं० ०४-४६।

भुवाल→'भनभुवाल' ('भगवद्गीता' के रचयिता)।

भूगोल (पद्य)—शंकरदत्त कृत। र० का० सं० १६२६। लि० का० सं० १६२६। वि० खगोलिक और प्राकृतिक भूगोल।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-४२५।

भूगोल (गद्य) – रचयिता अज्ञात। वि० पौराणिक भूगोल।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह, रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६-६६ (परि० ३)।

भूगोल कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० शं० १८४८। वि० पुराणों के भूगोल का वर्णन।
प्रा०—धर्मशास्त्री पं० राजाराम मिश्र, रामसाला, डा० सगड़ी (आजमगढ़)। →सं० ०१-५४७।

[illegible] ([illegible])—[illegible] कृत । लि० का० सं० १८६[illegible] [illegible] वर्णन ।

प्रा०—डा० रघुनाथसिंह, मझोगवा, डा० मैजी (इलाहाबाद) । सं० ०१-२६२ ब ।

भूगोलपुराण (गद्य)—व्यास (वेदव्यास) कृत । वि० पौराणिक भूगोल ।

(क) लि० का० सं० १८०८ ।

प्रा०—पं० भानुदत्त, मुनाई, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→२०-२०२ ।

(ख) प्रा०—राजा अवधेशसिंह जी साहब, कालाकाँकर, प्रतापगढ़ ।→ २६-५०६ ए ।

(ग) प्रा०—बाबू राममनोहर खिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६-५०६ बी ।

(घ) प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बक्सीतालाब (लखनऊ) ।→२६-५०६ सी ।

भूगोलपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८४६ । वि० पौराणिक भूगोल ।

प्रा०—पं० रामअभिलाष, आमापुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४-४८३ ।

भूगोलपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० प्राचीन भूगोल ।

प्रा०—श्री जैंदामल पंसारी, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-३५२ ।

भूगोलपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० प्राचीन भूगोल ।

प्रा०—श्री राममनोहर खिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६-३५३ ।

भूगोलपुराण (प्रमाण) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पौराणिक भूगोल ।

(क) प्रा०—बाबू राममनोहर खिचरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६-६६ (परि० ३) ।

(ख) प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबक्शी (लखनऊ) ।→२६-६६ (परि० ३) ।

भूगोलप्रमाण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६६१ । वि० पौराणिक भूगोल ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-५४८ ।

भूगोलसार (पद्य)—ओंकार (भट्ट) कृत । वि० भूगोल ।

प्रा०—लाला महादेवप्रसाद, हकीम और ज्योतिषी, मनगरी (लखनऊ) ।→०६-२१६ ।

भूगोलसार (गद्य)—श्रीलाल कृत । र० का० सं० १९१८ । वि० भूगोल ।

प्रा०—पं० बालगोविंद, शेषशायी, डा० होरल (गुड़गाँव) ।→१८-१४७ ।

भूधरदास—(?)

सुदामाचरित्र (पद्य)→२६–४८ ।

भूधरदास (जैन)—अन्य नाम भूधरमल । खंडेलवाल जैन वैश्य । आगरा निवासी । सं० १७८१ के लगभग वर्तमान ।

चरचासमाधान (पद्य)→२६–४६ बी; सं० १०–१०० क, ख ।

जैनशतक (पद्य)→२३–५८ ।

पार्श्वनाथपुराण (पद्य)→२६–४६ सी; सं० ०४–२६६ क से ङ तक; सं० १०–१०० ग से छ तक ।

भूधरविलास (पद्य)→२६–४६ ए; सं० १०–१०० ज, झ, ञ ।

भूपालचौबीसी (पद्य)→००–१०२ ।

भूधरमल→'भूधरदास (जैन)' ('चरचासमाधान' आदि के रचयिता) ।

भूधरविलास (पद्य)—भूधरदास (जैन) कृत । र० का० सं० १८३८ । वि० जैन धर्म विषयक ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–१०० ज ।

(ख) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१०० झ ।

(ग) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, मड़ौना, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–४६ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६३८ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१०० ञ ।

भूप (कवि)—भाट । संभवतः काकपुर (कानपुर ?) निवासी । नवाब शुजाउद्दौला के समकालीन । सं० १८१० के लगभग वर्तमान ।

अलंकार वर्णन (पद्य)→३८–१४ ।

शृंगारतिलक (भाषा) (पद्य)→१६–६५ ।

भूप (भूपति)—सं० १६६५ के पूर्व वर्तमान ।

चंपूसाध्य (सामुद्रिक) (पद्य)→सं० ०४–२६७ ।

भूपति—अन्य नाम भोपति । कंगलभाट के वंशज । विट्ठलदास के पौत्र । लेखराज के पुत्र । दामोदर गुसाईं के पुत्र गो० मेघश्याम के शिष्य । सं० १७४४ के लगभग वर्तमान ।

कृष्णजन्म (पद्य)→सं० ०४–२७० ।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य) →०२–११५; १७–२६ ए, बी; २३–५६; ३८–१३ ए, बी, सी; सं० ०७–१४१; सं० १०–१०१ ।

रामचरित्र रामायण (पद्य)→०६-१३८ ।
वेदस्तुति (पद्य)→२६-५१ ए, बी ।

भूपति—गोविंदपुर (पंजाब) निवासी । पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह के आश्रित । सं० १८३१ के लगभग वर्तमान ।
सुनीतिप्रकाश (पद्य)→०४-२ ।

भूपति→'गुरुदत्तसिंह' ('भूपतिसतसई' आदि के रचयिता) ।

भूपति→'भूप' ('चंपूसाध्य सामुद्रिक' के रचयिता) ।

भूपतिसतसई (पद्य)—अन्य नाम 'सतसैया' । गुरुदत्तसिंह (भूपति) कृत । र० का० सं० १७६१ । वि० शृंगार ।
(क) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३-६० ए ।
(ख) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-६६ ।
(ग) प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-६० बी ।

भूपनारायणसिंह—सं० १८४५ के लगभग वर्तमान ।
भक्तिशाल (पद्य)→०६-२६ ए ।
वर्णमाला (पद्य)→०६-२६ बी ।
वेदरामायण (पद्य)→०६-२६ सी ।

भूपभूषण (पद्य) जैकेहरि कृत । र० का० सं० १८६० । वि० राजनीति ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३-११७ ।

भूपराम—(?)
सूर्य कथा (पद्य)→४१-१७७ ।

भूपालचौबीसी (पद्य)—भूधरमल (भूधरदास) कृत । वि० भूपाल कृत संस्कृत के जैन ग्रंथ का अनुवाद ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-१०२ ।

भूषण—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण । तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी । मतिराम और चिंतामणि के भाई । शिवाजी और छत्रसाल (पन्ना नरेश) के दरबारी कवि । प्रारंभ में औरंगजेब के भी आश्रित रहे । जन्म सं० १६७० । सं० १७३० के लगभग वर्तमान । जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' में भी संगृहीत ।→०२-६८ (तीन); पं० २२-२१; दि० ३१-२२ ।
महाकवि भूषण के कुछ नवीन छंद (पद्य)→सं० ०१-२६३ ।
शिवराजभूषण (पद्य)→०३-५८; १२-२४; २३-६१ ए, बी; २६-६७ ए, बी ।

भूषणकौमुदी (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० भाषाभूषण की टीका ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२३-३५२ ए ।

भूषणदाम (पद्य)—खंडन कृत । र० का० सं० १८०६ (?) । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५-६६ ।
(ख) लि० का० सं० १६२६ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ । →०६-५६ सी ।

भूषणभक्तिविलास (पद्य)—हरिदेव कृत । र० का० सं० १६१४ । वि० अलंकार ।
(क) प्रा०—श्री रमणलाल हरिचंद चौधरी, कोसी (मथुरा) । →१७-७२ बी ।
(ख) प्रा०—श्री मदनलाल, आत्मज श्री पन्नालाल हवेलिया, बलदेवगंज, डा० कोसी (मथुरा) । →३२-७६ बी ।

भूषणविलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । वि० अलंकार ।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) । →१२-६२ आई ।

भृगुगण (पद्य)—कमलाकर (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० भृगुगण के गोत्र का वर्णन ।
प्रा०—लाला रामलाल, रती का नगला, हाथरस (अलीगढ़) । →२६-१८१ ए ।

भृगुपति—(?)
सुदामाचरित्र (पद्य)→४१-१७८ ।

भेंट (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० देवी जी की स्तुति ।
प्रा० माखनजी बाबूलाल, प्यारेलाल पुस्तकालय, सतगढ़ (मथुरा) । → १७-१५ (परि० ३) ।

भेषग्रंथलीला (पद्य)—नेवाजदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री मनोहरलाल कायस्थ, जूही, डा० सँगीपुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-१६५ ।

भेदप्रकाश (पद्य)—चंद (कवि) कृत । र० का० सं० १६०४ । लि० का० सं० १६१२ ।
वि० 'मुद्राराक्षस' नाटक का अनुवाद ।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया । →०६-१४४ (विवरण अप्राप्त) ।

भेदभास्कर (पद्य)—जनकनंदिनीदास कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० वेदांत ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-२६६ (विवरण अप्राप्त) ।

भेदभास्कर (पद्य)—भगवतदास कृत । वि० वैष्णव धर्म का माहात्म्य और इतर धर्मों का खंडन ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–२३ ।

भेदीराम—ब्राह्मण । आगरा निवासी । सं० १६१६ के पूर्व वर्तमान ।
कलौंदी की लड़ाई (पद्य)→३२–२३ ।
चक्रकेवली (गद्य)→२६–४३ ए ।
सालिगासदावृत्त (गद्यपद्य)→२६–४३ बी ।

भैरवनाथ—मीरापुर (मेरठ) निवासी । चेतराम के पुत्र ।
चंडीचरित्र (पद्य)→१२–२३ ।

भैरववल्लभ—(?)

युद्धविलास (पद्य)→०६–२४ ।

भोगीलाल—कुसुमरा (मैनपुरी) निवासी । अलवर नरेश बख्तावरसिंह के अनौरस पुत्र बलवंतसिंह और अनंतर उनके भतीजे विनयसिंह के आश्रित । सं० १८५६ के लगभग वर्तमान ।
अलंकारप्रदीप (पद्य)→२३–५६ ।
बख्तविलास (पद्य)→२६–६३ ।

भोज—वास्तविक नाम भोजराज । राजा विक्रमसाहि और राजा रतनसिंह (चरखारी) के आश्रित । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान ।
उपवनविनोद (पद्य)→०६–१५ बी ।
भोजभूषण (गद्यपद्य)→०५–६५; ०६–१५ ए ।
रसिकविलास (पद्य)→०३–५६ ।

भोजदास—संभवतः अनंतपंथ के अनुयायी कोई संत । गुरु का नाम प्रेमदास ।
भक्तिविनोद (पद्य)→सं० ०४–२६६ ।

भोजनविलास (पद्य)—प्रयागदास कृत । र० का० सं० १८८५ । लि० का० सं० १६१२ । वि० पाकशास्त्र ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–८६ बी ।

भोजनानंद अष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२१ (दो) ।

भोजपालसिंह—यदुवंशी राजा । संभवतः करौली नरेश । कृष्ण कवि के आश्रयदाता । सं० १८४६ के पूर्व वर्तमान ।→१७–१०० ।

भोजप्रबंधसार (गद्य)—वंशीधर कृत । वि० संस्कृत ग्रंथ भोजप्रबंध का सार वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६०७ ।
प्रा०—ठा० रामसिंह, मझगवाँ, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→२६–२६ के ।
(ख) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—ठा० शिवमंगलसिंह, जयखेड़ा, डा० अमरगढ़ (एटा)।→२६-२६ एल।

(ग) मु० का० सं० १६३४।

प्रा०—श्री शिवनाथ पांडेय, बरुई, डा० मिसरौली (सुलतानपुर)। → सं० ०१-२२७।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१६१ ख।

भोजभूषण (गद्यपद्य)—भोज (भोजराज) कृत। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०५-६५।

(ख) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—गो० ललिताप्रसाद, चरखारी।→०६-१५ ए।

भोजराज→'भोज' ('भोजभूषण' के रचयिता)।

भोजराज (महामहोपाध्याय)—दुखभंजन के बड़े भाई और गुरु। मदुरी गाँव (बाराबंकी) निवासी। लखनऊ के नवाब नासिरुद्दीन के आश्रित। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।→२३-१०६।

भोपति→'भूपति' (कंगल भाट के वंशज)।

भोरलीला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रातःकालीन विहार।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-११४।

भोलागिरि (महंत)— पैगू (मैनपुरी) के निवासी।

सन्यासविधि (पद्य)→३२-१५।

भोलानाथ—कायस्थ। जहानगंज (फर्रुखाबाद) निवासी। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।

ख्याल संग्रह (पद्य)→२६-४७ एच।

जोगीलीला (पद्य)→२६-४७ बी।

पथरीगढ़ की लड़ाई (पद्य)→२६-४७ ई।

बारहमासा श्रीकृष्णजी का (पद्य)→२६-४७ एफ।

बारहमासा विरह का (पद्य)→२६-४७ डी।

बारहमासा लावनी (पद्य)→२६-४७ आई।

बारहमासी (पद्य)→सं० ०४-२७१।

राधाकृष्ण लीला (पद्य)→२६-४७ सी।

शिवपार्वती संवाद (पद्य)→२६-४७ ए।

शिवस्तुति (पद्य)→२६-४७ जी।

भोलानाथ—भरतपुर के निवासी और वहाँ के राजा नरहरिसिंह के आश्रित।

सुमनप्रकाश (पद्य)→१२-२६; सं० ०१-२६४।

टि० श्री मुनि कांतिसागर (उदयपुर) ने भोलानाथ के पौत्र चैनराम की कृति 'रससमुद्र' से उदाहरण देकर यह सिद्ध किया है कि ये गंगा यमुना के मध्य भाग में देवकुलीपुर के निवासी थे। इनके पितामह देवकुलीपुर से आकर आगरा में बस गए थे जहाँ शाहजहाँ द्वितीय से भोलानाथ को संमान मिला था। अनंतर सूर्यमल्ल जाट इन्हें शाह से माँगकर भरतपुर ले आए, जहाँ कुछ दिनों तक रहकर ये जयपुर चले गए। जयपुर में महाराज माधवसिंह और प्रतापसिंह के परामर्शदाता प्रकांड विद्वान सदाशिव भट्ट के आश्रय में रहे।

भोलानाथ—ब्राह्मण। प्रजापति दीक्षित के पुत्र। बुंदेलखंड निवासी। बेलाहारी (छतरपुर राज्य) के जागीदार। सं० १८६० के पूर्व वर्तमान।

लीलावती (भाषा) (पद्य)→०६-१६।

विक्रमविलास (पद्य)→२३-५७।

भोलाराम (?)

हरिद्वार कुंभ के चौबोला (पद्य)→१२-२७।

भौन (कवि)—बैंती (रायबरेली) के निवासी। पिता का नाम खुशालचंद महापात्र। किसी महाराजकुमार ठा० रामबक्स के आश्रित। सं० १८२५-६१ के लगभग वर्तमान।

रसरत्नाकर (पद्य)→१२-२२; २३-५२ ए, बी; सं० ०४-२७२।

भ्रमखंडन (पद्य)—सूरतराम 'जन' कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०१ घ।

भ्रमनिवारण (पद्य)—नित्यानंद कृत। वि० योग।

प्रा० बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ०५-४१।

भ्रमभंजन (पद्य)—मनबोध कृत। र० का० सं० १८४१। वि० काव्य के गुण दोषों का वर्णन।

प्रा०—मालवीय शिवनाथ वाजपेयी, दूलहपुर (मिरजापुर)।→०६-१८६।

भ्रमरगीत (पद्य)—तेज (कवि) कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाभरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→ ४१-६२; सं० ०१-१४४।

भ्रमरगीत (पद्य)—नंद और मुकुंद (जनमुकुंद) कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—लाला सूरजपाल माथुर वैश्य, कचौराघाट (आगरा)। → २६-२४४ डी।

(ख) लि० का० सं० १८९८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-११४।

(ग) लि० का० सं० १९०६ ।

प्रा०—पं० रामप्रपन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→२३-२८५ ।

(घ) लि० का० सं० १९२३ ।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-११३ एफ ।

(ङ) प्रा०-पं० केदारनाथ पाठक, वैलेजलीगंज, मिरजापुर ।→०२-१०४ (दो) ।

(च) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२७३ (विवरण अप्राप्त) ।

(छ) प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद) ।→०९-१८४ ।

टि० खो० वि० २०-११३ एफ में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से नंददास कृत माना गया है ।

भ्रमरगीत (पद्य)—सूरदास कृत । वि० गोपी उद्धव संवाद ।

(क) लि० का० सं० १८९९ ।

प्रा०—श्री स्वामीदयाल वाजपेयी, स्वामीदयाल का पुरवा, डा० सिमैया (बहराइच) ।→२३-४१६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—श्री चुन्नीलाल 'शेष', विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, कंठीमालावाले, विश्रामघाट (मथुरा) ।→४१-२९४ क ।

(ग) प्रा—पं० बद्रीनाथ भट्ट, प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→ २३-४१६ बी ।

भ्रमरगीत→'भँवरगीत' (प्रागन या प्रागनि कृत) ।

भ्रमरगीत संवाद (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । वि० रागरागिनियों में उद्धव गोपी संवाद ।

प्रा०—पं. छीतरमल अध्यापक, पिथौरा, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ़) ।→ २९-१०७ बी ।

भ्रमरगीता (पद्य)—कालिदास कृत । वि० उद्धव और गोपियों का संवाद ।

प्रा०—पं० रघुनंदनप्रसाद अग्रवर्मा, मंत्री सनातन धर्म सभा, कालपी (जालौन) । →०९-१४४ ।

भ्रमरबत्तीसी (पद्य)—केशवदास कृत । वि० भ्रमर के माध्यम से उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-३४ ।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४८५ (अप्र०) ।

भ्रमविध्वंश मनरंजन (पद्य)—नेतिदास कृत । वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० शालिग्राम, गीगला, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→३२-१५७ ।

भंगदसिंह—जयतपुर (बुंदेलखंड) के राजा । मंडन के आश्रयदाता । सं० १७१६ के लगभग वर्तमान ।→०६-७२; २०-११३ ।

मंगल (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १९०८ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हंडिया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-१२ ख ।

मंगल (पद्य)—लालस्वामी (हित) या लालदास कृत । वि० हित हरिवंश जी की प्रशंसा ।
(क) लि० का० सं० १८२५ ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-२४७ ।
(ख) प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१०२ बी ।

मंगल (मिश्र)—महाराजकुमार शिवदानसिंह के आश्रित । सं० १८७९ के लगभग वर्तमान ।
समरांतसार (पद्य)→०६-१८८ ।

मंगलआरती (पद्य)—गल्लू जी (महाराज) कृत । लि० का० सं० १८७७ । वि० श्रीकृष्ण की मंगल आरती का वर्णन ।
प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी, गोस्वामी, घेरा राधारमण, वृंदावन (मथुरा) । → २६-१०३ ए ।

मंगलआरती (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० जिनदेव की आरती ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदनीगंज (प्रतापगढ़) ।→२६-११७ ।

मंगलगारी (पद्य)—भावन (?) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२५९ ।

मंगलगीत और शब्दावली (पद्य)—नवलसिंह (नवल) कृत । वि० रामजन्मोत्सव और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडेय का पुरवा, डा० तिलोइ (रायबरेली) ।→सं० ०४-१८४ ।

मंगलगीता (पद्य)—नवनिधिदास कृत । र० का० सं० १९०५ । लि० का० सं० १९७४ । वि० विविध ।
प्रा०—श्री कन्हैयालाल पटवारी, लखौलिया, डा० नवानगर (बलिया) । → ४१-१२१ ।

मंगलगीता (पद्य)—नेवलसिंह कृत । लि० का० सं० १९८८ । वि० रामजन्म वर्णन ।
प्रा०—पं० परमेश्वरदत्त, जगदिसवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली) । → ३५-७० ए ।

मंगलगीता→'नहछुरनिर्गुन' (बाबा दूलनदास कृत) ।

मंगलदास (बाबा)—ब्राह्मण । गुरु का नाम पूर्णानंद । हरिदासपुर (रायबरेली) के निवासी ।
कवित्त रामायण (पद्य)→सं० ०४-२७३ ख ।
दोहावली (पद्य)→सं० ०४-२७३ क ।

मंगलदेव—आगरा निवासी। सं० १६२२ के लगभग वर्तमान।
गणिकाचरित्र (पद्य)→२६–२२८।

मंगलरामायण→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत)।

मंगलरामायण→'पार्वतीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत)।

मंगलराय—महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक ये भी हैं। पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह। के आश्रित। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।→०४–६७।

मंगललतिका (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० राम जानकी का ध्यान वर्णन।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–२५७ ए।

मंगलविनोदबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० राधाकृष्ण का शृंगार और विहार।
(क) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, श्री राधारमण का घेरा, वृंदावन (मथुरा)।→२६–५८ ए।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५६३ रा (अप्र०)

मंगलशब्द (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० स्तुति।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ बाई।

मंगलशाखोच्चार (पद्य) - राम (कवि) कृत। वि० शिवपार्वती विवाह और उनका शाखोच्चार।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३३७ ख।

मंगलसंग्रह (पद्य)—कृष्णदास और ललितकिशोरी कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री दाताराम दीक्षित, डोहको (आगरा)।→२६–२०२।

मंगलाचरण (पद्य)—भीखमदास कृत। र० का० सं० १८३०। लि० का० सं० १६१४। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—बाबा परागदास जी, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→३५-१४ ई।

मंगलाष्टक (पद्य)—रामसखे कृत। वि० राम भक्ति।
(क) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्राभजान, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–३६५।
(ख) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१-७४।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१५८ सी।

मंगीलाल—(?)
गोलोक की जिकरी (पद्य)→३२–१४१।

मंजु (मिश्र)—(?)

भगवद्‌गीता की टीका (गद्य)→२६-२६४।

मंजुमंजावली→'सरसमंजावली' (सहचरिशरण कृत)।

मंडन—पूरा नाम मणिमंडन। जयतपुर (बुंदेलखंड) निवासी। राजा मंगदसिंह के आश्रित। सं० १७१६ के लगभग वर्तमान।

जनकपचीसी (पद्य)→०६-७२।

बारामासी (पद्य)→सं० ०१-२६५।

रसरत्नावली (पद्य)→२०-१०३; २३-२६५; २६-२६२ ए, बी, सी, डी; ४१-१७६।

मंत्र (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, कीठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१०३ क्यू।

मंत्र (गद्य)—ब्रह्मदास कृत। वि० तंत्र मंत्र।

प्रा०—मुंशी ज्योतिप्रसाद, सिकंदरा (आगरा)।→ ६-५६।

मंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, अर्जुनपुर, डा० अंतू (प्रतापगढ़)। → २६-३७ (परि० ३)।

मंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० नेकराम शर्मा, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-३२७।

मंत्रजंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद, प्रधानाध्यापक, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा)।→ २६-४२६।

मंत्रतंत्र (अनु०) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवशंकर शर्मा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-२५६।

मंत्रध्यान पद्धति (पद्य)—अतिवल्लभ कृत। वि० अपने गुरुओं की नामावली और मंत्रों का विवेचन।

प्रा०—फौजदार मदनगोपाल शर्मा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-८ ए।

मंत्रप्रयोग संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मंत्रों से रोग निदान और वशीकरण आदि।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, देवदारपुर (खीरी)।→२६-६६ (परि० ३)।

मंत्र संग्रह (पद्य)—देवीदास कृत। वि० मंत्रों का संग्रह।

प्रा०—मुंशी जंगबहादुर, अध्यापक, हरगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→ २३-६५।

मंत्र संग्रह (गद्य) रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-७० (परि०३)।

मंत्र संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा झब्बूदास, बादशाहनगर (लखनऊ)।→२६-७० (परि०३)।

मंत्र संग्रह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० छिद्दीलाल, प्रधानाध्यापक, अरुआखास, डा० अछनेरा (आगरा)। →३२-२५८।

मंत्र संग्रह श्री वैष्णव (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद त्रिवेदी, निगोहा (लखनऊ)।→२६-४२८।

मंत्र सावरी हनुमानजी को (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८८। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०—पं० गंगाधर, कोटला (आगरा)।→२६-३५१।

मंत्रावली (पद्य)—खंगदास (खड्गदास) कृत। वि० साधुओं के कर्मादि विषयक मंत्रों का वर्णन।
प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-११५ ए।

मंत्रावली (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०-बाबा देवगिरि, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़)।→२६-४३०।

मंत्रों का ग्रंथ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७५। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०—ठा० अजमेरसिंह, नगरा रामू, डा० सरायअगत (एटा)।→२६-४३१।

मंत्रों की पुस्तक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत संतदास, संग्रामपुर (ब्रह्मचारी जी का स्थान), डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-६८ (परि०३)।

मंत्रों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री विंध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक, संस्कृत पाठशाला, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६-६८ (परि०३)।

मंसाराम—बिलग्राम (हरदोई) निवासी। हरप्रसाद के पिता। हरिवंश (घसीटा) के पुत्र। सं० १८४३ के पूर्व वर्तमान।→१२-७०।
बियोगाष्टक (पद्य)→१२-११०।

मंसाराम→'मनसाराम' (सुवंश शुक्ल के वंशज)।

मंसूर—मुसलमान। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।
विकट कहानी (पद्य)→२०-१०४।

मकरंद—सं० १८१४ के अनंतर वर्तमान। जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' नामक ग्रंथ में भी संगृहीत।→०२-६८ (छ)।

जगन्नाथ माहात्म्य (पद्य)→६६–१८२ ।

मकरंद—सं० १८२१ के लगभग वर्तमान ।

हंसाभरण (पद्य)→१२–१०६ ।

मकरंद (जैन)—(?)

सूत्रजी की टीका (गद्य)→सं० १०–१०२ क, ख ।

मकरंदबानी (पद्य)—हितमकरंद कृत । र० का० सं० १८१८ । लि० का० सं० १८२५ ।
वि० राधाकृष्ण का रास वर्णन ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–१८० ।

मकरंदशाह–भोंसला । नागपुर नरेश । चिंतामणि और जनअनाथ (?) के आश्रयदाता ।
सं० १७२६ के लगभग वर्तमान ।→००–४०; ००–१२७; ०३–३६; ०६–१३१; पं० २२–२१ ।

मकरध्वज की कथा (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । वि० हनुमान जी के पुत्र मकरध्वज की कथा ।
(क) लि० का० सं० १७८१ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७४ बी ।
(ख) प्रा०—पं० सीताराम शर्मा, आरे, डा० कमतरी (आगरा) । →२६–२३० बी ।
(ग.) प्रा०—श्री ब्रजकिशोर, पुरानाशहर, इटावा ।→दि० ३१–५८ ।

मकसूद–(?)

मकसूद बारहमासा (पद्य)→२६–२८६ ।

मकसूदन (गिरि)—(?)

वैद्यकसार (गद्यपद्य)→२०–६६ ।

मकसूद बारहमासा (पद्य)—मकसूद कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० विरह ।
प्रा०—ठा० रामनरेशसिंह, तारापद का निवादा, डा० भलियाबुजुर्ग (खीरी) ।
→२६–२८६ ।

मक्खनलाल (खत्री)—काशी निवासी । सं० १६०३ के लगभग वर्तमान ।
गोकर्ण माहात्म्य (गद्य)→२६–२८८ सी ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (गद्य)→२६–२८८ ए, बी ।

मखोनाखंडचौतीसा (गद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्म ज्ञान ।
प्रा०—कबीर साहब का स्थान, मगहर (बस्ती)→०६–१४३ एन ।

मगन जी—(?)

बारहमासी (पद्य)→सं० ०१–२६६ ।

मगनलाल (पंडित)—कैनिंग कालेज (प्रयाग) के संस्कृत अध्यापक। सं० १६२६ के लगभग वर्तमान।
भारतवर्षीय वृत्तांतप्रकाश (गद्य)→सं० ०४-२७४।
मगनानंद—कोई वेदांती भक्त।
पद (पद्य)→सं० ०४-२७५।
मगनिया—संभवतः राजस्थान निवासी।
मगनिया रा दूहा (पद्य)→४१-१८१।
मगनिया रा दूहा (पद्य)—मगनिया कृत। वि० नीति और धर्म।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-१८१।
मच्छ—कोई मारवाड़ी।
रघुनाथरूपक (पद्य)→०६-२८६।
मछंदरनाथ→'महादेव' ('सबदी' के रचयिता)।
मछींद्रनाथ—संभवतः गोरखनाथ के गुरु।→सं० १०-८; सं० १०-३०।
पद (पद्य)→सं० ०७-१४२; सं० १०-१०३।
मजलिसमंडन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० शृंगार वर्णन।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-११५।
मटको और हेली (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—पं० मूलचंद, बुखरारी, डा० छाता (मथुरा)।→३८-२५ डी।
मटुकमनि—(?)
गोविंदस्तुति (पद्य)→सं० ०१-२६७।
मणिदेव—बंदीजन। जहानपुर (भरतपुर राज्य) निवासी। अनंतर काशी में रहने लगे। गोकुलनाथ बंदीजन के शिष्य। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित।
मृत्यु सं० १६२० ।→०४-६५।
ऐषिकपर्व (पद्य)→२६-२६३ ए।
दर्पविशोकपर्व (पद्य)→२६-२६३ बी।
मणिमंडन→'मंडन' ('जनकपचीसी' आदि के रचयिता)।
मणिमंडन (मिश्र)—राजा केशरीसिंह के आश्रित। सं० १६४७ के पूर्व वर्तमान।
पुरंदरमाया (पद्य)→०६-२६१।
मणिमाला (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामनाम माहात्म्य और चरित्र वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ट।
मणिराम—बतीसी (?) निवासी। उनियारो (नागरचाल) के राव महासिंह के आश्रित। सं० १८४२ के लगभग वर्तमान।
नखशिख सटीक (गद्यपद्य)→१२-१०८; ४१-५३५ (अप्र०)।

मणिराम—काँथा (?) निवासी । सं० १८१४ के लगभग वर्तमान ।
सगुनपरीक्षा (पद्य)→२३-२६६ ।

मणिराम (मिश्र)—सं० १८२६ के लगभग वर्तमान ।
छंदछप्पनी (पद्य)→१२-१०७; २३-२६७ ।

मणिराम (शुक्ल)—(?)
शालिहोत्र (पद्य)→२३-२६८ ।

मतचंद्र→'मतचंद्रिका' (फतेहसिंह कृत) ।

मतचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'मतचंद्र' और 'मुहर्रम' । फतेहसिंह कृत । र० का० सं० १८११ । वि० ज्योतिष (फारसी से अनूदित) ।
(क) लि० का० सं० १९४० ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०५-५५ ।
(ख) लि० का० सं० १९४६ ।
प्रा० – पं० गणेशदत्त मिश्र, द्वितीय अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा । → ०६-८० ।
(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३१ ए ।

मतसुंदर—(?)
पद (पद्य)→सं० ०७-१४३ ।

मतिबोधिनी (पद्य)—बैजू कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० ज्ञान, वैराग्य आदि ।
प्रा०—श्री बिहारीलाल जैन, रुनकुता (आगरा) ।→३२-१० बी ।

मतिराम—कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण । तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी । जन्मकाल सं० १६६६ और मृत्युकाल सं० १७७३ । बादशाह औरंगजेब और बूँदी नरेश भावसिंह के दरबारी कवि । ओड़छा नरेश महाराज स्वरूपसिंह और कुमाऊँ नरेश महाराज उद्योतचंद्र (विद्योतचंद्र) के पुत्र राजा ज्ञानचंद्र के भी आश्रित । इनके तीन भाई थे भूषण, चिंतामणि और नीलकंठ (जटाशंकर) ।
अलंकारपंचाशिका (पद्य)→पं० २२-६४ ए ।
छंदसारपिंगल (पद्य)→१२-११२; २०-१०५ ए; पं० २२-६४ सी; ४१-१८२ ।
बरवै नायिकाभेद (पद्य)→२३-२७६ ई; सं० ०१-२६६ ।
मतिरामसतसई (पद्य)→०६-१९६; २३-२७६ डी; २६-३०० के, एल ।
रसराज (पद्य)→००-४०; ०१-६७; ०६-१९६ ए; २०-१०५ बी; पं० २२-६४ बी; २३-२७६ एफ से जे तक; २६-३०० डी से जे तक; सं० ०४-१७१ क, ख ।
लक्षणशृंगार (पद्य)→०६-१९६ सी ।
ललितललाम (पद्य)→०३-६७; २३-२७६ ए, बी, सी; २६-३०० ए, बी, सी; सं० १०-१०४ ।
साहित्यसार (पद्य)→०६-१९६ बी ।

मतिराम—(?)

कंठाभरण टीका (पद्य)→सं० ०१-२६८।

मतिरामसतसई (पद्य)—मतिराम कृत। वि० शृंगार।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—श्री जसकरनसिंह, बिजनौर (लखनऊ)।→२६-३०० के।

(ख) प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६-१६६।

(ग) प्रा०—पं०—भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)। → २३-२७६ डी।

(घ) प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-३०० एल।

मथुरा (भट्ट)—ब्राह्मण। जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। इन्होंने श्रीकृष्ण, चुन्नीलाल और रामराय के साथ मिलकर ग्रंथ रचना की थी। *सं० १७९१ के लगभग वर्तमान।*

राधागोविंद संगीतसार (गद्यपद्य)→१२-१११।

मथुरादास—कायस्थ। सं० १७२७ के लगभग वर्तमान।

वैद्यकसार (सर्व) संग्रह (गद्य)→२६-२९९।

मथुरादास—ब्राह्मण।

रामायण (लंकाकांड) (पद्य)→२६-२९८।

मथुरादास (कवि)—(?)

नीतिविलास (पद्य)→सं० ०१-२७०।

मथुरानाथ—भारद्वाज ब्राह्मण। सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान।

गीतगोविंद भाषा पद्यानुवाद (पद्य)→सं० ०१-२७१।

मथुरानाथ (शुक्ल)—मालवीय ब्राह्मण। यदुनाथ शुक्ल के पिता (?)। वाराणसी निवासी। व्रजराज के पुत्र। राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के प्रपितामह राजा डालचंद के आश्रित। जन्म सं० १८१२। मृत्यु सं० १८७५।→२६-५०७।

चूड़ामणि सकुन (पद्य)→०९-१९५ बी।

चौसरचक्र (पद्य)→०९-१९५ बी।

पातंजलि टीका (गद्यपद्य)→०९-१९५ ई।

पातंजलि (भाषा) (पद्य)→०९-१९५ डी।

विरहबत्तीसी (पद्य)→०९-१९५ ए।

विवेकपंचामृत (पद्य)→०९-१९५ एफ।

सूत्रार्थपातंजलि (भाषा) (पद्य)→०९-१९५ सी।

मथुराप्रवेश (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण का मथुरा गमन।

प्रा०—श्री जयगोविंद मिश्र, बरौधी, डा० बगनेर (आगरा)।→२९-४३२।

मथुरा वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्री कृष्ण का मथुरा में पहुँचना, वहाँ की शोभा और ग्वालों के साथ आनंद विनोद ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, फुलरई, डा० बलरई (इटावा) ।→३८-१८३ ।

मथुरेश (कवि)—सं० १६१५ के लगभग वर्तमान ।

अंग्रेजनामा (पद्य)→२३-२७५ ।

मथुरेशजी की भावना (गद्य)—माधोराम कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत ।

प्रा०—श्री जमनाप्रसाद ब्राह्मण, इमलीवाले, गोकुल (मथुरा) ।→३५-५६ ।

मथुरेशजी को ढोल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मथुरेश की वंदना ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य, पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७-४५ (परि० ३)

मदचरित्र (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत । वि० चंडू, आमिष, मद और जुए आदि से होने वाली हानि का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, बिलावती, डा० धूमरी (एटा) ।→२६-६० बी ।

(ख) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर) ।→२६-६० सी ।

मदनकोक→'कोकसार' (नंद और मुकुंद कृत) ।

मदनगोपाल—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । फतूहाबाद के निवासी । पिता का नाम गंगाराम । बलरामपुर (गोंडा) के राजा अर्जुनसिंह के आश्रित । सं० १८७६ के लगभग वर्तमान ।

अर्जुनविलास (पद्य)→२३-२५०; सं० ०४-२७८ ।

मदनगोपालसिंह—उप० खालसा ।

विनयपत्रिका (पद्य)→२३-२७२ ।

मदनचक्रवर्ती (गद्य)—रमाकांत (नेपाली) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—लाला अयोध्याप्रसाद, शृंगारहाट, अयोध्या ।→२०-१४६ ।

मदनपाल—(?)

निघंटु (भाषा) (गद्य)→०६-१७६; २६-२७३ ए, बी, सी, डी ।

मदनविनोद (पद्य)—प्रसाद (कवि) कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० कामशास्त्र ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद द्विवेदी, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) । →२०-१११ ।

मदनविनोद निघंटु (गद्य)—ईश्वरीप्रसाद (बोहरे) कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० नारायण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-६२ ए ।

मदनविनोद निघंटु→'निघंटु (भाषा)' (मदनपाल कृत) ।

मदन साहब—खरौना ग्राम (जौनपुर) निवासी एक उच्चकुल के रईस । विरक्त होकर मदनपंथ की स्थापना की । सं० १६१५ के पूर्व वर्तमान ।

नामप्रकाश (पद्य)→सं० ०४-२७७ क, ख ।

साखीशब्द (पद्य)→सं० ०४-२७७ ग ।

मदनसुधाकर (गद्यपद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० उमरावसिंह, खेरिया, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२-८८ ।

मदनाष्टक (पद्य)—पठान (मिश्र) कृत । वि० विरह वर्णन ।

प्रा०—चतुर्वेदी उमरावसिंह पांडेय विशारद (टंकक), कलक्टरी कचहरी, मैनपुरी ।→३५-७६ ।

मदनाष्टक (पद्य)—रहीम कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० शृंगार रस ।

प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मुअज्जमाबाद (फतेहपुर) ।→२०-१४० ।

मदनुस्सफा (गद्य)—आधार (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १९०९ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० कृष्णकुमार शास्त्री, अलीगंज (एटा) ।→२६-२ डी ।

मदारबक्स—विसेन वंशीय । लायुपुर के राजा । सं० १८३७ के लगभग वर्तमान । इच्छागिरि ने इनका उल्लेख किया है ।→सं० ०४-१७ ।

मदालसा (मदालसा आख्यान ?) (पद्य)—माधवदास कृत । वि० रानी मदालसा की कथा ।

(क) लि० का० सं० १७५८ ।

प्रा०—पं० रघुनंदन पांडेय, चौकिया, डा० लँभुआ (सुलतानपुर) । → सं० ०४-२९५ ।

(ख) लि० का० सं० १७९४ ।→पं० २२-६० ।

मधुअरिदास—माथुर चौबे । उप० मधुसूदनदास और माधुरीदास । इटावा निवासी । सं० १८३९ (?) के लगभग वर्तमान ।

रामाश्वमेध (पद्य)→०१-८७; ०९-१८१; २०-९७; २३-२५१ ए, बी; २६-२७८ ए, बी, सी ।

मधुकर→'लक्ष्मणशरण' (अयोध्या निवासी वैष्णव) ।

मधुकरदास—सं० १७८१ के लगभग वर्तमान ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→३८-९४ ए, बी ।

मधुकरमालती की कथा→'बुद्धिसागर' (जान कवि कृत) ।

मधुकरशाह—ओड़छा नरेश । देवीसिंह के पूर्वज । राजा इंद्रजीतसिंह के पिता । राज्यकाल सं० १६११-१६४६ । केशवदास के आश्रयदाता । मोहनदास इनके वंशजों के कुल पुरोहित थे ।→००-५२, ००-५५; ०३-८६; ०५-७२; ०६-२८; ०६-५८; ०९-१९९ ।

मधुकरशाह—फफूँद (इटावा) के जागीरदार । कुशलसिंह के पिता । सं० १६७७ के पूर्व वर्तमान ।→०४-३७ ।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)—टीकाकार अज्ञात। लि० का० सं० १६०५। वि० राधा के नखशिख विषयक पजनेस कृत मधुप्रिया की टीका।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेडकाउंटेंट), छतरपुर। → ०५-६३।

मधुमालती की कथा (पद्य)—चतुर्भुज (कायस्थ) कृत। वि० प्रेमकथा।

(क) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। →०२-४४।

(ख) लि० का० सं० १८४४।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०१-११०।

(ग)→पं० २२-१६।

मधुरअलि—अयोध्या निवासी साधु। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।

युगलविनोद (पद्य)→२०-६८ सी।

युगलविनोद कवितावली (पद्य)→२०-६८ डी।

युगलवसंतविहार लीला (पद्य)→२०-६८ ए।

युगलहिंडोला लीला (पद्य)→२०-६८ बी।

मधुराष्टक की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धांत।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०१-४८१ क।

मधुसूदनदास—सं० १७४६ के लगभग वर्तमान।

द्वैतप्रकाश (पद्य)→२६-२१८।

मधुसूदनदास→'मधुअरिदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

मनखंडन (ग्रंथ) (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० मन को वश में रखने का उपाय।

(क) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१७५ आई।

(ख) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)। →३२-१७५ एन।

(ग) प्रा०—पं० पूरनमल, चैतुआ, डा० अरांव (मैनपुरी)। →३२-१७५ ओ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-१६५ छ।

(ङ)→२२-६१ सी।

मनखंडनजोग→'मनखंडन (ग्रंथ)' (स्वामी रामचरण)।

मनचितावनीबेलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२०। वि० वैराग्य।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। →४१-२५७ च।

मनचित्त—ब्राह्मण। बाँदा निवासी। सं० १७८५ के लगभग वर्तमान।

दानलीला (पद्य)→०६–७१।

मन जू (?)

हनुनाटक (पद्य)→६–२६२

मनपरसंगजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास (संभवतः) कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० मनोनिरूपण।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–३६ डी।

मनपूरन (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१४। लि० का० सं० १६४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६–१६२ ए।

मनप्रबोध (पद्य)—ईश्वर (कवि) कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० नवधा भक्ति।

प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार, सहायक पोस्टमास्टर, राधा (मथुरा)। → २६–१५८ सी।

मनप्रबोध (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० गोकुलेश की वंदना।

प्रा०—श्री जौहरीमल बाजपेयी, बटेश्वर (आगरा)।→३२–५६ सी।

मनप्रबोधबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८१३। वि० भक्ति का उपदेश।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ ङ।

मनबत्तीसी (पद्य)—जगन्नाथ (जन) कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० मन की प्रकृति का वर्णन।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया।→०६–२६६ (विवरण अप्राप्त)।

टि० 'मनबत्तीसी' और 'गुरुमहिमा' दोनों एक ही हस्तलेख में संगृहीत हैं।

मनबोध—मालवीय ब्राह्मण। दूलहपुर (मिरजापुर) निवासी। रामदयाल के पुत्र। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।

भ्रमभंजन (पद्य)→०६–१८६।

मनबोधशतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२०६ ठ।

मनमोदनी (पद्य)—बैजू कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० माया और ब्रह्म का विवेचन।

प्रा०—श्री बिहारीलाल जैन, रुनकुता (आगरा)।→३२–१० ए।

मनमोहन—(?)

रसशिरोमणि (पद्य)→२०–१०२।

मनमोहनदास—टट्टी संप्रदाय के अनुयायी। भगवतरसिक के शिष्य। सं० १६०७ के पूर्व वर्तमान।

बानी (पद्य)→सं० ०४–२७६।

मनमोहनदास→'जनमोहन' (ओड़छा निवासी)।

मनमोहनभक्तिविलास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। वि० स्तुति और भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८३०।

प्रा० पं० भालचंद मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६–३६६ ए।

(ख) प्रा०—बाबा गोपालदास, चैतन्यरोड, वाराणसी। → ४१–५५३ क (अप्र०)।

मनमोहनलीला (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की गेंदलीला और शिवदरसन लीला का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१–२२१ क।

मनरंगलाल—जैन। कन्नौज निवासी। पिता का नाम कन्नौजीलाल पल्लीवार। संवत् १८८७-१६११ के लगभग वर्तमान।

धर्मसार (गद्यपद्य)→सं० ०४–२८०।

नंदीश्वरद्वीपपूजा (पद्य)→दि० ३१–५७।

नेमिचंद्रिका (पद्य)→२६–२६१।

पिंगल (पद्य)→सं० १०-१०५।

वर्तमान चतुर्विंशति जिनपूजा (पद्य)→२३–२६०।

मनराखनदास—कायस्थ। बौंदा निवासी। हरिनारायणदास के पुत्र। सं० १८६१ के लगभग वर्तमान।

छंदोनिधि पिंगल (पद्य)→०६–१८७।

मनलगन (पद्य)—महमूद बहरी (काजी) कृत। र० का० सं० १८वीं शती। वि० सूफी मत का प्रतिपादन।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, चैथमलाइन, प्रयाग।→४१-१८६।

मनविरक्तकरन गुटका सार (पद्य) - चरणदास स्वामी) कृत। वि० वैराग्य (भागवत के एकादश स्कंध के आधार पर दत्तात्रेय द्वारा वर्णित)।

(क) प्रा०—महंत जगन्नाथदास कबीरपंथी, मऊ (छतरपुर)।→०६-१४७ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—बाबू चंद्रभान, अमीनाबाद, लखनऊ।→२३–७४ एफ।

(ग) प्रा०—पं० अमोल शर्मा, चंदनिया, रायबरेली।→२३–७४ जी।

(घ) प्रा०—बाबा विष्णुगिरि, शिवनगर, डा० सहावर (एटा)।→२६ ६५ वी।

मनशिक्षालीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० ईश्वर में मन लगाने की शिक्षा।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१-५०७ ट (अप्र०)।

(ख) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-१८।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-७३ ई।

(घ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५०७ अ (अप्र०)।

मनशुद्धसागर (जैन)—अन्य नाम मनसुखसागर। गुरु का नाम संतोषसागर (गुलाल कीर्ति के पट्टधर शिष्य)। सं० १८४५ (?) के लगभग वर्तमान।

पद्मनाभिचरित्र (पद्य)→सं० ०४-२८१ क।

शिखरमाहात्म्य (पद्य)→२३-२६४; सं० ०४-२८१ ख, ग।

मनश्रृंगार (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम विहार।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-१६।

मनसंतोष→'संतोष (वैद्य)' ('विषनाशन' के रचयिता)।

मनसंबोध (पद्य)—रघुवंशवल्लभ श्रीलाल कृत। र० का० सं० १६१२। वि० ज्ञान, भक्ति, वैराग्य और श्रृंगार आदि।

(क) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—लाला लक्ष्मीनारायण मारवाड़ी, रायबरेली।→२३-२३१।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२७२।

मनसाराम—(?)

चिंतामणि (पद्य)→सं० ०१-२७२ क।

चौबीसअवतार को जस (पद्य)→सं० ०१-२७२ ख।

मनसाराम (पांडे)—सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।

भारतप्रबंध (गद्य)→०५-३६।

मनसाराम (शुक्ल)—सुरंश शुक्ल के वंशज। डेंड़ा (उन्नाव) निवासी।

कवित्त (पद्य)→२३-२७३।

मनसुख—(?)

बारामासा (पद्य)→सं० ०४-२८२।

मनसुखराय (जैन)—(?)

नवग्रहपूजा (पद्य)→सं० १०-१०६।

मनसुखसागर→'मनशुद्धसागर (जैन)' ('पद्मनाभिचरित्र' आदि के रचयिता)।

मनहठजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० योग के द्वारा मन को भगवद्भजन में लगाने का उपदेश।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५-३६ सी।

मना जी—कोई संत।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–१४४।

मनिकंठ (मिश्र)→'मनिकंठमनि' ('बैतालपच्चीसी' के रचयिता)।

मनिकंठमनि—अन्य नाम मनिकंठ मिश्र। नगरानगर (गाजीपुर) के राजा फकीरसिंह के आश्रित। सं० १७८२ के लगभग वर्तमान।
बैतालपच्चीसी (पद्य)→२३–२६६; ४१–१४७; सं० ०१–२२३; सं० ०१–२७३ क, ख।

मनियारसिंह—क्षत्रिय। काशी निवासी। पिता का नाम श्यामसिंह। गुरु का नाम कृष्ण कवि। पंडित आरामचंद्र के सेवक। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।
भावार्थचंद्रिका (पद्य)→००–४७।
सौंदर्यलहरी (पद्य)→२३–२७०।
हनुमानछब्बीसी (पद्य)→सं० ०८–२८३।
हनुमानविजय (पद्य)→३२–४५।

मनिराम (द्विज)—(?)
नखशिख टीका (गद्यपद्य)→४१–५३५ (अप्रा०)।

मनिवेद→'वेदमणि' ('कवित्त' के रचयिता)।

मनिहारिन भेष की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण का मनिहारिन भेष में राधा को छलना।
प्रा०—पं० मथुराप्रसाद मिश्र, परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-७१ (परि० ३)।

मनिहारिन लीला (पद्य)—गौरीशंकर कृत। र० का० सं० १६३१। लि० का० सं० १६३४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० रामसिंह, दीनाखेड़ा, डा० सोरों (एटा)।→२६–१०२ सी।

मनिहारिन लीला (पद्य)—जयराम (भारती) कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)। →२६–२०५।

मनिहारिनादि लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की मनिहारिन, बिसातिन, चीरहरण आदि लीलाएँ।
प्रा०—बौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५–२१३।

मनोराम—असनी के महापात्र नरहरि के वंशज। जैतसिंह के पिता। शाहजहाँ के आश्रित।→४१–८५।
पातिशाही कवित्त साहिजहाँ के (पद्य)→४१- १८५ ख।
मनीराम के कवित्त (पद्य)→४१–१८५ क।

मनीराम—(?)

आनंदमंगल (पद्य)→०६–२६० ।

मनीराम (द्विज)→'मणिराम' ('नखशिख' के रचयिता) ।

मनीराम (शुक्ल)—(?)

चंडीचरित्र (पद्य)→सं० ०७–१४५ ।

मनीराम के कवित्त (पद्य)—मनीराम कृत । वि० शाहजहाँ की प्रशंसा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१८५ क ।

मनुधर्मसार (गद्य)—शिवप्रसाद (सितारेहिंद) कृत । लि० का. सं० १६१३ । वि० मनु कृत धर्मशास्त्र का अनुवाद ।

प्रा०—लाला दरगाहीलाल कुर्मी, बीबीपुर, डा० बिल्हौर (कानपुर) । → २६–३१२ ।

मनुष्यविचार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० साखी और स्फुट रेखते ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) । →२३–१६८ एल ।

मनुस्मृति की टीका (गद्य)—रामकृष्ण कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री ज्योतिप्रसाद महेरे, ग्राउथ, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–८३ ए, बी ।

मनोजलतिका (पद्य)—माधोसिंह कृत । र० का० सं० १६१३ । वि० नखशिख वर्णन ।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१६८ ।

मनोत्सव→'वैद्यमनोत्सव' (नेनसुख कृत) ।

मनोरंजनमाला (पद्य)—हरिवंश कृत । र० का० सं० १८५५ । लि० का० सं० १८५५ । वि० शांतरस वर्णन ।

प्रा०—पं० हरदास दूबे हरिहर (दतिगा), द्वारा गुटैया शुगरमिल, नवाबगंज, कानपुर ।→३८–६१ ।

मनोरंजनी शिक्षा कौमुदी (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानसतसई' । प्रभुदयाल कृत । वि० भक्ति एवं ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी) । → ३२–१६६ के ।

(ख) प्रा०—पं० जुगलकिशोर, जगसौर (इटावा) ।→३५–७७ ए ।

(ग) प्रा०—पं० बैजनाथ, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५–७७ बी ।

(घ) प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बनकटी, डा० जसवंतनगर (इटावा) । → ३५–७७ सी ।

मनोरथमुक्तावली (पद्य)—नवनीत (कवि) कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१८१ ।

मनोरथलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधा कृष्ण की लीला ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ क्यू ।

मनोहर कहानी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६। वि० मनोरंजक किस्से।
प्रा०—लाला बैजूमल, चौरापूर (हरदोई)।→२६-४२६।

मनोहर कहानी संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६। वि० चमत्कारिक कहानियों का संग्रह।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, विक्रमपुर, डा० ओयल (खीरी)। → २६-७२ (परि० ३)।

मनोहरदास—सेवक जाति के चारण। जोधपुर नरेश महराज मानसिंह के आश्रित। इनको गुरु आयुस लाडूनाथ ने एक लाख रुपए (पसाव ?) और एक हाथी पुरस्कार में दिया था। महाराज की ओर से भी उन्हें एक गाँव मिला था। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।
जसआभूषणचंद्रिका (पद्य)→०२-१३।
फूलचरित्र (पद्य)→०६-१६२; २६-२६६; सं० ०४-२८५।
बरनचरित्र (पद्य)→सं० ०१-२७४।

मनोहरदास - जैन। गुरु का नाम ब्रह्मकल्यान, जो मूलसंघ के व्रष जती के शिष्य थे।
दीतवार की कथा (पद्य)→सं० ०७-१४६।

मनोहरदास (जैन)—सोनी खंडेलवाल जैन वैश्य। साँगानेर निवासी। पीछे धामपुर (धरमपुर ? दादुरो देश के अंतर्गत) में बस गए। कोई हीरामणि और जेठमल के पुत्र विधिचंद तथा रावत सालिबाहन (आगरा), जगदत्त मिश्र गौड़ (हिसार) तथा पंडित वेगराज ज्योतिषी (धामपुर) इनके मित्र और सहायक थे। सं० १७०५ के लगभग वर्तमान।
धर्मपरीक्षा (पद्य)→० -१२२; २३-२७१; सं० ०४-२८४ क, ख, ग; सं० ०७-१४७; सं० १०-१०७ क, ख।

मनोहरदास (निरंजनी)— निरंजनी संप्रदाय के साधु। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानचूर्णिका (गद्यपद्य) →०३-८४; २६-२६३ ई; २३-२७२ बी; ४१-५३६ (अप्र०)।
ज्ञानमंजरी (पद्य)→०६-२६३ ए; २३-२७२ ए।
वेदांत परिभाषा (पद्य)→०६-२६३ बी; २३-२७२ सी।
शतप्रश्नोत्तरी (पद्य)→०३-८३; ०६-२६३ सी; सं० ०४-२८६।
षट्प्रदर्शनीनिर्णय (गद्यपद्य)→०१-५८; ०२-१२; ०६-२६३ डी।

मनोहरदास (मनोहर)→'किशोरीदास' ('राधारमण रससागर लीला' के रचयिता)।

मन्नालाल—वैश्य। दोड़वा (कानपुर) निवासी। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।
राग संग्रह (पद्य)→२६-२२६ ए, बी, सी।

मन्नालाल—आंध्र देशीय।
वेदांतत्रयी (गद्य)→२६-२६५।

मन्नालाल—चिम्मनलाल के पितृव्य जिनकी (चिम्मनलाल की) प्रेरणा से इन्होंने 'प्रद्युम्नचरित्र' की वचनिका तैयार की थी ।→सं० १०–३३ ।

मन्नालाल (जैन)—ढूँढाहर देशांतर्गत सवाई जयपुर के निवासी। पिता का नाम जोगीदास। जयपुर के महाराज जगतसिंह (सं० १८६०-७५) और दिल्ली के बादशाह अकबर (द्वितीय) के समकालीन ।

चरित्रसारजी भाषा वचनिका (गद्य)→सं० १०–१०८ ।

मयनगो (?)(पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत । र० का० सं० १८८५ (लगभग) । लि० का० सं० १९२० । परब्रह्म, भक्तों और युगों का वर्णन तथा वंदना ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–२४ ए ।

मयनामती—प्रसिद्ध जलंध्रीपाव की शिष्या ।→सं० १०–४१ ।

मयाराम—संभवतः निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी ।

हरिचरचाविलास (पद्य)→३२–१४४ ।

मयूरचित्रम(गद्य)—केशवप्रसाद (द्विवेदी) कृत । र० का० सं० १९२६ । वि० ज्योतिष ।

(क) लि० का० सं० १९२९ ।

प्रा०—पं० रामनाथ पुजारी, बिसवाँ, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–२३० सी ।

(ख) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद तिवारी, अंता, डा० भकवन (कानपुर) । →२६–२३० डी ।

मयूरध्वज चरित्र (पद्य)—मलूकदास कृत । लि० का० सं० १७८४ । वि० राजा मोरध्वज का वर्णन ।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । →सं० ०४–२८८ ज ।

मरदान रसार्णव (पद्य)—अन्य नाम 'रस रसार्णव' । सुखदेव (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७३६ । वि० रस और नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१८७ डी ।

(ख) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटैली, डा० फखरपुर (बहराइच) । → २३–४१२ आर ।

(ग) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१२४ ।

(घ) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-३३ ।

मरदानसिंह—डौंडियाखेरा के ताल्लुकेदार । सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता । इन्हीं के नाम पर सुखदेव मिश्र ने 'मरदान रसार्णव' की रचना की थी ।

सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।→०३-१२४; ०४-३३; २०-१८७ ।

मलकामुअज्जम का दरबार देहली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि० का० सं० १६३४ । वि० अंग्रेजों के दिल्ली दरबार का वर्णन ।

प्रा०—लाला दीनदयाल पटवारी, सराय रहीम, डा० हबीबगंज (अलीगढ़) । →२६-१०७ जं' ।

मलिकमुहम्मद जायसी—प्रसिद्ध सूफी कवि । जायस निवासी अशरफ जहाँगीर तथा शेख बुरहान के शिष्य । दिल्ली के बादशाह शेरशाह सूरी के समकालीन । सं० १५६७ के लगभग वर्तमान ।

अखरावट (पद्य)→०२-१०८; सं० ०४-२८७ क, ख ।

कहरानामा (पद्य)→२६-२८६ ए; सं० ०४-२८७ ख ।

पद्मावत (पद्य)→००-५४; ०१-२४; ०१-२५; ०२-५३; १७-११५; २०-१०६; २३-२८४ ए, बी; २६-२८६ बी; २६-२२५; ४१-५३७ (अप०); सं० ०४-२८७ ख; सं० ०७-१४८ ।

मसला (पद्य)→सं० ०४-२८७ ख, ग ।

टि० खो० वि० सं० ०४-२८७ ख में 'पद्मावत' के साथ 'अखरावत,' कहरानामा' और 'मसला' भी संगृहीत हैं ।

मलिखान का ब्याह→'पथरीगढ़ की लड़ाई' (भोलानाथ कृत) ।

मलूक—(?)

ऊधौपचीसी (पद्य)→४१-१८७ ।

मलूकचंद—संभवतः पंजाबी ।

तिब्बसहाबी (पद्य)→पं० २२-६३ ।

मलूकजस (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० संतों का यश वर्णन ।

प्रा०—चौ० नेकसेसिंह, नगला फौजी, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । →३२-१३८ सी ।

मलूकदास—खत्री । कड़ामानिकपुर (इलाहाबाद) निवासी । लाला सुंदरदास खत्री के पुत्र । गो० तुलसीदास के समकालीन । सेवादास के गुरु । इनके वंशज कड़ा के निकट सिराथू में अभी भी वर्तमान हैं । जन्म सं० १६३१ । मृत्यु सं० १७३६ ।

→०६-२८८ ।

अलखबानी (पद्य)→०६-१६४ डी ।

करखा (पद्य)→सं० ०४-२८८ क ।

गुरुप्रताप (पद्य)→०६ १६४ बी।

ज्ञानपरीक्षा (पद्य)→सं० ०४–२८८ ख।

ज्ञानबोध (पद्य)→१७–१०६ ए; सं० ०४–२८८ ग, घ, ङ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→सं० ०४–२८८ च।

पुरुषविलास रमैनी (पद्य)→०६–१६४ सी।

प्रगटज्ञान (पद्य)→४१–१८८।

भक्तवच्छावली (पद्य)→०४–८०; ०६–१८५ ए; २६–२६०; ३२–१३८ ए, बी; सं० ०४–२८८ छ।

भक्तविरुदावली (पद्य)→०६–१६४ ए।

मयूरध्वजचरित्र (पद्य)→सं० ०४–२८८ ज।

मलूकजस (पद्य)→३२–१३८ सी।

रतनखान (पद्य)→०६–१८५ बी; ४१–५३८ (अप्र०)।

रामअवतार लीला (पद्य)→१७–१०६ बी।

विभैविभूति (पद्य)→सं० ०४–२८८ झ।

विष्णुसत्यनाम (पद्य)→३२–१३८ डी।

साखी (पद्य)→सं० ०१–२७५।

सुखसागर (पद्य)→सं० ०४–२८८ ञ।

मलूकपरिचयी→'परिचयी बाबा मलूकदासजी' (सुथरादास कृत)।

मल्ल (कवि)—संभवतः ये टोडरमल हैं। नूरपुर (काँगड़ा ?) निवासी। सं० १८२३ के लगभग वर्तमान।

देवीमहात्म्य (पद्य)→पं० २२–६२।

मल्लअखारौ (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० कृष्ण की लीलाओं का वर्णन।

प्रा०—पं० रामकिशोर, भरौला, डा० फरै (मथुरा)।→३५–१०१।

मल्लिकानाथ—पिता का नाम गोविंद। संभवतः महाराष्ट्र निवासी।

नगरक्रमाला (गद्य)→सं० ०४–२८६।

मल्लिनाथ चरित्र (पद्य)—सेवाराम कृत र० का० सं० १८५०। लि० का० सं० १८७६। वि० मल्लिनाथ का चरित्र (भट्टारक सकलकीर्ति के संस्कृत ग्रंथ की टीका)।

प्रा०—लाला मनोहरलाल जैन लाला बालचंद जैन, मंदिर खेड़ा, कोसीकलाँ (मथुरा)।→४१–३००।

मसलविवेक (पद्य)—हरिदास (बाबा) कृत। मु० का० सं० १६६२। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा अवसानदास, मबुरिहा का पुरवा, डा० महाराजगंज (रायबरेली)। →सं० ०४–४३२ क।

मसला (पद्य)— मलिकमुहम्मद जायसी कृत । वि० ज्ञानोपदेश (कहावतों में) ।
(क) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–२८७ ख ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२८७ ग ।

मसलेनामा→उपाख्यानविवेक (पहलवानदास) कृत ।

मस्तराम—(?)
रामाश्वमेध (पद्य)→३२–१४३ ए, बी ।

महताबराय (सेठ)—संभवतः यशोदानंद शुक्ल मालवीय के आश्रयदाता । सं० १८१५ के लगभग वर्तमान ।→०६–३३४ ।

महमदरसूं→'ब्रह्मपिंड' (अक्रूरपुरी कृत)

महमूदचिश्ती (शेख)—(?)
गंजुलइसरार (पद्य)→४१–२६७ ।

महमूद बहरी (काजी)—सूफी मतावलंबी । बादशाह औरंगजेब के समकालीन । गोगी (?) निवासी । इन्होंने दक्खिनी हिंदी को अपनी भाषा माना है ।
मनलगन (पद्य)→४१–१८६ ।

महम्मद (काजी)—राजस्थानी । दादूपंथी । संभवतः राघोदास के भक्तमाल के काजी महम्मद ।
पद (पद्य)→सं० ०७–१४६ ।

महरचंद—उप० द्विजदास । नागर ब्राह्मण । शाहगंज निवासी । सं० १७८१ (?) के लगभग वर्तमान ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२–११४; ३२–७४, सं० ०१–२७७ ।

महरबानसिंह—होलागढ़ (इलाहाबाद) के राजा देवीदत्त शुक्ल 'धीर' के आश्रयदाता । →सं० ०१–१६३ ।

महराईगोसाईं धरनीदास (पद्य)—धरनीदास कृत । वि० योगानुकूल अध्यात्म वर्णन ।
प्रा०—पं० राधावल्लभ, रेवती (बलिया) ।→४१–११४ ख ।

महरीमुनस की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० एक वेदांती पंडित का स्त्री के द्वारा कष्ट पाने का वर्णन ।
प्रा०—मौनी साधु सावनखेड़ा ।→३२–२५५ ।

महाआनंदसाह—साँईं मत के प्रवर्तक साँईं मोहनदास के शिष्य ।→सं० ०४–३०६ ।
अरसआशिक विनय (पद्य) →सं० ०४–२६० क, ख ।

महाकविभूषण के कुछ नवीन छंद (पद्य)—भूषण कृत । वि० जयपुर के महाराज जयसिंह, रामसिंह तथा शिवाजी और साहुजी की प्रशंसा एवं नायिकाभेद ।
प्रा० – याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२६३ ।

महाकारण (गद्य)—देवचंद्र कृत । वि० ब्रह्म और सृष्टि वर्णन ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-८८ ।

महाजनीसारदीपिका (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत । र० का० सं० १६१३ (१६०३) । वि० बहीखाते और महाजनी लेख की रीति ।

(क) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—लाला मनसुखराय, बैरगिया, डा० पाली (हरदोई) ।→२६-३१६ ई ।

(ख) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—चौधरी रामकिशन, मालीखेड़ा, डा० फरौली (एटा) ।→२६-३१६ डी ।

महादास—संभवतः राजस्थान निवासी ।

गनगौर के ख्याल (गीत) (पद्य)→सं० ०१-२७८ ।

महादेव—वैश्य । मैनपुरी निवासी । अनंतर अयोध्या में रहने लगे । सं० १६३५ के पूर्व वर्तमान ।

ध्रुवलीला (पद्य)→२६-२८०; २६-२१६ ए ।

बारहमासा (पद्य)→२६-२१६ बी, सी ।

महादेव—संभवतः मछंदरनाथ जिन्होंने 'महादेव पार्वती के संवाद रूप में' अपने मत को लिखा । परम योगी । 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत ।→४१-५६; ४१-१६० ।

सबदी (पद्य)→सं० १०-१०६ ।

महादेव (जोशी)—(?)

शकुनविचार (पद्य)→३५-६० ।

सामुद्रिक (गद्य)→२६-२७६ ।

महादेव गोरख गोष्ठी→'गोरख महादेव संवाद' (गोरखनाथ कृत) ।

महादेव गोरख गोष्ठी (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १७६४ । वि० योग ।

प्रा०—श्री महंत, डिडवाना, मंदिर हरिदास जी, जोधपुर ।→२३-३८१ सी ।

महादेवजी का ब्याह (ककहरा में) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० राजाराम, नरहा (सीतापुर) ।→२६-१२ (परि० ३) ।

महादेव लीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० श्रीकृष्ण दर्शन के लिये शंकर जी का कैलाश पर्वत से आना ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६-४७१ ई ।

महादेव विवाह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६-७३ (परि० ३) ।

महादेवसिंह—क्षत्रिय । महिन्नादपुर (प्रयाग) के निवासी । मदनगोपाल के पुत्र । किसी श्रीकृष्ण के आश्रित । सं० १६२४ के लगभग वर्तमान ।

नीतिसंदोह (पद्य)→२६-२८१; सं० ०४-२६१ ।

महादेव स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्वरोदय ।

प्रा०—पं० मुन्नी चौबे, हुरमुजपुर, डा० सादात (गाजीपुर) ।→सं० ०१-५४१ ।

महानंद (वाजपेयी)—डालमऊ (रायबरेली) निवासी । मृत्यु सं० १६१६ ।

शिवपुराण (पद्य)→२३-२५२ ए, बी ।

महानाटक→'रामायण महानाटक' (प्राणचंद चौहान कृत) ।

महापद (पद्य)—जवाहरदास कृत । र० का सं० १८८१ । लि० का० सं० १८८६ । वि० निर्गुण सगुण निरूपण, नाम माहात्म्य और गुरु महिमा आदि ।

प्रा०—पं० बाँकेलाल उपाध्याय, हंडावाला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१७१ ।

महापद्मपुराण→'पद्मपुराण की भाषा वचनिका' (दौलतराम कृत) ।

महापुरखाँ का पद फुटकर (पद्य)—मुकनदास कृत । सं० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१५३ क ।

महापुरषाँ का पद (पद्य)—विविध संतों का संग्रह । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४६३ (अप्र०) ।

महाप्रभून के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के) कृत । वल्लभाचार्य जी का चरित्र, कृष्ण रथयात्रा, होली तथा वसंतोत्सव आदि ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→४१-४६४ (अप्र०) ।

महाप्रभूनजी के सेव्य स्वरूप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्री महाप्रभु जी के सेव्य स्वरूपों के निवास स्थान ।

प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा ।→१७-६४ (परि०३) ।

महाप्रलय (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१३ । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—श्री हरिचरणदास एम० ए, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) । → सं० ०४-१०५ अ ।

(ख) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री भोलानाथ (उप० भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर) । → सं० ०१-११८ क ।

(ग) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० अगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ क्यू ।

महाप्रलै कहरानामा→'महाप्रलय' (स्वा० जगजीवनदास कृत) ।

महाबदास—(?)

बालचरित्र (पद्य)→सं० ०१–२८० ।

महाबदास (वैष्णव)—गोकुल निवासी । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं० १८३५ के पूर्व वर्तमान । संभवतः 'बालचरित्र' के रचयिता भी यही हैं ।→सं० ०१–२८० ।

रससिंधु (गद्य)→सं० ०१–२८१ क, ख ।

महाबानी→'महाबानी अष्टकाल सेवासुख' (हरिव्यासदेव कृत) ।

महाबानी अष्टकाल सेवा सुख (पद्य)—अन्य नाम 'पदविलास निकुंज' तथा 'महाबानी सिद्धांतसुख' । हरिव्यासदेव (हरिप्रिया) कृत । वि० श्री राधाकृष्ण विहार ।

(क) लि० का० सं० १८३३ ।

प्रा०—बाबा श्यामदास, दतिया की कुंज, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–७४ ।

(ख) लि० का० सं० १९७६ ।

प्रा०—पं० रामपदारथ शुक्ल, नंदौर, डा० बाबूगंज (रायबरेली) । → २३–१४२ ए, बी ।

(ग) प्रा०—पं० चतुर्भुज पुरोहित, नंदग्राम (मथुरा) ।→३२–८६ ।

महाबानी सिद्धांतसुख→'महाबानी अष्टकाल सेवासुख' (हरिव्यासदेव कृत) ।

महाबीरजी की स्तुति (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२३ । वि० हनुमान स्तुति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१७२ ।

महाभारत (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

<u>शल्यपर्व और गदापर्व</u>

(क) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—श्री पारसनाथ पाठक, पुराना रामपुर, डा० रामपुर (जौनपुर) । → सं० ०४–५२ ।

<u>शल्यपर्व</u>

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–६५ ।

महाभारत (पद्य)—धर्मदास कृत । र० का० सं० १६६४–१७११ के लगभग । वि० महाभारत का अनुवाद ।

<u>उद्योगपर्व</u>

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर नौलखा, डा० हंडिया (इलाहाबाद) । →सं० ०१–१७२ च ।

<u>सभापर्व, वनपर्व, उद्योगपर्व</u>

(ख) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह शिवचरनसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–१७२ ग ।

उद्योगपर्व, भीष्मपर्व, द्रोणपर्व ।

(ग) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह शिववरनसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-१७२ ग ।

सभापर्व, वनपर्व, कर्णपर्व और गदापर्व

(घ) लि० का० सं० १९२७ ।

प्रा०—श्री हरिवंशदीन, वी० मासिका, इलाहाबाद ।→१०-४८ ।

भीष्मपर्व

(ङ) लि० का० सं० १९१० ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद अध्यापक, कठौली, डा० मेजारोड (इलाहाबाद) । → २०-४१ ए ।

(च) लि० का० सं० १९५० ।

प्रा०—श्री जनार्दनप्रसाद, एम० ए०, एल० टी०, कठौली, डा० मेजारोड (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-१७२ क ।

द्रोणपर्व

(छ) लि० का० सं० १९५० ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद अध्यापक, कठौली, डा० मेजारोड(इलाहाबाद) । → २०-४१ बी ।

महाभारत (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० सं० १७८१ । वि० महाभारत कथा का संक्षिप्त वर्णन ।

प्रा०—पं० जगन्नाथ द्विवेदी, महरूपुर, डा० बेलारामपुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-१९० ।

महाभारत (पद्य)—लखनसेन कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० महाभारत के आदि, उद्योग, भीष्म, द्रोण और गदापर्वों का अनुवाद ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१६७ ।

महाभारत (अश्वमेधपर्व) (पद्य)—मानसिंह कृत । र० का० सं० १६९२ । लि० का० सं० १८३९ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१८६ ।

महाभारत (अश्वमेधपर्व)→'जैमिनीपुराण' (सरयूराम कृत) ।

महाभारत (आदिपर्व) (पद्य)—प्रेमनाथ (पांडे) कृत । लि० का० सं० १९११ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर) ।→१२-१३९ ।

महाभारत (कर्णपर्व) (पद्य)—श्रीपति कृत । र० का० सं० १७१९ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९५० ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद, कठौली (इलाहाबाद) ।→२०–१८५ ।

(ख) प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–४३० क, ख ।

महाभारत (कर्णपर्व)→'महाभारत (भाषा)' (सबलसिंह चौहान कृत) ।

महाभारत (कर्णार्जुनयुद्ध) (पद्य)—टाकुर (कवि) कृत । लि० का० सं० १७६६ । वि० कर्णार्जुन युद्ध ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–८६ ।

महाभारत (गदापर्व) (पद्य)—शंकरदास कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री मवासीलाल प्रधानाध्यापक, अछनेरा (आगरा) ।→२६–३०३ ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)—अन्य नाम 'वीरविलास' । दत्त (देवदत्त) कृत । र० का० सं० १८१८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद मिश्र, क्रास स्ट्रीट, कलकत्ता ।→०१–६३ ।

(ख) लि० का० सं० १६४२ ।

प्रा०—ठा० कान्हसिंह, मंत्री, क्षत्रिय अमर सभा, पुरानी मंडी, जम्मू (कश्मीर) । →२०–३४ बी ।

महाभारत (द्रोणपर्व (पद्य)—भीम (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवइया (फतेहपुर) ।→२०–१६ ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–३७८ ।

महाभारत (द्रोणपर्व भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'संग्रामसार' कुलपति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७३३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८४२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, गोकुलपुरा आगरा ।→३२–१२७ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—राजकीय पुस्तकालय, निमराना ।→०६–१६० ।

(ग) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००–७२ ।

(घ) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—श्री धनपतिराम चतुर्वेदी, होलीपुरा (आगरा) ।→३२–१२७ बी ।

महाभारत (भाषा) (पद्य)—सबलसिंह (चौहान) कृत । र० का० सं० १७१८–१७३४ । वि० महाभारत का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८३१ ।

प्रा०—श्री रामनाथलाल, वाराणसी ।→२३–३६३ क्यू ।

(ख) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—पं० रामसुंदर मिश्र, कटाघरी, डा० अकौना (बहराइच) । → २३-३६३ आर ।

(ग) लि० का० सं० १८५२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६६ ।

अश्वमेधपर्व

(घ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४१२ सी ।

आदिपर्व

(ङ) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमीदार, तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ ए ।

आश्रमवासिकपर्व (र० का० सं० १७५१)

(च) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ बी ।

उद्योगपर्व

(छ) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—ठा० जदुनाथबख्शसिंह, तालुकेदार, हरिहरपुर (बहराइच) । → २३-३६३ एल ।

(ज) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ वाई ।

(झ) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—श्री बद्रीसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-४१२ जेड ।

कर्णपर्व

(ञ) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, केसरगंज (बहराइच) । → २३-३६३ एम ।

(ट) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-४०० ।

(ठ) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४१२ के ।

(ड) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—श्री शिवधारीलाल, ममरेजपुर (हरदोई) ।→२६-४१२ एल ।

(ढ) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—श्री बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ एम ।

(ण) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री हजारीलाल लोहार, बिजावर ।→०६-२२४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(त) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३-३६३ एन ।

(थ) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-४१२ एन ।

गदापर्व (र० का० सं० १७२७)

(द) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—ठा० यदुनाथबख्शसिंह, हरिहरपुर (बहराइच) ।→२३-३६३ जे ।

(ध) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-४१२ आई ।

(न) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर, भिनगाराज (बहराइच) । → २३-३६३ के ।

द्रोणपर्व (र० का० सं० १७२७)

(प) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३-३६३ एच ।

(फ) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-४१२ एच ।

(ब) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मिथौरा, डा० केशरगंज (बहराइच) । → २३-३६३ आई ।

भीष्मपर्व (र० का० सं० १७१८)

(भ) लि० का० सं० १८०४ ।

प्रा०—बाबू ललताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर) ।→२६-४१२ ई ।

(म) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-४१२ एफ ।

(य) लि० का० सं० १७६२ ।

प्रा०—पं० वंशगोपाल ओझा, मिश्रपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-४१२ जे ।

(र) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—ठा० उमरावसिंह, माणिकपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३६३ ए ।

(ल) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मिथौरा, डा० केशरगंज (बहराइच) ।→२३-३६३ बी ।

(व) लि० का० सं० १६३७ ।

प्रा०—श्री हजारीलाल लोहार, बिजावर ।→०६-२२४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(श) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० गयादीन शुक्ल, मानपुर, डा० तंबोर (सीतापुर) ।→२६-४१२ जी ।

(ष) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३-३६३ सी ।

(स)→पं० २२-६७ ।

महाप्रस्थानपर्व

(ह) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४१२ ओ ।

मूसलपर्व (र० का० सं० १७३०)

(क') लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ पी ।

वनपर्व

(ख') लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ डी ।

विराटपर्व

(ग') लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४१२ ए' ।

(घ') लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४१२ बी ।

शल्यपर्व (र० का० सं० १७२४) ।

(ङ') लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठी राज्य, अमेठी (सुलतानपुर) । →२३-३६३ डी ।

(च') लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ एस ।

(छ') लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-४१२ टी ।

(ञ¹) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच)।→२३-३६३ ई।

शांतिपर्व

(झ¹) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१२ यू।

सभापर्व (र० का० सं० १७२७)

(ञ¹) लि० का० सं० १९२२।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१२ आर।

(ट¹) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० जदुनाथबख्शसिंह, हरिहरपुर (बहराइच)।→२३-३६३ एफ।

(ठ¹) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मिथौरा, डा० केशरगंज (बहराइच)।→२३-३६३ जी।

(ड¹) लि० का० सं० १९४१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-४१२ क्यू।

स्त्रीपर्व

(ढ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) →२६-४१२ वी।

स्वर्गारोहणपर्व (र० का० सं० १७३४)।

(ण¹) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—बाबू यदुनाथसिंह, हरिहरपुर (बहराइच)। →२३-३६३ ओ।

(त¹) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० जयबख्शसिंह, मिथौरा, डा० केशरगंज (बहराइच)।→२३-३६३ पी।

(थ¹) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—श्री रामावतारसिंह, खुरालिया, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६-४१२ एक्स।

(द¹) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→ २६-४१२ डब्ल्यू।

महाभारत (भाषा) (पद्य)—विविध कवि (उमादास, रामनाथ, अमृतराय, चंद, कुबेर, निहाल, हंसराज, मंगलराय, और देवीदत्तराय) कृत। वि० महाभारत के पंद्रह पर्वों का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६७।

महाभारत (बनपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१-४०६।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—गोविंद कवि ('द्विज') कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री सत्यनारायण उपाध्याय, नेउढ़िया, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →सं० ०४–८२ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—सुंदर कृत । र० का० सं० १६८१ । वि० नाम से स्पष्ट । →पं० २२–१०५ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—हेमनाथ कृत । लि० का० सं० १८७५ । वि० महाभारत विराटपर्व का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०४–४४५ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० मिट्ठूलाल मिश्र, अध्यापक, तिलकभवन, फिरोजाबाद (आगरा) । →२६–४२२ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० दामोदरप्रसाद गौड़, शमशाबाद (आगरा) । →२६–४२१ ।

महाभारत (विराटपर्व) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—ठा० शिवनाथसिंह रईस, एतमाद्पुर, आगरा । →२६–४२४ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१–३६८ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१–५५० ।

महाभारत (विराटपर्व भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० गोकरणनाथ शुक्ल, अलियामऊ, डा० गोसाईंगंज (लखनऊ) । →२६–४२३ ।

महाभारत (शल्यपर्व) → 'समरांतसार' (मंगल मिश्र कृत) ।

महाभारत (सभापर्व) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६१५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० दामोदरप्रसाद गौड़, शमशाबाद (आगरा) । →२६–४२५ ।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—ईश्वरदास (रामप्रसाद ?) कृत । लि० का० सं० १६१४ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० बक्सीतालाब (लखनऊ) । →२६–१८५ ।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—केसोदास कृत । लि० का० सं० १८३२ । वि० महाभारत स्वर्गारोहणपर्व का अनुवाद ।

प्रा०—श्री रामअनंद तिवारी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। → सं० ०१-६२ ।

महाभारत (स्वर्गारोहणपर्व) (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि० महाभारत स्वर्गारोहण-पर्व का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—ठा० शिवदानसिंह, हिरदयपुर, बघारीकलाँ (एटा) ।→२६-३२८ डी ।

(ख) लि० का० सं० १८३२ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२५८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८६१ ।

प्रा०— लाला शंकरलाल पटवारी, मझोला, डा० दरियावगंज (एटा) ।→ २६-३२८ ई ।

(घ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री मिट्ठूलाल अध्यापक, गढ़वार, डा० पारना (आगरा) । → २६-३२८ सी ।

(ङ) प्रा०—पं० अजीराम अध्यापक, एतमादपुर (आगरा) ।→२६-३२८ एफ ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३८८ ।

महाभारत कथा (पद्य)—विष्णुदास कृत। र० का० सं० १४६२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८२४ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२४८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—श्रीकृष्ण जी चौबे, पिनाहट (आगरा) ।→२६-३२८ ए ।

महाभारतदर्पण (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। वि० महाभारत का हरिवंश पुराण सहित अनुवाद ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। ०४-६५ ।

<u>वनपर्व</u>

(ख) प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६-१४४ ।

टि० प्रस्तुत प्रति का अनुवाद गोकुलनाथ भट्ट, गोपीनाथ और मणिदेव तीनों ने मिलकर किया है ।

महाभारतवैराट (विराटपुर) की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाभारत विराट पर्व की कथा ।

प्रा०—श्री चंद्रभानसिंह व्यवस्थापक, भारत प्रेस, बलिया ।→४१-४१५ ।

महामति (महामंत)→'प्राणनाथ' (धामीपंथ के प्रवर्तक) ।

महामहोत्सव (पद्य)—अन्य नाम 'अन्नकूटलीला' । ईश (त्र्यंबकेश) कवि कृत ।

र० का० सं० १८७६ । वि० वल्लभ संप्रदाय में मनाये जाने वाले अन्नकूटलीला महोत्सव का वर्णन ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२-६० ।

(ख) प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६ ।

महाराज—'फुटकर कवित्त' नामक संग्रह ग्रंथ में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२-५६ (पाँच) ।

कवित्त (पद्य)→दि० ३१-५५ ।

महाराज (कवि)—(?)

निघंटमदनोदै (पद्य)→सं० ०१-२७६ ।

महाराज गजसिंहजी का गुणरूपक बंध (पद्य)—केशवदास (चारण) कृत । र० का० सं० १६८१ । लि० का० सं० १७८० । वि० महाराज गजसिंह का यश वर्णन ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-२० ।

महाराजदास—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→२६ २८२ ।

महाराजदीन (दीक्षित)—बरौड़ा (उन्नाव) निवासी ।

लग्नजातक (गद्य)→दि० ३१-५६ ।

महाराजप्रकाश—मुनि (महाराज) कृत । र० का० सं० १८०६ । वि० ज्योतिष ।→ पं० २२-६७ ।

महाराजा भरतपुर और लाट साहब का मिलाप→'मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से' (भुल्लन शेख कृत) ।

महारामायण (गद्य)—भगवानदास (खत्री) कृत । वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद ।

उत्पत्ति प्रकरण

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-२२ बी ।

(योगवाशिष्ठ के उत्पत्ति प्रकरण का अनुवाद) ।

उपशम और निर्वाण प्रकरण

(ख) प्रा०—श्री विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-२२ ए ।

महालक्ष्मी की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत । र० का० सं० १७५३ । वि० लक्ष्मी पूजन कथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकाल, दतिया ।→०६-६४ बी ।

महालक्ष्मीजू की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महालक्ष्मी का माहात्म्य और पूजा ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल अध्यापक, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-२१० ।

महालक्ष्मीजू के पद (पद्य)—गंगादास कृत। वि० महालक्ष्मी जी की स्तुति।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२५२ सी (विवरण अप्राप्त)।

महावाक्य विवरण (भाषा) (पद्य)—विष्णुदत्त कृत। वि० द्वादश महावाक्यों (तत्वमसि, अहं ब्रह्मोस्मि आदि) का विवरण।
प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहिपुर (नौलखा), डा० हँडियाखास (इलाहाबाद)।→सं० ०१-३८६।

महावीर—(?)
सोने लोहे का झगड़ा (पद्य)→२६-२८३।

महावीरकवच (पद्य)—पतितदास कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० हनुमान जी की स्तुति।
प्रा०—पं० रामावतार, पंडितपुरवा, डा० रिसिया (बहराइच)। → २३-३१४ बी।

महावीर की स्तुति (पद्य)—दूलनदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री जंगबहादुर अध्यापक, हरगाँव, डा० परवतपुर (सुलतानपुर)। → २३-१०८ सी।

महावीरजी की स्तुति→'स्तुति (महावीरजी की)' (जगजीवनदास कृत)।

महावीरप्रसाद—कायस्थ। बाँसगाँव (गोरखपुर) निवासी। सं० १६३७ के लगभग वर्तमान।
कृष्णगीतावली (पद्य)→२६-२८४ ए, बी।
विष्णुगीतावली (पद्य)→२६-२८४ सी।

महावीरस्तवन (पद्य)—कमलकलश सूरि कृत। लि० का० सं० १८४२। वि० चौबीसवें तीर्थंकर महावीर की स्तुति।
प्रा०—श्री शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)।→२०-७७।

महाशावर→'शाबरमंत्र' (दामोदर पंडित कृत)।

महासिंह (राव)—उनियारो ? (नागरचाल) के शासक। मणिराम के आश्रयदाता। सं० १८४२ के लगभग वर्तमान।→१२-१०८।

महिपालचरित्र की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—नथमल (जैन) कृत। र० का० सं० १६१८। वि० अवंती के राजा का चरित्र।
(क) लि० का० सं० १६५५।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६६ ख।
(ख) लि० का० सं० १६८५।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६६ क।

महिपालसिंह—ढिंगवस (प्रतापगढ़) के राजा। शिवप्रसाद के आश्रयदाता। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।→१७-१७५; २६-४५०।

महिम्न (भाषा) (गद्यपद्य)—बिहारीलाल (याज्ञिक) कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का० सं० १६३६ । वि० महिम्न स्तोत्र का अनुवाद ।
प्रा०—पं० दीनदयाल, गौशलपुर, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-६३ ।

महिम्नस्तोत्र (भाषा) (पद्य)—समरसिंह (महाराज) कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० महिम्नस्तोत्र का अनुवाद ।
प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडियाखास (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-४३६ ।

महिम्नस्तोत्र की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पुष्पदंताचार्य कृत महिम्नस्तोत्र की टीका ।
प्रा०—पं० यज्ञदत्त मिश्र, खेड़ा, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-२७५ ।

महिम्नादर्श (पद्य)—शंकरसिंह कृत । लि० का० सं० १६५४ । वि० 'महिम्नस्तोत्र' भाषा टीका सहित ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़गावाँ (सीतापुर) ।→१२-१६८ बी ।

महीप→'महीपति ('कविकुलतिलकप्रकाश' के रचयिता) ।

महीपति—अन्य नाम महीप । वास्तविक नाम हिम्मतसिंह । अमेठी (रायपुर) के राजा । राजा गुरुदत्तसिंह के पिता ।
कविकुलतिलकप्रकाश (पद्य)→सं० ०१-२८२ ।

महीपति—सं० १८१० के लगभग वर्तमान ।
रहसलीला (पद्य)→२३-२५३ ।

महीपनारायणसिंह—काशी नरेश । महाराज दुर्गविजयसिंह के पुत्र । महाराज उदितनारायणसिंह, दीपनारायणसिंह और प्रसिद्धनारायणसिंह के पिता । लाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८१४ में जन्म और सं० १८५२ में ३८ वर्ष की अवस्था में मृत्यु ।→०३-११४ ।

महीपाल—उप० द्विजदत्त । ब्राह्मण । तरोहाँ (बाँदा) निवासी । सं० १६२८ के लगभग वर्तमान ।
चित्रकूटमाहात्म्य (पद्य)→२६-२१२ ।

महूर्तविचार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, विश्रामदास का पुरवा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६-७५ (परि०३) ।

महेंद्रसिंह—पटियाला नरेश । राज्यकाल सं० १६१६-१६३३ । मृगेंद्र कवि के आश्रयदाता ।→०४-५० ।

महेंद्र हिम्मतसिंह→'हिम्मतसिंहदेव (महेंद्र)' ।

महेश—(?)
हम्मीररासो (पद्य)→०१-६२; ४१-५३६ (अप्र०) ।

महेश (महेश जू)—संभवतः बस्ती के राजा। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।
शृंगारशतक (पद्य)→सं० ०४-२६२।

महेशदत्त—शुक्ल आस्पद के ब्राह्मण। पिता का नाम अवधराम। धनावली (बाराबंकी) के निवासी। सं० १६४० के पूर्व वर्तमान।
अठारह पुराण और पचीस अवतारों के नाम (पद्य)→२६-२८५।
अमरकोष (भाषानुवाद) (पद्य)→२६-२२० ए।
नरसिंहपुराण (गद्यपद्य)→२६-२२० बी, सी, डी।
रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)→२६-२२० ई से के तक।
विष्णुपुराण (भाषा) (गद्यपद्य)→२६-२२० एल।

महेशदत्त (त्रिपाठी)—चंदापुर (सुलतानपुर) निवासी।
व्रतार्क (भाषा) (गद्य)→२६-२२१।

महेशनारायणसिंह (महाराज)—राजाबाजार (?) के राजा। कवियित्री धर्मकुँअरि के पति।
ज्ञानचालीसी (पद्य)→३८-६६।

महेशमल्ल—सेवाराम जैन ने इनके और रघुनाथ के कहने पर ही 'शांतिनाथपुराण' की रचना की थी।→सं० ०४-४२५।

महेशमहिमा (पद्य)—देवीसहाय (बाबा) कृत। वि० शिव जी की महिमा।
प्रा०—बाबा गोविंदानंद, तौंतपुर, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ़)।→२६-८५।

महेश्वरमहिमा (पद्य)—किंकर (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० ब्रजनारायण शर्मा, नकशा (इटावा)।→३८-८२।

महोबासमयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंद बरदाई कृत)।

महोबे की लड़ाई (पद्य)— रचयिता अज्ञात। वि० आल्हा के कुँवर करिंगा की लड़ाई।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३५-२११।

माँझ (पद्य)—मोहनमत्त कृत। लि० का० सं० १६४३। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मोरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४-३१०।

माँझबत्तीसी (पद्य)—रसिकरूप कृत। वि० कृष्ण की महिमा।
प्रा०—महंत संतदास, ब्रह्मचारी आश्रम, संग्रामपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-४०५।

माँझबत्तीसी (पद्य)—सर्वसुखदास कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० श्री हित हरिवंश जी की महिमा।
प्रा०—गो० श्री हित रूपलाल, श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३८-१३८।

माँझाभक्तमाल→'इश्कमाल' (ब्रजजीवनदास कृत)।

मांडूकोपनिषद (भाषाटीका) (गद्य)—यमुनाशंकर (नागर) कृत। वि० माडूक उपनिषद का भावार्थ।

प्रा०—पं० वासुदेव, सिकंदरपुर, बंथरा (लखनऊ)।→२६–३२६ सी।

मांधाता→'मानमहीप' (वंशीधर प्रधान के आश्रयदाता)।

मांसदशक (पद्य)—अवधूतसिंह कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० सं० १८५४। वि० मांस की प्रशंसा और महिमा।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–११ बी।

माईदास (मुंशी)—विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–७२ (छै)।

माखन—चाणक। गोपाल के पुत्र। गंगाराम के पौत्र। रायपुर (विलासपुर) निवासी। रतनपुर (विलासपुर) के राजा राजसिंह के आश्रित।

श्रीनागपिंगल (पद्य)→४१–१६१।

माखन (लखेरा)—पन्ना निवासी। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।

दानचौंतीसी (पद्य)→०६–६८।

माखनचोरलहरी (पद्य)—वृंदावनदास कृत। वि० श्रीकृष्ण जी की माखन चोरी की कथा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२५० डी (विवरण अप्राप्त)।

माखनचोरी लीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, धनुआँ (इटावा)।→३५–१६ सी।

माखनचोरी लीला (पद्य)—व्रजवासीदास कृत। लि० का० सं० १६१७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री बेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० बिलराम (एटा)।→२६–५७ ई।

माखनदास—राममार्गी वैष्णव। सं० १८६१ के पूर्व वर्तमान।

दोहावली (पद्य)→४१–१६२।

माखनलाल—चौबे ब्राह्मण। कुलपहाड़ (हम्मीरपुर) निवासी। सं० १८०० के पूर्व वर्तमान।

गणेशजू की कथा (पद्य)→०६–६६ ए।

गणेशपूजा तथा होमविधि (पद्य)→२६–२१३ ए, बी।

सत्यनारायण कथा (पद्य)→०६–६६ बी।

माजम प्रभाव अलंकार (पद्य)—जैतसिंह कृत। र० का० सं० १७२७। वि० अलंकार।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–८५ ग।

माणक—(?)

माणकबोध (पद्य)→४१–१६३।

माणकदास—(?)

माणक पदावली (पद्य)→३८–६७।

माणक पदावली (पद्य)—अन्य नाम 'पदावली'। माणकदास कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८–६७।

माणकबोध (पद्य)—अन्य नाम 'आत्मविचार' । माणक कृत । लि० का० सं० १९१५ ।
वि० आत्मज्ञान ।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर, नंदगाँव (मथुरा) ।→४१-१९३ ।

माणिकदास—उज्जैन निवासी साधु । ये सफरा नदी के तट पर रहा करते थे ।
कवित्तप्रबंध (गद्यपद्य)→०१-१३२ ।
संतोषसुरतरु (गद्यपद्य)→३२-१३६ ।

मातादीन (शुक्ल)—अजगरा (प्रतापगढ़) के निवासी । प्रतापगढ़ के राजा बाबू अजीतसिंह के आश्रित । सं० १९०३ के लगभग वर्तमान ।
जीवगति (पद्य)→सं० ०४-२९३ क ।
ज्ञानदोहावली (पद्य)→२६-२९७ ए, बी; ४१-५४० (अप्र०); सं० ०४-२९३ ख, ग ।
नानार्थनवसंग्रहावली (पद्य)→२३-२७४; २६-२९७ आई, जे, के, एल; सं० ०४-२९३ घ ।
रससारिणी (पद्य)→२६-२९७ एच, बी; सं० ०१-२८३ क, ख; सं० ०४-२९३ ङ, च, छ ।
रामगीताष्टक (पद्य)→२६-२९७ सी, डी; सं० ०१-२८३ घ, ङ; सं० ०४-२९३ ज, झ ।
रामायणमाला (पद्य)→२६-२९७ ई, एफ; सं० ०१-२८३ ग; सं० ०४-२९३ ञ, ट, ठ ।
वृत्तदीपिका (पद्य)→५३-६१ ।

मातामैणावंती गोपीचंद संवाद→'सबदी' (गोपीचंद कृत) ।

मत्राप्रस्तारवर्णमर्कटी→'छंदार्णव' (भिखारीदास 'दास' कृत) ।

मात्रामुक्तावली (पद्य)—बनादास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १९२० ।
प्रा०—श्री मोहनदास पुजारी, भवहरन कुंज, अयोध्या ।→२०-११ एन ।
(ख) लि० का० सं० १९२० ।
प्रा०—श्री रामरत्ना त्रिपाठी 'निर्भीक,' अध्यापक, फार्ब्स हाईस्कूल, फैजाबाद ।→ सं० ०१-२९० ख ।

माधव – संभवतः सं० १९१८ के पूर्व वर्तमान ।
गीतासुबोधिनी टीका (गद्यपद्य)→२६-२१४ ।
भगवतगीता (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-२९४ ।

माधव—सं० १६५६ के लगभग वर्तमान ।
विनोदसागर (पद्य)→०५-६८ ।

माधव—(?)

गोगुहार (पद्य)→१५-५८ ।

माधव (माधो)—सं० १६३६ के लगभग वर्तमान ।

रेल वर्णन (पद्य)→२६-२७४ ।

माधव जू→'माधवदास' (रीवाँ निवासी) ।

माधवदास कायस्थ । नागौद (राजस्थान) निवासी ।

संभवतः जोधपुर नरेश महाराज विजयसिंह के आश्रित । १८वीं शताब्दी में वर्तमान ।

करुणाबत्तीसी (पद्य)→०१-७८; २६-२७५ ए, बी; २६-२१५ बी, सी, डी, ई; ४१-५४३ (अप्र०) ।

करुणाष्टक (पद्य)→४१-१६४ ।

जनमकरम लीला (पद्य)→२६-२१५ ए ।

दशमस्कंध (संक्षेपलीला) (पद्य)→सं० ०१-२८६ ख ।

दानलीला (पद्य)→४१-१६५ ।

नरसिंहलीला (पद्य)→३८-६२ ।

नारायणलीला (पद्य)→०६-१७७ ए; सं० ०१-२८६ ग ।

पदावली (पद्य)→४१-१६७ ।

मुरली की लीला (पद्य)→सं० ०१-२८६ क ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)→०६-१७७ बी ।

रथलीला (पद्य)→४१-१६६ ।

माधवदास—अन्य नाम माधव जू । कत्थक । काशीराम के पुत्र । गंगाप्रसाद के पौत्र । रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह इनके पालनपोषण कर्ता, गुरु और आश्रयदाता थे । सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।

आदिरामायण (पद्य)→२६-२१७ ।

सारस्वतसार मधुकर कलानिधि (पद्य)→२६-२७६ ।

माधवदास—मिश्र ब्राह्मण । सं० १८३७ के लगभग वर्तमान ।

अवतारगीता (पद्य)→१२-१०४ ए; २३-२५४ ।

करुणापचीसी (पद्य)→१२-१०४ सी ।

दधिलीला (पद्य)→१२-१०४ बी ।

माधवदास—संभवतः दादूपंथी । किसी दामोदर के शिष्य । सं० १७५८ के पूर्व वर्तमान ।

अध्यात्मरामायण (बाल तथा अयोध्याकांड) (पद्य)→सं० ०१-२८४ ।

मदालसा (मदालसा आख्यान ?) (पद्य)→पं० २२-६०; सं० ०४-२६५ ।

माधवदास—(?)

तत्वचिंतामणि (पद्य)→सं० ०१-२८५ ।

माधवदास—(?)

दानलीला (पद्य)→सं० ०१-२८७ ।

माधवदास—(?)

नासिकेतु की कथा (पद्य)→१६–२१६ ए, बी।

माधवदास—(?)

वर्षोत्सव के पद (पद्य)→३२–१३६।

माधवदास—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ ०२–६४ (बाईस)।

माधवदास (चारण)—दधिवरिया जाति के चारण। मारवाड़ निवासी। सं० १६७५ के लगभग वर्तमान।

गुणरामरासो तथा रामरासो (पद्य) →०१–८०; ४१–५४१ (अप्र०); सं० ०१–२८८।

माधवदास (भट्ट)—(?)

भाषाकोष (गद्यपद्य)→सं० ०१–२८९।

माधवनिदान (गद्य)—चंद्रसेन कृत। लि० का० सं० १७२९। वि० वैद्यक (माधव कृत संस्कृत ग्रंथ 'माधवनिदान' का अनुवाद)।

प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०९–४४।

माधवनिदान (भाषा) (पद्य)—द्वारिकादास कृत। लि० का० सं० १९२१। वि० चिकित्सा।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ाबाजार, कालपी।→०८–१३६।

माधवनृप (नृपमाधव)→'माधवसिंह (राजा)' ('रामप्रकाश' आदि के रचयिता)।

माधवप्रतापसिंह—अमेठी के राजा। शंभुनाथ ('शिवस्तोत्र' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०१–४०९।

माधवप्रसाद—जौनपुर निवासी। कुछ दिन मिरजापुर और बनारस (वाराणसी) में भी रहे।

काशीयात्रा (गद्य)→०९–१७८।

माधवप्रसाद—ब्राह्मण। सुवंश शुक्ल के वंशज।

कवित्त (पद्य)→२३–२५५।

माधवमधुररामायण→'आदिरामायण' (माधवदास कृत)।

माधवरत्नज्ञान→'रत्नज्ञान' (नवलदास कृत)।

माधवराम—यमुना किनारे टोडरपुर (कालपी के निकट) के निवासी। जन्म सं० १८३७। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

माधवराम की कुंडली (पद्य)→०९–१७९; २३–२५८।

माधवराम (अग्निहोत्री)—(?)

एकादशीव्रत कथा (पद्य)→२३–२५७।

माधवराम की कुंडली (पद्य)—माधवराम कृत। र० का० सं० १८८०। वि० देवी देवताओं की स्तुति।

(क) प्रा०—लाला तुलसीराम निगम, रायबरेली।→०९–१७९।

(ख) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३-२५८ ।

माधवविजयविनोद (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत । वि० माधव नामक किसी राजा का यश वर्णन ।

प्रा०—श्री मगन उपाध्याय भट्ट, मथुरा ।→१७-७८ सी ।

माधवविनोद नाटक (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र० का० सं० १८०९ । लि० का० सं० १९०० । वि० संस्कृत नाटक 'मालतीमाधव' का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर, वाराणसी ।→०४-४७ ।

माधवविलास (पद्य)—अन्य नाम 'माधवानलकामकंदला' । भीष्म कृत । र० का० सं० १८१० (?) । वि० माधव और कामकंदला की प्रेम कथा ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहिपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-२६१ ।

माधवविलास (पद्य)—लल्लूलाल कृत । लि० का० सं० १९१६ । वि० माधव और सुलोचना की कथा ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद दूबे, जादवपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६-२६६ ए ।

माधवसिंह—सं० १८७५ के लगभग वर्तमान । नरवर (ग्वालियर) के राजा । अर्जुन कवि के आश्रयदाता ।→०६-१३१ ।

माधवसिंह (**माधौसिंह**) जयपुर नरेश । राज्यकाल सं० १८२५ के लगभग । छविनाथ कवि के आश्रयदाता ।→सं० ०१-११५ ।

माधवसिंह (राजा)—उप० छितिपाल (क्षितिपाल), माधवनृप और नृपमाधव । अमेठी (सुलतानपुर) के राजा । काव्यकाल सं० १९१५-१९४५ तक ।

देखे चरितसरोज (पद्य)→२३-२५६ ।

मनोजलतिका (पद्य)→४१-१६८ ।

रागप्रकाश (पद्य)→सं० ०१-२६० क ।

स्तुति (?) (पद्य)→सं० ०१-२६० ख ।

माधवसिंह (राठौर)—पीपाड़ (मारवाड़) के शासक । बेनीराम के आश्रयदाता । सं० १७७९ के लगभग वर्तमान ।→०१-१०९ ।

माधवसुयशप्रकाश (पद्य)—छविनाथ (कवि) कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-११५ ।

माधवानंद (भारती)—रामकृष्ण भारती के शिष्य । सं० १९२६ के लगभग वर्तमान ।

कैलाशमार्ग (पद्य)→२६-२७७ ए ।

माधवीशंकरदिग्विजय (पद्य)→२६-२७७ बी ।

माधवानल कथा—लाल (नेवजीलाल) कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→सं० ०४-३५५ ।

माधवानलकामकंदला (पद्य)—आलम कृत । र० का० सं० ९५१ वि० (सं०१६०२-३) । वि० माधवानल और कामकंदला की प्रेमकथा ।

(क) लि० का० सं० १८१३ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-१८ ज ।

(ख) लि० का० सं० १८२१ ।

प्रा०—श्री गुविंदराम ब्राह्मण, हिंगोट खिरिया, डा० बमरौलीकटारा (आगरा) । →२६-८ ।

(ग) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोवि० हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ । → सं० ०४-१५ ङ ।

(घ) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक' अध्यापक फार्स्ट हाईस्कूल, फैजाबाद । → सं० ०१-१८ भ ।

(ङ) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६ ।

(च) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोवि० हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ । → →सं० ०४-१५ च ।

(छ) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३-८ ।

(ज) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-४७५ (अप्र०) ।

(झ) प्रा०—श्री बलदेव चौबे, दुधौड़ा (जौनपुर) ।→सं० ०१-१८ ङ ।

(ञ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१८ च ।

(ट) प्रा०—श्री रामचचंद्र टंडन, १०, साउथरोड, इलाहाबाद । → सं० ०१-१८ छ ।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१८ ञ ।

माधवानलकामकंदला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० माधवानल और कामकंदला की प्रेमकथा ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । → सं० ०४-४८४ ।

माधवानलकामकंदला→'माधवविलास' (भीष्म कृत) ।

माधवानल की कथा (पद्य)—हरिनारायण कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० माधवानल और कामकंदला की कथा ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०५-६१ ।

माधवीशंकरदिग्विजय (पद्य)—माधवानंद (भारती) कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० शंकराचार्य की दिग्विजय का वर्णन ।

प्रा०—पं० संकठाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर) ।→२६-२७७ बी ।

माधुरीदास→'मधुअरिदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

माधुरीदास (कपूर)—मथुरा (माधुरीकुंड) के निवासी। गौड़ीय संप्रदाय के अनुयायी रूपगोस्वामी के शिष्य। सं० १६८० के लगभग वर्तमान।

उत्कंठामाधुरी (पद्य)→०२–१०४ (चार)।

दानमाधुरी (पद्य)→०२–१०४ (सात); ०६–१६३; १२–१०५; ४१-५४२ क (अप्र०)।

भँवरगीत (पद्य)→०२–१०४ (दो)।

माधुरीदासजी की बानी (पद्य)→३२–१३७।

मानलीला (पद्य)→०२–१०४ (आठ); ०६–१८०; पं०—२२–६१; ४१-५४२ ख, ग (अप्र०)।

राधारमन विहार माधुरी (पद्य)→०२–१०४ (एक)।

वंशीवट विलास माधुरी (पद्य)→०२–१०४ (तीन)।

वनविहार माधुरी (पद्य)→सं० ०१–२६१।

वृंदावनकेलि माधुरी (पद्य)→०२–१०४ (पाँच)।

वृंदावनविहार माधुरी (पद्य)→०२–१०४ (छै)।

संग्रह (पद्य)→०२–१०४ (नौ)।

माधुरीदासजी की बानी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० कृष्ण भक्ति। (उत्कंठमाधुरी, वंशीवटमाधुरी, केलिमाधुरी, वृंदावनमाधुरी, दानमाधुरी, मानमाधुरी नामक छै रचनाओं का संग्रह)।

प्रा०—पं० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२–१३७।

माधुरीप्रकाश (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० सीताराम की शोभा।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२७६ डी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७ ९९ एफ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३–२२५।

माधुरीविलास (पद्य)—शंकर (दीक्षित) कृत। र० का० सं० १६३२। लि० का० सं० १६४४। वि० वेदांत।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–४२६।

माधुर्यलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेवजी) कृत। र० का० सं० १७४४। वि० राधाकृष्ण का माधुर्य वर्णन।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५४ ए।

माधुर्यलहरी (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १८५२। वि० राधाकृष्ण की लीला।

(क) लि० का० सं० १८५२।

प्रा०—पं० दुलारेप्रसाद शास्त्री, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६७ बी।

(ख) प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद। → ४१-४८२ ख (अप्र०)।

माधुर्यलहरी (पद्य)—जयदयाल कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—पं० झिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती)।→सं० ०४-११६।

माधोदास—(?)

बड़ीश्रोनम (पद्य)→३८-६३ ए, बी।

माधोदास→'माधवदास' ('करुणाबत्तीसी' आदि के रचयिता)।

माधोराम—मेड़ता (मारवाड़) निवासी। माथुर कायस्थ। जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। सं० १७३५ के लगभग वर्तमान।

शक्तिभक्ति प्रकाश (पद्य)→०२-४३।

माधोराम (पंचोली)→'माधवदास' ('अवतारगीता' आदि के रचयिता)।

माधोराम (मुंशी)—विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२-७२ (चार)।

माधोराय—संभवतः पुष्टिमार्ग के वैष्णव।

मथुरेशजी की भावना (गद्य)→३५-५६।

माधौदास—संभवतः दादूदयाल के शिष्य।

पद (पद्य)→सं० ०७-१५०।

माधौदास—(?)

सवैया (पद्य)→सं० ०७-१५१।

मान→'उसमान' ('चित्रावली' के रचयिता)।

मान→'खुमान' ('अमरप्रकाश' आदि के रचयिता)।

मान→'मानमहीप' (वंशीधर प्रधान के आश्रयदाता)।

मान (कवि)—सुखदेव मिश्र के शिष्य। हरिहरपुर (बहराइच) के राजा रूपसिंह के आश्रित।

हरिराधाविलास (पद्य)→२३-२५६।

मानकदास→'माणिकदास' ('संतोषसुरतरु' के रचयिता)।

मानकवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० राधा और कृष्ण की मानलीला।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर शर्मा, जगसौरा (इटावा)।→३८-१०८ ए।

मानकवि या मुनिमान—जैन। सुमतिमेर के शिष्य। बीकानेर निवासी। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।

कविप्रमोदरस (पद्य)→२०-१०१।

कविविनोद (पद्य)→२६-१३३ ए; ३५-६६; सं० ०१-२६२ ख।

मानबत्तीसी (पद्य)→४१-१६६ ।

संयोगबत्तीसी (पद्य)→सं० ०१-२६२ क ।

मानचरित्रलीला (पद्य)—व्रजवासीदास कृत । लि० का० सं० १६०१ । वि० श्री कृष्ण और राधिका की मानलीला ।

प्रा०—श्री रामदास गोसाईं, गढ़ी जयसिंह, डा० सिकंदराराव (अलीगढ़) । →२६-५७ बी ।

मानजसोमंडन (पद्य)—बाँकीदास (आसिया) कृत । वि० जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह का यश वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-१५४ ख ।

मानजीमुनि→'मानकवि या मुनिमान' ('कवि प्रमोदरस' आदि के रचयिता) ।

मानतुंग मानवती चउपई (पद्य)—अभयसोम कृत । र० का० सं० १७२० । लि० का० सं० १७५६ । वि० मानतुंग और मानवती की कथा जिसमें मानवती ने श्रावकों के आठ कर्मों का उपदेश ग्रहण किया था ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४ ।

मानदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→ ०२-५७ (अड़तीस) ।

मानदास→'बालकृष्ण (नायक)' (बुंदेलखंड निवासी) ।

मानपचीसी (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । वि० राधाकृष्ण की मान लीला ।

प्रा०—पं० सोहनलाल पाठक, मथुरा ।→०६-६७ ए ।

मानबत्तीसी (पद्य)→तिलोक (त्रिलोकदास) कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० राधिका का मान वर्णन ।

(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६७ ।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर । →४१-४६६ (अप्र०) ।

मानबत्तीसी (पद्य)—मानजी मुनि कृत । र० का० सं० १७३१ । वि० शृंगार ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-१६६ ।

मानबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'मानमंजरी' । लाल (कवि) कृत । वि० शृंगार ।

(क) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-३७४ ।

(ख) प्रा०—पं० आद्याप्रसाद, परमा का पुरवा, डा० रानीगंज (प्रतापगढ़) । →सं० ०४-३५६ ।

मानमंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'नाममाला' और 'नाममंजरी' । नंददास कृत । र० का० सं० १६२४ । वि० एकार्थक (पर्यायवाची) शब्द संग्रह ।

(क) लि० का० सं० १७८२ ।

प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद पटवारी, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७-११६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा०—पं० श्रीरामजी शर्मा, प्रधानाध्यापक, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)। → २६-२४४ एफ।

(ग) लि० का० सं० १८५२।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)। → २६-२४४ जी।

(घ) लि० का० सं० १८५२।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी। → ४१-५०८ क (अप्र०)।

(ङ) लि० का० सं० १८५३।

प्रा०—लाला महावीरप्रसाद, गौरीगंज (सुलतानपुर)। → २३-२६४ एफ।

(च) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—पं० लक्ष्मणवल्लभ पांडेय, अनूपशहर (बुलंदशहर)। → २०-११३ बी।

(छ) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—श्री दामोदरदास गौड़, शमशाबाद (आगरा) → २६-२४४ ई।

(ज) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—श्री शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ। → ०६-२०८ सी।

(झ) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—पं० शिवप्रसाद, घुमनी, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३-२६४ जी।

(ञ) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। → २३-२६४ ई।

(ट) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—पं० गणेशदत्त मिश्र, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा। → ०६-२०८ बी।

(ठ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर)। → २०-११३ सी।

(ड) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—पं० सिद्धिनाथ बाजपेयी, केली (रायबरेली)। → २२-२६४ एच।

(ढ) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमपुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)। → २३-२६४ आई।

(ण) प्रा०—पं० भोंदू मिश्र, कड़ा (इलाहाबाद)। → २०-११३ ए।

(त) प्रा० बाबू पद्मशरणसिंह, तवेदपुर, भिनगा (बहराइच)। → २३-२६४ जे।

(थ) प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। → ४१-५०८ ख (अप्र०)।

(द) प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली। → दि० ३१-६१ ए।

मानमंजरी → 'मानबत्तीसी' (लाल कवि कृत)।

मानमहीप—अन्य नाम मांधाता। बुंदेलखंड निवासी। वंशीधर प्रधान के आश्रयदाता। सं० १७७४ के लगभग वर्तमान। → ०५-६४; ०६-१२; १७-२०।

मानमाधुरी→'मानलीला' (माधुरीदास कृत) ।

मानरसलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण की मानलीला ।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी ।→००-१३ (दस) ।

मानरहस्य→'मानलीला' (माधुरीदास कृत) ।

मानलीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र० का० सं० १६४२ । लि० का० सं० १६४२ । वि० राधा का रूठना और कृष्ण का उन्हें मनाना ।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामविहारीलाल का मंदिर, पीलीभीत । → १२-६३ सी ।

मानलीला (पद्य)—ध्यानदास कृत। लि० का० सं० १६१३ । वि० राधा की मानलीला ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, विजावर ।→०६-१६० बी (विवरण अप्राप्त) ।

मानलीला (पद्य)—नंद (व्यास) कृत । वि० राधा का कृष्ण के प्रति मान करना ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२०० ए (विवरण अप्राप्त) ।

मानलीला (पद्य)—बिसराम कृत। र० का० सं० १६०० । वि० राधा की मानलीला ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—ठा० गंगासिंह, मझगवाँ, डा० ओयल (खीरी) ।→२६-६६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेयी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६-६६ बी ।

मानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'मानमाधुरी', 'मानरहस्य' और 'मानसमय' । माधुरीदास कृत। वि० राधा का रूठना ।

(क) लि० का० सं० १८१३ ।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१-५४२ ग (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद । → ४१-५४२ ख (अप्र०) ।

(ग) प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर । → ०२-१०४ (आठ) ।

(घ) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । →०६—१८० ।

(ङ)→पं० २२-६१ ।

मानलीला (पद्य)—श्रीधर (सीधर) कृत। वि० राधा द्वारा मान करना ।

प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा) ।→३८-१४० ।

मानविनोद (पद्य)—आन कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८ । वि० श्रृंगार काव्य ।

प्रा०—हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ ध[1] ।

मानविनोद लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधा का मान वर्णन ।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१५६ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६–७१ ए।

मानविलास (पद्य)—वल्लभदास कृत। लि० का० सं० १६३४। वि० राधा की मानलीला।

प्रा०—सिंही कृष्णसिंह जी, खजांची, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२–११।

मानशिक्षाबत्तीसी (पद्य)—हितरूपलाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५८ सी।

मानसदीपिका (गद्यपद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। वि० तुलसी कृत 'रामचरितमानस' की शंकाओं का समाधान।

(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामशंकर बाजपेयी, बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–३२७ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१४।

प्रा०—भैया यदुनाथसिंह रईस, रहुआ, डा० बौंड़ी (बहराइच)। →२३–३२७ बी।

(ग) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—श्री जयरामसिंह, महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६–३७० ए।

मानसदीपिका (काव्यांग) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० 'रामचरितमानस' के छंदों और अलंकारों के लक्षणादि का वर्णन।

प्रा०—श्री सोहनपाल, बैजुआ, डा० अरांव (मैनपुरी)।→३२–२५६।

मानसदीपिका (कोश) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामचरितमानस का कोश।

प्रा—पं० सोहनपाल, बैजुआ, डा० अरांव (मैनपुरी)।→३२–२५७।

मानसदीपिका विश्राम→'विश्राममानस' (बाबा रघुनाथदास कृत)।

मानसदीपिका शंकावली→'शंकावली रामायण' (बाबा रघुनाथदास कृत)।

मानस पर पत्रावली (प्रश्नावली) (पद्य)—घनश्याम (त्रिवेदी) कृत। वि० तुलसी कृत रामायण की कुछ शंकाएँ और उनका समाधान।

प्रा०—पं० रामलाल, भूतपूर्व कोतवाल, बलरामपुर।→०६–६०।

मानसमयंक (पद्य)—शिवलाल (पाठक) कृत। र० का० सं० १८७१। लि० का० सं० १६३३। वि० रामचरितमानस की टीका।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–११३।

(रामचरितमानस के एक अंश की दो टीकाएँ इस पुस्तकालय में और हैं)।

मानसमय→'मानलीला' (माधुरीदास कृत)।

मानसमार्तंडमाला (पद्य)—युगलमाधुरी कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० राम नाम, रूप और लीलाएँ तथा उपासना इत्यादि।

प्रा०—महंत लक्ष्मणलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६–३३५ ।

मानसरहस्य (गद्यपद्य)—सरदार कृत । र० का० सं० १६०४ । लि० का० सं० १६२१ । वि० रामचरितमानस का विवेचन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२७६ ।

मानसशंकावली (गद्यपद्य)—वंदन (पाठक) कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० तुलसी कृत रामायण की शंकाओं का समाधान ।

(क) लि० का० सं० १६५१ ।

प्रा०—श्री संतन, अरिया, डा० पिपरी (बहराइच) ।→२३-४३८ ।

(ख) प्रा०—पं० विनायकदत्त, कठौती (इलाहाबाद) ।→२०–२०१ ।

मानसहंस रामायण (गद्य)—सुखदेवलाल कृत । र० का० सं० १७४६ । लि० का० सं० १६४२ । वि० तुलसी कृत रामायण (बालकांड) की टीका ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→०६–३०८ ।

मानसागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० राधा का मान वर्णन ।

प्रा०—ठा० भजनलाल, होल्ला, डा० राया (मथुरा) ।→३५–२१२ ।

मानसिंह—जैन । विजयगच्छ (?) निवासी । इन्होंने उदयपुर में ग्रंथ रचना की थी ।

बिहारी सतसई सटीक (गद्यपद्य)→०१–७५ ।

मानसिंह—चौहान क्षत्री । बेलिहरी गाँव (खीरी) निवासी । अंत में ये सपरिवार चंद्रगढ़ (बंगाल) में जा बसे थे । सं० १६६९ के लगभग वर्तमान ।

महाभारत (अश्वमेधपर्व) (पद्य)→०६–१८६ ।

मानसिंह (अवस्थी)—गिरिग्राम या गिरवान (बाँदा) के निवासी ।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→०६–७३; २३–२६३ ।

मानसिंह (द्विज)—उप० सिंह । संभवतः ब्राह्मण (ब्रह्मभट्ट) । पवारा के किसी क्षत्री राजा के आश्रित । सं० १८०५ के लगभग वर्तमान ।

बहुला कथा (पद्य)→१७–११०; २३–२६१ ।

मानसिंह (द्विजदेव)—अन्य नाम प्रतापनारायण सेन । अयोध्या के राजा । भैया त्रिलोकीनाथसिंह (भावन या भुवन) के पितृव्य । रामनारायण के आश्रयदाता ।

→०६–२८; ०६–२५२ ।

श्रृंगारलतिका (गद्यपद्य)→२३–२६२; सं० ०४–२६६ ।

मानसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश । राज्यकाल सं० १८६०–१९०० । राजा भीमसिंह के चचेरे भाई और उनके उत्तराधिकारी । छत्रसिंह के पिता । बागीराम, गाडूराम, दौलतराम, मनोहरदास, उत्तमचंद भंडारी, लक्ष्मीनाथ और शंभूदत्त जोशी के आश्रयदाता ।→०१–६६; ०२–१८; ०२–२१; ०२–३०; ०२–३२; ०२–३३; ०२–३६; ०६–१६२ ।

जलंधरनाथजी रा चरित्र (पद्य)→०२–२४ ।

नाथचरित (पद्य)→०२-३१ ।

नाथजी रा दुहा (पद्य)→०२-६० ।

नाथप्रशंसा (गद्यपद्य)→०२-७८ ।

रागसागर (पद्य)→०२-७७ ।

मानसिकसेवा (पद्य)—हितरूपलाल कृत । र० का० सं० १७७५ । वि० राधाकृष्ण की सेवा और पूजाविधि ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५८ ए ।

मानसीतीर्थमाहात्म्य (पद्य)—लालदास (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० मन की पवित्रता ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, शाहपुर, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६-२६३ बी ।

मानामंत्री—'मैनावती' (गोपीचंद की माता) ।

मानिक—(?)

पांडेयलीला (पद्य)→सं० ०१-२६३ ।

मानिक (कवि)—कायस्थ । अयोध्या निवासी । सं० १५४६ के लगभग वर्तमान ।

बैतालपचीसी (पद्य)→३२-१४२ ।

मान्य—(?)

रसकंद (पद्य)→०६-१६३ ।

मापमार्ग (गद्य)—गिरधारीलाल कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३१ । वि० क्षेत्रफल निकालने की रीति ।

प्रा०—लाला रामदयाल पटवारी, गुदरपुर, डा० बिलराम (एटा) ।→२६-१२० ।

मापविधान (गद्य)—देवीदीन कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३८ । वि० रेखागणित और क्षेत्रफलादि वर्णन ।

प्रा०—पं० लल्लूमल महेरे, अछल्दा (इटावा) ।→३८-४० ।

मामकीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)—देवीदास कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० फारसी ग्रंथ मामकीमा का अनुवाद ।

प्रा०—श्री वैजनाथप्रसाद हकीम, मड़ियाहू बाजार (जौनपुर) । → सं० ०४-१६५ ख ।

मामूलअतिब्बा (गद्य)—टीपूसुलतान कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद । ४१-८७ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ में मूल फारसी के साथ पूर्णवल्लभ कृत टीका भी संमिलित है ।

माया (विप्र)—गैंगटाही ग्राम (वस्ती) के निवासी । सं० १८६२ के लगभग वर्तमान ।

फलित (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-२६७ ।

माया को अंग (पद्य)—नित्यानंद कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६४ ।

मारकंडे (मिश्र)—ग्रंथाधिकारी पं० महावीर मिश्र के पूर्वज । सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान ।

चंडीचरित्र (पद्य)→०६-१६४ ।

मार्कंडेयपुराण (गद्यपद्य)—दामोदरदास कृत । लि० का० सं० १८७४ । वि मार्कंडेय पुराण का अनुवाद ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६३ ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० मार्कंडेयपुराण का अनुवाद ।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद, जैनगरा, डा० राजाफतेहपुर (रायबरेली) । → सं० ०४-२३६ ङ ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६८८ । वि० मार्कंडेयपुराण का अनुवाद ।

प्रा०—पं० शोभाराम, जैंत (मथुरा) ।→३८-१८२ ।

मार्कंडेयपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत श्री रामचरित्तर भगत, मनियर मठ (बलिया) ।→४१-३६६ ।

मार्गनाविधान (पद्य)—बनारसीदास कृत । वि० जैन मतानुसार जीव के ६२ मार्ग विधानों का वर्णन ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७-१६ डी ।

माला (पद्य)—उमादास कृत । र० का० सं० १८६४ । वि० पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह के कोई मान्य साधु मनोहरदास की प्रशंसा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-६४ ।

मालाजोग (ग्रंथ)→'बानी' (स्वामी हरिदास कृत) ।

मालीपाव (सिद्ध)—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत ।→४१-५६; २८४ ।

मालीराम—संभवतः राजस्थान निवासी ।

ख्याल बंजारे को (पद्य)→सं० ०४ २६८ क ।

ख्याल जोरी को (पद्य)→सं० ०४-२६८ ख ।

मिट्ठूलाल—(?)

फूलचिंतनी (पद्य)→३५-६३ ।

मिताक्षरा अथवा व्यवहारचंद्रिका (गद्य)—हरिश्चंद्र कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० नीति शास्त्र ।

प्रा०—स्कूल पुस्तकालय, चंपा अग्रवाल हाईस्कूल, मथुरा ।→३२-८४ ।

मित्रमनोहर (पद्य)—वंशीधर (प्रधान) कृत । र० का० सं० १७७४ । वि० हितोपदेश का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८१३ ।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन, बी० ए०, एलएल० बी०, वकील, उच्च-न्यायालय, इलाहाबाद ।→१७-२० ।

(ख) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-४१ ।

(ग) लि० का० सं० १६०५ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१२ ।

(घ) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०५-६४ ।

(एक अन्य प्रति लाला विशंभर जी, काशीपुर, दतिया के पास है) ।

मित्रविलास (पद्य)—घासीराम (जैन) कृत । र० का० सं० १६०१ (?) लि० का० सं० १६५३ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । →सं० १०-२६ ।

मित्रसिंह—हरयाना के राजा । जयजयराम के आश्रयदाता । सं० १८६७ के पूर्व वर्तमान । →१७-८७ ।

मिथिलाखंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० सीता स्वयंवर के समय मिथिलापुरी का वर्णन ।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी (टीकमगढ़) ।→०६-७६ (बी बी) ।

मिथिलामाहात्म्य (पद्य)—सूरकिशोर कृत । वि० मिथिला की प्रशंसा ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१८८ ।

मिथ्यात्वखंडन नाटक (पद्य)—बखतराम कृत । र० का० सं० १८२१ । लि० का० सं० १८६३ । वि० जैनधर्म के अंतर्गत तेरहपंथी नामक शाखा के उद्देश्यों का खंडन ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-२६ ।

मिरजामुहम्मद (जान)—(?)

प्रेमलीला (पद्य)→सं० ०१-१२७ ।

मिलाप श्री महाराज को लाट साहब से (गद्य)—मुल्लन (शेख) कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० महाराज श्री रणवीरसिंह (पुरनपुराधीश) का गवर्नर जनरल से मिलना ।

(क) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, सरैया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-६४ ।

(ख) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, सिगहापुर, डा० खास (उन्नाव) ।→२६-५० ।

मिश्र—(?)

रत्नावली (पद्य)→३५-६२ ।

मिश्र—(?)

शाहनामा (गद्य)→०४-१११ ।

मिहरबानदास→'मेहरबानदास' ('भागवत माहात्म्य' के रचयिता) ।

मिहिर (कवि)—अन्य नाम छत्रपति चौहान ।

समरसार (पद्य)→सं० ०१-२६४; सं० ०४-२६६ क, ख ।

मिहीलाल—वैष्णवदास के शिष्य । सं० १७०७ के लगभग वर्तमान ।

गुरुप्रकारी भजन (पद्य)→००-५८; १२-११५ ।

मींडकीपाव—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत ।→४१-५६; ४१-२०० ।

सबदी (पद्य)→सं० १०-११० ।

मीनराज (प्रधान)—कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । संभवतः मेघनाथ प्रधान के संबंधी ।

हरतालिका की कथा (गद्य)→०६-७५ ।

मीराबाई—मेड़ता (जोधपुर) की महारानी । सुप्रसिद्ध कृष्ण भक्त । राव दूदा जी राठौर की पौत्री और रत्नसिंह की पुत्री । जन्म सं १५७३ । उदयपुर के महाराणा कुमार भोजराज की पत्नी । थोड़ी ही अवस्था में विधवा होने के कारण विरक्त होकर वृंदावन में रहने लगीं थीं । इनके महल और मंदिर अभी तक वर्तमान हैं ।

→०२-५७ (छब्बीस); ०२-६४ (दो) ।

मीराबाई के पद (पद्य)→२६-३०३; ३२-१४५ ।

मीराबाई की बानी (पद्य)→२६-२३१ ।

मीराबाई की बानी (पद्य)—मीराबाई कृत । लि० का० सं० १८१२ । वि० भजन । प्रा०—पं० रामभरोसे दूबे, मानपुर कलाँ, डा० ढुँढवारागंज (एटा) । →२६-२३१ ।

मीराबाई के पद (पद्य)—मीराबाई कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।

(क) लि० का सं० १८८८ ।

प्रा०—पं० रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२-१४५ ।

(ख) प्रा०—बाबा मनीरामदास, अरगाँव, डा० महोबा (लखनऊ) । →२६-३०३ ।

मुअज्जमशाह→'बहादुरशाह' (मुगल बादशाह औरंगजेब के पुत्र) ।

मुअज्जमशाह के कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'साहिजादे माजम के कबित्त' । जैतसिंह कृत । वि० मुअज्जमशाह की प्रशंसा ।

(क) लि० का० सं० १७४२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-८५ ख ।

(ख) प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद ।→४१–८५ क ।

मुकनदास—निरंजनी पंथानुयायी। दरसणदास जी के शिष्य। खारड्या (राजस्थान) के निवासी।

महापुरषाँ का पद फुटकर (पद्य)→सं० ०७–१५३ क ।

सवईया या किवत (पद्य)→सं० ०७–१५३ ख ।

मुकुंद—संभवतः वास्तविक नाम शिवमुकुंद। ब्याना (भरतपुर) नरेश गंगाप्रसाद के आश्रित।

गंगापुरान (गद्यपद्य)→सं० ०१–२६५ ।

मुकुंद—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी भी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (तेईस) ।

मुकुंद—'कोकसार' के रचयिता नंद के छोटे भाई ।→सं० ०४–१७६ ।

मुकुंद (रूपदेव्या)—संभवतः दो भिन्न व्यक्ति । सं० १६०८ के लगभग वर्तमान ।

विनयविहारीरूप उत्सवाष्टक (पद्य)→सं० ०१–२६८ ।

मुकुंददास—धामीपंथी के अनुयायी । संभवतः स्वा० प्राणनाथ के शिष्य । इन्होंने महाराज छत्रसाल का उल्लेख किया है।

साखी (पद्य)→सं० ०४-३०० ।

मुकुंददास→'नंद और मुकुंद' ('भ्रमरगीत' आदि के रचयिता) ।

मुकुंदभारती—निरंजनी पंथी साधु । सं० १७६४ के पूर्व वर्तमान ।

पद (पद्य)→सं० ०७-१५२ ।

मुकुंदभारतीजी की शब्दी (पद्य)→पं० २२–६६ ।

मुकुंदभारतीजी की शब्दी (पद्य)—मुकुंदभारती कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० ज्ञान और उपदेश ।→पं० २२-६६ ।

मुकुंदमहिमास्तोत्र (व्याख्या भक्ततोषिणी) (गद्य)--रचयिता अज्ञात । वि० स्तोत्र । प्रा०--पं० छिंगामल, मु० हंडावाला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–४३४ ।

मुकुंदराय--ब्राह्मण । सं० १६०० के पूर्व वर्तमान ।

ज्ञानमाला (गद्य)→२६–२३३ ।

मुकुंदराय की वार्ता (गद्य)—गिरिधर कृत। र० का० सं० १८८७। वि० श्रीनाथ (मेवाड़) से श्री मुकुंदराय की प्रतिमा के काशीस्थ गोपालमंदिर में पधारने का वर्णन।

प्रा०—बाबू ब्रजचंद, चौखंबा, वाराणसी ।→०६–६३ ।

मुकुंदलाल—(?)

पिंगल (पद्य)→सं० ०१-२६८ ।

टि० रचना की भाषा अधिकांशतः अपभ्रंश है जिससे रचयिता प्राचीन विदित होता ।

मुकुंदाचार्य—रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह के दीक्षा गुरु ।→०१–७ ।

मुक्तमाल (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० श्रीकृष्ण की महिमा।

प्रा०—पं० चंद्रधर अवस्थी, मानपुर चौकी, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २३–३१ए।

मुक्तलीला (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० मुक्ति विषयक ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), लखनऊ। → सं० ०७–११ ग।

मुक्तायन (पद्य)—पहलवानदास कृत। र० का० सं० १८५५। वि० ईश्वर भजन की विधि।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (वाराणसी)। → २६–३४० बी।

मुक्तावलीव्रत कथा (पद्य)—भारामल (जैन) कृत। र० का० सं० १८३२। लि० का० सं० १८५५। वि० मुक्तावलिव्रत नामक जैन का वर्णन।

प्रा०—बाबा खरगीराम पुजारी, अलीगंज (एटा)।→२६–३६ बी।

मुक्तिमार्ग (पद्य)— अन्य नाम 'गुरुभक्तिप्रकाश'। रामरूप (भक्तानंद) कृत। र० का० सं० १८२८। वि साधु चरणदास जी का चरित्र तथा भक्ति, ज्ञान, एवं वैराग्य।

(क) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—पं० चंद्रपालसिंह, पत्थरवालों की गली, मेरठ।→१२–१४८ बी।

(ख) प्रा०—पं० चंद्रपालसिंह, पत्थरवालों की गली, मेरठ।→१२–१४८ ए।

मुक्तिरत्नाकर (पद्य)—दलेलसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० श्रीकृष्णचरित्र और गोलोक वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१०० क, ख।

मुक्तिविलास (हठप्रदीपिका (पद्य)—ताहिर कृत। वि० हठयोग।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१४० ख।

मुखदास—पंजाब निवासी। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।

गर्भगीता (गद्य)→२६–२३४ डी, ई, एफ; ४१–५४४ (अप्र०)।

दुर्गास्तुति (पद्य)→२६–२३४ बी, सी।

धर्मसंवाद (गद्य)→२६–२३४ ए।

सारगीता (पद्य)→२६–२३४ जी, एच, आई; सं० ०४–३०२।

मुखनामौ और गुनकठियारा (पद्य)—वाजिद (बाबा) या वजदी कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१५६।

टि० 'मुखनामौ' और 'गुनकठियारा' दो हस्तलेख हैं।

मुन—अशोथर (फतेहपुर) निवासी। जन्मकाल सं० १८६६।
सीताराम विवाह (पद्य)→०६–२०१।

मुनाफ़ातुलइमान (पद्य)—शाह बुरहान साहब कृत। वि० सूफीमत के अनुसार ब्रह्म में भक्ति रखने का उपदेश।
प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, १३, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–१६२ ख।

मुनि (महाराज)—सं० १८०६ के लगभग वर्तमान।
महाराजप्रकाश →पं० २२–६७।

मुनि (साहब)—कोई जैन।
आषाढ़भूत स्तवन (पद्य)→दि० ३१–६०।

मुनिमान→'मान (कवि)' (सुमतिमेर के शिष्य)।

मुनिमाल→(?)
अंजनासुंदरी कथा (पद्य)→४१–३२५।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत रचयिता को भूल से अज्ञात कवि मान लिया गया है जो श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार भावदेवसूरि के शिष्य थे, भटनेर की वडगच्छीय शाखा से संबद्ध थे तथा सं० १६१४ के लगभग वर्तमान थे।

मुनिलाल—सं० १६३७ के लगभग वर्तमान।
रामप्रकाश (पद्य)→०६–२६८।

मुनिलावण्य—(?)
रावणमंदोदरी संवाद (पद्य)→००–८५।

मुनीदास→'केसरीदास और मुनिदास' ('सबद' के रचयिता)।

मुनीश्वरकल्पतरु (पद्य)—लछिराम कृत। लि० का० सं० १६३१। वि० मुनीश्वरबख्शसिंह का चरित्र और काव्य के लक्षण।
प्रा०—ठा० हरपालसिंह, नंदूबल, डा० बौड़ी (बहराइच)।→२३–२३२।

मुनीश्वरबख्शसिंह—मल्लाँपुर (सीतापुर) के राजा। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान। लछिराम के आश्रयदाता।→२३–२३२।

मुन्ना—(?)
संतानकल्पलतिका (पद्य)→२६–३११; सं० ०१–२६६।

मुन्नालाल—हरनाथ के पुत्र।
रघुनाथशतक (पद्य)→२३–२८६।

मुन्नूलाल—माथुर कायस्थ। सैरकोट (प्रयाग) निवासी। पिता का नाम इंद्रजीत। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।
चित्रगुप्त की कथा (पद्य)→२६–२३८।

मुमोक्षशास्त्र (गद्य)—गोविंद पंडित (काश्मीरी) कृत। वि० मोक्षज्ञान।
प्रा०—श्री रामसुंदर पांडेय, पांडेयपुर, डा० लेबरुआ (जौनपुर)।→सं० ०१-९७।

मुरली—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। संभवतः १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
गुरुमहिमा (पद्य)→२६-३१२।

मुरली की लीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० कृष्ण की मुरली लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२८६ क।

मुरलीदास—संभवतः सतनामी पंथी। १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
ऊषाचरित्र (पद्य)→सं० ०१-३०१ क।
सुखदेवलीला (पद्य)→सं० ०१-३०१ ख।

मुरलीदास—(?)
बारामासी (पद्य)→सं० ०१-३०२।

मुरलीदास—(?)
नामरहित ग्रंथ (पद्य)→१७-११६।

मुरलीधर—पन्ना निवासी। स्वामी प्राणनाथ के प्रणामी (धामी) संप्रदाय के अनुयायी।
साहिबजी की कविता (पद्य)→०६-५६

मुरलीधर (कविराई)—भरतपुर नरेश महाराज नवलसिंह (सं० १८१८ में वर्तमान) के आश्रित।
भागवत भाषा (पंचमस्कंध) (पद्य)→सं० ०१-३०३।

मुरलीधर (कविराज और कविवर)—किसी फतेहअली के आश्रित।
फतेहअलीप्रकाश (पद्य)→सं० ०४-३०४।

मुरलीधर (मिश्र)—माथुर ब्राह्मण। अर्गला (आगरा) निवासी। दिनमणि के पुत्र। परमानंद शतावधानी (अकबर के आश्रित कवि) और पुरुषोत्तम (शाहजहाँ के आश्रित कवि) के वंशज। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।
नखशिख (पद्य)→पं० २२-६८; २३-२८८ ए; सं० ०४-३०३ क।
नलोपाख्यान (पद्य)→१२-११७; सं० ०१-३०४ क।
पिंगलपीयूष (पद्य)→२३-२८८ बी; सं० ०४-३०३ ख।
रससंग्रह (पद्य)→२३-२८८ सी, डी।
रामचरित्र (पद्य)→१२-१४८; सं० ०१-३०४ ख।
श्रृंगारसार (पद्य)→२६-२४०; ३८-१०२; ४१-५४५ (अप्र०)।

मुरलीधर (यदुवंशी)—बरसाना (मथुरा) के निवासी। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानचंद्रोदय (पद्य)→२३-२८७।

बरसाना वर्णन (पद्य)→३२-१४७ ।

मुरलीलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण की मुरलीलीला ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२८६ क ।

मुरार जी→मुरारीदास ('पद' के रचयिता) ।

मुरारीदास—अन्य नाम मुरार जी । कोई संत । धना और सेना के साथी । संभवतः नाभादास जी के भक्तमाल के विलौंदा ग्राम (मारवाड़) निवासी मुरारीदास । 'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत ।→०२-५७ (तीस) ।

पद (पद्य)→सं० ०७-१५४ ।

मुषनाँमौजोग (ग्रंथ) (पद्य)—वाजिंद कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१३१ ङ ।

मुष्टिकप्रश्न (गद्य)—काशीराज कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, बेहदरकलाँ, डा० संडीला (हरदोई) । → २६-१८६ बी ।

मुष्टिकप्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७८४ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, देवदारपुर, डा० खीरी (लखीमपुर) । → २६-७४ (परि० ३) ।

मुष्टिका→'व्रतमुष्टि' (रंगनाथ कृत) ।

मुसाफिर—(?)

इश्कपेंचा (पद्य)→सं० ०४-३०५ ।

मुहम्मदअजीम—शाह आलम के पुत्र । औरंगजेब के पौत्र । बलवीर के आश्रयदाता । सं० १७५६ के लगभग वर्तमान ।→०२-२८ ।

मुहम्मदअनवर—शाहआलम के एक सरदार । इन्हीं के कहने से बलवीर ने 'दंपतिविलास' नामक ग्रंथ की रचना की थी ।→०२-२८; २३-३४ ।

मुहम्मदखाँ (नवाब)—उप० पठान सुलतान । राजगढ़ (भोपाल) के नवाब । अनवर खाँ के बड़े भाई । शुभकरण और चंद्र कवि के आश्रयदाता । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।→०४-३१; ०५-२०; ०६-१३०; ०६-३८ ।

मुहम्मदगजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग (गद्य)—कृपाराम कृत । लि० का० सं० १८०४ । वि० मुसलमानी वेदांत और धर्म नीति की पुस्तक 'कीमियाए सआदत' का अनुवाद ।

प्रा०—जोधपुर नरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-११ ।

मुहम्मदफाजिल (ख्वाजा)—ख्वाजा मुहम्मद कासिम के पुत्र । नवाब इफ्तखार खाँ के शिष्य । ये हिरात से भारत आये थे । सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान ।

तीरंदाजीरिसाला (गद्य)→१८-६५ ।

मुहम्मदबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० कबीर और मुहम्मद के प्रश्नोत्तर ।
(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ जेड ।
(ख)→४१–४७७ ज (अप्र०) ।

मुहम्मद राजा की कथा→'मोहमर्द राजा की कथा' (गोपाल या जगन्नाथ जन कृत) ।

मुहम्मदशाह—(?)
बारहमासा (पद्य)→०६–२६४ ।

मुहम्मदशाह—प्रसिद्ध मुगल बादशाह । राज्यकाल सं० १७७६-१८०५ । सूरत मिश्र, आजम, जुगलकिशोरी भट्ट और घनानंद के आश्रयदाता । गंजन कवि के आश्रयदाता कमरुद्दीन खाँ इनके दीवान थे ।→०३–६५; ०६-१२५; ०६–२४३; ०६–११; ०६–१४२; दि० ३१–६ ।

मुहर्रम और घुर्र→मतचंद्रिका' (फतेहसिंह कृत)

मुहूर्तकल्पद्रुम→'मुहूर्तचिंतामणि' (शंभुनाथ त्रिपाठी कृत) ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—अखैराम कृत । लि० का० सं० १६३८ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—पं० रेवतीनंदन (रेवतीरमण मिश्र), बेरी, डा० बरारी (मथुरा) । → ३८–१ ए ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—दलेलपुरी कृत । वि० ज्योतिष ।
(क) प्रा०—पं० जुगलकिशोर, जगसौरा (इटावा) ।→३५–१६ ए ।
(ख) प्रा०—पं० रामचंद्र, बियामऊ, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१६ बी ।
(ग) प्रा०—पं० काशीराम, गोशपुरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३५–१६ सी ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—माधवदास कृत । वि० संस्कृत 'मुहूर्तचिंतामणि' का अनुवाद ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१७७ बी ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)—अन्य नाम 'मुहूर्तमंजरी' और 'मुहूर्तकल्पद्रुम' । शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १८०३ । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० सं० १८५२ ।
प्रा०—श्री रामेश्वर त्रिपाठी महंत, सूरजपुर मोहल्ला, रायबरेली । → सं० ०४–३७७ घ
(ख) लि० का० सं० १८७५ ।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–४२१ सी ।
(ग) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—पं० रामजियावन, निगोहाँ, लखनऊ ।→सं० ०४–३७७ ङ ।
(घ) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—पं० भगवानदीन, अजयगढ़ ।→०६–२१४ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ङ) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—तालुकेदार राजा ललिताबक्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर)। →२३-३७१ बी।

(च) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—ठा० छत्रसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३-३७१ सी।

(छ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—ठा० भामसिंह जमींदार, संडीला, डा० मछरहट्टा (सीतापुर)। →२६-४२१ ई।

(ज) प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, डा० असनी (फतेहपुर)।→२०-१७३।

(झ) प्रा०—पं० अच्युतकुमार, उत्तरपाड़ा, रायबरेली।→२३-३७१ डी।

(ञ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)→२६-४२१ डी।

मुहूर्तदर्पण (पद्य)—कोविद (चंद्रमणि) कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० शालिग्राम दूबे, नंदगवाँ, डा० जैतपुरकलाँ (आगरा)।→२६-६४।

मुहूर्तप्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री नन्हूप्रसाद दूबे, बमरोलीकटारा (आगरा)।→२६-४३३।

मुहूर्तमंजरी→'मुहूर्तचिंतामणि' (शंभुनाथ त्रिपाठी कृत)।

मुहूर्तमुक्तावली (गद्य)—गणेशदत्त कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १८४७। वि० ज्योतिष।

प्रा०—सर्वोपकारक नागरी पुस्तकालय, अछनेरा (आगरा)।→३२-६१।

मुहूर्तमुक्तावली (गद्य)—गिरिधर (गोस्वामी) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री रामनेत, मंत्री, राज्य टीकमगढ़।→०६-१६८ ए (विवरण अप्राप्त)।

मुहूर्तसंचय (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० शुभाशुभ योग और संस्कारादि वर्णन।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-३० डी।

मुहूर्तसंचय सुलभार्थ प्रकाशिका टीका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० विवाह, द्विरागमन, वस्त्रभूषण धारण और क्षौर आदि मुहूर्तों का वर्णन।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-३० सी।

मूरिप्रभाकर (पद्य)—नोनेशाह कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १६२८। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री हरिचरन उपाध्याय, कालीमर्दनपुर, समथर।→०६-८० बी।

(एक अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है)।

मूलचंद—(?)

जुगलविहार (पद्य)→२६-३१०।

मूलज्ञान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९२६ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) ।→ सं० ०४–२४ ठ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२ च ।

मूलढोला→'ढोला (मूल)' (नवलसिंह प्रधान) कृत ।

मूलपुरुष (पद्य)—द्वारिकेश कृत । वि० वल्लभाचार्य का वंशवृक्ष और चरित्र ।

प्रा०—मथुरा ।→३८–४८ ।

मूलबानी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—गुसाँई रामस्वरूपदास, सठियायाँ, डा० जहानागंजरोड (आजमगढ़) ।→ सं० ०१–३२ छ ।

मूलभारत→'भारत (मूल)' (नवलसिंह प्रधान कृत) ।

मूलस्थान की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्री वल्लभाचार्य की मूलस्थान की वार्ता, उनका व्रज विहार वर्णन तथा श्री पद्मनाभ और प्रभुदास की वार्ता ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७–४६ (परि० ३) ।

मूलाचार (भाषा) (गद्य)—नंदलाल और ऋषभदास कृत । र० का० सं० १८८८ । वि० श्रावकों के लिये विहित आचार ।

(क) लि० का० सं० १९०२ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुरजा ।→१७–१२१ ।

(ख) लि० का० सं० १९०७ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६७ ।

मूलाराम—अयोध्या निवासी । १९वीं शताब्दी में वर्तमान ।

विज्ञाननिरूपिणी (पद्य)→२०–११० ।

मृगकपोत की लीला (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । लि० का० सं० १८८८ । वि० मृग और एक कपोत की कथा का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–११२ क ।

मृगयाविहार (पद्य)—हरिराम (कविराज) कृत । र० का० सं० १९१५ । लि० का० सं० १९१५ । वि० भदावर के राजा महेंद्रसिंह की मृगया का वर्णन ।

प्रा०—राजा महेंद्रमानसिंह जी, नौगवाँ (आगरा) ।→२६–१४४ ।

मृगावती (पद्य)—कुतबन कृत । र० का० सं० १५६९ । वि० राजा गणपतिदेव के राजकुमार और राजा रूपमुरार की कन्या मृगावती की प्रेम कथा ।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी ।→००–४ ।

मृगावती की कथा (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । र० का० सं० १७२३ । लि० का० सं० १८०६ । वि० कुँवर इंद्रजीत और मृगावती की प्रेमकथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७४ ए ।

मृगावती की चौपाई (पद्य)—चंद्रकीर्ति कृत। र० का० सं० १६८२। लि० का० सं० १७८६। वि० मृगावती का चरित्र (जैनों की दृष्टि से)।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-१७।

मृगेंद्र—अमृतसर (पंजाब) निवासी। पटियाला नरेश महाराज महेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १६१२ के लगभग वर्तमान।

कवित्तकुसुमवाटिका (पद्य)→०४-५०।

प्रेमपयोनिधि (पद्य)→०४-४६।

मेघनाथ—(?)

यशवर्णन (पद्य)→२०-१०६।

मेघप्रकाश (ज्योतिष)→'मेघमाला' (मेघराज मुनि कृत)।

मेघमाला (पद्य)—अन्य नाम 'मेघप्रकाश (ज्योतिष)'। मेघराज (मुनि) कृत। र० का० सं० १८१७। वि० ज्योतिष के अनुसार मेघों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—बाबा भागवतदास, जरवल (बहराइच)।→२३-२७८।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—श्री रामसुंदर पांडेय, पांडेपुर चक, डा० लेवरुआ (जौनपुर)। → सं० ०१-३००।

(ग) प्रा०—पं० रामनाथ पांडे प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६-३०२।

(घ)→पं० २२-६५ बी।

मेघमुनि→'मेघराज (मुनि)' ('मेघमाला' आदि के रचयिता)।

मेघराज (प्रधान)—कायस्थ। ओड़छा नरेश राजा सुजानसिंह के आश्रित। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।

एकादशीमाहात्म्य (गद्य)→२६-२३० ए।

मकरध्वज की कथा (पद्य)→०६-७४ बी; २६-२३० बी; दि० ३१-५८।

मृगावती की कथा (पद्य)→०६-७४ ए।

राधाकृष्णजू को झगरो (पद्य)→०६-७४ डी।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→०६-७४ सी।

मेघराज (मुनि)—उप० मेघमुनि। श्वेतांबरी जैन। गुरु का नाम नरोत्तम। फगवाड़ा (कपूरथला राज्य) निवासी तथा वहीं के राजा भूरेमल चौधरी के आश्रित। सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।

मेघमाला (पद्य)→पं० २२-६५ बी; २३-२७८; २६-३०२; सं० ०१-३००।

मेघविनोद (पद्य)→०६-१६७; पं० २२-६५ ए।

मेघविलास (पद्य)→१२-११३; पं० २२-६५ सी; सं० ०४-३०६।

मेघविनोद (पद्य)—मेघराज (मेघमुनि) कृत। वि० वैद्यक।

(क) प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-१६७।

(ख)→पं० २२-६५ ए।

मेघविलास (पद्य)—मेघराज (मेघमुनि) कृत। र० का० सं० १८०८। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १८७७।

प्रा०—श्री शिवबालकराम पाठक, देउरी, डा० अठेहा (प्रतापगढ़)। → सं० ०४-३०६।

(ख) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—पं० बाबूराम वैद्य, नगीना, बिजनौर।→१२-११३।

(ग)→पं० २२-६५ सी।

मेड़ईलाल (अवस्थी)—सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।

अँतरिया की कथा (पद्य)→२३-२७७।

मेड़ेलाल—बिल्हौर (कानपुर) के वैश्य। सं० १८४४-१६२४ तक वर्तमान।

कवित्तसवैया (पद्य)→२६-३०१।

मेदराम (बारैठ)—संभवतः राजपूताना के निवासी। सं० १६७६ के पूर्व वर्तमान।

अयोध्यापच्चीसी (और) मिथिलापचीसी (पद्य)→४१-२०२।

मेदिनीमल्ल जू देव (कुँवर)—दीवान हृदयसाहि के पुत्र। पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के पौत्र। सं० १७८७ के लगभग वर्तमान।

कृष्णप्रकाश (पद्य)→०५-६६।

मेषादिदोषोपाय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० बारह लग्नों के दोष और उनके निवारण के उपाय।

प्रा०—लाला जगन्नाथप्रसाद आढ़तिया, जसवंतनगर (इटावा)।→१५-२१४।

मेहरबानदास—कोटवा (बाराबंकी) निवासी साधु। किसी मंदिर के पुजारी। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।

भागवतमाहात्म्य (पद्य)→०६-१६८।

व्याधिनाश वैद्यक (गद्यपद्य)→२३-२७६ ए, बी; सं० ०४-३०७।

मेहा—(?)

मेहाजी की चितावणी (पद्य)→सं० ०७-१५५।

मेहाजी की चितावणी (पद्य)—मेहा कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० चेतावनी और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१५५।

मैन—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी भी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (उनचास)।

मैना को सत (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० सं० १७०६। लि० का० सं० १७४०।

वि० मैना नामक सती स्त्री की कथा के माध्यम से ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२६ ख।

मैनावती—गोपीचंद की माता। गोरखनाथ की शिष्या।
गोपीचंद राजा की कथा (पद्य)→२६–२२७।

मैनासत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मैना नामक एक स्त्री की सच्चरित्रता का वर्णन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३७।

मोकमदास—जोगीपुरा (संभरपुर बावन, खंडेल स्थान के अंतर्गत) के निवासी। सं० १८३५ के लगभग वर्तमान।
बारा खड़ी (पद्य)→सं० ०१–३०५।

मोक्षदायकपंथ (पद्य)—अन्य नाम 'मोक्षपंथप्रकाश'। गुलाबसिंह कृत। र० का० सं० १८३५। वि० मोक्ष साधन।
(क) लि० का० सं० १८३७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–७८।
(ख) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—पं० शिवकुमार, भकरुहा, गोंडा।→२०–५४।
(ग) प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६–१६०।
टि० खो० वि० ०६–१६० पर भूल से मानसिंह को रचयिता मान लिया गया है।

मोक्षपंथप्रकाश→'मोक्षदायकपंथ' (गुलाबसिंह कृत)।

मोक्षमार्ग निरूपण (पद्य)—प्रताप (जैन) कृत। लि० का० सं० १८२८। वि० जैन मतानुसार मोक्षप्राप्ति का उपाय।
प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६–३५०।

मोक्षमार्गपैड़ी (पद्य)—बनारसीदास कृत। र० का० सं० १६८४। वि० जैन मतानुसार मोक्षमार्ग वर्णन।
(क) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–१०६।
(ख) प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)। → १७–१६ बी।

मोक्षमार्गप्रकाश (गद्य)—टोडरमल कृत। वि० जैन धर्मानुसार मोक्ष ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८५१।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७–६८ ग।
(ख) लि० का० सं० १६५३।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–४६ छ।
(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–४२६ बी।
(घ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–४६ च।

मोतीबिनौले का झगड़ा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३३। वि० मोती और बिनौले की लड़ाई का अन्योक्तिपरक वर्णन।
प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० थाना (उन्नाव)। → २६-७६ (परि० ३)।

मोतीराइ→'गुलाबराइ मोतीराइ' ('सुमेरशिखर माहात्म्य' के रचयिता)।

मोतीराम—भरतपुरेश महाराज बलवंतसिंह (व्रजेंद्र) के आश्रित। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
कवित्तसंकलन (पद्य)→३२-१४६।
प्रार्थना (पद्य)→२३-२८३ ए।
व्रजेंद्रविनोद (पद्य)→१७-११४।
रामाष्टक (पद्य)→२३-२८३ बी।

मोतीराम—गयामानो गाँव के धीरजसिंह के आश्रित। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
धीररससागर (पद्य)→१२-११६।

मोतीलाल—नौबस्ता (नागनगर परगना, प्रयाग) के निवासी। जन्मकाल सं० १५६७।
गणेश कथा (पद्य)→०१-७६; ०६-२००; २३-२८२ ए, बी, सी, डी; २६-३०६ ए से ई तक; सं० ०१-३०६ क, ख।

मोतीलाल—लखनऊ निवासी। सं० १६३० के पूर्व वर्तमान।
कहानियों का संग्रह (पद्य)→२६-२३३।

मोतीलाल—वृंदावन निवासी।
मोतीलाल के गीत (पद्य)→३५-६४।

मोतीलाल (द्विज कवि)—(?)
चित्रगुप्त की कथा (पद्य)→३८-१०१।

मोतीलाल के गीत (पद्य)—मोतीलाल कृत। वि० रासोत्सव और फाग होरी आदि।
प्रा०—पं० रामलाल, सकरवा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३५-६४।

मोतीसखि—किसी मौजीदास के शिष्य। सं० १८८२ के पूर्व वर्तमान।
होरी (पद्य)→सं० ०४-३०८।

मोदचौंतीसी (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। वि० राम यश वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ङ।

मोरध्वज चरित्र→'मयूरध्वज चरित्र' (मलूकदास कृत)।

मोहन—उप० सहजसनेही। मथुरा निवासी। शिरोमणि के पिता। बादशाह जहाँगीर के आश्रित। सं० १६६७ के लगभग वर्तमान।→०६-२३५।
अष्टावक्र (पद्य)→०३-४।
आनंदलहरी (पद्य)→सं० ०१-३०७ क।
कल्लोलकेलि (पद्य)→१७-११२; सं० ०१-३०७ ख।

मोहनहुलास (पद्य)→सं० ०१-३०७ ग ।

मोहन—चित्रकूट के निकट अत्रि ग्राम के निवासी । सं० १८६८ के लगभग वर्तमान ।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)→१७-१११; २०-१०७ ।

मोहन—(?)

कवित्त संग्रह (पद्य)→२३-२८० ।

मोहन (कवि)—चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी ।

आदिशक्ति के कवित्त (पद्य)→२६-३०५ ए ।

कपीशविनय (पद्य)→२६-३०५ ई, एफ ।

नरसिंहजू को अष्टक (पद्य)→२६-३०५ बी ।

रामाष्टक (पद्य)→२६-३०५ सी ।

वासुदेवअष्टक (पद्य)→२६-३०५ डी ।

मोहन (साँईं)—साँईं मत के प्रवर्तक एक महात्मा । संभवतः सुलतानपुर जिले के निवासी ।

अरसअहनिबानी (पद्य)→सं० ०४-३०६ क ।

अरसअरिलककहरा (पद्य)→सं० ०४-३०६ ख ।

अरसअरिलबानी (पद्य)→सं० ०४-३०६ ग ।

अरसनाम ककहरा (पद्य)→सं० ०४-३०६ घ ।

अरसपियापाती (पद्य)→सं० ०४-३०६ ङ ।

अरसभक्तिबोध (पद्य)→सं० ०४-३०६ च, छ ।

सेल्हा (पद्य)→सं० ०४-३०६ ज ।

मोहनकुँवरि—विजय (टीकमगढ़ राज्य) के जागीरदार सावंतसिंह की पत्नी । इन्हीं के कहने से वैकुंठमणि शुक्ल ने 'अगहनमाहात्म्य' की रचना की थी ।→०६-५ ।

मोहनगिरि (यति)—पंजाब निवासी । आनंदगिरि के आश्रयदाता ।→पं० २२-६ ।

मोहनदास—दादू पंथी । राघोदास के भक्तमाल के अनुसार मेवाड़ निवासी । स्वरोदय के ज्ञाता और हठयोग में निपुण ।

ब्रह्मलीला (पद्य)→सं० ०७-१५६ ।

मोहनदास—अन्य नाम जनमोहन । ओड़छा के राज मंदिर के पुजारी । सं० १८५१ के लगभग वर्तमान ।

सनेहलीला (पद्य)→०६-५४; ०६-२६७; १७-२०८; २६-३०७ ए, बी; दि० ३१-४१ ।

हनुमानजी के कवित्त (पद्य)→२६-३०७ सी ।

मोहनदास—कायस्थ । नैमिषारण्य के निकट कुरसठ (हरदोई) निवासी । सं० १६८७ के लगभग वर्तमान ।

पवनविजय स्वरोदय (पद्य)→००-५; ०६-१६७ ए; २६-३०६ ।

मोहनदास—संभवतः 'अष्टावक्र' के रचयिता मथुरा निवासी मोहन ।→०३-४।
कपोतलीला (पद्य)→२३-२८१ ।

मोहनदास—(?)
अध्यात्म लीला (पद्य)→४१-५४७ (अप्र०) ।

मोहनदास—(?)
दत्तात्रय लीला (पद्य)→सं० ०१-३०८ ।

मोहनदास—(?)
बुद्धिविलास (पद्य)→३८-६६ ।

मोहनदास (भंडारी)—(?)
पद (पद्य)→०६-२६६ ।

मोहनदास (मिश्र)—उप० शिवराम । ब्राह्मण । संभवतः चंदपुरी के समीप पत्तनपुर निवासी । कपूर मिश्र के पुत्र । चरखारी नरेश महाराज मधुकरशाह के वंशजों के कुल पुरोहित तथा उसी वंश के राजा सिंघ नृप के आश्रित । सं० १८५१ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णचंद्रिका (पद्य)→०६-१६६ ए ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→०६-१६६ बी ।
भावचंद्रिका (पद्य)→०५-७२; सं० ०१-३०६ ।
रामाश्वमेध (पद्य)→०६-२६५ ए; ०६-१६६ सी ।

मोहनदेवजी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मोहनदेव स्वामी के ध्यानादि के समय की आध्यात्मिक घटनाओं का वर्णन ।
प्रा०—पं० सोहनलाल, विशंभरा, डा० शेरगढ़ (मथुरा) ।→३८-१८४ ।

मोहनमल—संभवतः पंजाब निवासी ।
मांझ (पद्य)→सं० ०४-३१० ।

मोहनलाल—कुम्हेर (भरतपुर) के निवासी । पिता का नाम केशव । सं० १८३७ से १८४५ के लगभग वर्तमान ।
पत्तलि (पद्य)→१७-११३ ।
फूलमंजरी (पद्य)→सं० ०१-३१० क ।
रंगमंजरी (पद्य)→सं० ०१-३१० ख ।
सगुनावली (पद्य)→३८-६८ ।

मोहनलाल—ब्राह्मण । चूड़ामणि मिश्र के पुत्र । लक्ष्मीचंद के पिता । चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी । सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।
शृंगारसागर (पद्य)→०५-७० ।

मोहनलाल—ब्राह्मण । सं० १६०६ के लगभग वर्तमान ।
गणितनिदान (गद्य)→२१-२३२ ए, बी, सी ।

मोहनलाल—(?)
गुरुप्रनाली (गद्यपद्य)→सं० ०४–३११ ।

मोहनलाल (जैन)—(?)
नेमनाथब्याहला (पद्य)→४१–२०३ ।

मोहनलाल (भट्ट)—आगर (बाँदा) निवासी । पद्माकर भट्ट के पिता । ये स्वयं भी अच्छे कवि थे । सं० १८७२ के पूर्व वर्तमान ।→०१–१; ०२–६ ।

मोहनलाल (समाधिया)—कुलपहार निवासी । सं० १९१३ के लगभग वर्तमान ।
रामायण की घटनाओं का तिथिपत्र (पद्य)→३८–१०० ।

मोहनविजय—जैन । अहलपुर पट्टन निवासी । सं० १७४० के लगभग वर्तमान ।
नर्मदासुंदरी (पद्य)→२०–१०८ ।
टि० रचयिता की अन्य अनुपलब्ध पुस्तक 'मानतुंगमानवती' है ।

मोहनसुंदर—संभवतः राजस्थानी ।
फूलबत्तीसी (गद्य)→४१–२०४ ।

मोहनसूरत—(?)
राधाजी और ललितासखी का बारहमासा (पद्य)→२६–३०८ ।

मोहनहुलास (पद्य)—मोहन कृत । लि० का० सं० १७८६ । वि० शृंगार ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३०७ ग ।

मोहनिशिदीपिका (पद्य)—युवराजसिंह कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० ज्ञान, सत्संगादि ।
प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३–४६७ बी ।

मोहनी (पद्य)—शेखअहमद कृत । लि० का० सं० १७७८ । वि० नखशिख वर्णन ।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–४२१ ।

मोहनीचरित्र (गद्य) – प्राणकिशन कृत । र० का० सं० १६५८ । वि० जान आलम की कथा ।
(क) लि० का० सं० १९२७ ।
प्रा०—पं० शिवदुलारे, लखनपुर, डा० मगरैर (उन्नाव) ।→२६–३४८ ए ।
(ख) लि० का० सं० १९३६ ।
प्रा०—पं० कुंदनलाल, सफीपुर (उन्नाव) ।→२६–३४८ बी ।

मोहनीमाला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० कृष्ण का गुणानुवाद और स्तुति ।
प्रा०—पं० रामचंद्र मैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–२२३ एच ।

मोहमर्दन राजा की कथा (पद्य)—खंडन कृत । र० का० सं० १७८१ । लि० का० सं० १८६१ । वि० किसी मोहमर्दन नामक राजा की कथा ।
प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुर (दतिया) ।→०६ ५६ बी ।

मोहमर्दन राजा की कथा→'मोहमर्द राजा की कथा' (जगन्नाथ जन कृत) ।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'मोहमर्दन राजा की कथा'। जगन्नाथ (जन) कृत। र० का० सं० १७७६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७६०।

प्रा०—ठा० सूरतसिंह, शिवरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-१६४ बी।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ़)। → २६-१६३ डी।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—बाबा रामदास, रामकुटी, डा० सिकंदराराउ (अलीगढ़)। → २६-१६३ ई।

(घ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० दुलारेलाल मिश्र, फतेहपुर, डा० बाँगरमऊ (उन्नाव)। → २६-१६३ सी।

(ङ) प्रा०—पं० रघुवरदयाल, शिवगंज, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३-१७७।

(च)→पं० २२-८२।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)—गोपाल या जगन्नाथ (जन) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-५७ क।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-७४।

(ग) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→२६-१२३ ए।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-५७ ख।

मोहमुद्गर (गद्यपद्य)—तुलसीदास कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१४४।

मोहविवेक की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'मोहविवेक संवाद'। गोपाल कृत। वि० मोह विवेक की रूपक कथा में ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ ढ।

(ख) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—ठा० बेचूसिंह, उमरा, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२१-१८० सी।

मोहविवेक की कथा (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० सं० १७७७। वि० मोह और विवेक का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—श्री वासुदेवसहाय, फतेहपुरसीकरी (आगरा)।→२६–७५ ए।

(ख) प्रा०—मुंशी हुक्मसिंह, मिढ़ाकुर (आगरा)।→२६–७५ बी।

मोहविवेक संवाद→'मोहविवेक की कथा' (गोपाल कृत)।

मोहिनीजी को वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५३। वि० विष्णु भगवान के मोहिनी रूप का वर्णन।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)।→१८–१८५।

यंत्रराज विवरण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–५१।

यंत्रविधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक।

प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६–७७ (परि० ३)।

यंत्रावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक।

प्रा०—पं० भगवानदत्त, बेनीपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २६–७७ (परि० ३)।

यंत्रावली (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक।

प्रा०—श्री गुन्ना पंडित, बहुराजपुर, डा० पुरवा (उन्नाव)। → २६–७७ (परि० ३)।

यज्ञप्रसाद—जैनगरा (रायबरेली) निवासी। पिता का नाम बालदास। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।

ब्रह्मवाद (पद्य)→सं० ०४–३१२ क, ख।

समैहेन (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०४–३१२ ग।

यज्ञलीला (पद्य)—नंद (व्यास) कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० मथुरा के चौबों का यज्ञ करना तथा उनकी स्त्रियों का श्री कृष्ण को भोजन कराना।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०० बी (विवरण अप्राप्त)।

यज्ञसमाधि (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १९०६। वि० काम क्रोधादि से बचने के उपायों का वर्णन।

प्रा०—लाला गंगादीन कोंदू, गुलाम अलीपुरा (बहराइच)।→२३–१९८ आर।

यज्ञोपवीत पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बेनीप्रसाद, मौंदा, डा० काकोरी (लखनऊ)।→२६–५३६।

यदुनाथ (बुध)—ग्रंथ स्वामी (पं० विश्वंभरनाथ पांडेय) के पूर्वज। संभवतः विक्रम की १८वीं शताब्दी में वर्तमान।

नायिकाभेद (पद्य)→सं० ०७–१५७।

यदुनाथ (भट्ट)—गोकुल (ब्रज) निवासी। गोप कवि के पिता। अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान। 'रामविलास' (?) के रचयिता।→०६–३९।

यदुनाथ (शुक्ल)—मालवीय शुक्ल ब्राह्मण। वाराणसी निवासी। मथुरानाथ मालवीय के पुत्र। काशी के राजा डालचंद के आश्रित। सं० १८०३ से १८५७ के लगभग वर्तमान।

पंचांगदर्शन (गद्य)→०१–११६; ०६–३३३ ए; ४१–५४८ (अप्र०)।

वाक्सहस्री (पद्य)→०६–३३३ बी।

सामुद्रिक (पद्य)→०६–३४४; २६ ५०७।

यमकदमक दोहावली (पद्य)—रतनहरि कृत। लि० का० सं० १६२३। वि० रामचरित्र।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१६२ सी।

यमकालंकार सतसैया (पद्य)—अन्य नाम 'वृंदविनोद' तथा 'यमकसतसई'। वृंद (कवि) कृत। वि० यमकालंकार के भेदोपभेद वर्णन।

(क) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२५६ ग।

(ख) प्रा०—श्रीयुत गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर।→सं० ०१–३६६।

यमद्वितीया की कथा (पद्य)—राजाराम कृत। र० का० सं० १८०६। लि० का० सं० १६४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६–६६।

यमुनाचार्य—संभवतः मारवाड़ी। सं० १६१० के पूर्व वर्तमान।

रमल (भाषा) (गद्य)→२०–२०७।

यमुनाचालीसी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० यमुना जी की स्तुति।

प्रा०—श्री राधावल्लभ जी का मंदिर, वाद (मथुरा)।→३५–३४१।

यमुनाचालीसी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० यमुना की शोभा और महिमा।

प्रा०—श्री भोगीराम, सेई, डा० तरौली (मथुरा)।→३५–३४२।

यमुनाजी के नाम (पद्य)—हरिराय कृत। वि० यमुना जी तथा उनके घाटों की वंदना।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–७४ ए।

यमुनाजी के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० यमुना वर्णन।

प्रा०—लाला छोटेलाल, पुस्तक विक्रेता, फाटक रंगीलदास, वाराणसी। →४१–४६५ (अप्र०)।

टि० प्रस्तुत पुस्तक के अंत में आचार्य वल्लभ जी कृत 'यमुनाष्टक' भी है।

यमुनादास—नामदेव के वंशज। रामदास के शिष्य। जगदीशपुर (बहावलपुर) के निवासी। संभवतः सं० १६०४ के लगभग वर्तमान।

भागवतमाहात्म्य (पद्य)→३५–१०७।

यमुनानवरत्न (पद्य)—पूरन (कवि) कृत। वि० यमुना की स्तुति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२१०।

यमुनालहरी (पद्य)—घनश्यामदास कृत । वि० यमुना की स्तुति ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१०५ ।

यमुनाशंकर (नागर)—काशी निवासी । सं० १६२६ के लगभग वर्तमान ।

श्रौतारसिद्धि (ग्रंथ) (गद्य)→२६-३२६ ए ।

मांडूकोपनिषद (भाषाटीका) (गद्य)→२६-३२६ सी ।

रामगीता की टीका (गद्य)→२६-३२६ बी ।

यमुनाष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० यमुना स्तवन । (शंकराचार्य के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।

प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→१२-१६७ ।

यमुनाष्टक की टीका भाषा में (गद्य)—विट्ठलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि० यमुना की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १८२६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→१२-२८ ए ।

(ख) प्रा०—श्री प्रेमविहारी जी का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) →३२-७२ ए ।

(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली । → सं० ०१-१३६ क, ख ।

यमुनाष्टक सटीक (पद्य)—हितचंदलाल कृत । लि० का० सं० १६६५ । वि० यमुना जी की वंदना ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३५ ई ।

यशकवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । लि० का० सं० १८१५ । वि० राजा महाराजाओं का यश वर्णन ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१०७ (परि० ३) ।

यशलहरी (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि० विविध ।

प्रा०—ठा० मौलाबक्स रईस, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) । → २३-३८ बी ।

यशवंत (गौड़)—चिरंजीव भट्टाचार्य के आश्रयदाता ।→सं० ०४-६७ ।

यशवंतविलास (पद्य)—यशवंतसिंह कृत । र० का० सं० १८२१ । लि० का० सं० १६२५ । वि० अलंकार और पिंगल ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-११६ ।

यशवंतसिंह—पन्ना नरेश महाराज हिंदूपति के चचेरे भाई और दीवान अमरसिंह के पुत्र । सं० १८२१ के लगभग वर्तमान ।

यशवंतविलास (पद्य)→०६-११६ ।

यशवंतसिंह—बुंदेला क्षत्रिय । चित्रांगद के पुत्र ।

धनुर्वेद (पद्य)→०६-१२० ।

यशवर्णन (पद्य)—मेघनाथ कृत । वि० इच्छालाल, भगवंतराय, रूपराय और कमालसखी आदि व्यक्तियों का प्रशंसात्मक वर्णन ।
प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मौजुमाबाद (फतेहपुर) ।→२०-१०६ ।

यशोदानंद (शुक्ल)—मालवीय शुक्ल ब्राह्मण । संभवतः सेठ महताबराय के आश्रित । सं० १८१५ के लगभग वर्तमान ।
रागमाला (पद्य)→०६-१३४ ।

यशोदा श्रीकृष्ण का झगड़ा (पद्य)—रामनाथ कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० माखनचोरी का उलाहना सुनकर यशोदा का कृष्ण को समझाना ।
प्रा०—ठा० श्याममनोहरसिंह, मुबारकपुर, डा० मगराहर (उन्नाव) । →२६-३८४ बी ।

यशोधर—(?)
भास्वति (भाषाटीका) (गद्य)→सं० ०१-३११

यशोधरचरित्र (पद्य)—औसेरीलाल कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० राजा यशोधर की कथा । (वासवसेन कृत संस्कृत 'यशोधरचरित्र' का अनुवाद) ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-२३ ।

यशोधरचरित्र (पद्य)—नंद (नंदलाल) कृत । र० का० सं० १६७० । वि० जैन धर्मानुयायी यशोधर नामक व्यक्ति की कथा ।
(क) लि० का० सं० १८८० ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६६ ।
(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४-१७८ ग ।

यशोधर राजा का चरित्र (पद्य)—खुशालचंद (काला) कृत । र० का० सं० १७८१ । लि० का० सं० १८२५ । वि० जैन धर्मानुयायी राजा यशोधर की कथा ।
प्रा०—श्री जैनमंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-१३० ए ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ को खो० वि० में भूल से लक्ष्मीदास कृत मान लिया गया है ।

याकूब खाँ—सं० १७७६ के लगभग वर्तमान ।
रसभूषण (पद्य)→०५-७१; ०६-३४५ ।

याज्ञवल्क्यस्मृति (भाषा) (गद्य)—गुरुप्रसाद (पंडित) कृत । लि० का० सं० १६३० । वि० याज्ञवल्क्यस्मृति का अनुवाद ।
प्रा०—ठा० परशुसिंह, रामनगर, डा० बारा (सीतापुर) ।→२६-१३४ ।

यात्रागुण (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० शकुनविचार ।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-३४६ बी ।

यादवराज हरराज जैसलमेर (राजपूताना) के राजा। इन्हीं के लिये कुशललाभ ने 'ढोलामारू रा दूहा' की रचना की थी। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान। → ००-६६; ०२-५६; ३२-२३१।

यारी साहब—बीरू साहब के शिष्य। दिल्ली निवासी। शाही घराने के महात्मा। बुल्ला साहब, केशवदास, सूफी शाह जी (शाहफकीर) और हस्त मुहम्मद शाह के गुरु।
यारीसाहब के शब्द (पद्य)→४१-२०५ क।
रमैनी (पद्य)→४१-२०५ ख।
राम के कहरा (पद्य)→४१-२०५ ग

यारीसाहब के शब्द (पद्य)—यारी साहब कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० निर्गुण भक्ति।
प्रा०—महंत राजाराम जी, चिटबड़ा गाँव (बलिया)।→४१-२०५ क।

युक्ति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६११। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० बालमुकुंद ज्योतिषी, सिकंदराबाद।→१७-१०६ (परि० ३)।

युक्तितरंगिणी (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७४३। वि० नखशिख, नायिकाभेद और रस वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६०७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६।
(ख) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-१८५ ए (विवरण अप्राप्त)।

युक्तिरामायण (पद्य)—अन्य नाम 'तत्वार्थप्रदीप'। धनीराम कृत। वि० रामचरित्र।
(क) लि० का० सं० १६६३।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२३-१०३ बी।
(ख) प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, रमेश पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-१६७।
(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-८०।

युगरसरत्नप्रकाशिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्वामी विट्ठल विपुल जी के ज्ञान संबंधी चालीस पदों की टीका।
प्रा०—पं० राधाचंद, बड़े चौबे, मथुरा।→१७-१०८ (परि० ३)।

युगलअलि—उप० युगलमंजरी। संभवतः अयोध्या निवासी। रामानुज संप्रदाय के सखी समाज के वैष्णव।
भावनामृत कादंबिनी (पद्य)→०६-३४६; १७-२०५।

युगलकिशोर सहस्रनाम (पद्य)—रामनारायण (विष्णुशक्ति) कृत। वि० श्रीकृष्ण की स्तुति और प्रशंसा।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-१५१।

युगलकिशोरी (भट्ट)—बालकृष्ण के पुत्र और निहचलराम के पौत्र। जन्म भूमि कैथल

ग्राम। दिल्ली में निवास। खाँ शुजा के आश्रित। बादशाह मुहम्मदशाह ने इन्हें 'राजा' की उपधि दी थी। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।

अलंकारनिधि (पद्य)→०६-१४२।

युगलकृत→'जुगलकृत' (जुगलदास कृत)।

युगलकेलि रस माधुरी (पद्य)—रूपमंजरी कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० सोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५६ बी।

युगलकेलि ललित लीला (पद्य)—रूपमंजरी कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५६ ए।

युगलप्रसाद—चौबे। अन्य नाम गंगाप्रसाद। भयंकर पीड़ा से पीड़ित होने पर इन्होंने इस ग्रंथ की रचना की थी।

रामचरितदोहावली (पद्य)→१७-६१।

युगलप्रसाद—उप० पतित। कायस्थ।

विनयवाटिका (पद्य)→१७-२०६।

युगलप्रिया→'जीवाराम' (अग्रदास के शिष्य)।

युगलप्रीति प्रकाश पचीसो (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२६। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—लाला नाहकचंद, मथुरा।→१७-३४ बी।

युगलमंजरी→'युगलअलि' (अयोध्या निवासी)।

युगलमाधुरी—अयोध्या के महंत।

मानसमार्तंडमाला (पद्य)→०६-३३१।

युगलमानचरित्र→'जुगलमानचरित्र' (कृष्णदास पयहारी कृत)।

युगलरसमाधुरी (पद्य)—रसिकगोविंद कृत। वि० राधाकृष्ण तथा वृंदावन की शोभा का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६७२।

प्रा०—निंबार्क पुस्तकालय, बाबा माधवदास जी महंत का मंदिर, नानपारा (बहराइच)।→२३-३५८।

(ख) प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर।→०६-१२२ सी।

(ग) प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६-१६३ ए।

(घ) प्रा०—बाबू बिट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-१६१।

टि० खो० वि० ०६-१२२ सी की प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

युगलरहस्यसिद्धांत (पद्य)—रूपमंजरी कृत। लि० का० सं० १८११। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० मोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५६ सी ।

युगलबसंत विहार लीला (पद्य)—मधुरअली कृत । वि० वसंत में श्री सीताराम का विहार ।

प्रा०—मधुरअली का स्थान, सावनकुंड, अयोध्या ।→२०-९८ ए ।

युगलविनोद (पद्य)—मधुरअलि कृत । लि० का० सं० १९२० । वि० स्तुति, सीताराम का विवाह, रूपवर्णन, विरह इत्यादि ।

प्रा०—महंत केशरराम, रानूपाली, अयोध्या ।→२०-९८ सी ।

युगलविनोद कवितावली (पद्य)—मधुरअलि कृत । वि० सीताराम की शोभा, बारह-मासा, विरह आदि ।

प्रा०—मधुरअली का स्थान, सावनकुंड, अयोध्या ।→२०-९८ डी ।

युगलविहार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जीव और ईश्वर का मिलन वर्णन ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-१५१ ।

युगलशतक (पद्य)—राजकिशोरलाल द्वारा संगृहीत । वि० उनहत्तर कवियों की विविध कविताओं का संग्रह ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तकविक्रेता, अयोध्या । ०९-२४२ ।

युगलसत (पद्य)—अन्य नाम 'श्री जुगलसत की आदि बानी' । श्रीभट्ट कृत । र० का० सं० १६५२ । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) लि० का० सं० १८९८ ।

प्रा०—पं० गणेश, रकबा, डा० सिंमेया (बहराइच) ।→२३ ४०० ए ।

(ख) लि० का० सं० १९२८ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२३७ (विवरण अप्राप्त) । (दो अन्य प्रतियाँ लि० का० सं० १८८३ और १८७७ की इसी पुस्तकालय में और हैं) ।

(ग) लि० का० सं० १९३६ ।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, घेरा श्री राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) । →२९ ४० ।

(घ) लि० का० सं० १९३९ ।

प्रा०—पं० राधाचरण जी गोस्वामी, अवैतनिक मजिस्ट्रेट, वृंदावन (मथुरा) । →०९-२९९ ।

(ङ) प्रा०—श्री निंबार्क पुस्तकालय, मंदिर बाबा माधोदासजी महंत, नानपारा (बहराइच) ।→२३-४०० बी ।

(च) लि० का० सं० १९३९ ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→००-३६ ।

युगलसनेहविनोद (पद्य)—रसिकवल्लभशरण कृत । वि० सीताराम का प्रेम ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५६ ए ।

युगलसुधा (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णसुधा'। विद्यारण्यतीर्थ 'देव' कृत। र० का० सं० १८६८। मु० का० सं० १८६८। वि० राधाकृष्ण चरित्र।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—श्री मुन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→२६–१६५।

(ख) मु० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० तामेश्वरप्रसाद मिश्र, डोंगीपार, ठा० भैंसाबाजार (गोरखपुर)। → सं० ०१–३८६।

युगलस्वरूप विरहपत्रिका→'जुगलस्वरूप विरहपत्रिका' (बख्शी हंसराज कृत)।

युगलहिंडोलालीला (पद्य)—मधुरअलि कृत। वि० सीताराम की हिंडोला लीला।

प्रा०—श्री मधुरअली का स्थान, सावनकुंड, अयोध्या।→२०–९८ बी।

युगलानन्यशरण – ब्राह्मण। अयोध्या के प्रसिद्ध महंत। महंत जीवाराम के शिष्य। रामवल्लभ के गुरु। सं० १६०४–१६३५ तक वर्तमान।

अर्थपंचक (पद्य)→४१–२०४ क।

उपदेशनीति शतक (पद्य)→४१–२०६ ख।

जानकीसनेह हुलास शतक (पद्य)→४१–२०६ ग।

नवलअंगप्रकाश (पद्य)→४१–२०६ घ।

नामपरत्व पचासिका (पद्य)→४१–२०६ ङ।

निंदकविंसतिका (पद्य)→४१–२०६ च।

निंदकविनोदाष्टक (पद्य)→४१–२०६ छ।

प्रकाशभक्तिरहस्य (पद्य)→४१–२०६ ज।

प्रश्नोत्तरीप्रकाश (पद्य)→४१–२०६ झ।

फारसी (वरनमय) झूलना (पद्य)→४१–२०६ ञ।

बरनउमंग (पद्य)→४१–२०६ ढ।

बरनबोध (पद्य)→४१–२०६ ढ।

बरनमाला (पद्य)→४१–२०६ ण।

बरनविचित्र (पद्य)→४१–२०६ त।

बरनविहार (पद्य)→४१–२०६ थ।

बरवाविलास भावना रहस्य (पद्य)→४१–२०६ ध।

मणिमाला (पद्य)→४१–२०६ ट।

मनबोधशतक (पद्य)→४१–२०६ ठ।

मोदचौतीसी (पद्य)→४१–२०६ ड।

वचनावली (पद्य)→१२–८८।

वर्णविचार (पद्य)→४१–२०६ न।

विरतिविनोद (पद्य)→४१–२०६ प।

विरतिशतक (पद्य)—४१२-०६ फ।
संतविनयशतक (पद्य)→४१-२०६ ब।

युगलाष्टक (पद्य)—हरिबख्शसिंह कृत। वि० सियाराम के युगल स्वरूप का वर्णन।
प्रा०—पं० श्यामलाल शर्मा, इंधौजा, डा० इकदिल (इटावा)।→३५-३४।

युद्धज्योतिष (पद्य)—जगन्नाथसिंह (विसेन) कृत। र० का० सं० १८८७। वि० युद्ध में हारजीत होने के संबंध में ज्योतिष द्वारा फलाफल वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८६१।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→१७-७७।
(ख) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—राजा साहब बहादुर, प्रतापगढ़।→०६-१२१।
(ग) लि० का० सं० १९१४।
प्रा०—राय अंबिकानाथसिंह, नाइन स्टेट (रायबरेली)।→सं० ०४-१०६ क।
(घ) प्रा०—श्री मंगलाप्रसाद द्विवेदी, गोगहर, डा० ढेंगुर (प्रतापगढ़)। → सं० ०४-१०६ ख।

युद्धदीपक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सिंधु तरण से लंका के युद्ध तक रामायण का संक्षिप्त वर्णन।
प्रा०—मन्नूलाल पुस्तकालय, गया।→२६-७८ (परि० ३)।

युद्धविलास (पद्य)—भैरववल्लभ कृत। लि० का० सं० १९०२। वि० महाभारत के कर्ण पर्व का अनुवाद।
प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना।→०६-२४।

युद्धसार का चिंतावली→'समरसार' (मिहिर कृत)।

युद्धोत्सव→'युद्धज्योतिष' (जगन्नाथ विसेन कृत)।

युधिष्ठिरयश (पद्य)—ईश्वरदास (गोसाँई) कृत। लि० का० सं० १९२६। वि० युधिष्ठिर के यश का वर्णन।
प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, अठदमा रियासत (बस्ती)।→सं० ०४-१६।

युवतीधर्म (पद्य)—कृष्णा (कवि) कृत। वि० स्त्रियोपयोगी शिक्षा।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ ओ।

युवराजसिंह—विसेन क्षत्री। भिनगा राजवंश से संबद्ध। पिता का नाम उमरावसिंह। पितामह का नाम शिवसिंह। इनके पितृव्य कालीप्रसादसिंह भी अच्छे कवि थे।
अपराधसूदन स्तोत्र (भाषा) (पद्य)→२३-१९७ ए।
प्रेमपंचासिका (पद्य)→२३-१९७ सी।
मोहनिशिदीपिका (पद्य)→२३-१९७ बी।
योगवाशिष्ट (उत्तरार्द्ध) (पद्य)→२३-१९७ ई।
योगवाशिष्ठ (भाषा) (पद्य)→२३-१९७ डी।

युसुफजुलेखा (पद्य)—शेखनिसार कृत । र० का० सं० १८४७ । लि० का० सं० १६५६ । वि० सूफी प्रेमकथा ।
प्रा०—श्रीयुत गोपालचंद्रसिंह एम० ए०, सिविलजज, सुलतानपुर । → सं० ०१-४२२ ।

यूनानीसार (गद्य)—असगरहुसेन कृत । र० का० सं० १६३२ । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—पं० शिवनारायण, बड़ैला, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-१८ ।
(ख) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, जमुनिया (हरदोई) ।→२६-१८ ।

योग और ब्रह्म (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० ब्रह्म ज्ञान ।
प्रा०—पं० रामचंद्र ब्राह्मण, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटीस्टेशन, आगरा । →३२-१६१ जे ।

योगचंद्रिका की टीका (गद्य)—दयाराम (तिवारी) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीतनटोला, फतेहपुर ।→२०-३८ ।

योगचिंतामणि (गद्य)—हर्षकीर्तिसूरि कृत । वि० वैद्यक ।→पं० २२-३६ ।

योगदर्पणसार (पद्य)—अकबर खाँ कृत । र० का० सं० १८८६ । लि० का० सं० १६०२ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० जगन्नाथ शर्मा, अजयगढ़ ।→०६-१ ।

योगप्रेमावली (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत । वि० वेदांत ।
प्रा०—महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल) ।→१२-१७० डी ।

योगरत्नमाला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—निरंजनी अखाड़ा, आँवराडह, डा० माँडा (इलाहाबाद) । → सं० ०१-५५२ ।

योगरत्नाकर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०७ । वि० चिकित्साशास्त्र ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-४८५ ।

योगवाशिष्ठ (पद्य)—बोधीदास (बोधदास) कृत । वि० योगवाशिष्ठ का सारांश ।
(क) लि० का० सं० १८७५ ।
प्रा०—पं० देवकीनंदन शुक्ल, रामपुर गढ़ौली, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) ।→ २६-७१ ।
(ख) लि० का० सं० १८७५ ।
प्रा०—पं० कृष्णगोपाल, दी यंग फ्रेंड एंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली । → दि० ३१-१४ ।

योगवाशिष्ठ (गद्य)—रामप्रसाद (निरंजनी) कृत । र० का० सं० १७६८ । वि० योगवाशिष्ट का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० रामभजन शास्त्री, भीषमपुरकलाँ, डा० जलेसर (एटा)। →
२६–२६१ बी।

(ख) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० केदारनाथ, भगौता, डा० सोरों (एटा)।→२६–२६१ सी।

(ग) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—लाला लच्छीरामपटवारी, पीपरगाँव, डा० सरायअगत (एटा)। →
२६–२६१ डी।

(घ) लि० का० सं० १९१२।

प्रा०—लाला दीनदयाल, अवकाशप्राप्त तहसीलदार, टप्पल (अलीगढ़)। →
२६–२६१ ए।

(ङ) मु० का० सं० १९६०।

प्रा०—लाल रमायदुपालसिंह, युवराज, नरुद्दीनपुर तालुका, डा० करहिया
बाजार (रायबरेली) →सं० ०४–३३७।

योगवाशिष्ठ (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लिं० का० सं० १७१४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेरा (काँगड़ा)।→०१-८।

योगवाशिष्ठ (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सन् १२३६ (?)। वि०
वशिष्ठ मुनि द्वारा रामचंद्र को ब्रह्मज्ञानोपदेश।

प्रा० नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१७३।

योगवाशिष्ठ→'वसिष्ठसार' (कवींद्र सरस्वती कृत)।

योगवाशिष्ठ (उत्तरार्द्ध) (पद्य)—युवराजसिंह कृत। लि० का० सं० १९३८। वि०
योगवाशिष्ठ के उत्तरार्द्ध का अनुवाद।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३–१६७ ई।

योगवाशिष्ठ (भाषा) (पद्य)—युवराजसिंह कृत। लि० का० सं० १९३८। वि०
योगवाशिष्ठ के वैराग्य प्रकरण का अनुवाद।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३–१६७ ई।

योगवाशिष्ठ (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८११–१८३४।
वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६४।

योगशत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र, जगनेर (आगरा)।→२६–५३७।

योगशतक टीका→'गोरक्षशत' (रचयिता अज्ञात)।

योगशास्त्र (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—श्री भवानी हलवाई, चौपड़ बाजार, समथर राज्य।→०६–२ के।

योगशास्त्र (योग सा०) (गद्य)—रामेश्वर (भट्ट) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बब्बन गोस्वामी, ताहिरपुर, डा० सिकरारा (जौनपुर)। → सं० ०४–३४६ ।

योगसंग्रहवैद्यक→'वैद्यकजोगसंग्रह' (आधार मिश्र कृत) ।

योगसंदेह सागर (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८५८ ।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० थाना (उन्नाव)। → २६–७८ आई ।

(ख) लि० का० सं० १८५८ ।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रामपुर, मगराहर (उन्नाव) ।→२६–७८ जे ।

(ग) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—भगत रामदीन काछी, रूस्तमपुरकलाँ, डा० गुलजारपुर (उन्नाव) ।→ २६–७८ के ।

(घ) लि० का० सं० १६५० ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ०५–१६ ।

योगसाधन (भाषा)→'स्वरोदय' (ऋषिकेश कृत) ।

योगसार→'वैद्यकसार' (हीरालाल वैश्य कृत) ।

योगसारार्थदीपिका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । लि० का० सं० १८६४ । वि० 'अध्यात्मगर्भसारस्तोत्र' की टीका ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-३० बी ।

योगसुधानिधि (पद्य)—लाछेराम कृत । र० का० सं० १८६८ । वि० योगवाशिष्ठ का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६-२८५ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० बेनीमाधव उर्फ बच्चा, हसनपुर (सुलतानपुर)। → २३–२३८ ।

योगाभुतसार (पद्य)—हजूरी (संत) कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० योगशास्त्र ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७–६६ ।

योगींद्रसार (भाषा) (पद्य)—बुधजन (बुद्धजन) कृत । र० का० सं० १८६५ । वि० आत्मज्ञान द्वारा निर्वाण प्राप्त करने के उपाय ।

प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००–११८ ।

योगीरासा (पद्य)—जिनदास पांडे (जैन) कृत । वि० जैन दर्शन ।

प्रा०—बाबू रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–८६ ।

योगोभ्यासमुद्रा (गद्यपद्य)—कुमुटीपाव कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० योग ।

प्रा०—श्री मोतीराम, पलेसाँ, डा० गोबर्द्धन (मथुरा) ।→३८–८५ ।

रंग—→'हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि' ('रसरंग' के रचयिता)।

रंगझर (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८४५। वि० राधाकृष्ण का नित्य विहार।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)।→०१-६६।

रंगनाथ—रघुवर गर्ग के पुत्र।

व्रतमुष्टि (पद्य)→२३-३५४ ए, बी।

रंगपाल—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-३१३।

रंगभावमाधुरी (पद्य)—व्रजपति (भट्ट) कृत। वि० नवरस, नायिकाभेद, नखशिख आदि।

प्रा०—रेतू चन्नूलाल, गोकुल (मथुरा)।→१२-२३।

रंगभावमाधुरी (पद्य)—हरिदेव (भट्टाचार्य) कृत। वि० नायिकाभेद और रसादि।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शुक्ल बजाज, सरैया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २६-१६८।

(ख) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, बिगहापुर (उन्नाव)।→२६-१४२ ए।

रंगभूमि (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० सं० १८६७। वि० राम और सीता का विवाह।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० रामप्रसाद तिवारी, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-३२५।

(ख) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१-४००।

टि० खो० वि० ४१-४०० में प्रस्तुत ग्रंथ को अज्ञात कृत माना है।

रंगमंजरी (पद्य)—मोहनलाल कृत। र० का० सं० १८३७। वि० शृंगार।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३१० ख।

रंगमाला (पद्य)—तुलसखी कृत। वि० राधा जी का चरित्र।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-३०६ ए।

रंगलाल—जैन। कन्नौज निवासी। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।

सप्तव्यसन (पद्य)→२३-३५३।

रंगविनोदलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।

(क) प्रा०—बाबू हरिचंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००-१३ सात।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६-७३ डब्ल्यू।

रंगविहारीलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का चरित्र।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी । → ००-१३ (चार) ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । → ०६-७३ एक्स ।

(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-५०७ ठ (अप्र०) ।

रंगहुलासलोला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधा का कृष्ण को नित्य विहार लीला में स्त्री बनाना ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी । → ००-१३ (नौ) ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । → ०६-७३ के ।

(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहबाद ।→४१-५०७ ड (अप्र०) ।

रंगीलाल—मथुरा निवासी । सं० १९२७-१९४० के लगभग वर्तमान ।

• कार्तिकमाहात्म्य (गद्य) →२६-२६३ ए, बी ।

चिकित्सासिंधु (गद्य) →सं० ०४-३१४ ।

बर्राहीप्रकाश (गद्य) →२६-४००; २६-२६३ सी, डी ।

रंगीलाल—आगरा निवासी । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।

तोतामैना की कहानी (गद्य) →२६-३६६ ।

रंगीलाल (द्विज)—(?)

बारहमासा निपटनिदान (पद्य) →२६-४०१ ।

रंगीलाल (माथुर)—इन्होंने गदाधर त्रिपाठी से 'औषधिसुधातरंगिणी' की रचना करवाई थी ।→सं० ०४-६२ ।

रंजीत → 'चरणदास' ('ज्ञानस्वरोदय' के रचयिता) ।

रंभाशुकसंवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शुक मुनि और रंभा अप्सरा का संवाद ।

प्रा० श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६-७६ (परि०३) ।

रक्षाबंधन की कथा (गद्य)—नाथूराम और दामोदरदास (जैन) कृत । वि० रक्षाबंधन का महत्व ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-७१ ।

रक्षावली (पद्य)—मिश्र कृत । वि० रक्षा के निमित्त कल्कि आदि देवों से विनय ।

प्रा०—पं० रामदयाल, कंथरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१५-६२ ।

रखनराम—संभवतः शिवनारायणी पंथी ।

अग्यारीविलास (पद्य) →सं० ०१-३१५ ।

रखीकेस → 'हरिकेस' ('परमोदलीला' के रचयिता) ।

रघू (जैन)—(?)

दश लाक्षणिक धर्मपूजा (गद्य)→२६-२७७ ।

रघुनंदन—(?)

द्रौपदी स्वयंवर (पद्य)→सं० ०१-३१२ ।

रघुनाथ—ब्राह्मण । प्रसिद्ध कवि गंग के शिष्य । जहाँगीर के समकालीन । सं० १६६७ के लगभग वर्तमान ।

रघुनाथविलास (पद्य)→०६-३१०; पं० २२-८७ ।

रसमंजरी (पद्य)→२६-३६७; सं० ०१-३१४ ।

रघुनाथ—संडीला (सीतापुर) निवासी । सं० १८८४ के लगभग वर्तमान ।

कृष्णग्वालिनी का झगड़ा (पद्य)→२६-३६८ ।

रघुनाथ—(?)

चिकित्सासार संग्रह (गद्य)→सं० ०४-३१६ ।

रघुनाथ—(?)

देवीजी के छप्पय (पद्य)→४१-२०७ ।

रघुनाथ—सेवाराम जैन ने इनके और महेसमल्ल के कहने पर ही 'शांतिनाथपुराण' की रचना की थी ।→सं० ०४-४२५ ।

रघुनाथ→'पुरुषोत्तमदास' ('जैमिनिपुराण' के रचयिता) ।

रघुनाथ (कवि)—किसी बख्तावरसिंह और शारदाप्रताप राजा के आश्रित ।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-३१७ ।

रघुनाथ (जन)→'रघुनाथदास (बाबा)' ('प्रश्नावली' आदि के रचयिता) ।

रघुनाथ (बंदीजन)—काशी निवासी । इनके आश्रयदाता काशी नरेश महाराज बरिबंड-सिंह (बलवंतसिंह) थे, जिन्होंने प्रसन्न होकर इन्हें चौरा ग्राम पारितोषिक में दिया था । गोकुलनाथ भट्ट के पिता । सं० १७६८ के लगभग वर्तमान । →००-२; ०२-५६ (दो); ०३-१५ ।

काव्यकलाधर (पद्य)→०३-१४; ०६-२३५ ए; २३-३२६ डी; २६-३६६ बी, सी, डी ।

जगतमोहन (पद्य)→०३-११२; ०६-२३५ बी; २०-१३८; २३-३२६ बी ।

जगतविमोहन (पद्य)→२३-३२६ सी ।

दूषणभूषण (पद्य)→२३-३२६ ए ।

बालगोपालचरित्र (पद्य)→२६-३६६ ए; दि० ३१-६८ ।

रसिकमोहन (पद्य)→०३-५६; २३-३२६ ई, एफ; सं० ०१-३१३ ।

रघुनाथअलंकार→'अलंकार' (सेवादास कृत) ।

रघुनाथदास(बाबा)—उप० रामसनेही । अन्य नाम जनरघुनाथ । अयोध्या के महंत । देवदास के शिष्य । सीतापुर जिले में जन्म । रामसनेही संप्रदाय के अनुयायी ।

सं० १६१४ के लगभग वर्तमान।

ज्ञानककहरा (पद्य)→सं० ०१–३१५।

दोहाकवित्त (पद्य)→२३–३२८ बी।

प्रश्नावली (गद्यपद्य)→२६–२७८ डी।

भक्तमालमाहात्म्य (पद्य)→२६–३७० डी।

मानसदीपिका (पद्य)→२३–३२७ ए, बी; २६–३७० ए।

विश्राममानस (गद्यपद्य)→२६–३७० सी; २६–२७८ बी।

विश्रामसागर (पद्य)→२६–२७८ सी।

शंकावलीरामायण (पद्य)→२६–३७० बी; २६–२७८ ए।

हरिनामसुमिरनी (पद्य)→२०–१३६; २३–३२८ ए।

रघुनाथदास(रुघनाथदास)—निरंजनी पंथी। गुरु का नाम अमरदास (स्वामी सेवादास जी के शिष्य)। गुरु भाई रूपादास के समय में सं० १८३२ के लगभग वर्तमान।

हरिदासजी की परिचयी (पद्य)→०६–२३६; सं० ०७–१५८।

रघुनाथदास रामसनेही→'रघुनाथदास (बाबा)' ('प्रश्नावली' आदि के रचयिता)।

रघुनाथनाटक (पद्य)—दास (?) कृत। वि० सीताराम का सखा सखी के साथ फाग खेलना और क्रीड़ा करना।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)।→३५–२०।

रघुनाथराव –नागपुर नरेश। राज्यकाल सं० १८७३–७५। हरदेव के आश्रयदाता।→०६–१७१।

रघुनाथरूपक (पद्य)—नन्दू कृत। वि० रामकथा।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–२८६ (विवरण अप्राप्त)।

रघुनाथविजय (पद्य)—रामदयाल (चतुर्वेदी) कृत। र० का० सं० १६१२। वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री ईश्वरीदास चतुर्वेदी, होलीपुरा (आगरा)।→३२–१७८।

रघुनाथविलास (पद्य)—रघुनाथ कृत। वि० अलंकार (संस्कृत 'रसमंजरी' का अनुवाद)।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३१० (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १७४१।→पं० २२–८७।

रघुनाथशतक (पद्य)—मुन्नालाल द्वारा संगृहीत। लि० सं० १६३१। वि० रामकथा।

प्रा०—पं० रामजीवनलाल, खोलतपुर, बिलहरा (बाराबंकी)।→२३–२८६।

रघुनाथशिकार (पद्य)—अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत। र० का० सं० १८८८।
वि० श्री रामचंद्र जी का शिकार वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८८।
प्रा०—पं० शिप्रसाद शुक्ल, सिकंदरपुर (बहराइच)।→२३–२४ बी।
(ख) मु० का० सं० १९७२।
प्रा०—कुँवर सुरेशसिंह जी, कालाकाँकर, प्रतापगढ़।→सं० ०४–६।

रघुनाथसवारी→'अवधशिकार' (अयोध्याप्रसाद वाजपेयी कृत)।

रघुनाथसिंह—ओयल (खीरी) के राजा। राजा भक्तसिंह के पुत्र। सं० १८८३ के लगभग वर्तमान।
करिकल्पद्रुम (पद्य)→१२–१४१; २३–३२६।

रघुपति—(?)
स्वप्नविचार (पद्य)→दि० ३१–६६।

रघुराज के कवित्तों का संग्रह (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—श्री रघुवरदयाल दीक्षित, कटरा साहब खाँ, इटावा।→३८–११४।

रघुराजघनाक्षरी (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। र० का० सं० १९११। वि० रामकथा।
प्रा०—पं० अवधविहारी मिश्र, धनौली (बाराबंकी)।→२३–२२७ सी।

रघुराजविनोद (पद्य)—पुरंदर (कवि) कृत। र० का० सं० १९४१। मु० का० सं० १९५६। वि० जयपुर और जोधपुर के राजाओं का यश और चित्र, पहेली तथा देवताओं का वर्णन।
प्रा०–श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय, शेखपुरा, डा० तेजीबाजार (जौनपुर)। →सं० ०४–२०६।

रघुराजविलास (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १९३९। वि० रामचरित के साथ संपूर्ण अवतार वर्णन।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२०८।

रघुराजसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश। जन्म सं० १८८०। राज्यकाल सं० १९११–१९३७। महाराज विश्वनाथसिंह के पुत्र। रामानुजदास के शिष्य। मुकुंदाचार्य से मंत्र दीक्षा ली थी। गोकुलप्रसाद, सुदर्शनदास, विश्वनाथ शास्त्री, रामचंद्र शास्त्री, रसिकनारायण, रसिकबिहारी, गोविंदकिशोर, बालगोविंद और हरिप्रसाद के आश्रयदाता।→०६–२२७; १२–१८२; २६–३७०।
आनंदांबुनिधि (पद्य)→०३–१७; २६–३७१ ए।
जगदीशशतक (पद्य)→०४–८२।
यदुराजविलास (पद्य)→००–४९।

भागवतमाहात्म्य (पद्य)→०३-१८ ।

रघुराज के कवित्तों का संग्रह (पद्य)→३८-११४ ।

रघुराजविलास (पद्य)→४१-२०८ ।

रघुराजसिंह की पदावली (पद्य)→२३-३३० बी ।

रामरसिकावली (पद्य)→०४-८६ ।

रामस्वयंवर (पद्य)→०१-७; २६-३७१ बी ।

रुक्मिणीपरिणय (पद्य)→०३-२१०; २३-३३० ए ।

विनयपात्रिका (पद्य)→००-४६ ।

सुंदरशतक (पद्य)→००-४५; ०६-२३७ ।

रघुराजसिंह की पदावली (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । वि० राधाकृष्ण विषयक होली आदि की लीलाएँ ।

प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→२३-३३० बी ।

रघुराम—नागर ब्राह्मण । अहमदाबाद निवासी । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।

सभासारनाटक (पद्य)→०६-२३८; १२-१४० ।

टि० 'माधवविलासशतक' इनकी अनुपलब्ध रचना है ।

रघुराम—कायस्थ । ओड़छा (बुंदेलखंड) निवासी । राजा जसवंतसिंह के आश्रित । सं० १७३७ के लगभग वर्तमान ।

कृष्णमोदिका (पद्य)→०६-६८ ।

रघुवंशदीपक (पद्य)—सहजराम कृत । वि० रामकथा ('मानस' के अनुकरण पर) ।

(क) लि० का० सं० १८६१ ।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह, जमींदार, नेरी (सीतापुर) ।→१२-१६३ ।

(ख) लि० का० सं० १९२५ ।

प्रा०—विश्वनाथ पुस्तकालय, ठाकुर गहेश्वरसिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३६७ डी ।

रघुवंशवल्लभ (श्रीलाल)—सीताराम के पुत्र । सं० १९१२ के लगभग वर्तमान ।

मनसंबोध (पद्य)→२३-३३१; ४१-२७२ ।

रघुवर—कायस्थ । जुगराजपुर (बरेली) के निवासी । सं० १९२९ में वर्तमान ।

प्रेमप्रमोद (पद्य)→४१-२०९ ।

रघुवर—(?)

ख्यालपहेली (पद्य)→सं० ०१-३१६ क ।

द्रौपदी की स्तुति (पद्य)→सं० ०१-३१६ ख ।

रघुवर—दोहाराम के पुत्र । राजा चेतसिंह के दीवान । रूपिनाथ के आश्रयदाता । → सं० ०१-२३ ।

रघुवर (रघुवरदयाल)—ढकवा ग्राम (मलीहाबाद, लखनऊ) के निवासी । ज्योतिषी ।

कवित्त (पद्य)→सं० ०७-१५६ क ।

भाषाद्विघटिका (पद्य)→सं० ०७-१५६ ख ।

रघुवरकरकर्णाभरण→'रघुवरकर्णाभरण' (जनकराजकिशोरीशरण कृत) ।

रघुवरकर्णाभरण (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१८१ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा —बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-१३४ एन ।

रघुवरदास—उप० रघुवरसखा । जाति के मुराऊ । मिरजापुर (बहराइच) निवासी । जन्म सं० १८६० । मृत्यु सं० १६४३ ।

कृष्णचरितामृतकुंडी (पद्य)→२३-३३३ डी ।

कृष्णचरितामृतगीता (पद्य)→२३-३३३ सी ।

गुरुपरंपरा (पद्य)→२३-३३३ बी ।

धर्मराजगीता (पद्य)→२३-३३३ ए ।

प्रेमधारसागर (पद्य)→४१-२१० क, ख ।

वैदकसदा (पद्य)→२३-३३३ एफ ।

वैद्यकचित्तहुलास (गद्यपद्य)→२३-३३३ ई ।

रघुवरदास—कायस्थ । अयोध्या निवासी । सं० १६११ के लगभग वर्तमान ।

शीघ्रबोध (भाषा) (पद्य)→२३-३३२ ।

रघुवरदास—(?)

आत्मविचार (प्रकाश) (पद्य)→३५-८८ ।

रघुवरमंगल→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रघुवरशरण—(?)

जानकीजू को मंगलाचरण (पद्य)→०६-३०६ ए ।

बना (पद्य)→०६-३०६ बी ।

रामआखेटकवित्त (पद्य)→२३-३३४ ।

राममंत्ररहस्यत्रय (पद्य)→१७-१४१ ।

रघुवरशलाका→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रघुवरसखा→'रघुवरदास' ('कृष्णचरितामृतकुंडी' के रचयिता) ।

रघुवरसिंह—कलहंस गोत्र के क्षत्रिय । अलीपुर (बहराइच) के ताल्लुकेदार । सं० १६०४ के लगभग वर्तमान ।

चिकित्सामृतार्णव (पद्य)→२३-३३५ ए ।

तुलसीचरित्र (पद्य)→२३-३३५ बी ।

बंदीमोचन (पद्य)→२३-३६१ ए, बी ।

रघुवरसुत→'बाबूलाल' ('सलूनोपूजन' के रचयिता) ।

रजस्वला रोग दोष (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'रजस्वलावैद्यक' । पतितदास कृत ।
र० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—श्री नारायणदत्त, इटौरा (लखनऊ) ।→२६-२६७ ।
(ख) लि० का० सं० १६४८ ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-३४६ एच ।
(ग) लि० का० सं० १६४८ ।
प्रा०—पं० विष्णुस्वरूप शुक्ल, बसोरा (सीतापुर) ।→२६-३४६ आई ।
(घ) लि० का० सं० १६४८ ।
प्रा०—श्री कृपाशंकर वैद्य, सुलतानपुर, डा० सिधौली (सीतापुर) । → २६-३४६ जे ।

रजस्वलावैद्यक या रजस्वलाविधान→'रजस्वला रोग दोष' (पतितदास कृत) ।

रज्जब—दादूदयाल जी के शिष्य । आमेर (जयपुर) के निवासी । संभवतः मुसलमान । सं० १७०० के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→सं० ०१-३१७; सं० ०७-१६० क; सं० १०-१११ ।
छप्पय (पद्य)→१७-१४२ ।
फुटकर साखी और कायाबेली (पद्य)→४१-२११ ।
सर्वंगी (पद्य)→सं० ०७-१६० ख, ग, घ ।
सवइया भेट का (पद्य)→सं० ०७-१६० ङ ।

रज्जबजी का कवित्त→'कवित्त' (रज्जब कृत) ।

रणजीत—संभवतः स्वा० चरणदास ।
नासिकेतोपाख्यान (पद्य)→सं० ०१-३१६ ।

रणजीत—'चरणदास (स्वामी)' ।

रणजीतसिंह—ढंडेर क्षत्री । अनिरुद्धसिंह के पुत्र । पंचमपुर निवासी । सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।
कलाभास्कर (पद्य)→०६-१०२ ।

रणजीतसिंह (महाराज)—पंजाब के प्रसिद्ध सिक्ख महाराज । चरणसिंह के पौत्र । खंगसिंह के पिता । सं० १८३७ में जन्म । सं० १८६६ में मृत्यु ।
धर्मादर्श (पद्य)→२६-३६७ ।

रणजोरसिंह—बुंदेलखंड निवासी । हरिभान (भान) के आश्रयदाता । सं० १६१२ के पूर्व वर्तमान ।→२३-१५२ ।

रणधीरसिंह (राजा)—सिंगरामऊ (जौनपुर) के राजा । सं० १८६४ के लगभग वर्तमान ।

काव्यरत्नाकर (गद्यपद्य)→०६-३१६ बी; २३-३५२ बी।
पिंगलनामार्णव (पद्य)→०६-३१६ ए; २३-३५२ सी; सं० ०१-३१८।
भूषणकौमुदी (गद्यपद्य)→२३-३५२ ए।
शालिहोत्र (गद्यपद्य)→२०-१६१।

रणभूषण (पद्य)—ईश्वरनाथ (गर्ग) कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १८७८। वि० शकुनविचार।
प्रा०—पं० शत्रुघ्न, सिकंदरपुर, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-१७४।

रणविजय बहादुरसिंह—पूरा नाम महाराज कुमार दीवान रणविजय बहादुरसिंह।
विक्रमनाटक (गद्य)→सं० ०४-३१८।

रणसागर (पद्य)—पातीराम कृत। वि० महाभारत के सभापर्व का अनुवाद।
प्रा०—श्री जयदेव मिश्र, सरहैदी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६-२६६ ए।

रतन—(?)
आनंदलहरी (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→३८-१२६।

रतन—(?)
चूकविवेक (पद्य)→०४-१००।
दोहा (पद्य)→०४-१०१।
बुधचातुरीविचार (पद्य)→०४-६८।
विष्णुपद (पद्य)→०४-१०२।

रतन (कवि)→'क्षेमराम' ('फतेहप्रकाश' के रचयिता।

रतनखान पद्य)—मलूकदास कृत। वि० आत्मा और ब्रह्म।
(क) प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६-१८५ बी।
(ख) प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद। → ४१-५३८ (अप्रा०)।

रतनचंद्रिका (गद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १८६६। वि० बिहारी सतसई की टीका।
प्रा—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६-६१ एफ।

रतनदास—रामसनेही पंथ के संस्थापक साधु रामचरण के अनुयायी। गुरु का नाम संभवतः परमहंस सुरतेश देव।
बारहमासी (पद्य)→३५-८८।

रतनदास (रत्नदास)—(?)
स्वरोदय (पद्य)→०६-३२०; सं० ०४-३१६।

रतनमंजरी (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६८७। लि० का० सं० १७७८। वि० राजकुमार मधुसूदन और राजकुमारी रतनमंजरी की प्रेमकथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ ग।

रतनमाल (पद्य)—दूलनदास (बाबा) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० सुखनंदन, बाभनगाँव, डा० मानिकपुर (प्रतापगढ़)। →

सं० ०४-१६३ ग।

रतनमाला (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६ भ।

रतनरंग—सं० १६८२ के पूर्व वर्तमान।

छिताई कथा (पद्य)→४१-२१२।

रतनलाल (जैन)→'बखतावरमल या रतनलाल (जैन)' ('आराधनाकथाकोश' के रचयिता)।

रतनवल्लभ—जैन। सं० १७२८ के लगभग वर्तमान।

चंद्रलेहा की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-७५।

रतनविलास (पद्य)—कालिका (सेठ) कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६१६। वि० सीता स्वयंवर वर्णन।

प्रा०—पं० गणपति दूबे, नया गाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६-२१६।

रतनसागर (पद्य)—तुलसीदास (साहिब) कृत। वि० आत्म और ब्रह्म ज्ञान।

(क) प्रा०—श्री धर्मपाल बोहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा)। → ३२-२२२ ए।

(ख) प्रा०—श्री शांतिस्वरूप, राष्ट्रीय पाठशाला, किरावली (आगरा)। → ३२-२२२ बी।

रतनहजारा (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० प्रेम विषयक १००० दोहे।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६४।

(ख) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—श्री गुमानसिंह, सूपा, डा० कुलपहाड़ (हमीरपुर)।→२६-४०२।

रतनहरि (रत्नहरि)—सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

ब्रह्मरहस्य (पद्य)→सं० ०४-३१०।

रतना (रत्न) **हमीर की बात**—उत्तमचंद (भंडारी) कृत।→०१-६६ (चार); ०२-१८ (तीन)।

रतनू वीरभाण—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। करणीदान के समकालीन। सं० १७६१ के लगभग वर्तमान। विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-७२ (आठ)।

रतनेश—बुंदेलखंड निवासी। मि० वि० के अनुसार सं० १६७८ के लगभग वर्तमान।

कांताभूषण (पद्य)→२०-१६५।

रतिभान—पिता का नाम परशुराम। मध्यप्रदेश के इटौरा ग्राम के निवासी। प्रणामी पंथ के संस्थापक सतगुरु रोपन के अनुयायी। सं० १६८८ के लगभग वर्तमान।

जैमिनीपुराण (पद्य)→२६-२६५ ए, बी।

रतिमंजरी (पद्य)—तोषनिधि (तोष) कृत । र० का० सं० १७६४ । लि० का० सं० १८४६ । वि० कोकशास्त्र ।

प्रा०—पं० बच्चूलाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर) । →२०-१६५ ।

रतिमंजरीलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा वाराणसी । →००-१३ (दो) ।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । →०६-७३ एल ।

रतिरंगलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । र० का० सं० १७४६ । वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२-१५४ बी ।

रतिरहस्य (गद्य)—वीरभानुदेव कृत । वि० कामशास्त्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०४-३६६ ।

रतिराम—हरिदेव के पिता । सं० १८६२ के पूर्व वर्तमान । →१७-७२; २६-२६६ ।

टि० खो० वि० २६-२६६ में रतिराम को 'वैद्यसुधानिधि' का रचयिता माना गया है । पर वास्तव में ग्रंथ हरिदेव कृत है ।

रतिविनोद (भाष्य)→'रसविनोद' (अहमद ताहिर कृत) ।

रतिविनोद रस चंद्रिका→'रसचंद्रोदय' (उदयनाथ 'कवींद्र' कृत) ।

रतिविहार (पद्य)—ध्रुवदास (?) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—पं० चंद्रभान, कोकेरा, डा० सहार (मथुरा) । →३८-४२ ए ।

रत्न (द्विज)—(?)

गणेशस्तोत्र (पद्य)→०६-३२१ ।

रत्न (भट्ट)—तैलंग ब्राह्मण । कृष्ण भट्ट के पुत्र । नरवर (ग्वालियर) निवासी । मोहनलाल के शिष्य ।

सामुद्रिक (पद्य)→०६-२१६ ।

रत्नकरंड (वचनिका सहित) (गद्य)—पन्नालाल कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० जैन धर्मानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → सं० ०४-१६८ ।

रत्नकरंड श्रावकाचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रावकों के लिये योग्य आचरणों का उपदेश ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, मुजफ्फरनगर । →सं० १०-२७४ ।

रत्नकरंड श्रावकाचार की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—सदासुखलाल (जैन) कृत । र० का० सं० १६१६-२० । वि० जैन धर्मानुसार श्रावकों के लिये विहित कर्मों का निर्देश ।

(क) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१२७ च।

(ख) लि० का० सं० १९५३।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१२७ छ।

(ग) लि० का० सं० १९५८।

प्रा०—श्री ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२९-३००।

रत्नकुँवरि—शिवप्रसाद सितारेहिंद की पितामही। काशी निवासिनी। संस्कृत और फारसी की विदुषी। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

प्रेमरत्न (पद्य)→०६-२१७; २३-३५९; २६-२६७ ए, बी; ४१-२१३; सं० ०७-१६१।

रत्नज्ञान (पद्य)—नवलदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८३८। लि० का० सं० १८५२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरगाँव, डा० परवतपुर (सुलतानपुर)।→२३-३०१ बी; सं० ०४-१८३ ञ।

रत्नत्रयव्रत की कथा (पद्य)—हरिकृष्ण कृत। र० का० सं० १८५५। लि० का० सं० १९८२। वि० एक पौराणिक कथा।

प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहटौली, डा० चंद्रपुर (आगरा)।→३२-८० बी।

रत्नपरीक्षा (पद्य)—अन्य नाम 'रत्नसागर'। गुरुप्रसाद (गुरुदास) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० रत्नों का गुण और उनकी पहचान।

(क) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—श्री भूरे तमोली, छतरपुर।→०५-२५।

(ख) प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-३२९ (विवरण अप्राप्त)।

रत्नपाल (भैया)—करौली (राजपूताना) नरेश। देवीदास के आश्रयदाता। सं० १७४२ के लगभग वर्तमान।→०२-१; ०६-२७; ०६-२२०, १७-४७; २३-९६; दि० ३१-२५।

रत्नप्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचंद्रिका'। अखैराम कृत। र० का० सं० १८११। वि० भागवत की कथा।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-२।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—पं० पन्नालाल, कठैला, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३८-१ डी।

रत्नबावनी (पद्य)—केशवदास कृत। वि० राजा मधुकर साहि के पुत्र कुँवर रत्नसिंह का अकबर बादशाह की सेना से युद्ध।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-५८ बी।

रत्नमंजरीकोश (पद्य)—जगतसिंह कृत। र० का० सं० १८६३। लि० का० सं० १८६३। वि० एकाक्षरी कोष।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)→२३-१७६ एल।

रत्नमहेश—रतलाम के राजा। इन्होंने जसवंतसिंह और औरंगजेब के युद्ध में अपने प्राण देकर महराज जसवंतसिंह की रक्षा की थी। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान। →०२-२६।

रत्नमहेशदासोत वचनिका (गद्यपद्य)—जगा जी (खिड़िया) कृत। र० का० सं० १७१५। लि० का० सं० १८७२। वि रतलाम नरेश महाराज रत्नमहेश का महाराज जसवंतसिंह की ओर से औरंगजेब का युद्ध में सामना करते हुए बलिदान होना।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-२६।

रत्नमुहूर्त (पद्य)—हरिप्रसाद (मिश्र) कृत। र० का० सं० १६१६। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—श्री प्रकाशसिंह रईस, हरिहरपुर, डा० निलथलिया (बहराइच)।→ २३-१५८।

(ख) लि० का० सं० १६५१।

प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, अजगराखुर्द, डा० अजगरा (प्रतापगढ़)। → २६-१७१ ए।

(ग) प्रा०—पं० रामसरन उपाध्याय, अंतीपुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६-१७१ बी।

रत्नलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१५४ जी।

रत्नसागर (पद्य)—अचलदास कृत। र० का० सं० १६०६। वि० वेदांत।

प्रा०—बाबा साहबदास, गणेश मंदिर, मसानीदेवी, डा० सआदतगंज (लखनऊ)।→२६-२ ई।

रत्नसागर→'रत्नपरीक्षा' (गुरुप्रसाद कृत)।

रत्नसागर ज्योतिष (पद्य)—अन्य नाम 'बृहस्पतिकांड'। तुलसीदास कृत। र० का० सं० १६०६। वि० बृहस्पति ग्रह का द्वादश राशियों का फलाफल वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—ठा० रामकिशुनसिंह, सुरेरी, डा० मारिकपुर (जौनपुर)। → सं० ०४-१४३ घ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-३०।

(ग) प्रा०—श्री विश्वनाथ दूबे, रेकवारेडीह, डा० मऊ (आजमगढ़)। → सं० ०१-१४२ ग।

रत्नसाठिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत। वि० साठ संवत्सरों के फलाफल का वर्णन।

प्रा०—पं० रामहर्ख, गोंडुवा, डा० कैथोला (प्रतापगढ़)।→सं० ०४-३४५।

रत्नसिंह—चरखारी (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८८६-१६१७। प्रतापसाहि, भोजराज, गोपाल और घनश्यामदास के आश्रयदाता।→०५-४५; ०६-१५; ०६-३६; ०६-४०; ०१-६१।

विनयपत्रिका की टीका (गद्य)→०६-१०४।

रत्नसिंह—सीतामऊ नरेश राजा राजसिंह के पुत्र। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।

नटनागरविनोद (पद्य)→०२-१०१।

रत्नसिंह—(?)

विग्रहवर्णन (पद्य)→२६-२६८।

रत्नसिंह—बिजावर (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८६७-१८८६। प्रयागदास के आश्रतदाता।→०६-२२८।

रत्नसिंह—मैढ़ (हाथरस) के राजा। जयजयराम के पिता सेवाराम इनके दीवान थे। →१७-८७।

रत्नसिंह (रतनसिंह)—मीराबाई के पिता। मेड़तिया के राठौर। राव दूदाजी के पुत्र। राव जोधा जी के पौत्र। सं० १५७३ के लगभग वर्तमान।→२६-२३१।

रत्नहरि—सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

दाशरथि दोहावली (पद्य)→१७-१६२ ए।

दूरादूरार्थ दोहावली (पद्य)→१७-१६२ बी।

यमकदमक दोहावली (पद्य)→१७-१६२ सी।

रामरहस्य (पद्य)→१६-१६२ डी, ई।

रत्नहरि—संभवतः 'दाशरथि दोहावली' आदि के रचयिता रत्नहरि। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।→१७-१६२।

रामायण (पद्य)→पं० २२-६६ ए, बी, सी, डी।

रत्नाकर (पद्य)—चारण (कवि) कृत। र० का० सं १७१२। लि० का० सं० १८६०। वि० पिंगल और कोष।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-७६।

रत्नावती (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६६१। लि० का० सं० १७८४। वि० अमृतपुरी के राजा जगतराइ के पुत्र मनमोहन और अप्सराओं के राजा सूरजमल की पुत्री रत्नावती की प्रेमकथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ क।

रत्नावली (पद्य)—अवधप्रसाद कृत। र० का० सं० १६२६। लि० का० सं० १६८०। वि० अध्यात्म।

प्रा०—पं० परमेश्वरदत्त त्रिपाठी, जगदिशवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली)। →३५-५ बी।

रत्नेश—चरखारी (बुंदेलखंड) निवासी। प्रतापसाहि के पिता। सं० १८८६ के पूर्व वर्तमान।→०५-४६।

रथजात्रा के गीत (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० रथयात्रा का उत्सव वर्णन।

प्रा०—पं० पन्नालाल, जतोरा, डा० दाऊजी (मथुरा)।→३५-२८६।

रथलीला (पद्य)—माधोदास कृत। वि० जगन्नाथ जी की रथयात्रा का वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-१६६।

रमईराम (रमैयाराम)—(?)

रामरछया (गद्यपद्य)→४१-२१४।

रमजाननामा (पद्य)—इलाहीबख्स (रमजान शेख) कृत। वि० रमजान मास की प्रशंसा और माहात्म्य।

प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब, मुदर्रिस, इस्लामिया मकतब, पाइकनगर (प्रतापगढ़)।→२६-१८४ डी।

रमजान शेख→'इलाहीबख्श' ('अदहमनामा' आदि के रचयिता)।

रमणबिहारी—उप० रमणेश। सं० १६१४ के पूर्व वर्तमान।

करुणाष्टक (पद्य)→२६-३८८ ए।

राममल्ललीला (पद्य)→२६-३८८ बी, सी।

रमणेश→'रमणबिहारी' ('करुणाष्टक' के रचयिता)।

रमताराम—(?)

गंगाष्टक (गंगाजी की भूलना) (पद्य)→सं० ०१-३२०।

रमनदास—(?)

भक्तमाहात्म्य (पद्य)→४१-२१५।

रमयोज—(?)

बाराखड़ी (पद्य)→सं० ०१-३२१।

रमल (पद्य)—पतितदास कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० रमल ज्योतिष।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-३४६ के।

रमल (पद्य)—बहमन कृत। र० का० सन् ११२१ हिजरी। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामस्वरूप पांडेय, भदैंव-पंडितपुरा, डा० लाला बाजार (प्रतापगढ़)। →सं० ०४ २३४।

रमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६०। वि० ज्योतिष।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४०१।

रमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० भागीरथीप्रसाद, उसका, डा० कोहौर (प्रतापगढ़)। → २६-८० (परि०३)।

रमल (भाषा) (गद्य)—यमुनाचार्य कृत। लि० का० सं० १६१०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→२०-२०७।

रमलजातक (पद्य)—अन्य नाम 'रमलसंहिता' और 'रमलार्णव'। ओरीलाल (शर्मा) कृत। वि० रमल ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १६५७।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद ज्योतिषी, सागर गेट, झाँसी।→०६-२१८।
(ख)→पं० २२-७६।

रमल नवरत्न दर्पण (गद्य)—दत्तराम (माथुर) कृत। र० का० सं० १६१२। लि० का० सं० १६४८। वि० शकुन विचार (संस्कृत से अनूदित)।
प्रा०—पं० श्यामाचरण ज्योतिषी, द्वारा श्री आदित्यप्रसाद पांडे, कर्णौंदिया, डा० डलियाँ (मिरजापुर)।→२६-६२ डी।

रमलप्रकाश (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रमल।
प्रा०—सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४६३।

रमलप्रश्न (पद्य)—धौंकलसिंह कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० रमल।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-५०।

रमलप्रश्न (पद्य)—अन्य नाम 'शिवशक्ति रमल विचार'। भगवानदास कृत। वि० रमल।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—श्री लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, व्यवस्थापक, अमेठी राज्य (सुलतानपुर)।→ सं० ०१-२५०।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—मास्टर भानुकिशोर जी, कटरा साहब खाँ, इटावा।→३५-११ सी।
(ग) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, जसवंतनगर (इटावा)।→३५-११ ए।
(घ) प्रा०—पं० रामप्रसाद, बकेवर (इटावा)।→३५-११ बी।

रमलप्रश्न (पद्य)—राघवदास कृत। लि० का० सं० १८१७। वि० रमल।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३२१।

रमलप्रश्न (गद्य)—रामभजन (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० रमल।
प्रा०—श्री गौरीशंकर त्रिपाठी, कोयराखुर्द, डा० चाँदा (सुलतानपुर)। → सं० ०४-३३८।

रमलप्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रमल।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६-८१ (परि ३) ।

रमलप्रश्नावली (पद्य)—ऋषभदेव कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-४०८ ।

रमलविचार (पद्य)—कोविद (चंद्रमणि मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६३३ । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—श्री गंगाविष्णु ज्योतिषी, बंथर (उन्नाव) ।→२६-२४३ ।

रमलशकुनवंती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ।
प्रा०—पं० चंद्रिकाप्रसाद भट्ट, सकरौली, डा० मोहनगंज (प्रतापगढ़) । →२६-८२ (परि० ३) ।

रमलशास्त्र (भाषा) (गद्य)— गोपाल कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० रमल । २०-५२ ए ।

रमलसंहिता→'रमलताजक' (श्रोरीलाल शर्मा कृत) ।

रमलसगुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—पं० भागीरथीप्रसाद, उसका, डा० कोढ़ौर (प्रतापगढ़) । →२६-८३ (परि० ३) ।

रमलसगुन (पोथी) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर पांडे, ब्राह्मनपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) । →२६-५.१ (परि ३) ।

रमलसार (पद्य)—गंगादास (गंगाराम मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६१३ । वि० रमल ।
प्रा०—श्रीमती महंतिनी लक्ष्मणदासी, कुटी बाबा झामदास, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) ।→२३-११५ ।

रमलसार→'रमलप्रश्न' (भगवानदास कृत) ।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३६ । वि० शुभाशुभ प्रश्न विचार ।
प्रा०—पं० शिवरतन पांडे, रामनगर, डा० मिसरिख (सीतापुर) । →२६-८४ (परि० ३) ।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२७ । वि० रमल ।
प्रा०—श्री श्यामसुंदर अग्रवाल, जगनेर (आगरा) ।→२६-४६४ ।

रमलसार प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३६ । वि० रमल ।
प्रा०—श्री खचेरीराम ब्रह्मभट्ट, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) ।→२६-४६५ ।

रमलसारप्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—धर्मपत्नी स्व० पं० बैजनाथ, सिरखोरी, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-८४ (परि० ३) ।

रमलसार फलनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रमल ज्योतिष ।
प्रा०—श्री ताराचंद मुनीम, द्वारा मेसर्स महादेवप्रसाद मुरलीधर, सिरसागंज, (मैनपुरी) ।→२६-८५ (परि० ३) ।

रमलार्णव→'रमलताजक' (ओरीलाल शर्मा कृत) ।

रमाकांत (नेपाली)—(?)
मदनचक्रवर्ती (गद्य)→२०-१४६ ।

रमैणी (गद्य)—हरिदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →सं० १०-१४४ ख ।
(ख) लि० का० सं० १८७२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२१० ग ।

रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत । र० का० सं० १४५७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-६ ग ।
(ख) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११ त ।
(ग) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—श्री संतान मुराऊ, अयरिथा, डा० पिपरी (बहराइच) ।→२३-१६८ एम ।
(घ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ ई (विवरण अप्राप्त) ।
(ङ) प्रा०—श्री बाँकेलाल शर्मा, हुंडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा) । →२६-१७८ ओ ।

रमैनी (पद्य)—यारीसाहब कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० आत्मज्ञान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०५ ख ।

रमैया—वाराणसी (बनारस) निवासी साधु । २०वीं शताब्दी में वर्तमान ।
रमैया की कविता (पद्य)→०४-१०८; ०४-११० ।
रमैया के कवित्त (पद्य)→०४-१०६ ।

रमैया की कविता (पद्य)—रमैया कृत । वि० रामनाम माहात्म्य और उपदेश ।
(क) लि० का० सं० १६१३ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-११० ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४-१०८ ।

रमैया के कवित्त (पद्य)—रमैया कृत । वि० भजन और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१०६ ।

रवि कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कोटिध्वज के पुत्र रवि की कथा तथा पार्श्व-नाथ की भक्ति का उपदेश।

प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→२६–८६ (परि०३)।

रविदास→'रैदास' (प्रसिद्ध भक्त)।

रविदेव→'रघुवरसिंह' ('बंदीमोचन' आदि के रचयिता)।

रविव्रत कथा (पद्य)—गुणधर कृत। वि० रविवार के व्रत का माहात्म्य।

प्रा०—श्री ज्ञानचंद जैन, मुड़ियापुरा, डा० किरावली (आगरा)।→३२–७०।

रविव्रत कथा (पद्य)—सुरेंद्रकीर्ति कृत। र० का० सं० १७४०। लि० का० सं० १९२५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–४२०।

रसकंकाली—नसीरशाह कृत। लि० का० सं० १७८८। वि० वैद्यक।→पं० २२–७४।

रसकंद (पद्य)—मान्य कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० शिवचरनलाल, कालपी (जालौन)।→०६–१९३।

रसकदंबचूड़ामणि (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। र० का० सं० १७५१। लि० का० सं० १९४८। वि० देवताओं के स्वरूप तथा स्थान।

प्रा०—गो० गिरधरलाल जी, हर्दीगंज, झाँसी।→०६–२६२।

रसकल्लोल (पद्य)—करण (भट्ट) कृत। वि० रस, ध्वनि, व्यंग आदि।

(क) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१५।

(इस पुस्तकालय में सं० १८५८ और १८६० की दो प्रतियाँ और हैं)।

(ख) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर रईस, काँथा (उन्नाव)→२३–२०४ ए।

(ग) लि० का० सं० १८९०।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–९५।

(घ) लि० का० सं० १८९०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३–२०४ बी।

रसकल्लोल (पद्य)—चंदन कृत। वि० रस निरूपण।

प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर)।→१२–१४ एफ।

रसकल्लोल (पद्य)—तुलसीदास कृत। र० का० सं० १७११। लि० का० सं० १९१२। वि० नवरस।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–३३९ ए (विवरण अप्राप्त)।

रसकल्लोल (पद्य)—शंभुनाथ (मिश्र) कृत। वि० नायिकाभेद।

(क) प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६५।

(ख) प्रा०—पं० रामप्रताप दूबे, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) । → २०–१७२ ए ।

रसकवित्त (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि० का० सं० १७६१ । वि० भक्ति और शृंगार ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ । →सं० ०४–१५ ग ।

रस के पद (पद्य)—व्यास कृत । वि० श्रीकृष्ण लीला ।

(क) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–११८ बी ।

(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-२५२ ख ।

रस के पद (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण का शृंगार ।

प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१४० डी ।

रसकेलिवल्ली →'आनंदघन के कवित्त' (आनंदघन कृत) ।

रसकोष (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६७६ । लि० का० सं १७७७ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ छ ।

रसकौमुदी (पद्य)—कृष्णचैतन्य देव कृत । लि० का० सं० १६३४ । वि० कृष्णराधिका प्रेम एवं नखशिख वर्णन ।

प्रा०—पं० दीनदयाल, गौशालपुर, डा० बिस्वा (सीतापुर) ।→२३–२१७ ।

रसकौमुदी (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० काव्यांग, नायिकाभेद आदि ।

(क) प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर ।→०५–६५ ।

(ख) प्रा०—कुँवर महमसिंह, गौरहार ।→०६–४६ ए ।

रसखान—शाही खानदान के एक पठान सरदार । अनंतर गोसाँई विट्ठलनाथ जी के शिष्य हो गए थे । उच्चकोटि के कवि । र० का० सं० १६४० के लगभग ।

कवित्त (पद्य)→४१–२१६ क ।

दानलीला (पद्य)→४१-२१६ ख ।

रसखान संग्रह (पद्य)→३२–१८५; ३५–८४ ।

सवैया (पद्य)→२३–३५५ ।

रसखान संग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'कक्हरा रसखान' । रसखान कृत । वि० शृंगार ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–१८५ ।

(ख) प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद भट्ट, लाल दरवाजा, मथुरा ।→३५–८४ ।

रसगाहक→'नसरुल्लाखाँ' (सूरति मिश्र के आश्रयदाता) ।

रसगाहकचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'जोरावरप्रकाश' और 'रसिकप्रिया की टीका' ।

सूरति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६१। वि० केशव कृत रसिकप्रिया की टीका।

(क) लि० का० सं० १७६१।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६–४७४ जी।

(ख) लि० का० सं० १८४२।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६–३१४ ए।

(ग) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–२४३ ए (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा (दतिया)।→०६–२४३ डी (विवरण अप्राप्त)।

(ङ) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—श्री रमणलाल हरिचंद चौधरी, बाजार कोसी (मथुरा)।→१७–१८६ ए।

(च) प्रा०—ठा० हनुमानप्रसाद, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव)। → २६-४७४ एफ।

(छ)→पं० २२-१०६।

रसचंद—जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' और विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–६८ (दो); ०४–७२ (एक)।

रसचंद्रिका (गद्यपद्य)—ईसवीखाँ (नवाब) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० बिहारी सतसई के दोहों का अकारादि क्रम, टीका तथा अलंकार निरूपण।

(क) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। →सं० ०४–२०।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१४ क।

(ग) प्रा० –रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१४ ख।

रसचंद्रिका (पद्य)—टोडरमल (मल्ल कवि) कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा० पं० दुर्गादत्त अवस्थी, कंपिला (फरुखाबाद)।→१७–१६४।

रसचंद्रिका (पद्य)—दौलतराम कृत। वि० कृष्ण और शिव की स्तुति।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२–४६।

रसचंद्रिका (पद्य)—बालकृष्ण कृत। वि० रस वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१८७।

रसचंद्रिका (पद्य) बंशमनि (वंशराज) कृत। वि० नायिकाभेद के क्रम से बिहारी के दोहों पर कवित्त और सवैये।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४६।

रसचंद्रोदय (पद्य)—अन्य नाम 'रतिविनोद रस चंद्रिका,' 'रसदीप (काव्य)', 'विनोद-चंद्रिका' और 'विनोदचंद्रोदय'। उदयनाथ (कवींद्र) कृत। र० का० सं० १७६६ (?)। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८०४ ।

प्रा०—रेतू छन्नूलाल जी, गोकुल (मथुरा) ।→१२-१६२ ।

(ख) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-११८ ।

(ग) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी ।→०६-२४६ (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) लि० का० सं० १९१३ ।

प्रा०—पं० अवधेश पांडे, खँभरिहा पाँड़ेन की, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→ २३-४३५ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १९३० ।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर ।→०५-३ ।

(च) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी ।→०३-४२; ०४-२८ ।

(छ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) । → २३-६० सी ।

(ज) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-४३५ बी ।

टि० प्रस्तुत पुस्तक खो० वि० ०३-४२; २३-६० सी पर भ्रम से आश्रयदाता गुरुदत्तसिंह के नाम पर उल्लिखित है ।

रसजान→'रसजानिदास' ('भागवत भाषा' के रचयिता) ।

रसजानिदास—संभवतः प्रियादास के शिष्य । सं० १८०७ के लगभग वर्तमान ।

भागवत (भाषा) (पद्य)→०१-६४; १२-१५०; २६-२६४ ए से एम तक ।

रसतरंग (पद्य)—खुशीलाल कृत । र० का० सं० १९२५ । लि० का० सं० १९४० । वि० शृंगार ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, डा० बेहटागोकुल (हरदोई) ।→२६-१६७ ।

रसतरंग (पद्य)—सेनापति कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० शृंगार ।

प्रा०—श्री माधोराम गोवर्द्धनदास दालवाले, मथुरा ।→१२-१७१ ।

टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवतः 'कविरत्नाकर' का एक अंश है ।

रसतरंगिणी (पद्य)—प्राणनाथ कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० शृंगार और भगवतप्रेम आदि ।

प्रा०—पं० श्रीनारायणप्रसाद, माढ़री, डा० तिलियानी (मैनपुरी) ।→३२-१६८ ।

रसतरंगिणी (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नौ रसों का विवेचन ।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४०२ ।

रसतरंगिनी (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १७११ । लि० का० सं० १७७८ । वि० भानुकृत संस्कृत ग्रंथ 'रसतरंगिनी' का अनुवाद ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ ड' ।

रसतरंगिनो (पद्य) -सुवंश (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १८६५। वि० रस और नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४७५ एफ।

रसदर्पण (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८४५। वि० नौ रसों की व्याख्या।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२-१६७ डी।

रसदीप (काव्य)→'रसचंद्रोदय' (उदयनाथ 'कवींद्र' कृत)।

रसदीपक (पद्य)—खरगराय कृत। र० का० सं० १७६५। वि० रस वर्णन।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ ए।

रसदीपक (पद्य)—बदन (कवि) कृत। र० का० सं० १८०८। लि० का० सं० १८८८। वि० रस और नायिकाभेद।

प्रा०—लाला भगवानदीन, छतरपुर।→०४-५७।

रसधमार (पद्य)—अलीमुहिब्ब खाँ (प्रीतम) कृत। र० का० सं० १७६७। लि० का० सं० १८००। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१०।

रसनिधि—संभवतः दतियावाले पृथ्वीसिंह। सेउहाँ (सेहुड़ा ?) के जागीरदार।

बलदेवषटक (पद्य)→सं० ०१-३२२।

रसनिधि→पृथ्वीसिंह (राजा)' ('अरिल्लें' आदि के रचयिता)।

रसनिधि की अरिल्ल और माँझ→'अरिल्लें' (राजा पृथ्वीसिंह कृत)।

रसनिधि की कविता (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० शृंगार।

प्रा० दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ एन, आई।

रसनिधि के दोहा, दोहरा या दोहों का संग्रह→'दोहा' (राजा पृथ्वीसिंह उप० रसनिधि कृत)।

रसनिधिसागर (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० कृष्ण चरित्र।

(क) लि० का० सं० १८११।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ एफ।

(ख) लि० का० सं० १८१४।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ जी।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→०६- ५ पी।

रसनिरूपण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० काव्य रस का विवेचन।

प्रा०—पं० श्रीपतिलाल दूबे, बमरौलीकटारा (आगरा)। →२६-८७ (परि०३)।

रसनिवास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८३६। लि० का० सं० १६२०। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२१७ ए (विवरण अप्राप्त)।

रसपचीसी (पद्य)—रामहरि (जौहरी) कृत। र० का० सं० १८३५। लि० का० सं० १८३५। वि० वंदना तथा राधा जी का शृंगार।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ ए ।

रसपद (पद्य)—पीतांबरदास कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—श्री हरिश्चंद्र पटवारी, कोसी (मथुरा) ।→३२-१६५ बी ।

रसपयोधि (पद्य)—टीकाराम कृत । र० का० सं० १८५१ । वि० रस और नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० रामनारायण ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-१८८ ।

रसपायनायक (पद्य)—राजसिंह कृत । वि० शृंगार और इतिहास ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-७३ ।

रसपियूषनिधि (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० पिंगल, रस, अलंकार, और नायिकाभेद आदि ।

(क) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—श्री नवनीत चौबे, कविरत्न, मारूगली, मथुरा ।→१७-१७६ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—श्री ब्रजवासीलाल चौबे, विश्रामघाट, मथुरा ।→०६-२६८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-३६६ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—टा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३६६ बी ।

(ङ)→पं० २२-१०३ ।

रसपुंज—सेवक ब्राह्मण । जोधपुर नरेश अभयसिंह के आश्रित । सं० १७६० के लगभग वर्तमान । जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' तथा विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में भी संगृहीत ।→०२-६८ (एक); ०२-७२ (दो) ।

कवित्त श्रीमाताजी रा (पद्य)→०२ ८१ ।

रसपुंज (पद्य)–सुंदरकुँवरि कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० राधाकृष्ण का प्रेम और विलास ।

प्रा०–साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर) ।→०१-१०१ ।

रसप्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (भट्ट) कृत । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—कवि नवनीत जी चौबे, मथुरा ।→१७-७६ ।

रसप्रक्रिया (गद्य)—बिहारीलाल कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-५४ ।

रसप्रदीप (गद्य)—प्राणनाथ (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १८८३ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० रामजियावन, बिलंडा डा० हँसुआ (फतेहपुर) ।→२०-१३० ए ।

रसप्रबोध (पद्य)—गुलामनबी (रसलीन) कृत । र० का० सं० १७६८ । वि० नायिकाभेद इत्यादि ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-१४० बी।

(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५-१६।

(ग) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, सैदापुर, डा० नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-१४० सी।

(घ) प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६-१६६ (विवरण अप्राप्त)।

(ङ) प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, धेनुगावाँ (बस्ती)।→सं० ०४-७३।

रसप्रसून→'फूलचेतनी' (गुरुदास कृत)।

रसप्रेमपचीसी (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० सं० १७१५। वि० भगवतप्रेम का उपदेश।

प्रा०—ठा० बेचूसिंह, उमरा, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३-२०६ बी।

रसबल्ली (पद्य)—गणेश कृत। र० का० सं० १८१८। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-८२।

(ख) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-११२।

रसबोध (पद्य)—वीर (कवि) कृत। र० का० सं० १६१७। वि० महाराज नरेंद्रसिंह (पटियाला नरेश) की प्रशंसा।→पं० २२-१५।

रसभूषण (पद्य)—तुलसीदास कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० नवरस।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-३३६ (विवरण अप्राप्त)।

रसभूषण (पद्य)—याकूब खाँ कृत। वि० अलंकार और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८३७।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३४५ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर।→०५-७१।

रसभूषण (पद्य)—रामनाथ (बाजपेयी) कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६३।

रसभूषण (पद्य)—शिवप्रसादराय कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६७। वि० रसालंकार आदि।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१०६।

रसमंजरी—वास्तविक नाम संभवतः नारायणदास।

अष्टयाम (पद्य)→१२-१५२।

रसमंजरी (गद्यपद्य)—चिंतामणि कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–११० (विवरण अप्राप्त) ।

रसमंजरी (पद्य)—दंपताचार्य कृत । लि० का० सं० १६३१ । वि० राम जानकी का विहार ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–५४ ।

रसमंजरी (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण की एकांत क्रीड़ा ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–११७ घ ।

रसमंजरी (पद्य)—नंददास कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–२०८ई ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१७५ ख ।

रसमंजरी (पद्य)—रघुनाथ कृत । वि० नायिकाभेद आदि । (संस्कृत ग्रंथ 'रसमंजरी' का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १७४१ ।

प्रा०—ठा० विक्रमासिंह, रायपुर सासन, डा० तौरा (उन्नाव) ।→२६–३६७ ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३१४ ।

रसमंजरी (पद्य)—रामनिवास (तिवारी) कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री सोमेश्वरनाथ दूबे, खानपुर (इलाहाबाद) ।→१७–१५३ ।

रसमंजरी (पद्य)—सनेहीराम कृत । लि० का० सं० १६११ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—राजा साहबबहादुर जी, प्रतापगढ़ ।→०६–२७५ ।

रसमंजरी (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १८६६ । वि० नायिकाभेद और रस ।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–४७५ ई ।

रसमंजरी (पद्य)—हरिवंश (टंडन) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १७०६ ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामवन (भरतपुर) ।→३८–६१ ।

(ख) लि० का० सं० १८०७ ।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, गाजीपुर ।→०६–२५० बी ।

(ग) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–२१२ ।

टि० खो० वि० ०६–२५० बी पर रामानंद का उल्लेख भूल से हुआ है ।

रसमंजरी (गद्यपद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→ २३–१६६ बी ।

रसमंजूषा (गद्य)—द्वारिकाप्रसाद (तिवारी) कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—श्री रामनाथ शर्मा वैद्य, मीरपुर, डा० मल्लाँवाँ (हरदोई)। → २६-६६ बी।

(ख) प्रा०—पं० रामजीवन मिश्र वैद्य, लालामऊ, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६-६६ ए।

रसमणिका (?)→'रसमालिका' (रामचरणदास कृत)।

रसमय ग्रंथ (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। र० का० सं० १८१७। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० सं० १८१८।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१२२।

(ख) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५२।

रसमसाल (पद्य)—गिरिधर कृत। लि० का० सं० १६३४। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-६२।

रसमहोदधि (पद्य)—हरिकृष्ण (कृष्णदास) कृत। र० का० सं० १६०७। लि० का० सं० १६४१। वि० गो० गिरिधरलाल जी का चरित्र वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४८०।

रसमाल→'जानकीरसिकशरण' ('अवधिसागर' के रचयिता)।

रसमालिका (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८४४। वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति आदि।

(क) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-४४।

(ख) प्रा०—महंत जानकीशरण, अयोध्या।→०६-२४५ सी।

(ग) प्रा० नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३२७ घ।

(घ) प्रा०—ठा० शिवबहादुरसिंह, सैवसी, डा० शाहमऊ (रायबरेली)। → सं० ०४-३२७ ङ।

रसमुक्तावली लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण की आठों पहर की दिनचर्या।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-२०।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५६ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६-७३ ओ।

(घ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५०७ ढ (अप्र०)।

रसमूल (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८३३। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-११३।

रसमृगांक (पद्य)—जगतसिंह कृत। र० का० सं० १८६३। लि० का० सं० १८६३। वि० रस, अलंकार आदि।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३-१७६ के ।

रसमोदक (पद्य)—अस्कंधगिरि (कुँवर) कृत । र० का० सं० १६०५ । लि० का० सं० १६०५ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर । → ०५-३२ ।

रसरंग (पद्य)—काह्न (कवि) कृत । र० का० सं० १८०२ । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, घेरा, श्रीराधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) ।→ २६-१८३ ।

(ख) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा० श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१०७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रावि० हाइजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४-२८ ।

रसरंग (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । र० का० सं० १६०४ । वि० रस और नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, मथुरा ।→३२-७३ डी ।

(ख) लि० का० सं० १६५४ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर । → ०५-११ ।

रसरंग (पद्य)—हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि कृत । र० का० सं० १८७४ । लि० का० सं० १६०१ । वि० रस वर्णन ।

प्रा०—श्री लखपतराय श्रीवास्तव, कायस्थ पुस्तकालय, मल्हौसी (इटावा) । →सं० १०-१४६ ।

रसरंगनायिका→'रसरंग' (काह्न कवि कृत) ।

रसरंजन (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत । र० का० सं० १८४३ । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—श्री रामनारायण पटवारी, हरपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६-३११ ।

(ख) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-५६४ (अप्र०) ।

(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-३६३ बी ।

(घ) प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, टड़वा, डा० इंदामऊ (उन्नाव) ।→२६-४४६ ए ।

(ङ) प्रा०—ठा० रामनारायणसिंह, चाँदपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६-४४६ बी ।

(च) प्रा०—श्री देवीप्रसाद शास्त्री, सकटिया, डा० महोली (सीतापुर)।→ २६–४४६ सी।

(छ) प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी, गंगापुत्र, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४४६ डी।

(ज) प्रा०—श्री रामभरोसेसिंह, सुलतानपुर, डा० राजेपुर (उन्नाव)। → २६–४४६ ई।

रसरतन (पद्य)—पुहकर (पोहकर) कृत। र० का० सं० १६७३ (१६७५)। वि० विजयपाल की कन्या रंभावती और सूरसेन की कथा।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—श्री हनुमत जी, मिरदहा, चरखारी। ×०६–२०८ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह जी, छतरपुर।→०५–४८।

(ग) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन बी० ए०, एल एल० बी०, वकील, इलाहाबाद।→ १७–१४०।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →२०–१२८।

(ङ)→पं० २२–८४।

रसरत्न (पद्य)—भूपति (गुरुदत्तसिंह) कृत। र० का० सं० १७८८। वि० रस, अलंकार आदि।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)।→२३–६० डी।

(ख) प्रा०—श्री शिवकुमार द्विवेदी, भनगढ़ रियासत (प्रतापगढ़)। → सं० ०४–२६८।

रसरत्न (पद्य)—माचार कृत। वि० अलंकार, रस और काव्य विवेचन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४ ४०७।

रसरत्न (पद्य)—अन्य नाम 'रसरत्नमाला' और 'रसरत्नाकर'। सूरति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६८। वि० शृंगार रस।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६६।

(ख) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—श्री सेवकमल, जोधपुर।→०१–८६।

(ग) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ। → २६–४७४ एच।

(घ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१६० ।

(ङ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२४३ बी (विवरण अप्राप्त) ।

रसरत्नमंजरी (पद्य)—प्रियासखी (जानकीचरण) कृत । वि० राम जानकी का विहार ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-२३२ ।

रसरत्नमाला→'रसरत्न' (सूरति मिश्र कृत) ।

रसरत्नाकर (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १८८१ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—श्री नागेश्वरबख्शप्रमोद, तुनरा, लाम्हा (सुलतानपुर) ।→२३-८६ बी ।

रसरत्नाकर (पद्य)—निंब (कवि) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-२५२ ए ।

रसरत्नाकर (पद्य)—नित्यनाथ कृत । वि० तंत्र मंत्र ।

(क) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरकनगर, डा० निगोहाँ (लखनऊ) । → २६-२५५ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—श्री रेवतीराम शर्मा, कमतरी (आगरा) ।→२६-२५५ डी ।

(ग) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिया, डा० करहल (मैनपुरी) ।→ दि० ३१-६३ बी ।

रसरत्नाकर (गद्यपद्य)—निरमल (कवि) कृत । र० का० सं० १७७३ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री रामधारी चौबे, पैना, डा० बरहज (गोरखपुर) ।→सं० ०१-१६५ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—भौन (कवि) कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० नायिकाभेद और नवरस ।

(क) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→१२-२२ ।

(ख) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-५२ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराजपुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→ सं० ०४-२७२ ।

(घ) प्रा०—ठा० मौलाबख्शसिंह, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ २३-५२ बी ।

रसरत्नाकर—सिद्धनाथ कृत । वि० वैद्यक ।→पं० २२-१०२ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८६२ । वि० नायिकाभेद और नवरस वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६१ ।

रसरत्नाकर (पद्य)—अन्य नाम 'रसरत्नागार' । सैयद पहाड़ कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-३६८ ।

(ख) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६-३०५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६-२७३ ।

रसरत्नाकर→हितरूपलाल (गोस्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५८ आई ।

रसरत्नाकर→'रसरत्न' (सूरति मिश्र कृत) ।

रसरत्नागार→'रसरत्नाकर' (सैयद पहाड़ कृत) ।

रसरत्नावली (पद्य)—मणिमंडन (मंडन) कृत । वि० नवरस वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १७७० ।

प्रा०—बाबा शिवपुरी, कश्मीरी मुहल्ला, लखनऊ ।→२६-२६२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १७८८ ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-१७६ ।

(ग) लि० का० सं० १८०२ ।

प्रा०—पं० रघुवीरचरण मिश्र, बिल्हौर (कानपुर) ।→२६-२६२ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८०७ ।

प्रा०—श्री रामभरोसेसिंह, सुलतानपुर, डा० राजेपुर (उन्नाव) ।→२६-२६२ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, धारानगरी, डा० धौरहरा (लखीमपुर) । → २६-२६२ डी ।

(च) प्रा०—पं० गंगाप्रसाद शुक्ल, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१०३ ।

(छ) प्रा०—पं० कमलाकांत, जिमासो (रायबरेली) ।→२३-२६५ ।

रसरत्नावली लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण राधा विहार ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी ।→००-१० ।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६-७२ क्यू ।

रसरसार्णव→'मरदानरसार्णव' (सुखदेव मिश्र कृत) ।

रसरहस्य (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७२७ । वि० काव्यांग वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७-१६ ।

(ख) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—लाला सुखीलाल रामप्रसाद, कसेरा बाजार, नवाबगंज, बाराबंकी । → २३–२२८ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक' लखनऊ ।→२३–२२८ बी ।
(घ) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–२५० ए ।
(ङ) लि० का० सं० १६५२ ।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–२५० बी ।
(च) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३–५१ ।
(छ) प्रा०—श्री शिवलाल वाजपेयी, पं० कन्हैयालाल महापात्र भट्ट, असनी (फतेहपुर) ।→२०–८६ ए ।
(ज) प्रा०—पं० रूपनाथ पांडे, लक्ष्मण घाट, अयोध्या ।→२०–८६ बी ।
(झ) प्रा०—श्री बाबूलाल, गुरागंज, रायबरेली ।→२१–२२८ सी ।
(ञ) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद पांडेय, अध्यापक, हाईस्कूल, प्रतापगढ़ । → २६–२५० सी ।
(ट)→पं० २२–५७ ।

रसराज (पद्य)—मतिराम कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० रस और नायिकाभेद ।
(क) लि० का० सं० १७८० ।
प्रा०—पं० शशिशेखर शुक्ल कणिजही, शिवलाल राम पंडित का पुरवा (इटौंजा पश्चिम), डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–२७६ एफ ।
(ख) लि० का० सं० १७६० ।
प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव) ।→सं० ०४–२७६ क ।
(ग) लि० का० सं० १८०६ ।
प्रा०—श्री नारायण जी, तरमुरारपुर, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६–३०० डी ।
(घ) लि० का० सं० १८३४ ।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, रायमरदी, डा० तंबौर (सीतापुर) ।→२६–३०० ई ।
(ङ) लि० का० सं० १८४८ ।
प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर ।→०१–६७ ।
(च) लि० का० सं० १८५१ ।
प्रा०—श्री शिवबालकराम, कपुरीपुर, डा० करिया (रायबरेली) । → सं० ०४–२७१ ख ।
(छ) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६६ ए (विवरण अप्राप्त ।

(भ) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—पं० रघुनाथप्रसाद चौबे, इटावा ।→२३-२७६ जी ।
(झ) लि० का० सं० १८६७ ।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६-३०० एफ ।
(ञ) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) । → २३-२७६ एच ।
(ट) लि० का० सं० १६०१ ।
प्रा०—लाला भागवतप्रसाद, सधवापुर, डा० सिसैया (बहराइच) । → २३-२७६ आई ।
(ठ) लि० का० सं० १६२०
प्रा०—ठा० जसकरणसिंह, बिजनौर (लखनऊ) ।→२६-३०० जी ।
(ड) लि० का० सं० १६४० ।
प्रा०—ठा० हरिबख्शसिंह, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→२६-३०० एच ।
(ढ) प्रा०—बाबू काशीप्रसाद, वाराणसी । →००-४० ।
(ण) प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१०५ बी ।
(त) प्रा०—ठा० वसंतसिंह, उदवा, डा० शाहमऊ (रायबरेली) । → २३-२७६ जे ।
(थ) प्रा०—श्री परमात्माशरण, ट्योंगा, प्रतापगढ़ ।→२६-३०० आई ।
(द) प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-३०० जे ।
(ध)→पं० २२-६४ बी ।

रसराज की टीका (गद्यपद्य)—बख्तेश कृत । र० का० सं० १८२२ । वि० मतिराम के 'रसराज' की टीका ।
(क) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर ।→०६-७ ।
(ख) लि० का० सं० १६१६ ।→पं० २२-१० ।

रसराजतिलक (गद्यपद्य)—प्रतापसाहि कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० मतिराम कृत 'रसराज' की टीका ।
प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी ।→०६-६' जी ।

रसरासि—वास्तविक नाम रामनारायण । जयपुर निवासी ब्राह्मण । रामानुज संप्रदाय के अनुयायी । जयपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह के दीवान जीवरखसिंह के आश्रित । सं० १८२७ के लगभग वर्तमान ।
कवित्तरत्नमालिका (पद्य)→०१-६३ ।
रसिकपच्चीसी (पद्य)→सं० ०१-३२३ ।

रसरासिपच्चीसी→'रसिकपच्चीसी' (रसरासि कृत) ।

रसरूप—जन्मकाल सं० १७८८। इन्हें सुकवि की उपाधि मिली थी। संस्कृत और फारसी के विद्वान। सं० १८११ के लगभग कविताकाल।

उपालंभशतक (पद्य)→०६–२६१; २६–४०३।

तुलसीभूषण (पद्य)→०४–११: सं० ०१–३२४।

शिखनख (पद्य)→०५–७६।

रसरूप (पद्य)—सरस्वती कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० रसों का वर्णन।

प्रा०—पं० रामचंद्र सारस्वत, छीतमटोला, बियाना (भरतपुर)।→२८–१३७।

रसललित (पद्य)—केशवराय कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–१४६।

रसलीन→'गुलामनबी' (बिलग्राम हरदोई निवासी)।

रसलीला (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण का चरित्र।

प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२–४६ आई।

रसवल्ली (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। र० का० सं० १८१८। लि० का० सं० १६४१। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। → सं० ०४–५६।

रसविनोद (गद्यपद्य)—ताहिर (अहमद) कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३–१; ४१–२७१ (अप्र०)।

रसविनोद (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२१७ बी (विवरण अप्राप्त)।

रसविलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र० का० सं० १७८३। वि० नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १६२१।

प्रा०—टा० वीरसिंह, भूदरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–८६ यू।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–७।

रसविलास (पद्य)—पीतांबर कृत। र० का० सं० १७०२। लि० का० सं० १६३४। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—सिंधी कृष्णसिंह महाजन, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२–१२८।

रसविलास (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। र० का० सं० १८७४। वि० रस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२ १६।

(ख) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली डा० सिधौली (सीतापुर) । →१३-३८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९५३ ।

प्रा० —श्री कृष्णविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) । → सं० ०४–२४३ क ।

रसविवाह भोजन (पद्य) – परमानंद (हित) कृत । लि० का० सं० १८२९ । वि० विवाहोत्सव में भोजन के समय के गीत ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२०४ ई (विवरण अप्राप्त) ।

रसविवेक (पद्य)—बलिराम कृत । र० का० सं० १७३३ । वि० रस, काव्य तथा काव्य रचना वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–२१ ।

रसविहारलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण विहार ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१५१ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी । → ००–१३ (पाँच) ।

(ग) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । → ०६–७१ वाई ।

रसवृंद (गद्यपद्य)—भानु (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८५० । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३–५० ।

रसवृष्टि (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत । वि० रस, नायिकाभेद आदि ।

(क) प्रा०—पं० अवधेश पांडेय, खमरिहा, डा० बरनापुर (बहराइच) । → २३–३९३ ए ।

(ख)→पं० २२–१०० ।

रसशिरोमणि (पद्य)—मनमोहन कृत । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० लक्ष्मणवल्लभ पांडेय, बी० एस० सी०, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→ २० १०२ ।

रसशिरोमणि (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १८३० । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १८३९ ।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद । → ४१–५५३ ख (अप्र०) ।

(ख) प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१४९ बी ।

(ग) प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६–३९६ सी ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२३० क।

रसशृंगार (पद्य)—भारती कृत। वि० शृंगार रस।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०२-११।

रसशृंगारसमुद्र (पद्य)—बेनीप्रसाद कृत। र० का० सं० १७६५। लि० का० सं० १८६३। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-२१।

रससंग्रह (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१६। वि० रस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—ठा० यदुनाथबक्शसिंह, हरिहरपुर (बहराइच)।→२३-२८८ सी।

(ख) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)।→२३-२८८ डी।

रससरोज (पद्य)—दामोदरदेव कृत। र० का० सं० १६२३। वि० अलंकार।

प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुर दरवाजा, टीकमगढ़।→०६-२४ ए।

रससागर (पद्य)—गोपालराय कृत। र० का० सं० १८८७। वि० नायिकाभेद।

(क) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ बी।

(ख)→पं० २२-३२ सी।

रससागर (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। लि० का० सं० १८१६। वि० विनय।

प्रा०—गो० राधाचरण जी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५३।

रससागर (पद्य)—अन्य नाम 'दंपतिविलास'। बलवीर कृत। र० का० सं० १७१६। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६-३८ सी।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, चौगाँवा, डा० मल्लाँवाँ हरदोई)।→२६-२२ बी।

(ग) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० सुखनंदन बाजपेयी, कुतुबनगर, सीतापुर।→२३-३४ ए।

(घ) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० शिवदयाल ब्रह्मभट्ट, मुहम्मदपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)। → २६-२२ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—ठा० मन्नासिंह, शरबतपुर, डा० कुतुबनगर (सीतापुर)।→२६-३८ डी।

(च) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—पं० गंगादीन कवि, समरहा, डा० घाटमपुर (उन्नाव)।→२६-३८ ई।

(छ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–२८ ।

रससागर (पद्य)—शिवराज (महापात्र) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० नायिकाभेद और नवरस वर्णन ।

प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–३८६ ख

रससागर (पद्य)—सैयद पहाड़ कृत । लि० का० सं० १९१२ । वि० रसायन ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हँड़िया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–४७०

रससार (पद्य)—अन्य नाम 'बानी' । रसिकदास कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १९५५ ।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५४ बी ।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर । → ०६–२१८ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—श्री हंसबहादुर वैश्य, बोधीपुर (रायबरेली) →२३–३५७ ए ।

रससार→'रससारांश' (भिखारीदास कृत) ।

रससार (ग्रंथ) (पद्य)—सैयद पहाड़ कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०६–३०५ सी (विवरण अप्राप्त) ।

रससारसंग्रह (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० स्वामी ध्रुवदास जी की ब्यालीस लीलाओं (ग्रंथों) के भाव ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१३५ ।

रससारांश (पद्य)—अन्य नाम 'रससार' । भिखारीदास (दास) कृत । र० का० सं० १७९१ । वि० नवरस वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४३ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–२१ ।

(ख) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री ललताप्रसाद पांडेय, सदहा, डा० रेंहीगागपुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४ २६१ च ।

(ग) लि० का० सं० १८९१ ।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तम उपध्याय, शेखपुरा, डा० तेजीबाजार (जौनपुर) ।→ सं० ०४–२६१ छ ।

(घ) लि० का० सं० १९१० ।

प्रा०—श्री चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–२६१ ज ।

(ङ) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—पं० भगीरथप्रसाद, उसका (प्रतापगढ़) ।→२६–६१ जे ।

(च) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६-६१ के

(छ) लि० का० सं० १६४२ ।

प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-५५ एफ ।

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-४५ ।

(झ) प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह, तालुकेदार, कोथराकलाँ (सुलतानपुर) । →२३-५५ जी ।

रससारिणी (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० नायिका-भेद और नवरस वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । → २६-२०७ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे दूबे, रामनगर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर) । → २६-२६७ एच ।

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, सुदीकपुरा, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) । →सं० ०१-२८३ ख ।

(घ) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुरी, डा० धम्मौर (सुलतानपुर) । → सं० ०१-२८३ क ।

(ङ) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा० · राज पुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़ ।→सं० ०४-२६३ च ।

(छ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-२६३ ङ ।

रससिंधु—वास्तविक नाम श्रीकृष्ण लाला । काशीस्थ गोपाल मंदिर के गो० गिरिधर महाराज की पुत्री श्यामा बेटी के पुत्र । सं० १६३० के लगभग वर्तमान ।

षट्ऋतुमार्तंड (गद्यपद्य)→सं० ०१-३२५ ।

रससिंधु (गद्य)—महाबदास (वैष्णव) कृत । लि० सं० १८३५ । वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांतों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२८१ क ख ।

रससिंधु—'कमलनयन' ('रामसिंह मुखारविंद मकरंद' के रचयिता) ।

रसहीरावली लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण लीला ।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । → ०६-७३ पी ।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-५०७ ग (अप्र०) ।

(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-१७४ च ।

रसानंद—भट्ट । गोकुल निवासी । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । विट्ठलेश के शिष्य । भरतपुर नरेश महाराज बलवंतसिंह के आश्रित । सं० १८८६ के लगभग वर्तमान ।

बारहमासी (पद्य)→सं० ०१-३२६ ख ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→सं० ०१-३२६ क ।

ब्रजेंद्रप्रकाश (पद्य)→पं० २२-६५; ४१-२१७ ।

संग्रामरत्नाकर (पद्य)→०६-२६० ।

रसानंदलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । र० का० सं० १६८५ । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । → ०६-७३ ए ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली । → सं० ०१-१७४ ङ ।

रसानुराग (पद्य)—प्रयागीलाल (तीर्थराज) कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३५ । वि० नायिकाभेद आदि ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर ।→०५-५१ ।

रसायन (पद्य)—सेनापति कृत । वि० रामचंद्र जी की प्रार्थना, स्तुति आदि ।

प्रा०—श्री चुन्नीलाल, ताजपुरा, मथुरा ।→२२-१६६ बी ।

रसायन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा) । → २६-५३६ ।

रसाल→'अँगनेराय' ('बारहमासा' के रचयिता) ।

रसाल→'स्वरूपदास' ('पांडवयशेंदुचंद्रिका' के रचयिता) ।

रसालगिरि→'रिसालगिरि' ('बदरा' के रचयिता) ।

रसालगिरि (गोसाँई)—मैनपुरी निवासी । गो० मेदिनीगिरि के शिष्य । अंत समय में सन्यासी होकर मथुरा में रहने लगे थे । वहीं के सेठ लेखराज की प्रेरणा से ग्रंथ रचना की । मृत्यु सं० १८८३ । सं० १८७४ के लगभग वर्तमान ।

वैद्यप्रकाश (गद्यपद्य)→०६-२५६ ए; २३-३५६ ।

स्वरोदय (पद्य)→०६-२५१ बी ।

रसालै (रसालय) (पद्य)—लालमनि कृत । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१-२४५ ।

रसिक—(?)

दानलीला (पद्य)→सं० ०१-३२७; सं० ०७-१६२ ।

रसिक—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (बाईस)।

रसिक→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महंत)।

रसिकअनन्य (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के भक्तों की नामावली।

(क) प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१६६ पी।

(ख) प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→३८-२३२ एल।

रसिकअनन्य प्रचावली→'रसिकअनन्य' (हित वृंदावनदास चाचा कृत)।

रसिकअनन्यमाल (पद्य)—भगवतमुदित कृत। लि० का० सं० १८७४। वि० हित हरिवंश तथा उनके शिष्यों का वर्णन।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-२३ सी।

रसिकअनन्यसार (पद्य)—अन्य नाम 'अनन्यसार'। जतनलाल कृत। वि० हितहरिवंश का जीवन वृत्त और वंशावली।

(क) लि० का सं० १८६१।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-१३७।

(ख) प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ, उन्नाय।→सं० ०४-११०।

रसिकअलि→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महंत)।

रसिकगोविंद—अन्य नाम श्रीरसिकगोविंद। वास्तविक नाम गोविंद। जाति के नटानी। जयपुर निवासी। अनंतर विरक्त होकर वृंदावन में रहने लगे थे। शालिग्राम के पुत्र और जादोदास के पौत्र। माता का नाम गुमाना। बड़े भाई का नाम बालमुकुंद। सर्वेश्वरशरण के शिष्य। निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी। कविताकाल सं० १८५८-१८६०।

अष्टदेश (भाषा) (पद्य)→०६-१२२ बी।

उत्सवावली (गद्यपद्य)→३५-३१।

कलियुगरासो (पद्य)→०६-१२२ डी; ०६-२६३ बी।

गोविंदानंदघन (पद्य)→०६-१२२ ए; १२-६५; पं० २२-२; ३२-१८८।

पिंगल (ग्रंथ) (पद्य)०६-१२२ ई।

युगलरसमाधुरी (पद्य)→०६-१२२ सी; ०६ २६३ ए; १७-१६१; २३-३५८।

रसिकगोविंदचंदचंद्रिका (पद्य)→१७-५।

रामायणसूचनिका (पद्य)→०६-१२२ जी; ३५-८६।

समयप्रबंध (पद्य)→०६-१२२ एफ।

रसिकगोविंदचंद्रचंद्रिका (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत। र० का० सं० १८६०। लि० का० सं० १६१२। वि० अलंकार।
प्रा०—लाला रामानंद हरीचंद चौधरी, कोसी (मथुरा)।→१७–५।

रसिकचरण→'हरिराय' ('नित्यलीला' के रचयिता)।

रसिकदास—उप० रसिकदेव। शांडिल्य ब्राह्मण। स्वामी नरहरिदास के शिष्य। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। जन्म स्थान बुंदेलखंड। अनंतर वृंदावन में रहने लगे।
अतनलता (पद्य)→१२–१५४ एफ।
अद्भुतलता (पद्य)→१२–१५४ जे।
अभिलाषलता (पद्य)→१२–१५४ पी।
अष्टक (पद्य)→१२–१५४ टी।
आनंदलता (पद्य)→१२–१५४ डी।
एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→०६–२१८ ई।
कुंजकौतुक (पद्य)→०२–६८; १२–१५४ डब्ल्यू; ४१–५४६ (अप्र०)।
कृष्णजन्मोत्सव (पद्य)→४१–२१८।
कौतुकलता (पद्य)→१२–१५४ आई।
गिरिराज वर्णन (पद्य)→३२–१८६ ए।
चात्रकलगन (पद्य)→३५–८५ बी।
चारुलता (पद्य)→१२–१५४ एस।
तरंगलता (पद्य)→१२–१५४ एल।
ध्यानलीला (पद्य)→१२–१५४ एक्स।
पूजाविलास (पद्य)→०६–२१८ डी; १७–१६०।
प्रसादलता (पद्य)→०६–२१८ ए।
बाराहसंहिता (पद्य)→१२–१५४ वाई; २३–३५७ सी।
भक्तिसिद्धांतमणि (पद्य)→०६–२१२ सी; १२–१५४ यू।
मनोरथलता (पद्य)→१२–१५४ क्यू।
माधुर्यलता (पद्य)→१२–१५४ ए।
रत्नलता (पद्य)→१२–१५४ जी।
रतिरंगलता (पद्य)→१२–१५४ बो।
रसकदंबचूड़ामणि (पद्य)→०६–२६२।
रससार (पद्य)→०६–२१८ बी; १२–१५४ वी; २३–३५७ ए।
रसिकदासजी के पद (पद्य)→२३–३५७ बी; ३२–१८६ बी।
रसिकसागर (पद्य)→३५–८५ ए।
रसिकाष्टक (पद्य)→१२–१५४ जेड।
रहसलता (पद्य)→१२–१५४ एच।
विनोदलता (पद्य)→१२–१५४ एम।

विलासलता (पद्य)→१२-१५४ के ।
सुआमैना चरित्र लता (पद्य)→१२-१५४ सी ।
सुखसारलता (पद्य)→१२-१५४ आर ।
सौंदर्यलता (पद्य)→१२-१५४ ओ ।
सौभागलता (पद्य)→१२-१५४ एन ।
हुलासलता (पद्य)→१२-१५४ ई ।

रसिकदास—वास्तविक नाम गोपिकालंकार या भट्ट जी महाराज । वल्लभ संप्रदाय के गो० द्वारिकेश जी के पुत्र ।
कीर्तन संग्रह (पद्य)→सं० ०१-३२८ क ।
कीर्तन समूह (पद्य)→सं० ०१-३२८ ख ।

रसिकदास—जतीपुरा (?) के निवासी । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं० १६२७ के लगभग वर्तमान ।
रसिकदास की बानी (पद्य)→३२-१८७ ।

रसिकदास→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता) ।

रसिकदास की बानी (पद्य)—रसिकदास कृत । र० का० सं० १६२७ । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नवा मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१८७ ।

रसिकदासजी के पद (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० भक्ति, उपासना आदि ।
(क) प्रा०—श्री श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३-३५७ बी ।
(ख) प्रा०—श्री राधावल्लभ ब्राह्मण, गिडोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२-१८६ बी ।

रसिकदेव→'रसिकदास' (नरहरिदास के शिष्य) ।

रसिकनिधि→'पृथ्वीसिंह (रसनिधि) ।'

रसिकपचीसी (पद्य)—रसिकराय कृत । वि० कृष्ण का ऊधो द्वारा गोपियों को संदेश ।
(क) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१६३ ।
(ख) प्रा०—पं० मातादीन, खजांची, गौरिहर ।→०६-३१६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

रसिकपचीसी (पद्य)—अन्य नाम 'रसरासिपच्चीसी' । रसरासि कृत । वि० गोपी उद्धव संवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३२३ ।

रसिकप्रकाश भक्तमाल→रसिकसुबोधिनी टीका' (जानकीरसिकशरण कृत) ।

रसिकप्रिया (पद्य)—केशवदास कृत । र० का० सं० १६४८ । वि० रस और नायक नायिका भेद ।

(क) लि० का० सं० १७२२ ।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-४८५ ख (अप्र०) ।
(ख) लि० का० सं० १७३७ ।
प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२३६ एफ ।
(ग) लि० का० सं० १७७४ ।
प्रा०—श्री महावीरप्रसाद दीक्षित, चंदनियाँ (फतेहपुर) ।→२०-८२ सी ।
(घ) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—बकसी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०-१७ क ।
(ङ) लि० का० सं० १६०८ ।
प्रा०—पं० उलफतराय, बसायक नवीस, फतेहाबाद (आगरा) । → २६-१६२ एफ ।
(च) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-८६ ।
(छ) प्रा०—सेठ चंद्रशंकर, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७-६६ ए ।
(ज) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन (भरतपुर) । → १७-६६ बी ।
(झ) प्रा०—पं० शंभुनाथ, बबुरी, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर) ।→ २३-२०७ आई ।
(ञ) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६-२३३ जी ।
(ट) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-४८५ क (अप्र०) ।
(ठ)→पं० २२-५४ ए ।

रसिकप्रिया की टीका→'रसगाहकचंद्रिका' (सूरति मिश्र कृत) ।

रसिकप्रिया की टीका—→'सुख्यविलासिका' (सरदार कवि कृत) ।

रसिकप्रिया तिलक (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'जगतविलास' । जगतसिंह कृत । वि० 'रसिकप्रिया' की टीका ।
(क) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-१६२ ए ।
(ख) प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा राज्य (बहराइच) । → २३-१७६ एच ।
(ग) प्रा०—बाबू पद्मनकर्पसिंह, लबेदपुर (बहराइच) ।→२३-१७६ आई, जे ।

रसिकप्रिया सटीक (पद्य)—कासिम कृत । र० का० सं० १६४८ (?) । वि० केशव कृत 'रसिकप्रिया' की टीका ।→०६-१४७ ।

रसिकप्रीतम—वृंदावन निवासी । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव ।

वृंदावनसत (पद्य)→०६-२६४ ।

रसिकप्रीतम→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता) ।

रसिकबिहारिनदास—टट्टी संप्रदाय के वैष्णव महंत। ललितकिशोरीदास के गुरु। सं० १७५० के लगभग वर्तमान ।→२३-२४६ ।

ब्याहलो (पद्य)→०६-३१८ ।

रसिकबिहारी→'जनकराजकिशोरीशरण' (अयोध्या के वैष्णव महंत) ।

रसिकबिहारीलाल—सं० १६२१ के पूर्व वर्तमान ।

गीता (भाषानुवाद) (पद्य)→०४-५६; ४१-२२० ।

रसिकबोध (गद्यपद्य)–सीताराम (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १६२५। वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—श्री रामप्रतापसिंह, चिलौली, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→३५-६१ ।

(ख) प्रा०—श्री माताप्रसाद उपाध्याय, जगतपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-४१३ ख ।

रसिकमुकुंद—गो० विलासदास के शिष्य। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान ।

अष्टक (पद्य)→१२-१५६ ।

रसिकमोदिनी (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १७६४। वि० वन में विशेषतः व्रज के वन में निवास करने का माहात्म्य ।

(क) लि० का० सं० १८२६ ।

प्रा०—बाबा वंशीदास, श्री नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा) । → ४१-११६ घ (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १८३५ ।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२७३ डी ।

रसिकमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत। र० का० सं० १७६६। वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२३-३२६ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-५६ ।

(ग) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, तालुकेदार, लवेदपुर (बहराइच) । → २३-३२६ ई ।

(घ) प्रा०—श्री देवीदयाल पांडेय, सोहवल, डा० टाड़ीघाट (गाजीपुर) । → सं० ०१-११३ ।

रसिकमोहनराय—अन्य नाम रसिकसेवक। बंगाल के राजा। गोस्वामी प्रभुचंद्र गोपाल

के शिष्य। माधव संप्रदाय के अनुयायी। माधव संप्रदाय के लोग इन्हें चंदसखी का अवतार मानते हैं। अनुमानतः जहाँगीर के समकालीन।→३८-२४।

सेवकबानी (पद्य)→३८-१२५।

रसिकयशवर्द्धनबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२५। वि० भक्ति और ज्ञान।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा।→१७-३४ ए।

रसिकरंजनरामायण (पद्य)—वल्लभ कृत। वि० रामचरित्र।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण पांडेय, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० १०-१२०।

रसिकरंजनो (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८७७। लि० का० सं० १८८३। वि० शृंगार।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-८६ सी।

रसिकरसायन→'विचित्र तथा स्फुट रसायन' (पुरुषोत्तम कृत)।

रसिकरसाल (गद्यपद्य)—कुमारमणि कृत। र० का० सं० १७७६। वि० रस, अलंकार और नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १७७६।

प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मुअज्जमाबाद (फतेहपुर)।→१०-६०।

(ख) लि० का० सं० १६६१।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५-५।

(ग) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-१८६ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा०—ठा० नोनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३-२२६।

रसिकराय—कोई भक्त कवि। सं० १८५२ के पूर्व वर्तमान। 'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→०२-५७ (उनतालीस)।

कवित्त (पद्य)→४१-२१६।

भँवरगीत (पद्य)→०२-३८; ०६-३१६ बी।

रसिकपचीसी (पद्य)→०६-३१६ सी; २०-१६३।

सनेहलीला (पद्य)→०६-३१६ ए; २०-१६४; २६-४०४ ए, बी।

रसिकराय—(?)

कलिचरित्र (पद्य)→सं० ०१-३२६।

रसिकराय→'हरिराय' ('मधुराष्टक की टीका' आदि के रचयिता)।

रसिकराशि (स्वामी)→'रसिकराय' ('रसिकपचीसी' के रचयिता)।

रसिकरूप—(?)

गाँझबत्तीसी (पद्य)→२६-४०५।

रसिकलहरी या कीर्तन (पद्य)—हरिराय कृत। वि० कृष्ण की बाललीला और वल्लभाचार्य की स्तुति।

प्रा०—पं० रमणलाल, राधाकुंड, मथुरा ।→३८–५६ ।

रसिकलाल—अन्य नाम रसिकसुजान । वृंदावन निवासी । राधावल्लभ संप्रदाय के गो० दामोदरहित के शिष्य । सं० १७२४ के लगभग वर्तमान ।→१२–११० ।

करुणानंद (भाषा) (पद्य)→१२–१५७; सं० ०१–३३० ।

रसिकलाल—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव ।

चौरासी की टीका (पद्य)→१२–१५५ ।

रसिकवल्लभशरण—(?)

प्रेमचंद्रिका (पद्य)→१७–१५६ बी ।

युगलसनेहविनोद (पद्य)→१७–१५६ ए ।

रसिकवस्तुप्रकाश (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत । वि० पंचरस, नवधाभक्ति, विरह आदि का वर्णन ।

प्रा०—सारस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१६६ सी ।

रसिकविनोद (गद्यपद्य)—कालीदत्त (नागर) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १९३४ ।

प्रा०—लाला कल्लूमल, गौरियाकलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव) ।→२६–२१५ सी ।

(ख) लि० का० सं० १९७८ ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, इटावा ।→२६–२१५ बी ।

(ग) प्रा०—श्री रघुवरदयाल, अध्यापक मिडिल स्कूल, कबीरचौरा, वाराणसी । →२६–२१५ डी ।

रसिकविनोद (पद्य)—हरिवंशराय कृत । र० का० सं० १८२३ । वि० नायिकाभेद, रस एवं हावभाव वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—ठा० जवाहिरसिंह, खेलई, डा० मुरादाबाद (हरदोई) ।→२६–१४८ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—पं० अमरनाथ, दातारपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–१७४ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—सेठ गोविंदराम भरतराम, अमिलिहा (उन्नाव) ।→२६–१७४ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—ठा० शिवसिंह, हिम्मतपुर, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२६–१७४ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—लाला शिवराम पटवारी, विशुनपुर, डा० जलेसर (एटा) । → २६–१४८ बी ।

(च) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०–पं० शिवदयाल ब्रह्मभट्ट, मुहम्मदपुर, डा० बेनीगंज (उन्नाव) । → २६–१४८ सी ।

रसिकविनोद (ग्रंथ) (पद्य)—चंद्रशेखर कृत। र० का० सं० १६०३। वि० नवरस।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–१०३।

रसिकविनोदिनी (पद्य)—अन्य नाम 'नेहप्रकाशिका टीका'। जनकलाड़िलीशरण कृत। र० का० सं० १६०४। वि० बालअलि जू कृत 'नेहप्रकाश' की टीका।
(क) लि० का० सं० १६२५।
प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६–१३३।
(ख) लि० का० सं० १६२५।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–८२।

रसिकविलास (पद्य)—भोज (भोजराज) कृत। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–५६।

रसिकविलास (पद्य)—वारण (कवि) कृत। र० का० सं० १७२६। लि० का० सं० १७४५। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। → ०५–६३।

रसिकविलास (पद्य)—समनसिंह बख्शी (समनेश) कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १८६६। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२२७ (विवरण अप्राप्त)।

रसिकशिरोमणि→'हरिराय' ('नित्यलीला' के रचयिता)।

रसिकशृंगार (पद्य)—धरनाथ (नाथ कवि) कृत। वि० कृष्ण की दानलीला।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८–५२।

रसिकशृंगार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की दानलीला।
प्रा०—पं० रामनारायन शर्मा, जसराना (मैनपुरी)।→३१–२८४।

रसिकसंजीवनी (पद्य)—दिनेश (पाठक) कृत। र० का० सं० १७२४। वि० रस और नायिकाभेद।
(क) लि० का० सं० १७६४।
प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१०३ ख।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–१०३ क।

रसिकसागर (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० भक्ति और वैराग्य।
प्रा०—श्री रामजी, मँगना, डा० दाऊजी (मथुरा)।→३५–८५ ए।

रसिकसुंदर→'सुंदरलाल' (सुखलाल के पुत्र)।

रसिकसुजान→'रसिकलाल' ('करुणानंद भाषा' के रचयिता)।

रसिकसुबोधिनी टीका (पद्य)—जानकीरसिकशरण कृत। र० का० सं० १६१६। लि० का० सं० १६२१। वि० नाभा जी के भक्तमाल की टीका।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८७।

रसिकसुमति—ब्रज निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। ईश्वरदास के पुत्र। सं० १७८५ में वर्तमान।

अलंकारचंद्रोदय (पद्य)→०६–२६५।

रसिकानंद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–१६१ बी।

(ख) लि० का० सं० १६५०।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००–८४।

रसिकाष्टक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० ईश्वर की प्रार्थना।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५४ जेड।

रसीलेतरंग (पद्य)—गुलजारीलाल (रसीले) कृत। र० का० सं० १६२८। वि० रामलीला।

(क) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—ठा० रामसिंह, देवपुरा, डा० सोरों (एटा)।→२६–१३१।

(ख) लि० का० सं० १६३८।

प्रा०—पं० शोभाराम दूबे, उनियाँकलाँ, मैगलगंज (सीतापुर)।→२६–१५६।

रसूल→'स्वरूपदास' ('पांडवयशेंदुचंद्रिका' के रचयिता)।

रसोईलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पांडे और श्रीकृष्ण की रसोई लीला।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–६५ (परि० ३)।

रहरास—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२–६१ (ग्रेस)।

रहसपचासा (पद्य)—गौरीशंकर कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० कृष्णजी की रासलीला।

प्रा०—पं० शिवविहारी गौड़, जैतपुर, डा० पिलवा (एटा)।→२६–१०२ डी।

रहसलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० आठ सखियों द्वारा राधा जी की सेवा का वर्णन।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →१२–१५४ एच।

रहसलावनी (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६२६। लि० का० सं० १६२६। वि० कृष्ण जी की रासलीला।

प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, समथर।→०६–७६ आर।

(एक अन्य प्रति दतिया के लाला लक्ष्मीप्रसाद के पास है)।

रहसलीला (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—लाला कल्याणसिंह, मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–२८ सी।

रहसलीला (पद्य)—महीपति कृत। र० का० सं० १८१०। लि० का० सं० १९१०। वि० श्रीकृष्ण की दान लीला, मानलीला आदि।
प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह, बाँस का पुरवा, डा० सिरैया (बहराइच)। →२३-२५३।

रहसविलास (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-४६ एच।

रहसमंजरी लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। र० का० सं० १६९८। वि० राधाकृष्ण विहार।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-१२।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। →०६-७३ डी।

रहसि (रहस्य) लता लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-१३ (ग्यारह)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६-७३ ई।

रहस्यचंद्रिका (पद्य)—चरणदास कृत। र० का० सं० १८१८। लि० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण की लीला।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-३७ डी।

रहस्यदर्पण (पद्य)—चरणदास कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण विहार।

रहस्यप्रकाशिका (पद्य)—नारायणदास कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १९११। वि० 'भाषाभूषण' की टीका।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०-११६।

रहस्यभावना (गद्यपद्य)—गोकुलनाथ कृत। लि० का० सं० १९११। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० चतुर्भुज जी, नंदग्राम (मथुरा)।→३२-६५ बी।

रहस्यमंडल (पद्य)—गिरिधारी (गिरिधरदास) कृत। वि० श्रीकृष्णलीला।
प्रा०—पं० केदारनाथ तिवारी, उत्तरपाड़ा, रायबरेली।→२३-१२४ बी।

रहस्योपास्य (ग्रंथ) (पद्य)—कृपासहचरी कृत। वि० राम और सीता का प्रेम।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकाल, दतिया।→०६-२८१ (विवरण अप्राप्त)।

रहीम→'अब्दुर्रहीम खानखाना' (हिंदी के प्रसिद्ध कवि)।

रहोबा जी—कोई संत। संभवतः पंजाबी।
पद (पद्य)→सं० १०-११२।

राँकाबाँका की परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत। वि० राँकाबाँका नामक संतों की परिचयी।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३ ज ।

राँमरछ्या (पद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० शरीर रक्षा विषयक मंत्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३६ ञ ।

राइचंद्र→'रायचंद्र (राइचंद्र)' ('सीताचरित्र' के रचयिता) ।

राकराह्मा खाँ (नवाब)→'बहमन' ('रमल' के रचयिता) ।

राकाबाँका जी—'नामदेव आदि की परची संग्रह' में इनके भी पद संगृहीत हैं। → ०१–१३३ (सात) ।

राखन—ब्राह्मण । पाली (हरदोई) निवासी । शिवगुलाम मिश्र के आश्रित ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→१२–१४२ ।

रागकल्पद्रुम नित्यकीर्तन संग्रह (पद्य)—कृष्णानंदव्यासदेव द्वारा संगृहीत । लि० का० सं० १८६६ । वि० राग रागनियों में भक्तों के पदों का संग्रह ।

प्रा०—पं० रामशंकर, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–२२३ ।

रागगौड़ा (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०–४० के बीच । वि० संगीत ।→ पं० २२–३७ एफ ।

रागज्ञान संग्रह→'रागसार' (हरिविलास कृत) ।

रागनिरूपण (पद्य)—पूरन (मिश्र) कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–४२ ।

रागनिर्णय (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८३५ । वि० रागों का वर्णन ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर नौलखा, डा० हँडिया (इलाहाबाद) । →सं० ०१–१५४ ।

रागप्रकाश (पद्य)—माधवसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १६१५ । वि० संगीत ।

प्रा०—दर्पन सदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१–२६० क ।

रागप्रकाश (पद्य)—श्यामसखे कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन, सिंगारहाट, अयोध्या ।→२०–१६२ ।

रागप्रबोध (पद्य)—नंदलाल कृत । र० का० सं० १८४४ । लि० का० सं० १८६५ । वि० संगीत ।

प्रा०—महंत जनार्दनदास, रामशाला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६–३१६ ।

रागफुलवारी (पद्य)—देवीप्रसाद कृत । र० का० सं० १६०२ । लि० का० सं० १६३२ । वि० कृष्ण की दानलीला और चीरलीला ।

प्रा०—पं० रामसनेही मिश्र, मानिकखेड़ा, डा० फिरोजगंज (एटा) । → २६–८४ बी ।

रागबसंत (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत । वि० श्रीकृष्ण और राम का विहार वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०–१३६ ।

रागबारामास का मंगल (पद्य)—गंगन कृत। वि० विरह शृंगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-५३।

रागमनोहर (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० संगीत।
प्रा०—बाबा मेरूदास, रामकुटी, भीषमपुर, डा० जलेसर (एटा)। → २६-१०७ आई।

रागमाला (पद्य)—कुदरतुल्ला कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० राग रागिनियों का संग्रह।
प्रा०—लाला बालकराम, गोविंदपुर, डा० माधोगंज (हरदोई)।→२६-२०६ सी।

रागमाला (पद्य)—गरति (जन) कृत। र० का० सं० १८५५। लि० का० सं० १८५५। वि० संगीत।
प्रा०—लाला दिलसुखराय, महोली (सीतापुर)।→२६-१३१।

रागमाला (पद्य)—घनश्याम कृत। र० का० सं० १७००। वि० संगीत।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१०२।

रागमाला (पद्य)—तानसेन कृत। वि० संगीत।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-४१।

रागमाला (पद्य)—तारानाथ कृत। वि० संगीत।
प्रा०—शारदासदन पुस्तकालय, रायबरेली।→सं० ०४-१३८।

रागमाला (पद्य)—दुर्जनदास कृत। वि० रामकृष्ण का गुणानुवाद।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१६३ (विवरण अप्राप्त)।

रागमाला (पद्य)—देव (कवि) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० संगीत।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५५ (विवरण अप्राप्त)।

रागमाला (पद्य)—नवलकिशोर कृत। वि० संगीत।→पं० २२-७३।

रागमाला (पद्य)—यशोदानंद (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८१५। वि० संगीत।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३३४।

रागमाला (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० रामचरित्र।
प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरादरवाजा, टीकमगढ़। →०६-२१६ सी (विवरण अप्राप्त)।

रागमाला (पद्य)—व्यास जी कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० संगीत।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-११८ ए।

रागमाला (पद्य)—सूरदास कृत। वि० सूरदास के लगभग एक हजार पदों का संग्रह।
प्रा०—पं०—विद्याराम शर्मा, उगनपुरा, डा० बाह (आगरा)। → २६-३१६ आई।

रागमाला (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, परमानंद आदि) कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—डा० लक्ष्मणसिंह, सुमेरपुर (इटावा)।→३५-२७६।

रागमाला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० श्यामलाल, भरोठा, डा० सोनई (मथुरा) ।→३८–१६२ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० छोटेलाल रासधारी, मुखराई, डा० राधाकुंड (मथुरा) ।→३८–१६१ ।

रागमाला (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद ।→४१–४०३ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–४०४ ।

रागमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४८६ ।

रागरत्नप्रकाश (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० संगीत ।

प्रा०—पं० महावीर दीक्षित, चंडियाना, फतेहपुर ।→२०–३६ सी ।

रागरत्नाकर (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि० संगीत ।

प्रा०—श्री जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→१२–५० ए ।

रागरत्नाकर (पद्य)—राधाकृष्ण कृत । र० का० सं० १८५३ । वि० संगीत ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—निमरानाराज का पुस्तकालय, निमराना ।→०६–२३३ ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३३५ ।

रागरत्नावली (पद्य) अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६२३ । वि० परमात्मा, शंकर तथा राधाकृष्ण आदि की महिमा ।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) । →२३–२४ सी ।

रागरत्नावली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । वि० भागवत दशमस्कंध के आधार पर दशावतार का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—पं० राममनोहर, माधोगंज (हरदोई) ।→२६–१०७ जे ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा० पं० गिरजाशंकर, मोतीपुर, डा० अलीगंज (खीरी) ।→२६–१२५ बी ।

रागरत्नावली (पद्य)—गोपालसिंह (कुँवर) कृत । र० का० सं० १७५८ । वि० संगीत ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–४२ ।

रागरागनियों का वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।

प्रा०—श्री हरिनारायण मिश्र, सिकंदरा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–५५३ ।

रागरागिनी (पद्य)—विविध कवि (विट्ठल, वृंदावन, कृष्णदास आदि) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—पं० चोखेलाल, गढ़ी परसोत्ती, डा० सुरीर (मथुरा) ।→१२–२७६ ।

रागरागिनी भेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संगीत।
प्रा०—पं० लाड़िलीप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-२७७।

रागरागिनी स्वरूप (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संगीत।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, इकदिल (इटावा)।→३८-१६४।

रागरूपमाल (पद्य)—बालकृष्ण कृत। र० का० सं० १७०५। वि० संगीत।
प्रा०—पं० सीताराम पंचोली, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३२-१६।

रागलावनी→'लावनी' (गंगादास साधु कृत)।

रागविलास (पद्य)—देवीप्रसाद कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६१०। वि० देवी और रागरागिनियों का वर्णन।
प्रा०—पं० रामसनेही मिश्र, मानिकखेड़ा, डा० किसेरगंज (एटा)। → २६-८४ सी।

रागविवेक (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत। र० का० सं० १७१५। लि० का० सं० १७४४। वि० संगीत।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-४८।

रागसंकीर्ण रागमाला (पद्य)—स्वामी कार्तिक कृत। वि० संगीत।
प्रा०—पं० लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, व्यवस्थापक, अमेठीराज (सुलतानपुर)। → सं० ०१-४७३।

रागसंग्रह (पद्य)—गरीबदास कृत। वि० संगीत।
प्रा०—श्री रामचंद्र सेनी, बलनगंज, आगरा।→३२-६४।

रागसंग्रह (पद्य)—देवकीनंदन द्वारा संगृहीत। सं० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६३७। वि० संगीत।
प्रा०—बाबा भब्बूदास, बादशाहनगर, लखनऊ।→२६-६६।

रागसंग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'रागसार संग्रह' और 'संगीतसार'। मन्नालाल कृत। र० का० सं० १६३१। वि० संगीत।
(क) लि० सं० १६४१।
प्रा०—लाला बालकराम, गोविंदपुर, डा० माधवगंज माधवगंज (हरदोई)।→ २६-२२६ ए।
(ख) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा)।→२६-२२६ बी।
(ग) प्रा०—पं० गंगाप्रसाद दूबे, सरायनवाब, डा० सोरों (एटा)। → २६-२२६ सी।

रागसंग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० यशोदा जी द्वारा कृष्ण को बन में भेजी जानेवाली छाक का वर्णन।

प्रा०—श्री कीर्तनिया जी, मदनमोहन का मंदिर, जतीपुरा (मथुरा)। → ३५-२७६ ।

रागसमूह (पद्य)—कृष्ण कृत । लि० का० सं० १८४६ । बि० संगीत ।
प्रा०—पं० नटवरलाल चतुर्वेदी, कोठेवाला, शीतलपायसा (मथुरा)। → १७-१०० ।

रागसागर (पद्य)—अन्य नाम 'संगीतकल्पद्रुम' । कृष्णानंद कृत । वि संगीतशास्त्र ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-१२५ ।

रागसागर (पद्य)—परसुराम कृत । वि० राम कृष्ण भक्ति एवं वैराग्य ।
प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३२-१६३ सी ।

रागसागर (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत । वि० संगीत ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→०२-७७ ।

रागसागर (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० संगीत ।
प्रा०—पं० रामेश्वर दूबे, डा० असनी (फतेहपुर) ।→२०-२०५ बी ।

रागसागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । कृष्णलीला आदि ।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५-२७८ ।

रागसागरोद्भव रागकल्पद्रुम संग्रह (पद्य)—कृष्णानंदव्यासदेव द्वारा संगृहीत । र० का० सं० १८९९ । लि० का० सं० १८९९ । वि० संगीत ।
प्रा०—पं० कमलाकांत, रायगंज, अयोध्या ।→२०-८८ ।

रागसागर (पद्य)—अन्य नाम 'गाने की पुस्तक', 'रागज्ञान संग्रह' और 'गाने के पद' । हरिविलास कृत । वि० संगीत ।
(क) लि० का० सं० १९३२ ।
प्रा०—चौधरी गंगासिंह, विशुनपुर, डा० भूसरी (एटा) ।→२६-१४६ सी ।
(ख) लि० का० सं० १९३४ ।
प्रा०—बरगदिया बाबा का स्थान, हिंडोलने का नाका, लखनऊ ।→२६-१७७ ए ।
(ग) लि० का० सं० १९४० ।
प्रा०—लाला भजनलाल पटवारी, रानीपुर, डा० मारहरा (एटा)। → २६-१४६ बी ।
(घ) प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा)। → २६-१४६ ए ।

रागसार संग्रह →'रागसंग्रह' (मन्नालाल कृत) ।

रागोड़ा (ग्रंथ) (पद्य)—कबीरदास कृत । वि०अध्यात्म ।→पं० २२-५१ बी ।

राघवचेतावनी प्रश्न (गद्य)—राघवदास कृत। वि० शुभाशुभ विचारों के लिये प्रश्नावली।
(क) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—ठा० दृगपालसिंह, महुआडाड, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६–३६६।
(ख) प्रा०—बाबा तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग। → ४१–४०५।
टि० खो० वि० ४१–४०५ में प्रस्तुत ग्रंथ को भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है।

राघवजन—अयोध्या के महंत। जनकराजकिशोरीशरण के गुरु। बाबा रघुनाथदास रामसनेही के अनुयायी। मृत्यु सं० १९०५।
रामायण (पद्य)→०६–२३४।

राघवदास—दादूदयाल जी की शिष्य परंपरा में हरिदास के शिष्य। ये अपने को पीपा-वंशी चंडाल गोत्र का लिखते थे। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।
भक्तमाल (पद्य)→३८–११२।

राघवदास—कायस्थ। ओड़छा निवासी। राजा पहाड़सिंह के आश्रित। सं० १७१० के लगभग वर्तमान।
ज्ञानप्रकाश (पद्य)→०६–९७।

राघवदास—सं० १७३९ के पूर्व वर्तमान।
पांडुचरित्र (पद्य)→३८–११३।

राघवदास—सं० १८१७ के पूर्व वर्तमान।
रमलप्रश्न (पद्य)→सं० ०४–३२१।

राघवदास—(?)
राघवचेतावनी प्रश्न (पद्य)→२६–३६६; ४१–४०५।

राघवदास→'राघोदास' ('कार्तिकमाहात्म्य' के रचयिता)।

राघवानंद (स्वामी)—रामानुज के शिष्य। रामानंद के गुरु।
सिद्धांतपंचमात्रा (पद्य)→३५–७९।

राघवेंद्ररहस्य रत्नाकर (पद्य)—रामसुख (स्वामी) कृत। वि० राम माहात्म्य।
प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–१६०।

राघोचेतावनी→'राघवचेतावनी प्रश्न' (राघवदास कृत)।

राघोदास—(?)
जैनजातक (पद्य)→३२–१७३।

राघोदास→'राघवदास' ('भक्तमाल' के रचयिता)।

राघोदास या राघवदास (उपाध्याय)—ब्राह्मण। संभवतः नवाबगंज (सोराँव तहसील, इलाहाबाद) के निवासी। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।

कार्तिकमाहात्म्य (पद्य)→सं० ०१-३३१ क; सं० ०४-३२२।

नागलीला (पद्य)→सं० ०१-३३१ ख।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)→४१-२२१; सं० ०१-३३१ ग।

राजइलाहीखान—कूड़ा जाहानाबाद के सूबा। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान। इच्छागिरि के आश्रयदाता।→सं० ०४-१७।

राजकिशोरलाल—अयोध्याप्रसाद के पुत्र। घनश्यामपुर (जौनपुर) निवासी। कृष्णभक्त।

युगलशतक (पद्य)→०६-२४२।

राजकीर्तन→'गुणराजा री बात' (बाजिंद कृत)।

राजकुमारप्रबोध (पद्य)—शंभुदत्त कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १८७३। वि० नारद और पांडवों का नीति विषयक संवाद।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-३६।

टि० प्रस्तुत पुस्तक कवि की स्वहस्तलिखित है।

राजनीति (पद्य)—अमृत (कवि) कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भट्ट श्री मगन उपाध्याय, तुलसीचौतरा, मथुरा।→१७-६।

राजनीति (पद्य)—छविनाथ कृत। र० का० सं० १८२४। लि० का० सं० १९३७। वि० हितोपदेश का अनुवाद।

प्रा० ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बख्शी का तालाब (लखनऊ)। →२६-८२।

राजनीति (पद्य)—जसूराम कृत। र० का० सं० १८१४। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—श्री पूनमचंद, जोधपुर।→०१-१११।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१२४।

राजनीति (पद्य)—अन्य नाम 'राजनीति हितोपदेश'। नंददास (?) कृत। वि० हितोपदेश की कथाएँ।

(क) लि० का० सं० १८४२।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ०५-३६।

(ख) लि० का० सं० १९३३।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकाल, प्रतापगढ़।→२६-३१६ आई।

(ग) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-३१६ जे।

राजनीति (पद्य)—नारायण कृत। वि० 'चाणक्यनीति' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १९२३।

प्रा०—ठा० सीतारामसिंह, महाराजनगर, डा० मैगलगंज (सीतापुर)। →२६-३२१ बी।

(ख) प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६-३२१ ए।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१०५।

राजनीति (गद्यपद्य)—पद्माकर कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला भगवानदीन, छतरपुर।→०५-४३।

राजनीति (पद्य)—राम कवि या सीताराम वैद्य कृत। र० का० सं० १७६०। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२-६० बी।

राजनीति (गद्य)—लल्लूलाल कृत। र० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—श्री मुरारीलाल केडिया, नंदनसाहु की गली, वाराणसी।→४१-२३७।

(ख) लि० का० सं० १६६७।

प्रा०—पं० राममनोहर, आरे, डा० माधोगंज (हरदोई)।→२६-२१२ सी।

(ग) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-२६६ बी।

(घ) प्रा०—राजा साहब बहादुर, प्रतापगढ़।→०६-१७४ बी।

राजनीति (भाषा) (पद्य)—कीर्तिसेन कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० चाणक्य कृत राजनीति का अनुवाद।

प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६-२४२।

राजनीति कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्त राजनीति' और 'प्रधाननीति'। रामनाथ (प्रधान) कृत। वि० भिन्न भिन्न राजकर्मचारियों के लक्षण।

(क) प्रा०—लाला गोविंदप्रसाद प्रधान, रीवाँ।→०१-६।

(ख) प्रा०—पं० घनश्याम वैद्य, गढ़ी (गोंडा)।→२०-१५३ बी।

(ग) प्रा०—पं० रामशंकर बाजपेयी, अहोरो बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-३४६ ए।

(घ) प्रा०—लाला नरसिंहनारायण, शिवगढ़, रायबरेली।→२३-३४६ बी।

राजनीति के कवित्त→'राजनीति रा कवित्त' (देवीदास कृत)।

राजनीति के दोहा→'राजनीतिचंद्रिका' (त्रिलोकसिंह कृत)।

राजनीत के भाव (पद्य)—देवमणि कृत। लि० का० सं० १८२४। वि० चाणक्य नीति के सात अध्यायों का भावानुवाद।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५७ (विवरण अप्राप्त)।

राजनीतिचंद्रिका (पद्य)—त्रिलोकसिंह कृत। वि० राजनीति।

(क) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६३।

(ख) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-१४५।

राजनीतिचंद्रिका (पद्य)—विष्णुदत्त कृत । र० का० सं० १८६५ । वि० राजनीति ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-७० ।

राजनीति प्रस्ताविक कवित्त→'राजनीति रा कवित्त' (देवीदास कृत) ।

राजनीति रा कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'राजनीति प्रस्ताविक कवित्त' । देवीदास कृत । वि० नीति ।
(क) लि० का० सं० १८५८ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-१
(ख) लि० का० सं० १८७२ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८२ ।
(ग) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुर दरवाजा, टीकमगढ़ ।→०६-२७ ।
(घ) प्रा०—पं० परमानंद शर्मा, बलदेव (मथुरा) ।→१७-४७ ए ।

राजनीतिविस्तार→ 'राजनीति' (जसूराम कृत) ।

राजनीतिशतक भाषा कुंडलिया (पद्य)—अन्य नाम 'अमरराजतिलक' । श्रीकृष्ण चैतन्यदेव (निज जू) कृत । र० का० सं० १९३१ । मु० का० सं० १९३२ । वि० भर्तृहरि कृत राजनीतिशतक का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-४१ ।

राजनीति हितोपदेश→ 'राजनीति' (नंददास कृत) ।

राजपोरिया लीला (पद्य)—ललितकिशोरी कृत । वि० श्रीकृष्ण की बाल लीला ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→ सं० ०१-३७२ ।

राजभूखन (पद्य)—कोविद कृत । र० का० सं० १७७६ । वि० राजनीति ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→ ०६-६२ ए ।

राजमती—(?)
छप्पैरामायण (पद्य)→सं० ०१-३३२ ।

राजमनि (राजा)—मलामा (मल्लावाँ ?, हरदोई) के राजा । गणेश कवि के आश्रयदाता ।→ सं० ०१-५६ ।

राजयोग (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० राजधर्म ।
(क) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→ ०६-२ बी ।
(ख) लि० का० सं० १८८२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१ ख ।
(ग) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-७ बी ।
(घ) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा ।→२०-४ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—बाबा रामदास, सीतामऊ, डा० मल्लावाँ (हरदोई) ।→ २६-७ ए ।

(च) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—मुं० मुखरासीलाल, अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, टूँडला (आगरा) । → २६-७ सी ।

(छ) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—भारतीभवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→ ०५-२ ।

(ज) लि० का० सं० १६४७ ।

प्रा०—पं० भोजराज शुक्ल, अवकाशप्राप्त सहायक विद्यालय निरीक्षक, एतमादपुर (आगरा) ।→ २६-७ बी ।

(झ) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→ २३ ७ सी ।

राजयोग (भाषा) (गद्य)—गंगाधर कृत । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामी घाट, मथुरा ।→ ३२-६३ ।

राजविनोद (पद्य)—छत्रसाल कृत । वि० कृष्णलीला ।

(क) लि० का० सं० १८११ (?) ।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→ ०६-४१ सी ।

(ख) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→ ०६-२२ ए ।

राजविनोद (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→ ०६-६० ई ।

राजविलास (पद्य)—लक्ष्मीनाथ कृत । र० का० सं० १८८३ । वि० जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह का राज्य वर्णन ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ ०२-२१ ।

राजसमुद्र—सं० १६६६ के लगभग वर्तमान ।

कर्मबत्तीसी (पद्य)→ दि० ३१-७० ।

राजसिंह (महाराणा)—रूपनगर कृष्णगढ़ के राजा । महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) और सुंदरिकुँअरि के पिता । वृंद कवि से इन्होंने काव्य शिक्षा ली थी। राज्यकाल सं० १७६३–१८०५ तक ।→ ०१-६५; दि० ३१-१६ ।

बाहुविलास (पद्य)→ ०२-७४; सं० ०१-३३३ ।

रसपायनायक (पद्य)→ ०२-७३ ।

राजाराम—सारंगपुर (राजनगर प्रदेश, गुजरात) के निवासी । गंगादास के पुत्र । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं० १७७६ के लगभग वर्तमान ।

वल्लभकुल विस्तार कल्पवृक्ष (गद्यपद्य)→ सं० ०१-३३४ ।

राजाराम—कायस्थ। बुंदेलखंड निवासी प्राणनाथ के पिता। सं० १८०६ के लगभग वर्तमान।→०५-५३।
यमद्वितिया की कथा (पद्य)→ ०६-६६।

राजाराम—१७वीं शताब्दी के पूर्व वर्तमान।
षटपंचाशिका (पद्य)→ ०६-३११।

राजाराम—(?)
इंद्रजाल (गद्यपद्य)→ २३-३३६।

राजाराम—ब्राह्मण। रीवाँ राज्य निवासी। दुर्गाप्रसाद के आश्रयदाता। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।→ ००-४१।

राजा विक्रम की वार्ता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०८। वि० राजा विक्रमादित्य की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० ०१-५५४।

राजा वीरविक्रमाजीत की रानी का जुबाब राजा भरत्री जी शेति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भरथरी और वीर विक्रमाजीत के प्रश्नोत्तर।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१७५।

राजिलपचीसी (पद्य)—आनंद (जैन) कृत। वि० राजिल का विरह वर्णन।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-६।

राजुलपचीसी (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि० राजमती और जिनदेव का विवाह।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→ दि० ३१-५४।
(ख) प्रा०—श्री दुर्गासिंह, माँगरोल (गुजर), मझलीपाटी, डा० रुनकुता (आगरा)।→ ३२-१३२ ए।
(ग)→ पं० २२-५६ बी।

राजुलपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नेमिनाथ के विवाह की कथा।
प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→ २६-८८ (परि० ३)।

राजुलपचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८६ (लगभग)। वि० जैन तीर्थंकर नेमिनाथ के गृह त्याग पर स्त्री राजमती का वियोग।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→ सं० ०७-२५२।

राजेंद्रप्रसाद→'गिरिजेंद्रप्रसाद' ('दानलीला' के रचयिता)।

राज्येप्रसाद—(?)

दानलीला (पद्य)→२०-१४१।

राणा जी (राँणाँ जी)—अन्य नाम राणों। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध के पूर्व वर्तमान।

पद (पद्य)→ सं० १०-११३।

राणारासा (पद्य)—दयालदास कृत। र० का० सं० १६७१-७५। वि० महाराणा प्रताप और अकबर का युद्ध, जगतसिंह और अमरसिंह का चरित्र, केशवदास चौहान और अब्दुल्ला का युद्ध तथा कर्णचरित्र।

(क) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा।→ ००-६४; ०६-६१।

(ख) लि० का० सं० १६४५।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→ ०१-३०।

राणासुरतान—द्वारिका (गुजरात) की ओर कहीं के अधिपति। धनदेव वैष्णव ('नवल-नेह' के रचयिता) के आश्रयदाता।→ सं० ०१-१०१।

राणों→'राणा जी' ('पद' के रचयिता)।

राधाकृष्ण—अन्य नाम कृष्ण कवि। जयपुर निवासी गौड़ ब्राह्मण। गानविद्या में निपुण। उनियारोगढ़ (जयपुर) के राव राजा भीमसिंह के आश्रित। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।

रागरत्नाकर (पद्य)→ ०६-२३३; सं० ०१-३३५।

राधाकृष्ण (पद्य)—शिवटहलसिंह (ठाकुर) कृत। वि० राधाकृष्ण की कथा (बंगला पुस्तक 'मुक्तावली' का अनुवाद)।

प्रा०—ठा० देवीचरणसिंह, बहरी, डा० जफराबाद (जौनपुर)। → सं० ०१-४१३।

राधाकृष्ण (चौबे)—सं० १८५० के लगभग वर्तमान।

बिहारी सतसई की टीका (पद्य)→ ०६-६६; २६-३६५।

राधाकृष्ण (द्विवेदी)—(?)

औषधि संग्रह कल्पवल्ली (गद्यपद्य)→ सं० ०१-३३६।

राधाकृष्ण कटाक्ष (पद्य)—सुखलाल कृत। लि० का० सं० १६६३। वि० राधाकृष्ण की स्तुति।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→ ०६-११३ सी।

राधाकृष्ण का झगड़ा→'ढेकी' (सुवंश शुक्ल कृत)।

राधाकृष्ण की बारहमासिका (पद्य)—जवाहरराय कृत। वि० राधाकृष्ण विरह वर्णन।

प्रा०—पं० रामबली दूबे, भिटौरालछण, डा० जैदपुर (बाराबंकी) → २३-१८५ ।

टि० रचयिता की 'बारहमासा' और 'राधाकृष्ण की बारहमासिका' दोनों पुस्तकों की विषय वस्तु एक ही है। संभवतः 'बारहमासा' पूर्व की रचना है और 'बारहमासिका' बाद की, जब रचनाकार प्रौढ़ हो गया था।

राधाकृष्णकीर्ति (गद्यपद्य)—बिहारीदास कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० मगन उपाध्याय भट्ट, तुलसी चौतरा, मथुरा। → १७-२८।

राधाकृष्णजू कौ झगरो (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत। वि० राधा के कृष्ण की वंशी और कृष्ण के राधा का हार चुराने पर दोनों का झगड़ा।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर। → ०६-७४ डी।

(अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है)।

राधाकृष्णमंगल (पद्य)--अन्य नाम 'ब्याहलो'। सूरदास कृत। वि० राधाकृष्ण का विवाह।

(क) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—श्री शिवविहारी, डा० सिधौली (सीतापुर)। → २६-४७१ एच।

(ख) प्रा०—श्री रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी)। → २६-४७१ जी।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। → ०६-२४४ ए (विवरण अप्राप्त)।

राधाकृष्ण रस तरंगिणी (पद्य)—लछमणदास कृत। र० का० सं० १६१४। वि० कृष्ण के जन्म से दानलीला तक का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → ४१-२३५।

राधाकृष्ण रासलीला (पद्य)—निहालदास कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० कृष्ण की रासलीला (व्रजविलास की रासलीला के आधार पर)।

प्रा०—श्री घनश्यामदास चौराही, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। → २६-३३६ बी।

राधाकृष्ण रूप युगल विलास (पद्य)—अमरेशकुमार कृत। र० का० सं० १६२३। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कौंकरोली। → सं० ०१-८।

राधाकृष्णलीला (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० लावनी, भजन, बारहमासा, मलार आदि में राधाकृष्ण की लीला।

प्रा०—लाला रामनारायण, भीष्मपुर, डा० जलेसर (एटा)। → २६-४७ सी।

राधाकृष्ण वर्णन (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण की शृंगार लीला।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। → ४१-१०२ ख।

राधाकृष्ण विनोद (पद्य)—रामचंद्र (गोस्वामी) कृत। वि० राधा और कृष्ण का विनोद।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३१३ (विवरण अप्राप्त)।

राधाकृष्ण विलास (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि० राधा और कृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—बाबा माधवदास महंत, निंबार्क पुस्तकालय, मंदिर नानपारा (बहराइच)। →२३-२२०।

राधाकृष्ण विलास (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८५६। लि० का० सं० १८६०। वि० नायिकाभेद और राधाकृष्ण चरित्र।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१५।

राधाकृष्ण विवाह विनोद (पद्य)—प्रेमा (कवि) कृत। लि० का० सं० १८०८। वि० स्कंध पुराण के आधार पर राधाकृष्ण का विवाह।
प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१-१४५।

राधाकृष्ण विहार कुंज कल्प लतिका (पद्य)—शिवदीनदास कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबू बद्रीनारायणसिंह, काँभरपुर, डा० कौढ़र (प्रतापगगढ़)। →२६-४४५।

राधाकृष्ण हिंडोला (पद्य)—निहालदास कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० राधा-कृष्ण का झूला झूलना।
प्रा०—श्री घनश्यामदास चौराही, गोलागोकर्णनाथ (खीरी)।→२६-३३६ ए।

राधागोविंद संगीतसार (पद्य)—प्रतापसिंह (राजा) कृत। वि० संगीत।
प्रा०—पं० नटवरलाल चतुर्वेदी, कोटेवाला, शीतला पयसा।→१७-१३६।
टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवतः प्रतापसिंह के किसी आश्रित की कृति है।

राधागोविंद संगीसार (गद्यपद्य)—मथुरा भट्ट, श्रीकृष्ण, चुन्नीलाल और रामराय कृत। वि० संगीत।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१११।

राधाजन्मोत्सव के कवित्त (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)। →३२-१३२ के।

राधाजन्मोत्सवबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधा जी के जन्म की बधाई।
प्रा०—श्री रंगीलाल, कोसी (मथुरा)।→१७-३४ के।

राधाजी और ललितासखी का बारहमासा (पद्य)—मोहनमूरत कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० राधा और ललिता का विरह।
प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)। →२६-३०८।

राधाजी की बारहमासी (पद्य)—शिवदयाल कृत। र० का० सं० १६१५। लि० का० सं० १६१८। वि० राधा का विरह वर्णन।
प्रा०—लाला दीनदयाल, देवरिया, डा० थानीखेड़ा (उन्नाव)।→२६-४४४।

राधाजी को नखशिख (पद्य)—मान (खुमान) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-१४० डी।

राधाजू को नखशिख (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-६६ सी।

राधातिलाता (राधाललिता ?) (पद्य)—वंशीअली कृत। वि० राधा माधव की मूर्ति की मनोहरता और वृंदावन की महिमा।
प्रा६—मुंसिफ श्यामसुंदर अग्रवाल, नगरपालिका कार्यालय के पास, मथुरा।→३५-१०३ बी।

राधानखशिख (पद्य)—गिरिधर (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८८६। वि० राधा का नखशिख।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-३८ ए।

राधानखशिख (पद्य)—द्विज (कवि) कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-२७।

राधानाममाधुरी (पद्य)—हरिवल्लभ कृत। वि० राधा जी के नाम माधुर्य का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८२४।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४८७।
(ख) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, बिगहापुर (उन्नाव)।→२६-१४७ जी।

राधानाममाधुरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७३। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-८६ (परि० ३)।

राधाबालविनोद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८३२। वि० राधाजी का बाल चरित्र।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६६ बी।

राधामाधव मिलन बुधविनोद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत। वि० नायिकाभेद और राधाकृष्ण मिलन प्रसंग।
प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१-६८।

राधामुखषोडशी (पद्य)—गोविंद (सुकवि) कृत। वि० राधा के मुख की प्रशंसा।
प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी, एम० ए०, एल एल० बी०, बलिया।→४१-६१।

राधारमण के नित्य कीर्तन के पद (पद्य)—गल्लूजी (गोस्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।
प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कालाबघा, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६-१२२ ।

राधारमण रससागर लीला (पद्य)—अन्य नाम 'राधिकारमण रससागर' । किशोरीदास कृत । र० का० सं० १७५७ । वि० राधाकृष्ण विहार ।
(क) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१०६ ।
(ख) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा) । →१७-६८ ।
(ग) लि० का० सं० १९११ ।
प्रा०—गो० दामोदराचार्य वैष्णव शास्त्री, राधारमणजी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→४१-१८६ ।
(घ) लि० का० सं० १९३९ ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१९१ ।

राधारमण विहार माधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर ।→०२-१०४ (एक) ।

राधारहस्य (पद्य)—शीतलाप्रसाद (पंडित) कृत । र० का० सं० १९०६ । लि० का० सं० १९१८ । वि० राधाकृष्ण के जन्म से लेकर विवाह तक का वर्णन ।
प्रा०—बाबू सेवाकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-३०५ ।

राधाविनोद (गद्य)—अन्य नाम 'राधाविलास' । जयसुख कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।
(क) प्रा०—श्री शिवदयाल, भीष्मपुर, डा० सफीपुर (उन्नाव) । →२६-२०६ बी ।
(ख)→पं० २२-४७ बी ।

राधाविनोद (पद्य)—हरिदत्तसिंह (राजा) कृत । वि० राधा जी के अंग प्रत्यंग का वर्णन ।
(क) लि० का सं० १९०० ।
प्रा०—महाराज अयोध्या का पुस्तकालय, अयोध्या ।→०६-१११ ।
(ख) लि० का० सं० १९४६ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१७२ (विवरण अप्राप्त) ।

राधाविलास (पद्य)—द्वारिकाप्रसाद कृत । वि० कृष्ण की लीलाएँ ।
(क) लि० का० सं० १९२८ ।
प्रा०—श्री रामदीन काछी, रुस्तमपुर कलाँ (उन्नाव) ।→२६-११४ ए ।
(ख) लि० का० सं० १९४१ ।

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, शिकोहाबाद, डा० मुरादाबाद (उन्नाव)। → २६-११४ बी।

(ग) प्रा०—पं० शिवदुलारे, डा० मगरैर (उन्नाव)।→२६-११४ सी।

राधाविलास (पद्य)—रामदास (बरसानिया) कृत। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा० याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३४७ घ।

राधाविलास→'राधाविनोद' (जयसुख कृत)।

राधावृजराजजस→'ककहरा' (लाल कवि कृत)।

राधाशतक (पद्य)—हठी (द्विज) कृत। र० का० सं० १८४७। वि० राधा जी की महिमा।

(क) लि० का० सं० १९१९।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर। → ०५-८९।

(ख) लि० का० सं० १९२०।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३-१६३।

राधाष्टक (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। वि० राधा जी की प्रशंसा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०४ डी (विवरण अप्राप्त)।

राधासुधानिधि की टीका→'भावविलास' (हित वृंदावनदास चाचा कृत)।

राधासुधानिधि टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५२। वि० राधा सुधानिधि काव्य की टीका।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४-४८७।

राधासुधानिधि सटीक (पद्य)—हितदास कृत। र० का० सं० १८३४। वि० राधाकृष्ण विहार विषयक हित हरिवंश जी कृत 'सुधानिधि काव्य' की टीका।

(क) लि० का० सं० १८४१।

प्रा०—श्री जुगलवल्लभ गोस्वामी, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →१२-७६ बी।

(ख) लि० का० सं० १८४१।

प्रा०—पं० भगवतप्रसाद, राधाकुंड (राधावल्लभ जी का मंदिर), मथुरा।→ ३८-६६।

राधास्वामी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधास्वामी संप्रदाय के सिद्धांत।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-६० (परि० ३)।

राधिकारमण रससागर→'राधारमण रससागर' (किशोरीदास कृत)।

राधिकाशतक→'राधाशतक' (हठी द्विज कृत)।

राधेकृष्ण—सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)→२०-१३७।

राधेहरि मिलन सतसई (पद्य)—शिवबक्ससिंह कृत। र० का० सं० १८८०। लि० का० सं० १८८०। वि० राधाकृष्ण का वियोग शृंगार।
प्राइ—ठा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद)→ सं० ०१-४१७ ख।

रानारासा→ 'राणारासा' (दयालदास कृत)।

रानीमंगौ (पद्य)—नंददास (?) कृत। वि० कृष्ण राधिका प्रेम।
प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)।→ २६-२४४ आई।

राम—सं० १९०२ के पूर्व वर्तमान।
सामुद्रिक (पद्य)→ सं० ०४-३२३।

राम→'आत्माराम' ('जयसिंहप्रकाश' के रचयिता)।

राम (कवि)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। जगदीशपुर निवासी। बलभद्रसिंह के आश्रित। सं० १८९३ के लगभग वर्तमान।
बलभद्रप्रकाश (पद्य)→२६-३७३।

राम (कवि)—भरतपुर के अंतर्गत घन के राजा भागसिंह के पुत्र राजा फतेहसिंह के आश्रित।
फतेहसिंहप्रकाश (पद्य)→ पं० २२-८८।

राम (कवि)—विक्रम नगर निवासी। सहजराम के आश्रित। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान।
सहजराम चंद्रिका (गद्यपद्य)→ ०४-६१; २३-३४४।

राम (कवि)—शालिवाहन (?) वंश में किसी राजा के आश्रित। सं० १९०८ के लगभग वर्तमान।
वैद्यशिरोमणि (पद्य)→ सं० ०४-३२४।

राम (कवि)—अन्य नाम द्विजराम। ब्राह्मण। डीग (भरतपुर) निवासी।
पिंगल (पद्य)→ सं० ०१-३३७ क।
मंगल शाखोच्चार (पद्य)→ सं० ०१-३३७ ख।

राम (कवि)—फहिंजरी निवासी। सं० १९२७ के पूर्व वर्तमान।
गायनसंग्रह (पद्य)→२६-२८५

राम (कवि)—सं० १८४२ के पूर्व वर्तमान।
गुणसागर (पद्य)→ २३-३४५।

राम (कवि)—संभवतः १४वीं शताब्दी के प्रारंभ में वर्तमान।
बिहारी सतसई (पद्य)→ ३८-११९।

राम (कवि)—जन्म सं० १८९८।
नलचरित्र (पद्य)→ १२-१४३।

राम (कवि)→'रामनाथ (नागर)' ('अंजननिदान टीका' के रचयिता) ।

राम (कवि)→'रामलाल' ('विजयसुधानिधि' आदि के रचयिता) ।

राम (कवि)→ 'हृदयराम' (पंजाब निवासी) ।

रामअचरी (पद्य)—स्यामीदास (स्वामीदास) कृत । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—कुँवर हाकिमसिंह, खजुराहा, तह० राजनगर (छतरपुर) । → सं० ०१–४७२ ।

रामअनुग्रह (पद्य)—गंगाप्रसाद (उदैनिया) कृत । र० का० सं० १८४४ । वि० योगवाशिष्ठ का सारांश ।
(क) लि० का सं० १८६१ ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०६–३४ ।
(सं० १६१८ की एक प्रति लाला विद्याधर जी, हरिपुर के पास है) ।
(ख) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→ १७–६० ।

रामअलंकार→ 'रामचंद्राभरण' (गोप कवि) कृत ।

रामअवतार लीला(पद्य)—मलूकदास कृत । वि० राम चरित्र ।
प्रा०—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→ १७–१०६ बी ।

रामअश्ववर्णन (पद्य)—दीनबंधु (कुर्मी) कृत । वि० जनकपुर में श्री रामचंद्र जी के घोड़े की प्रशंसा ।
प्रा०—पं० रामप्रसाद, उभियानी (इटावा) ।→३८–४४ ।

रामअष्टक (पद्य)—रामानंद (?) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० राम स्तुति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ ४१–२३१ ।

रामआखेट कवित्त (पद्य)—रघुवरशरण कृत । वि० रामचंद्र जी का शिकार खेलने का वर्णन ।
प्रा०—श्री बजरंगीसिंह, स्टेशन रूपमऊ (रायबरेली) ।→२३–३३४ ।

रामआसरे—(?)
वैद्यकसार संग्रह (गद्य)→ २६–३७४ ।

रामऔतार—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।
शिवपार्वती विवाह (पद्य)→ २६–२८६ ए, बी ।

रामऔतारदास—(?)
हितउपदेशविलास (पद्य)→सं० ०७–१६३ ।

रामकंठाभरण (पद्य)—भागवतदास कृत । र० का० सं० १८८६ । लि० का० सं० १६२६ । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–१७३ ट ।

रामककहरा (पद्य)—पीतांबर कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—श्री बिहारी पंडित, सहजोरा (रायबरेली) ।→ सं० ०४ २०७।

रामकथा कल्पद्रुम (पद्य)—सरदार (कवि) कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० रामचरित्र।
प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतान) ।→ सं० ०१–४४१ ख।

रामकरन—श्यामराम के पुत्र और इंद्रभानु के पौत्र। 'ब्रह्मांड वर्णन' के लिपिकर्ता। → ०२–८०।

रामकरुना (पद्य)—उदय (उदयराम वैश्य) कृत। वि० अहिरावण वध।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—श्री रामदत्त, हौंतिया, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३२–२२३ के।
(ख) प्रा०—श्रीमती सुखिया ब्राह्मण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा)। → ३२–२२३ आई।
(ग) प्रा०—श्रीमती सुखिया ब्राह्मण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा)। → ३२–२२३ जे।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ 'उदयग्रंथावली' में भी संकलित है।

रामकलाधर (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। वि० रामचरित्र।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→ १७–१७६ सी।

रामकलेवा (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० राम के धनुष भंग से विवाह तक की कथा।
प्रा०—पं० रामदत्त, रायपुर, डा० गोनमत (अलीगढ़) ।→२६–१०७ के।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'जनकराम संवाद'। पर्वतराम कृत। वि० दशरथ के पुत्रों का जनकपुर में कलेवा करना।
(क) लि० का० सं० १७२७।
प्रा०—पं० शिवदत्त बाजपेयी, महारानियाँ, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–३४५ ए।
(ख) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—डा० भगवानसिंह, सासनी (अलीगढ़) ।→ २६–२६५ डी।
(ग) लि० का० सं० १६११।
प्रा०—श्री गंगादीन मुराऊ, लछिमनपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–३४५ बी।
(घ) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० गयाप्रसाद, नैपालपुर, डा० सीतापुर (सीतापुर) ।→२३–३१२ ए।
(ङ) लि० का० सं० १६२२।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→ ०६–८७ बी।
(च) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पंचायती रघुनाथ जी का मंदिर, खजुहा (फतेहपुर) ।→ २०–१२५ ए ।

(छ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा० – ठा० श्रीप्रकाशसिंह जी रईस, हरिहरपुर, डा० चिलवलिया (बहराइच) ।→ २३–३१२ बी ।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'रामकलेवा' । रामनाथ (प्रधान) कृत । र० का० सं० १६०२ । वि० राम जी का जनकपुर में कलेवा करना ।

(क) लि० का० सं० १६०८ ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर ।→ ०६–२१४ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच) ।→ २३–३४६ सी ।

(ग) मु० का० सं० १६३८ ।

प्रा०—श्री रामफेर, मंडा, डा० हैंसरबाजार (बस्ती) ।→ सं० ०४ ३३४ ख ।

(घ) प्रा०—पं० भगवानदीन, इनोना (रायबरेली) ।→२३ ३४६ डी । ·

(ङ) प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→ २३–३४६ ई ।

(च) प्रा०—पं० राधाकृष्ण शास्त्री, अध्यापक, किठावर पाठशाला, डा० पूरबगाँव (प्रतापगढ़) ।→ २६--३८६ ए ।

(छ) प्रा०—पं० राघवराम, सहायक अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→ २६–३८६ बी ।

(ज) प्रा०—श्री नन्हकूप्रसाद, चवजीतपुर, डा० सुजानगंज (जौनपुर) । → सं० ०४–३३४ क ।

रामकिंकर—(?)

कुंडलीचक्र (ग्रंथ) (पद्य)→ सं० ०४–३२५ ।

रामकुंडलिया (पद्य)—पलटूदास कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा०—महंत त्रिवेणीदास, पलटूदास का मंदिर, अयोध्या ।→ २०–१२४ सी ।

रामकुंडलिया (पद्य)—भीखासाहब कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० रामभक्ति का उपदेश ।

प्रा०—महंत राजाराम, मठ चिटबड़ागाँव, रामशाला (बलिया) । → ४१–१७४ ग ।

रामकूटविस्तार (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । र० का० सं० १८६३ । लि० का० सं० १६४१ । वि० विविध ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०६–१६५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

रामकृष्ण—मथुरा निवासी ।

सुखसमूह (पद्य)→३२–१७६ ।

रामकृष्ण— (?)

कार्तिकमाहात्म्य (पद्य)→२६–२८८ ए, बी, सी ।

रामकृष्ण—(?)

ग्वारिनीझगड़ा (पद्य)→२६–३८२; सं० ०१–३३८ ।

रामकृष्ण—(?)

लक्ष्मीचरित्र (पद्य)→४१–२२२; सं० ०१–३४० ।

रामकृष्ण—(?)

विनयपच्चीसी (पद्य)→सं० ०१–३३६ ।

रामकृष्ण—गिरिधारीसिंह के मित्र । ख्याल लिखने में प्रवीण ।→दि० ३१–३३ ।

रामकृष्ण (चौबे)→'बालकृष्ण (नायक)' (बुंदेलखंड निवासी) ।

रामकृष्णजस (पद्य)—शेरसिंह (कुँवर) कृत । र० का० सं० १८४६ । लि० का० सं० १८५० । वि० राम और कृष्ण का यश वर्णन ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–१६ ।

राम के ककहरा (पद्य)—यारी साहब कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत राजाराम, चिंटवड़ागाँव (बलिया) ।→४१–२०५ ग ।

रामगरीब (चौबे)—उप० गरीब जू ।

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–३४१ ।

रामगीतमाला (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत । वि० राम चरित्र ।

(क) प्रा०—पं० अवधविहारी, धनौली (बाराबंकी) ।→२३–२२७ ई ।

(ख) प्रा०—पं० घासीराम शर्मा, बाजार सीताराम, कूचा शरीफ बेग, बा० मुकताराम जी का मंदिर, दिल्ली ।→दि० ३१–५२ ए ।

(ग) प्रा०—श्री ब्रजकिशोर गुप्त, पुराना शहर, इटावा ।→दि० ३१–५२ बी ।

(घ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–६३ ।

रामगीता (पद्य)—गोपालदास (द्विज) कृत । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—श्री संतान गुराऊ, परिया, डा० पिपरी (बहराइच) ।→२३–१३३ ए ।

रामगीता (पद्य)—नवलदास कृत । र० का० सं० १८८५ । लि० का० सं० १९११ । वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→सं० ०४–१८३ ट ।

रामगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम का सौमित्र को आत्मज्ञान का उपदेश देना ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा) ।→३५–२८१ ।

रामगीता (गद्य)—अन्य नाम 'ब्रह्मजिज्ञास' । रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८७ । वि० ब्रह्म ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी, हिंदी विभाग, प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ ।→सं० ०४-४८८ ।

रामगीता→'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रामगीता अष्टक (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० राम स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुरी, डा० धंमौर (सुलतानपुर) । → सं० ०१-२८३ ङ ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० कुवेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । → २६-२६७ सी ।

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री नानकराम, भोजपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-२६७ डी ।

(घ) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, मुदीकपुर (तारडीह), डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-२८३ घ ।

(ङ) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—राज पुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़ ।→सं० ०४-२६३ ज ।

(च) मु० का० सं० १६३१ ।

प्रा—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसेठी (जौनपुर) ।→सं० ०४-२६३ झ ।

रामगीता की टीका (गद्य)—यमुनाशंकर (नागर) कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का० सं० १६२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, बह्मनटोला का मंदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा) ।→२६-२२६ बी ।

रामगीता की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अध्यात्म रामायण के दार्शनिक संवाद ।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, भुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-६१ (परि० ३) ।

रामगीतावली→'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रामगुणोदय (पद्य)—धनीराम कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० रामाश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-११६ ।

(ख) प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६–१०३ ए।

रामगुलाम—(?)

पारासरीजातक की भाषा टीका (गद्य)→ सं० ०७–१६४।

रामगुलाम (द्विवेदी)—मिरजापुर निवासी। तुलसी कृत रामायण के विशेष मर्मज्ञ। सं० १८७०–१९०१ के लगभग वर्तमान।

प्रबंधरामायण (पद्य)→ ०९–२४७ बी।

रामतैंतीसी (पद्य)→ सं० ०१–३४२।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)→ ०९–२४७ सी।

विनयनवपंचक (पद्य)→ ०६–२१३; १७–१४७।

संकटमोचन (पद्य)→ ०९–२४७ ए।

रामगुसाँई (द्विज)→ 'रामनारायण' ('सनेहलीलामृत पच्चीसी' के रचयिता हनुमंत के सहयोगी)।

रामगोपाल—सं० १८८३ के पूर्व वर्तमान।

अष्टयाम (पद्य)→ १७–१४६।

रामगोपाल वैद्यकशास्त्र (गद्य)—लतुलाल कृत। वि० वैद्यक।

प्रा०—लाला प्रभुलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→ २९–२०९।

रामचंद्र—जैन। केशवदास के पुत्र। पद्मराग के शिष्य। राजपूताना में जन्म। अनंतर बन्नू में जा बसे थे। औरंगजेब के समकालीन। सं० १७२० के लगभग वर्तमान।

रामविनोद (गद्यपद्य)→ ०१–६२; ०६–११२; ०९–२५४; २०–१४२ ए, बी; पं० २२–८९ ए; २३–३३७ ए, बी; २६–३७७ ए, बी।

वैद्यविनोद शारंगधर (भाषा) (गद्य ?)→ पं० २२–८९ बी।

रामचंद्र—आगरा निवासी। सं० १९२७ के लगभग वर्तमान।

उपदंशचिकित्सा (गद्य)→ २६–३७६।

रामचंद्र—राजपूताना निवासी। बहादुरसिंह दीवान के आश्रित। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

ज्योतिषपद्धति (पद्य)→ २९–२८०।

रामचंद्र—जैन। सं० १७६१ के पूर्व वर्तमान।

द्रव्यसंग्रह (गद्य)→ १८–११५।

रामचंद्र (?)—सं० १९०४ के पूर्व वर्तमान।

चंद्रचंद्रिका (गद्यपद्य)→ ४१–२२२।

रामचंद्र—(?)

कवित्त (पद्य)→ सं ०१–३४३ ।

रामचंद्र→ 'चनरूराम' (नवनिधिदास के गुरु) ।

रामचंद्र (गोसाँई)—(?)

राधाकृष्ण विनोद (पद्य)→ ०६–३१३ ।

रामचंद्र (जैन)—केशनानंददेव के शिष्य । सं० १७६२ के लगभग वर्तमान ।

चौबीसतीर्थंकरों की पूजा (जयमाल) (पद्य)→ ३२–१७४ बी; सं० १०–११४ ।

पुण्याश्रवकथाकोश (भाषा) (गद्यपद्य)→ २३–३३८; ३२–१७४ ए ।

रामचंद्र (बसु)—सं० १६२४ के लगभग वर्तमान ।

कादंबरी (गद्य)→२६–३७५ ए, बी, सी, डी ।

रामचंद्रऔतार (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० रामावतार का वर्णन ।

प्रा०—पं० नत्थीराम पुरोहित कौशिक, पुरानी डीग (भरतपुर) ।→३८–१५४ ।

रामचंद्र की बारहमासी (पद्य)—छेदालाल कृत । वि० रामकथा ।

प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३–७६ ।

रामचंद्र की बारहमासी (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० संक्षिप्त राम चरित्र ।

प्रा०—पं० रामजती, नइःगाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–३२५ आई ।

रामचंद्र की बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६२८ । वि०बनवास में राम की वर्षचर्या का विवरण ।

प्रा०—ठा० गयादीनसिंह, नोहरहसनपुर, डा० रवहा (प्रतापगढ़) । → २६–६२ (परि० ३) ।

रामचंद्र की बारहमासी→'रामजी के बारहमासा' (भवानी कृत) ।

रामचंद्र के विवाह का बारहमासा (पद्य)—प्रयागदत्त कृत । वि० श्री रामचंद्र के विवाह का वर्णन ।

प्रा०—बाबू बिसेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर ।→१२–१३३ ।

रामचंद्रचंद्रिका→'रामचंद्रिका' (केशवदास कृत) ।

रामचंद्रचंद्रिका→'रामचंद्रिका की चंद्रिका' (जगतसिंह कृत) ।

रामचंद्रचरित (पद्य)—शिवसिंह कृत । र० का० सं० १८५७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३–३६७ बी ।

रामचंद्रजी की सवारी (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–३४ के ।

रामचंद्रजी रो रामरासो—'गुणरामरासो तथा रामरासो' (माधवदास चारण कृत)।

रामचंद्र ज्ञानविज्ञान प्रदीपिका (पद्य)—रामलाल (शर्मा) कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० गुरु महिमा तथा ज्ञान विज्ञान।
प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या।→०६-२४६।

रामचंद्रवंश वर्णन और झाँकी वर्णन (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि० रामचंद्र जी के वंश तथा झाँकी का वर्णन।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)।→४१-४७ घ।

रामचंद्र वनवास (पद्य)—हरिवंश कृत। वि० राम वनवास का वर्णन।
प्रा०—पं० बाबूराम शर्मा, ग्राम तथा डा० उरावर (मैनपुरी)।→३२-८५ बी।

रामचंद्र स्वामी परार्द्ध चरित्र (पद्य)—देवराज (चौहान) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० राम कथा।
प्रा०—मुं० शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२-५२।

रामचंद्र हनुमान की नामावली (पद्य)—बलदेवदास कृत। र० का० सं० १६१६। लि० का० सं० १८३१। वि० सीता, राम और हनुमान जी के नामों के पर्याय शब्द।
प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, बहोरिका वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-३० बी।

रामचंद्राभरण (पद्य)—अन्य नाम 'रामअलंकार'। गोप (कवि) कृत। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १६५३।
प्रा०—लाला हीरालाल, चौकी नवीस, चरखारी।→०६-३६ ए।
(सं० १८८६ की एक अन्य प्रति श्री गौरीशंकर कवि, दतिया के पास है)।
(ख) प्रा०—श्री कपिलदेवप्रसाद, विश्रामपार, डा० खलीलाबाद (बस्ती)।→सं० ०४-३७।

रामचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'रामचंद्रचंद्रिका'। केशवदास कृत। र० का० सं० १६५८। वि० रामचरित्र।
(क) लि० का० सं० १६८६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३-२०७ डी।
(ख) लि० का० सं० १८३१।
प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, बहोरी के वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-२०७ ई।
(ग) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—पं० बेनीमाधव उर्फ बच्चा, हसनपुर (सुलतानपुर)।→२३-२०७ एफ।
(घ) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र, जगनेर (आगरा)।→२६-१६२ सी।
(ङ) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—ठा० वसंतसिंह, उदवा, डा० शाहमऊ (रायबरेली)।→२३-२०७ जी।

(च) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० बेनीप्रसाद बरुआ, बमरौली कटारा (आगरा))→२६-१६२ ए।

(छ) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—लाला भागवतप्रसाद, सधवापुर, डा० सिसैया (बहराइच)।→ २३-२०७ एच।

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०३-२१।

(सं० १८८२ और १८८८ की दो प्रतियाँ इस पुस्तकालय में और हैं)।

(झ) प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद तिवारी, बाँध (बरीपाल) (उन्नाव)।→ २६-२३३ ई।

(ञ) प्रा०—श्री हुक्मसिंह अध्यापक, मिढ़ाकुर (आगरा)।→२६-१६२ बी।

रामचंद्रिका की चंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'रामचंद्रचंद्रिका'। जगतसिंह कृत। वि० केशव कृत 'रामचंद्रिका' के समस्त छंदों का लक्षण निरूपण।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—भैया संतबक्शसिंह, गुठवारा (बहराइच)।→२३-१७६ एफ।

(ख) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर, भिनगा (बहराइच)। → २३-१७६ जी।

रामचंद्रिका तिलक→'रामभक्तिप्रकाशिका' (जानकीप्रसाद कृत)।

रामचंद्रोदय (लंकाकांड) (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण कवि) कृत। वि० राम कथा।

प्रा०—पं० मदनलाल, गलीकसेरान, रामदासजी की मंडी, मथुरा।→ ३८-१४६।

रामचरण-मौंडा (लखनऊ) निवासी। सं० १९५६ के लगभग वर्तमान।

उषाअनिरुद्ध का ब्याह (पद्य)→२०-१४४।

रामचरण (स्वामी)—शाहपुरा (राजपूताना) निवासी। रामजन, सूरतराम और नवलराम के गुरु। रामसनेही पंथ के संस्थापक। जन्म सं० १८०६। मृत्यु सं० १८५५।→०२-६४, पं० २२-४३; पं० २२-७७।

अणभैविलास (पद्य)→२६-२८१ जी।

अमृतउपदेश (पद्य)→२६-२८१ ई।

कवित्त (पद्य)→३२-१७५ जे, के, एल।

कालज्ञान (पद्य)→पं० २२-६२; २३-३४० बी, सी; २६-३७६।

कुंडलिया (पद्य)→३२-१७५ एम।

कुंडलिया और पद (पद्य)→सं० ०७-१६५ क।

गायनपद (पद्य)→पं० २२-६१ बी ।

गुरुमहिमा (पद्य)→३२-१७५ एफ, जी, एच, सं० ०७-१६५ ख ।

चंद्रायण (पद्य)→३२-१७५ ए ।

चितावणी (पद्य)→२०-१४३; पं० २२-६१ ए; ३२-१७५ बी, सी, डी, ई; सं० ०७-६५ ग, घ ।

जिज्ञासबोध (पद्य)→२६-२८१ ए ।

दृष्टांतसागर (पद्य)→३८-११६ ए ।

नामप्रताप (पद्य)→पं० २२-६१ डी; ३२-१७५ पी, क्यू, आर; सं० ०७-१६५ ङ, च ।

नाममाहात्म्य (पद्य)→पं० २२-६१ डी ।

पद (पद्य)→३८-११६ बी ।

मनखंडन (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-६१ सी; ३२-१७५ आई, एन, ओ; सं० ०७-१६५ छ ।

रामचरणजी की बानी (पद्य)→पं० २२-६१ ई; २३-३४० ए ।

रामचरणजी के शब्द (पद्य)→२६-२८१ एफ, ३२-१७५ एस, टी ।

रामरसाइनि (पद्य)→२६-२८१ एच ।

रेखता (पद्य)→३२-१७५ यू ।

वाणीग्रंथ (पद्य)→सं० ०७-१६५ ज ।

विश्रामबोध (पद्य)→२६-२८१ बी ।

विश्वासबोध (पद्य)→२६-२८१ डी ।

शब्द (पद्य)→३२-१७५ वी ।

शब्दप्रकाश (पद्य)→३२-१७५ डब्ल्यू, एक्स, वाई, सं० ०७-१६५ झ ।

समतानिवास (ग्रंथ) (पद्य)→२६-२८१ सी ।

सवैया (पद्य)→३२-१७५ डी[२] ।

साखी (पद्य)→३२-१७५ ए[२] ।

साखी (टेक को अंग) (पद्य)→३२-१७५ सी[२] ।

साखी (मन को अंग) (पद्य)→३२-१७५ बी[२] ।

साखी (माया को अंग) (पद्य)→३२-१७५ जेड ।

सुखविलास (पद्य)→२६-२८१ आई ।

रामचरण (स्वामी)→'लैलीनराम' ('अनभयबानी' के रचयिता) ।

रामचरण के शब्द (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि० निर्गुण भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० शिवदत्त वैद्य, बलाई का नगला, डा० विजयगढ़ (अलीगढ़) ।→ २६-२८१ एफ ।

(ख) प्रा०—पं० रघुनाथप्रसाद, ताल भदान, डा० भदान (मैनपुरी) ।→ ३२–१७५ एस ।

(ग) प्रा०—पं० छुन्नलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२–१७५ टी ।

रामचरणजी की बानी (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० ज्ञान और उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५२ ।

प्रा०—श्री हरवंशराय, टिकारी (रायबरेली) ।→२३–३४० ए ।

(ख)→पं० २२–९१ ई ।

रामचरणदास—सुप्रसिद्ध महात्मा । अयोध्या के महंत । जानकीचरण के गुरु । रामोपासना के अंतर्गत पति पत्नी भाव की उपासना इन्होंने ही चलाई थी और अपनी शाखा का नाम 'स्वसुखी' शाखा रखा था । सं० १८४४-८१ के लगभग वर्तमान ।→१७–८४ ।

अमृतखंड (पद्य)→२०–१४५ ए ।

अष्टयाम सेवाविधि (पद्य)→०६–२४५ एफ; २०–१४५ जी; २६–३७८ ए, बी; सं० ०४–३२७ ज ।

उपासनाशतक (पद्य)→२०–१४५ सी ।

कवितावली (पद्य)→०६–२४५ जे; १७–१४३ बी ।

काव्यशृंगार (पद्य)→२६–३७८ जी ।

कौशलेंद्ररहस्य (पद्य)→०३–६८ ।

छप्पय रामायण (पद्य)→०६–२४५ जी ।

जयमाल संग्रह (पद्य)→०६–२४५ एच ।

झूलना (पद्य)→४१–२२५ ।

तीर्थयात्रा (पद्य)→०६–२४५ एल ।

दृष्टांतबोधिका (पद्य)→०६–२११; ०६–२४५ के; १७–१४३ ए, ई; २३–३३६ बी, सी; २६–३७८ ई, एफ; सं० ०४–३२७ क, ख ।

नामशतक (पद्य)→२०–१४५ बी ।

पदावली (पद्य)→०६–२४५ एम; १७–१४३ सी; २३–३३६ डी ।

पिंगल (पद्य)→०६–२४५ ए ।

रत्नमालिका (पद्य)→०३–४४; ०६–२४५ सी; सं० ०४–३२७ घ, ङ ।

रामचरित्र (पद्य)→१७–१४३ डी ।

रामजानकी चरण चिह्न (पद्य)→०६–२४५ आई; २३–३३६ ए; २६–३७८ सी ।

रामानंदलहरी(गद्यपद्य)→०४–६३; ०६–२४५ डी; १२–१४४; २३–३३६ ई, एफ; २६–३७८ एच; सं० ०४–३२७ छ ।

रामरत्नमाल संग्रह (पद्य)→सं० ०४–३२७ च ।

विरहशतक (पद्य)→०६–२४५ एन; २०–१४५ ई; २३–३३६ जी।

विवेकशतक (पद्य)→२०–१४५ एफ।

वैराग्यशतक (पद्य)→२०–१४५ डी; सं० ०४–३२७ ग।

सतपंचासिका (पद्य)→०६–२४५ बी; २६–३७८ डी।

रामचरित दोहावली (पद्य)—युगलप्रसाद (गंगाप्रसाद) कृत। वि० गो० तुलसीदास जी के आधार पर रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६१।

रामचरितमानस (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६३१। वि० रामचरित्र वर्णन।

पूर्ण

(क) लि० का० सं० १७०४।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→००–१।

(ख) लि० का० सं० १७५२।

प्रा०—बा० भूसनसिंह, सेवराई, डा० भदवारा (गाजीपुर)।→सं० ०१–१४१ ग।

(ग) लि० का० सं० १७६२।

प्रा०—कलाभवन, काशी हिंदू विश्वविद्याल, वाराणसी।→४१–५०० ङ (अप्र०)।

(घ) लि० का० सं० १७७७।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडर, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१४१ घ।

(ङ) लि० का० सं० १७८३।

प्रा०—श्री रामराज पांडेय, मड़हां, डा० पतरही (जौनपुर)।→सं० ०१–१४१ ङ।

(च) लि० का० सं० १६०६–२०।

प्रा०—ठा० गिरजाबक्शसिंह जमींदार, करछना (इलाहाबाद)।→१७–१६६ डी।

खंडित

(छ) लि० का सं० १८६३।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–४८४ ओ' (अयोध्या कांड के अतिरिक्त शेष सब कांड)।

(ज) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–४८४ पी' (बालकांड, अयोध्या कांड, सुंदर कांड और अरण्य कांड के कुछ पृष्ठ लुप्त)।

बालकांड

(झ) लि० का० सं० १६६१।

प्रा०—बाबा छबिकिशोरशरण, सावनकुंज, अयोध्या।→०१–२२।

(ञ) लि० का० सं० १६६१।

प्रा०—श्री रामप्रियाशरण, सावनकुंज, वासुदेवघाट, अयोध्या।→२०–१६८ ए।

(ट) लि० का० सं० १७४६।

प्रा०—श्री तामेश्वरप्रसाद मिश्र, डोंगीपुर, डा० भैंसाबाजार (गोरखपुर)।→ सं० ०१–१४१ क।

(ठ) लि० का० सं० १८३४।

प्रा०—मुं० लक्ष्मीनारायण, ढोलपुरा, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–३२५ बी।

(ड) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—बाबा गोपालदास जी, चैतन्य रोड, वाराणसी।→४१–५०० ज (अप्र०)।

(ढ) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—श्री ब्रजमोहनलाल, टेउआँ (प्रतापगढ़)।→२६–४८४ जे।

(ण) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—पं० राधाकृष्ण, हिरनगऊ, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–३२५ डी।

(त) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा)।→२६–३२५ ई।

(थ) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शलिक कुआँ, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–५२ ख।

(द) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—बकर्मी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ।→ सं० १०–५२ ग।

(ध) लि० का० सं० १६०३।

प्रा०—ठा० विंध्याबक्ससिंह, टिकरा, डा० धनौली (बाराबंकी)। → २३–४३२ ओ[२]।

(न) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–५००घ (अप्र०)।

(प) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—श्री राधाकृष्ण, बनिया की माँ के मंदिर के पास, पुरानी बस्ती, कटनी।→ २६–३२५ सी।

(फ) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह रईस, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–४३२ डी[3]।

(ब) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६–४८४ के।

(भ) प्रा०—श्री शीतलप्रसाद, प्रतापगढ़।→२६–४८४ एल।

(म) प्रा०—श्री नन्हूप्रसाद दूबे, बमरौली कटारा (आगरा)।→२६–३२५ ए।

(य) प्रा०—पं० सोनपाल ब्राह्मण, सरेंधी, डा० जगनेर (आगरा)। → २६–३२५ एफ।

अयोध्याकांड

(र) लि० का० सं० १७७७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१४१ ख ।

(ल) लि० का० सं० १७९० ।

प्रा०—बाबा हरिदास, अर्रा (अलीगढ़) ।→२९-३२५ जी ।

(व) लि० का० सं० १८३५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५०० न (अप्र०) ।

(श) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६-४८४ बी (केवल भरत मिलाप) ।

(ष) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—श्री ब्रह्मचारी जी, द्वारा श्री लालताप्रसाद पुजारी, मिसरिख (सीतापुर) ।→ २६-४८४ सी ।

(स) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० गंगादत्त मिश्र, जलेसर (एटा) ।→२९-३२५ एच ।

(ह) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—मुंशी ब्रजमोहनलाल, टेउआँ (प्रतापगढ़) ।→२६-४८४ डी ।

(क¹) लि० का० सं० १८७९ ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद प्रधानाध्यापक, चमरौली कटारा (आगरा) ।→ २९-३२५ आई ।

(ख¹) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानापुर, डा० बक्सी का तालाब (लखनऊ) । →२६-४८४ ई ।

(ग) लि० का० सं० १८९५ ।

प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-५२ घ ।

(घ) लि० का० सं० १८९७ ।

प्रा०—मुंशी शीतलाप्रसाद, स्योंगा (प्रतापगढ़) ।→२६-४८४ एफ ।

(ङ¹) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—बख्शी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०-५२ ङ ।

(च¹) प्रा०—पं० विद्याधर, बेनी विश्राम, राजापुर (बाँदा) ।→०१-२८ ।

(छ¹) प्रा०—पं० सोनपाल, सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा) ।→ २९-३२५ जे ।

अरण्यकांड

(ज¹) लि० का० सं० १७६० ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, टीकमपुर, डा० जलेसर (एटा) ।→२९-३२५ के ।

(झ[1]) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६–४८४ ए ।

(ञ[1]) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३२५ एल ।

(ट[1]) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—पं० शालिग्राम शर्मा, महुवा, डा० जैतपुरकलाँ (आगरा) । → २६–३५२ एम ।

(ठ[1]) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारकाप्रसाद मिश्र, कागारौल (आगरा) । → २६–३२५ एन ।

(ड[1]) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा० —पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५२ च ।

(ढ[1]) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—श्री नत्थूदास वैश्य, पुरानी बस्ती, कटनी ।→२६–३२५ ओ ।

(ण[1]) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६ ३२५ पी ।

(त[1]) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथ हलवाई, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५२ छ ।

(थ[1]) प्रा०—बक्सी गयाप्रसाद, उपहटी, रीवाँ ।→सं० १०–५२ ज ।

किष्किधाकांड

(द[1]) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—पं० शंभुनाथ, बबुरी, डा० अलीगंजबाजार (सुलतानपुर) । → २३–४३२ क्यू[2] । (उत्तर, सुंदर और किष्किधाकांड)

(ध[1]) लि० का सं० १८६२ ।

प्रा०—पं० गौरीशंकर शुक्ल शास्त्री, जगनेर (आगरा) ।→२६–३२५ क्यू ।

(न[1]) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३२५ आर ।

(प[1]) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—पं० विश्वंभरनाथ पाठक, पुरा गंगाधर, टिकरिया, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–४३२ पी[2] ।

(फ[1]) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—श्री बटेश्वरदयाल, जैतपुर कलाँ (आगरा) ।→२६–३२५ एस ।

(ब[1]) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद, डा० कागारौल (आगरा) ।→ २६-३२५ टी ।

(भ[१]) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-५२ झ ।

(म[१]) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०-५२ ञ ।

(य[१]) लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय, मालगुजार, रायबाड़ा, कटनी ।→२६-३२५ यू ।

(र[१]) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—श्री नाथदास वैश्य, पुरानी बस्ती, कटनी ।→२६-३२५ वी ।

(ल[१]) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—श्री गजाधरसिंह रामचरण क्षत्री, सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा) ।→ २६-३२५ डब्ल्यू ।

(व[१]) लि० का० सं० १६०५ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकासिंह, खानीपुर, डा० तालाबबक्सी (लखनऊ) ।→ २६-४८४ जी[१] ।

(श[१]) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री जगन्नाथ हलवाई, खर्टाकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-५२ ट ।

<u>सुंदरकांड</u>

(ष[१]) लि० का० सं० १६७२ ।

प्रा०—पं० गजाधर शर्मा, दुलही (लखीमपुर) ।→सं० १०-५२ ठ ।

(स[१]) लि० का० सं० १७६० ।

प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ़) ।→२६-३२५ एक्स ।

(ह[१]) लि० का० सं० १८२५ ।

प्रा०—श्री चिरंजीलाल, भैरोबाजार, आगरा ।→२६-३२५ वाई ।

(क[२]) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—ठा० जसकरणसिंह, टिकरिया, डा० कासगंज (एटा)→२६-३२५ जेड ।

(ख[२]) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-३२० ए[२] ।

(ग[२]) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—श्री वासुदेव हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)→२६-३२५ बी[२] ।

(घ[२]) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—श्री कालिकाप्रसाद, नौनेरा, डा० कमतरी (आगरा)→२६-३२५ सी[२] ।

(ङ[२]) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०–६२ ड ।

(च[२]) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–४८४ यू ।

(छ[२]) प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय, मालगुजार, रायबाड़ा, कटनी ।→२६ ३२५ डी[२] ।

(ज[२]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५०० छ (अप्र०) ।

(झ[२]) प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–५२ ढ ।

(ञ[२]) लि० का० १८४४ ।

प्रा०—पं० दुर्गादीन दीक्षित, सीकरी, डा० तंबौर (सीतापुर) । → २६–४८४ आई[१] ।

लंकाकांड

(ट[२]) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३२५ ई[२] ।

(ठ[२]) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद मिश्र, कागारौल (आगरा) । → २६–३२५ एफ[२] ।

(ड[२]) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→२६–४८४ जे[१] ।

(ढ[२]) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बसकी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०–५२ ण ।

(ण[२]) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय मालगुजार, रायबाड़ा, कटनी (जबलपुर) । → २६–३२५ जी[२] ।

(त[२]) प्रा०—श्री उमाशंकर, सैदपुर, गाजीपुर ।→२६–४८४ के[१] ।

(थ[२]) प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५२त ।

उत्तरकांड

(द[२]) लि० का० सं० १७६० ।

प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ़) ।→२६–३२५ एच[२] ।

(ध[२]) लि० का० सं० १८२४ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६–४८४ वी[१] ।

(न[२]) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—पं० भवानीबख्श, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) । → २३–४३२ आर[२] ।

(प[२]) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—ठा० लालसिंह, मनौना, डा० पटियाली (एटा)→२६-३२५ आई[२] ।

(फ[२]) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-३२५ जे[२] ।

(ब[२]) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारिकाप्रसाद मिश्र, कागारौल (आगरा) । →२६-३२५ के[२] ।

(भ[२]) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—श्री शंकरप्रसाद, चाँदपुर (रायबरेली) ।→२३-४३२ एस[२] ।

(म[२]) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० रामरतन शर्मा, शालिक कुआँ, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-५२ थ ।

(य[२]) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बक्शी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०-५२ द ।

(र[२]) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय मालगुजार, रायबाड़ा, कटनी (जबलपुर)।→२६-३२५ एल[२]।

(ल[२]) प्रा०—श्री द्वारिकाप्रसाद प्रधानाध्यापक, बमरौली काटारा (आगरा) । →२६-३२५ एम[२] ।

रामचरितमानस की टीका (गद्यपद्य)—हरिचरणदास कृत । र० का० सं० १८७७ । लि० का० सं० १६१७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० बलिभद्रसिंह सेंगर, तालुकेदार, काँथा (उन्नाव) ।→२३-१५३ ।

रामचरितमानस की टीका→'रामानंदलहरी' (स्वा० रामचरणदास कृत) ।

रामचरितमानस मुक्तावली (पद्य)—शिवलाल पाठक के शिष्य कृत । र० का० सं० १८६० । लि० का० सं० १६१५ । वि० तुलसी कृत 'रामचरितमानस' की टीका ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१० ।

रामचरितवृत्तप्रकाश (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत । र० का० सं० १६०० । लि० का० सं० १६३० । वि० पिंगल ।

प्रा०—पं० अवधविहारी मिश्र, धमौली (बाराबंकी) ।→२३-२२७ डी ।

रामचरितामृतमहोदधि (पद्य)—घिसियावनदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६४८ । वि० रामकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—महंत प्रेमदास बाबा, घिसियावनदास बाबा की कुटी, खिखरुआ (गंगापुर), डा० समरौता (रायबरेली) ।→सं० ०४-८८ ख ।

रामचरितावली (पद्य)—अन्य नाम 'रामबारहखड़ी' । रामरत्न कृत । वि० रामचंद्र के जन्म से लेकर बन से लौटने तक की कथा ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव)। → २६–३६२ ए।

(ख) प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी, खैरवा, डा० भिटौरा (फतेहपुर)।→ २०-१५६ ।

(ग) प्रा०—श्री ब्रजभूषणसिंह, भुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६–३६२ बी।

रामचरित्र (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० रामनाम की महिमा आदि।

प्रा०—श्री रामाधीन मुराऊ, बदऊसराय (बाराबंकी)।→२३–७५ सी।

रामचरित्र (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० रामचरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, इलाहाबाद।→सं० ०१–३०४ ख।

(ख) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–१४८।

रामचरित्र (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० राम नाम की महिमा तथा भक्तों के चरित्र आदि।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१४३ डी।

रामचरित्र (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० राम माहात्म्य।

प्रा०—पं० शंकरदेव, भैंसा, डा० कोसीखुर्द (मथुरा)।→३५–६१।

रामचरित्र (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबा बनमलदास गुंडा, रायबरेली।→२३–४२२ बी।

रामचरित्र (पद्य)—सूरजराज (कवि) कृत। वि० रामजन्म और विवाह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६६।

रामचरित्र→'रामायण (भाषा)' (कपूरचंद कृत)।

रामचरित्र→'रामाश्वमेध या रामचरित्र' (गुरुदीन कृत)।

रामचरित्र (कवित्तबंध) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६११। वि० रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, गौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४–४८६।

रामचरित्र अवतर्णिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री वाल्मकीय रामायण की अवतरणिका अथवा विषय सूची।

प्रा० दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–५८ (परि० ३)।

रामचरित्र कथा काकभुसुंडी गरुड़ संवाद (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-४६ ।

रामचरित्र के पद (पद्य)—नाभादास (नारायणदास) कृत । वि० राम कथा ।

(क) लि० का० सं १८८६ ।

प्रा० - महंत लालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या ।→०६-२०२ ।

(ख) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बउनी (बहराइच) ।→२३-२८६ सी ।

रामचरित्र रत्नाकर (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र० का० सं० १७६६ । वि० वाल्मीकि रामायण (अयोध्या, अरण्य और सुंदरकांड) का अनुवाद ।

(क) लि० का० १८३६ ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१७३ डी ।

(ख) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१७६ ई ।

रामचरित्र रामायण (पद्य)—भूपति कृत । वि० राम कथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१३८ (विवरण अप्राप्त) ।

रामछटा (पद्य)—बनादास कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० राम लक्ष्मण और सीता तथा अयोध्या के प्रासाद की छवि का वर्णन ।

प्रा०—श्री मोहनदास पुजारी, भवहरण कुंज, अयोध्या ।→२०-११ ओ ।

रामजन—शाहपुरा (राजपूताना) के निवासी। स्वा० रामचरण के शिष्य । सं० १८३६ के लगभग वर्तमान ।

दृष्टांतसागर की टीका (गद्यपद्य)→३८-११८ ।

रामजन्म (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—श्री रामनरेश दूबे, गजहड़ा, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़) ।→ सं० ०१-१४३ ग ।

रामजन्म (पद्य)—सूरजदास कृत । वि० रामचंद्र जी के जन्म से विवाह तक की कथा ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० मताफेर तिवारी, बंड़ा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६-४७३ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६५३ ।

प्रा०—पं० यशोदानंदन तिवारी, काँथा (उन्नाव) ।→२३-१४७ सी ।

(ग) प्रा०—बाबू रामचंद्र टंडन, बी० ए०, रामभवन, शाहजहाँपुर ।→ १७-१८७ ए ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५७४ ख (अप्र०) ।

(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-१३३ ग ।

रामजन्म (पद्य)— सोहन कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० | चौधरी शंकरलाल जी, मलाजनी (इटावा) ।→३५–६४ ।

रामजन्म कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, फुलरई, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–२८२ ।

रामजन्म बधाई (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम जन्मोत्सव ।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचौराजघाट (आगरा) ।→२६–४६१ ।

रामजन्मोत्सव (पद्यगद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० कैलाशपति, जरार, डा० बाह (आगरा) ।→२६–४६२ ।

रामजानकीचरणचिह्न (पद्य)—अन्य नाम 'चरणचिह्न' । रामचरणदास कृत । वि० सीताराम के चरणों का माहात्म्य तथा चिह्नों का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या ।→०६–२४५ आई ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—ठा० अदितसिंह, सरैयाअली, डा० कैसरगंज (बहराइच) ।→२३–३३६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६–३७८ सी ।

रामजी (भट्ट)—गुर्जर वंशीय ब्राह्मण । गौरीनाथ के पुत्र रामदेव के पौत्र । गंगा तटस्थ भोजपुर निवासी । सं० १८४३ के लगभग वर्तमान ।

अद्भुतरामायण (पद्य) →३५–८१ ।

रामजी (भट्ट)—फर्रुखाबाद निवासी । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।

छंदमंजरी (पद्य)→०६–३३१ ।

शृंगारसौरभ (पद्य)→१ .–१४६; १९–१४८; २३–४०५; सं० ०४–३२८ ।

रामजी का नहछू (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम के विवाह के अवसर पर नहछू कृत्य का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५५५ ।

रामजी का बारहमासा (पद्य)—सूरदास कृत । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—ठा० सीतारामसिंह, महराजनगर, डा० मैगलगंज (सीतापुर) ।→२६–४७१ आई ।

(ख) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—पं० रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–४७१ जे ।

(ग) प्रा०—श्री मन्नीलाल तिवारी, गंगापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४७१ के ।

रामजी का सहस्रनाम→'सहस्रनाम' (भीखा साहब कृत) ।

रामजी की वंशावली (पद्य)—हरिलाल कृत। र० का० सं० १८५०। लि० का० सं० १८७२। वि० सूर्यवंश के राजाओं की (रानियों सहित) वंशावली।
प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६--११३।

रामजी के बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'कौशिल्या की बारहमासी'। भवानी कृत। वि० कौशिल्या का राम वनगमन पर पुत्र वियोग।
(क) लि० का० सं० १९३१।
प्रा०—मुं० मदनकिशोरलाल, ददरीघाट (गाजीपुर)।→सं० ०१–२५६ ख।
(ख) लि० का० सं० १९४१।
प्रा०—श्रीमती चौरासादेवी, धर्मपत्नी स्व० रामशंकर पांडे, सुरसुतो (कौंड़ीहार), डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१–२५६ क।
(ग) प्रा०—पं० रामआधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६–५८।

रामजी के सहस्रनाम (गद्य)—गुलाब (ल ?) साहब कृत। लि० का० सं० १८३८-१८४० (लगभग)। वि० राम सहस्रनामावली।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५२ क।

रामजीमल्ल (भट्ट)→'श्रीराम (भट्ट)' ('छंदमंजरी' के रचयिता)।

रामजीवन (द्विवेदी)—ब्राह्मण। सुखराम के पुत्र। दुबौली बाजार (बस्ती) के निवासी।
वैद्यकभवन (पद्य)→सं० ०४–३२६।

रामजीस्तोत्र (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० रामचंद्र जी की प्रशंसा।
प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, घेरा श्री राधारमण, वृंदावन (मथुरा)।→२९-३२५ जे[3]।

रामजेवनार (पद्य)—अग्रदास (अगरदास) कृत। वि० जनकपुर में रामचंद्र जी की जेवनार का वर्णन।
प्रा०—पं० हरिशंकर, तेंदुआमाधो, डा० खलीलाबाद (बस्ती)।→सं० ०४–२।

रामतत्वबोधनी टीका (गद्य)—शिवप्रकाश कृत। लि० का० सं० १९३५। वि० विनयपत्रिका की टीका।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४--३८६।

रामतरहस की (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० रामलीला।
प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, डा० कटनी मुड़वारा (जबलपुर)।→२६-३४६ एफ।

रामतैतीसी (पद्य)—रामगुलाम कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० रामचरित्र।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→ सं० ०१–१४२ ।

रामदत्त—ब्राह्मण । सं० १७५५ के लगभग वर्तमान ।
दानलीला (पद्य)→२३–३४१ ।

रामदत्त—गौड़ ब्राह्मण । नारनौल निवासी । बीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।
भजनसंग्रह (पद्य)→पं० २२–११८ ।

रामदयाल—(?)
दयाविलास (सभाजीत) (पद्य)→२३–३४२ ए ।
शालिहोत्र (पद्य)→२३–३४२ जी; सं० ०४–३३० ।
सभाजीत ज्योतिष (पद्य)→२३–३४२ सी ।
सभाजीत रागमाला (पद्य)→२३–३४२ डी ।
सभाजीत वैद्यक (पद्य)→२३–३४२ एफ ।
सभाजीत सर्वनीति (पद्य)→२३–३४२ बी; सं० ०१–३४४ क, ख ।
सभाजीत सामुद्रिक (पद्य)→२३–३४२ ई; सं० ०१ ३४४ ग ।
सभाजीतसार (पद्य)→१२–१४५ ।

रामदयाल—अयोध्या निवासी । संभवतः १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
पराधामबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ ए, सी ।
भक्तरसबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ डी ।
रामनाम तत्वबोधिनी (पद्य)→१७–१४४ बी ।

रामदयाल—(?)
गोपीचंद (पद्य)→३८–११७ ।

रामदयाल—(?)
सामुद्रिकभेद (पद्य)→२०–१४६ ।

रामदयाल (चतुर्वेदी)—होलीपुरा (आगरा) निवासी । हरदत्तराय के पुत्र । जन्म सं० १८८१ । मृत्यु सं० १९६४ ।
रघुनाथविजय (पद्य)→३२–१७८ ।

रामदयाल (पांडेय)—उप० रामानंद । कान्यकुब्ज ब्राह्मण । चंदन शहर (इटावा) निवासी । विरक्त होने पर रामानंद नाम रख लिया था ।
फुटकर कवित्त (पद्य)→३२–१७७ ।

रामदास—आदि निवास सिरौंज नगर के समीप मालवांतर्गत इमलानों ग्राम । पिता का नाम मनोहरदास । माता का नाम वीरामती । संभवतः धर्मसाला नगर के राजा प्रेमसाहि के आश्रित ।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)→०६-२१२ ए; २६-२५६; सं० ०७-१६६।

प्रह्लादलीला (पद्य)→०६-२१२ बी।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→सं० ०४-३३१ क, ख।

रुक्मिणी ब्याह (पद्य)→सं० ०१-३४५।

रामदास—अग्रहरी (?) वैश्य।

सुदामा की कथा (पद्य)→४१-२२६।

रामदास—(?)

आश्चर्यअद्भुत (ग्रंथ (गद्य)→३२-१७६ ए।

रामायण (पद्य)→३२-१७६ बी।

सूक्ष्मवेदांत (गद्यपद्य)→३२-१७६ सी।

रामदास—(?)

कार्तिकतरंग (पद्य)→सं० ०४-३३२।

रामदास—(?)

गंगाब्याहलो (पद्य)→२६-३८१; सं० ०१-३४६।

रामदास—(?)

तीर्थमाहात्म्य (पद्य)→२६-३८०।

रामदास—(?)

प्रभुसुजस पचीसी (पद्य)→३५-८० ए, बी।

रामदास→'झामदास' ('पिंगल रामायण' के रचयिता)।

रामदास (बरसानिया)—बरसाना (नंदगाँव, मथुरा) के निवासी। सं० १७२७ के पूर्व वर्तमान।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)→सं० ०१-३४७ क, ख, ग।

राधाविलास (पद्य)→सं० ०१ ३४७ ध।

रामदास (मौनी)—गुरु का नाम राघौराम।

कड़खा (पद्य)→सं० ०७-१६७ क।

पद (पद्य)→सं० ०७-१६७ ख।

रामदीन—तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान।

सत्यनारायण कथा (भाषा) (पद्य)→२०-१४८; ४१-५५० (अप्र०)।

रामदेव—(?)

अयोध्याबिंदु (पद्य)→०६-२४६; १७-१४५।

रामदेव (द्विवेदी)→'बालदास (बाबा)' ('सर्वार्थपुराण' के रचयिता)।

रामदोहावली सतसई→'दोहावली सतसई' (तुलसीदास ? कृत)।

रामधन—आगरा के धूसर बनिया। सं० १६२४ के लगभग वर्तमान।

स्वरोदय (गद्य)→२३–३४३ ।

रामधाम (पद्य)—बलराम जी कृत । लि० का० सं० १८७० (?) । वि० रामभक्ति ।
प्रा० —ठा० हाकिमसिंह चौहान, उत्तरपाड़ा, डा० अमावाँ (रायबरेली) । →
३५–६ ।

रामध्यानमंजरी (पद्य)—शिवानंद कृत । र० का० सं० १८७८ । वि० श्री रामध्यान वर्णन ।
प्रा० — सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७ १७४ ।

रामध्यानमंजरी→'ध्यानमंजरी' (अग्रदास कृत) ।

रामनवरत्न→'श्रीरामनौरत्नविनय' (जानकीप्रसाद कृत) ।

रामनाथ—(?)
दानलीला का बारहमासा (पद्य)→२६–३८४ ए ।
यशोदा श्रीकृष्ण का झगड़ा (पद्य)→२६–३८४ बी ।

रामनाथ—(?)
लगनसुंदरी (पद्य)→३२–१८२ ।

रामनाथ (नागर)—उप० राम कवि । गुजराती ब्राह्मण । सं० १८३४ के लगभग वर्तमान ।
अंजननिदान टीका (पद्य)→पं० २२–६४

रामनाथ (पंडित)—बादशाहपुर (जौनपुर) के निवासी । ये एक अच्छे पंडित थे ।
कालीदमन (पद्य)→२६–३८५ सं० ०४–३११ ।

रामनाथ (पंडित)—आजमगढ़ के दक्षिण मेहाग्राम और महादेवपारा के निवासी । 'नलोपाख्यान' की रचना में भरसी मिश्र के सहयोगी ।→सं० ०१–२५५ ।

रामनाथ (प्रधान)—रीवाँ राज्य के मंत्री घराने के वंशज । रीवाँ नरेश के आश्रित । सं० १८८७–१९१२ के लगभग वर्तमान ।
चित्रकूटशतक (पद्य)→०६–२५३; २०–११२ ।
धनुषयज्ञ (पद्य)→२०–१५३ ए ।
राजनीति कवित्त (पद्य)→०१–६; २०–१५३ बी; २३–३४६ ए, बी ।
रामकलेवारहस्य (पद्य)→०६–२१४; २३–३४६ सी, डी, ई; २६–३८६ ए, बी; सं० ०४–३१४ क, ख ।
रामहोरीरहस्य (पद्य)→०१–८; सं० ०१–३४८ ।

रामनाथ (वाजपेयी)—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । 'महाभारत (भाषा)' के नौ अनुवादकों में से एक यह भी हैं । सं० १९१६ के लगभग वर्तमान ।→०४–६७ ।

जानकीपच्चीसी (पद्य)→१७–१५२ ।

रसभूषण (पद्य)→०३–६३ ।

रामनाथसहाय—(?)

कोकसार (पद्य)→२६–३८७ ।

रामनाम की महिमा (पद्य)—जयलाल कृत । लि० का० सं० १९२८ । वि० रामनाम माहात्म्य तथा कृष्ण और शिवजी की विनती ।

प्रा०—पं० रामदुलारेलाल, भटपुरवा, डा० बंथर (उन्नाव) ।→२६–२०४ ई ।

रामनाम गुणसागर (पद्य)—विट्ठलदास कृत । लि० का० सं० १७६५ । वि० राम माहात्म्य ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२३८ ।

रामनाम तत्वबोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत । लि० का० सं० १९२९ । वि० भगवत भक्ति ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१४४ बी ।

रामनाम माहात्म्य (पद्य)—स्वयंप्रकाश कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१९१ ।

रामनाम रसयोग (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सीताराम के नाम की महिमा ।

प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या ।→१७–६२ (परि० ३) ।

रामनामा (पद्य)—बिसराव (बिसरामदास) कृत । लि० का० सं० १९५८ । वि० रामभक्ति की महिमा ।

प्रा०—श्री बलदेवप्रसाद महाजन, बसनही, डा० रसड़ा (बलिया) । → ४१–२५५ क ।

रामनारायण—अग्रवाल वैश्य । हिसामपुर स्थान (अयोध्या से सात कोस पश्चिम सरयूतट पर) के निवासी और उसी स्थान के पंडित श्यामानंद के शिष्य । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।

द्वारिकाविलास (पद्य)→सं० ०४–३३५ ।

रामनारायण—अयोध्या नरेश महाराज मानसिंह के मुंशी । १९वीं शताब्दी में वर्तमान ।

षट्ऋतु वर्णन (पद्य)→०६–२५६ ।

टि० संभवतः पूर्वोक्त रचयिता (खो० वि० सं० ०४–३३५) भी यही हैं ।

रामनारायण—हितानुयायी । विष्णुसखी के शिष्य । सं० १८७७ के पूर्व वर्तमान ।

हिताष्टक (पद्य)→३८–१२१ ।

रामनारायण –उप० विष्णुशक्ति ।

युगलकिशोर सहस्रनाम (पद्य)→१७–१५१ ।

रामनारायण—अन्य नाम रामगुसाई द्विज या गुसाईराम । 'सनेहलीलामृत पचीसी' की रचना में हनुमंत कवि के सहयोगी ।→सं० ०१–४७५ ।

रामनारायण →'गोपालदास' ('गोपालसागर' के रचयिता) ।

रामनारायण→'रसरासि' ('रसिकपच्चीसी' के रचयिता)।

रामनिवास (तिवारी)—(?)

रसमंजरी (गद्य)→१७–१५३ ।

रामपदावली (पद्य)—प्रतापकुँवरि (बाई) कृत । लि० का० सं० १६२४ । वि० रामजी का गुणगान ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–१३७ ।

रामपदावली→'पदावली' (रामचरणदास कृत)।

रामपाल (राजा)—सेवाराम ('नलपुराण' के रचयिता) के आश्रयदाता। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।→सं० ०१–४६६ ।

रामपुराण (पद्य)—खुशालचंद (खुस्याल) कृत । र० का० सं० १७८३ । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १८२७ ।

प्रा—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४–४८ घ ।

(ख) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-२११ सी ।

(ग) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०४–४८ ङ ।

(घ) प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४-४८ ग ।

रामपुरी—जगतमनि के शिष्य । सं० १७५४ के लगभग वर्तमान ।

जैमिनीअश्वमेध (पद्य)→३८–१२२ ।

रामप्रकाश (पद्य)—मुनिलाल कृत । र० का० सं० १६४२ । लि० का० सं० १८६७ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२६८ (विवरण अप्राप्त) ।

रामप्रकाश (गिरि)-गुसाँई । हुरहुरी (जौनपुर) के निवासी । इनके वंशज अभी तक उक्त ग्राम में रहते हैं । गुरु का नाम हरिहर । सं० १८८३ के पूर्व वर्तमान ।

काशी वर्णन (पद्य)→सं० ०१–३४६ क ।

नासिकेतपुराण (पद्य)→सं० ०१–३४६ ख ।

पदावली (पद्य)→सं० ०१–३४६ ग ।

रामप्रसाद—श्रीवास्तव कायस्थ । उत्तमचंद के पुत्र । सतपुरा (दिल्ली) निवासी । सं० १७७६ के लगभग वर्तमान ।

कृष्णचंद्रिका (पद्य)→१७–१५४ ।

रामप्रसाद—जयसार (लखनऊ) निवासी । सं० १६१२ के लगभग वर्तमान ।

अर्जुनगीता (पद्य)→सं० ०१-३५० ।

रामप्रसाद—जहानगंज के निवासी । सं० १६३२ के लगभग वर्तमान ।

सुखजीवनप्रकाश (पद्य)→२६-२६० ।

रामप्रसाद(?)→'ईश्वरदास' ('महाभारत स्वर्गारोहणपर्व' के रचयिता) ।

रामप्रसाद (कथिक)—बेतिया (बिहार) निवासी । आनंदकिशोर के आश्रित । सं० १८७७ के लगभग वर्तमान ।

आनंदरस कल्पतरु (पद्य)→२६-३८६ ।

रामप्रसाद (गूजर)—(?)

सत्यनारायण की कथा (पद्य)→१२-१८३ ।

रामप्रसाद (त्रिपाठी)—सं० १८६४ के लगभग वर्तमान ।

वैद्यविनोद (गद्यपद्य)→२०-१५४ ।

रामप्रसाद (निरंजनी)—ये पटियाला की महारानी के यहाँ कथावाचक थे। सं० १७६८ के लगभग वर्तमान ।

योगवाशिष्ट (गद्य)→२६-२६१ ए, बी, सी, डी; सं० ०४-१३७ ।

रामप्रसाद (बाबा)—वैस क्षत्रिय । झामदास की कुटी (सुलतानपुर) के निवासी । बाबा झामदास के वंशज और बाबा केशवदास के शिष्य । जन्म सं० १८७५ । मृत्यु सं० १६४० ।

रामशब्दावली (पद्य)→३५-८२; सं० ०४-१३६ ।

रामप्रसाद (भाट)—बिलग्राम (हरदोई) निवासी । सं० १८०५ के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानबारहमासा (पद्य)→२६-३६० बी, सी, डी ।

जुगलपद (पद्य)→०६-२५४ बी ।

जैमिनीपुराण (पद्य)→०६-२५४ ए ।

बभ्रुवाहन की कथा (पद्य)→२६-३६० ए ।

रामप्रियाशरण—जनकपुर के महंत । सं० १७६० के लगभग वर्तमान ।

सीतायन (पद्य)→०६-२५५; १७-१५५; २०-१५५ ।

रामफल—(?)

तंत्रसामुद्रिक टीका (पद्य)→सं० ०१-३५१ ।

रामबकस—ब्राह्मण ।

कवित्त (पद्य)→२६-२८७ ए, सी ।

रामाश्वमेध (पद्मपुराण) (पद्य)→सं० ०१-३५२ ।

विप्रकरुणासागर (पद्य)→२६-२८७ बी ।

रामबारहखड़ी→'रामचरितावली' (रामरत्न कृत) ।

रामबोध—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।→०२-६१ (दो) ।

रामब्याह (कवित्त) (पद्य)—लोकनाथ कृत । लि० का० सं० १९१५ । वि० राम-विवाह वर्णन ।

प्रा०—ठा० भवानीदयालसिंह, ऐतवारा, डा० सत्थिन (सुलतानपुर) । → सं० ०४–३५८ ।

रामभक्ति प्रकाशिका (गद्यपद्य) अन्य नाम 'रामचंद्रिकातिलक' । जानकीप्रसाद कृत । र० का० सं० १८७२ । वि० केशव कृत 'रामचंद्रिका' की टीका ।

(क) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–२० ।

(ख) प्रा०—लाल अंबिकानाथसिंह (लालसाहब), नाइनस्टेट, डा० सूची (रायबरेली) ।→सं० ०४ १२६ क ।

(ग) प्रा०—पं० चंद्रपाल, नूरुद्दीनपुर, डा० करहियाबाजार (रायबरेली) । →सं० ०४–१२६ ख ।

रामभजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामकृष्ण की भक्ति तथा वियोग ।

प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह, दिखतौली, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)→३५–२८० ।

रामभजन (त्रिपाठी)—(?)

रमलप्रश्न (गद्य)→सं० ०४–३३८ ।

रामभरोसेदास (बाबा)—रतनपुरा कुटी (बलिया) निवासी । कृपाराम के शिष्य मृत्यु सं० १९३६ ।

गीतरतन (पद्य)→४१–२२७ ग ।

ब्रह्मविलास (पद्य)→४१–२२७ क, ख ।

राममंगल (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० राम विवाह ।

प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य, माट (मथुरा) ।→३२–२२१ बी ।

राममंत्रजोग (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि० रामभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२५३ ।

राममंत्रमुक्तावली (पद्य)—अन्य नाम 'राममुक्तावली' । तुलसीदास (?) कृत । वि० राम नाम माहात्म्य ।

(क) लि० का० सं० १७२६ ।

प्रा०—पं० गोविंदराम, अमहतपुरवा गजाधर तिवारी, डा० सुलतानपुर (सुलतानपुर) ।→२३–४३२ एम² ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६७ ।

(ग) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—पं० मंगलदेव, खोली (बहराइच) ।→२३–४३२ एन² ।

(घ) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—कुटिया श्री पवहारी बाबा जी, स्थान कुड़ेसरपुर (डा० [illegible]), गाजीपुर । →४१-०५-७२ ।

(ङ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१९६ ए ।

राममंत्र रहस्यत्रय (पद्य)—रघुवरशरण कृत । लि० का० सं० १९११ । वि० राममंत्र का गूढ़ार्थ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१४१ ।

राममंत्रार्थ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामनाम और रामचंद्र की महिमा ।

प्रा०—स्वामी रामवल्लभशरन, सद्‌गुरुसदन, अयोध्या ।→१७-६० (परि० ३) ।

राममंत्रार्थ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२९ । वि० राममंत्र का गूढ़ार्थ वर्णन ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-६१ (परि० ३) ।

राममल्ललीला (पद्य)—रमणविहारी (रमणेश) कृत । वि० रामचंद्र का व्यायाम करना ।

(क) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर) । →२६-३८८ बी ।

(ख) प्रा०—सेठ गोविंदराम भगतराम, अमिलिहा (उन्नाव) →२६-३८८ सी ।

राममाला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १९०६ । वि० रामनाम की महिमा ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-१४७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

राममाला (पद्य)—शंकरराम कृत । लि० का० सं० १९१२ । वि० रामनाम की महिमा ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६८ ।

राममिलन (पद्य)—निधिरानी कृत । लि० का० सं० १९४० । वि० राम और गुरु की महिमा ।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर) । →२६-३३५ ।

राममुक्तावली→'राममंत्रमुक्तावली' (तुलसीदास? कृत) ।

रामरंग—कोई रामभक्त । सं० १८०९ के पूर्व वर्तमान ।

बारहखड़ी (पद्य)→४१-२२८ ।

रामरँगीले→'माधोराम (रामरँगीले)' ।

रामरक्षा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १९०६ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१७७ एच (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० राममूर्ति शर्मा, बवरीगढ़, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ ३२-१०३ एस ।

रामरक्षा→'रामरक्षास्तोत्र' (रामानंद कृत) ।

रामरक्षा सजीवनमंत्र (गद्य)—रामानंद कृत । वि० मंत्र तंत्र ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५० ए ।

रामरक्षास्तोत्र (गद्यपद्य)—रामानंद कृत । र० का० सं० १४५७ । वि० रामचंद्र जी की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा०—श्री राममूर्ति, बल्टीगढ़, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२-१८० सी ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६८ ग ।

(ग) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद द्विवेदी, इटोरा, डा० मानिकपुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-३४६ ङ ।

(घ) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—पं० कालीचरण, रामनगर, डा० बेलाखारा (रायबरेली) । → सं० ०४-३४६ ग ।

(ङ) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—पं० शालिग्राम दीक्षित, जामू, डा० संडीला (हरदोई) ।→२६-३८३ ।

(च) लि० का० सं० १९०७ ।

प्रा०—पं० रामशंकर दूबे, महदोइया, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । → सं० ०७-१६८ घ ।

(छ) लि० का० सं० १९४४ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५० बी ।

(ज) लि० का० सं० १९४४ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०-१५१ ए ।

(झ) प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-७६ ।

(ञ) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०९-२५० ए ।

(ट) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०-१५१ बी ।

(ठ) प्रा०—श्री नेकराम शर्मा, कायथा, डा० कोटला (आगरा) । → २९-२८९ ।

(ड) प्रा०—चौ० जोधासिंह, सामपुर, डा० जसराना (मैनपुरी) । → ३२-१८० ए ।

(ढ) प्रा०—लाला छैलबिहारीलाल, अरौंव डा० मारौल (मैनपुरी) । → ३२-१८० बी ।

(ण) प्रा०—पं० राधेश्याम, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२-१८० डी ।

(त) प्रा०—पं० तोताराम, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३२-१८० ई ।

(थ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३४६ घ ।

(द) प्रा०—श्री भगवानदत्त, हरिहरपुर (बस्ती)।→सं० ०४-३४६ च ।

(ध) प्रा०—श्री ब्रजकिशोर गुप्त, पुराना शहर, इटावा ।→दि० ३१-७२ ।

टि० खो० वि० २६-२८६ की प्रति रामानुजाचार्य के नाम पर उल्लिखित है ।

रामरघुनाथस्तोत्र (पद्य)—उदय कृत । वि० स्तुति ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२६ ।

रामरछ्या (गद्यपद्य)—रमईराम (रौयाराम) कृत । वि० राम माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१ २१४ ।

रामरणरत्नाकर (पद्य)—सरदार कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० रामचरित्र वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-७६ ।

रामरतन→'कुशलसिंह' (मथुरा निवासी) ।

टि० खो० वि० २३-३४७ बी पर भूल से रामरतन को रचयिता का नाम मान लिया गया है । वस्तुतः यह पुस्तक का नाम है ।

रामरतन अलिसियारसिक→'रामरत्न' ('कृष्णाष्टक' आदि के रचयिता) ।

रामरतनगीता→'अर्जुनगीता' (कुशलसिंह कृत) ।

रामरतन लघुदास—हरियाना (पंजाब) क्षेत्र के अंतर्गत चिन्याणौ (निधासौ ?) नामक गाँव के निवासी । गौड़ ब्राह्मण । पिता का नाम मनिराम । गुरु का नाम मायाराम । सं० १८६५ के पूर्व वर्तमान ।

कृष्णध्यानाष्टक (पद्य)→सं० ०१-३५४ ख ।

गणेशजयति (पद्य)→सं० ०४-३३६ क ।

हनुमानजयति (पद्य)→सं० ०१-३५४ क; सं० ०४-३३१ ख ।

रामरतनसिंह—काशी के बाबू देवकीनंदनसिंह के पुत्र । धनीराम के आश्रयदाता । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।→२३-९६ ।

रामरत्न—(?)

कृष्णाष्टक (पद्य)→२३-३४८ ।

रामचरितावली (पद्य)→२०-१५६; २६-३६२ ए, बी ।

सियालाल समय रसवर्द्धिनी कवित्तदाम (पद्य)→१७-१५६ ।

रामरत्न सार संग्रह (पद्य)—रामचरणदास कृत । लि० का सं० १६५० । वि० राम चरित्र और द्वैताद्वैत वर्णन ।

प्रा०—श्री कृष्णलाल मिश्र, पुस्तकालय, चौक (प्रतापगढ़)। → सं० ०४-१२७ च ।

रामरत्नावली (पद्य)—अनाथदास (बनअनाथ) कृत । र० का० सं० १८०१ । लि० का० सं० १६१० । वि० राम की स्तुति ।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया ।→०६–१२६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

रामरत्नावली (पद्य)—लक्ष्मण कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६१४ ।
वि० रामनाम की महिमा ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१८–१०३ ए ।

रामरत्नावली (पद्य)—हरसहाय कृत । र० का० सं० १८८५ । लि० का० सं० १८८६ ।
वि० तुलसीदास कृत रामायण की चौपाइयों का संग्रह ।
प्रा०—बाबू विट्ठलदास अग्रवाल, हरिशंरी, गाजीपुर ।→०६–१०५ ए ।

रामरत्नावली (पद्य)—हरिबख्शसिंह कृत । वि० रामचंद्र जी के खानपान, रहनसहन आदि का वर्णन ।
प्रा०—ठा० जगदंबाप्रसाद जमींदार, करछना (इलाहाबाद) ।→१७–६८ बी ।

रामरस (पद्य)—घिसियावनदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६२० (लगभग) ।
वि० रामनाम की महिमा ।
(क) लि० का० सं० १६८५ ।
प्रा०—मुं० संतप्रसाद, प्राइमरी स्कूल, तिलोई (रायबरेली) ।→२६–१३८ ।
(ख) प्रा०—महंत प्रेमदास बाबा, गंगापुर कुटी, डा० समरौता (रायबरेली) ।
→सं० ०४–८८ ग ।

रामरसवअर्थयंत्र (गद्यपद्य)—सरदार कृत । वि० द्व्यर्थक कवित्तों का संग्रह ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) →०४–८६ ।

रामरसाइनि (पद्य)—रामचरण कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० उपदेश ।
प्रा०—बाबा परमानंददास, मुरसान कुटी, डा० मुरसान (अलीगढ़) । →
२६–२८१ एच ।

रामरसामृतसिंधु (पद्य)—कृपानिवास कृत । लि० का० सं० १६५८ । वि० रामानुज संप्रदाय के सिद्धांत और राम विहार ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१५४ एफ ।

रामरसायन→'रामरसायन पिंगल' (भागवतदास कृत) ।

रामरसायन पिंगल (पद्य)—भागवतदास कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० नवरसऔर पिंगल ।
(क) लि० का० सं० १८८८ ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→
२३–४५ ।
(ख) लि० का० सं० १६५६ ।
प्रा०—पं० मुरलीधर शर्मा, पाठशाला, जनरलगंज, कानपुर ।→०६–२१ ।
(ग) प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, प्रयाग ।→४१–१७३ च ।
(घ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–१७३ छ ।

रामरसायन रामायण (पद्य)—पद्माकर कृत। वि० बाल्मीकि रामायण के आधार पर बालकांड से उत्तरकांड तक ५ भागों में राम कथा।

प्रा०—पं० साधुप्रसाद तिवारी, सरदार, रीवाँ।→०१–१ से ०१–५ तक।

रामरसार्णव (पद्य)—दलेलसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १७५०। वि० राम चरित्र और दशावतार वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७६६ (१२४६ हि०)।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१०० ग।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१०० घ, ङ।

रामरसाल (पद्य)—कीनाराम (औघड़ बाबा) कृत। लि० का० सं० १९३८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—सुश्री सोनाकली, अध्यापिका, कन्या विद्यालय, रामगढ़ (वाराणसी)।→ →०६–१५०।

रामरसिक—संभवतः भूसी (पयाग) के निवासी। विरक्त साधु। गंगागिरि के शिष्य। सं० १८४० के पूर्व वर्तमान।→सं० ०१–६८।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→सं० ०१–३५५।

विवेकसत (पद्य)→०६–२१५।

रामरसिक रहस्योपास्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री सीताराम रहस्य और युगल छवि की उपासना।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–६३ (परि० ३)।

रामरसिक रागमाला (पद्य)—गोपाल (रामगोपाल) कृत। वि० रामकृष्ण की शृंगारमय क्रीड़ाओं का वर्णन।

प्रा०—श्री जगदीशनारायण दीक्षित, चिलौला, डा० बहाई (रायबरेली)। → सं० ०४–७८।

रामरसिकावली (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १९००। वि० भगवद्भक्तों का चरित्र।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८६।

रामरहस्य (पद्य)—चंद्दास कृत। वि० रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—पं० भैरवप्रसाद, हसुआ (फतेहपुर)।→२०–२६ सी।

रामरहस्य (पद्य)—जन हमीर कृत। वि० राम का अयोध्या में विहार।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–२७१ (विवरण अप्राप्त)।

रामरहस्य (पद्य)—भागवतदास कृत। लि० का० सं० १९११। वि० राम यश।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–१७३ ज।

रामरहस्य (पद्य)—रत्नहरि कृत। वि० राम चरित।

(क) लि० का० सं० १९१५।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६२ डी (पूर्वार्द्ध) ।
(ख) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६२ ई (उत्तरार्द्ध) ।

रामरहस्य (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत । र० का० सं० १८५३ । वि० रामचंद्र जी का जनकपुर विहार वर्णन ।
(क) प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर) ।→०१-६८ ।
(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४५३ ।

रामरहस्य (पद्य)—हरसहाय कृत । र० का० सं० १८८६ । लि० का० सं० १८६० । वि० राम चरित्र ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-१०५ बी ।

रामरहस्य→'कौशलेंद्ररहस्य' (रामचरणदास कृत) ।

रामरहस्य कलेवा→'रामकलेवारहस्य' (पर्वतदास कृत) ।

रामरहस्यदास—कोई कबीर पंथी । सं० १८७८ के पूर्व वर्तमान ।
परखविलास (पद्य)→सं० ०१-३५६ ।

रामरहारी (लवकुशकांड) (पद्य)—सूरजदास कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० लवकुश कथा का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४५८ ।

रामराइ—आगरा निवासी । सं० १६७८ में वर्तमान ।
गुणसागर (पद्य)→४१-२२६ ।

रामराज→'रामरात' ('काव्यप्रभाकर' के रचयिता) ।

रामरात—उप० रामराज । संभवतः अवध के जमींदार । संस्कृत के ज्ञाता । अनेक कवियों के आश्रयदाता । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।
काव्यप्रभाकर (पद्य)→०६-३१५; २६-३६१ ए, बी ।

रामराय—सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णचरित्र (पद्य)→२०-१५७ बी ।
कृष्णराम चरित्र (पद्य)→२०-१५७ ए ।

रामराय—(?)
लैलामजनूँ (पद्य)→०६-३१४; २६-३६३ ए, बी, सी ।

रामराय—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ और कवि जैकृष्ण कृत 'कवित्त' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२-५७ (इकतीस); ०२-६८ (चार) ।

रामराय—ब्राह्मण । जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित । 'राधागोविंद संगीत सार' की रचना में मथुरा भट्ट, श्रीकृष्ण और चुन्नीलाल के सहयोगी । सं० १७६१ के लगभग वर्तमान ।→१२-१११ ।

रामराव→'तुलसीसाहब' (आपापंथी साधु) ।

रामरासो (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८६५। लि० का० सं० १९७६।
वि० तुलसी कृत रामायण के लंकाकांड की कथा।
प्रा०—श्री दरियावसिंह जैवार, धनुकधारी के मंदिर के निकट, चरखारी।→
२६–२३७ डी।

रामरासो →'गुणरामरासो तथा रामरासो' (माधवदास चारण कृत)।

रामरूप—उप० भक्तानंद। गौड़ ब्राह्मण। दिल्ली के निकट किसी गाँव में जन्म।
स्वामी चरणदास के शिष्य।
बारहमासा (पद्य)→१७–१५७।
मुक्तिमार्ग (पद्य)→१२–१४८ ए, बी।

रामलगन (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत। र० का० सं० १९००। लि० का०
सं० १९०८। वि० राम का गुणगान।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०६–१७९ ए (विवरण अप्राप्त)।

रामलला—(?)
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२–१४७; ३८–१२०; ४१–५५१ (अप्रा०)।

रामललानहछू (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० राम के नहछू के समय
के गीत।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→
०३–१२६।

रामलाल—उप० राम कवि। भरतपुर के महाराज बलवंतसिंह के आश्रित। सं० १८९२ के
लगभग वर्तमान।
विजयसुधानिधि (पद्य)→१७–१४९ ए।
हितामृतलतिका (पद्य)→१७–१४९ बी।

रामलाल—सं० १९०० के लगभग वर्तमान।
चित्तविनोद (पद्य)→२०–१५० ए।
रामशिरोमणि (पद्य)→२०–१५० बी।

रामलाल→'रामलला' ('रुक्मिणीमंगल' के रचयिता)।

रामलाल (शर्मा)—(?)
रामचंद्र ज्ञानविज्ञान प्रदीपिका (पद्य)→०६–२४९।

रामलीला नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाटक रूप में रामलीला।
प्रा०—भारती भवन, इलाहाबाद।→१७–५६ (परि० ३)।

रामलीला प्रकाशिका (बाल कांड) (पद्य)—किशोरदास कृत। वि० रामायण की कथा।
प्रा०—मुंशी शंकरदयाल, बाजारपुरा, फैजाबाद।→२०–८१।

रामलीलाविहार नाटक (गद्य)—लक्ष्मणशरण कृत। वि० रामायण के बालकांड की
कथा (नाटक रूप में)।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६–१६५।

रामलीला सहायक (पद्य)—दाशरथिदास (दिव्य) कृत। वि० रामायण की कथा।
प्रा०—श्री दशरथिदास, मंदिर धर्मोपुर, रामघाट, अयोध्या।→२०-२३।
रामवछु—अन्य नाम कवि बछु। सं० १८६१-१८७० के लगभग वर्तमान।
भागवत (भाषा) (गद्यपद्य)→सं० ०१-३५३।
रामविनोद (पद्य)—पद्मरंग कृत। लि० का० सं० १६२८। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री देवनारायण वैद्य, मोहनपुर, डा० बरवान (हरदोई)।→२६-३५८।
रामविनोद (गद्यपद्य)—रामचंद्र कृत। र० का० सं० १७२०। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८०६।
प्रा०—ठा० रामप्रतापसिंह, अलीपुरदरौना, डा० जैतपुर बाजार (बहराइच)। →२३-३३७ ए।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—लाला रामधनी वैद्य, नवाबगंज (बाराबंकी)।→२३-३३७ बी।
(ग) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-२१२ (विवरण अप्राप्त।
(घ) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी)।→ ०६-२४४।
(ङ) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—पं० मनिया मिश्र, धुभानपुर (कानपुर)।→२६-३७७ ए।
(च) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—श्री स्वामीनारायण शर्मा, बछैना, डा० बिल्हौर (कानपुर)।→ २६-३७७ बी।
(छ) लि० का० सं० १६१७।
प्रा०—पं० रामजियावन, बिलंडा, डा० हँसुआ (फतेहपुर)।→२०-१४२ ए।
(ज) प्रा०—यती ज्ञानमल, जोधपुर।→०१-६२।
(झ) प्रा०—पं० राधेप्रसाद वैद्य, करछना (इलाहाबाद)।→२०-१४२ बी।
(ञ)→पं० २२-८६ ए।
रामविरह बारामासी→'विरह वर्णन बारहमासी' (गयाराम कृत)।
रामविलास (पद्य)—कुंदनदास कृत। वि० राम भजन एवं रामचरित्र।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमरौली, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२०७ बी।
रामविलास रामायण (पद्य)—ईश्वरीप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १६१६।
वि० वाल्मीकि रामायण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—श्री रामकिशन कुर्मी, अतरौली (अलीगढ़)।→२६-१६१ डी।
(ख) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—ठा० आगमसिंह परिहार, नगला भम्मनसिंह, डा० पीलखाना (अलीगढ़)। →२६–१६१ सी।

(ग) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—पं० रामभजन शर्मा, हरिआवाँ, डा० पिहानी (हरदोई)। →२६–१६१ ए।

(घ) लि० का० सं० १६२७।

प्रा०—पं० केदारनाथ, भगौता, डा० सोरों (एटा)। →२६–१६१ बी।

(ङ) प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)। →२६–१८६।

रामविवाह (?) (पद्य)—काकराम कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० राम-विवाह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१–३७।

रामविवाहखंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–७६ डब्ल्यू।

रामविहार (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० सं० १८६८। वि० राम का विहार वर्णन।

प्रा०—श्री धुरवल पाठक, सोनपाल, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)। →सं० ०१–१८७।

रामवैभव→'रामायण (रामवैभव)' (हरिदेव कृत)।

रामशब्दावली (पद्य)—अन्य नाम 'शब्दावली'। भामदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८३१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८३१।

प्रा०—महंतिन लक्ष्मणदासी, कुटी बाबा भामदास, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →२३–१६१ बी।

(ख) लि० का० सं० १६८५।

प्रा०—मुंशी कृष्णराम, अहुरी, डा० शाहमऊ (रायबरेली)। →३५–४७।

(ग) प्रा०—महंत महावीरदास, भामदास बाबा की कुटी, जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →सं० ०४–१३७।

रामशब्दावली (पद्य)—रामप्रसाद (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६७६।

प्रा०—मुंशी रामकृष्ण, अहुरी, डा० शाहमऊ (रायबरेली)। →३५–८२।

(ख) प्रा०—महंत महावीरदास, भामदास बाबा की कुटी, जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →सं० ०४–३३६।

रामशब्दावली (पद्य)—रामसुधिकरन (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत महावीरदास, भामदास बाबा की कुटी, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →सं० ०४–३४२।

रामशलाका (पद्य)—अन्य नाम 'तुलसी सगुनवाली' और 'रामाज्ञाप्रश्न' आदि। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६५५। वि० शकुन विचार।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–४८४ एम[1] ।

(ख) लि० का० सं० १८०३ ।

प्रा०—पं० रामभजन शास्त्री, भीखमपुर कलाँ, डा० जलेसर (एटा) ।→ २६–३२५ डी[3] ।

(ग) लि० का० सं० १८०८ ।

प्रा०—लाला कन्नोमल, भिसवाँ (अलीगढ़) ।→२६–३२५ ई[3] ।

(घ) लि० का० सं० १८२२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६८ । (सं० १६८६ की एक प्रति 'रामायण सगुनौती' महाराज बनारस के पुस्तकालय में है) ।

(ङ) लि० का० सं० १८३० ।

प्रा०—श्री केदारनाथ पांडेय, हुलासपुरा, डा० भदोही (वाराणसी) ।→ सं० ०४–१४२ ख ।

(च) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा०—श्री देवीसिंह, छोटागाँव (सीतापुर) ।→२६–४८४ एल[1] ।

(छ) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६–४८४ क्यू[1] ।

(ज) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० कैलाशनाथ वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२३–४३२ एच[2] ।

(झ) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—ठा० ज्वालासिंह, जमींदार, रामपुर चंद्रसेनी, डा० होलीपुरा (आगरा) । →२६–३२५ एफ[3] ।

(ञ) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—पं० रामप्रताप द्विवेदी, गोपालपुर ।→२०–१६८ एच ।

(ट) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—महाराज भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→२३–४३२ डी[2] ।

(ठ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद (भोंदू), बाराबंकी ।→२३–४३२ जी[2] ।

(ड) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—पं० गयादत्त शुक्ल, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→०६–२२१ एच ।

(ढ लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–४३२ एफ[2] ।

(ण) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० ऋषिराम दूबे, ब्राह्मण टोला, डा० फखरपुर (बहराइच) । → २३–४३२ ई[2] ।

(त) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, पंडित का पुरवा, डा० सिसैंदा (बहराइच) । → २३–४३२ एल[२] ।

(थ) लि० का० सं० १६१५ (१२६५ फसली) ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कालैल, डा० चिलबलिया (बहराइच) । → २३–४३२ आई[१] ।

(द) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३–८७ ।

(ध) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२४५ डी (विवरण अप्राप्त) ।

(न) प्रा०—पं० रामनाथलाल, वाराणसी ।→२३–४३२ जे[२] ।

(प) प्रा०—पं० रघुनंदनप्रसाद, तिलवाय, डा० सूरतगंज (बाराबंकी) । → २३–४३२ यू[२] ।

(फ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६–४८४ एन[१] ।

(ब)→पं० २२–११२ ई ।

रामशिरोमणि (पद्य)—रामलाल कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० रामचरित्र आदि ।

प्रा०—ठा०हुक्मसिंह, शृंगारहाट, अयोध्या ।→२०–१५० बी ।

रामशेखर—(?)

रासमंडल (पद्य)→२०–१५६ ।

रामसंहिता (पद्य)—भुवनदास कृत । लि० का० सं० १६३५ । वि० रामकथा (यज्ञखंड) ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१७५ ख ।

रामसखे—जन्म भूमि जयपुर । साधु होकर अयोध्या में रहने लगे थे । कुछ दिनों तक चित्रकूट में भी रहे । सं० १८०४ के लगभग वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→१७–१५८ बी ।

कवित्तावली (पद्य)→१७–१५८ ई ।

गीत (पद्य)→०६–२१३ ए ।

दानलीला (पद्य)→०५–८१; १७–१५८ ए ।

दोहावली (पद्य)→०५–८०; २०–१५८ ए ।

नित्यराघव मिलन (पद्य)→०५–७८; १७–१५८ डी; २३–१५१ ।

पद (पद्य)→०५–७६ ।

पदावली (पद्य)→०६–२५७ बी; २०–१५८ बी ।

बानी (पद्य)→०५–८२ ।

मंगललतिका (पद्य)→०६–२५७ ए ।

मंगलाष्टक (पद्य)→१७–१५८ सी; २६–३६५; दि० ३१–७४।
रागमाला (पद्य)→०६–२१६ सी।
रासपद्धति और दानलीला (पद्य)→०६–२१६ बी।
सीतारामचंद्र रहस्य पदावली (पद्य)→१७-१५८ एफ।

रामसखे की दोहावली→'दोहावली' (रामसखे कृत)।

रामसखे की बानी→'बानी' (रामसखे कृत)।

रामसखे के पद→'पद' (रामसखे कृत)।

रामसतसई→'तुलसीसतसई' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामसनेही→'रघुनाथदास' ('ज्ञानककहरा' के रचयिता)।

रामसनेहीदास—जन्मभूमि जोहवै (?)। ये संभवतः अयोध्या के महंत बाबा रघुनाथदास थे जो रामसनेही संप्रदाय के प्रवर्तक के रूप में प्रसिद्ध हैं।
हृदयप्रकाश (पद्य)→सं० ०४–३४०।

रामसप्तशतिका (पद्य)—रामसहाय कृत। वि० राधाकृष्ण के रूप, प्रेम और यश का वर्णन।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–२२।

रामसवारी रहस्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४३। वि० राम कथा।
प्रा०—पं० कैलाशपति, जरार, डा० बाह (आगरा)।→२६–४६६।

रामसहाई—किसी पीररोशन अमीर के शिष्य।
अलिफनामा (पद्य)→सं० ०४–३४१।

रामसहाय—कायस्थ। चौबेपुर (वाराणसी) निवासी। भवानीदास के पुत्र। किसी चिंतामणि के शिष्य। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान।
ककहरा (पद्य)→०६–२५६।
बानीभूषण (गद्यपद्य)→०४–२३।
रामसप्तशतिका (गद्यपद्य)→०४–२२।
वृत्ततरंगिणी (पद्य)→०४–२४; २३–३४६ ए, बी; २६–३६४ ए, बी; ४१–५५२ (अप्र०)।

रामसहाय—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी।
आरती जगजीवन (पद्य)→२३–३५०।

रामसागर (पद्य)—आनंदराम कृत। र० का० सं० १८७६। वि० संतदास, समदारण, सूरतराम आदि भक्तों की ईश्वर एवं गुरु विषयक बानियों का संग्रह।
प्रा०—एशियाटिक सोसायटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–५६।

रामसागर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० रामनाम महिमा ।
प्रा०—श्री रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-१३० टी ।

रामसार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० रामनाम की महिमा ।
प्रा०—गोपाल जी का मंदिर, सिताली (जोधपुर) ।→०१-१०८ ।

रामसावित्री (पद्य)—भगवतदास कृत । वि० रामचरित्र के अंतर्गत आई घटनाओं का तिथि पत्र ।
(क) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—श्री राधेश्याम, कूड़ा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-२४६ ।
(ख) लि० का० सं० १६२१ ।
प्रा०—ठा० नैपालसिंह, भउली, डाड तालाब बख्शी (लखनऊ) ।→२६-५२ ।

रामसाहि (नरेश)—कछवाहा क्षत्रिय । फतहसिंह के पिता । सं० १७२२ के पूर्व वर्तमान ।→२६-१२० ।

रामसिंह—संभवतः बुंदेलखंड के कायस्थ ।
दस्तूरमालका (पद्य)→०६-१०१ ।

रामसिंह—जयपुर नरेश । राज्य काल सं० १७२३-१७३२ । सुंदरलाल (?), कुलपति मिश्र, लाल कवि (लक्ष्मीधर) और नंद कवि के आश्रयदाता ।→००-७२; ००-१२५; ०६-१४४; ०६-१८५; ०६-१८८; २०-८६; पं० २२-५७; सं० ०७-१६ ।

रामसिंह—साँगानेर नरेश । गंगाराम के आश्रयदाता । सं० १७४४ के लगभग वर्तमान ।
→०६-८७; १२-५८ ।

रामसिंह (पंडित)—(?)
पिंगलमंजरी (पद्य)→३८-१२३ ।

रामसिंह (महाराज)—नरवर (ग्वालियर) के राजा । पिता का नाम छत्रसिंह । सं० १८३६ के लगभग वर्तमान ।
जुगलविलास (पद्य)→१२-१४६ ए; २६-३६६ बी; सं० ०१-३५७ ।
मनमोहन भक्तिविलास (पद्य)→२६-३६६ ए; ४१-५५३ क (अप्र०) ।
रसनिवास (पद्य)→०६-२१७ ए ।
रसविनोद (पद्य)→०६-२१७ बी ।
रसशिरोमणि (पद्य)→१२-१४६ बी; २६-३६६ सी; ४१-२३० क; ४१-५५३ ख (अप्र०) ।
सहस्रनामचौपही (पद्य)→४१-२३० ख ।

रामसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश । प्रसिद्ध गायनाचार्य तानसेन के आश्रयदाता । इन्होंने सं० १६२० में तानसेन को बादशाह अकबर के दरबार में उपस्थित किया था ।→०१-१२ ।

रामसिंह (महाराज)—जयपुर नरेश। राज्यकाल सं० १८६२-१९३७। नथमल जैन इन्हीं के समय में थे।→सं० १०-६६।

रामसिंह (महाराज)—बूँदी नरेश। कमलनयन के आश्रयदाता। सं० १८८८ से १९४६ तक के लगभग वर्तमान।→१२-९०।

रामसिंह (राजा)—तिवारीपुर के राजा। संभवतः गदाधर त्रिपाठी ('औषधिसुधातरंगिणी' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०४-६२।

रामसिंह (राजा)—किशनलाल ('वियोगमालती' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०१-४२।

रामसिंहमुखारबिंद मकरंद (पद्य)—कमलनयन (रससिंधु) कृत। लि० का० सं० १८९६। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—श्री छुन्नूलाल, रेतू, गोकुल (मथुरा)।→१२-९०।

रामसुख (स्वामी)—(?)

राघवेंद्ररहस्य रत्नाकर (पद्य)→२०-१६०।

रामसुगनावली (पद्य)—जयतराम कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० शकुन।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७-६० ख।

रामसुधिकरन (बाबा)—बाबा भामदास की कुटी (जगेसर, सुलतानपुर) के महंत।

रामशब्दावली (पद्य)—सं० ०४-३४२।

रामसुयशपताका (पद्य)—समरदास कृत। र० का० सं० १९२५। वि० रामचरित्र।

(क) लि० का० सं० १९४८।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्शसिंह, जमींदार, मौली, डा० तालाबखल्ली (लखनऊ)।→२६-४१९ एच।

(ख) प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर)।→१२-१६४।

रामसेवक (महात्मा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। देवीदास बाबा के शिष्य। हरिचंदपुर (बाराबंकी) के निवासी। भूलामऊ (सुलतानपुर) के गजाधरदास के गुरु। सं० १८८६ के पूर्व वर्तमान।

अखरावली (पद्य)→०९-२५८; २६-२९२; सं० ०४-३४३।

ध्यानचिंतामणि (पद्य)→०९-२५८।

रामस्वयंबर (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराजा) कृत। र० का० सं० १९३४। वि० रामजन्म से सीता स्वयंवर तक की कथा।

(क) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—पं० शिवदयाल, कफारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६-३७१ बी।

(ख) प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-७।

रामस्वरूप—पितृव्य का नाम गदाधर शर्मा । बलरामपुर (गोंडा) की ओर के निवासी ।
दिग्विजय भूषण तिलक (गद्यपद्य)→सं० ०४–३४४ ।

रामस्वर्गारोहण (पद्य)—लोनैदास कृत । र० का० सं० १८६२ । वि० राम के स्वर्गारोहण की कथा ।
(क) लि० का० सं० १९२७ ।
प्रा०—ठा० बजरंगसिंह (जमादार), मुहम्मदपुरखाला (बाराबंकी) । → २३–२४६ ।
(ख) प्रा०—ठा० बद्रीप्रसाद जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६–२७१ ।

रामहरनलीला→'रामकरुना नाटक' (उदय कवि कृत) ।

रामहरी (जौहरी)—अन्य नाम हरिनाम । जयपुर निवासी । बाद में वृंदावन में रहने लगे थे । सं० १८३२ के लगभग वर्तमान ।
बुद्धिविलास (पद्य)→२६–२८३ एफ; ४१–५५४ (अप्र०) ।
बोधबावनी (पद्य)→२६–२८३ बी ।
रसपचीसी (पद्य)→२६–२८३ ए ।
लघुशब्दावली (पद्य)→२६–२८३ सी, डी ।
मतहंसी (पद्य)→२६–२८३ ई ।

रामहित (जन)--पूरा नाम रामहितसिंह । सिंहेल क्षत्रिय । चित्तबिसांव (आजमगढ़) के निवासी । माता पिता का नाम क्रमशः ईंदर और रामगतिसिंह । सं० १८८१–८७ के लगभग वर्तमान ।
गणकआल्हादिका (पद्य)→२६--१६६ ए, बी; २६–२८४ ए, बी; सं० ०१--३५८ क, ख ।
चानक (पद्य)→सं० ०१–३५८ ग ।
भागवतविलासिका (पद्य) →सं० ०१--३५८ घ ।
रत्नसाठिका (पद्य)→सं० ०४–३४५ ।

रामहितसिंह→'रामहित (जन)' ('गणकआल्हादिका' आदि के रचयिता) ।

रामहितावली (पद्य)—बिसरान (बिसरावदास) कृत । लि० का० सं० १९५८ । वि० रामभक्ति का उपदेश ।
प्रा०-- श्री बलदेवप्रसाद महाजन, बसनही, डा० रसड़ा (बलिया) ।→४१–२५५ ख

रामहोरीरहस्य (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत । र० का० सं० १९१२ । वि० श्री रामचंद्र का मिथिला में होली खेलना ।
(क) लि० का० सं० १९४६ ।
प्रा०—लाला गोविंद प्रधान, रीवाँ ।→०१-८ ।
(ख) मु० का० सं० १९१६ ।
प्रा०--श्री महावीरप्रसाद मिश्र, इस्माइलगंज, इलाहाबाद ।→सं० ०१–३४८ ।

रामा—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →
०२–६४ (अठारह)।

रामाज्ञा (गद्य)—गौतम (ऋषि) कृत। वि० पासा द्वारा शकुन परीक्षा।
प्रा०—चौधरी मुख्तारसिंह, नागरी, डा० बलरई (इटावा)।→३८–५१।

रामाज्ञाप्रश्न या प्रश्नावली→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामाज्ञासगुनौती→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामाधार (त्रिपाठी)—मवईया निवासी। संभवतः सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नपोथी (गद्य)→२०–१४७।

रामानंद—ये पहले फौज के सूबेदार थे। अनंतर पेंशन मिलने पर सन्यासी हो गए और
अयोध्या में रहने लगे। मृत्यु सं० १६६४। सं० १६३३ के पूर्व वर्तमान।
भगवद्‌गीता (भाषा) (पद्य)→०६–२५१ ए।
भजनसंग्रह (पद्य)→०६–२५१ बी।

रामानंद—गुरु का नाम श्रीगोपाल। भरतपुर नरेश महाराज बदनेस के आश्रित।
लीलारतन चूड़ामणि (पद्य)→सं० ०४–३४८।

रामानंद—संभवतः 'रसमंजरी' के रचयिता रामानंद। सं० १८२० के लगभग वर्तमान।
→०६–२५०।
शनिकथा (पद्य)→३२–१८१ ए, बी।

रामानंद—कबीर के गुरु। काशी निवासी सुप्रसिद्ध महात्मा।
आभूषणमंत्र (गद्य)→सं० ०४–३४६ क।
ज्ञानतिलक (पद्य)→दि० ३१–७१।
चितावणी (पद्य)→सं० ०७–१६८ क।
पंचमात्रा (गद्य)→सं० ०४–३४६ ख।
पद (पद्य)→सं० ०७–१६८ ख; सं० १०–११५।
रामअष्टक (पद्य)→४१–२३१।
रामरक्षा सजीवनमंत्र (गद्य)→१७–१५० ए।
रामरक्षास्तोत्र (गद्यपद्य)→००–७६; ०६–२५० ए; १७–१५० बी; २०–१५१ ए,
बी; २६–३८३; दि० ३१–७२; ३२–१८० ए से ई तक; सं० ०४–३४६ ग, घ,
ङ, च; सं० ०७–१६८ ग, घ।

रामानंद—सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानलीला स्तोत्र (पद्य)→सं० ०४–३४७।

रामानंद—सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानलीलास्तोत्र (पद्य)→सं० ०४–३४७।

रामानंद→'रामदयाल (पांडेय)' (कान्यकुब्ज ब्राह्मण)।

रामानंदलहरी (गद्यपद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८६५–१८८१। वि०
रामचरितमानस की टीका।

बालकांड (पार्वती मोह तक)

(क) लि० का० सं० १६०५ ।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→२६–३७८ एच ।

बालकांड (राम विवाह तक)

(ख) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—श्री बलभद्रसिंह सेंगर तालुकेदार, कौंथा (उन्नाव) ।→२३–३३६ ई ।

(ग) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—श्री शिवनारायण शुक्ल, सुलतानपुरखेड़ा (रायबरेली) ।→सं० ०४–३२७ छ ।

अयोध्याकांड (चित्रकूट में राम भरत मिलन तक) ।

(घ) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री बलभद्रसिंह सेंगर तालुकेदार, कौंथा (उन्नाव) ।→२३–३३६ एफ ।

किष्किंधाकांड

(ङ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० गुलजारीलाल मिश्र, शाहाबाद (हरदोई) ।→१२–१४४ ।

उत्तरकांड

(च) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–६३ ।

अपूर्ण

(छ) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर) ।→०६–२४५ डी ।

रामानुजदास—रामानुज संप्रदाय के अनुयायी । सं० १६३४ के पूर्व वर्तमान ।

भगवतगीता (पद्य)→सं० ०१–३५६ ।

रामानुजदासशरण→'नवलसिंह (प्रधान)' (रामानुज संप्रदाय के वैष्णव) ।

रामायण (पद्य)—कुदरतीदास कृत । वि० रामचरित ।

प्रा०—गुसाँई रामस्वरूपदास, सठयाँव, जहानागंजरोड (आजमगढ़) । → सं० ०१–४५ क ।

रामायण (पद्य)—गुरुदयाल (कायस्थ) कृत । र० का० सं० १८८६–१८६८ । वि० रामचरित्र (बालकांड, अयोध्याकांड, लंकाकांड, उत्तरकांड) ।

प्रा०—पं० शालिग्राम, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→२३–७१ ए से ई तक ।

रामायण (पद्य)—गोमतीदास कृत । र० का० सं० १६१५ । लि० का० सं० १६२१–२२ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६ ।

रामायण (पद्य)—बुलाकीनाथ (बाबा) कृत । र० का० सं० १६०७ । वि० रामचरित्र ।

अयोध्याकांड और बालकांड

(क) लि० का० सं० १८४१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६४ ख ।

किष्किंधाकांड, और उत्तरकांड

(ख) लि० का० सं० १८३३ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६४ क ।

रामायण (पद्य)—बादेराय (बादीराय) कृत । र० का० सं० १६१४ । लि० का० सं० १६१६ । वि० तुलसी कृत 'मानस' के आधार पर सात कांडों में रामचरित ।
प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-१६ ।

रामायण (पद्य)—रत्नहरि कृत । र० का० सं० १६१० । वि० रामकथा (अयोध्या, अरण्य, किष्किंधा और उत्तरकांड) ।→पं० २२-६४ ए, बी, सी, डी ।

रामायण (पद्य)—राघवजन कृत । वि० संक्षिप्त रामकथा ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-२३४ ।

रामायण (पद्य)—रामदास कृत । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—श्री बुद्धप्रकाश वैश्य, डा० होलीपुरा (आगरा) ।→३२-१७६ बी ।

रामायण (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-११५ ।

(ख) प्रा० महाराज पुस्तकाल, कालाकाँकर ।→०६-३२६ एफ ।

रामायण (पद्य)—समरदास कृत । र० का० सं० १६००-२२ । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—ठा० दुर्गासिंह रईस, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३७० ।

(सातों कांड) ।

बालकांड

(ख) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
→२६-४१६ ए ।

किष्किंधाकांड

(ग) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—श्री रणधीरसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→
२६-४१६ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबक्शी (लखनऊ) ।
→२६-४१६ डी ।

सुंदरकांड

(च) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१६ जी।

लंकाकांड

(च) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबख्शी (लखनऊ)। →२६-४१६ ई।

(छ) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह, खानीपुर, डा० तालाबख्शी (लखनऊ)।→ २६-४१६ एफ।

रामायण (पद्य)—साहबराय कृत। वि० रामचरित।

प्रा०—पं० केशवदत्त, सेई, डा० छाता (मथुरा)।→३८-१३२।

रामायण (पद्य)—सीताराम कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० मान कवि कृत रामायण की व्याख्या।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१११।

रामायण (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १६१७। वि० तुलसी कृत रामायण का अत्यंत संक्षिप्त वर्णन।

प्रा०—मुहम्मद इब्राहीम, तहसीलदार, नया बाजार, बस्ती।→०६-११०।

रामायण (पद्य)—सेवक (सुकवि) कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० रामचरित्र।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४६२।

रामायण→'पिंगल रामायण' (झामदास कृत)।

रामायण→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-२४७ सी।

रामायण (किष्किंधाकांड) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री रामपदारथ दूबे, अमदेवा, डा० महमूदपुर सेमरी (सुलतानपुर)।→ सं० ०१-५५६।

रामायण (किष्किंधाकांड)→'पिंगल रामायण' (झामदास कृत)।

रामायण (बालकांड) (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १८१७। वि० रामचरित।

प्रा०—मुंशी भगनविहारीलाल, दरियाबाद, मु० मुहर्रिरान (बाराबंकी)।→ २३-८७।

रामायण (वाल्मीकीय) (पद्य)—छत्रधारी कृत। र० का० सं० १६१४। वि० वाल्मीकीय रामायण के प्रथम तीन कांडों का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६८।

रामायण (बाल्मीकीय) (पद्य)—महेशदत्त कृत। र० का० सं० १६३०। वि० बाल्मीकि रामायण का भाषानुवाद।

बालकांड

(क) प्रा०—पं० रामावतार शुक्ल, पटियाली (एटा)।→२६-२२० ई।

अयोध्याकांड

(ख) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—पं० बालधर शास्त्री, राजापुर, डा० कादरगंज (एटा)।→२६-२२० एफ।

अरण्यकांड

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामावतार शुक्ल, पटियाली (एटा)।→२६-२२० जी।

किष्किंधाकांड

(घ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० बालधर शास्त्री, राजापुर, डा० कादरगंज (एटा)।→२६-२२० एच।

सुंदरकांड

(ङ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० ज्ञानानंद जोशी, मथुरा झालाकुंज (मथुरा)।→२०-२२० आई।

लंकाकांड

(च) लि० का० सं० १६३८।

प्रा०—श्री रामकुमार शास्त्री, हरिहरपुर, डा० अवागढ़ (एटा)।→२६-२२० जे।

उत्तरकांड

(छ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० रामकुमार शास्त्री, हरिहरपुर, डा० अवागढ़ (एटा)।→२६-२२० के।

रामायण (बाल्मीकीय) (पद्य)—संतोषसिंह कृत। सं० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१२१।

रामायण (बाल्मीकीय)→'बाल्मीकि रामायण' (कलानिधि कृत)।

रामायण (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'रामचरित्र'। कपूरचंद (चंद) कृत। र० का० सं० १७००। वि० संक्षिप्त रामकथा।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—श्री चतुर्भुज, भोजापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६-२२४।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६६।

रामयरा (भाषा) (पद्य)—चंद्रदास कृत। वि० रामचरित्र।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३८ बी।

रामायण (रामलघुचरित्र) (पद्य)—दुनियापति कृत। र० का० सं० १८८७। लि० का० सं० १६११। वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४-१६०।

रामायण (रामवैभव) (पद्य)—हरिदेव कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४८५ ख।

रामायण (लंकाकांड) (पद्य)—मथुरादास कृत। लि० का० सं० १६४१। वि० वाल्मीकीय रामायण का बंगला से अनुवाद।

प्रा०—पं० राजदुलारे मिश्र, मानपुर (सीतापुर)।→२१-२६८।

रामायण (लंकाकांड)→'रामचंद्रोदय' (श्रीकृष्ण कलानिधि कृत)।

रामायण (लवकुशकांड) (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० रामचरित।

(क) लि० का० सं० १७६०।

प्रा०—ठा० गणेशसिंह, आदमपुर, डा० टड़ियाव (हरदोई)। → २६-३२५ एन।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० गंगाप्रसाद दूबे, सराय नवाब, डा० सोरों (एटा)। → २६-३२५ ओ।

रामायण का बारहमासा (पद्य)—घीसाराम कृत। र० का० सं० १६२४। लि० का० सं० १६४४। वि० रामचरित्र।

प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कलाबघा, डा० मौरावाँ (उन्नाव)।→२६-११७।

रामायण की घटनाओं का तिथिपत्र (पद्य)—मोहनलाल (ममाधिया) कृत। र० का० सं० १६१३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८-१००।

रामायणकोश→'नामरामायण' (नवलसिंह कृत)।

रामायण तुलसी कृत (पद्य)—दरसनलाल कृत। वि० गो० तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' के उपदेशात्मक अंशों का संग्रह।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-५६।

रामायण नाटक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८५। वि० रामचरित्र।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद)।→ सं० ०१-४५७।

रामायण नाटक→'रामायण महानाटक' (प्राणचंद कृत)।

रामायण परिचर्या (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत। वि० तुलसी कृत रामायण की कठिन चौपाइयों पर टीका।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–६६ ।

रामायण महानाटक (पद्य)—अन्य नाम 'रामायण नाटक' । प्राणचंद कृत । र० का० सं० १६६७ । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १७७५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६५ ।

(ख) प्रा०—पं० दयाशंकर पाठक, रामदास की मंडी, मथुरा ।→१७–१३४ ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, बहराइच ।→२३–३१७ ।

रामायणमाला (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० रामायण की कथा ।

(क) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़ ।→सं० ०४–२६३ ट ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । → २६–२६७ ई ।

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे दूबे, रामनगर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर) । → २६–२६७ एफ ।

(घ) मु० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, सुदीकपुरा (ताराडीह), डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–२८३ ग ।

(ङ) मु० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसेठी (जौनपुर) । → सं० ०४–२६३ अ ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२६१ ठ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—कुंदनप्रसाद कृत । लि० सं० १६१३ । वि० तुलसी कृत रामायण का माहात्म्य वर्णन ।

प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६–२५१ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—गोपालदास (द्विज) कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० तुलसी कृत रामायण की महिमा ।

(क) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६–१४८ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६५२ ।

प्रा०—पं० बैजनाथ शुक्ल, सिकंदरपुर घुमनी, डा० सिसैया (बहराइच) । → २३–१३३ बी ।

(ग) प्रा०—पं० शिवसेवकराम मिश्र, परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-१४८ बी ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—भागवतदास कृत । वि० रामचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १६१' ।

प्रा०—श्री रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, प्रयाग ।→४१-१७३ ग ।

(ख) प्रा०—श्री रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, प्रयाग ।→४१-१७३ घ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—बिहारीरमणेश (रमणबिहारी) कृत । लि० का० सं० १६३८ । वि० रामचरितमानस का माहात्म्य ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२५० ।

रामायण माहात्म्य (गद्यपद्य)—शकधर कृत । लि० का० सं० १६५० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० हरविलाससिंह, रानीपुर, डा० जैथरा (एटा) । → २६-३०२ ।

रामायण माहात्म्य (पद्य)—शीतलदास कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० रामायण माहात्म्य और गो० तुलसीदास का जीवनवृत्त ।

(क) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-४१६ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३६० क ।

(ग) प्रा०—शारदासदन पुस्तकालय, रायबरेली ।→सं० ०४-३६० ख ।

रामायण माहात्म्य और तुलसी चरित्र (पद्य)—गंगादास कृत । वि० रामायण का माहात्म्य और गो० तुलसीदास का जीवनवृत्त ।

प्रा०—श्री सूरजनारायण मिश्र, खौसी मिश्र का पुरवा, डा० करौंदी (सुलतानपुर)। →सं० ०४-५५ ।

रामायण रामविलास→'रामविलास रामायण' (ईश्वरीप्रसाद त्रिपाठी कृत) ।

रामायणशतक (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानप्रभाशतक' । हरिवक्ससिंह कृत । र० का० सं० १६०७ । वि० संक्षिप्त रामकथा ।

प्रा०—ठा० जगदंबाप्रसाद जमींदार, करछना (इलाहाबाद) । →१७-१८ ए ।

रामायण शृंगार (पद्य)—शिवबख्शराय कृत । र० का० सं० १८८१ । लि० का० सं० १६१७ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदार, कटरा, सीतापुर ।→१२-१७५ ।

रामायण सगुनौती→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

रामायणसार (पद्य)- हरिनारायणदास कृत । र० का० सं० १८३२ । लि० का० सं० १८७८ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-३१५ ।

रामायण सुमिरनी (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । वि० रामायण का सारांश ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, जंगल अधिकारी, दतिया ।→०६-७६ बाई ।

रामायण सूचनिका (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत । वि० रामायण की प्रमुख घटनाओं की सूची ।
प्रा० —दी पब्लिक लाब्रेरी, भरतपुर ।→१७-६३ ई ।

रामायण सूचनिका (पद्य)—अन्य नाम 'ककोरारामायण' । रसिकगोविंद कृत । वि० रामायण की संक्षिप्त कथा ।
(क) प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर ।→०६-१२२ जी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठा० मोतीसिंह, अनोढ़ा, डा० जुगसना (मथुरा) ।→३५-८६ ।

रामायनो ककहरा (पद्य)—वृंदावन (लाला) कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० रामायण की कथा ।
प्र०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-५६ ।

रामार्णव (पद्य)—भामदास कृत । र० का० सं० १८१८ । वि० रामचरित्र ।
(क) लि० का० सं० १८६५ ।
प्रा०—डेरातर के महाराज, माँडा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-१३४ ख ।
(ख) प्रा०—श्री सीताराम, भदोही (मिरजापुर) ।→०१-२१ ।
(ग) प्रा०—पं० रामकिशोर गुरु, माँडा (इलाहाबाद) ।→२०-७२ ।
(घ) प्रा०—श्री भगवानदत्त मिश्र, ककरा, डा० हनुमानगंज (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-१३४ क ।

रामालंकृतमंजरी (पद्य)—केशवदास (?) कृत । वि० अलंकार ।→००-५२ (पाँच) ।

रामावतार (पद्य)—जसवंत कृत । वि० संक्षिप्त रामकथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२७४ ए (विवरण अप्राप्त) ।

रामावतार—इनकी सहायता से परमानंद ('आत्मबोध' के रचयिता) ने ग्रंथों की टीकाएँ की थीं ।→सं० ०१-२०१ ।

रामवतारदास—वैश्य । दोस्तपुर (अयोध्या से बीस कोस दूर) के निवासी । अंत समय में साधु हो गए । सं० १६२५ के लगभग वर्तमान ।
संतविलास (पद्य)→सं० ०१-३६० ।

रामावली (पद्य)—अचलदास कृत । र० का० सं० १६०६ । लि० का० सं० १६०६ । वि० रामयश वर्णन ।
प्रा०—बाबा साहबदास, श्री गणेश मंदिर, डा० सआदतगंज (लखनऊ) ।→ २६-२ डी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—गंगाप्रसाद (माथुर) कृत । वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→१६-११० बी ।

रामाश्वमेध (पद्य)— देवकृष्ण कृत । र० का० सं० १८२८ । वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१६२ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—नाथगुलाम (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १८६४ । लि० का० सं० १९२५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह जी, रमेश पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→ २६–३२६ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—नारायणदास कृत । र० का० सं० १७३९ । लि० का० सं० १९१५ ।
वि० रामचंद्र जी के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१९१ ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मधुअरिदास (माधुरीदास) कृत । र० का० सं० १८३९ (?) ।
वि० श्री रामचंद्र जी का अश्वमेध वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—पं० कृष्णलाल चौबे, इटावा ।→०६–१८१ ।
(ख) लि० का० सं० १९०७ ।
प्रा०—ठा० शिवदयालसिंह, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) ।→ २३–२५१ ए ।
(ग) लि० का० सं० १९१४ ।
प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–९७ ।
(घ) लि० का० सं० १९२४ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, भौली खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
→२६–२७८ ए ।
(ङ) लि० का० सं० १९३४ ।
प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर) ।→ २३–२५१ बी ।
(च) लि० का० सं० १९३५ ।
प्रा०—पं० विष्णुदत्त (पुत्ती महाराज), भौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।
→२६–२७८ बी ।
(छ) लि० का० सं० १९६८ ।
प्रा०—श्री आरतराम, रामद्वारका महामंदिर, जोधपुर ।→०१–८७ ।
(ज) लि० का० सं० १९६८ ।
प्रा०—श्री रामचंद्र छीपी, द्वारा श्री भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, बटेश्वर (आगरा) ।→२६–२७८ सी ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मस्तराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १९०८ ।
प्रा०—पं० भोलानाथ, डा० बाजनै (मथुरा) ।→३२–१०३ बी ।
(ख) प्रा०—पं० गंगाप्रसाद, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२–१४३ ए ।

रामाश्वमेध (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत। वि० राम के अश्वमेध का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ०६–२६५ ए (विवरण अप्राप्त)।

(सं० १६३४ की एक प्रति टीकमगढ़ नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ में है)।

(ख) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१६६ सी।

रामाश्वमेध (पद्य)—हरिदाससहाय (गिरि) कृत। र० का० सं० १८५६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह जी, राजा अमेठी (सुलतानपुर)।→२३–१५४।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०३–१६।

रामाश्वमेध (पद्य)—हरिदेव (जन) कृत। र० का० सं० १६१६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० हरिवंशलाल, पन्हेरा, डा० बाजना (मथुरा)।→३८–५७।

रामाश्वमेध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मोहनलाल, सस्खेड़ा, डा० गौतम (अलीगढ़)।→३८–१६५।

रामाश्वमेध (पद्मपुराण) (पद्य)—रामजकस कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० राम के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन।

प्रा०—श्री रामरुचि पांडेय, वोदरी, डा० लेवरुआ (जौनपुर)।→सं० ०१–१५२।

रामाश्वमेध (पातालखंड) (पद्य)—बदनराउ कृत। र० का० सं० १८१६। वि० रामाश्वमेध वर्णन।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तम दूबे लेदुका, डा० बरपुर (जौनपुर)।→सं० ०४–२२५।

रामाश्वमेध की टीका (गद्य)—बासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० संस्कृत 'रामाश्वमेध' की टीका।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६–३० एच।

रामाश्वमेध यज्ञ या रामचरित्र (पद्य)—गुरुदीन कृत। वि० राम और लवकुश संग्राम।

(क) लि० का० सं० १८७८।

प्रा०—बाबा खरगीराम पुजारी, अलीगंज (एटा)।→२६–१३२।

(ख) प्रा०—पं० गिरधारीलाल मिश्र, अब्दुलगनी का कटरा, फतेहपुर।→ ०६–१०१।

रामाष्टक (पद्य)—चेतनदास कृत। वि० रामस्तुति।

(क) प्रा०—ठा० श्रीचंद्र वैद्य, लभौवा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→ ३२–४१ सी।

(ख) प्रा०—पं० मुंशीलाल, नंदपुर, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→३२-४१ एच ।

रामाष्टक (पद्य)—दत्तदास कृत । वि० रामभक्ति ।

प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६-६१ सी ।

रामाष्टक (पद्य)—मोतीराम कृत । र० का० सं० १८६४ । लि० का० सं० १९२५ । वि० राम वंदना ।

प्रा०—पं० गोकर्णनाथ, कुदई, फखरपुर (बहराइच) ।→२३-२८३ बी ।

रामाष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत । लि० का० सं० १९२६ । वि० राम वंदना ।

प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुर, डा० अजगैन (उन्नाव) ।→२६-३०५ सी ।

रामाष्टक (पद्य)—सुकवि कृत । वि० रामनाम का माहात्म्य ।

प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)→२६-४३४ ।

रामेश्वर—(?)

भाग्यबोधिनी (गद्य)→३२-१८४ ।

रामेश्वर—कोटवा (बाराबंकी) के महंत । सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । भोखामल के गुरु ।→२३-६६ ।

रामेश्वर (भट्ट)—पांचाल देश (?) के निवासी । सुलतान गयासुद्दीन (?) के समकालीन और संभवतः उन्हीं के आश्रित ।

योगशास्त्र (यो० सा०) (गद्य)→सं० ०४-३४९ ।

रामेश्वरसिंह—भोजपुर के राजकुमार । कालीचरण के आश्रयदाता । सं० १९०२ के लगभग वर्तमान ।→०४-८१ ।

रामोत्सव (पद्य)—व्रजेश कृत । वि० उत्सव के कवित्तादि ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-६४ (परि० ३) ।

रायचंद (नागर)—नागर ब्राह्मण । मुर्शिदाबाद के निवासी । राजा डालचंद के आश्रित । सं० १८३१ में वर्तमान ।

गीतगोविंदादर्श (पद्य)→१७-१५३, २६-४११ ए, बी, सी; सं० ०७-१६६ ।

विचित्रमालिका (पद्य)→०६-२३९ ।

रायचंद (राइचंद्र)—उप० चंद्र । जैन । पंजाबी । सं० १७१३ के लगभग वर्तमान ।

सीताचरित्र (पद्य)→२३-३६२; सं० ०४-३२६ क, ख, ग, घ ।

राय रणकरण—(?)

आनंदमंजरी (पद्य)→२६-३९८ ।

रायसा या रासो (पद्य)—शिवनाथ कृत । वि० धारा नगरी के महाराज जसवंतसिंह और रीवाँ के महाराज अजीतसिंह का युद्ध वर्णन ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१८२ ।

रायसिंह (महाराज)—बीकानेर नरेश । रावकल्याणमल के पुत्र और पृथ्वीराज राठौर के भाई । सं० १६५८ के लगभग वर्तमान ।→००-८७; दि० ३१-६६ ।

रायसिंह (श्रीमाल)—वैरीसाल के पुत्र। संभवतः माधवपुर (जयपुर) निवासी। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।
गुनमाला (पद्य)→३२-१८६।

रावकृष्ण—(?)
मनुस्मृति की टीका (गद्य)→३५-८३ ए, बी।

रावण मंदोदरी संवाद (पद्य)—मुनिलावण्य कृत। वि० सीताहरण पर रावण मंदोदरी का संवाद।
प्रा०—विद्या प्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-८५।

रावहमीरसोगढ़ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अल्लाउद्दीन बादशाह और हम्मीर की लड़ाई का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५५८।

राशिमाला (गद्य)—अन्य नाम 'सिद्धिसागर'। रचयिता अज्ञात। वि० बारह राशियों की पहचान और उनका फलाफल।
(क) प्रा०—पं० रामप्रसाद, बकेवर (इटावा)→३५-२८५ ए।
(ख) प्रा०—पं० देवीदयाल, भरथना (इटावा)।→३५-२८५ बी।

रासउत्साह वर्द्धनबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८३१। वि० वृंदावन की शोभा और राधाकृष्ण का शृंगार।
प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा।→१७-३४ जी।

रास के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।
(क) प्रा०—श्री पन्नालाल कायस्थ, मड़वई, डा० सादाबाद (मथुरा)।→३२-२२६ एच।
(ख) प्रा०—पं० गोपाल गोस्वामी, नंदग्राम (मथुरा)।→३२-२२६ आई।

रासदीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० रामजानकी विहार।
(क) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ जे।
(ख) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-१८१ बी (विवरण अप्राप्त)।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—अलीरँगीली कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-११।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—आनंद (कवि) कृत। र० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—नगरपालिक संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-६।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—कृष्णदास (कायस्थ) कृत। वि० कृष्ण और गोपियों के रास का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६–२०४ ।

(ख) प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर ।→सं० ०१–५२ ।

(ग) प्रा०—श्री मनोहरलाल कायस्थ, जूही, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़) ।→ सं० ०४–४२ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—कृष्णदेव कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० राधाकृष्ण का रास वर्णन ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–१५६ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—गोपाल (जनगोपाल) कृत । र० का० सं० १७५५ । लि० का० सं० १८८१ । वि० कृष्ण जी की रासलीला ।

प्रा०—पं० श्रीधर मिश्र ज्योतिषी, सदावर्ती, आजमगढ़ ।→४१–५६ ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—दामोदरदास कृत । र० का० सं० १६६६ । वि० राधाकृष्ण की रासलीला ।

प्रा०—गो० किशोरीलाल अधिकारी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४३ जी ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—अन्य नाम 'पंचाध्यायी' । नंददास कृत । वि० श्रीकृष्ण की रासलीला ।

(क) लि० का० सं० १७८० ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०८–१७७ ।

(ख) लि० का० सं० १७६४ ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७–१२६ बी ।

(ग) लि० का० सं० १८३० ।

प्रा०—श्रीयुत बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१–५०८ घ (अप्र०) ।

(घ) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर ।→०१–६६ ।

(ङ) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२०० ए (विवरण अप्राप्त) । (सं० १८६३ की एक प्रति अजयगढ़ के पं० भगवानदीन के पास है) ।

(च) लि० का० सं० १८८२ ।

प्रा०—डा० तिलकसिंह, लतीफपुर, कोटला (आगरा) ।→२६–२४४ जे ।

(छ) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—पं० देवीराम, विधौली, डा० खेरागढ़ (आगरा) ।→२६–२४४ जे ।

(ज) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-५०८ ङ (अप्र०) ।

(झ) प्रा०—बाबा गोपालदास, चैतन्य मंदिर, चैतन्यरोड, वाराणसी । → ४१-५०८ च (अप्र०) ।

(ञ) प्रा०—श्री छुन्नू महाराज, चिल्ला, डा० शाहदरा, दिल्ली। → दि० ३१–६१ बी।

(ट)→पं० २२-७२ बी (दो प्रतियाँ)।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। लि० का० सं० १८४४। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—पं० श्रीकृष्ण, महिगलगंज (सीतापुर)।→२६-३१३।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० कृष्ण की रासलीला।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० एफ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—रसानंद कृत। र० का० सं० १८८६। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३२६ क।

रासपंचाध्यायी (पद्य)—व्यास जी कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।

(क) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२ १६८।

(ख) प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी श्री राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३८–१६५।

रासपंचाध्यायी (पद्य)–रचयिता अज्ञात। वि० भागवत दशमस्कंध (रासपंचाध्यायी) का अनुवाद।

प्रा०–पं० रामदत्त, ब्रह्मपुरी, डा० कोसी (मथुरा)।→३५–२८३।

रासपंचाध्यायी (पद्य)–रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों का रास वर्णन।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। → सं० ०४-४६०।

रासपंचाध्यायी सटीक (पद्य)–अन्य नाम 'भाषा पंचाध्यायी'। गोपालराय (भाट) कृत। वि० संस्कृत रासपंचाध्यायी का अनुवाद।

(क) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२–६२ एफ।

(ख)→पं० २२–३२ ए।

रासपद्धति (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १९००। वि० सीताराम विहार।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६–१५४ ए।

रासपद्धति और दानलीला (पद्य)—रामसखे कृत। वि० श्री रामचंद्र जी की रासलीला का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२१६ बी (विवरण अप्राप्त)।

रासमंजरी—संभवतः सखी संप्रदायानुयायी रूपमंजरी के शिष्य।

अष्टकाल (गद्यपद्य)→४१–२३२।

रासमंडल (पद्य)—चिंतामणि कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० कृष्ण और गोपियों की रासलीला का वर्णन।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-६७ ।

रासमंडल (पद्य)—रामशेखर कृत । वि० विविध राग रागनियों में रास का वर्णन ।

प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०-१५६ ।

रासमान के पद (पद्य)—केवलराम कृत । वि० राधाकृष्ण के प्रेम और कलह का वर्णन ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, मथुरा ।→३२-११४ ।

रासरसलता (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० राधाकृष्ण की रासलीला ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा वाराणसी ।→०१-१२६ ।

रासा (पद्य)—केशवदास कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० निर्गुण भक्ति तथा ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३५ ।

रासा भगवंतसिंहजी का→'भगवंतरायरासा' (सदानंद कृत) ।

रासा भैया बहादुरसिंह का→'बहादुरसिंह (भैया) का रासा' (शिवनाथ कृत) ।

रिसालगिरि—प्रभुदयाल और रामदयाल के गुरु । सं० १७०४ के लगभग वर्तमान । →दि० ३१-६४ ।

बदरा (पद्य)→दि० ३१-७६ ।

बारहमासी (पद्य)→३५-८६ ।

रिसालातीरंदाजी (पद्य)—अमीर कृत । वि० धनुर्विद्या ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-४ ।

रिसाला मजजूबुल सालकिन (गद्य)—सैयदअमीन कृत । र० का० सं० १८७४ । वि० सूफी मतानुसार परमात्मा की प्राप्ति के मार्ग का वर्णन ।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ।→ →४१-३०३ ।

रीझचतुर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० कृष्णप्रेम में रीझी गोपिका का वर्णन ।

प्रा०—पं० भूपदेव शर्मा, सिहाना, डा० भरनाखुर्द (मथुरा) ।→३८-१०३ बी ।

रुक्मनि पूर्व कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रुक्मिणी की पूर्व जन्म की कथा ।

प्रा०—श्री हरिप्रसाद, भीमा, डा० राधा (मथुरा) ।→३५-२८७ ।

रुक्मांगद की एकादशी कथा (पद्य)—सुंदरदास कृत । र० का० सं० १७०७ । लि० का० सं० १७८४ । वि० राजा रुक्मांगद के एकादशी व्रत की कथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३३४ (विवरण अप्राप्त) ।

रुक्मांगद की कथा एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सूरजदास कृत । लि० का० सं० १८८६ वि० । रुक्मांगद की सुप्रसिद्ध कथा ।

प्रा०—पं० शत्रुघ्न मिश्र, सिकंदरपुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-४१७ ए ।

रुक्मिणिमंगल (पद्य)—गुमान (कवि) कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८२ ।

रुक्मिणीजी को ब्याहलो (पद्य)—अन्य नाम 'रुक्मिणीमंगल'। पदुमभगत कृत।
वि० श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की कथा।
(क) लि० का० सं० १६६६।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६२।
(ख) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—डा० लक्ष्मीचंद शर्मा, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२५६।
(ग) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००-२४।
(घ)→पं० २२-८०।

रुक्मिणीपरिणय (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १६०७। वि० भागवत के दशमस्कंध के आधार पर कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठी, डा० रामनगर (सुलतानपुर)।→२३-३३० ए।
(ख) लि० का० सं० १६१७।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२१० ए (विवरण अप्राप्त)।

रुक्मिणीब्याह (पद्य)—रामदास कृत। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३४५।

रुक्मिणीब्याहलो (पद्य)—कृष्णदास गिरिधर कृत। लि० का० सं० १६६२। वि० कृष्ण रुक्मिणी का विवाह।
प्रा०—श्री गोसाईं जीवनलाल जी, नरी, डा० अकबरपुर (मथुरा)।→३२-१२३।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह वर्णन।
प्रा०—पं० रामदत्त, रायपुर, डा० गोनमत (अलीगढ़)।→२६-१०७ एल।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—ठाकुरदास कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० राधाकृष्ण विवाह।
प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६-३३७ ए (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६३० की एक प्रति बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर में है)।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नंददास कृत। वि० रुक्मिणी हरण की कथा।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल अध्यापक, होलीपुरा (आगरा)।→२६-२४४ एल।
(ख) प्रा०—बाबू कृष्णजीवनलाल वकील, महावन।→१२-१२०।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)--नरहरि कृत । वि० कृष्णरुक्मिणी विवाह ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–११ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १६२५ । लि० का० सं० १६३२ । वि० कृष्णरुक्मिणी विवाह प्रसंग ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, जंगल अधिकारी, दतिया ।→०६–७६ पी ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०--बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–१०० ई ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—भगवान हितुरामराय कृत । वि० रुक्मिणी का विवाह वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२५२ क ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—महरचंद कृत । र० का० सं० १७८६ (?) । वि० रुक्मिणी विवाह ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा० - लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–११४ ।

(ख) प्रा०—सर्वोपकारक नागरी पुस्तकालय, अछनेरा (आगरा) । →३२–७४ ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२७७ ।

टि० खो० वि० ३२–७४ में प्रस्तुत रचयिता को भूल से हरचंद मान लिया गया है ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—राघोदास (राघवदास) कृत । र० का० सं० १८०० (?) । वि० रुक्मिणी विवाह वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८०० ।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लिदहावरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→४१–२२१ ।

(ख) प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लिदहावरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) । →सं० ०१–३३१ ग ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)– रामलला कृत । वि० श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा० पं० पुरुषोत्तमलाल, छाता (मथुरा) ।→३८–१२० ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० गणेशीलाल उपाध्याय, नगीना, बिजनौर ।→१२–१४७ ।

(ग) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—श्री विहारी जी मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद ।→४१–५५१ (अप०) ।

रुक्मिणीमंगल (गद्य)—विष्णुदास कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

(क) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-५६० (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० गनपतलाल दूबे, जदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) । → २६-४६८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६३ ।

(घ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, खेड़वा, डा० महोली (सीतापुर) →२६-४६८ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० रायसिंह, टीकरी, डा० नरेला (दिल्ली) ।→दि० ३१-६६ ।

(च) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, घेरा राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-३२८ बी ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—हरिनारायण कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० नाम से स्पष्ट । प्रा०—पं० मदनमोहन जमीदार, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा) । → ३२-८१ ।

रुक्मिणीमंगल(पद्य)—हीरामनि कृत । लि० का० सं० १८७८ । वि० नाम से स्पष्ट । प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल, होलीपुरा (आगरा) ।→२६-१५४ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—हीरालाल कृत । र० का० सं० १७०८ । लि० का० सं० १६३६ । वि० रुक्मिणी हरण और विवाह की कथा । प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५-६४ ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—हृदयराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।→पं० २२-४१ बी ।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और कलियुग के मनुष्यों के क्रिया कर्म आदि का वर्णन । प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, कपथुआ, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→१७-६८ (परि० १) ।

रुक्मिणीमंगल→'रुक्मिणीजी को ब्याहलो' (पदमदास या पदुमभगत कृत) ।

रुक्मिणीमंगल (दूसरो) (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह । प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-१०० एच ।

रुक्मिणीविवाह (पद्य)—किसन कृत । वि० रुक्मिणी और श्रीकृष्ण का विवाह । प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-२७ ।

रुक्मिणीविवाह और सुदामाचरित्र (पद्य)—सूरदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → २३-४१६ ई।

रुक्मिणीहरण (पद्य)—साँईंभूला कृत। वि० रुक्मिणी का कृष्ण द्वारा हरण।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२८१।

रुघनाथदास→'रघुनाथदास' ('हरिदासजी की परिचयी' के रचयिता)।

रुद्रनाथ—उप० खुशाली कवि। बिल्हौर (कानपुर) निवासी। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान।
बारहमासा (पद्य)→२६-४०६।

रुद्रप्रतापसिंह (महाराज)—मांडा (विंध्याचल के निकट, जि० इलाहाबाद) के राजा। विद्वान और प्रतिभाशाली कवि तथा गुणियों के आश्रयदाता। सं० १८७७ में वर्तमान।
कौशलपथ (पद्य)→०३-२५।
सुसिद्धांतोत्तम रामखंड (किष्किंधा, उत्तरकांड) (पद्य) →सं० ०१-३६१; सं० ०४-३५०।

रुद्रमालिनी (पद्य)—ज्वालास्वरूप (मुंशी) कृत। र० का० सं० १९२५। वि० शिवस्तुति।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)।→३८-७६।

रुपैयाअष्टक (पद्य)—श्रीधर कृत। वि० रुपये की महिमा।
प्रा०—चौधरी प्रसादराम, बह्मनीपुरा (इटावा)।→३८-१५५।

रूप—संभवतः सं० १९०८ के लगभग वर्तमान।
रूपमंजरी (पद्य)→सं० ०१-३६३।

रूप—कोई संत।
ज्ञानोपदेश (?) (पद्य)→सं० ०१-३६२।

रूपकरामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १९२६। वि० राम कथा।
प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, समथर।→०६-७९ टी।

रूपकिशोर (पंडित)—अन्य नाम पं० रूपराम। सनाढ्य ब्राह्मण। कचौराघाट (आगरा) निवासी। हिंदी, उर्दू और फारसी के विद्वान।
कलँगी (पद्य)→३२-१९१ सी।
कवित्त संग्रह (पद्य)→२९-२९९।
ख्याल (पद्य)→३२-१९१ ए।
ख्याल चिंतामणि (पद्य)→३२-१९१ एफ।
ख्यालबाजी (पद्य)→३२-१९१ ई।
ख्याल बारहखड़ी (पद्य)→३२-१९१ डी।

ख्याल मंजूषा (पद्य)→३२-१६१ जी।
ख्याल संग्रह (पद्य)→३२-१६१ एच, आई।
योग और ब्रह्म (पद्य)→३२-१६१ जे।
हिंदी उर्दू ख्याल संग्रह (पद्य)→३२-१६१ बी।

रूपकिशोर (मुंशी)—कागारोल (आगरा) निवासी। सं० १६२५ के लगभग वर्तमान।
परीक्षाबोधनी (गद्यपद्य)→३२-१६२।

रूपचंद (जन)—(?)
ज्ञानकल्याणक (पद्य)→३८-१२८ डी।
तपकल्याणक (पद्य)→३८-१२८ सी।
पंचकल्याणक (पद्य)→२६-४१०; ३८-१२८ बी।
विंती (पद्य)→३८ १२८ ए।

रूपदास—निरंजनी पंथी। अमरदास जी (सेवादास जी के शिष्य) के शिष्य। सं० १८३२ में वर्तमान।
सेवादास की चरित्रयी (पद्य)→०६-२६८; सं० ०७-१७०।

रूपदीप→'छंदसार, (जयकृष्ण कृत)।

रूपदीप (कटारिया)—सं० १७७२ के लगभग वर्तमान।
बावननाल रूपदीप पिंगल (पद्य)→दि० ३१-७३।

रूपदीपक पिंगल (भाषा)→'छंदसार' (जयकृष्ण कृत)।

रूपदेव्या→'मुकुंद (रूपदेव्या)' ('विनयविहारी रूप उत्सवाष्टक' के रचयिता)।

रूपमंजरी—वास्तविक नाम देवकीनंदनदास; वंशीअलि के शिष्य। चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं० १८१० के लगभग वर्तमान।
अष्टयाम (पद्य)→०६-२६६।
युगलकेलि रसमाधुरी (पद्य)→१२-१५६ बी।
युगलकेलि ललितलीला (पद्य)→१२-१५६ ए।
युगलरहस्य सिद्धांत (पद्य)→१२-१५६ सी।

रूपमंजरी (पद्य)—नंददास कृत। वि० राधा के रूप शृंगार का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० भगवानदीन, अजयगढ़।→०६-३०१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१७१ क।
(ग)→पं० २२-७२ सी।

रूपमंजरी (पद्य)—रूप कृत। र० का० सं० १६०८। लि० का० सं० १६२८। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३६३।

रूपमंजरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४६। वि० राग रागिनियाँ।
प्रा०—श्रीमन् मतंगध्वजनारायणसिंह, बिस्वाँ (अलीगढ़)।→१७-६६ (परि० ३)।

रूपमंजरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध राग रागनियों का संग्रह।

प्रा०—श्रीमन् मतंगध्वजनारायणसिंह, बिस्वाँ (अलीगढ़)।→१७-६७ (परि०३)।

रूपरसिक—निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी। हरिव्यासदेव के शिष्य। वृंदावन निवासी।

उत्सवमणिमाला (पद्य)→३८-१३१ बी।

कृपाकल्पतरु (पद्य)→३८-१३१ ए।

ख्याल संग्रह (पद्य)→३२-१९३।

वृंदावनमाधुरी (पद्य)→०६-२२२।

रूपराम—(?)

गिरिवरसमौ (पद्य)→सं० ०१-३६४।

रूपराम→'रूपकिशोर' (आगरा निवासी)।

रूपराम (जन)—संभवतः सं० १८०० के लगभग वर्तमान।

गंगालहरी (पद्य)→३८-१३०।

रूपलाल (गोस्वामी)→'हितरूपलाल' (हित वृंदावनदास के गुरु)।

रूपविलास (पद्य)—रूपसाहि कृत। र० का० सं० १८१३। वि० काव्यांग और नायिका-भेद आदि।

(क) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-८३।

(ख) लि० का० सं० १९०३।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०-१६७।

(ग) लि० का० सं० १९२५।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०५।

(दो अन्य प्रतियाँ सं० १९२६ और सं० १९४१ की क्रमशः टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ और बाबू रामनारायण, बिजावर के पास हैं)।

रूपसखी—सखी संप्रदाय के वैष्णव।

होरी (पद्य)→०६-२२२; २०-१६८।

रूपसनातन—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी। संभवतः रूप और सनातन दो भाई थे। रूप राधाकुंड पर और सनातन वृंदावन में रहते थे।

विदग्धमाधव (गद्य)→सं० ०१-३६५।

शृंगारसुख (पद्य)→०६-२२३।

रूपसरी (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० सतगुरु तथा संत देश (ब्रह्म) की महिमा।

प्रा०—महंत श्री रामकिशोर, रतसंड (बलिया)।→४१-२६३ ङ।

रूपसाहि—कायस्थ। कमलनयन के पुत्र। पन्ना (मध्यप्रदेश) निवासी। महाराज हिंदूपति के आश्रित। सं० १८१३ के लगभग वर्तमान।

नवरस चतुर्वृत्ति वर्णन (पद्य)→४१-२३३ ।

रूपविलास (पद्य)→०५-८३; ०६-१०५; २०-१६७ ।

रूपसिंह (राजा)--हरिहरपुर (बहराइच) के राजा । मान कवि के आश्रयदाता । १८ वीं शताब्दी में वर्तमान ।→२३ २५६ ।

रूपसुंदरी की चौपाई (पद्य)—हर्षविजय कृत । रूपसुंदरी की कथा ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-३६ ।

रूपहित→'हितरूपलाल' (हित वृंदावनदास के गुरु) ।

रूपालो→'जगन्नाथ' (नवलजी के शिष्य) ।

रेखता (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६०८ ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद)। → सं० ०१-३२ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६६१ ।

प्रा०—कबीरसाहब का स्थान, मगहर (बस्ती) ।→०६-१४३ पी[२] ।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ डी (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—श्री बाँकेलाल शर्मा, हुंडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा) । →२६-१७८ पी ।

रेखता (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता, लखनऊ । →सं० ०७-७४ क ।

रेखता (पद्य)—भीखा साहब कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० आत्मकथा ।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, चिटबड़ागाँव (बलिया) ।→४१-१७४ ङ ।

रेखता (पद्य)--रामचरण (स्वामी) कृत । वि० गुरुदेव, सुमिरन, परिचय और भ्रम विध्वंस के अंग का वर्णन ।

प्रा०—श्री छब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२-१७५ यू ।

रेखता (पद्य)--सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६६ ड ।

रेखता तथा कीर्तन (पद्य)—वल्लभ गोस्वामी कृत । वि० शृंगार ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२३४ ।

रेखता दरियासाहब (पद्य)—दरिया साहब कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा० --पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-५५ जे ।

रेड़ (मुनि)--जैन । सं० १६४४ के लगभग वर्तमान ।

सरसुंदरीचरित्र (पद्य)→दि० ३१-५६ ।

रेल वर्णन (पद्य)—माधव (माधो) कृत । र० का० सं० १९३६ । लि० का० सं० १९३७ । वि० रेल का वर्णन ।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६–२७४ ।

रैदास—काशी के प्रसिद्ध संत । जाति के चमार । स्वामी रामानंद के शिष्य । सं० १५०१ के लगभग वर्तमान । 'नामदेव आदि की परची संग्रह' में भी ये संगृहीत हैं । →०१–१३३ (तीन) ।
कबीररैदास संवाद (पद्य)→सं० ०१–३३६ ।
पद और साखी या शब्द (पद्य)→०२–५५; ०२–६७; २६–२७६ बी; सं० ०७–१७१ क, ख; सं १०–११६ ।
पहरा (पद्य)→सं० ०७–१७१ घ ।
प्रह्लादलीला (पद्य)→२६–२७६ ए ।
बानी (पद्य)→०६–२४०; ४१–२३४; सं० ०७–१७१ ग ।
रैदासजी की आरती (पद्य)→सं० ०७–१७१ ङ ।

रैदास की कथा→'रैदास की परिचई' (अनंतदास कृत) ।

रैदास की परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत । र० का० सं० १६४५ । वि० रैदास जी का जीवन वृत्त ।
(क) लि० का० सं० १७४० ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३ झ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३ ञ ।
(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१२८ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–५ ए

रैदासजी की आरती (पद्य)—रैदास कृत । वि० परमात्मा की आरती ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१७१ ङ ।

रैनरूपारस (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० कृष्ण की विलास लीला ।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२६ ।
(ख)→पं० २२–६६ सी ।

रोगरथ नाम लीला निधि (पद्य)—परसराम (परसुराम) कृत । वि० परम तत्व का दार्शनिक विवेचन ।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । →३५–७४ सी ।

रोगाकर्षण (गद्यपद्य)—हरिविलास कृत । र० का० सं० १६१६ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा, डा० चामयानी (उन्नाव) ।→२६-१७७ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—पं० डालचंद गौड़, राजगढ़, डा० छर्रा (अलीगढ़) ।→२६-१४६ डी ।

रोमावली (गद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश और सिद्ध साहित्य के विशेष शब्दों का तात्पर्य ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३६ ट ।

(ख)→०२-६१ (तेईस) ।

रोहिणमुनि चतुष्पदी (पद्य)—श्रुतसागर कृत । र० का० सं० १६०१ । लि० का० सं० १६४२ । वि० रोहिणी मुनि का चरित्र ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-८२ ।

रोहिणीव्रत की कथा (पद्य)—हेमराज कृत । र० का० सं० १७४२ । लि० का० सं० १६५१ । वि० जैन धर्मानुसार रोहिणी व्रत की कथा ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-१६४ ।

लंकाकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत) ।

लंकाकांड की टीका→'विमलवैराग्य संपादिनी' (संतसिंह कृत) ।

लँगड़ीरंगत लावनी (पद्य)—गंगादास (साधु) कृत । लि० का० सं० १६२४ । वि० राजा भर्तृहरि के योग ग्रहण करने का वर्णन ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-१२७ ए ।

लक्षणश्रृंगार (पद्य)—मतिराम कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० हावभावादि वर्णन ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्कालय, बिजावर ।→०६-१६६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

लक्षणाव्यंजना (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि० शब्द शक्ति निरूपण ।

प्रा०—श्री श्यामलाल हवेलिया, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२-७३ सी ।

लक्षणाव्यंजना (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री रमणलाल हरीचंद चौधरी, कोसी (मथुरा) ।→१७-४४ (परि०३) ।

लक्षोदय→'लालचंद' ('पद्मिनीचरित्र' के रचयिता) ।

लक्ष्मण—अयोध्या के गौड़ ब्राह्मण । रामानुज संप्रदाय के अनुयायी । सं० १६०६ के लगभग वर्तमान ।

रामरत्नावली (पद्य)→१७-१०३ ए ।

हनुमानजी का तमाचा (पद्य)→१७-१०३ बी ।

लक्ष्मण (लछिमन)—संभवतः कबीर पंथी ।

निर्वाणरमैनी (पद्य)→०६-६८३ ।

लक्ष्मणचंद्रिका (पद्य)—लक्ष्मणराव कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १९४५। वि० केशव कृत 'कविप्रिया' की टीका।

प्रा०—रावराणा दंगलसिंह जू' चरखारी।→०६-१८७ (विवरण अप्राप्त)।

लक्ष्मणचरित्र शतक→'लक्ष्मणशतक' (मान या खुमान कृत)।

लक्ष्मणदास—संभवतः छुई खदान के राजा। सं० १९१४ के लगभग वर्तमान।

राधाकृष्ण रस तरंगिणी (पद्य)→४१-२३५।

लक्ष्मणदास—इन्होंने केदारनाथ के साथ मिलकर 'प्रह्लादचरित्र नाटक' ग्रंथ लिखा था। →२०-८०; २०-९२।

लक्ष्मणनाथ (**लखमण**)—अजयपाल के शिष्य। संभवतः सं० १५१२ के लगभग वर्तमान।→सं० १०-३।

लक्ष्मणप्रसाद—ब्राह्मण। फतेहपुर (आगरा) निवासी।

चक्राकेवली (गद्य)→दि० ३१-५३ ए, बी।

नरसीलौ (पद्य)→३२-१२९।

लक्ष्मणप्रसाद (**उपाध्याय**)—गुन्नूलाल उपाध्याय के पुत्र। बाँदा निवासी। सं० १९०० के लगभग वर्तमान।

नामचक्र (पद्य)→०६-१६२।

लक्ष्मण या लक्ष्मणनाथ→'बालगुदाई' (आई पंथ के अनुयायी)

लक्ष्मणराव—ग्वालियर नरेश दौलतराव सिंधिया के सरदार। इन्हें शमशेर जंगबहादुर की उपाधि मिली थी। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान।

लक्ष्मणचंद्रिका (पद्य)→०६-१८७।

लक्ष्मण शतक (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८५५। वि० लक्ष्मण और मेघनाद युद्ध वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९४४।

प्रा०—ठा० गुरुबक्ससिंह, कुठरिया, डा० लवाना भवानीगंज (प्रतापगढ़)।→२६-२३७ ओ।

(ख) लि० का० सं० १९४७।

प्रा०—लाला वृंदावन, कथौरियापुरा, पन्ना।→०६-७० डी।

(सं० १९१९ और सं० १९५२ की दो प्रतियाँ क्रमशः लाला परमानंद, टीकमगढ़ तथा लाला हीरालाल, चरखारी के पास हैं।)

(ग) लि० का० सं० १९१२।

प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, चरखारी।→२६-२३७ ए।

(घ) प्रा०—पं० हरिशंकर, खैरगढ़, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२-१४० बी।

लक्ष्मण शतक (पद्य)—समाधान कृत। वि० लक्ष्मण और मेघनाद का युद्ध वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लाला बाजार (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–४०४।

(ख) प्रा०-श्री कन्हैयालाल केशरवानी, भारतगंज, इलाहाबाद। → सं० ०१-४४० क।

(ग)→सं० ०१–४४० ख।

लक्ष्मणशरण—उप० मधुकर। अयोध्या निवासी। रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान।

रामलीलाविहार नाटक (गद्य)→०६–१६५।

लक्ष्मणसिंह (कुँवर)—दीवान राजसिंह के पुत्र। ओड़छा निवासी। तहरौली के जागीरदार। शाहजू पंडित के आश्रयदाता। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान। →०६–१०७।

लक्ष्मणसिंह (प्रधान)—कायस्थ। टीकमगढ़ निवासी। अर्जुनसिंह (?) के आश्रित। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

सभाविनोद (पद्य)→०६–६६।

लक्ष्मणसिंह (राजा)—बिजावर (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८६०-१६०४। हिंदी और संस्कृत दोनों भाषाओं में प्रवीण।

धर्मप्रकाश (पद्य)→०६–६५ डी।

नृपनीति शतक (पद्य)→०६–६५ ए।

भक्तिप्रकाश (पद्य)→०६–६५ सी।

समयनीति शतक (पद्य)→०६–६५ बी।

लक्ष्मणसिंह (राजा)—आगरा निवासी। सं० १८८३ में जन्म। यदुवंशी क्षत्री। अंग्रेजी, अरबी, फारसी, बंगला, संस्कृत, हिंदी आदि के अच्छे ज्ञाता। सं० १६११ में इटावा के तहसीलदार और फिर डिप्टीकलक्टर। सं० १६२७ के दिल्ली दरबार में तत्कालीन सरकार ने इन्हें 'राजा' की पदवी प्रदान की थी। राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के समकालीन। खड़ीबोली के मार्ग दर्शकों में एक ये भी है। सं० १६५३ में मृत्यु।

शकुंतला नाटक (गद्यपद्य)→२६–२५६।

लक्ष्मणसिंहप्रकाश (पद्य)—शाहजू (पंडित) कृत। र० का० सं० १७६४। लि० का० सं० १७६४। वि० ज्योतिष।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१०७ ए।

लक्ष्मणसेन पद्मावती कथा (पद्य)—दामो कृत। र० का० सं० १५१६। लि० का० सं० १६६६। वि० गढ़सामौर के राजा हंसराय की कन्या पद्मावती के विवाह की कथा।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–८८।

लक्ष्मीकांत—अयोध्या निवासी। संभवतः १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।
गृहवस्तुप्रदीप (गद्य)→२०–६५।

लक्ष्मीचंद्र—कोई राजकुमार। औरंगजेब के समकालीन। काशीराम के आश्रयदाता।→ ०३–७।

लक्ष्मीचरित (पद्य)—लखनसेनि कृत। वि० लक्ष्मी की कथा।
(क) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३६६ क।
(ख) लि० का० सं० १६३५।
प्रा०—श्री छोटकधर द्विवेदी, अढनी, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद)। → सं० ०१–३६६ ख।

लक्ष्मीचरित्र (पद्य)—रामकृष्ण कृत। लि० का० सन् १२६५ साल। वि० लक्ष्मी की कथा।
(क) लि० का० सं० १६१२।
प्रा०—सेठ विशप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती (आजमगढ़)।→४१–२२२।
(ख) प्रा०—श्री वासुदेव तिवारी, भीरा, डा० मुहम्मदाबाद गोहना (आजमगढ़)।→सं० ०१–३४०।

लक्ष्मीदास—(?)
पद गुटका (पद्य)→सं० ०१–३६७।

लक्ष्मीदास (चतुर्वेदी)—करहल (मैनपुरी) निवासी। सं० १६३३ के लगभग वर्तमान। इन्होंने राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद की आज्ञा से मौलवी जमीलुद्दीन, विद्यालय निरीक्षक, पं० गोपीनाथ, सहायक विद्यालय निरीक्षक और अपने गुरु सुंदरलाल के प्रसन्नतार्थ टीका प्रस्तुत की थी।
गुटका के पद्मावती टीका (गद्य)→३८–८८।

लक्ष्मीदास (लखमीदास)—शेरपुर (रणथंभौर की तलेठी) के निवासी। खंडेलवाल वैश्य। गोत्र चौंदूवाड़। पीछे राजा रामसिंह (जयपुर) के राज्य के अंतर्गत साँगावती (ढूँढाहर, जयपुर) में रहने लगे। कोई दशरथ के पुत्र सदानंद (साँगावती) इनके सहायक थे। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।
श्रेणिकचरित्र (पद्य)→३२–१३० बी; सं० ०४–३५२।

लक्ष्मीधर→'लाल (कवि)' ('भारतसार' के रचयिता)।

लक्ष्मीधर (त्रिपाठी)—सं० १६७४ के लगभग वर्तमान।
साठिकाफल (गद्य)→२०–६४।

लक्ष्मीनाथ—जोधपुर के पुष्करणा ब्राह्मण। दीनानाथ के पुत्र। बालकृष्ण के पौत्र और जयकृष्ण के प्रपौत्र। जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित। सं० १८८३ के लगभग वर्तमान।

भजनविलास (पद्य)→०२-२३ ।
राजविलास (पद्य)→०२-२१ ।

लक्ष्मीनाथ—(?)
बंदीमोचन (?) (पद्य)→सं० ०४-३५१ ।

लक्ष्मीनारायण—१७वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान ।
प्रेमतरंगिनी (पद्य)→०६-१६६; १७-१०४ ।

लक्ष्मीनारायणविनोद (पद्य)—चेतसिंह कृत । र० का० सं० १८४० । वि० ब्रह्मज्ञान ।
प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→०६-४७ ।

लक्ष्मीपति—सं० १८६३ के लगभग वर्तमान ।
कृष्णरत्नावली (पद्य)→२६-२५७ ।

लक्ष्मीप्रसाद (तिवारी)—सरायराजा (प्रतापगढ़) निवासी । २०वीं शताब्दी के प्रारंभ में वर्तमान ।
वैद्यकसार (गद्य)→२६-२५८ ।

लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहब)—ब्राह्मण । महाराज छत्रसाल के वंशज बिजावर नरेश भानुप्रताप के आश्रित । सं० १९०६ के लगभग वर्तमान ।
शृंगारकुंडली (पद्य)→०५-८४ ।

लक्ष्मीश्वरचंद्रिका (पद्य)—संत (कविराज) कृत । र० का० सं० १९४२ । वि० अलंकार और नीति ।
प्रा०—श्री दिनेश कवि का पुस्तकालय, रीवाँ ।→००-५१ ।

लक्ष्मीश्वरसिंह—दरभंगा नरेश । प्रसिद्ध दानी और विद्या प्रेमी । संत कवि राज के आश्रयदाता । इनके दीवान पं० शिवप्रसाद की प्रेरणा से संत कवि राज ने 'लक्ष्मीश्वरचंद्रिका' नामक ग्रंथ की रचना की थी । सं०१९४२ के लगभग वर्तमान →००-५१ ।

लखनदास—(?)
गुरुचरितामृत (पद्य)→०६-१६८ ।

लखनसेनि—संभवतः राजा बैजलदास के आश्रित । सं० १४८१ लगभग वर्तमान ।
महाभारत (पद्य)→०६-१६७ ।
हरिचरित्र (विराटपर्व) (पद्य)→सं० ०१-३७० ।

लखनसेनि—संभवतः बंगाल या बिहार के निवासी ।
बारहमासा (पद्य)→४१-२३६ क, ख; सं० ०१-३६८ ।

लखनसेनि—(?)
लक्ष्मीचरित (पद्य)→सं० ०१-३६९ क, ख ।

लखमीवल्लभ (लक्ष्मीवल्लभ)—खरतरगच्छीय उपाध्याय लक्ष्मीकीर्ति के शिष्य । १८वीं शताब्दी में वर्तमान । बीकाणपुरी (बीकानेर?) के शाह बाघमल्ल के आश्रित ।
संघपट्टाग्रंथ बालावबोध (गद्य)→सं० ०७-१७२ ।

लगनपचीसी (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० ईश्वर प्रेम।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्रामदास, डा० परिगावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–२४४।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६६ आई।

(ग) लि० का० सं० १६२३।

प्रा० बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१५४ डी।

लगनसुंदरी (पद्य)—रामनाथ कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—गो० पातीराम, पैगू, डा० भारौल (मैनपुरी)।→३२–१८२।

लगनाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२१ (सात)।

लग्नजातक (गद्य)—महाराजदीन (दीक्षित) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० हुक्मसिंह, गाजीपुर, डा० शाहदरा (दिल्ली)।→दि० ३१–५६।

लग्नसुंदरी (पद्य)—काशीराम कृत। र० का० सं० १६७०। लि० का० सं० १६७१।

प्रा०—लाला मुकुटविहारीलाल गुप्ता, कटराबाजार, शिकोहाबाद (मैनपुरी)। →३२–११० ए।

लग्नसुंदरी (पद्य)—छदूराम (छिद्दूराम) कृत। र० का० सं० १८७०। वि० फलित ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—पं० केशवराम, शमशाबाद (आगरा)।→२६–६७ बी।

(ख) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—श्री रामहर्ष, गोइना, डा० कैंगोला (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–१०२।

(ग) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—पं० हरिप्रसाद आचार्य, ऑनवलखेड़ा (आगरा)।→२६–६७ ए।

(घ) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० ब्रजराज, प्रधानाध्यापक, ज्वालापुर (सहारनपुर)।→१२–४३।

(ङ) प्रा०—पं० शिवशंकर, बीबीपुर, डा० जैतपुर (बाराबंकी)।→२३–७८।

(च) प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा)।→२६–६७ सी।

लघुआदित्यवार कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६७८। लि० का० सं० १८२५। वि० जैन मतावलंबियों के रविवार के व्रत का वर्णन।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (फैजाबाद)।→१७–४३ (परि०३)।

लघुकान्ह→'कान्ह (कवि)' ('हरिनाथविनोद' के रचयिता)।

लघुचाराजनीतिसार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजनीति आदि।

प्रा०—श्री गोस्वामी जी, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट, दुबेनगंज (लखनऊ)। → २६-६३ (परि०३)।

लघुजन—वास्तविक नाम विक्रमाजीत। ओड़छा (बुंदेलखंड) नरेश। राज्यकाल सं० १८३३-१८७४। शिवराम भट्ट, सर्वसुख, और भूपसिंह के आश्रयदाता। → ०६-१०६; ०६-११०।

पदरागमालावली (पद्य)→०६-६७ सी।

भरतसंगीत (पद्य)→०६-६७ बी।

लघुसतसैया (पद्य)→०६-६७ ए।

विष्णुपद (पद्य)→०६-६७ डी, ई।

लघुजातक (पद्य)—अखैराम कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १९२६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० नंदलाल, बाजना (मथुरा)।→३८-१ बी।

लघुजातक (भाषा) (पद्य)—टीकाराम (अवस्थी) कृत। वि० ज्योतिष विषयक बराहमिहिर कृत संस्कृत ग्रंथ 'लघुजातक' का अनुवाद।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६-३२४।

लघुतिब्बनिघंट (गद्य)—हरिप्रसाद कृत। र० का० सं० १८६०। लि० का० सं० १९०२। वि० वैद्यक।

प्रा०—लाला रामदयाल निगम, शिवगढ़, डा० टप्पल (अलीगढ़)। → २९-१४३।

लघुतिब्बनिघंट→'निघंट' (लाड़िलीप्रसाद कृत)।

लघुनामावली→'लघुशब्दावली' (रामहरी जौहरी कृत)।

लघुपाराशरी सटीक (गद्य)—सुखराम (सुखबोध) कृत। वि० फलित ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १९२९।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१९६।

(ख) लि० का० सं० १९३७।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर चतुर्वेदी, बह्मनेवा, सीतापुर।→२६-४६८।

लघुपिंगल (भाषा) (पद्य)—चेतन कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १८७०। वि० पिंगल।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६९ ग।

लघुमति—कोई साधु। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।

चरनायके (पद्य)→०६-२८९।

विवेकसागर (पद्य)→१२-१०१।

लघुयोगवासिष्ठसार (पद्य)—कृष्ण (वासुदेव) कृत। र० का० सं० १७२४। वि० संस्कृत के 'लघुवाशिष्ठसार' का अनुवाद।

प्रा०—पं० गोविंदराम, पुरवा गजाधर तिवारी, अमहता (सुलतानपुर) ।→ २३-२१६ ।

लघुराम—(?)

कवित्त (पद्य)→०६-२८७ ए ।

भक्तविरुदावली (पद्य)→०६-२८७ बी ।

लघुलाल—(?)

रामगोपाल वैद्यक शास्त्र (गद्य)→२६-२०६ ।

लघुशब्दावली (पद्य)—अन्य नाम 'लघुनामावली'। रामहरी (जौहरी) कृत । र० का० सं० १८३० (१८३४)। वि० पर्याय शब्दकोश ।

(क) लि० का० सं० १८३५ ।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ सी ।

(ख) प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-२८३ डी ।

लघुसतसैया (पद्य)—लघुजन (विक्रमाजीत) कृत । र० का० सं० १८३६ । वि० त्रेसठ भावों का वर्णन ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-६७ ए ।

लच्छीराम—सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

भागवत (भाषा) (पद्य)→०६-१६३ ।

लच्छीराम→'लछिराम' ('करुणाभरण नाटक' के रचयिता)।

लच्छीराम (द्विवेदी)—बलराम कड़रिया के पुत्र । ग्रोतहा (गोंडा) निवासी। संभवतः सूदन के 'सुजानचरित' में उल्लिखित लच्छीराम यही हैं । सं० १७०१ के लगभग वर्तमान ।

विवेक शत अनुभव (पद्य)→२३-२३५ ।

लछिमन—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-३५३ ।

लछिमनदास—गुरु का नाम हीरालाल । सं० १८६५ के लगभग वर्तमान ।

श्रीकृष्णचरित्र (पद्य)→सं० ०१-३७१ ।

लछिमनदास—सं० १६०५ के लगभग वर्तमान ।

गोपीचंदलीला (पद्य)→२६-२५५ ए, बी ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२६-२५५ सी, डी ।

लछिमनदास—(?)

दोहों का संग्रह (पद्य)→०६-२८४ ।

लछिमनदास (उदासी)—नानकपंथी ।

भजन (पद्य)→३८-८७

लछिराम—अमोढ़ा (बस्ती) में सं० १८६८ में जन्म। सं० १९६१ (?) में मृत्यु। अयोध्या निवासी। मल्लाँपुर (सीतापुर) के राजा मुनीश्वरबख्शसिंह के आश्रित। अयोध्या, दरभंगा, पुरनियाँ आदि स्थानों के राजाओं के आश्रय में रहे।
मुनीश्वर कल्पतरु (पद्य)→२३–२३२।
सियाराम चरण चंद्रिका (पद्य)→२०–९३।

लछिराम—पिता का नाम कृष्णजीवन कल्याण। कवींद्राचार्य सरस्वती (कवींद्र) के समकालीन। सं० १६८७ से १७१४ के लगभग वर्तमान।
करुणाभरण नाटक (पद्य)→००–७४; ०२–६२; ०६–२८५ बी; सं० ०७–१७३।
योगसुधानिधि (पद्य)→०६–२८५ ए; २३–२३४।

लछीराम—ब्रह्मभट्ट। प्रसिद्ध कवि होल के वंशज। होलपुर निवासी।
कृष्णविनोद (पद्य)→२३–२३३।

लछिराम—'ख्लाल टिप्पा' संग्रह ग्रंथ में इनकी भी रचाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (बावन)।

लतीफों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अकबर और बीरबल के किस्से।
प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)→३५–२०८।

लब्धोदय→'लालचंद' ('पद्मिनीचरित्र' के रचयिता)।

ललकदास—लखनऊ निवासी। भड़ौआ लिखने में प्रसिद्ध। सं० १८२५–५० के लगभग वर्तमान।
सूतशौनक संवाद (पद्य)→०६–१७१; २३–२४१ ए, बी, सी, डी।

ललन→'लाल जी रंगखान' (सवाई महेंद्रप्रतापसिंह के आश्रित)।

ललनपिया—फर्रुखाबाद निवासी। सं० १९३० के लगभग वर्तमान।
इश्करंग (पद्य)→२६–२६४।

ललित→'अर्जुन' ('अर्जुन के कवित्त' के रचयिता)।

ललितकिशोरी—(?)
राजपोरियालीला (पद्य)→सं० ०१–३७२।

ललितकिशोरीदास—रसिकविहारिनदास के शिष्य। टट्टी आश्रम (वृंदावन) के महंत। जन्म सं० १७३३। मृत्यु सं० १८२३।
पदमाला (पद्य)→३२–१३४ डी।
ललितकिशोरीदासजी की बानी (पद्य)→२३–२४६।
ललित पद (पद्य)→३२–१३४ सी।
ललितबानी (पद्य)→३२–१३४ बी।
वचनिका (पद्य)→१२–१०३।
हिंडोरा (पद्य)→३२–१३४ ए।

ललितकिशोरीदासजी को बानी (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। र० का० सं० १७३३ और १८२३ के मध्य। लि० का० सं० १८२१। वि० टट्टी संप्रदाय के गुरुओं की प्रशंसा।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-२४६।

ललितपद (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि० राधाकृष्ण की सोलह कलाओं का वर्णन।

प्रा०—श्री ग्यासीराम, रिटौरा, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२-१३४ सी।

ललितप्रकाश (पद्य)—सहचरीशरण कृत। वि० वृंदावन के महात्माओं की कथाएँ।

(क) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—पं० रामचंद्र वैद्य, बड़े चौबे, कुंज बिहारी जी का मंदिर, मथुरा। → १७-१६६ ए।

(ख) लि० का० सं० १९५३।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६१ बी।

ललितबानी (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—पं० रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-१३४ बी।

ललितललाम (पद्य)—मतिराम कृत। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १८३४।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-३०० ए।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० सुखनंदन वाजपेयी, कुतुबनगर (सीतापुर)।→२३-२७६ ए।

(ग) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ।→२३-२७६ बी।

(घ) प्रा०—बकसी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ।→सं० १०-१०४।

(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-६७।

(च) प्रा०—पं० भागीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)। → २३-२७६ सी।

(छ) प्रा०—पं० रामभरोसे दुबे, मानोपुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। → २६-३०० बी।

(ज) प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-३०० सी।

ललितलाल—धौलपुर नरेश भगवंतसिंह के आश्रित। सं० १९०१ के लगभग वर्तमान।

भगवंतभूषण (पद्य)→३६-२१०।

ललितशृंगारदीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० राम जानकी के ध्यान की विधि।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१३४ ओ ।

ललिताप्रसाद—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । पादरी कलाँ (उन्नाव) के निवासी । सं० १६५४ के लगभग वर्तमान ।

आल्हाखंड रामायण (पद्य)→२६–२६५ ।

लल्लूभाई—वैश्य । भृगुपुर (भड़ोच) निवासी । सं० १८१३ के लगभग वर्तमान ।

उदाहरणमंजरी (गद्यपद्य)→०६–१७३; २६–२१२ ।

लल्लूलाल—उप० लाल कवि । आगरा निवासी । गुजराती ब्राह्मण । काजिमअली के समकालीन । ये कलकत्ते के फोर्ट विलियम कालेज में हिंदी के अध्यापक थे । हिंदी के आदि गद्य लेखकों में से एक ये भी हैं । हरिराम के पिता । सं० १८२० में जन्म और सं० १८८२ में कलकत्ते में मृत्यु ।→०६–१८०; २३–१५६ ।

अंग्रेजी हिंदी फारसी बोली (गद्य)→०६–१६२ बी; ०६–१७४ ए ।

प्रेमसागर (गद्यपद्य)→०६–१६२ ए; २६–२१२ ए, बी ।

माधवविलास (गद्य)→२६–२६६ ए ।

राजनीति (गद्य)→०६–१७४ बी; २६–२६६ बी; २६–२१२ सी; ४१–२३७ ।

लालचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–१७२; २३–२४२ ए, बी, सी ।

लव (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० संत और शब्द (नाद) से लगन लगाने का उपदेश ।

प्रा०—महंत श्री राजकिशोर जी, रतसंड (बलिया) ।→४१–२६३ च ।

लवकुशपर्व (पद्य)—परमानंद कृत । लि० का० सं० १८१८ । वि० लव और कुश की कथा ।

प्रा०—पं० हरिवंशलाल, पन्हेरा, डा० बाजना (मथुरा) ।→३८–१०७ ।

लहनासिंह (स्वामी)—मजीठ (पंजाब) के सरदार । ग्वाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८६१ के लगभग वर्तमान ।→०५–११; दि० ३१–३४ ।

लाड़लीदास—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । वृंदावन निवासी । सं० १८४२ के लगभग वर्तमान ।

धर्मसुबोधिनी (गद्यपद्य)→०६–१६४ ।

लाड़सागर (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३२ । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ एल ।

लाड़िलोजी की जन्म बधाई (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधिका का जन्मोत्सव ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ ई ।

लाड़िलीप्रसाद—(?)

निघंट (गद्य)→२६–२०८ ए, बी ।

लाड़िलीलाल की बिहारपाती (पद्य)—युगलकिशोर कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० राधाकृष्ण का विरह ।

प्रा०—पं० राजाराम शर्मा, बरहज (आगरा) ।→३२-१०१ ।

लाड़ूनाथ—पूरा नाम गुरुआयुस लाड़ूनाथ महाराज। जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के वंशज। मनोहरदास के आश्रयदाता। जनश्रुति के अनुसार इन्होंने एक दिन में २५ हाथी और २५ लाख रुपये २५ कवियों को दान में दिए थे। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।→०२-१३।

लाल—वास्तविक नाम नेवजीलाल दीक्षित। किसी राजा विक्रमशाहि के आश्रित। सं० १६४० के लगभग वर्तमान।

विक्रमविलास (पद्य)→४१-२४१ क, ख; सं० ०४-३५५।

लाल→'लालचंद (विनोदी)' (जयमाल' आदि के रचयिता)।

लाल (कवि)—वृजलाल के पुत्र। मनसाराम के पौत्र। पितृव्यों के नाम बेचूलाल और हीरालाल। गुरु का नाम शिवगुलाम। सं० १८६८-६६ के लगभग वर्तमान।

ककहरा (पद्य)→सं० ०४-३५४ ख।

दुकूलचितावनी (पद्य)→सं० ०४-३५४ क।

लाल (कवि)—वंशीधर के प्रपितामह। गणेश कवि के पितामह। गुलाब कवि के पिता। काशी नरेश महाराज चेतसिंह के आश्रित। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।→२०-१२।

कवित्त (पद्य)→०३-११४।

रसमूल (पद्य)→०३-११३।

लालख्याल (पद्य)→१७-१०५।

लाल (कवि)—सुलतानपुर जिला निवासी। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

अंगदपैज (पद्य)→सं० ०१-३७३ क।

हनुमतपैज (पद्य)→२३-२४४; २६-२५६; सं० ०१-३७३ ख।

लाल (कवि)—वास्तविक नाम लक्ष्मीधर। जयपुर (राजपूताना) के राजा रामसिंह के आश्रित। सं० १६१२ के पूर्व वर्तमान।

भारतसार (पद्य)→०६-१८८।

लाल (कवि)—सं० १७६४ के लगभग वर्तमान।

विष्णुविनोद (पद्य)→२३-२४३।

लाल (कवि)—सं० १८७० के लगभग वर्तमान।

सभाविलास (पद्य)→२६-२६६ सी, डी, २६-२१२ डी, ई, एफ; ४१-२४३ क; सं० ०४-३५७।

हियहुलास रागमाला काव्य (पद्य)→४१-२४३ ख।

लाल (कवि)—(?)

कवित्त रामायण (पद्य)→४१-२३८।

लाल (कवि)—(?)

मानबत्तीसी (पद्य)→सं० ०१-३७४; सं० ०४-३५६ ।

लाल (कवि)→'गोरेलाल (पुरोहित)' ('छत्रप्रकाश' आदि के रचयिता) ।

लाल (कवि)→'लल्लूलाल' (हिंदी गद्य के सुप्रसिद्ध प्रारंभिक लेखक) ।

लाल (कवि)→'विनोदीलाल' (शाहजहाँपुर निवासी) ।

लालकलानिधि→'कलानिधि' ('रामचंद्रोदय' आदि के रचयिता) ।

लालख्याल (पद्य)—लाल (कवि) कृत । वि० विविध ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१०५ ।

लालचंद—जैन । जिनचंद्रसूरि के अनुयायी । सौभाग्यसूरि के शिष्य । बीकानेर नरेश अनूपसिंह के दरबारी । नैणसी के पुत्र जगतसी के आश्रित । सं० १७३६ के लगभग वर्तमान ।

जयमाल (पद्य)→२६-२६० ।

नाभिकुँवरिजी की आरती (पद्य)→१७-१०६ ए ।

लीलावती भाषाबंध (पद्य)→०२-७६ ।

वरांगचरित्र (भाषा) (पद्य)→१७-१०६ बी ।

लालचंद—अन्य नाम लब्धोदय या लब्धोदय । जैन । संभवतः ज्ञानराजमणि के शिष्य । उदयपुर के राजा जगतसिंह के समकालीन । सं० १७०२ के लगभग वर्तमान ।

पद्मिनीचरित्र (पद्य) →३२-१३१; सं० ०१-३७६ ।

लालचंद (जैन)—रेवाड़ी शहर (?) निवासी । गुरु का नाम जगतकीर्ति ।

समेदशिखर महात्म्य (पद्य)→सं० १०-११८ ।

लालचंद (विनोदी)→'विनोदीलाल' ('भक्तामरचरित्र आदि' के रचयिता) ।

लालचंद पांडेय (जैन)—भदावर राज्यांतर्गत अटेर निवासी । गुरु का नाम ब्रह्मसागर अग्रवाल (विस्वभूषन भट्टारक के शिष्य) । सं० १८१८ के लगभग वर्तमान ।

षटकर्मोपदेश रत्नमाला (भाषा) (पद्य) →२३-२३७; ३२-१३२ बी; सं० १०-११७ ।

लालचंद्रिका (गद्यपद्य)—लल्लूलाल (लाल कवि) कृत । र० का० सं० १८७५ । वि० बिहारी सतसई की टीका ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→२३-२४२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—ठा० दुर्गासिंह रईस, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । → २३-२४२ बी ।

(ग) प्रा०—मुं० अशर्फीलाल, बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर । →०६-१७२ ।

(घ) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३-२४२ सी ।

लालचदास (हलवाई)—अन्य नाम आशानंद, लालचराम और लालनदास। डालमऊ (रायबरेली) के निवासी। सं० १५८७ (?) के लगभग वर्तमान।
हरिचरित्र (पद्य)→०६-१८६; २३-२३८; २६-२६१ ए, बी; ४१-२४२ क, ख; सं० ०१-३७७ क, ख; सं० ०७-१७४।

लालचराम→'लालचदास (हलवाई)' ('हरिचरित्र' के रचयिता)।

लाल जी (शाह)—शहजादपुर (इलाहाबाद) निवासी। लाला सीतलप्रसाद के पुत्र। सं० १६४६ में वर्तमान।
हरिवंशपुराण (भाषानुवाद) (पद्य)→४१-२४४; ४१-२७३।

लालजी को जनम चरित्र (पद्य)—परमानंददास कृत। वि० एक वैष्णव संप्रदाय के संस्थापक श्री लालजी के अवतार का वर्णन।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। → ३२-१६२ बी।

लालजीत (जैन)—भेलूपुर (वाराणसी) निवासी। सं० १८७० के लगभग वर्तमान।
तेरहद्वीप पूजापाठ (पद्य)→२३-२४०; सं० १०-११६।

लाल जी रंगखान—उप० ललन। जयपुर नरेश सवाई महेंद्रप्रतापसिंह के आश्रित। सं० १८३६-६० के लगभग वर्तमान।
सुधा''' (पद्य)→३५-५६।
टि० ग्रंथ का नाम अपूर्ण है।

लालदास—बरेली निवासी। कुछ समय तक अयोध्या में भी रहे। सं० १६६० से १७३२ के लगभग वर्तमान।
अवधविलास (पद्य)→०१-३२; ०६-१६० सी; ०६-१६६; १७-१०७; २३-२३६ ए, बी, सी; २६-२६२ ए।
ज्ञानविवेक मोह संवाद (पद्य)→२३-२३६ ई।
बारहमासा (पद्य)→०६-१६० ए; २३-२३६ डी; ४१-२३६।
भरत की बारहमासी (पद्य)→०६-१६० बी; २६-२६२ बी।

लालदास—वैश्य आगरा (?) निवासी। ऊधौदास के पुत्र। अकबर बादशाह के समकालीन। सं० १६४३ के लगभग वर्तमान।
इतिहास (भाषा) (पद्य)→०१-१०; ०२-२६; २६-२६३ ए; ३२-१३३; ४१-५५६ (अप्र०); सं० ०७-१७६।
बलिवामन की कथा (पद्य)→०६-१६१।
मानसी तीर्थ माहात्म्य (पद्य)→२६-२६३ बी।

लालदास—मनोहरदास के पुत्र। मालिनी (मालवा) निवासी।
उषाकथा (पद्य)→०६-१७० ए।

वामनचरित्र (पद्य)→०६–१७० बी।

लालदास—देवहन (मथुरा) निवासी। गो० गोपीनाथ (राधावल्लभी) के शिष्य। १७वीं शताब्दी में वर्तमान।
चितौंवणी (पद्य)→सं० ०७–१७५।

लालदास (स्वामी)→'लालस्वामी (हित)' (हरिवंश के पुत्र और गो० गोपीनाथ के शिष्य)।

लालदास की कथा (पद्य)—डूँगरसी (साधु) कृत। लि० का० सं० १६५५। वि० भक्त लालदास की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१३६।

लालदीचित (नेवजी)→'नेवजीलाल (दीक्षित)' ('विक्रमविलास' के रचयिता)।

लालनदास→'लालचदास (हलवाई)' ('हरिचरित्र' के रचयिता)।

लालबाबा—सक्सेना कायस्थ। जलालाबाद (फर्रुखाबाद) निवासी। दाराशिकोह के आश्रित। सं० १८३८ के लगभग वर्तमान।
ज्ञानफकीरी जोग मत (पद्य)→२३–२३६।

लालमनि—(?)
रसालै (रसालय) (पद्य)→४१–२४५।

लालमुकुंद→'मुकुंदलाल' ('फरजंदखेला' के रचयिता)।

लालमुकुंदविलास (पद्य)—मुकुंदलाल कृत। वि० नायिकाभेद आदि।
प्रा०—महराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–६४।

लालविनोदी→'विनोदीलाल' ('भक्तामरचरित्र' आदि के रचयिता)।

लालसाराम (बाबा)—संभवतः डंडैला(गोरखपुर) के निवासी। वाराणसी (बनारस) से पढ़कर लौटने पर पंचविमिया (बिहार) स्थान में कबीरपंथ में दीक्षित हो गए। कुटुंबी लोग इन्हें हगपुरा (डंडैला के समीप) ले आए, जहाँ ये अपनी स्त्री के साथ कुटी बनाकर रहने लगे। पैकोली (गोरखपुर) के पौहारी जी से इनका शास्त्रार्थ हुआ था, जिसमें ये हार गए। तब से पौहारी जी के शिष्य बन गए और कबीर पंथ को छोड़ दिया।
देवकीचरित्र (पद्य)→सं० ०१–३७८।

लालस्वामी (हित)—सनाढ्य ब्राह्मण। देवहन (मथुरा) निवासी। पिता का नाम हरिवंश। गुरु का नाम गो० गोपीनाथ। दामोदरदास के गुरु। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान।→१२–४६।
बानी (पद्य)→१२–१०२ ए।

भक्तिचितावनी (पद्य)→१२-१०२ सी; ४१-५५५ (अप्र०) ।

मंगल (पद्य)→१२-१०२ बी; ४१-२४७ ।

श्री स्वामिनीजी ठाकुरजी के सवैया (पद्य)→२३-२४५ ।

लालित्यलता (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत । र० का० सं० १७६१ । वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १८०५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-५५ । (सं० १८६२ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है) ।

(ख) प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा मालवीय, सर्वोपकारक पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी ।→०६-५६ ।

लालू (भट्ट)—उप० प्रवीन । संभवतः तैलंग ब्राह्मण । वल्लभ सप्रदाय के अनुयायी । सं० १६४० (?) के लगभग वर्तमान ।

कवित्त सवैया संग्रह (पद्य)→सं० ०१-३७६ ।

लावनी (पद्य)—अन्य नाम 'रागलावनी' । गंगादास (साधु) कृत । वि० श्री रामानुज की विनय ।

(क) प्रा०—पं० रामअधार मिश्र ग्राम नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६-१२७ बी ।

(ख) प्रा०—श्री बच्चनलाल, चकवाखुर्द (इटावा) ।→३८-४६ ।

लावनी (मरहठोख्याल)→'ख्याल मरहठी' (काशीगिरि कृत) ।

लावनी की बारामासी (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा सेवादास, समाधि गिरधारीसाहब, नोबस्ता, लखनऊ । → सं० ०७-७४ ख ।

लावनीतत्सत (पद्य)—ननवों (शुक्ल) कृत । वि० साकार ब्रह्म का मंडन ।

प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-६२ ।

लावनीमोहना (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० एक यात्री और मैना नाम की एक स्त्री की मिलन कहानी ।

प्रा०—ठा० भीषमसिंह जमींदार, हैवतपुर, डा० मिरसागंज (मैनपुरी) । → ३५-२०६ ।

लावनी समभप्रकाश→'ख्यालों की पुस्तक' (सुखलालसिंह कृत) ।

लिंगपुराण (भाषा) (गद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० लिंगपुराण का अनुवाद ।

पूर्वार्द्ध

(क) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—पं० गब्बूलाल, झाऊलाल का पुल, लखनऊ ।→२६-११२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० दुलारेलाल भटपुरवा, बंथर (उन्नाव) ।→२६–११२ बी ।

उत्तरार्द्ध

(ग) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—श्री गब्बूलाल, झाऊलाल का पुल, लखनऊ ।→२६–११२ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—पं० रामदुलारेलाल, भटपुरवा, डा० बंथर (उन्नाव) ।→२६–११२ डी ।

लिलहारीलीला (पद्य)—पद्माकर कृत । लि० का० सं० १६१४ । वि० श्रीकृष्ण का लिलहारी भेष धारण करना ।

प्रा०—बाबा नारायण शर्मा, मोहनपुर (एटा) ।→२६–२५७ ई ।

लीला (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) । →सं० ०४–१०५ ट ।

(ख) लि० का० सं० १६८३ ।

प्रा०—मुंशी गुरुदीन, रानी का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) । → २६–१८७ बी ।

(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । २३–१७५ डी ।

लीला (पद्य)—अन्य नाम 'लीलावती बानी' । देवीदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–१६६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६८३ ।

प्रा०—मुंशी गुरुदीन कायस्थ, पूरेरानी, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→२६–१०० ।

(ग) प्रा०—श्री दुर्गादास साधु, हाजीगुर्ज, डा० नगराम पूरब (लखनऊ) ।→ २६–८२ ए ।

(घ) प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडे का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→सं० ०४–१६६ ग ।

(ङ) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) । → सं० ०४–१६६ घ ।

(च) प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७–८५ ।

लीला (पद्य)—सनेहीराम कृत । वि० श्रीकृष्ण के द्वारा दावानल पीने और इंद्र की पूजा बंद करने का वर्णन ।

प्रा०—पं० शंकरदेव, सेई, डा० छाता (मथुरा) ।→३८–१३५ ।

लीला (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८०४ (?)। लि० का० सं० १८१५ (?)। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ जे।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ ४५ छोटे छोटे ग्रंथों का संग्रह है–१. हरिवंशचंद को सहस्रनाम बेलि, २. राधाप्रसादबेलि, ३. मंगलविनोदबेलि, ४. इष्टसुमिरनबेलि, ५. कृपाअभिलाषबेलि, ६. हितसरूपबेलि, ७. हितप्रकाशअष्टक, ८. वृंदावनअभिलाषबेलि, ९. कृष्णसगाई अभिलाषबेलि, १०. कृष्ण प्रति जसुमतिशिक्षाबेलि, ११. कृष्णमंगलघोरीचढ़न, १२. व्रजविनोदबेलि, १३. दानबेलि, १४. हरिनामबेलि, १५. मनप्रबोधबेलि, १६, बारहखरी भजनसारबेलि, १७. सुमतिप्रकाशबेलि, १८. महतगुनलछनबेलि, १९. हरिइच्छाबेलि, २०. गर्वप्रहारबेलि, २१. कलिचरित्रबेलि, २२. करुणाबेलि, २३. भक्तसुजसबेलि, २४. रूपलालजी को सुजश, २५. राधाजन्मउत्सवबेलि, २६. रूपलालजी को अष्टक, २७. हरिप्रतापबेलि, २८. व्रजभानजाअष्टक, २९. सत्संगमहिमाबेलि, ३०. जमुनाष्टक, ३१. वसंतअष्टक, ३२. हितरूपस्वामिनीअष्टक, ३३. विपनेश्वरी अष्टक, ३४. महतमंगलबेलि, ३५. भजनउपदेशबेलि, ३६. रसिकअनन्यपरिचयावली, ३७. जमुनामहिमाबेलि, ३८. वृंदावनमहिमाबेलि, ३९. सिंगारअष्टक, ४०. विवेकलच्छनबेलि, ४१. गुरुकृपाचरित्र बेलि, ४२. ज्ञानप्रकाशबेलि, ४३. गिरिपूजनबेलि, ४४. गुरुमहिमाप्रसादबेलि, ४५. ज्वरउराहनो।

लीलाओं के पद (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—ठा० मंगलसिंह, कराहरी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३२-२५३।

लीला नरसिंह अवतार (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। लि० का० सं० १९२६। वि० नृसिंह अवतार और प्रह्लाद भक्त की लीला।

प्रा०—लाला रामनारायण, भीषमपुर, डा० जलेसर (एटा)।→२९-९४ बी।

लीलानौतनपुरी (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० नौतनपुरी की लीला (?)।

प्रा०—बाबू राममनोहर विचपुरिया, पुरानीबस्ती, डा० कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६-३४९ डी।

लीलाप्रकाश (पद्य)—नवरंगदास (स्वामी) कृत। वि० धामीपंथ के सिद्धांतों का वर्णन।

प्रा०—धामीपंथ का मंदिर, बिशुनपुरा, डा० भागलपुर (गोरखपुर)। → सं० ०१-१८३।

लीलारतन चूड़ामणि (पद्य)—रामानंद कृत। लि० का०सं० १९३१। वि० कृष्णलीलाएँ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → सं० ०४–१४८।

लीलावती (पद्य)—घनराम कृत। र० का० सं० १७५६। वि० गणित विषयक संस्कृत 'लीलावती' का अनुवाद।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१५ ।

लीलावती (पद्य) – विलोचनराम कृत । लि० का० सं० १८६१ । वि० नाप, तौल, गणना आदि ।

प्रा०-ठा० विश्वनाथसिंह साहब, तालुकेदार, अग्रेसर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर) ।→२३-४३६ ।

लीलावती (पद्य)— शंकर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७१६ । लि० का० सं० १८४६ । वि० संस्कृत 'लीलावती' का अनुवाद ।

प्रा०-पं० शिवबालक जमींदार, असनी (फतेहपुर) ।→०६-२७७ ।

लीलावती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १९१२ । लि० का० सं० १९१३ । वि० गणित ।

प्रा०-पं० शिवलाल शर्मा, भूतपूर्व प्रधानाध्यापक, स्कूल मारहरा, धूमरा, डा० सरोढ़ (एटा) ।→२६-४१६ ।

लीलावती (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गणित ('लीलावती' का अनुवाद) ।

प्रा०—पं० हीरालाल, पीरूसुवा, डा० राया (मथुरा) ।→३८-१८१ ।

लीलावती (भाषा) (पद्य)—चक्रपाणि कृत । वि० गणित ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१०८ ।

लीलावती (भाषा) (पद्य)—भोलानाथ कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर (बुंदेलखंड) ।→०६-१६ ।

लीलावती बानी→'लीला' (आत्रा देवीदास कृत) ।

लीलावती भाषाबंध (पद्य)—लालचंद कृत । र० का० सं० १७३६ । लि० का० सं० १७६४ । वि० भास्कराचार्य कृत गणित ग्रंथ 'लीलावती' का रूपांतर ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ ०२-७६ ।

लीलासमझनी (पद्य)— परसुराम कृत । वि० विश्व प्रपंच की मीमांसा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ ३५-७४ एफ ।

लीला सहित ब्रह्मांडखंड (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संसार की उत्पत्ति का वर्णन ।

प्रा० —पं० सुंदरलाल अध्यापक, होलीपुरा (आगरा) ।→२६-४१८ ।

लीलासागर (पद्य)—गंगादत्त कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० कृष्ण और नारद के संवाद में लीला वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४३ ।

लुकमान—(?)

वैद्यक (पद्य)→०६-१७५ ।

लुकमान (हकीम)—यूनान के प्रसिद्ध हकीम । 'नसीहतनामा' की रचना इन्हीं के नाम से हुई है ।→४१-१८२ ।

लुकमान के उपदेश (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नीति और सदाचार ।

प्रा०—पं० रामनारायण, कोसी (मथुरा)।→२१-२५४।

लेखराज (मिश्र)—सिधौली (सीतापुर) निवासी। सं० १९२६ (१९३५) के लगभग वर्तमान।

गंगाभरण (पद्य)→२३-२४७; २६-२६७।

लखराजसिंह—क्षत्री। खुशाली ग्राम (मैनपुरी) निवासी।

अमृतसागर (पद्य)→३२-१३५ ए, बी, सी।

दिन नापने का कायदा (गद्यपद्य)→३५-५७।

पदार्थतत्वदीपिका (गद्य)→२६-२६८।

लेखापहाड़ा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पुराने समय का आरंभिक गणित।

प्रा०—श्री गोस्वामी, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट, डुंगनगंज (लखनऊ)। → २६-९३ (परि०३)।

लेखिन (पोथी) (गद्य)-रचयिता अज्ञात। वि० शिक्षा।

प्रा०—पं० रामस्वरूप, पिनाहट (आगरा)।→२६-४५५।

लैलामजनूँ (पद्य)—रामराय कृत। वि० लैला और मजनूँ की प्रेम कहानी।

(क) लि० का० सं० १८९०।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० थाना (उन्नाव)।→२६-२६३ ए।

(ख) लि० का० सं० १९१७।

प्रा०—पं० रामभरोसे मिश्र, बटौली, डा० नेरी (सीतापुर)।→२६-३६३ बी।

(ग) लि० का० सं० १९१७

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, गारमिऊ, डा० मिश्रौली (सीतापुर)। → २६-३६३ सी।

(घ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३१४ (विवरण अप्राप्त)।

लैलोनराम—गुरु का नाम कूरतराम। संभवतः रामसनेही पंथ के प्रवर्तक स्वामी रामचरण इनके बाबा गुरु थे। राजस्थान निवासी।

अनभयबानी (पद्य)→सं० ०७-१७७ क।

ककाबत्तीसी (पद्य)→सं० ०७-१७७ ख।

पद (पद्य)→सं० ०७-१७७ ग।

लैलामजनू (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६९१। लि० का० सं० १७८४। वि० लैला और मजनू की कथा।

प्रा०— हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२३ ख।

लोक (कवि)—सं० १८०५ के पूर्व वर्तमान।

कंदुकक्रीड़ा (पद्य)→२९-२१३।

लोकउक्ति रसउक्ति (पद्य)—शिवदास (राय) कृत। र० का० सं० १७५७। लि० का० सं० १९०५। वि० रस और नायिकाभेद।

लोकनाथ--ब्राह्मण। सं० १६१५ के पूर्व वर्तमान।
रामब्याह (कवित्त) (पद्य)→सं० ०४-३१८।

लोकनाथ--(?)
हरिवंशचौरासी सटीक (पद्य)→०६-२८८।

लोकमणिदास (चतुर्वेदी)—ओवरसियर। मैनपुरी निवासी।
क्षेत्रभास्कर (गद्य)→३८-६१।
बजरंगचालीसी (पद्य)→४१-२४८।

लोकसिंह (बाबू)—रामपुर के बलवंतसिंह के आश्रित।
बलवंतप्रकाश (पद्य)→२६-२७०।

लोकीदास (बाबा)—जन्मस्थान शक्तिपुर। अनंतर धर्मपुर में निवास। फिर सरयू के किनारे खशा (बहराइच) में रहने लगे। मृत्यु सं० १८७३।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२३-२४८ डी।
भक्तिप्रकाश (पद्य)→२३-२४८ बी, सी।
भागवत गीतावली (दशमस्कंध) (पद्य)→२३-२४८ ए।

लोकोक्ति→'लोकउक्ति रसउक्ति' (शिवदासराय कृत)।

लोगतारिका (पद्य)—शिवभोम कृत। वि० भगवद्गीता का माहात्म्य।
प्रा०—पं० मदनपाल, पैंतीखेड़ा, डा० बाह (आगरा)।→३२-२०१।

लोचनदास—संभवतः कबीरपंथी। सं० १६०३ के लगभग वर्तमान।
भक्तभावन (पद्य)→२०-६६।

लोचनप्रकाश (पद्य)—लोचनसिंह (कायस्थ) कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० तुलाराम श्रीचंद चतुर्वेदी, घाटी बाहलराय (मथुरा)।→३८-६०।

लोचनसिंह (कायस्थ)—राजमलनगर के निवासी। गुरु का नाम रघुलाल। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।
जातकालंकार (भाषा) (पद्य)→२६-२६६ ए, बी, सी; सं० ०४-३५६क, ख, ग।
लोचनप्रकाश (पद्य)→३८-६०।

लोचेदास—स्वामी चरणदास (सुखदेव जी के शिष्य) के अनुयायी। गुरु का नाम लछिदास या लच्छिदास।
बावनअच्छरी (पद्य)→सं० ०७-१७८।

लोना--सं० १७०३ के पूर्व वर्तमान।
बहुला कथा (पद्य)→सं० ०१-३८०।

लोनेदास—सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।
रामस्वर्गारोहण (पद्य)→२३-२४६; २६-२७१।

लोलंबराज (भाषा (पद्य)—गंगाराम (यति) कृत । र० का० सं० १८७२ । वि० लोलंबराज कृत वैद्यक के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद ।→पं० २२-३१ ए ।

लोलंबराज (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० रामनारायन, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६-४२० ।

लोलंबराज वैद्यक (पद्य)—सीतल (कवि) कृत । र० का० सं० १८४४ । लि० का० सं० १९२७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० वैकुंठनाथ, जवार, डा० मुरशान (अलीगढ़) ।→३८-१४१ ।

लोलिमराज (पद्य)—अन्य नाम 'वैद्यजीवन' । बेनीप्रसाद त्रिपाठी 'बेनवैद्य' कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १९२२ ।
प्रा०—ठाँ० शिवप्रसन्नसिंह, राजाशिवगढ़, डा० अमेठी (लखनऊ) । → २६-३१ ए ।
(ख) प्रा०—पं० हीरालाल वैद्योपाध्याय, पचवान, डा० फिरोजाबाद (आगरा) →२६-३१ बी ।

लोहट—जैन धर्मावलंबी ।
अठारहनाते को चौढ़ाल्यो (पद्य)→सं० ०१-३८१ ।

लोहा सोना झगड़ा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९०३ । वि० लोहे सोने का अन्योक्तिपरक विवाद ।
प्रा—पं० भगवतीप्रसाद उत्तीर, रहमतनगर, डा० अमेठी (लखनऊ) । → २६-५०४ ।

वंदन (पाठक)—मिरजापुर निवासी । काशी के महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित । सं० १९४० के लगभग वर्तमान ।
मानस शंकावली (गद्यपद्य)→२०-२०१, २३-४३८ ।

वंदनाजोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० निरंजन परब्रह्म की वंदना ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२९९ ढ ।

वंदनाजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १८३८ । वि० तत्वज्ञान ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५-३६ एच ।

वंदीमोचन (?) (पद्य)—लक्ष्मीनाथ कृत । वि० भगवती वंदना ।
प्रा०—श्री केदारनाथ मिश्र, हुलासपुरा, डा० भदोही, वाराणसी ।→सं० ०४-३५१

वंदीमोचन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९४५ । वि० भवानी की लीला और महिमा ।
प्रा०—पं० छीतरमल गौड़, देवगाँव, डा० बमनोई (अलीगढ़) ।→२६-५२६ ।

बंदीमोचन कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नंदीदेवी की स्तुति।
प्रा०—पं० नकछेदराम मिश्र, धनौर, डा० गड़वारा बाजार (प्रतापगढ़)। → २६-६४ (परि०)।

बंध्याकल्प चौपाई (पद्य)—हस्ति (कवि) कृत। लि० का० सं० १८२७। वि० वंध्यात्व की चिकित्सा।
प्रा०—पं० अँगनलाल द्विवेदी, राया (मथुरा)।→३५-१६ सी।

बंध्याप्रकाश (गद्यपद्य)—गुमानंद कृत। लि० का० सं० १८११। वि० वैद्यक।
प्रा०—बाबा भागवतदास, जरवल (बहराइच)।→२३-१४३।

बंशमनि—उप० वंशराज। पाराशर गोत्रीय त्रिपाठी ब्राह्मण। चयनपुर (भभुआ ?) के निकट वीर भानपुर के निवासी। लोकमनि के पौत्र। बुलाकी शर्मा के पुत्र। ये तीन भाई थे। पहरा ग्राम (गया) के कानूनगो रघुनंदन श्रीवास्तव के आश्रित। संभवतः सं० १८०८ में वर्तमान।
रसचंद्रिका (पद्य)→४१-२४६।

वंशराज→'वंशमनि' ('रसचंद्रिका' के रचयिता)।

वंशविख्यात (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत। र० का० सं० १६१७। लि० का० सं० १६१७। वि० जहाँगीर का बुंदेला राजा वीरसिंह की भुजा की पूजा पर राजाओं का रोष। वर्णन।
प्रा०—राजा महेंद्रभानसिंह जू देव, भदावर नरेश, नौगवाँ (आगरा)। → ३२-१७० बी।

वंशविभूषण (पद्य)—गोविंद (कवि) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० पढ़ेरा (?) के राजा काशीराम की वंशावली।
प्रा०—पं० शिवकुमार द्विवेदी, धनगढ़ रियासत (प्रतापगढ़)।→सं० ०४-८१।

वंशावली (पद्य)—शिवनाथ कृत। र० का० सं० १८८२। लि० का० सं० १८८२। वि० राजाओं की वंशावली।
प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१-१०६।

वंशावली (वृषभानुराय की) (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० राधा के पिता वृषभान की वंशवली।
प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→०६-१५२; २३-२१४ बी।

वंशावली तिलोई राज्य→'काव्यकल्पतरु' (सीताराम उपाध्याय कृत)।

वंशावली नंदजी की→'नंदजी की वंशावली' (सदानंददास कृत)।

वंशी (कवि)—कायस्थ लालमणि के पुत्र। वैष्णव (सखी संप्रदाय) धर्मावलंबी। ओड़छा नरेश महाराज उद्योतसिंह के आश्रित।
सज्जनबहोरा (पद्य)→०६-११।

वंशीअली—रूपमंजरी (देवकीनंदनदास) के गुरु। चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं० १६१० के पूर्व वर्तमान।→१२ १५६।

वंशीअली—अन्य नाम वंशीधर। सखी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७८०-१८४० के लगभग वर्तमान।

पद (पद्य)→१२-१६।

राधातिलाता (पद्य)→३५-१०३ बी।

सिद्धांत के पद (पद्य)→३५-१०३ ए।

वंशीधर—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। गुरु का नाम द्वारिकेश। संभवतः १६वीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान।

दानलीला (पद्य)→सं० ०१-३८२।

वंशीधर—भाट। काशी निवासी। महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के सेवक औघड़ खवास के आश्रित। गुलाब कवि के पौत्र और गणेश कवि के पुत्र।

साहित्यतरंगिणी (पद्य)→२०-१२।

वंशीधर— बुंदेलखंड के महाराज छत्रसाल के आश्रित। सं० १७६५ के लगभग वर्तमान।

दस्तूरमालिका (गद्यपद्य)→०६-१८; सं० ०४-३६०।

वंशीधर—ब्राह्मण। अहमदाबाद निवासी। उदयपुर के महाराणा जगतसिंह के आश्रित। सं० १७९८ के लगभग वर्तमान। 'अलंकार रत्नाकर' की रचना में दलपतिराम (राय) के सहयोगी।→०४-१३; १२-१८; १२-४५; २३-८१; २६-८६।

वंशीधर→'वंशीअली' (सखी संप्रदाय के अनुयायी)।

वंशीधर (पंडित)—आगरा निवासी। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।

अंजननिदान (गद्य)→२६-२६ ए से डी तक;

तिब्बअहसानी (गद्य)→सं० ०४-१६१ क।

भारतवर्ष का इतिहास (गद्य)→२६-२६ ई, एफ;

भाषाचंद्रोदय (गद्य)→२६-२६ जी।

भोजप्रबंधसार (गद्य)→२६-२६ के, एल; सं० ०१-२२७; सं० ०४-३६१ ख।

सूर्यवंशी राजा (गद्य)→२६-२६ एच।

सूर्यवंशी (और) चंद्रवंशी राजाओं के नाम (गद्य)→२६-२६ आई, जे।

वंशीधर (प्रधान)—सुवंशलाल के पुत्र। जाति के कायस्थ। वंशीपुर निवासी। मानमहीप के आश्रित। सं० १७७४ के लगभग वर्तमान।

मित्रमनोहर (पद्य)→०५-६४; ०६-१२; १७-२०; २६-४१।

वंशीप्रशंसा (पद्य)—चतुरअलि कृत। वि० श्रीकृष्ण की वंशी वादन लीला।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-३८ बी।

वंशीलाल—हित हरिवंश के वंशज। बेनी प्रवीन बाजपेयी के आश्रयदाता। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।→२०-१३।

वंशीलीला (पद्य) गोपालराय कृत। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ के।

वंशीलीला (पद्य)—सूरदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की वंशी लीला का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८०३।

प्रा०—श्री जगदेवसिंह, सरैया भवानी तेरी, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४७१ बी।

(ख) प्रा०—श्री पूरणमल शर्मा, राजा, डा० माट (मथुरा)।→३१–२१२ जे।

(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४६१ अ।

वंशीवटविलासमाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर।→०२–१०४ (तीन)।

वंशीवर्णन (पद्य)—अन्य नाम 'दीरघपचीसी'। दीरघ कृत। लि० का० सं० १६३८। वि० कृष्ण की वंशी का वर्णन।

प्रा०—पं० रघुनाथराम मालवीय, गायघाट, वाराणसी।→०६–७६।

वंशीविलास (पद्य)—उदय (कवि) कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–२२३ ओ।

वचनामृत (गद्य)—हरिराय कृत। वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य जी द्वारा नवधा भक्ति का उपदेश। (वल्लभाचार्य के 'वचनामृत' संस्कृत ग्रंथ का भाष्य)।

प्रा०—पं० मुरलीधर, गाजीपुर, डा० बरसाना (मथुरा)।→३५–३८ एफ।

वचनावली (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→१२–८८।

वचनिका (पद्य)—ललितकिशोरी (देव) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१०३।

वचनिका (गंगेवनी बाबत की) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गंगेव (?) की कथा।

प्रा०—पं० कुमरपाल पचौली, तरामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। →३२–२८४।

वजदी→'आजिंद' (दादूदयाल के शिष्य)।

वजहननामा (पद्य)—अन्य नाम 'अलिफनामा'। वजहनशाह कृत। वि० ईश्वर माया आदि का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५५७ (अप्र०)।

(ख) प्रा०—श्री चेतनशाह साहिब, औलियापुर, डा० सफदरगंज (बाराबंकी)।→२३–४३७।

वजहनशाह—सूफी फकीर। इनकी कब्र बाराबंकी जिले में है। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

वजहननामा (पद्य)→२३–४३७; ४१–५५७ (अप्र०)।

वज्रसूची (ग्रंथ) (पद्य)—शंकरदास (राव) कृत। लि० का० सं० १६०० । वि०

ब्राह्मणों का धर्म और लक्षण।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल मिश्र वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→०६-२७८।

वणिकप्रिया (पद्य)—शुकदेव कृत। र० का० सं० १७१७। लि० का० सं० १६५५। वि० वाणिज्य आदि।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ०५-८५।

वत्सा (भट्ट)—सं० १८७० के पूर्व वर्तमान।

अशौच विचार भाषा तथा मुंडन नखच्छेद निर्णय (गद्य)→सं० ०१-१८३।

वधूविनोद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत। र० का० सं० १७६४। वि० नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—ठा० अनुरुद्धसिंह, प्रबंधक, राज नीलगाँव, डा० नीलगाँव (सीतापुर)।→ २३-२०० ए।

(ख) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०- दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४७६ (अप्रा०)।

(घ) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या।→२०-७५।

(ङ) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—बाबू गिरधारीलाल, रायबरेली।→२३-२०० बी।

(च) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-२०० सी।

(छ)→पं० २२-५२।

वनकांड→'रामचरितमानस (अरण्यकांड)' (गो० तुलसीदास कृत)।

वनचंद (गोस्वामी)—स्वामी हित हरिवंश के चौथे पुत्र। कल्याण पुजारी और नागरीदास के गुरु। सं० १६६० के लगभग वर्तमान।→१२-८६; १२-११६।

पद (पद्य)→१२-१५।

वनदुर्गालहरी (पद्य)—जोखूराम (द्विज) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० विंध्यवासिनी देवी की स्तुति।

(क) लि० का० सं० १६५४।

प्रा०—पं० गुरुप्रसाद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। → सं० ०४-१३५ ख।

(ख) प्रा०—श्री रामनंद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →२३-१६५।

वनदुर्गा विंशी स्तोत्र→'वनदुर्गालहरी' (जोखूराम द्विज कृत)।

वनपर्व →'महाभारत दर्पण' (गोकुलनाथ कृत)।

वनयात्रा (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत। र० का० सं० १८६७। वि० ब्रज के तीर्थ स्थानों का वर्णन।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ सी।

वनयात्रा (पद्य)—पुरुषोत्तम कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० ब्रज की चौरासी कोस की परिक्रमा का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२०७ ग।

वनयात्रा (पद्य)—श्यामाबेटी कृत। वि० ब्रज के विभिन्न स्थान गोकुल, मथुरा, बरसाना और नंदग्राम आदि की महिमा का वर्णन।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५-४८।

वनयात्रा परिक्रमा ब्रज चौरासी कोस की→'गुसाईं जी की ब्रज चौरासी कोस की वनयात्रा' (गो० गोकुलनाथ कृत)।

वनविहार माधुरी (पद्य)– माधुरीदास कृत। वि० राधाकृष्ण का वनविहार वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२६१।

वनविहार लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का वन विहार।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी। → ००-१३ (तीन)।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६-७२ जेड।

वनिकप्रिया (पद्य)—हीरालाल (लाला) कृत। वि० वाणिज्य व्यवसाय।

प्रा०—बाबू काशीप्रसाद अग्रवाल, प्रधान क्लर्क, पुलिस कार्यालय, छतरपुर। → सं० ०१-४६१।

बभ्रुवाहन कथा (पद्य)—कनकसिंह कृत। वि० अर्जुन और बभ्रुवाहन का युद्ध।

(क) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-२२१।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४७६ (अप्र०)।

बभ्रुवाहन कथा (पद्य)—प्राणनाथ (त्रिवेदी) कृत। र० का० सं० १७५७ (?)। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-२१६।

(ख) लि० का० सं० १६२१।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर)।→१२-१३१।

(ग) लि० का० सं० १६२४।

बभ्रुवाहन की कथा (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, शाहपुर, डा० नेरी (सीतापुर) ।→१६-३६० ए ।

वरांगचरित्र (भाषा) (पद्य)—लालचंद कृत । र० का० सं० १८२७ । लि० का० सं० १६४६ । वि वरांग नामक जैन मुनि का चरित्र ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा ।→१७-१०६ बी ।

वर्णनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि० का० सं० १७७७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ ख[१] ।

वर्णपरीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पिंगल (प्राकृत में) ।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-१० (परि० ३) ।

वर्ण प्रति ज्ञानोपदेश (पद्य)—सियारामशरण कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१७७ ।

वर्णमाला (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत । र० का० सं० १८४५ । वि० विंध्यवासिनी देवी की वंदना ।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६-२६ बी ।

वर्णविचार (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ न ।

वर्णाकर पिंगल (पद्य)—चिरंजीव कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री जयंतीप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-७२ ।

वर्तमान चतुर्विंशति जिनपूजा (पद्य)—अन्य नाम 'वर्तमानचौबीसी (पाठ)' । मनरंगलाल पल्लीवाल कृत । र० का० सं० १८८७ । लि० का० सं० १६५६ । वि० जैनधर्म के अनुसार जिनदेव की पूजा ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-२६० ।

वर्तमान चौबीसी (पाठ)→'वर्तमान चतुर्विंशतिजिनपूजा ।' (मनरंगलाल पल्लीवाल कृत) ।

वर्द्धमानपुराण (पद्य)—नवलदास (साहि) कृत । र० का० सं० १८२५ । लि० का० सं० १६५१ । वि० जैनतीर्थंकर महावीर का चरित्र ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-१२२ ।

वर्द्धमानपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । (मूल रचयिता सकलकीर्ति) । लि० का० सं० १६१७ । वि० वर्द्धमान की जीवनचर्या ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१७६ ।

वर्षकर्तव्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र, जगनेर (आगरा)→२६-५२८ ।

वर्षगाँठ की बधाई (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० कृष्ण चरित्र ।

प्रा०—श्री ध्यानदास वैष्णव, महाप्रभु जी की बैठक, करहला, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५-३२७ ।

वर्षचिकित्सा (पूतना) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० तंत्रमंत्र ।

प्रा०—श्री विहारीलाल पटवारी, रतौजी, डा० कोटला (आगरा) ।→२६-५२७ ।

वर्षप्रदीप (पद्य)—परमेश्वरदत्त कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० सत्यदेव त्रिपाठी, फतनपुर, डा० गौरा (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-२०० ।

वर्षफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८४५ । लि० का० सं० १८४५ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५२६ ।

वर्षोत्सव (पद्य)—कृपानिवास कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० रामानुज संप्रदाय के वर्षभर के उत्सव ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-१५४ ई ।

वर्षोत्सव (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० कृष्ण जीवन से संबद्ध वर्षभर के उत्सव तथा त्योहार ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-६२ एल ।

वर्षोत्सव (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'वर्षोत्सव की भावना' । हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदायानुसार वर्षभर के उत्सवों का वर्णन ।

(क) प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा ।→१७-७४ डी ।

(ख) प्रा०—श्री डूँगरसिंह जाट, तँतरोटा, डा० बलदेव (मथुरा) । → ३२-८३ ई ।

वर्षोत्सव (पद संग्रह) (पद्य)—विविध कवियों (माधोदास, रघुवीर, सूरदास आदि) संग्रह । वि० जन्माष्टमी की बधाई, पालना वर्णन, राधाष्टमी, दानलीला आदि ।

प्रा०—श्री मोहनलाल रहसधारी, नंदग्राम (मथुरा) ।→३२-२८५ ।

वर्षोत्सव की भावना→'वर्षोत्सव' (हरिराय कृत) ।

वर्षोत्सव की विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्णजीवन के वर्षभर के उत्सव ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५-३३२ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—माधोदास आदि विविध कवियों (वृंदावनहित, रसखान, सूरदास शालिग्राम, लछिराम आदि) का संकलन । वि० वर्षोत्सव ।

प्रा०—पं० चोखेलाल, परसांची की गढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-१३६ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवियों (अष्टछाप आदि) का संकलन । लि० का० सं० १८५० । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा० —पं० बिहारीलाल, चंद्रसरोवर, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५-३२६ ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवि (अग्रसखा आदि) कृत । वि० कृष्ण विषयक वर्षोत्सव ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, गोकुल (मथुरा) ।→३५-३३० ।

वर्षोत्सव के पद (पद्य)—विविध कवि (हितहरिवंश, वनमाली हित आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री रमनजी, दहरोली, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५-३३१ ।

वर्षोत्सव (बरछोछव) के पद (पद्य)—अग्रसखा कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री रामचंद्र, गुलाल कुंड, गाढ़ोली, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । →३५-३२८ ।

वर्षोत्सव गीत सागर (पद्य) –विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण लीलाएँ ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल रहसधारी, चंद्रसरोवर, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । →३५-३३३ ।

वर्षोत्सव गीत सागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५-३३४ ।

वर्षोत्सव निर्णय (भाषा) (पद्य)—प्रियदास कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० राधावल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६-२३१ ई ।

वल्लभ—(?)

गूढ़शतक (पद्य)→१७-१८ ।

वल्लभ (गोस्वामी)—(?)

रेखता तथा कीर्तन (पद्य)→सं० ०१-२३४ ।

वल्लभ (भट्ट)→'हरिवल्लभ (भट्ट)' (कुमारमणि के पिता) ।

वल्लभकुल विस्तार कल्पवृक्ष (गद्यपद्य)—राजाराम कृत । र० का० सं० १७७९ । लि० का० सं० १७७९ । वि० श्री वल्लभाचार्य के वंशजों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-३३४ ।

वल्लभदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । ब्रज निवासी । सेवक स्वामी के अनुयायी । सं० १६८१ के लगभग वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत । →०२-५७ (उनतीस) ।

मानविलास (पद्य)→१२-१३ ।

सेवकबानी को सिद्धांत (पद्य)→०६-३२५ ।

वल्लभ या विप्रवल्लभ—आदि गौड़ ब्राह्मण । पिता का नाम काशीनाथ ।

रसिकरंजन रामायण (पद्य)→सं० १०-१२० ।

ल्लभरसिक—स्वा० हरिदास के शिष्य। जन्मकाल सं० १६८१।

बारहबाट अठारह पैंडे (पद्य)→१२-१४ बी; सं० ०१-२३५।

वल्लभरसिकजी की बानी (पद्य)→१२-१४ ए; ४१-५५८ (अप्र०)।

वल्लभरसिकजी की साँझी (पद्य)→००-६७; ०६-३२६।

वल्लभरसिक बाईसी (पद्य)→२६-४६०।

सुरतोल्लास (पद्य)→१२-१४ सी।

ल्लभरसिकजी की बानी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१४ ए।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५५८ (अप्र०)।

ल्लभरसिकजी की साँझी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—पं० माखनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →००-६७।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३२६।

ल्लभरसिक बाईसी (पद्य)—वल्लभरसिक कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६-४६०।

ल्लभवंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०२। वि० वल्लभाचार्य की वंशावली।

प्रा० —श्री जमुनाप्रसाद ब्राह्मण, इमलीवाले, गोकुल (मथुरा)।→३५-३२६।

ल्लभसंप्रदाय (ग्रंथावली अनु०) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभसंप्रदाय के सिद्धांतों का विवेचन।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-३२५।

ल्लभाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६११। वि० कृष्णचरित्र और वल्लभाचार्य जी, विट्ठलनाथ जी आदि का संक्षिप्त परिचय।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-६ (परि०३)।

ल्लभाख्यान सटीक (गद्यपद्य)—ब्रजाभरण (दीक्षित) कृत। वि० श्री वल्लभाचार्य और श्री गुसाईं जी का चरित्र वर्णन।

(क) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-३२।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४०३ ख।

ल्लभाचार्य—प्रसिद्ध वल्लभ संप्रदाय के संस्थापक। जन्म सं० १५३५। मृत्यु सं० १५८७। सूरदास, कृष्णदास और परमानंददास के गुरु। गो० विट्ठलनाथ जी के पिता।→००-३८; ०२-५८; १२-२८; पं० २२-१६; २३-३१०।

षोडश ग्रंथ टीका (गद्य)→३२-२२८।

वल्लभाचार्यजी की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८४६। लि० का० सं० १८४६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-४०७।

वल्लभाष्टक (गद्य)—गोकुलनाथ कृत। वि० वल्लभाचार्य की स्तुति।

प्रा०—पं० दुलीचंद, गिडोह, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३२-६५ ई।

वल्लभी पदों की भाषा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के कवियों के पदों की टीका।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-४०८।

वशिष्ठगोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० जीव, माया, ब्रह्म और शब्दादि का वर्णन।

प्रा०—पं० डालचंद अध्यापक, खौंड़ा, डा० बरहन (आगरा)। → २६-१७८ एच।

वशिष्ठसंहिता (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० ज्ञान और वैराग्य।

प्रा०—श्री लीलाधर पटवारी, मदनवारा, डा० सुरीर (मथुरा)।→३२-१५३।

वसंत (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—पं० नत्थन मिश्र, बरचावली, डा० कोसी (मथुरा)।→३५-४१ एक्स।

वसंत (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० ब्रह्म और जीव का विवेचन।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-३२६ बी।

वसंत (कवि)—(?)

नरसी की हुंडी (पद्य)→२६-४६१; ३८-६।

वसंत के पद (पद्य)—विविध कवि (हितहरिवंश, नवलसखी, श्रीदास आदि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० जगन्नाथ जी गोस्वामी, आनंद भवन पुस्तकालय, हरदेव जी का मंदिर, गोवर्धन (मथुरा)।→३५-३३६।

वसंतधमार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अग्रस्वामी, रामदास आदि) कृत। वि० ब्रज में वसंत वर्णन।

प्रा०—पं० जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२८६।

वसंतधमार संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० वसंत और होरी आदि का संग्रह।

प्रा०—पं० केदारनाथ ज्योतिषी, मारूगली, मथुरा।→३५-३३५।

वसंतपद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा गिरधरलाल, व्यास, गदाधर आदि) कृत। वि० वल्लभाचार्य जी का जन्म, और वसंत वर्णन।

प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवा मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२-२८७।

वसंतराज—कोइला (अलीगढ़) के निवासी। सं० १६२५ के लगभग वर्तमान।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)→२६-४६२ ए, बी।

वसंतराज शकुनावली (पद्य)→२६-४६२ सी, डी।

बसंतराज (भाषा) (गद्य)—अन्य नाम 'वसंतराज शकुनशास्त्र'। त्रिविक्रमदास कृत।
वि० शकुन।
(क) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—श्री रामसुंदर बाजपेयी, बाजपेयी का खेड़ा, बेहटाकलाँ (रायबरेली)।→
सं० ०४-१५१।
(ख) प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा।→१७-१६५।

बसंतराज (भाषा) (पद्य)—निधान कृत। र० का० सं० १८३१। लि० का०
सं० १८३७। वि० शकुनविचार।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-१२७।

बसंतराज ज्योतिष (पद्य)—नेमधर (पंडित) कृत। र० का० सं० १८०१। लि० का०
सं० १६०७। वि० ज्योतिष।
प्रा०—भैया महिपालसिंह रईस, पयागपुर (बहराइच)।→२३-३०२।

बसंतराज शकुनशास्त्र→'बसंतराज (भाषा)' (त्रिविक्रमदास कृत)।

बसंतराज शकुनावली (पद्य)—वसंतराज कृत। वि० शकुनविचार।
(क) लि० का० सं० १६०५।
प्रा०—पं० रामभरोसे मिश्र, बटौली, डा० (सीतापुर)।→२६-४६२ सी।
(ख) प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बेलामऊ, डा० अजगैन (उन्नाव)। →
२६-४६२ डी।

बसंतलीला (पद्य)—दामोदरदास कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—गो० किशोरीलाल अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-४६ ई।

बसंतविलास (पद्य)—विष्णुदत्त कृत। र० का० सं० १८६६। वि० रस, अलंकार,
नायिकाभेद आदि।
(क) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-५००।
(ख) प्रा०—राजा रमेशसिंहजी का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→
१७-२०३।

बसंतविहार नीति→'बसंतविहार नीति' (ऋतुराज कृत)।

बसंतहोरी की भावना (गद्य)—हरिराय कृत। लि० का० सं० १६०२। वि० वल्लभ
संप्रदायानुसार होली आदि का वर्णन।
प्रा०—पं० नत्थीलाल गोसाईं, बरसाना (मथुरा)।→३२-८३ एफ।

बसिष्टसार (पद्य)- अन्य नाम 'ज्ञानसार' और 'योगवाशिष्ठसार'। कवींद्र सरस्वती
कृत। र० का० सं० १७१४। वि० योगवाशिष्ठ का सारांश।
(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—पं० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीकन टोला, फतेहपुर। →२०-७६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२७६ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, सदावर्ती, आजमगढ़।→४१-२७७।

(घ) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—पं० रामप्रसाद अध्यापक, हिम्मतपुर (आगरा)।→२६-१६० बी।

(ङ) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीकन टोला, फतेहपुर।→२०-७६ बी।

(च) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० राजनारायण, पवहारी बाबा की कुटी, कुर्था (गाजीपुर)। → सं० ०७-१४।

वसिष्ठ श्रीरामजू का संवाद (पद्य)—सेवकराम कृत। लि० का० सं० १८११। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६-२६०।

वसुदेवमोचनी लीला (पद्य)—घनश्यामदास कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० श्रीकृष्ण जन्म और वसुदेव की बंदीगृह से मुक्ति।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६-३६ बी।

वस्तुबिचार (पद्य)—बलिराम कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० गोपालदत्त, शीतलाघाटी, मथुरा।→३८-११६ सी।

वस्तुवृंदनाम दीपिका (पद्य)—दयाराम भाई कृत। र० का० सं० १८७४। लि० का० सं० १८६५। वि० कोश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१४६ ङ।

वाक्भूषण (?) (पद्य)—फणि (नृपति) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२२४।

वाकसहस्री (पद्य)—यदुनाथ (शुक्ल) कृत। वि० कहावतों का संग्रह।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६-३३३ बी।

बागविलास (पद्य)—शिव (कवि) कृत। वि० बाग लगाने की विधि।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-२३६ (विवरण अप्राप्त)।

बाजिद (बाबा)→'बाजिंद' (दादूदयाल के शिष्य)।

बाजिद की साखी (पद्य)—बाजिंद कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—पं० शिवनंदन, गोसाईंगंज, डा० जयगंज (अलीगढ़)।→२६-३२७ बी।

वाणियाँ→'जगजीवनदास की बानी' (स्वा० जगजीवनदास कृत) ।

वाणी (पद्य)—अन्य नाम 'साखी' । मखनाजी कृत । लि० का० सं० १६६७ । वि०
भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१२६ ग ।

वाणी→'पद' (नामदेव कृत) ।

वाणीअणभै (पद्य)—संतदास कृत । वि० रामभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१८६ ।

वाणीअणभै→'सूरतराम की बानी' (सूरतराम कृत) ।

वाणीअभै (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६५ ज ।

वाणीभूषण (पद्य)—पूरन कृत । वि० अलंकार ।
(क) प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेयी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव) । →
२६-३६२ ए ।
(ख) प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, द्वारा पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, इटावा
→२६-३६२ बी ।

वाणी या शब्दी (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । →
सं० ०४-२०५ ङ ।

वाणी या साखी (पद्य)—साधू जी कृत । लि० का० सं० १७६७ । वि० भक्ति और
ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६१ क ।

वामनचरित्र (पद्य)—लालदास कृत । वि० बलि और वामन की कथा ।
प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद) ।→ ०६-१७० बी ।

वामविनोद (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का०
सं० १६३० । वि० धर्म और आचार ।
प्रा०—पं० गनेशदत्त मिश्र, सहायक अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा । →
०६-६५ बी ।

वामविलास (पद्य)—बैजनाथ कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—श्री मन्नूलाल जी पुस्तकालय, मुरारपुर (गया) ।→२६-२४ बी ।

वारण (कवि) - उप० बरारीमुगल । सैयद अशरफ जहाँगीर के शिष्य । सुलतानशुजा
के आश्रित । सं० १७१२ के लगभग वर्तमान ।
रत्नाकर (पद्य)→०४-७६ ।
रसिकविलास (पद्य)→०५-६३ ।

वारलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० वारों (दिनों) का तात्विक विवेचन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३५-७४ के ।

वारवधू विनोद→'वधूविनोद' (कालिदास त्रिवेदी कृत) ।

वारांगकुमारचरित्र (पद्य)—कंजदग (दगकंज) कृत । र० का० सं० १८१४ । लि० का० सं० १८६२ । वि० जैनधर्म की एक कथा ।→२३-१०५ ।

वाराणसी विलास (पद्य)—पंचौलीदेवकर्ण कृत । र० का० सं० १८०७ । लि० का० सं० १८०८ । वि० काशी का प्राचीन ग्रंथों के आधार पर वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-१६६ ।

वाराणसी विलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७६८ । लि० का० सं० १८११ । वि० काशी का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-५५६ ।

वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य जी और गुसाईं विट्ठलनाथ जी की मधुर वार्ता ।

प्रा०—श्री घुरीमल लट्टूरचंद मोदी, गोकुल (मथुरा) →३८-१६७ ।

वासुदेव—मऊ (उद्दारदेश, बघेलखंड) के राजा । धर्मदास ने इनका उल्लेख किया है । →सं० ०१-१७२ ।

वासुदेव→'कृष्ण' ('लघुयोगवाशिष्ठसार' के रचयिता) ।

वासुदेव (शुक्ल)—ब्राह्मण । मिठनेपुर (सुलतानपुर) के निवासी ।

कवित्तावली भक्तविलास (पद्य)→सं० ०१-३२५ ।

वासुदेव (सनाढ्य)—गुधौनिया अल्ल के सनाढ्य ब्राह्मण । बाह (आगरा) निवासी । भाई और चचेरे भाई के नाम क्रमशः भगवानदास तथा बिहारीलाल । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।→२६-३७; २६-५४ ।

आलुमंदारु स्तोत्रस्य गूढ़शब्द दीपिका (गद्य)→२६-३० एफ ।

एकादशीमाहात्म्य (गद्य)→२६-३० जी ।

भगवद्गीता की टीका (गद्य)→२६-३० ई ।

मुहूर्तसंचय (गद्य)→२६-३० डी ।

मुहूर्तसंचय सुलभार्थ प्रकाशिका टीका (गद्य)→२६-३० सी ।

योगसारार्थ दीपिका (गद्य)→२६-३० बी ।

रामाश्वमेध की टीका (गद्य)→२६-३० एच ।

सत्यनारायण व्रत कथा (गद्य)→२६-३० ए ।

वासुदेव (स्वामी) - खिजर्रा (कानपुर) निवासी । संन्यासी होने पर वाराणसी में रहने लगे । सं० १९२७ के लगभग वर्तमान ।

विज्ञानप्रकाश (पद्य)→२६-४६३ ।

वासुदेवअष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० वासुदेव की स्तुति ।

प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुरकलाँ, डा० अजगैन (उन्नाव) । → २६-३०५ डी ।

वास्तुप्रदीप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६१७ । लि० का० सं० १६१७ । वि० वास्तुशास्त्र ।
प्रा०—श्री बद्रीनाथ पांडेय, स्टेशन मास्टर, मोहनलालगंज (लखनऊ) । → सं० ०४-४६१ ।

वास्तुप्रदीप (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वास्तुविद्या ।
(क) लि० का० सं० १६२२ ।
प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय, सुदिकपुरा तारडीह, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) । →सं० ०१-५६० क ।
(ख) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५६० ख ।
(ग) प्रा०—श्री रामनिधि शुक्ल, लौहर पश्चिम, डा० बंधुवा (सुलतानपुर) । →सं० ०१-५६० ग ।

वास्तुविद्या (भावार्थ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वास्तुशास्त्र ।
प्रा०—श्री भीष्मदत्त दीक्षित, नराइन का पुरवा, डा० लालगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-४६२ ।

विंती (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विवाह में वर कन्या पक्ष की विनती । का वर्णन ।
प्रा०—श्री खेमराम, फतहपुर, डा० बकरई (इटावा) ।→३५-३३८ ।

विकट कहानी (पद्य)—मंगूर कृत । लि० का० सं० १८६५ । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—बाबू ब्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी ।→२०-१०४ ।

विक्रम (जन)—बुंदेलखंड निवासी ।
विनयशतक (पद्य)→३५-१०४ ए, बी ।

विक्रमचरित्र (पद्य)—छत्र (कवि) कृत । र० का० सं० १७५१ । लि० का० सं० १८६८ । वि० विक्रमादित्य की कथा ।
प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, उमरैठा, डा० पिनाहट (आगरा) ।→३२-४४ ।

विक्रमनाटक (गद्य)—रणविजय बहादुरसिंह कृत । वि० राजा विक्रमादित्य की कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०४-३१८ ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'सिंघासनबत्तीसी' और 'सुजानविलास' । अखैराम कृत । र० का० सं० १६१२ । वि० सिंहासन बत्तीसी की कहानी ।
(क) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, इलाहाबाद ।→सं० ०१-२ ।
(ख) प्रा०—पं० मयाशंकर, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-४ बी ।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'सिंहासनबत्तीसी'। कृष्णदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-१८४ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—ठा० हरपालसिंह, नढ़वाल, डा० बौड़ी (बहराइच)।→२३-२२१।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—अन्य नाम 'सिंहासनबत्तीसी'। शिवनाथ कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १६३५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-३६२।

विक्रमबत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संस्कृत ग्रंथ 'विक्रमद्वात्रिंशतिका' का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५६१।

विक्रमविलास (पद्य)—अन्य नाम 'विक्रमबैताल संवाद'। गंगाधर (गंगेश) कृत। र० का० सं० १७३६। वि० बैतालपच्चीसी की कहानियाँ।

(क) लि० का० सं० १८०१।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर।→१७-५६।

(ख) लि० का० सं० १८०५।

प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-५६।

(ग) लि० का० सं० १८२०।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण नरोत्तमदास वैद्य, आह (आगरा)।→२६-१११ बी।

(घ) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—श्री कुंजीलाल भट्ट, औंड़ेला, डा० किरावली (आगरा)।→२६-१११ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—श्री ब्रजवासीलाल गोपीनाथ चौबे, विश्रामघाट, मथुरा।→०६-८६।

(च) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-१२१।

विक्रमविलास (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० बैतालपच्चीसी की कहानियाँ।

प्रा०—भैया हनुमानसिंह, बरदहाकलाँ, डा० खैरीघाट (बहराइच)।→२३-५७।

विक्रमविलास (पद्य)—अन्य नाम 'नवरस'। लाल (नेवजीलाल दीक्षित) कृत। र० का० सं० १६४०। वि० नायिकाभेद और नवरस वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७२१

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२४१ ख।

(ख) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२४१ क ।

(ग) प्रा०—श्री जगप्रसाद पांडेय, कूरेडीह, डा० रानीगंज (प्रतापगढ़) ।→ सं० ०४-३५५ ।

विक्रमविलास (पद्य)—शिवराम (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १८८४ । वि० सूर्य वंशावली तथा मंत्री पुरोहित और शासनाधिकारियों आदि के लक्षण ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-११० ।

विक्रमवैताल संवाद→'विक्रमविलास' (गंगाधर कृत) ।

विक्रमसतसई (पद्य)—विक्रमसाहि कृत । वि० शृंगार ।

(क) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर ।→०५-५६ ।

(ख) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→०६-११६ ए ।

(ग) प्रा०—बाबू श्यामसुंदरदास, हौजकटोरा, वाराणसी । → ४१-५५६ (अप्र०) ।

(घ)→२६-४६६ ।

विक्रमसाहि—उप० विक्रमाजीत या विक्रमादित्य । विजयबहादुर इनकी उपाधि थी । चरखारी (बुंदेलखंड) के नरेश । राज्यकाल सं० १८३३-१८८६ । खुमान (मान), भोजराज, प्रताप, प्रयागदास आदि के आश्रयदाता ।→०३-५२; ०३-५६; ०३-७४; ०६-१५; ०६-८६; ०६-६१; ०६-२२७; ०६-२२८; २६-२३७ ।

विक्रमसतसई (पद्य)→०५-५६; ०६-११६; २६-४६६; ४१-५५६ (अप्र०) ।

हरिभक्तिविलास (पद्य)→०३-७२; ०३-७३ ।

विक्रमाजीत→'लघुजन' ('पदरागमालावती' आदि के रचयिता) ।

विक्रमाजीत→'विक्रमसाहि' (चरखारी नरेश) ।

विक्रमाजीत (राजा)—ओड़छा नरेश । प्राणसुख कवि के आश्रयदाता ।→सं० ०४-२२० ।

विक्रमादित्य→'विक्रमसाहि' (चरखारी नरेश) ।

विग्रह वर्णन (पद्य)—रत्नसिंह कृत । वि० राजनीति (पंचतंत्र का अनुवाद) ।

प्रा०—श्री खचेराराम ब्रह्मभट्ट, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) ।→२६ ३६८ ।

विचारमाला (पद्य)—अनाथदास कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० ब्रह्मज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-४ ख ।

(ख) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६५ (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार, रीवाँ।→०६-१२६ बी (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १६१७ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है।)

(घ) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—महंत दाताराम, कबीरपंथी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)। → २६-१५ बी।

(ङ) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—श्री वदनसिंह शर्मा, अध्यापक, खंद्र, डा० बरहन (आगरा)। → २६-१५ जी।

(च) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—पं० राजनारायण जी, पवहारी बाबा की कुटिया, कुरथा (गाजीपुर)। →सं० ०७-४ ग।

(छ) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—श्री जयदामल पंसारी, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-१५ सी।

(ज) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—श्री बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौरा, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-१५ डी

(झ) लि० का० सं० १६२४।
प्रा०—लाला तुलसीराम, बूगना, रायबरेली।→०६-७।

(ञ) लि० का० सं० १६२४।
प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली।→२३-१६।

(ट) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—पं० रामप्रसाद मिश्र, जगजीवनपुर, डा० ओयल (खीरी)।→२६-१५ ए।

(ठ) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-८ बी।

(ड) प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास रईस, बर्फ के व्यापारी, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-१५ बी।

(ढ) प्रा०—पं० रामजीत, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा)।→२६-१५ ए।

(ण) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव, अध्यापक चौधवार, डा० फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-१५ ई, एफ।

(त)→पं० २२-७ ए, बी।

विचारमाला (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-६२ ए।

विचारमाला (गद्य)—भगवान कृत। र० का० सं० १७२६। लि० का० सं० १७२६। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—पं० गोविंदराम, पुरवा गजाधर तिवारी, अमहटा (सुलतानपुर)। → २३-४१।

विचारमाला (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० गुरु माहात्म्य और ईश्वर भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→०६–३११ सी ।

(ख)→पं० २२–१०७ डी ।

विचारमाला की टीका (गद्यपद्य)—सदानंद कृत । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—श्रीयुत गोपालचंद्रसिंह, सिविलबज, सुलतानपुर ।→सं० ०१–४३६ ।

विचारसागर (पद्य)—निश्चलदास कृत । लि० का० सं० १६०५ । वि० दादूपंथी मत के अनुसार वेदांत का निरूपण ।

प्रा०—बाबा रामदास, ज्ञानकुटी, कपूरपुरा, डा० सहावर (एटा) ।→२६–२५४ ।

विचित्र (कवि)—फफूँद (इटावा) निवासी । मालवा के शासक बंगश खाँ के आश्रित । सं० १७४० के लगभग वर्तमान ।

दानविलास (पद्य)→०६–३४२ ।

विचित्रमालिका (पद्य)—रामचंद्र (नागर) कृत । लि० का० सं० १८३४ । वि० 'ब्रजविलास' (बृजवासीदास कृत) का सारांश ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२३६ ।

विचित्ररामायण (पद्य)—बलदेवदास (जौहरी) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० रामचरित्र विषयक दामोदर मिश्र कृत संस्कृत रचना 'विचित्ररामायण' का अनुवाद ।

(क) प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७–१५ ।

(ख) प्रा०—श्री अयोध्याप्रसाद पाठक वकील, गुड़की मंडी, आगरा । → ३२–१५ ।

विचित्रालंकार (पद्य)—वेणीमाधव (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १७६८ । वि० प्रेम वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३६८ ।

विजयतिलक (उपाध्याय ?)—जैन ।

आदिनाथ स्तवन (पद्य)→दि० ३१–६३ ।

विजयदर्शन (पद्य)—दीनानाथ कृत । वि० वेदांत के मत से शक्ति पूजा का प्रतिपादन ।

प्रा०–श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैश्य, फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६–६१ ।

विजयदेवसूरि—जैन । सं० १६६६ के पूर्व वर्तमान ।

सीलरास (पद्य)→००–६१ ।

विजय दोहावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । र० का० सं० १६३५ (?) । वि० रामचरितमानस के कुछ गूढ़ार्थ ।

(क) लि० का० सं० १७४१ ।

प्रा०—पं० रामनाथ मिश्र, इमलिया, सदारपुर (सीतापुर) । → २६–४८४ डब्ल्यू ।

(ग) लि० का० सं० १८५२ ।

प्रा०—पं० मन्नीलाल, धनखेड़ा, डा० मुरादाबाद (उन्नाव) ।→२६–१२५ एक्स[२] ।

(घ) प्रा० —श्री गणपतिराम मिश्र, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-६० ।

विजयबहादुर विक्रमाजीत→'विक्रमशाहि' (चरखारी नरेश) ।

विजयमुक्तावली (पद्य)—छत्र (कवि) कृत । र० का० सं० १७५७ । वि० महाभारत की कथा ।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।
प्रा०—श्री श्यामसिंह सेंगर, बैसपुर, डा० जलेसर (एटा) ।→२६-'८ ई ।
(ख) लि० का० सं० १८७० ।
प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-२१ ।
(ग) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—श्री दौलतराम पुजारी, सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा) ।→२६-६८ डी ।
(घ) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-२३ ।
(ङ) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—लाला शंकरलाल पटवारी, मझोला, डा० थाना दरियावगंज (एटा) ।→२६-६८ ए ।
(च) लि० का० सं० १८६५ ।
प्रा०—श्री स्वामीनारायण आश्रम, बछना, डा० बिल्हौर (कानपुर) । →२६-८३ के ।
(छ) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—श्री छेदीलाल पाठक, टूँडला (आगरा) ।→२६-६८ बी ।
(ज) प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा) । →२६-६८ सी ।
(झ) लि० का० सं० १८१६ ।→०६-४८ ।

आदिपर्व

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी, लखनऊ । →२६-८३ ए ।

विराटपर्व

(ट) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ बी ।

भीष्मपर्व

(ठ) प्रा०—उपर्युक्त ।→२३-८१ सी ।

द्रोणपर्व

(ड) लि० का० सं० १६११ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ एफ ।
(ढ) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८१ डी ।

गदापर्व

(ग) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ ई ।

कर्णपर्व

(त) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ जी ।

सभापर्व

(थ , प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ एच ।

शल्यपर्व

(द) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ आई ।

उद्योगपर्व

(ध) प्रा०—उपर्युक्त ।→२६-८३ जे ।

विजयविवाह (पद्य)—अजयराज कृत । लि० का० सं० १८१३ । वि० रुक्मिणी और कृष्ण का विवाह ।

प्रा०—पं० बटेश्वरदयाल दीक्षित, प्रधानाध्यापक, गोबरंया, डा० फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-४ बी ।

विजयसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश । राज्यकाल सं० १८०६-१८४६ । शेरसिंह के पिता । माधवदास के आश्रयदाता ।→०१-७८; ०२-१६ ।

विजयसुधानिधि (पद्य)—रामलाल (राम कवि) कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० कर्णवध से दुर्योधन ताल प्रवेश तक महाभारत की कथा ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१४६ ए ।

विजयाष्टक (पद्य)—गोपाल (जन) कृत । लि० का० सं० १८६५ । वि० भाँग का गुणगान ।

प्रा०—श्री मुरारीलाल पाठक, सिरसा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-६० ।

विजैअवतार गीता→'अवतार गीता' (नरहरिदास बारहट कृत) ।

विज्ञप्ति (भाषा) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वल्लभ संप्रदाय के ज्ञान और भक्ति का विवेचन । (गो० विट्ठलनाथ कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री भोगीराम, सेई, डा० तरौली (मथुरा)→३५-३३७ ए ।

(ख) प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, श्री नई गोकुल (मथुरा) । →३५-३३७ बी ।

विज्ञानगीता (पद्य)—केशवदास कृत । र० का० सं० १६६७ । वि० योगवाशिष्ठ के आधार पर संसार की सारता का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १७०५ ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद मिश्र, जगजीवनपुर, डा० ओयल (खीरी)। →२३-२३३ एच।

(ख) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरे परान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६-१६२ जी।

(ग) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-२०७ जे।

(घ) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—श्री संकठाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर)।→२६-२३३ आई।

(ङ) लि० का० सं० १६४८।

प्रा०—बलरामपुर महाराजा का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →२०-८२ ए।

(च) प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, केसरगंज, लखनऊ।→००-५५।

(छ) प्रा०—श्री रामदेव ब्रह्मभट्ट, नुनरा लाम्हा (मुलतानपुर)।→२३-२०७ के।

(ज) प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिष रत्न, बनआरान, मुजफ्फर-नगर।→सं० १०-१७ ख।

(झ)→पं० २२-५४ बी।

विज्ञानगीता (पद्य) तुलसीदास कृत। वि० ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-५३।

विज्ञाननिरूपिणी (पद्य) - मूलाराम कृत। वि० राम, कृष्ण हनुमान आदि की कथाएँ।

प्रा०—पं० बालगोविंद, अयोध्या।→२०-११०।

विज्ञानप्रकाश (पद्य)—वासुदेव (स्वामी) कृत। र० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६५७ वि० ज्ञान और उपासना इत्यादि।

प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कलाबरा, मोरावाँ (उन्नाव)।→२६-४६३।

विज्ञानभास्कर (पद्य) - नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८७८। लि० का० सं० १८८८। वि० आत्मज्ञान और भक्ति।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६ ७६ डी।

विज्ञानमुक्तावली (पद्य)—अन्य नाम 'ब्रह्मायण ज्ञानमुक्तावली'। बनादास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६२४।

प्रा०—श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक', अध्यापक फार्म हाईस्कूल, फैजाबाद। →सं० ०१-२३० ध।

(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरण कुंज, अयोध्या।→२०-११ बी।

विज्ञानयोग (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली।→२३-७ एच।

विज्ञानसार पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६६२। वि० कबीर और धर्मदास के संवाद के रूप में ब्रह्मज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरिधारी साहब की समाधि, नौबस्ता (लखनऊ)।→सं० ०७-११ थ।

विट्ठल गिरिधरन→'गंगाबाई' ('गंगाबाई के पद' की रचयित्री)।

विट्ठलदास—(?)

रामनाम गुणसागर (पद्य)→सं० ०१-२३८।

विट्ठलनाथ—अन्य नाम विठलेश्वर, विट्ठलदास और विट्ठलविपुल। गोसाईं जी के नाम से भी प्रसिद्ध। वल्लभाचार्य के पुत्र और 'उत्तराधिकारी। गोकुलनाथ तथा गिरिधर गोस्वामी के पिता। स्वामी हरिदास के शिष्य। नंददास, चतुर्भुज-दास, छीतस्वामी, रसखान, बिहारिनदास और निहालदास (?) के गुरु। इन्होंने अपने पिता वल्लभाचार्य के चलाए हुए पुष्टिमार्ग को दृढ़ किया था और पुष्टिमार्गी आठ कवियों को लेकर अष्टछाप की प्रतिष्ठा की थी। मथुरा में अपनी गद्दी स्थापित कर अपने शिष्य पूरनमल खत्री द्वारा गोवर्द्धन पर्वत पर सं० १५७६ में श्रीनाथ जी का एक बड़ा मंदिर बनवाया था। हिंदी गद्य के पुराने लेखक। जन्म सं० १५७२। मृत्यु सं० १६४२।→०२-५७; ०५-६१; ०६-१६८; ०६-२००; २३-६४; २३-३५५।

चतुश्लोकी टीका (गद्य)→सं० ०१-२२६ ग।

नवरत्न सटीक (गद्य)→१२-२८ बी; ३२-७२ सी।

बानी (पद्य)→०१-६०; १२-२६; पं० २२-१६।

यमुनाष्टक की टीका भाषा में (गद्य)→१२-२८ ए; सं० ०१-२३६ क, ख।

शृंगार रस मंडन (गद्य)→०६-३२।

सिद्धांतमुक्तावली (गद्य)→३२-७२ बी।

विट्ठलविपुल→'विट्ठलनाथ' (स्वा० वल्लभाचार्य ज के पुत्र)।

विट्ठलविपुल की बानी→'बानी' (विट्ठलनाथ कृत)।

विदग्धमाधव (गद्य)—रूपसनातन कृत। वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ाओं का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० १० ३६५।

विदग्धमुखमंडन (पद्य)—धर्मदास कृत। वि० शृंगार काव्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१७१।

विदुरप्रजागर (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत। र० का० सं० १७६२। वि० महाभारत के उद्योगपर्व की विदुरनीति का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १७६२।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-२०५ बी।

(ख) लि० का० सं० १८९० ।

प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा)। → २९–२०५ डी ।

(ग) लि० का० सं० १८९६ ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–२१ ।

(घ) लि० का० सं० १९०५ ।

प्रा०—लाला हरप्रसाद, छतरपुर ।→०५–७ ।

(ङ) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—बाबू रामबहादुर अग्रवाल, बाह (आगरा) ।→२९–२०५ सी ।

(च) लि० का० सं० १९३२ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–६३ बी ।

(छ)→पं० २२–५६ ।

विद्यांकुर (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत । र० का० सं० १९१७ । मु० का० सं० १९१७ । वि० भूगोल ।

प्रा०—श्री नृसिंहनारायण शुक्ल, मीरजहाँपुर, डा० मिंडारा (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४३२ ख ।

विद्याकमल—जैन ।

भगवतीगीत (पद्य)→००–९७ ।

विद्याधर जी या विद्यादास—कोई संत ।

पद (पद्य)→सं० ०७–१७९ ।

विद्यापति—प्रसिद्ध मैथिल कवि । तिरहुत के राजा शिवसिंह के आश्रित । सं० १४६० में वर्तमान ।

कीर्तिलता (पद्य)→२०–२०३ ।

विद्याबत्तीसी (पद्य)—अजीतसिंह (मेहता) कृत । र० का० सं० १९१८ । वि० विद्या की महिमा और उसके ग्रहण करने का उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १९२१ ।

प्रा०—पं० रामनाथ, मझगवाँ, डा० बंथर (उन्नाव) ।→२६–६ ई ।

(ख) लि० का० सं० १९२३ ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–६ एफ ।

(ग) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा०—लाला रतनलाल, मोहारी, डा० सदारपुर (सीतापुर) ।→२६–६ जी ।

(घ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, जसरथपुर, डा० फीरोजाबाद (आगरा) । → २९–५ सी ।

विद्यारण्यतीर्थ 'देव'—उप० देव। काशिराज के प्रेमपात्र बाबू रामप्रसन्नसिंह के आश्रित। सं० १८६८ के लगभग वर्तमान।

युगलसुधा (पद्य)→२६-४६५; सं० ०१-३८६।

विद्याविलास (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १६०३। लि० का० सं० १६१३। वि० भगवती माहात्म्य।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरा, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)। → सं० ०१-३७८ छ।

विद्योतचंद्र (उद्योतचंद्र ?)—कुमायूँ नरेश। राजा ज्ञानचंद्र के पिता। सं० १७४७ के पूर्व वर्तमान।→पं० २२-६४।

विद्रुमदेस (विदर्भदेश ?) (पद्य)—कृष्णदास (जाड़ा) कृत। वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५१।

विद्वज्जनबोधक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनशास्त्र ज्ञान।

प्रा —सरस्वती भंडार, बड़ा जैन मंदिर पंचायती, खुर्जा (बुलंदशहर)। → १७-१०६ (परि०३)।

विद्वद्विलास (पद्य)—ब्रह्मदत्त (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १८६१। वि० खल, सज्जन, सूम, धनी आदि के लक्षण।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-३४।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

विद्वन्मोदतरंगिणी (पद्य)—श्रीधर कृत। र० का० सं० १६००। वि० रस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४०१ बी।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर)।→१२-१७७ बी।

विधवाविवाह-खंडन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-५५ (परि०३)।

विनती (पद्य)—रूपचंद (जन) कृत। वि० भगवान की स्तुति।

प्रा०—लाला शंकरलाल, मलाजनी (इटावा)।→३८-१२८ ए।

विनय कुंडलिया (पद्य)—अलबेलीअलि कृत। वि० राधाकृष्ण की युगल मूर्ति का ध्यान और प्रार्थना।

प्रा०—बाबू श्यामसुंदर मुंसिफ, एम० ए०, एल-एल० बी०, महावन, मथुरा। → १५-२ सी।

विनय के पद (पद्य)—अन्य नाम 'करुना के पद'। ब्रजदूलह कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४०१ क।

विनयचंद्र—जैन। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
सम्यक्तकौमुदी कथा (पद्य)→दि० ३१-६४।

विनयनवपंचक (पद्य)--पर्वतदास कृत। देव स्तुति।
प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-१२५ बी।

विनयनवपंचक (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत। वि० राम, लक्ष्मण, सीता आदि की स्तुति।
(क) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→१७-१४७।
(ख) लि० का० सं० १६५७।
प्रा०--भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०६-२१३ (विवरण अप्राप्त)।

विनयनिवेदन (गद्य)—केवलकृष्ण (कृष्ण कवि) कृत। र० का० सं० १८८२।
वि० कृष्ण कवि के कुछ पत्रों का संग्रह।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ ए।

विनयपचीसी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० कृष्ण की स्तुति।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० बी।

विनयपच्चीसी (पद्य)—रामकृष्ण कृत। लि० का० सं० १६४३। वि० द्रौपदी चीर हरण।
प्रा०—श्री जगदीशप्रसाद शर्मा, राजगुरु, फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं० ०१-३३६।

विनयपत्रिका (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० भक्ति।
(क) लि० का० सं० १७६०।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, श्रीनगर, लखीमपुर (खीरी)।→२६- ८४ वाई।[1]
(ख) लि० का० सं० १८७६।
प्रा०—पं० शालिग्राम दीक्षित, जामू, डा० मंडील (हरदोई)।→२६-४८४ जेड[1]।
(ग) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६-३२३ एल।
(घ) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०--पं० लक्ष्मीनारायण दूबे, करछना (इलाहाबाद)।→१७-१६६ एफ।
(ङ) लि० का० सं० १८८३
प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-४८४ ए[2]।
(च) लि० का० सं० १८८४।
प्रा०—श्री स्वामीप्रसाद, समेले, चरखारी।→०६-२४५ जी (विवरण अप्राप्त)।
(छ) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—श्री रामपूजन पांडेय, श्री महेशप्रसाद, निपनियाँ, रीवाँ।→सं० १०-५२ घ।

(ज) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-५०० फ (अप्र०) ।

(झ) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, घनकौली, डा० मकई (उन्नाव) ।→२६-४८४ बी[२] ।

(ञ) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—ठा० रामकरणसिंह, ढकवा, डा० ओयल (खीरी) ।→२६-४८४ सी[२] ।

(ट) प्रा०—पं० शिवनंद त्रिवेदी बी० ए०, एल-एल० बी, असनी (फतेहपुर) । →२०-१६८ के ।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-४३२ सी[३] ।

(ड) प्रा०—श्री दामोदरदास गौड़, शमसाबाद (आगरा) ।→२६-३२५ पी[२] ।

(ढ) प्रा०—पं० राम लाल, प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, किरावली (आगरा)। →२६-३२५ क्यू[२] ।

विनयपत्रिका (पद्य)—मदनगोपालसिंह कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० स्तुति ।

प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६-२७२ ।

विनयपत्रिका (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १६०७ । वि० राम के प्रति विनय ।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राज्य पुस्तकालय), रीवाँ ।→००-४६ ।

विनयपत्रिका (पद्य)—सुदर्शनदास कृत । लि० का० सं० १६६६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—बाबा सुदर्शनदास, रसिक बिहारी की कुंज, वृंदावन (मथुरा) । → १२-१८२ ।

विनयपत्रिका की टीका (गद्य)—रत्नसिंह कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० तुलसीदास जी की 'विनयपत्रिका' की टीका ।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→०६-१०४ ।

विनयपत्रिकातिलकम (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'बालबोधनी' । गंगाप्रसाद (व्यास) कृत । वि० विनयपत्रिका की टीका ।

(क) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-५६ ।

(ख) प्रा०—भैया जदुनाथसिंह ठाकुर रईस, रेहुआ, डा० नौरी (बहराइच) । →२३-११६ ।

विनयमाल (पद्य)—दयादास कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० ईश्वर प्रार्थना ।

प्रा०—पं० घनश्यामदास पांडे, बिजावर ।→०५-२५ ।

विनयवाटिका (पद्य)—युगलप्रसाद (पतित) कृत । लि० का० सं० १८८८ । वि० भक्ति और ज्ञान ।

प्रा०—लाला नानकचंद ।→१७ २०६ ।

विनयविजयगणि—जैन। विजयप्रभु के शिष्य। इन्होंने अपने गुरु के साथ मिलकर ग्रंथ रचना की थी अथवा उनके ग्रंथ को पूरा किया था। सं० १७३८ के लगभग वर्तमान।

श्रीपालचरित्र (?)→दि० ३१-९५।

विनयविहार (पद्य)—नंदगोपाल (सुखपुंज) कृत। र० का० सं० १८१६। वि० स्तुति।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-२६६।

विनयविहारी रूप उत्सवाष्टक (पद्य)—मुकुंद (रूपदेव्या) कृत। र० का० सं० १९०८। लि० का० सं० १९०८। वि० स्तुति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२९६।

विनयशतक (पद्य)—अवधप्रसाद (बाबा) कृत। र० का० सं० १९३० (लगभग)। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९७९।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद' पूरेपरान पाड़े, डा० तिलोई (रायबरेली)।→३५-५ सी।

(ख) प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडे का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-७।

विनयशतक (पद्य)—विक्रम (जन) कृत। वि० विभिन्न अवतारों तथा हनुमान जी की विनय।

(क) प्रा०—पं० बाबूराम नंबरदार, नटावली, डा० करहल (मैनपुरी)। → ३५-१०४ ए।

(ख) प्रा०—पं० दौलतिराम, कोसोन, डा० मारौल (मैनपुरी)। → ३५-१०४ बी।

विनयसंग्रह (पद्य)—तुलनदास कृत। लि० का० सं० १९८७। वि० वंदना।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद', मिडिल स्कूल, तिलोई (रायबरेली) →३५-२३।

विनयसमुद्र—जैन आचार्य। बीकानेर निवासी। हर्षसमुद्र के शिष्य। सं० १६११ के लगभग वर्तमान।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→०१-७४।

विनयसागर (पद्य)—सुंदरदास कृत। र० का० सं० १८५७। वि० स्तुति और प्रार्थना।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-८८।

विनयसिंह (बेनीसिंह)—अलवर नरेश बख्तावरसिंह के भतीजे। अपने चाचा की मृत्यु के उपरांत उनके अनौरस पुत्र बलवंतसिंह से इन्होंने राज्य छीन लिया था। भोगीलाल के आश्रयदाता। सं० १८५६ के लगभग वर्तमान।→२६-६३।

विनोदचंद्रिका या विनयचंद्रोदय→'रसचंद्रोदय' (उदयनाथ 'कवींद्र' कृत)।

विनोदमंगल (पद्य)— देवीदास कृत । र० का० सं० १८३८ । लि० का० सं० १८५० ।
वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत पुरंदरदास, पूरे ठाकुर दूबे, डा० जगदीशपुर (सुलतानपुर) ।
२६–८२ बी ।

विनोदलता (पद्य) रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →१२–१५४ एम ।

विनोदवल्लभ (गोस्वामी)—कृष्णदास के गुरु । वृंदावनदास के समकालीन । →१२-६८ ।

विनोदशतक (पद्य)—गोपालदास (चारण) कृत । वि० राधाकृष्ण का कुंज विहार तथा बारहमासा वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → ४१–५७ घ ।

विनोदसागर (पद्य)—माधव कृत । र० का० सं० १६५६ । लि० का० सं० १७१८ ।
वि० श्रीकृष्ण जी की लीला ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →
०५-६८ ।

विनोदाय काव्यसरोज (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत । वि० काव्य के दोषों का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६५१ ।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । →०६–३०४ सी ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४–४८ ।

विनोदीलाल जैन । अनखचूर अल्ल और गर्गगोत्री अग्रवाल वैश्य । पिता का नाम दरिगहमल्ल । पितामह का नाम पारस । प्रपितामह का नाम मंडन । वत्सदेश के अंतर्गत गंगातट पर बसे साहिजादपुर नगर के निवासी । काष्ठसंघ के अंतर्गत माथुर कच्छ के कुमारसेनि के आम्नाय के अनुयायी । औरंगजेब बादशाह के समकालीन । सं० १७४७-५० के लगभग वर्तमान ।
नेमनाथजी की बारामासो (पद्य)→३८–१६०; ४१-२४६ ।
नेमिनाथ के रेखते (पद्य)→१७-२०२ बी ।
नेमिनाथजी का मंगल (पद्य)→पं० २२–५६ ए; ४१–२४० क, ख ।
नेमिनाथराजुल-विवाह (पद्य)→१७-२०२ सी ।
पंचमंगल जयमाल (पद्य)→१७–२०२ डी ।
परमार्थगारी (पद्य)→१७–२०२ ए ।
भक्तामर चरित्र (पद्य)→२३–४४० ए ।
राजुल पचीसी (पद्य)→पं० २२-५६ बी; दि० ३१–५४; ३२–१३२ ए ।
विष्णुकुमार की कथा (पद्य)→२३–४४० बी; सं० ०४–३६२ क, ख; सं० १०-१२१ क, ख, ग ।
श्रीपाल चरित्र (पद्य)→सं० ०४-३६२ ग, घ ।
सम्यक्तलीला विलास (पद्य)→सं० १०–१२१ घ ।

विनोदीलाल (राय)—कायस्थ । राय चिरंजीलाल के पुत्र । राय सोहनलाल के धर्म पिता । शाहजहाँपुर निवासी । जन्म सं० १८५१ । मृत्यु सं० १९१५ ।

कृष्णविनोद (पद्य)→०२-१०२ ।

विपर्जैक अंग (विपर्यय को अंग) (पद्य)—हजारीदास कृत । वि० सुंदरदास जी की रचना की टीका ।

(क) लि० का० सं० १९८३ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→ २६-४२७ सी ।

(ख) प्रा०—श्री श्यामनारायण पांडेय, रियासत जगदीशपुर (बस्ती)। → सं० ०४-४२७ ख ।

विपिनविनोद (पद्य)—खुस्याल (जन) कृत । र० का० सं० १८९२ । लि० का० सं० १९३२ । वि० बागबानी (शार्गंधर के संस्कृत ग्रंथ 'विपिनविनोद' का अनुवाद) ।

प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ ३२-११८ ।

विप्र (?)—बादशाह जहाँगीर के समकालीन । सं० १६७५ के लगभग वर्तमान ।

कोकशास्त्र (गद्यपद्य)→सं० ०४-३६३ ।

विप्रकरुणासागर (पद्य)—रामबक्स कृत । वि० श्रीकृष्ण स्तुति और ब्राह्मण महिमा ।

प्रा०—श्री खचेराराम ब्रह्मभट्ट, बमई नसौवा, डा० ताँतपुर (आगरा)। → २९-२८७ बी ।

विप्रमतीसी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।

प्रा०—श्री हरिकृष्ण वर्मा, डा० छाता (मथुरा)।→३५-४६ आई ।

विप्रमतीसी (पद्य)—परसुराम कृत । वि० विप्रों की आलोचना ।

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल. मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३५-७० एम ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ कबीर कृत 'विप्रमतीसी' से मिलता जुलता है ।

विप्रमतीसी सटीक (गद्यपद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १९६२ । वि० विप्रमतीसी की टीका ।

प्रा०—बाबा सेवादास, बाबा गिरिधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ)। →सं० ०७-११ द ।

टि० प्रस्तुत पुस्तक का टीकाकार अज्ञात है ।

विप्रबल्लभ→'वल्लभ' (आदि गौड़ ब्राह्मण) ।

विभैविभूति (पद्य)—मलूकदास कृत । लि० का० सं० १७८४ । वि० भगवत विभव वर्णन ।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय,

लखनऊ ।→सं० ०४-२८८ भ ।

विमलवैराग्य-संपादिनी→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत) ।

विमुखउद्धारनवेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८२३ । वि० भक्ति और वैराग्य ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-२५७ घ ।

वियोगबेलि (पद्य)—आनंदघन कृत । र० का० सं० १७६५ । वि० विरह ।

(क) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—पं० राधाचंद्र वैद्य, भरतपुर ।→१७-८ बी ।

(ख) प्रा०—राजा महेंद्रमानसिंह, नौगवाँ (आगरा) ।→२६-११५ सी ।

वियोगमालती (पद्य)—किसनलाल कृत । वि० एक वियोग कथा का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४२ ।

वियोगसागर (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सन् १०६६ फसली । लि० का० सं० १७८४ । वि० वियोग शृंगार ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ ङ ।

वियोगसागर (पद्य)—शेखअहमद कृत । वि० वियोग शृंगार ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-४२१ ।

वियोगाष्टक (पद्य)—मंसाराम कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-११० ।

विरंचगोसाईं—पांडेय । उप० जनविरंच और विरंचदास । संभवतः बलिया जिला के अंतर्गत गड़वार के निकट दामोदरपुर निवासी । सं० १६२६ के लगभग वर्तमान ।

शब्दावली (पद्य)→४१-२५२ ।

विरंजिकुँवरि—ठा० अमरसिंह के पुत्र साहबदीन की धर्मपत्नी । मायका नेवादा (वाराणसी) में । पिता का नाम सीतलसिंह । गड़वारा (जौनपुर) निवासिनी । सं० १६०५ के लगभग वर्तमान ।

सतीविलास (पद्य)→०४-३६; २३-४४१; सं० ०७-१०८ ।

विरतिविनोद (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० वैराग्य वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ प ।

विरतिशतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० भीष्म और पांडवों के संवाद में त्याग और भक्ति का उपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ फ ।

विरदसिंगार→'विरुदशृंगार' (करनीदान चारण कृत) ।

विरदसिंह—कृष्णगढ़ नरेश बहादुरराज के पुत्र । हरिचरणदास के आश्रयदाता । सं० १८३५ के लगभग वर्तमान ।→०४-५८ ।

विरहअंग (पद्य)—वाजिद कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३८४।

विरह के पद (पद्य)—परमानंददास कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२०२ ङ।

विरहबत्तीसी (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८३५। वि० शृंगार।
प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–१९५ ए।

विरहमंजरी (पद्य)—नंददास कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८१४।
प्रा०—श्री रामजी शर्मा, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२६–२४४ एम।
(ख) लि० का० सं० १८६१।
प्रा०—पं० भवानीलाल शर्मा, अछनेरा डा० अछनेरा (आगरा)। → २६–२४४ एन।
(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–७०।
(घ) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–२०८ एफ।
(ङ)→पं० २२–७२ डी।
टि० खो० वि० ०२–७० की प्रति को भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है।

विरहवर्णन बारहमासी (पद्य)—अन्य नाम 'रामविरह बारामासी'। गंगाराम कृत। वि० राम बनवास के समय कौशिल्या के विरह का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० चंद्रिकाप्रसाद भट्ट, सकरौली, डा० मोहनगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–१३० ए।
(ख) प्रा०—पुस्तकालय (शिवसिंह सेंगर के मकान पर), काँथा (उन्नाव)। →२३–१३० बी।

विरहविलास (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १८४५। वि० कृष्ण के मथुरागमन पर गोपियों की विरह दशा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–१६५ सी।

विरहशतक (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० रामभक्ति।
(क) प्रा०—लाला तुलसीराम निगम, रायबरेली।→०६–२१५ एन।
(ख) प्रा०—पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद)।→२०–१४५ ई।
(ग) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली।→२३–३३६ जी।

विरहसत (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० विरह शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ द।

विरहसत (पद्य)—सिध्यादास (सिद्धदास) कृत । र० का० सं० १८१० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६८५ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→ २६–४३७ डी ।

(ख) लि० का० सं० १६८७ ।

प्रा०—श्री रतननारायण, जगदीशवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली) । → सं० ०४–४०६ ग ।

(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) ।→ सं० ०४–४०६ ख ।

विरहसागर (पद्य)—सरजूदास कृत । लि० का० सं० १८३८ । वि० महंत यशकरन की मृत्यु पर शोक प्रकाश ।

प्रा०—श्री परागीदास, अदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→२३–३७७ ।

विरहसागर→'विरहसार' (पहलवानदास कृत) ।

विरहसार (पद्य)—अन्य नाम 'विरहसागर' । पहलवानदास कृत । र० का० सं० १८५१ । वि० भक्तों का माहात्म्य और मोरध्वज राजा की कथा ।

(क) लि० का० सं० १६८० ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–३४० डी ।

(ख) प्रा०—महंत गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजा फत्तेपुर (रायबरेली) । →सं० ०४–२०४ घ ।

विरहिणी बारहमासा (पद्य)—बलदेवप्रसाद कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३६ । वि० वियोग वर्णन ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बेलामऊ, डा० अजगैन (उन्नाव) ।→२६–३४ ।

विरही कौ मनोरथ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६६४ । लि० का० सं० १७७८ । वि० विरह श्रृंगार ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ न[1] ।

विरहो सुभानदंपति विलास→'इश्कनामा' (बोधा कवि कृत) ।

विराग संदीपनी→'वैराग्यसंदीपनी' (गो० तुलसीदास कृत) ।

विराट चरितामृत (पद्य)--प्राणनाथ कृत । वि० गुप्त तथा भविष्य की बातें जानने की एक क्रिया ।

प्रा०—पं० रेवतीनंदन (रेवतीरमण) जी मिश्र, बेरी, डा० बरारी (मथुरा) ।→ ३८–१०६ ।

बिराटपुराण--गोरखनाथ कृत ।→०२–६१ (छै) ।

विराहचंद्रिका (पद्य)—सारंगधर कृत। लि० का० सं० १७७४। वि० सुनारी विद्या।
प्रा०—श्री कृष्णशरन शुक्ल, भादी, डा० मझऊआमीर (बस्ती)। → सं० ०४-४०८।

विरुदशृंगार (पद्य)—करनीदान (कवि) कृत। वि० जोधपुर नरेश अभयसिंह का यश वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८२८।
प्रा०—ठा० रामसिंह सिपाही, नारागाँव भावर, डा० छर्रा (अलीगढ़)। → २६-१८५।
(ख) प्रा० – तिवारी गाँव के पुरोहित जी, जोधपुर।→०१-१०५।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-४७८ (अप्र०)।

विरुदावली (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री सीताराम मिश्र, अहरौली, डा० सलेमपुर (गोरखपुर)। → सं० ०१-४६।

विरुदावलो (पद्य)—पद्माकर कृत। वि० जयपुर नरेश महाराज जगतसिंह सवाई का यश और वीरता का वर्णन।
प्रा०—पं० गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-८२ डी।

बिलास खंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १९०७। वि० राम सीता का विवाह एवं विहार।
प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, जंगल अधिकारी, दतिया।→०६-७९ जेड।

बिलासतरंग (पद्य)—श्री गोविंद कृत। र० का० सं० १८८०। लि० का० सं० १९११। वि० दांपत्य विज्ञान।
प्रा०—पं० बखसराम पांडेय, हलदी (बलिया)।→०९-३०० ए।

बिलासमंगल (पद्य)—खेमदास कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० शृंगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२६ ग।

बिलासमाधुरी (पद्य)—चतुरअलि कृत। वि० राधाकृष्ण का दांपत्यप्रेम।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-३८ डी।

बिलासलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ के।

विलियम हैंडफोर्ड—युक्तप्रांत (पश्चिमदेश, अब उत्तरप्रदेश) शिक्षा विभाग के निर्देशक। पं० श्रीलाल ('भाषाचंद्रोदय' और 'विद्यांकुर' के रचयिता) के आश्रयदाता।→ सं० ०१-४३२।

बिलोचनराम—(?)
लीलावती (पद्य)→२३-४३९।

विल्किंसन—भोपाल के अंग्रेज एजेंट । ओंकार भट्ट के आश्रयदाता ।→०६–२१६।

विवाह (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०—गो० राधाशरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–५२ बी ।

विवाह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विवाह की शोभा का वर्णन ।

प्रा०—श्री बहुरी चिरंजीलाल, भैरोबाजार, आगरा ।→२६–५१२ ।

विवाह खेल (पद्य)—केशवदास नारायण कृत । वि० राधाकृष्ण का विवाह वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरौली ।→सं० ०१–५६ ।

विवाह पद्धति (गद्य)—दुर्गाप्रसाद (द्विवेदी) कृत । लि० का सं० १९७४ । वि० विवाह एवं द्विरागमन पद्धति का वर्णन ।

प्रा०—पं० हरचंद शर्मा, आलई, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–२३ ।

विवाह पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८४८ । लि०का० सं० १८४८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–५३४ ।

विवाह पद्धति (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० अमृतलाल पीपलवाला, फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६–५३३ ।

विवाह प्रकरण (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० राधा कृष्ण विवाह का वर्णन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२५० बी (विवरण अप्राप्त) ।

विवाह विलास (पद्य)—कृष्णावती कृत । वि० राधाकृष्ण का विवाह ।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोई बाजार, वृंदावन (मथुरा) । → १२–९६ ।

विविध विषय के कवित्त (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० विविध ।

प्रा०—श्री भूपदेव शर्मा, सिहोना, डा० भरनाखुर्द (मथुरा) ।→३८–१०३ ए ।

विवेककली (पद्य)—बलिराम कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२३३ ।

विवेक चिंतावणी→'चिंतावणी को अंग' (सुंदरदास कृत) ।

विवेक ज्ञान (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८११ । लि० का० सं० १९८७ । वि० कलियुग वर्णन ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाटी 'विशारद', पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→२६–१६२ जे ।

विवेक दीपिका (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर ।→०६–८ बी ।

विवेक दीपिका (वैराग्यशत भाषा) (गद्य)—केशवदास (?) कृत । लि० का० सं० १७४७ । वि० वैराग्य शतक की टीका ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५८ ।

विवेक धैर्याश्रय (गद्य)—गुसाईं जी कृत । भक्ति के लिए अपेक्षित विवेक और धैर्य का वर्णन ।

प्रा०—श्री नत्थीलाल गुसाईं, बरसाना (मथुरा) ।→३५-३२ सी ।

विवेक पंचामृत (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८५२ । वि० पाँच दर्शनों का अनुवाद ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट वाराणसी ।→०६-१६५ एफ ।

विवेकमंत्र (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१० । लि० का० सं० १६४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ डी ।

विवेकमाल (पद्य)—शीतलदास कृत । र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १६४३ । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३६० ग ।

विवेक मुक्तावली (पद्य)—बनादास कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या ।→२०-११ पी ।

विवेक लक्षण बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० नीति ।

प्रा०—श्री राधागोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) । → ३२-२३२ ओ ।

विवेक विलास (पद्य)—चंद्रशेखर कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० पटियाला नरेश आलासिंह की वंशावली ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१०२

विवेक विलास (पद्य)—रामरसिक कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० आचार और अध्यात्म वर्णन ।

प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद चौधरी सर्राफ, पन्ना ।→०६-२१५ (विवरण अप्राप्त) ।

विवेक वैराग्य दशक (पद्य)—बोधेदास कृत । वि० वैराग्य ।

प्रा०—श्री राजनारायण त्रिपाठी, गोपालपुर. डा० (जौनपुर) । → सं० ०४-२४६ ।

विवेकशत-अनुभव (पद्य)—लच्छीराम (द्विवेदी) कृत । र० का० सं० १७०१ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह गुरुवा (बहराइच) ।→२३-२३५ ।

विवेक शतक (पद्य)—रामचरणदास कृत । लि० का० सं० १६५५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→२०-१४५ एफ ।

विवेक सागर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० कबीर और धर्मदास के संवाद के रूप में ब्रह्म ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरिधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ) ।→ सं० ०७–११ ध ।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–६२ सी ।

विवेक सागर (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १८६८ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—श्री परागशरणदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५–१४ एम ।

विवेक सागर (पद्य)—लघुमति कृत । र० का० सं० १८४३ । लि० का० सं० १६२२ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री चतुर्भुजसहाय वर्मा, वाराणसी ।→१२–१०१ ।

विवेक सागर (पद्य)—अन्य नाम 'सुखसागर' । सुखलाल कृत । र० का० सं० १८४४ । लि० का० सं० १६४१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत रातशरनदास बाबा, कबीर पंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) →सं० ०४–४१६ ।

विवेक सागर (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८३३ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीर पंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–४६३ ।

विवेकसार (पद्य)—पतितपावनदास कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० उपदेश ।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद मुख्तार, समेसी, डा० नगराम (लखनऊ) । → २६–२६८ ए ।

विवेकसार (गद्यपद्य)—शीतलदास कृत । र० का० सं० १६०३ । लि० का० सं० १६०८ । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा—पं० रामानंद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) ।→२३–३८८ ।

विवेकसारसुरति (पद्य)—सेवासखी कृत । वि० राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३८५ बी ।

विवेकामृत (पद्य)—नारायण कृत । वि० अध्यात्म ।→पं० २२–७३ ।

विशेष शतक (गद्य)—समयसुंदरोपाध्याय कृत । र० का० सं० १८८२ । लि० का० सं० १६०६ । वि० धार्मिक शंका समाधान ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१–७८ ।

विश्राम (शुक्ल)—सं० १८५५ के लगभग वर्तमान ।

समरसार (भाषा तिलक) (गद्य)→सं० ०४–३६४ ।

विश्रामबोध—(पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८५१ । लि० का० सं० १६०३ । वि० निर्गुण ब्रह्म वर्णन ।

प्रा०—पं० गणेशदत्त पांडे, बीड़ापुर, डा० पतौली (अलीगढ़)। →२६-२८१बी।

विश्राममानस (गद्यपद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। वि० शरीर को रामायण और शरीर से संबंध रखने वाले काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि का राम रावण, कुंभकरण आदि के रूप में वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० रामचरण, भुइँहरापुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →२६-३७० सी।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० दाताराम गौड़, राघौपुर, डा० मारहरा (एटा)। →२६-२७८ बी।

विश्रामसागर (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० रामायण आदि धार्मिक ग्रंथों की कथाएँ।

प्रा०—पं० बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा० आवागढ़ (एटा)। →२६-२७८सी।

विश्वंभर—(?)

स्वरोदय (पद्य)→२६-५०२।

विश्वंभरदास—सं० १८८२ के पूर्व वर्तमान।

फूलचरित्र (पद्य)→सं० ०४-३६५।

विश्वकारन (पद्य)—कुदरतीदास कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० जगत की उत्पत्ति का कारण और भस्मासुर की कथा।

प्रा०—गुसाँईं रामस्वरूपदास, सठियाव, डा० जहाँनागंजरोड (आजमगढ़)। → सं० ०१-४५ ख।

विश्वनाथ—भाट। त्रिसवाँ (सीतापुर) के निवासी। जालिमसिंह तथा कटेशर (खीरी) के शिवबख्श के आश्रित।

अलंकारदर्पण (पद्य)→१२-१६५ बी।

अलंकारादर्श (पद्य)→१२-१६५ ए।

विश्वनाथ नवरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० काशीस्थ शिव जी की स्तुति।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०४-४४।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०४-११७ ख।

विश्वनाथसिंह—संभवतः रीवाँ के महाराज विश्वनाथसिंह। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।

भक्तचंद्रिका (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-३८७।

विश्वनाथसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश। राज्यकाल सं० १८७०-१९११। महाराज रघुराजसिंह के पिता। बख्शी समनसिंह, शिवनाथ, गंगाप्रसाद और अजबेश के खो० सं० वि० ५० (११००-६४)

आश्रयदाता।→००-४२; ०१-१५; ०१-१६; ०६-२२७; १७-५८; २०-१
२०-१८२।

अनुभव पर प्रदर्शनी टीका (गद्यपद्य)→०३-२२।

अष्टयाम का आह्निक (पद्य)→००-४३।

आदिमंगल (पद्य)→०६-३२६ ए।

आनंदरघुनंदन नाटक (गद्यपद्य)→०४-३८; ०६-२४६ बी; २३-४४१ ए, बी।

आनंद रामायण (पद्य)→०१-६।

आह्निक तिलक प्रकाश (गद्य)→सं० ०४-३६६।

उत्तम काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)→०१-५३; सं० १०-१२२।

उत्तमनीति चंद्रिका (गद्यपद्य)→०६-२४६ ए, बी।

कहरा (गद्यपद्य)→०६-३२६ ई।

गीतरघुनंदन प्रमानिका टीका सहित (गद्यपद्य)→००-४४।

गीतावली (पूर्वार्द्ध)→०४-११४।

चौतीसी (पद्य)→०६-३२६ सी।

चौरासी रमैनी (पद्य)→०६-३२६ डी।

धनुर्विद्या (मूल और टीका) (गद्यपद्य)→०१-४७; ०१-२०।

परमतत्व प्रकाश (पद्य)→००-४८; २०- २०५ ए।

परमधर्म निर्णय (गद्यपद्य)→०१-१६; ०१-१७; ०१-१८।

पाखंड खंडिनी (गद्यपद्य)→०६-२४६ सी।

रागसागर (पद्य)→२०-२०५ बी।

रामायण (पद्य)→०३-११५; ०६-३२६ एफ।

वसंत (पद्य)→०६-३२६ बी।

वेदांतपञ्चक सटीक (भाषा) (गद्यपद्य)→०४-८४।

शब्द (पद्य)→०६-३२६ जी।

शांतशतक (पद्य)→०३-५४; ०६-३२६ आई; २६-५०३ ए, बी।

साखी (पद्य)→०६-३२६ एच।

विश्वभूषन (जैन)—(?)

जिनदत्तचरित्र (पद्य)→सं० १०-१२३।

विश्वभोजन प्रकाश (गद्य)—गंगाप्रसाद कृत। वि० पाकशास्त्र।

(क) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → ०६-३२६ जे।

(ख) प्रा०—राजकीय पुस्तकालय (महाराज रमेशसिंह का), कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→१७-५८।

टि० खो० वि० ०६-३२६ जे पर भूल से महाराज विश्वनाथसिंह को रचयिता मान लिया गया है।

विश्वरूप विनय (पद्य)—पतितदास कृत। लि० का० सं० १९४८। वि० भगवत महिमा और स्तुति।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-३४६ ओ।

विश्वसेन—बढ़या (नवापुर, सारन) निवासी। जमींदार। हरिचरणदास के आश्रयदाता।→०४-५८।

विश्वासबोध (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८५६। लि० का० सं० १९०४। वि० ईश्वर भक्ति।

प्रा०—चौधरी गंगाराम, इगलास (अलीगढ़)।→२९-२८१ डी।

विश्वेश्वर (कवि) – (?)

कृष्णपदाष्टक (पद्य)→३८-१६२ सी।

दोहापचीसी (पद्य)→३८-१६२ ए।

सत्यनारायण (उत्था) (पद्य)→३८-१६२ बी।

विश्वेश्वरदास—काशी निवासी। महाराष्ट्रीय ब्राह्मण। नारायण के पुत्र और शंकर के पौत्र।

काशीखंड कथा (पद्य)→४१-२५३।

विषनाशन (पद्य)—संतोष (वैद्य) कृत। वि० विषनिवारक औषधियों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९२०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१८३।

(ख) प्रा०—श्री हरिचरण उपाध्याय, कलिमर्दनपुरा, समथर। →०६-३२४ (विवरण अप्राप्त)।

विषहरन विधि→'विषनाशन' (संतोष वैद्य कृत)

विषापहार (भाषा) (पद्य)—अचलकीर्ति (आचार्य) कृत। र० का० सं० १७१५। वि० जैनधर्म के 'विषापहार भाषा' का अनुवाद।

(क) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-१०३।

(ख) प्रा०—स्व० रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१-१।

(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), पैंडया, डा० मुस्तफाबाद (मैनपुरी)। →३२-१।

विषापहार (भाषा) (पद्य)—धनंजय कृत। वि० विषरूपी दोषों के निवारणार्थ भगवान जिन की वंदना।

प्रा०—स्व० रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१-२६।

विषित्तय तथा स्फुट रसायन (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० विषौषधियों का वर्णन।

(क) प्रा०—श्री रामेश्वरमणि त्रिपाठी, देवरिया (गोरखपुर)।→सं० ०१-२०६।

(ख) प्रा०—श्री श्रीपाल वैद्य, मजुरी, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२१०।

विषैपहार स्तोत्र (भाषा)→'विषापहार (भाषा)' (अचलकीर्ति कृत)।

विष्णु (कवि)→'विष्णुदास' ('महाभारत कथा' आदि के रचयिता)।

विष्णुकुमार की कथा (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि० का० सं० १९५५। वि० जैनधर्म की एक कथा।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-४४० बी।

विष्णुकुमार महामुनि पूजन (पद्य)—बाबूलाल कृत। वि० विष्णुकुमार महामुनि का पूजन विधान।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-८७ क।

विष्णुगिरि (गोस्वामी)—गोसाईं गोविंदगिरि के शिष्य। सं० १८०१ के लगभग वर्तमान।

वृद्ध चाणक्य राजनीति (भाषा) (पद्य)→२६-५०१।

सुगमनिदान (पद्य)→०२-१०६।

विष्णु गीतावली (पद्य)—महावीरप्रसाद कृत। र० का० सं० १९३७। लि० का० सं० १९४०। वि० रामस्तुति और उपदेश।

प्रा०—पं० कुंदनलाल, सफीपुर (उन्नाव)।→२६-२८४ सी।

विष्णुदत्त—रामदत्त (आनंद रामदत्त) के पुत्र। चैमलपुर (सिकंदरा) के ठाकुर जयगोपालसिंह और नसरथपुर के राजा सरनामसिंह के आश्रित। नरहरि कवि के वंशज। सं० १८६६-१८९५ के लगभग वर्तमान।

राजनीतिचंद्रिका (पद्य)→०४-७०।

वसंतविलास (पद्य)→१७-२०३; २६-५००।

विष्णुदत्त—संभवतः किसी मोहनलाल कायस्थ के आश्रित।

महावाक्य विवरण (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-३८९।

विष्णुदत्त (महापात्र)—महापात्र ब्राह्मण। विंध्याचल (मिरजापुर) निवासी। सं० १९१७ के लगभग वर्तमान।

दुर्गाशतक (पद्य)→०९-३२८; २३-४४३; सं० ०१-३९०।

विष्णुदास—अन्य नाम विष्णु कवि। गोपाचलगढ़ (ग्वालियर) के राजा डोंगरसिंह के आश्रित। सं० १४९२ के लगभग वर्तमान।

महाभारत कथा (पद्य)→०६-२४८ ए; २९-३२८ ए।

रुक्मिणीमंगल (पद्य)→१२-१९३; २६-४९८ ए, बी; २९-३२८ बी; दि० ३१-६६; ४१-५६० (अप्र०)।

महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→०६-२४८ बी; २९-३२८ सी, डी, ई, एफ; सं० ०१-३८८।

विष्णुदास—झाभर के निवासी। गुरु का नाम संभवतः ढंढी रामसुख। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।

बारहखड़ी (पद्य)→०९-३२७; २३-४४२; सं० ०४-३६७।

विष्णुदास—कायस्थ। पन्ना (मध्यप्रदेश) निवासी। १७वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)→०६–११७।

विष्णुदास—(?)

सनेहलीला (पद्य)→२०–२०४ बी; २६–४९६।

विष्णुदास—(?)

नवनागरी के पद (पद्य)→सं० ०१–३९१।

विष्णुदास—(?)

वाल्मीकि रामायण (भाषा) (पद्य)→४१–२५४।

विष्णुदास—परमसुखदैवज्ञ ('पाराशरीजातक' के रचयिता) के आश्रयदाता। → सं० ०१–२००।

विष्णुदास→'परमानंददास' (अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि)।

विष्णुदास (राजा)—अन्य नाम विष्णुसिंह। समथर (बुंदेलखंड) नरेश। गंगाप्रसाद उदैनिया के आश्रयदाता। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।→०६–३४; १७–६०।

विष्णुपद (पद्य)—गंगा कृत। वि० भजन, स्तुति आदि।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–३३।

विष्णुपद (पद्य)—गंगा कृत। वि० भजन, स्तुति आदि।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–३३।

विष्णुपद (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० राधाकृष्ण प्रशस्ति।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–९५ के।

विष्णुपद (पद्य)—रतन (कवि) कृत। र० का० सं० १८५५। वि० भगवत भक्ति।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१०२।

विष्णुपद (पद्य)—लघुजन (विक्रमाजीत) कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–६७ ई।

(ख) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–६७ डी।

विष्णुपद (पद्य)—विष्णुरसिक कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—पं० रामगुलाम, शुक्लपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–३६८।

विष्णुपद (पद्य)—सर्वजीत कृत। वि० भक्ति और उपदेश।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–५४।

विष्णुपद (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १९०४। वि० संक्षिप्त कृष्ण चरित्र।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर, डा० बहराइच (बहराइच)। → २३–४१६ डी।

विष्णुपद और कीर्तन (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । वि० भक्ति।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-६५ ए ।

विष्णुपद तथा होरी आदि का संग्रह (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० भक्ति, होली आदि ।
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह, असवाई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-६६ ।

विष्णुपदी पचासा (पद्य)—वेणीप्रसाद (पांडेय) द्वारा संगृहीत । सं० का० सं० १८५। वि० तुलसी कृत कृष्णगीतावली के ५० पदों का संग्रह ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-३६ ।

विष्णुपुराण (पद्य)—धर्मपाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० गौरीशंकर शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५३१ ।

विष्णुपुराण (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । वि० विष्णुपुराण का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १६३३ ।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–६१ क्यू ।
(ख) मु० का० सं० १६५१ ।
प्रा०—लाल रमायदुपालसिंह, ताल्लुका नूरुद्दीनपुर, डा० करहिया बाजार (रायबरेली) ।→सं० ०४-२६१ भ ।
(ग) प्रा०—पं० वचनेश मिश्र, कालाकाँकर ।→०६-२७ बी ।
(घ) प्रा०—पं० महावीर दूबे, हसनपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) २६–६१ आर ।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० सरल चौबे और रामनरेशन चौबे, सहतवार, दक्षिणटोला, सहतवार, बलिया ।→४१-४०६ ।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विष्णुपुराण का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५६२ ।

विष्णुपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विष्णुपुराण का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१ -५६३ ।

विष्णुपुराण (गोपालचरित्र) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३४ । वि० दशावतार वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५६४ ।

विष्णुपुराण (भाषा) (गद्यपद्य)—महेशदत्त कृत । लि० का० सं० १६३० । वि० विष्णुपुराण का अनुवाद ।
प्रा०—ठा० रामसिंह, मझगवाँ, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→२६–२२० एल ।

विष्णुपुरी —किसी माधवदास के मित्र ।
भक्तिप्रकाशिका टीका (पद्य)→सं० ०१–३६२ ।

...री (परमहंस)—(?)

...किरणावली टीका (गद्य)→२३-४४४; ४१-५६१ (अप्र०)।

...भक्त → रामनारायण' ('युगलकिशोर सहस्रनाम' के रचयिता)।

...रसिक—(?)

विष्णुपद (पद्य)→सं० ०४-३६८।

...विनोद (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६३६। वि० विष्णु की महिमा और स्तुति।

प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, फाजिलनगर, डा० बिल्हौर (कानपुर)। → २६-१५३ सी।

...विलास (पद्य)—लाल (कवि) कृत। वि० नायक नायिकाभेद।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-२४३।

... भक्ति→'रामनारायण' ('युगलकिशोर सहस्रनाम' के रचयिता)।

...सखी—राधावल्लभी वैष्णव। संभवतः कोई स्त्री। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।

हिताष्टक (पद्य)→१२-१६४।

...सत्यनाम (पद्य) मलूकदास कृत। वि० विष्णु के सहस्रनामों का वर्णन।

प्रा०—चौ० नेकसेसिंह, नगलाफौजी, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१२८ डी।

...विष्णुसहस्रनाम (पद्य)—हरिभुवनदास कृत। वि० विष्णुसहस्रनाम का अनुवाद।

प्रा०—श्री जमुनाप्रसाद, बरहूपुर, डा० बेल्हा... (प्रतापगढ़)। → सं० ०४-४३४।

...सिंह—...गढ़ नगर (?) के राजा। घिरजाराम के आश्रयदाता। सं० १७८० के लगभग वर्तमान।→सं० ०४-१७३।

विष्णुसिंह→'विष्णुदास' (गंगाप्रसाद उदैनिया के आश्रयदाता)।

...सिंह (राजा)—आमेर नरेश। कुलपति मिश्र के आश्रयदाता। सं० १७४६ के लगभग वर्तमान।→१२-१००।

...स्वामी चरितामृत (पद्य)—श्यामदास कृत। वि० ... स्वामी का जीवन चरित्र।

प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→४१-३०६।

...मराव—वास्तविक नाम बिसरावदास (बिश्रामदास)। सेंगर राजपूत। जाम (रसड़ा, बलिया) निवासी। नित्यानंद और बुलाकीदास के शिष्य। सं० १६२५ के पूर्व वर्तमान।

रामनामा (पद्य)→४१-२५५ क।

रामहितावली (पद्य)→४१-२५५ ख।

विहारचंद्रिका (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र०. का० सं० १७८८। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-११३।

विहारबत्तीसो (पद्य)—तुलसखी कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा)। →३५-६५ बी।

विहारवृंदावन (गद्यपद्य)—वृंदावनदास कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मदत्त, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-६०।

बीआनबोध→'ज्ञानबोध' (अक्षर अनन्य कृत)।

वीर—कान्यकुब्ज वाजपेयी ब्राह्मण। मंडला (जबलपुर) निवासी। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।
प्रेमदीपिका (पद्य)→०६-१४०।

वीर (कवि)—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १९१७ के लगभग वर्तमान।
रणबोध (पद्य)→पं० २२-१५।

वीर अमरसिंह (पद्य)—केशवदास कृत। र० का० सं० १८३१। वि० पटियाला नरेश महाराज अमरसिंह की भट्टियों पर विजय का वर्णन। →पं० २२-५५।

वीरकिशोर—कोई राजा। धीर कवि के आश्रयदाता। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान। →०६-२६।

वीरभगत—सं० १८४८ के पूर्व वर्तमान।
ब्रज की बाललीला (पद्य)→सं० ०१-३६३।

वीरभद्र (गद्य)—नित्यनाथ कृत। वि० तंत्र, स्वरज्ञान और वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १९१५।
प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरक नगर, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। →२६-२५५ बी।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल शर्मा, दी यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-६३ ए।

वीरभद्र—संभवतः 'फागुनलीला' के रचयिता वीरभद्र।→१७-२६।
बुढ़ियालीला (पद्य)→३५-१०५।

वीरभद्र—(?)
चंद्रावलीलीला (पद्य)→सं० ०१-३६४ ग।
ब्रजविलास (पद्य)→सं० ०१-३६४ क, ख।

वीरभद्र—(?)
उड्डीश (गद्य)→२६-४६७।

वीरभद्र—(?)

फागुनलीला (पद्य)→१७–२६ ।

वीरभाण—सं० १७६६ के लगभग वर्तमान ।

एकाक्षरमंजरी (पद्य)→३८–१७ ।

वीरभान (चौहान)—(?)

अश्वमेध (भारत) (पद्य)→सं० ०१–३६५ ।

वीरभानुदेव—तोमर क्षत्रिय । पिता का नाम विक्रमसेनदेव ।

रतिरहस्य (गद्य)→सं० ०४–३६६ ।

वीररस वैराग जोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास (?) कृत । वि० वैराग्य संबंधी दार्शनिक विचार ।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५–३६ आई ।

वीरविनोद (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १६४० । वि० वीर रस वर्णन ।

प्रा०—ठा० रत्नसिंह, कुटी चंदसेन, डा० रहीमाबाद (लखनऊ)। →२६–१०१ जी ।

वीरविलास→'महाभारत (द्रोणपर्व)' (दत्त कृत) ।

वीरशतक (पद्य)—गोपालदास (नायक) कृत । वि० सत रज और तम प्रकृति के आधार पर छै प्रकार के वीरों का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५७ क ।

वीरसिंहदेव—ओड़छा नरेश । राज्यकाल सं० १६६२-१६८४ । केशवदास के आश्रयदाता । इनके भाई चंद्रभान के पौत्र स्वरूपसिंह के लिये मतिराम ने 'वृत्तचंद्रिका' की रचना की थी ।→०६–५८; २०–१०५ ।

वीरसिंहदेव चरित्र (पद्य)—केशवदास कृत । र० का० सं० १६६४ । वि० ओड़छा के राजा वीरसिंहदेव का चरित्र ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–५८ ए ।

वीसलदेरासा→'बीसलदेवरासो' (नरपतिनाल्ह कृत) ।

वृंद (कवि)—सेवक जाति के ब्राह्मण । मेड़ता जोधपुर निवासी । कृष्णगढ़ नरेश महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) के पिता महाराज राजसिंह के गुरु । सं १७४२-१७६१ के लगभग वर्तमान । सं० १७६१ में बादशाह औरंगजेब की फौज के साथ ढाके तक गए थे । इनके वंशज जयलाल कवि कृष्णगढ़ में वर्तमान हैं । जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' में भी संगृहीत ।→०२–६८ (आठ); ०२–७३ ।

पतिमिलन (पद्य)→४१-२५६ क ।

पवन पचीसी (पद्य)→४१-२५६ ख ।

भावप्रकाश पंचाशिका (पद्य)→०६-३३० ए; २३-४४६ ए; २६-५०४ दि० ३१-१६; ४१-५६२ (अप्र०) ।

यमकालंकार सतसैया (पद्य)→४१-२५६ ग; सं० ०१-३६६ ।

वृंदसतसई (पद्य)→००-१२१; ०२-६; ०६-३३० बी; २३-४४६ बी ।

शृंगार शिक्षा (पद्य)→०२-४२ ।

वृंदविनोद→'यमकालंकार सतसैया' (वृंद कवि कृत) ।

वृंदसतसई (पद्य)—वृंद (कवि) कृत । र० का० सं० १७६१ । वि० नीति ।

(क) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना ।→०६-३३० बी ।

(ख) लि० का० सं० १६०५ ।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३-४४६ बी ।

(ग) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००-१२१ ।

(घ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६ ।

वृंदावन—(?)

ज्योतिषसार (गद्य)→२६-५०५ ।

सामुद्रिक (पद्य)→१७-३३ ।

वृंदावन→'विंद्रावन' ('नीतिनिधि' के रचयिता) ।

वृंदावन (जैन)—गोयल गोत्रीय अग्रवाल जैन । काशी निवासी । पिता का नाम धर्मचंद । पितामह का नाम लालजी । छोटेभाई का नाम महावीर । पुत्रों के नाम अजित और सिखिरचंद । सं० १८६१ के लगभग वर्तमान ।

जैनछंदावली (गद्यपद्य)→००-११७ ।

पंचकल्याणकपूजा (पद्य)→२०-१४७ ।

प्रवचनसार परमागम अध्यात्म विद्या भाषा छंद (पद्य)→सं० १०-१२४ ।

वृंदावन (जैन)—किसी विश्वभूषण के शिष्य । सं १७२६ के लगभग वर्तमान ।

शनिश्चर की कथा (पद्य)→सं० ०४-३७० ।

वृंदावन (भाष्य) **(पद्य)**—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० । वि० कृष्ण की प्रेमलीला ।

प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर) ।→२६-६६ ।

वृंदावन (लाला)—संभवतः 'गुरुमहिमाप्रसादवेलि' आदि के रचयिता वृंदावनदास ।→ २६-५८ ।

रामायनी ककहरा (पद्य)→२६-५६ ।

वृंदावन अष्टक (पद्य)—अतिवल्लभ कृत । वि० वृंदावन की महिमा ।

[illegible]वनप्रकाश (पद्य)—[illegible] कृत । वि० [illegible] की [illegible] ।
प्रा० पं० मुन्नीलाल, [illegible], डा० [illegible] ([illegible]) । [illegible]

[illegible]वन की [illegible] ध्यान → 'वनवन' ([illegible] कृत) ।

[illegible] माधुरी (पद्य)— [illegible] कृत । [illegible]
[illegible]लीला ।
प्रा०— पं० केदारनाथ पाठक, [illegible], मिरजापुर । [illegible] ([illegible] ।

वृंदावनगोपी-माहात्म्य (पद्य) —सुंदरकुँवरि कृत । [illegible]
गोपियों की प्रशंसा (भागवतपुराण का अनुवाद) ।
प्रा०—साधु निर्मलदास, [illegible] ([illegible]पुर) । →[illegible]–१०३ ।

वृंदावनचंद्रशिखनख-ध्यान-मंजूषा (पद्य —दामोदरदेव कृत । लि० का० सं० १६२३ वि० कृष्ण का नखशिख वर्णन ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२४ डी ।

वृंदावनजी की बानी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—श्री राधागोविंदचंद का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसना (मथुरा) । → ३२–२३२ पी ।

वृंदावनदास —आगरा निवासी ।
विहार वृंदावन (गद्यपद्य)→२६-६० ।

वृंदावनदास → 'हित वृंदावनदास (चाचा)' ।

वृंदावनदास (जनविंदा)—(?)
कृष्णविलास (पद्य)→३८–१६३ ए ।
गोकुललीला (पद्य)→३८–१६३ बी ।

वृंदावनधामानुरागावली (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । वि० वृंदावन के तीर्थ स्थानों तथा मंदिरों का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १९०० ।
प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, अवैतनिक नगराधीश, वृंदावन (मथुरा) । → ०६–६७ बी ।
(ख) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२ ६२ जे ।

वृंदावनप्रकरण (पद्य)—कालीचरण कृत । र० का० सं० १९०२ । लि० का० सं० १९०५ । वि० भोजपुर के राजकुमार रामेश्वरसिंह की व्रजयात्रा का वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४ ८१ ।

वृंदावनप्रकाशमाला (पद्य)—हितचंदलाल कृत । र० का० सं० १८२४ । वि० वृंदावन वर्णन ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६-४३ ए ।

वृंदावनमहिमा (पद्य)—हितचंदलाल कृत । लि० का० सं० १९४६ । वि० वृंदावन की महिमा, उपदेश आदि ।

प्रा०—गो० गिरधरलाल, झाँसी ।→०६–४३ डी ।

वृंदावनमाधुरी (पद्य)—रूपराशि कृत । वि० वृंदावन की शोभा तथा महिमा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२२२ (विवरण अप्राप्त) ।

वृंदावनमाहात्म्य (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । र० का० सं० १९०३ । लि० का० सं० १९०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६२ डी ।

वृंदावनरहस्य (पद्य)—हितरूपलाल कृत । वि० वृंदावन माहात्म्य ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५८ एफ ।

वृंदावनवर्णन (पद्य)—व्यास कृत । लि० का० सं० १७८१ । वि० भक्ति ।

प्रा० - श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४०० ।

वृंदावनविहार-माधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर ।→०२–१०४ (छै) ।

वृंदावनशतक (पद्य)—हितचंदलाल कृत । वि० वृंदावन माहात्म्य और राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–३५ बी ।

वृंदावनशतक→'वृंदावनसत' (ध्रुवदास कृत) ।

वृंदावनशतक→'वृंदावनसत' (भगवतमुदित कृत) ।

वृंदावनशरणदेव—(?)

ध्यानमंजरी (पद्य)→२३–४४८ ।

वृंदावनसत (पद्य)—अखैराम कृत । वि० वृंदावन माहात्म्य और शोभा ।

प्रा० - पं० पूर्णचंद्र, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा) ।→३२–४ सी ।

वृंदावनसत (पद्य)—आनंदघन कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० वृंदावन की शोभा ।

प्रा०—पं० रामनारायण, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–७ ई ।

वृंदावनसत (पद्य)—अन्य नाम 'वृंदावनशतक' । ध्रुवदास कृत । र० का० सं० १६८८ । वि० वृंदावन की शोभा और महिमा ।

(क) लि० का० सं० १७९० ।

प्रा०—श्री लोकमन चौबे, उम्मेदगढ़ी, डा० हरदुआगंज (अलीगढ़) । → २६–८८ सी ।

(ख) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६–१०५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद शर्मा, बरतरा, डा० कोटला (आगरा)। → २६–८८ डी।

(घ) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—गो० अद्वैतचरण, घेरा श्री राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा)। → २६–८८ एच।

(ङ) लि० का० सं० १८६१ और १६१८।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व विद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–६३।

(च) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–८।

(छ) प्रा०—श्री चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ सी।

(ज) प्रा०—श्री महंत संतदास, ब्रह्मचारी जी का स्थान, संग्रामपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–१०५ बी।

(झ) प्रा०—ठा० जनकसिंह, रुद्रमुली, डा० बाह (आगरा)।→२६–८८ ई।

(ञ) प्रा०—मुंशी जोरावरसिंह, कागारोल (आगरा)।→२६–८८ एफ।

(ट) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)। → २६–८८ जी।

(ठ) प्रा०—पं० कृष्णप्रसाद, यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली। → दि० ३१–२६।

(ड) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१०७ ज (अप्र०)।

वृंदावनसत (पद्य)—अन्य नाम 'वृंदावनशतक'। भगवतमुदित कृत। र० का० सं० १७०७। वि० वृंदावन की महिमा और कृष्णलीला।

(क) लि० का० सं० १८१८।

प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–२१।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५२८ (अप्र०)।

वृंदावनसत (पद्य)—रसिकप्रीतम कृत। वि० वृंदावन की महिमा।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, अवैतनिक मजिस्ट्रेट, वृंदावन (मथुरा)। → ०६–२६४।

वृंदावनाष्टक (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि० वृंदावन माहात्म्य।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–६८।

वृजजीवन—संभवतः ब्रजजीवनदास। वृंदावन निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

गुरुभक्तमाल (पद्य)→सं० ०७–१८०।

वृजनाथ—त्रिविक्रम के पुत्र। संभवतः भरोंच निवासी।

सरसरस (पद्य)→सं० ०१–३६७।

वृजपति→'ब्रजाधीश' ('नित्य के पद' के रचयिता)।

वृत्तकौमुदी→'छंदसार पिंगल' (मतिराम कृत) ।

वृत्तचंद्रिका (पद्य) - कृष्ण कवि (कलानिधि) कृत । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १८१० ।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा ।→००-८३ ।

(ख) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-६३ जी ।

वृत्ततरंगिणी (पद्य)—रामसहाय कृत । र० का० सं० १८७३ । पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० नवलविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-३४६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव) ।→२६-३६४ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, मौडल हाउस, लखनऊ ।→२६-३६४ बी ।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४-२४ ।

(ङ) प्रा०—पं० रामानंद मिश्र, हिंगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) । →२३-३४६ बी ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१-५५२ (अप्र०) ।

वृत्तदीपिका (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० पिंगल ।

प्रा०—पं० वैजनाथ शर्मा, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-६१ ।

वृत्तमंजरी (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३-३६७ डी ।

वृत्तरत्नाकर (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत । र० का० सं० १८७३ । लि० का० सं० १६१४ । वि० संगीतशास्त्र ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) । →३२-१७२ सी ।

वृत्तरत्नावली (पद्य)—चिरंजीव (भट्टाचार्य) कृत । लि० का० सं० १६०५ । वि० पिंगल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-६७ ।

वृत्तरत्नावली (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३-३६७ ई ।

वृत्तविचार (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल' । दशरथ कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १७६३ ।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती (आजमगढ़) ।→४१-१०१ क ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→०६-५७ ।

(ग) लि० का० सं० १८५७ ।

प्रा०—लाला छोटेलाल, कामदार, समथर ।→०६-१५३ (विवरण अप्राप्त) ।

वृत्तविचार→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र) ।

वृत्तविचार पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल (भाषा)' और 'पिंगलवृत्त विचार' । सुखदेव (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७२८ । वि० छंदशास्त्र ।

(क) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे, डा० देव (बाराबंकी) ।→२३-४१२ एस ।

(ख) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६-२४० ए (विवरण अप्राप्त) ।

(दो अन्य प्रतियाँ और हैं जिनमें एक का लि० का० सं० १८५० है ।)

(ग) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बौरी (बहराइच) ।→२३-४१२ जी ।

(घ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक, 'माधुरी', लखनऊ ।→२३-४१२ टी ।

(ङ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-४६५ जी ।

(च) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, सदाजापुर, डा० सिसैया (बहराइच) । →२३-४१२ आई ।

(छ) प्रा०—पं० दुर्गादत्त अवस्थी, कंपिला (फरुखाबाद) ।→१७-१८३ बी

(ज) प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१८७ ई ।

वृद्ध चाणक्य राजनीति (भाषा) (पद्य)—विष्णुगिरि (गोस्वामी) कृत । लि० का० सं० १६०८ । वि० राजनीति ।

प्रा०—पं० शिववंश शुक्ल, जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६-५०१ ।

वृद्ध चाणक्य राजनीति शास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७३७ । वि० चाणक्य नीतिशास्त्र का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२५४ ।

वृद्धिनिधि (त्रिपाठी)→'भवानीचरण' ('गृहदीपक' के रचयिता) ।

वृषभानुरायजी की वंशावली→'वंशावली (वृषभानुराय की)' (किशोरीदास कृत) ।

वृषभानुसुयश पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधा जी का सुयश ।

प्रा०—लाला नाहरुचंद, मथुरा ।→१७-३४ एल ।

वृहत्संहिता (भाषार्थ) (पद्य)—भट्टोत्पल कृत । लि० का० सं० १८४८ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मिश्र, अवभी, डा० त्रिसुंडी (सुलतानपुर)। → सं० ०१-२५३।

वृहदकालज्ञान (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आयुर्वेद।
प्रा०—पं० छातीराम, सहायक अध्यापक, चमरौला, डा० बरहन (आगरा)। →२६-५३५।

वृहस्पतिकांड (गद्यपद्य)—भड्डरी (भड्डलि) कृत। लि० का० सं० १८८२। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० रामनिवास त्रिपाठी, परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-४६ बी।

वृहस्पतिकांड→'रत्नसागर ज्योतिष' (तुलसीदास कृत)।

वेंकटेश (स्वामी)—(?)
आत्मप्रबोध (गद्य)→२६-३४१; २६-४६४।

वेणी—(?)
पद (पद्य)→सं० ०७-१८१।

वेणीप्रसाद (पांडेय)—बहराइच निवासी। सं० १८५६ के लगभग वर्तमान।
विष्णुपदीपचासा (पद्य)→२३-३६।

वेणीमाधव (भट्ट)—उप० प्रवीन। सं० १७६८ के पूर्व वर्तमान।
नतुर्विधिपत्री (पद्य)→सं० ०१-३६८।
विचित्रालंकार (पद्य)→सं० ०१-३६८।

वेद गोरखनाथ का (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री वेचनराम मिश्र, पंडित का पुरा, डा० जँघई (जौनपुर)। → सं० ०१-१०० क।

वेदनिर्णय पंचाशिका (पद्य)—बनारसीदास कृत। र० का० सं० १६८६। वि० ऋषभदेव की जन्म कथा और जैनों के अनुसार वेदों का परिचय।
(क) प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर।→१७-१६ सी।
(ख) प्रा०—श्री कालिकाप्रसाद, रुस्तमपुर, डा० राजेपुर (उन्नाव)। → २६-३६ सी।

वेदमणि— अन्य नाम मनिवेद और वेदविद।
कवित्त (पद्य)→४१ १८४।

वेद रामायण (पद्य)—भूपनारायणसिंह कृत। र० का० सं० १८५३। वि० फारसी चहारदर्वेश का अनुवाद।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-२६ सी।

वेद विचार— सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२-२५ (आठ)।

वेदविद→'वेदमणि' ('कवित्त' के रचयिता)।

वेदव्यास→'व्यास' ('प्रश्न' आदि के रचयिता)।

वेदसामुद्रिक→'सभाजीतसामुद्रिक' (रामदया कृत) ।

वेदस्तुति (पद्य)—भूपति कृत । वि० वेद वर्णित भगवान की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—पं० रामकृष्ण, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५१ ए ।

(ख) प्रा०—श्री मकसूदनलाल, गुड़ की मंडी, फतेहपुरसीकरी (आगरा) ।→ २६-५१ बी ।

वेदांत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वेदांत दर्शन ।

प्रा०—मुं० प्यारेलाल, नगलासिंगी, डा० टूँडला (आगरा) ।→२६-५३० ।

वेदांत (भाषा)→'वेदांत परिभाषा' (मनोहरदास निरंजनी कृत) ।

वेदांतअष्टावक्र (भाषा) (पद्य)—बनारसी (?) कृत । र० का० सं० १७५० । लि० का० सं० १८६० । वि० वेदांत ।

प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, तिलारा, डा० बिसावर (मथुरा) ।→३५-१० डी ।

वेदांतकीर्तन (पद्य) महामति (महामंत) कृत । वि० वेदांत की महिमा और ज्ञानोपदेश आदि ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१०८ एफ ।

वेदांत के प्रश्न (गद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० वेदांत की समस्याओं का विवेचन ।

प्रा०—बाबू राममनोहर विचपुरिया, पुरानीबस्ती, डा० कटनी (जबलपुर) । →२६-२६६ ई ।

वेदांत के प्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वेदांत संबंधी कुछ प्रश्न और उनके उत्तर ।

प्रा०—श्री राममनोहर विचपुरिया, पुरानीबस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→ २६-६७ (परि०३) ।

वेदांतत्रयी (गद्य)—मन्नालाल कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० वेदांत ।

प्रा० - पं० रमाकांत मिश्र, मुद्रासन, डा० लहरपुर (सीतापुर) ।→२६-२६५ ।

वेदांतपंचक सटीक (भाषा) (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० वेदांत ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-८४ ।

वेदांतपरिभाषा (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत । र० का० सं० १७१७ (१७७७) । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६३ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-२७२ सी ।

वेदांतरत्नमंजूषा की भाषा टीका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४१० ।

वेदांतरहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'अष्टावक्र (भाषा)'। रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४११।

वेदांतसार (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० वेदांत।
प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-४७० ई।

वेदांतसार-श्रुति-दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० श्री रामचंद्र विहार।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ एच।

वैकुंठ (जन)—(?)
पदावली (पद्य)→सं००१-३९६।

वैकुंठमणि (शुक्ल)—ब्राह्मण। ओड़छा नरेश महाराज जसवंतसिंह और बिजन (टीकमगढ़) के जागीरदार सावंतसिंह तथा रानी मोहनकुँवरि के आश्रित।
अगहनमाहात्म्य (गद्य)→०६-५ बी।
बैसाखमाहात्म्य (गद्य)→०६-५ ए।

वैठकचरित्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की ८४ बैठकों का वर्णन।
प्रा०—देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-१०५ (परि०३)।

वैतसमन ब्रज का (पद्य)—समन कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री देवीगिरि, तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-४०२।

वैद्कसखा (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत। र० का० सं० १९०१। वि० वैद्यक।
प्रा०—महंत विट्ठलदास, मिरजापुर (बहराइच)।→२३-३३३ एफ।

वैद्यक (गद्यपद्य)—केशव कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६-२३१।

वैद्यक (गद्य)—दामोदर कृत। वि० 'शार्गंधर' का अनुवाद।
प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा→२९-७६।

वैद्यक (गद्यपद्य)—देव (देवदत्त)। वि० वैद्यक।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-८९ वाई।

वैद्यक (गद्य)—लुकमान कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामचरन वैद्य, खाले का बाजार, लखनऊ।→०९-१७५।

वैद्यक (पद्य)—श्याम (कवि) कृत। लि० का० सं० १८१९। वि० चिकित्सा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३०१।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा० अवाढ़ (एटा)।→२९-५१८।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सिकरी, डा० तंरोग (गाजीपुर)। → २६-६८ (परि० ३)।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दीनानाथ मिश्र, फतेहपुर चौरासी, डा० मर्फापुर (उन्नाव)। → २६-६८ (परि० ३)।

वैद्यक (गद्य) रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० गोविंदराम, अमरोलीकटारा (आगरा)।→२६-५१६।

वैद्यक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दामोदरप्रसाद, ओखरा, डा० नारखी (आगरा)।→२६-५२०।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० नवाबसिंह जमींदार, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३५-३१६।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० छोटेलाल, भाऊपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५-३१७।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शर्मा, घरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-३१८।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चौधरी सुमेरसिंह, सलेमपुर, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५-३१६।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामनारायण शर्मा, जसराना (मैनपुरी)।→३५-३२०।

वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चौधरी कृष्णगोपालसिंह, रईस जमींदार, सूरजपुर, डा० तिलियानी (मैनपुरी)।→३५-३२१।

वैद्यक (कठिन रोग की औषधि) (गद्य)—आधार (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामशंकर वैद्य, धनराजपुर, डा० मल्लावाँ (एटा)।→२६-२ बी।

वैद्यक (ग्रंथ) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० बसुदेव मिश्र, कुड़सर, डा० इस्माइलगंज (इलाहाबाद)।→४१-४१३।

वैद्यक (नानकजी ग्रंथ का मतु) (गद्यपद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-१८६ ग।

वैद्यककल्प (पद्य)—पतितदास कृत। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १६३७।
प्रा०—पं० चंद्रशेखर (बब्बन मिश्र), भैरोंपुर, डा० बख्सा (जौनपुर)। → सं० ०४-१६६ क।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) । →२६–३४६ एन ।

वैद्यककल्पतरु (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—बाबा देवगिरि, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़) ।→२६–५२१ ।

वैद्यक की पुस्तक (पुस्तिका)→'अमृतसागर' (लेखराजसिंह कृत) ।

वैद्यक की पोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५–३२२ ।

वैद्यकगुटिका (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलवलिया (बहराइच) । →२३-१६६ ई ।

वैद्यक ग्रंथ की भाषा (गद्य)—अनंतराम कृत । लि० का० सं० १८७१ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, द्वारा पं० ब्रह्मदत्त पांडेय, पुराना पांडुपुर, नवाबगंज ।→०६-६ ।

वैद्यक चित्तहुलास (गद्यपद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत । र० का० सं० १६०२ । लि० का० सं० १६०५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच) ।→२३–३३१ ई ।

वैद्यकजर्राही→'जर्राहीप्रकाश' (रंगीलाल कृत) ।

वैद्यकजोग-संग्रह (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'योगसंग्रह वैद्यक' । आधार (मिश्र) कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० श्रीकृष्णलाल दूबे, बलगवाँ, डा० थानगाँव (सीतापुर) ।→२६-२ए ।

(ख) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—पं० सिद्धनाथ वैद्य, हुसेनगंज बावली, लखनऊ ।→२६–३ बी ।

(ग) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—पं० शिवचरण उपाध्याय, नकिया, डा० पयागपुर (बहराइच) । →२३-१ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—ठा० गुरुबख्शसिंह, नवाबगंज, हरिहरपुर, डा० नानपारा (बहराइच) ।→२३–१ सी । (द्वितीय खंड) ।

(ङ) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर) । →२६–३ सी ।

(च) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच) ।→२३-१ बी ।

(छ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-४३४ (अप्र०) ।

वैद्यकज्ञानलीला→'वैद्यकलीला' (ध्रुवदास कृत) ।

वैद्यक फरासीस (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८० । वि० रोगों के नाम, उत्पन्न होने के चिन्ह और लक्षण आदि का वर्णन ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, अरनापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । २६-६६ (परि०३) ।

वैद्यक फरासीसी→'अंजुलिपुराण' (कनाय साहब कृत) ।

वैद्यकभवन (पद्य)—रामजीवन (द्विवेदी) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री रामलाल दूबे, दुबौली बाजार (बस्ती) ।→सं० ४४-३२६ ।

वैद्यकभाषा-सार-संग्रह (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'सारसंग्रह' । गंगाराम कृत । र० का० सं० १७१८ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८०१ ।

प्रा०—पं० प्यारेलाल, हिंदी अध्यापक, माधव स्कूल, निमराना ।→०६-२१४ ।

(ख) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—पं० देवीदत्त शर्मा, फतहपुर (बाराबंकी) ।→२२ २१४ ।

टि० खो० वि० ०६-२१४ के हस्तलेख में नयनसुख कृत 'वैद्यमनोत्सव' भी है ।

वैद्यकमंत्रतंत्र (गद्य)—जगन्नाथदास कृत । वि० मंत्र, तंत्र, और वैद्यक आसन आदि ।

प्रा०—लाला दीनदयाल पटवारी, सराय रहीम, डा० हर्दोयगंज (अलीगढ़) ।→२६-१६५ सी ।

वैद्यकरत्न→'वैद्यरत्न' (जनार्दन भट्ट कृत) ।

वैद्यकरत्नसार (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १९५२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० निलवलिया (बहराइच) ।→२३-१६६ जी ।

वैद्यकरसविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद वैद्य, सेमरा (आगरा) ।→२०-२२२ ।

वैद्यकलीला (पद्य)- ध्रुवदास कृत । वि० श्रीकृष्णलीला

(क) लि० का० सं० १७८१ ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कँकरोली ।→सं० ०१-१९४ एफ ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर । → ०६-७३ आई ।

वैद्यकविधान (गद्य)—प्रतापराय कृत । र० का० सं० १८७२ । लि० का० सं० १९०० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० अगमसिंह परिहार, नगला झम्मनसिंह, डा० कलसना (अलीगढ़) । →२६-२७१ ।

वैद्यकविनोद (गद्य)—दरियावसिंह कृत । र० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक (फारसी से अनुवाद) ।
(क) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—श्री सीताराम वैद्य, बमनोई (अलीगढ़) ।→२६-७८ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६१७ ।
प्रा०—लाला सीताराम, विनोदगंज, डा० छर्रा (अलीगढ़) ।→२६-७८ बी ।

वैद्यकविलास (गद्यपद्य)—चरपटनाथ कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री कृष्णशरण शुक्ल, भादी, डा० मझऊआमीर (बस्ती) । → सं० ०४-६४ ।

वैद्यकविलास→'दयाविलास' (दयाराम तिवारी कृत) ।

वैद्यकविलास-संग्रह (गद्य)—आधार (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—लाला कन्नूमल पटवारी, बलदेवपुर, डा० उमरगढ़ (एटा) । → २६-२ सी ।

वैद्यक शारंगधर (भाषा)→'शारंगधर (भाषा)' (हीरालाल वैश्य कृत) ।

वैद्यकसंग्रह (गद्य)—शिवराम (शास्त्री) कृत । र० का० सं० १६२७ (?) । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १६२७ ।
प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा ।→२६-३१३ ए ।
(ख) प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई) । → २६-३१३ बी ।

वैद्यकसंग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० दुर्गादीन दीक्षित, सिकरी, डा० तंबौर (सीतापुर) । → २६-१०० (परि० ३) ।

वैद्यकसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—सारख, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५-१२३ ।

वैद्यकसंग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० श्यामाचरण कंपाउंडर, अजीतमल (इटावा) ।→३५-१२४ ।

वैद्यकसर्वसार-संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-५२४ ।

वैद्यकसार (गद्य)—केशवप्रसाद (दूबे) कृत । र० का० सं० १६२७ । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—पं० शिव शर्मा वैद्य, रामूपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६-१६३ जी ।
(ख) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—लाला लालबिहारी, गोहरा, डा० शाहाबाद (हरदोई)। → २६-१६३ एच।

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामभजन वाजपेयी, सराय पैकू, डा० सरौढ़ा (एटा)। → २६-१६३ एफ।

वैद्यकसार (गद्य)—पुरुषोतम (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १६०२। वि० वैद्यक।

प्रा०—बाबा विनतीदास, चेला धरमदास, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा)।→ २६-२७५।

वैद्यकसार (गद्यपद्य)—मकसूदन (गिरि) कृत। वि० वैद्यक।

प्रा०—पं० भानुदत्त, सुनाई, डा० करछना (इलाहाबाद) →२०-६६।

वैद्यकसार (गद्य)—लक्ष्मीप्रसाद (तिवारी) कृत। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री राघोराम अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६-२५८।

वैद्यकसार (पद्य)—मुन्नलाल (द्विज) कृत। र० का० सं० १८६२। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-४१३।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० गौरीशंकर वैद्य, बलरामपुर।→०६-३१०।

वैद्यकसार (गद्य)—अन्य नाम 'योगसार'। हीरालाल (वैश्य) कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६००। वि० वैद्यक।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिनभलिया (बहराइच)।→ २३-१६६ एच।

वैद्यकसार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० औषधियों का संग्रह।

प्रा०—पं० गोविंदराम हकीम, खुर्जा (बुलंदशहर)।→१०-१०३ (परि० ३)।

वैद्यकसार-संग्रह (पद्य)—गुरुप्रसाद कृत। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-१३३ बी।

वैद्यकसार-संग्रह (गद्य)—रामआसरे कृत। लि० का० सं० १६१०। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री सिद्धिनाथ वैद्य, हुसैनगंज चावली, लखनऊ।→२६-३७४।

वैद्यकसार-संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० वैद्यक।

प्रा०—पं० तारानंद मुनीम, द्वारा मेसर्स मुरलीधर महादेवप्रसाद, सिरसागंज (मैनपुरी)।→२६-१०१ (परि० ३)।

वैद्यकसार-संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-५२१।

वैद्यकसार (मर्म) संग्रह (गद्य)—मथुरादास कृत। र० का० सं० १७२७। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्रीमती श्रद्धाकुँवरि देवी, अध्यापिका कन्यापाठशाला, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६-२६६ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—ईश्वरीप्रसाद (ओहरे) कृत । लि० का० सं० १६०५ (?) । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री नारायण, हँसेला, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-६२ बी ।

वैद्यजीवन (पद्य)—घनश्याम (द्विज) कृत । र० का० सं० १६१४ । लि० का० सं० १६१६ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री शंकरप्रसादसिंह, खंदहर, डा० मुफ्तीगंज (जौनपुर) । → सं० ०१-१०३ ।

वैद्यजीवन (पद्य)—सुखानंद कृत । र० का० सं० १६२० । लि० का० सं० १६३० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० मन्नीलाल अवस्थी, नारायणपुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी) । →२६-४६७ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—मुन्नूलाल कृत । वि० वैद्यक । (लोलिंबराज कृत 'वैद्यजीवन' का अनुवाद) ।

प्रा—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) । →२०-१२६ ।

वैद्यजीवन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० नारायणसिंह अध्यापक, जारूवाकटरा, डा० मलपुरा (आगरा) ।→२६-५१७ ।

वैद्यजीवन→'लोलिमराज' (बेनीप्रसाद त्रिपाठी कृत) ।

वैद्यजीवन (भाषा) (पद्य)—शिवप्रसाद कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-३६४ बी ।

वैद्यदर्पण (गद्यपद्य)—प्राणनाथ (भट्ट) कृत । र० का० सं० १८७७ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—श्री जे० जे० मार्टिनेल्ली पदरी, कीटगंज, नईबस्ती, इलाहाबाद । →१७-१३५ ।

(ख) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—पं० शिवराम शास्त्री, सरगपुर, कुश, रायबरेली ।→२३-३१६ ए ।

(ग) प्रा०—श्री रामेश्वरप्रसाद तिवारी, स्त्रीकनटोला, फतेहपुर । →२०-१३० बी ।

(घ) प्रा०—पं० ईश्वरीनाथ वैद्य, उत्तरपाड़ा, रायबरेली ।→२३-३१६ बी ।

वैद्यदर्पन (गद्य)—दुर्गादत्त (द्विवेदी) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० मार्तंड द्विवेदी, रायबरेली ।→सं० ०४-१६१ ।

वैद्यनाथ--अन्य नाम बैजनाथ। जामडाइइ या नउआडाँडी (बादशाहपुर, जौनपुर) के निवासी। पिता का नाम अयोध्या। सं॰ १६३७ के लगभग वर्तमान।

श्रीकृष्णखंड (पद्य)→सं॰ ०४-३७१।

टि॰ खो॰वि॰ २६ २४;सं॰ ०४-२४४के बैजनाथ प्रस्तुत रचयिता ही प्रतीत होते हैं।

वैद्यनाथ→'बैजनाथ' ('शार्गंधरसुधाकर' के रचयिता)।

वैद्यनाथ (त्रिपाठी)→'बैजनाथ' (ऐशबाग, लखनऊ निवासी)।

वैद्यप्रकाश (गद्य)—कालीप्रसाद (वैद्य) कृत। र॰ का॰ सं॰ १६१७। लि॰ का॰ सं॰ १६१७। वि॰ वैद्यक।

प्रा॰—पं॰ शिवगोपाल, डलमऊ (रायबरेली)।→सं॰ ०४-३०।

वैद्यप्रकाश (पद्य)—गणेशदास कृत। र॰ का॰ सं॰ १८०४। लि॰ का॰ सं॰ १६१०। वि॰ वैद्यक।

प्रा॰—लाला सीताराम वैश्य, सरदारपुर (सीतापुर)।→२६-१२३।

वैद्यप्रकाश (गद्यपद्य)—रसालगिरि (गोसाईं) कृत। वि॰ वैद्यक।

(क) प्रा॰—बाबा लक्ष्मणगिरि गोसाईं, छपती (मैनपुरी)।→०६-२५६ ए।

(ख) प्रा॰—लाला जंगबहादुर, कुंदनगंज, रायबरेली।→२३-३५६।

वैद्यप्रिया (पद्य)—खेतसिंह कृत। र॰ का॰ सं॰ १८८० (१८७२)। वि॰ वैद्यक।

(क) लि॰ का॰ सं॰ १८६१।

प्रा॰—श्री रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा॰ इटौंजा (लखनऊ)।→२६-२३६ ए।

(ख) लि॰ का॰ सं॰ १६०३।

प्रा॰—लाला भगवतीप्रसाद वैद्य, कुंदौली, डा॰ अतरौली (हरदोई)। → २६-१६६।

(ग) लि॰ का॰ सं॰ १६०४।

प्रा॰—पं॰ रामरत्न वाजपेयी, खैराबाद (सीतापुर)।→२६-२३६ बी।

(घ) प्रा॰—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-६० सी।

वैद्यमनोत्सव (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'नयनसुख (ग्रंथ)' और 'वैद्यमहोत्सव'। नयनसुख कृत। र॰ का॰ सं॰ १६ ६। वि॰ वैद्यक।

(क) लि॰ का॰ सं॰ १७३१।

प्रा॰—श्री कृष्ण जी, बलगवाँ, डा॰ थानगाँव (सीतापुर)।→२६-३३२ बी।

(ख) लि॰ का॰ सं॰ १८०१।

प्रा॰—पं॰ प्यारेलाल, हिंदी अध्यापक, माधव विद्यालय, निमराना। → ०६-२१४।

(ग) लि॰ का॰ सं॰ १८२१।

प्रा॰—पं॰ देवकीनंदन, खरिया, डा॰ अलीगंजबाजार (सुलतानपुर)। → २३-२६२ ए।

(घ) लि० का० सं० १८२७।
प्रा०—पं० कुँवरपाल, तारामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→२३–२६२ बी।
(ङ) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—ठा० बसंतसिंह, ऊरव, डा० शाहमऊ (रायबरेली)।→२३–२६२ सी।
(च) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—श्री भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। → २६–३३२ सी।
(छ) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवैयाँ (फतेहपुर)।→२०–११६ सी।
(ज) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→२०–११६ बी।
(झ) लि० का० सं० १६१४।
प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच)।→ २३–२६२ डी।
(ञ) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–३४।
(ट) प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→२०–११६ ए।
(ठ) प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य ज्योतिषी, सिकंदराबाद (बुलंदशहर)। → १७–१२५।
(ड) प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →२६–३३२ ए।
(ढ)→पं० २२–७५।

वैद्यमनोहर (पद्य)—नोनेशाह कृत। र० का० सं० १८५१। लि० का० सं० १६१२। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री हरिचरण उपाध्याय, कालीमर्दनपुरा, समथर।→०६–८० ए।

वैद्यमनोहर (पद्य)—सैयदपहाड़ कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६–१०५ ए (विवरण अप्राप्त)।

वैद्यमहोत्सव→'वैद्यमनोत्सव' (नयनसुख कृत)।

वैद्यमातंग (पद्य)—बालकृष्ण (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२–११।

वैद्यरत्न (गद्यपद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → २६–२०० ए।
(ख) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–१६८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, चौपड़िया, डा० पिहानी (हरदोई) ।→२६–१६८ बी ।

(घ) लि० का० सं० १९०० ।

प्रा०—पं० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुंढीकटरा, मिरजापुर ।→०२–१०५ ।

(ङ) लि० का० सं० १९१२ ।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद, नवीनगर, डा० लहरपुर (सीतापुर) ।→२६–२०० डी ।

(च) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→२६–२६७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(छ) लि० का० सं १९१५ ।

प्रा०—पं० देवकीनंदन शुक्ल, रामपुरगढ़ौली, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →२६–२०० बी ।

(ज) लि० का० सं० १९१७ ।

प्रा०—पं० रामजियावन, विलंडा, डा० हँसुआ (फतेहपुर) ।→२०–६८ ।

(झ) लि० का० सं० १९३४ ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त, खंभडीहा, डा० महाराजगंज (बहराइच) ।→२३–१८१ ए ।

(ञ) प्रा०—ठा० संतबख्शसिंह, गुटौना, डा० हैदरगढ़ (बाराबंकी) । → २३–१८१ बी ।

(ट) प्रा०—ठा० शिवप्रसन्नसिंह, राजशिवगढ़, डा० अमेठी (लखनऊ) । → २६–१६८ सी ।

(ठ) प्रा०—श्री श्यामसुंदरलाल अग्रवाल, जगनेर (आगरा) । → २६–१६८ डी ।

(ड) लि० का० सं० १८६२ ।→पं० २२–४५ ।

वैद्यवल्लभ (गद्य)—हस्ति (कवि) कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १९३५ ।

प्रा०—पं० बीरबल, गाँगवान, डा० कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३५–३६ बी ।

(ख) प्रा०—पं० मयाराम, डा० राया (मथुरा) ।→३५–३६ ए ।

वैद्यविद्या-विनोद (पद्य) - अन्य नाम 'वैद्यविनोद' । बलभद्र कृत । र० का० सं० १६६५ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा०—श्री श्रीपाल वैद्य, लजुरी, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–२३२ क ।

(ख) प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर) ।→१२–६ ।

(ग) प्रा०—पं० बुद्धिसागर मिश्र 'पंचानन', बढ़नी, डा० कप्तानगंज (बस्ती) । →सं० ०४–२३२ ख ।

वैद्यविनोद (पद्य)—दुर्गाप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, ममरेजपुर (हरदोई)।→२६-११३।

वैद्यविनोद (गद्यपद्य)—रामप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी, खिरवा, डा० मिटौरा (फतेहपुर)। →२०-१५४।

वैद्यविनोद (पद्य)—हरिवंशराय कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६-२६१ ए (विवरण अप्राप्त)।

वैद्यविनोद→'वैद्यविद्या-विनोद' (बलभद्र कृत)।

वैद्यविनोद-शारंगधर (भाषा)—रामचंद्र (जैन) कृत। र० का० सं० १७२६। वि० वैद्यक।→पं० २२-८६ बी।

वैद्यविलास (गद्यपद्य)—हुलास (पाठक) कृत। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८७६।
प्रा०—पं० रमाकांत त्रिपाठी, बंडा, गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६-१८३ बी।
(ख) प्रा०—पं० हीरालाल वैद्योपाध्याय, पचवान, डा० फीरोजाबाद (आगरा)। →२६-१५६।

वैद्यशास्त्र (गद्यपद्य)—नयनसुख कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—भैया महिपालसिंह रईस, पयागपुर (बहराइच)।→२३-२६२ ई।

वैद्यशिरोमणि (पद्य)—राम (कवि) कृत। र० का० सं० १६०८। वि० वैद्यक।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३२४।

वैद्यसर्वस्व (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० गोकुलप्रसाद शुक्ल, संस्कृत साहित्य तथा आयुर्वेदाचार्य, श्री शंकर औषधालय, बरेंचा, डा० मुहम्मदी (खीरी)।→२६-५२५।

वैद्यसिकंदरी (गद्य)—टीकाराम कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० वैद्यक। (फारसी ग्रंथ 'तिब्बसिकंदरी' का अनुवाद)।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→१२-१८७।

वैद्यसुधानिधि (पद्य)—हरिदेव कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री महादेवसिंह वर्मा, रामपुर चंद्रसेनी, डा० होलीपुरा (आगरा)। →२६-२६६।
टि० प्रस्तुत पुस्तक को खोजविवरण में भूल से रतिराम कृत मान लिया गया है।

वैद्यसुधासागर (गद्य)—कन्हैयालाल (लाला) कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—लाला गेंदालाल गोयल, शिकोहाबाद, कटरा बाजार (मैनपुरी)। →३२-१०६।

वैद्यामृतदीपिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक। (संभवतः मोरेश्वर कृत 'वैद्यामृत' का अनुवाद)।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१-४१४ ।

वैरागवृंद टीका (पद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत । र० का० सं० १७३० । लि० का० सं० १७६७ । वि० भर्तृहरि कृत 'वैराग्यशतक' का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१३७ ।

वैरागसत (पद्य)—जैकृष्ण (जन) कृत । लि० का० सं० १८३४ (?) । वि० वैराग्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३५-४५ ।

वैराग्यछंदावली (पद्य)—किशोरीलाल कृत । वि० वैराग्य ।
प्रा०—पं रतनलाल शर्मा, अछल्दा (इटावा) ।→३५-५५ बी ।

वैराग्यतरंग (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० वैराग्य ।
प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुर (दतिया) ।→०६-२ जे ।

वैराग्यदिनेश (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । र० का० सं० १९०६ । वि० ज्ञान और वैराग्य ।
(क) लि० का० सं० १९०६ ।
प्रा०—पं० गंगासागर त्रिवेदी, सफदरगंज, बाराबंकी ।→२३-१०४ एन ।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । → ०९-७४ बी ।

वैराग्यनिर्णय (पद्य)—परशुराम कृत । वि० वैराग्य ।
प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-७१ ।

वैराग्यपच्चीसी (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत । र० का० सं० १७५० । लि० का० सं० १८८० । वि० वैराग्य ।
प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, विलारा, डा० विलचर (मथुरा) ।→३५-१० सी ।
टि० प्रस्तुत पुस्तक को खो० वि० में भूल से बनारसी कृत मान लिया गया है ।

वैराग्यमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र० का० सं० १८५२ । वि० भर्तृहरि के 'वैराग्यशतक' का अनुवाद ।
(क) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६-२०५ सी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-२१२ ग ।

वैराग्यशतक (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० वैराग्य ।
प्रा०—बाबा फकीरदास महंत, चेला रामदास, नरोत्तमपुर, डा० चरदहा (बहराइच) ।→२३-८६ जेड ।

वैराग्यशतक (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि० वैराग्य ।
(क) प्रा०—पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→२०-१४५ डी ।
(ख) प्रा०—श्री रामलाल दूबे, दुबौलीबाजार, बस्ती ।→सं० ०४-३२७ ग ।

वैराग्यशाति (पद्य)—गोपाललाल कृत । र० का० सं० १९११ । वि० वैराग्य वर्णन तथा पटियाला नरेशों का विवरण ।→पं० २२-११६ बी ।

वैराग्यसंदीपनी (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० संत स्वभाव, मायामोह विध्वंस और शांति आदि ।
(क) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा० – लाला विद्याधर, होरीपुरा (दतिया) ।→०६-२५५ ई (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६-४८४ डी [२] ।
(ग) लि० का० सं० १९०७ ।
प्रा०—श्री साहित्यदसन सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ़, डा० खजुरी (रायबरेली) । →सं० ०४-१४२ ग ।
(घ) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी ।→००-७ ।
(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-८१ ।
(च) प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) →२०-१६८ जे ।
(छ) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) । → २६-३२५ ए[३] ।

वैराग्यसंदीपनी टीका (गद्य)—सियाराम कृत । वि० वैराग्यसंदीपनी की टीका ।
प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४५० ।

वैराग्यसंपादिनी→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत) ।

वैराग्यसागर (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १७८८-१८०१ तक । लि० का० सं० १९३१ । वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति, ब्रजलीलाएँ और शृंगार ।
प्रा० – डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४-१८६ ग ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ रचयिता की ३५ छोटी बड़ी रचनाओं का संग्रह है ।

वैराटपर्व→'महाभारत' (विराटपर्व); (सुंदर कृत) ।

वैष्णवदास– प्रियादास के पुत्र । वृंदावन निवासी । 'भक्तरसबोधिनी टीका' के दृष्टांतकार । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।→०४ ८८ ।
गीतगोविंद (भाषा) (गद्य)→०६–१२४; ४१-२५८ ।
भक्तमालप्रसंग (गद्यपद्य)→१०–५४ ।
भक्तमालमाहात्म्य (गद्य)→०६–२४७ ।

वैष्णवलक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैष्णवों के लक्षण । (महाप्रभुजी और कल्याण भट्ट का वार्तालाप) ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७-१०४ (परि०३) ।

वैष्णवलक्षण (ग्रंथ) (गद्य)—अन्य नाम 'बत्तीसलक्षण (भगवदीय वैष्णवों के लक्षण)' । गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि० वैष्णवों के लक्षण वर्णन ।

(क) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कौंकरोली ।→सं० ०१-८८ फ ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कौंकरोली ।→सं० ०१-८८ ट ।

वैष्णवविलास (पद्य)—गणेशदत्त (मिश्र) कृत । वि० वैष्णवों के धर्मकर्म का वर्णन ।

प्रा०—पं० गुरुप्रसाद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) । → सं० ०४-६० ।

वैष्णववैरागी-संवाद (गद्यपद्य)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० वेदांत ।

प्रा०—ठा० रामदौरसिंह, मिथौरा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→२३-१५६ ।

वैष्णवों के नित्यकर्म (गद्यपद्य)—गोविंद द्वारा संगृहीत । वि० धर्म ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कौंकरोली ।→सं० ०१-९५ ।

वैसवंशावली (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत । लि० का० सं० १९१६ । वि० वैस क्षत्रियों की वंशावली ।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-३७१ जी ।

बोजहननामा→'बजहननामा' (बजहनशाह कृत) ।

व्यंकटेश (कवि)→'ईश (कवि)' ('महामहोत्सव' के रचयिता) ।

व्यंगविलास (पद्य)—सरदार कृत । र० का० सं० १९१९ । लि० का० सं० १९५३ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी । →०६-२८३ बी ।

व्यंगार्थकौमुदी (गद्यपद्य)—प्रतापसाहि कृत । र० का० सं० १८८२ । वि० नायिकाभेद, ध्वनि आदि ।

(क) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) । →२०-१३२ ।

(ख) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—पं० रामदेव ब्रह्मभट्ट, नुनरा, लाम्हा (सुलतानपुर) । →२३-३२१ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९३५ ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, सैदपुर, डा० नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३-३२१ बी ।

(घ) लि० का० सं० १९५४ ।

प्रा०—ठा० लायकसिंह, भगवानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३२१ सी ।

(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३-५२ ।

(च) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६-६१ जे ।

(छ) प्रा०—बाबू पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२१-१२१ डी ।

व्यंजनप्रकार (गद्य)—अन्य नाम 'व्यंजनप्रकाश'। छोटेलाल (गुजराती) कृत । र० का० सं० १६२१ । वि० सागभाजी, अचार और मुरब्बे बनाने की रीति ।

(क) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० शिवकुमार मिश्र, हरदोई ।→२६-७० ए ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री रामजीवन वैद्य, पांचौली, डा० मारहरा (एटा) ।→२६-७० बी ।

(ग) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—श्री रामजीवन कवि, खसपुरा, डा० रामपुर (एटा) ।→२६-७० सी ।

व्यंजनप्रकार (गद्य)—पनाहअली (मीर) कृत । लि० का० सं० १६४५ । वि० पाकशास्त्र ।

प्रा०—श्री वेनी मुराऊ, ककरामऊ (सीतापुर) ।→२६-३०४ ।

व्यंजनप्रकार (पहला भाग) (गद्य)—जयशंकर सहस्र अवदीच कृत । र० का० सं० १६२५ । मु० का० सं० १६२५ । वि० पाकविद्या ।

प्रा०—श्री नृसिंहनारायण शुक्ल, मीरजहाँपुर, डा० भिंडारा (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-१२५ ।

व्यंजनप्रकाश→'व्यंजनप्रकार' (छोटेलाल गुजराती कृत) ।

व्यवहारदर्शन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०४ । वि० न्यायालय के विधान और वादी प्रतिवादी आदि का वर्णन ।

प्रा०—ठा० हरिबक्शसिंह रईस, कुथरिया (प्रतापगढ़) ।→२६-१०२ (परि० १) ।

व्यवहारपाद (गद्य)—प्रियादास (?) कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० मनु और याज्ञवल्क स्मृतियों के आधार पर व्यवहारधर्म का वर्णन ।

प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-२२१ ।

व्यसनसंहार (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५६५ ।

व्याधिनाशवैद्यक (गद्यपद्य)—मेहरबानदास कृत । र० का० सं० १८५१ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३०७ ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—कुमार बच्चासाहब रईस, गुधुवापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→ २३-२७६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-२७६ बी ।

व्यास—(?)

प्रश्न (गद्य)→१२–१६७।

भूगोलपुराण (गद्य)→२०–२०२; २६–५०६ ए, बी, सी।

सगुनावली (गद्यपद्य)→२६–५०६ डी।

व्यास और कान्ह→'कान्ह और व्यास' ('बिहारीसतसई' के रचयिता)।

व्यासचरित (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० महर्षि वेदव्यास की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१५२।

व्यासजी—वास्तविक नाम हरिराम व्यास। ओड़छा निवासी। पीछे वृंदावन में साधु होकर रहने लगे। राधावल्लभी संप्रदाय के वैष्णव। हरिव्यासी संप्रदाय के संस्थापक। सं० १६१२ के लगभग वर्तमान। 'दयालजी का पद' और 'ख्याल-टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथों में भी संगृहीत। →०२–५७ (उन्नीस); ०२–६४ (सोलह); ०४–३५।

उपदेश दोहा (पद्य)→पं० २२–११४।

पदसंग्रह (पद्य)→४१–२५६ ग।

पदावली (पद्य)→०६–३३२ बी।

फुटकर दोहे (पद्य)→४१–२५६ घ।

रस के पद (पद्य)→०६–११८ बी; ०६–३३२ बी; ४१–२५६ ख।

रागमाला (पद्य)→०६–११८ ए।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→१२–१६८; ३८–१६५।

वृंदावन वर्णन (पद्य)→सं० ०१–४००।

व्यासजी की बानी (पद्य)→०६–११८ सी; ०६–३३२ ए; १७–२०४; ४१–२५६ क।

व्यासजी की साखी (पद्य)→२०–२०६ ए, बी।

सेवकबानी (पद्य)→२३–४५०।

व्यासजी की बानी (पद्य)—व्यास जी कृत। वि० गुरु, साधु स्तुति, उपदेश, विहार और अंगादि वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६१ (?)।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–२५६ क।

(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–११८ सी।

(ग) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६–३३२ ए।

(घ) प्रा०—श्री मतंगध्वजप्रसादसिंह, बिसवाँ (अलीगढ़)।→१७–२०४।

व्यासजी की साखी (पद्य)—व्यासजी कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।

(क) प्रा०—तुलसी सतसंग सभा, अयोध्या।→२०–२०६ ए।

(ख) प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–२०६ बी।

व्यासजी के उपदेश→'उपदेश दोहा (व्यास जी कृत)।

व्यासजी के रस के पद→'रस के पद' (व्यास जी कृत)।

व्यासदास (?)

ब्रह्मज्ञान (पद्य)→०६-३४३ ।

व्यासदेव—(?)

ज्योतिषचक्र (पद्य)→२३-४४६ ।

ब्रजगीत (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, श्रीपति आदि) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—मथुरेश जी का मंदिर, कन्नावर, डा० महावन (मथुरा) ।→३५-१४० ।

ब्रजगीत-संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि कृत) । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५-१३६ ।

ब्रजगोपिका-विनय (पद्य)—सोहनलाल (चौबे) कृत । वि० गोपियों की कृष्ण से विनय ।

प्रा०—श्री शंभुनाथ चौबे, सरवनपुर (मथुरा) ।→०६-२६७ ।

ब्रजचंद—(?)

आनंदसिंधु (पद्य)→१२-३० ।

ब्रजचंद्रिका (पद्य)—ताराचंदराव कृत । लि० का० सं० १८५७ । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७-१६२ ।

ब्रजजीवनदास—वृंदावन निवासी । कृष्णानंददेव व्यास कृत 'राजा स्वरोदय भानुराजकल्पद्रुम' में इनका विवरण है । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।

अरिल्ल भक्तमाल (पद्य)→०६-३४ बी ।

इश्कमाल (पद्य)→०६-३४ आई ।

चौरासीजी को माहात्म्य (पद्य)→०६-३४ डी ।

चौरासीसार (पद्य)→०६-३४ सी ।

छद्मचौवनी (पद्य)→०६-३४ ई ।

प्रियाजी की बधाई (पद्य)→०६-३४ जे ।

भक्तरसमाल (पद्य)→०६-३४ ए ।

रामचंद्रजी की सवारी (पद्य)→०६-३४ के ।

सतसंगसार (पद्य)→०६-३४ एल ।

हरिरामविलास (पद्य)→०६-३४ एच ।

हरिसहचरीविलास (पद्य)→०६-३४ जी ।

हितजी महाराज की बधाई (पद्य)→०६-३४ एफ ।

ब्रजदूलह—(?)

जन्मोत्सवबधाई (पद्य)→३८-१८ ।

बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१-४०१ ख ।

विनय के पद (पद्य)→सं० ०१-४०१ क ।

ब्रजनिधि→'प्रतापसिंह (सवाई)' ('नीतिमंजरी' आदि के रचयिता) ।

ब्रजनिधिवल्लभ—हितहरिवंश जी की पाँचवी पीढ़ी के वंशज । सं० १७५५ के लगभग वर्तमान ।

संजीवन चरितावली (पद्य)→१२-३२ ।

ब्रजपति (भट्ट)—हरिदेव (भट्ट) के पुत्र । जन्मकाल सं० १६६० ।

रंगभावमाधुरी (पद्य)→१२-३३ ।

ब्रजप्रेमानंद सागर (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३८ । लि० का० सं० १८४० । वि० राधाकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)→१२-१६६ डी ।

ब्रजभूषण (गोस्वामी)—काँकरोली (राजस्थान) के निवासी । काँकरोली स्थित वल्लभ संप्रदाय की गद्दी के गोस्वामी । सं० १७६५-१८८३ के लगभग वर्तमान ।

दानलीला (पद्य)→सं० ०१-४०२ क ।

नीतिविनोद (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-४०२ ग ।

साँझीकीर्तन (पद्य)→सं० ०१-४०२ ख ।

ब्रजराज—जम्मू नरेश महाराज रणजीतसिंह के पुत्र । कवि देवदत्त (दत्त) के आश्रयदाता । सं० १८१८ के लगभग वर्तमान ।→०१-६३ ।

ब्रजराज (पंडित)—संभवतः मथुरानाथ शुक्ल के पिता ।

दानलीला (पद्य)→४१-२६० क, ख ।

ब्रजराजपंचाशिका (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत । र० का० सं० १८१८ । वि० राजा ब्रजराज देव की एक चढ़ाई का वर्णन ।

प्रा०—ठा० कान्हसिंह, मंत्री, क्षत्रिय उपरसभा, जम्मू (कश्मीर) ।→२०-३४ ए ।

ब्रजराजविनोद (पद्य)—भवानीदास कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह जी, कालाकाँकर (प्रतापगढ) ।→२६-५६ ।

ब्रजराजविहार (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत । लि० का० सं० १९३४ । वि० कृष्ण चरित्र ।

प्रा०—पं० चक्रधर अवस्थी, मानपुर चौकी, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-३१ ई ।

ब्रजराय (गोस्वामी)—संभवतः अहमदाबाद (गुजरात) के रहनेवाले । सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

नित्यसेवाविधि (आह्निक) (गद्य)→सं० ०१-४०४ ।

ब्रजलाल (भट्ट)—मान कवि के पुत्र । काशी नरेश उदितनारायणसिंह के आश्रित । सं० १८७६ के लगभग वर्तमान ।

उदितकीर्तिप्रकाश (पद्य)→०१-६३ ।

छंदरत्नाकर (पद्य)→०४–१६ ।
हनुमतबालचरित (पद्य)→०३-६१ ।

ब्रजलालसा (पद्य)—चतुरअलि कृत । वि० राधाकृष्ण की स्तुति ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३८ सी ।

ब्रजवल्लभदास—(?)
अजामिलचरित्र (पद्य)→०६–३५ सी ।
प्रहलादचरित्र (पद्य)→०६–३५ ए
सुदामाचरित्र (पद्य)→०६-३५ बी ।

ब्रजवासीदास—(?)
पुरातन कथा (पद्य)→२६–४६०; ३५-१०६ ।

ब्रजविनोदलीला-पंचाध्यायी (पद्य) –हरलाल (चतुर्वेदी) कृत । वि० रासपंचाध्यायी (भागवत दशमस्कंध) का अनुवाद ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७–७३ ।

ब्रजविनोदबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१९६ टी ।

ब्रजविहार (पद्य) - नारायण (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० श्रीकृष्ण जी की लीला ।
प्रा० स्वामी नारायणदास, पिलखना (अलीगढ़)→२६–२४७ एफ ।

ब्रजविहारलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाजी का विवाह, फागलीला, वनविहार आदि ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४१६ ।

ब्रजसार (ग्रंथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १७९६ । वि० ब्रजलीला ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१–१२५ ।

ब्रजाधीश—अन्य नाम वृषपति ।
नित्य के पद (पद्य)→३२–२३१ ।

ब्रजाभरण (दीक्षित)—दीक्षित ब्राह्मण । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी तथा कोई गोस्वामी । सं० १८३० के पूर्व वर्तमान ।
प्रभु पूर्णपुरुषोत्तम को रूप तथा गुण नाम वर्णन (पद्य)→सं० ०१-४०३ क ।
वल्लभाख्यान सटीक (गद्य पद्य)→१७-३२; सं० ०१–४०३ ख ।

ब्रजेंद्र→'बलवंतसिंह' (भरतपुर नरेश) ।

ब्रजेंद्रप्रकाश—(पद्य)—रसानंद (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८६१ (?)। वि० नायिकाभेद।
  (क) लि० का० सं० १९७६।
  प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२१७।
  (ख)→पं० २२ ६५।

ब्रजेंद्रविनोद (पद्य)—मोतीराम कृत। र० का० सं० १८८५। वि० नायिकाभेद।
  प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-११४।

ब्रजेंद्रविनोद →'भागवत (दशमस्कंध भाषा उत्तरार्द्ध)' (सोमनाथ कृत)।

ब्रजेश—(?)
  रामोत्सव (पद्य)→१७-६८ (परि० ३)।

व्रतकथा कोष (पद्य)—टेकचंद कृत। र० का० सं० १८२२। लि० का० सं० १९५६।
  वि० जैन धर्म की कथाएँ।
  प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा।→१७-१९३।

व्रतचर्या की भाषा (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० स्वामी वल्लभाचार्य की व्रतचर्या की टीका।
  प्रा०—श्री किशोरीलाल पुरोहित, पुरानी बस्ती, जतीपुरा, मथुरा।→३५-२८।

व्रतस्तुति (पद्य)—रंगनाथ कृत। वि० व्रत और उनके फल।
  (क) लि० का० सं० १९०२।
  प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कथयलड़ी (बहराइच)।→२३-३५४ ए।
  (ख) लि० का० सं० १९२१।
  प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कथयलड़ी (बहराइच)।→२३-३५४ बी।

व्रतविधानरासो (पद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १७६७। वि० जैन धर्म में उपवासों का वर्णन।
  प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
  →सं० ०४-१९९।

व्रतार्क (भाषा) (गद्य)—महेशदत्त (त्रिपाठी) कृत। वि० व्रतादि का पुराणों के अनुसार वर्णन।
  प्रा०—पं० रामनारायण, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२२१।

शंकर—सारस्वत ब्राह्मण। वृंदावन निवासी। सं० १९६० के लगभग वर्तमान।
  सत्यनारायण कथा (पद्य)→१२-१६६।

शंकर—भमर राज्य (?) के अधिपति चिम्मनसिंह के आश्रित।
  गोपालयश (पद्य)→१२-१६५।

शंकर—सं० १८५० के पूर्व वर्तमान।
  कर्मविपाक (पद्य)→सं० ०४-३७१।

शंकर→'शंकरदास (राव)' ('ज्योतिष भाषा' आदि के रचयिता) ।

शंकर (दीक्षित)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । लखुना (इटावा) निवासी । गो० उमरावपुरी के शिष्य । सं० १९३२ के लगभग वर्तमान ।
माधुरीविलास (पद्य)→२६–४२६ ।

शंकर (द्विज)—सं० १९०१ के लगभग वर्तमान ।
जोगरतन (पद्य)→सं० ०१–४०६ ।

शंकर (पांडे)—सं० १८९२ के लगभग वर्तमान ।
सारसंग्रह (पद्य)→०६–२७६ ।

शंकर (मिश्र)—आगरा निवासी ब्राह्मण । रूप मिश्र के पुत्र । सं० १७१६ के लगभग वर्तमान ।
लीलावती (पद्य)→०६–२७७ ।

शंकरदत्त—प्रतापगढ़ के एक अध्यापक । विराख गाँव (तिलोई राज्य) के निवासी । तिलोई के बाबू अजीतसिंह के आश्रित । सं० १९२९ के लगभग वर्तमान ।
भूगोल (गद्य)→२६–४२५ ।

शंकरदयाल—दरियाबाद (बाराबंकी) निवासी । सुखदेव के पुत्र । जन्मकाल सं० १८९२ ।
अलंकृतमाला (पद्य)→०६–२८० ।

शंकरदास—सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान ।
महाभारत (गदापर्व) (पद्य)→२९–३०३ ।

शंकरदास (राव)—ब्राह्मण । बिसवाँ (सीतापुर) निवासी । सं० १८६० के पूर्व वर्तमान ।
ज्योतिष (भाषा)→०६ ३२८ ए; सं० ०१–४०५; सं० ०४–३७४ क, ख ।
ज्ञानचौंतीसी (पद्य)→०६–१२८ बी ।
व्रजचूनी (ग्रंथ) (पद्य)→०६–२७८ ।

शंकरपचीसी (पद्य)—विविध कवि कृत संग्रह । वि० शंकर और पार्वती की स्तुति ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–७२ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ के संगृहीत कवि हैं— १. रसचंद, २. रसपुंज, ३. सेवक प्रयाग, ४. मुंशी माधोराम, ५. कवि करनीदान, ६. मुंशी माईदास, ७. भीवा सावंतसिंह, ८. रतनूवीरभान, ९. देवीचंद महात्मा, १०. सेवक प्रेमचंद, ११. सेवक शिव, १२. आनंदराम, १३. सेवक गुलालचंद, १४. मथेन भीमचंद, १५. साधू पृथ्वीराज ।

शंकरराम—ब्राह्मण। शाभा कात्यायन के पुत्र।

रामसाला (पद्य)→१७–१६८।

शंकरसिंह—बड़गावाँ (सीतापुर) के जमींदार। दुलारसिंह के पुत्र।

काव्याभरण सटीक (गद्य)→१२–१६८ ए।

महिमम्नादर्श (पद्य)→१२–१६८ बी।

शंकरसिंह (राजा)—तिलोई (रायबरेली) के तालुकेदार। सीताराम उपाध्याय और पहलवानदास के आश्रयदाता। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान। →०१–२२१; २६–४४०।

शंकराचार्य या संक्राचारज—सुप्रसिद्ध शंकराचार्य के कोई अनुयायी।

अनभौप्रोच्च (गद्य)→सं० ०७–१८४ क।

ब्रह्मअग्यास जोग सासत्र (गद्य)→सं० ०७–१८४ ख।

शंकराचार्य—सं० १७६५ के पूर्व वर्तमान।

दशावतार (गद्यपद्य)→२६–४२४ ए, बी; सं० ०४–३७५।

देवीस्तोत्र (पद्य)→सं० ०४–३७६।

नारायणस्तोत्र (पद्य)→२६–४२४ सी।

शंकराचार्य—(?)

गंगापुष्पांजलि (पद्य)→सं० ०१–४०७ ख।

तत्वविवेक (गद्य)→सं० ०१–४०७ क।

शंकराचार्य—(?)

देवाष्टक (गद्य)→३८–१३६।

शंकामोचन (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १८७५। वि० शृंगार।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, जंगल अधिकारी, दतिया।→०६–७६ बी।

शंकावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामायण के गूढार्थ।

प्रा०—पं० छेदालाल, बंदी का नगला, डा० माट (मथुरा)।→३२–२७६।

शंकावलीरामायण (पद्य)—अन्य नाम 'मानसदीपिकाशंकावली'। रघुनाथदास (आरा) कृत। वि० रामचरितमानस संबंधी शंकाओं का समाधान।

(क) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—पं० गंगादत्त बालदत्त, संभारोखेड़ा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६–३७० बी।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० दाताराम गौड़, रात्तीपुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६–२७८ ए।

शंभुदत्त—पोकरण (पुष्करण) जोशी ब्राह्मण। चंडू जी के वंशज। जोधपुर निवासी। जोधपुर के महाराजकुमार छत्रसिंह के आश्रित। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान। इन्हें 'कवींद्र' की उपाधि मिली थी।

राजकुमारप्रबोध (पद्य)→०२-३६ ।

शंभुनाथ—अमेठी के राजा माधवप्रतापसिंह के आश्रित ।

शिवस्तोत्र (पद्य) सं० ०१-४०१ ।

शंभुनाथ (त्रिपाठी)—उप० 'शंभु' । टेढ़ा (उन्नाव) के निवासी । डौंरियाखेड़ा (बैसवाड़ा) के राजा अचलसिंह और बगसर (उन्नाव) के राव रघुनाथसिंह के आश्रित । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→२३-३७१ ए; सं० ०४-३७७ क ।

कृष्णविलास (पद्य)→सं० ०४-३७७ ख ।

जातकचंद्रिका (पद्य)→०६-२३४ सी; २६-४२१ बी; सं० ०४-३७७ ग ।

प्रेमसुमनमाला (पद्य)→०६-२७४ ।

बैतालपचीसी (पद्य) →०६-२३४ बी; २३-३७१ ई, एफ; २६-४२१ ए; सं० ०१-४०८ ।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य)→०६-२३४ ए; २०-१७३; २३-३७१ बी, सी, डी; २६-४२१ सी, डी, ई; सं० ०४-३७७ घ, ङ ।

बैसवंशावली (पद्य)→२३-३७१ जी ।

शंभुनाथ (द्विज)—छिपिया ग्राम (बस्ती) के निवासी । गर्गगोत्री शुक्ल ब्राह्मण । पिता का नाम त्रिवेणीदत्त । संसारपुर ग्राम (बस्ती) के राजा भैरोंबक्ससिंह के आश्रित । सं० १६१२ के लगभग वर्तमान ।

कालीविजय (पद्य)→सं० ०४-३७८ क, ख, ग ।

ताराविजय (पद्य)→सं० ०४-३७८ घ ।

देवाज्ञाभरण (पद्य)→सं० ०४-३७८ ङ ।

प्रबोधपारिजात (पद्य)→सं० ०४-३७८ च ।

विद्याविलास (पद्य)→सं० ०४-३७८ छ ।

शिवतत्वप्रकाश (पद्य)→सं० ०४-३७८ ज, झ ।

शंभुनाथ (द्विज) - (?)

प्रदोषव्रत कथा (पद्य)→सं० ०४-३७६ ।

शंभुनाथ (मिश्र) - ब्राह्मण । असोथर (फतेहपुर) निवासी । सुखदेव मिश्र के शिष्य । सं० १७८३-१८०७ के लगभग वर्तमान ।

अलंकारदीपक (गद्य)→०४-२७; ०६-२३३; १७-१६७ ।

भगवंतराययश-वर्णन (पद्य)→२०-१७२ बी ।

रसकल्लोल (पद्य)→१२-१६५; २०-१७२ ए ।

शंभुपचीसी (पद्य)—अधीन (भागीरथीप्रसाद) कृत । वि० शिव स्तुति । प्रा०—पं० रामदयाल, सतवाखेरा (रायबरेली) ।→२३-४६ ।

शकुंतला नाटक (पद्य)—नौकलराम (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०-पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२-५५।

शकुंतला नाटक (पद्य)—नेवाज कृत। र० का० सं० १७३७। वि० अभिज्ञानशाकुंतल का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—श्रीमद् मातंगध्वजनारायणसिंह, बिमगाँ (अलीगढ़)।→१७-१२६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-७५।

(ग) लि० का० सं० १९६३।

प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह, तालुकेदार, लखेदपुर (बहराइच)।→२३-३०३।

(घ) प्रा०—पं० महावीरप्रसाद चतुर्वेदी कान्यकुब्ज, अश्विनीकुमार का मंदिर, असनी (फतेहपुर)।→२०-१२०।

शकुंतला नाटक (गद्यपद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १९१८। लि० का० सं० १९२३। वि० अभिज्ञानशाकुंतल का अनुवाद।

प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, बरगाँव, डा० नेरी (लखीमपुर)।→२६-२५६।

शकुनकुसगुन-परीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शुभाशुभ लक्षणों की परीक्षा।

प्रा०—श्री गुप्ता पंडित, बहुराजपुर, डा० पुरवा (उन्नाव)। → २६-१०४ (पारि० ३)

शकुनज्योतिष (?) (पद्य)—हसन कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० शकुन।

प्रा०—श्री चंद्रिकाप्रसाद उपाध्याय, पंचपट्टी, डा० जगेसरगंज (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-४१२।

शकुनपरीक्षा (पद्य)—छत्रसाल (मिश्र) कृत। वि० पशु पक्षियों की बोली द्वारा शकुन विचारने की विधि।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२१ बी।

शकुनविचार (पद्य)—महादेव (जोशी) कृत। वि० शुभाशुभ शकुनों के फल।

प्रा०—पं० ख्यालीराम गर्ग, मीतपुरा, डा० फरिहा (मैनपुरी)।→३५-६०।

शकुनविचार (पद्य)—सीताराम कृत। र० का० सं० १८२७। वि० शकुन।

प्रा०—श्री देवीप्रसाद तिवारी, पाऊँ, डा० नायघाट (बस्ती)। → सं० ०४-४१२।

शकुनविचार (सगुनविचार)→'सगुनावली' (भड्डलि या भड्डरी कृत।

शकुनावली (पद्य)—गिरधर कृत। वि० शकुन।

प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, भाता (फतेहपुर)। → सं० ०१-७६।

शकुनावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शकुन।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-४७१।

शक्तधर—शुक्ल गोत्रीय ब्राह्मण। मुरादाबाद (उन्नाव) के निवासी। सं० १६४० के पूर्व वर्तमान।

रामायणमाहात्म्य (गद्यपद्य)→२६-३०२।

शक्तभक्तिप्रकाश (पद्य)—माधोराम कृत। वि० भगवत स्तुति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर→०२-४३।

शक्तिचिंतामणि (पद्य)—भावन (भवानीप्रसाद) कृत। र० का० सं० १८५१। वि० नवरस और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४-२६० ग।

(ख) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६-२८।

(ग) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक, 'समालोचक', लखनऊ।→२१-५२ सी।

(घ) लि० का सं० १६४४।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)।→ सं० ०४-२६० घ।

(ङ) लि० का० सं० १६४४

प्रा०—पं कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-५७।

शक्तिप्रभाकर (पद्य)—अन्य नाम 'अद्भुतरामायण'। गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १६१३। मु० का० सं० १६३६। वि० सीता और सहस्रवदन रावण का युद्ध।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाईस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१-८७ क।

शतपंचासिका→'सतपंचासिका' (रामचरणदास कृत)।

शतप्रश्नोत्तरी (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२६३ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०३-८३।

(ग) प्रा०—श्री महादेवसिंह, रजनपुर, डा० तिलोई (रायबरेली)।→ सं० ०४-२८६।

शतरंजशतिका (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० शतरंज खेल का वर्णन।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)। ०६-२७ ए; सं० ०४-२६१ अ।

शसंवत्सर फल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७६६। लि० का० सं० १७६६। वि० सौ वर्षों का ज्योतिषानुसार फल।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६–१०८ (परि० ३)।

शत्रुजीत—राजा रतनेश के भाई। बख्तेश के आश्रयदाता। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।→०६–७; पं० २२–१०।

शत्रुवंश कुठार (पद्य)—जानकीदास कृत। लि० का० सं० १९०८। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री रामसहाय मिश्र, बरौली, डा० गवरा (सुलतानपुर)।→सं० ०१–१२८।

शत्रुसंहार (पद्य)—जोखूराम (द्विज) कृत। वि० देवीस्तुति।
प्रा०—पं० गुरुप्रसाद मिश्र, हीरानगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।→सं० ०४–१३५ क।

शनिकथा (पद्य)—ऋषिकेश कृत। लि० का० सं० १९२६। वि० शनिदेवता की कथा।
प्रा०—पं० दीपचंद्र अध्यापक, भारतगली, फतेहपुरसीकरी (आगरा)।→३२–१६० बी।

शनिकथा (पद्य)—रामानंद कृत। र० का० सं० १८२३। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १९१५।
प्रा०—पं० नंदकिशोर, सेई, डा० छाता (मथुरा)।→३२–१८१ ए।
(ख) प्रा०—पं० प्रभुदयाल पुरोहित, अकबरा, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२-१८१ बी।

शनिचरित्र (पद्य)—बटुकनाथ कृत। लि० का० सं० १८७५। वि० विक्रम की कथा द्वारा शनि के शुभाशुभ फल एवं माहात्म्य वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२५१ क।

शनिपुराण (पद्य)- रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०३। वि० पौराणिक कथा।
प्रा०—पं० रामदेव तिवारी, पट्टी बरकतनगर, डा० नगराम (लखनऊ)।→२६–४७७।

शनिश्चर की कथा (पद्य)—जनौत कृत। लि० का० सं० १९२३। वि० शनि का माहात्म्य।
प्रा०—पं० रमणलाल, फरैह (मथुरा)।→३८–७०।

शनिश्चर की कथा (पद्य)—वृंदावन (जैन) कृत। र० का० सं० १७२६। लि० का० सं० १९१४। वि० शनि की कथा।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४–३७०।

शनिश्चर (देव) की कथा (पद्य)—जोरावरमल कृत। र० का० सं० १८२४। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, शाहपुर, डा० नेरी (सीतापुर) ।→२६-५१० ए।

(ख) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं०शिवदीन जोशी, पटरासा, डा० खैराबाद (सीतापुर) ।→२६-५१०बी ।

शब्द (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६०८ ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-३२ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—पं० मोतीराम, पलसों, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५-४६ टी ।

शब्द (पद्य)—खंगदास (खड्गदास) कृत । वि० निर्गुण ज्ञान तथा निर्गुणियों के मंत्रादि ।

प्रा०—लाला ब्रालाप्रसाद पटवारी, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-११५ सी ।

शब्द (पद्य)—गिरिवरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-८१ ।

शब्द (पद्य)—गुलालसाहब कृत । लि० का० सं० १८३८-१८४० (लगभग) । वि० ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५२ ख ।

शब्द (पद्य)—अन्य नाम 'शब्दों के मंगलाचरण' । चरणदास (स्वामी) कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।

(क) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—पं० गणपतिराम शर्मा, चुंगी दफ्तर के निकट, शाहदरा (दिल्ली) ।→दि० ३१-१८ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—बाबा विष्णुगिर, शिवनगर, डा० सहावर (एटा)→२६-६५ एम ।

(ग) प्रा०—पं० अमोल शर्मा, चंदनिया, रायबरेली ।→२३-७४ एच ।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-३८ डी ।

(ङ) प्रा०—महंत जगन्नाथदास कबीरपंथी, मऊ (छतरपुर) । →०६-१४७ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—बाबू चंद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ ।→२३-७४ आई ।

शब्द (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । लि० का० सं० १८७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४-१२३ ग ।

शब्द (पद्य)—देवकीनंदनसाहब कृत । वि० निर्गुण तथा सगुण भक्ति वर्णन ।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, मठ रामशाला, चिटबड़ागाँव (बलिया) ।→ ४१-१०७ ख, ग ।

शब्द (पद्य)—पहलवानदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६७५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सीतापुर) । → सं० ०४-२०४ ङ ।

शब्द (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । → सं० ०४-२०५ च ।

शब्द (गद्य)—रामचरण कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२-१७५ बी ।

शब्द (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० कबीरदास कृत शब्द की टीका ।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६-३२६ जी ।

शब्द (पद्य)—सहजोबाई कृत । वि० योगशास्त्र ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरान का रास्ता, जयपुर ।→००-१३१ ।

शब्द (दरियासाहब कृत) (पद्य)—दरियासाहब कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-५५ के ।

शब्द अखरावली बानी→'अखरावली' (महात्मा रामसेवक कृत) ।

शब्दअलहटुक (पद्य) —कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ ई ।

शब्द और साखी (पद्य)—केसौदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६०० (लगभग)। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६८८ ।

प्रा०—श्री रामकृष्ण, अहुरी, डा० शाहमऊ (रायबरेली) ।→३५-५३ ।

(ख) प्रा०—महंत महावीरदास, बाबा झामदास की कुटी, डा० जगेसर (सुलतानपुर) ।→सं० ०४-४६ ।

शब्दकहरा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-१०३ यू ।

शब्दकहरा (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—बाबा मैरूदास, रामकुटी (भीषमपुर), डा० जलेसर (एटा) ।→२६-६७ सी ।

शब्दकामनाबंद (पद्य)—प्राणदास कृत । वि० पुरुष और माया संबंधी विचार ।

प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य, माट (मथुरा) ।→२२-१६७ ए ।

शब्द का माहात्म्य या गीतामहातमु (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० । वि० गीता और उसके १८वें अध्याय का माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४१७ ।

शब्दकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पर्यायकोश ।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद बोहरे, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-२८८ ।

शब्दगुंजार (पद्य)—अचलदास कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० वेदांत ।
प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमंदिर, मसानीदेवी, डा० सआदतगंज (लखनऊ) । →२६-२ एफ ।

शब्दगुंजार (पद्य)—भगनदास कृत । लि० का० सं० १८८४ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत आज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०४-२५० ङ ।

शब्दग्रंथ-संत-महिमा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० ब्रह्म की महिमा ।
प्रा०—महंत श्री साधुशरण, ससना बहादुरपुरधाम, डा० बिल्थरारोड (बलिया) । →४१-२६३ ज ।

शब्दमूलना (पद्य)—प्रहलाददास कृत । र० का० सं० १८४० (लगभग) । वि० भक्ति और ज्ञान ।
(क) लि० का० सं० १६६० ।
प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) ।→३५-१ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१० ख ।

शब्दपारखी (पद्य)—ज्ञानी जी कृत । वि० भक्ति, ज्ञान आदि ।
(क) लि० का० सं० १८३६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-४८ ।
(ख) प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-२१० ।
(ग) प्रा०—पं० उजागरलाल, लुधियानी, डा० बकेवर (इटावा) ।→३८-७५ बी ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—जवाहिरपति कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१२० क ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—धरनीधर (धरनीदास) कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० राम महिमा, ज्ञान, भक्ति आदि ।
प्रा०—पं० ब्रजभूषण ओझा, तीर, डा० बोरहलगंज (गोरखपुर) ।→०६-७१ ।

शब्दप्रकाश (पद्य)—रामचरण कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) । →३२-१७५ डब्ल्यू ।
(ख) प्रा०—पं० पूरनमल, बैजुआ, डा० अरॉव (मैनपुरी) ।→३२-१७५ एक्स ।
(ग) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → ३२-१७५ वाई ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६५ झ ।

शब्दप्रथममंगलादि (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञान ।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद, फिठौत, डा० करहल (मैनपुरी) ।→३२-१०३ वी ।

शब्दभानी→'शब्दसागर' (अचलदास कृत)।

शब्दब्रह्मजिज्ञासु (पद्य)—गंगाराम कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० भक्ति।
प्रा०—लाला बैजनाथ, मेजा (इलाहाबाद)।→१७-६१।

शब्दमंगलआलम→'अखरावली' (महात्मा रामसेवकदास कृत)।

शब्द या चेतावनी (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबा सेवादास जी, गिरधारीसाहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ)। →सं० ०७-७४ ग।

शब्द या पद (पद्य)—साधू जी कृत। लि० का० सं० १७६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०८-१६१ ख।

शब्द या पद तथा साखी (पद्य)—नामदेव कृत। लि० का० सं० १७६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१०४ ग।

शब्द या बानी (पद्य)—गंगादास कृत। लि०का०सं० १६४३। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री जगदीशप्रसाद शर्मा राजगुरु, फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं० ०१-६६।

शब्दरत्नावली (पद्य)—प्रयागदास कृत। र० का० सं० १८६६। वि० 'अमरकोष' का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-८६ ए।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२२८।

शब्दरमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—लाला लालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१०३ एक्स।

शब्दरमैनी (पद्य)—खड्गदास कृत। वि० निर्गुण मतानुसार परमतत्व तथा अमरलोक की अलौकिकता का वर्णन।
प्रा०—मुंशी गौरीशंकर, सेमरा, डा० भदान (मैनपुरी)।→३५-५४ डी।

शब्दरसायन→'काव्यरसायन' (देव कृत)।

शब्द राग काफी और राग फगुआ (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ जी'।

शब्द राग गौरी और राग भैरव (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ एफ'।

शब्दराछरी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१०३ डब्ल्यू।

शब्दरेखता (पद्य)—खड्गदास कृत। वि० निर्गुणज्ञान।

(क) प्रा०—बख़शी अयाचरण, चतुर्वेदी पुस्तकालय के समीप, मैनपुरी।→ ३५-४५ बी।

(ख प्रा०—मुंशी गौरीशंकर, सेमरा, डा० भदान (मैनपुरी)।→१५-५४ सी।

शब्दरैदास कौ बाहु (पद्य)—धर्ममदास कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-५३।

शब्दलीला (पद्य)—दरियासाहब कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—साधु निरंजनदास, कुटी, भैरोपुर, डा० भीमापार बाजार (गाजीपुर)→ सं० ०१-१५१ क।

शब्दवंशावली (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७१४। वि० अध्यात्म।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७७ जी (विवरण अप्राप्त)

शब्दविष्णुपद (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सुदामा पांडेय, चतुरापुर, डा० भीमापार बाजार (गाजीपुर)। →सं० ०१-६६।

शब्द सतगुरु के (पद्य)—ठाकुरदास (ठाकुर) कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६० क।

शब्दसागर (पद्य)—अचलदास कृत। र० का० सं० १९०६। वि० वेदांत।

प्रा०—बाबा साहबदास, श्री गणेश मंदिर, मसानी देवी, डा० सआदतगंज (लखनऊ)।→२६-२ जी।

शब्दसागर (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का सं० १८१२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९२९।

प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, जदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। → २३-१७५ जी।

(ख) लि० का० सं० १९४०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २३-१७५ एच।

(ग) लि० का० सं० १९४०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६-१८७ सी।

(घ) लि० का० सं० १९६०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव कुटी, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)। → सं० ०४-१०५ ङ।

शब्दसागर (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० ज्ञान।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बोंड़ी (बहराइच) । →२६–४१५ डी ।

शब्दसागर (पद्य)—हजारीदास कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १६६७ । वि० निर्गुण भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) । → २६–१५० ।

शब्दसागर (पद्य)—विविध कवि (अग्रदास, रामनंद, कबीर, तुलसी, सूर आदि) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० निर्गुण सगुण भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१–४६६ (अप्र०) ।

शब्दसार (पद्य)—बुल्लासाहब कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा०—महंत त्रिवेनीशरण, पलटूदास का स्थान, अयोध्या । →२० २३ ।

शब्दसार-बानी (पद्य)—गंगादास कृत । वि० आत्मिक ज्ञान और विनय ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६–२५२ बी (विवरण अप्राप्त) ।

शब्दसुमिरन कौ मंत्र (पद्य)—खड्गदास कृत । वि० निर्गुण मतानुसार मूल शब्द के स्मरण का फल ।

प्रा०—बख्शी आद्याचरण जी, चतुर्वेदी पुस्तकालय के समीप, मैनपुरी । → ३५–५४ ई ।

शब्दसुमिरु (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । →३२–१०३ ए[२] ।

शब्दसुरति-संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०४–४६५ ।

शब्दस्तोत्र-विज्ञान (पद्य)—खड्गदास कृत । वि० ब्रह्म और शब्दादि की महत्ता ।

प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२-११५ बी ।

शब्दहोरी→'होरी ज्ञान की' (बाबा फकीरदास कृत) ।

शब्दालंकार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संस्कृत शब्दालंकार के अनुसार एक सौ आठ अलंकृत शब्दों के अर्थ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मकोट, अयोध्या । →१७–६६ (परि०३) ।

शब्दावली (पद्य)—अजबदास कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० ज्ञान और वैराग्य ।

प्रा०—ठा० शारदाबख्शसिंह, पनुहा, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६-५ सी ।

शब्दावली (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्मिक शिक्षा ।

(क) लि० का० सं० १८६१ ।

प्रा०—लाला रामनारायण, बिजावर । →०६–१७७ पी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ, छतरपुर । →०६–१७७ क्यू (विवरण अप्राप्त) ।

शब्दावली (पद्य)—खेमदास कृत । र० का० सं० १८३० । लि० का० सं० १९५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६-१९५ बी ।

शब्दावली (पद्य)—गोसाईंदास कृत । र० का० सं० १८०० । लि० का० सं० १९४० । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य आदि ।

प्रा०—महंत श्रीकृष्णदास, कमोली, डा० दरियाबाद (बाराबंकी) ।→२६-१५१ ।

शब्दावली (पद्य)—अन्य नाम 'एकाक्षरी' । तोंबरदास कृत । र० का० सं० १८८७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १९१२ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) । ०६-३१८ ।

(ख) लि० का० सं० १९३२ ।

प्रा०—पं० गणेशदत्त, मछली गाँव (गोंडा) ।→२०-१९५ ।

(ग) लि० का० सं० १९८५ ।

प्रा०—पं० त्रिभुनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६-४८३ ।

शब्दावली (पद्य)—नवलदास कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १९५७ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानी कटरा (बाराबंकी) । →सं० ०४–१८३ ठ ।

(ख) प्रा०—श्री चंद्रभानदास महंत, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) । →२६–२४६ ए ।

शब्दावली (पद्य)—नेवलसिंह कृत । लि० का० सं० १९८८ । वि० भक्ति और विनय ।

प्रा० – पं० परमेश्वरदत्त, ग्राम तथा डा० इन्हौंना (रायबरेली) ।→३५–७० बी ।

शब्दावली (पद्य)—भगनदास कृत । र०का०सं० १८८० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०७–१३६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०७–१३६ ग ।

शब्दावली (पद्य)—भीखासाहब कृत । र० का० सं० १७९२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का स्थान, अयोध्या । →२०–१८ ।

शब्दावली (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८५७। लि० का० सं० १९३८। वि० ज्ञान, वैराग्य, उपदेश आदि।
प्रा०—बाबा परागदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→३५–१४ एफ।

शब्दावली (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८३८। वि० ज्ञान।
प्रा०—महंत नारायणदास, धर्मे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→३५–१४ एन।

शब्दावली (पद्य)—विरंचगोसाईं (जनविरंच) कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२५२।

शब्दावली (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी)। लि० का० सं० १९३८ (संभवतः)। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत राजकिशोर, रतसंड (बलिया)।→४१–२६३ फ।

शब्दावली (पद्य)—संतदास (हजारीदास) कृत। लि० का० सं० १९४३। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)।→०६–२८१ ए।

शब्दावली (पद्य)—सिध्यादास कृत। र० का० सं० १८१०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९८१।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–४३७ बी।
(ख) लि० का० सं० १९८६।
प्रा०—श्री रतननारायण, जगदीशवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली)। → सं० ०४–४०६ घ।
(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरग्राम, डा० परवतपुर (सुलतानपुर)। → २३–३८६।
(घ) प्रा०—महंत गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजापत्तेपुर (रायबरेली)।→ सं० ०४–४०६ ङ।

शब्दावली (पद्य)—विविध कवि (कबीर तथा अष्टछाप के) वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग। → ४१–४६७ (अ०)।

शब्दावली→'नहछूनिर्गुन' (बाबा दूलनदास कृत)।
शब्दावली→'रामशब्दावली' (बाबा भामदास कृत)।
शब्दावली→'रामशब्दावली' (बाबा रामप्रसाद कृत)।
शब्दावली→'शब्द और साखी' (बाबा केसौदास कृत)।

शब्दावली और दोहावली (पद्य)—गुरुदत्तदास कृत। लि० का० सं० १९२७। वि० रामनाम की महिमा।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी 'विशारद', पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→२६-१५६ ।

शब्दों के मंगलाचरण→'शब्द' (स्वा० चरणदास कृत) ।

शमशेरबहादुरपाल—महुली राज्य (अयोध्या के पूर्व) के सूर्यवंशी राजा । पिता का नाम सर्फराज । संभवतः अहलाददास के आश्रयदाता । इनके वंशज अब महसों (बस्ती) में रहते हैं । सं० १८१४ के लगभग वर्तमान ।→सं० ०४-११ ।

शरणबंदगी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१४ । लि० का० सं० १६४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतान पुर) । → २६-१६२ आई ।

शरदनिशा (पद्य)—कृष्णाबाई (कृष्णदासि) कृत । वि० श्रीकृष्ण के रास का वर्णन ।

प्रा० – श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-५५ ।

शरीरभोग-सार गीता (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० ज्ञान वैराग्य ।

प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल, धूलामलीपुरा (बहराइच) ।→२३-३१४ डी ।

शशिधर (स्वामी)—नेपाल निवासी । मृत्यु सं० १८८२ । संभवतः गढ़वाल के पहाड़ी ब्राह्मण ।

ज्ञानदीप (पद्य)→१२-१७० बी ।

दोहा को पुस्तक (पद्य)→१२-१७० ए ।

योगप्रेमावली (पद्य)→१२-१७० डी ।

सच्चिदानंदलहरी (पद्य)→१२-१७० सी ।

शशिनाथ→'सोमनाथ' ('कृष्णलीलावली-पंचाध्यायी' आदि के रचयिता) ।

शांतरस वेदांत (पद्य)—निपटनिरंजन कृत । वि० वेदांत ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-३०६ ।

शांतशतक (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-५४ ।

(ख) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—महंत लखनलालशरण लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६-३२६ आई ।

(ग) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—कुटी मानिकपुर, गंगातट ।→२६-५०३ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद चौबे, चंद्रपुर, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६-५०३ बी ।

शांतिनाथपुराण→'शांतिपुराण' (सेवाराम कृत) ।

शांतिपर्व (पद्य)—गोपीनाथ कृत। र० का० १६ वीं शती का प्रारंभ। लि० का० सं० १६३३। वि० भारत शांति पर्व की कथा।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-१४६।

शांतिपुराण (पद्य)—सेवाराम (जैन) कृत। र० का० सं० १८६४। वि० जैन तीर्थंकर श्री शांतिनाथ का चरित्र।

(क) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-३८४।

(ख) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-४२५।

(ग) लि० का० सं० १६६२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१३६।

शाखोच्चार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विवाह के समय की शाखोच्चार परंपरा का वर्णन।

प्रा०—पं० नारंगीलाल, भदेसरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३५-२८६।

शारंगधर—सं० १६७२ के पूर्व वर्तमान।

भावशतक (पद्य)→सं० ०१-४११।

शारंगधर—कोई ब्राह्मण।

संगीतदीपिका (पद्य)→सं० ०१-४१०।

शारंगधर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०४। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजरीलाल वैद्य, फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-४८३।

शारंगधर (भाषा) (गद्यपद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, बख्तावरसिंह का पुरवा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३-१६६ डी (मध्यमखंड)।

(ख) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० खिलबलिया (बहराइच)।→ २३-१६६ एफ।

शारंगधरवैद्यक (गद्यपद्य)—बलवीर कृत। लि० का० सं० १६००। वि० वैद्यक।

प्रा०—पं० सहदेव शर्मा आयुर्वेदाचार्य, औषधालय, मनियर (बलिया)। → ४१-१५१।

शारंगधरसंहिता (प्रथम खंड) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—वैद्य गुलजारीलाल 'विशारद', फीरोजाबाद (आगरा)।→२६-४८५।

शारदास्तोत्र (पद्य)—हरिहरब्रह्म कृत । वि० शारदा की स्तुति ।
प्रा०—पं० गंगाप्रसाद पांडेय, अशोकपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) । → २६–१६६ ।

शार्गंधरसुधाकर (गद्यपद्य)—बैजनाथ (वैद्यनाथ) कृत । र० का० सं० १६२१ । वि० वैद्यक ।
(क) प्रा०—श्री विद्यार्थी सार्वजनिक पुस्तकालय, बछरावाँ (रायबरेली) । → सं० ०४–२४५ क ।
(ख) प्रा०—श्री श्यामनारायण पांडेय, रियासत, जगदीशपुर (बस्ती) । → सं० ०४–२४५ ख ।

शालिहोत्रप्रकाशिका→'शालिहोत्र' (श्रीधर कृत) ।

शालिग्राम (परमहंस)—रणजीत पुरवा के जमींदार की पत्नी निधिरानी के गुरु । १८वीं शताब्दी में वर्तमान ।
सद्‌गुरुविनय (पद्य)→२६–४१७ ।

शालिग्राम (वैश्य)—मुरादाबाद निवासी ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (गद्य)→२६-४१८ ए, बी ।

शालिग्राममाहात्म्य (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुधवली, डा० सरपतहा (जौनपुर) । → सं० ०४–१४८ ।

शालिभद्र को चौपाई (पद्य)—अन्य नाम 'शीलभद्रमहामुनि' चरित्र (शीलभद्रचरित्र) । जिनसिंह (जिनसूरसिंह) कृत । र० का० सं० १६७८ । वि० शालिभद्र का जीवन चरित्र ।
(क) प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली । → दि० ३१–४५ ।
(ख)→पं० २२–४८ ।

शालिहोत्र (गद्य)—अस्त्रपति रिसीमुर कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० शिवपूजनप्रसाद रईस, मिश्रजी की मठिया, डा० बैरिया (बलिया) । →४१–६ ।

शालिहोत्र (पद्य)—इच्छागिरि (गोसाईं) कृत । र० का० सं० १८४८ । लि० का० सं० १६४५ । वि० अश्व चिकित्सा ।
प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज (फतेहपुर) ।→०६–१२१ बी ।

शालिहोत्र (गद्य)—इच्छाराम (?) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७–७६ ।

शालिहोत्र (पद्य)—उत्तमदास (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–३४० बी (विवरण अप्राप्त) ।

शालिहोत्र (पद्य)—करताराम कृत । र० का० सं० १८५४ । वि० अश्वविद्या ।
(क) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—ठा० चंद्रभानसिंह, रतसड़ (बलिया) ।→४१–२२ क ।
(ख) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—श्री वशिष्ठ पांडेय, डहन, डा० सैदपुर (गाजीपुर) ।→सं० ०१–३४ ।
(ग) लि० का० सं० १६२६ ।
प्रा०—श्री भैया हनुमतप्रसादसिंह, रियासत अमदमा (बस्ती) । → सं० ०४–२६ ख ।
(घ) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२६ क ।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२२ ख ।
(च) प्रा०—पं० केदारनाथ शर्मा, पिरकौलिया, डा० चेतिया (बस्ती) । → सं० ०४–२६ ग ।
(छ) प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७–१३ ।

शालिहोत्र (पद्य)—गंजनसिंह कृत । र० का० सं० १८४० । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज (फतेहपुर) ।→०६–८६ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–७२ ।

शालिहोत्र (पद्य)—गुरुदीन (पांडेय) कृत । वि० शालिहोत्र ।
(क) लि० का० सन् १२८० साल ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–८८ ।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वतीप्रसाद उपाध्याय, खुदीकपुर टिडिहा, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–८४ क ।
(ग) प्रा०—श्री महावीरप्रसाद मिश्र, ठटा, डा० बीबीपुर (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–८४ ख ।

शालिहोत्र (पद्य)—जनार्दन (भट्ट) कृत । वि० हाथियों के रोगों की चिकित्सा ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२६७ सी (विवरण अप्राप्त) ।

शालिहोत्र—तनसुख (लाला) कृत । र० का० सं० १६२० । लि० का० सं० १६२० । वि० नाम से स्पष्ट ।→पं० २२–१११ ।

शालिहोत्र (पद्य)—अन्य नाम 'अश्वविनोद' । ताराचंद (चेतनिचंद) कृत । र० का० सं० १६१६ (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा०—लाला शिवदयाल, बरखेड़वा, डा० तड़ियावाँ (हरदोई) ।→२६-६६ ।

(ख) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—पुस्तकालय आर्यसमाज, घासमंडी, सीतापुर ।→२३-७७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—पं० शिवरतन, भज्जू का पुरवा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) । → २६-८० ए ।

(घ) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद मिश्र, गोपऊ, डा० किरावली (आगरा) । → ३२-२१४ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद पांडेय, हुसेनगंज (फतेहपुर) ।→०६-४६ ।

(च) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—श्री शिवचरण स्वामी आर्य, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा) । → ३२-२१४ ए ।

(छ) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—श्री शंकरप्रसादसिंह, खंडहर, डा० मुफ्तीगंज (जौनपुर) । → सं० ०१-१३८ ख ।

(ज) प्रा०—पं० देवकीनंदन, खनिया, डा० अलीगंजबाजार (सुलतानपुर) ।→ २३-७७ बी ।

(झ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-८० बी ।

(ञ) प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद । → ४१-४६६ (अप्र०) ।

(ट) प्रा०—लाल संकर्षणसिंह, सुंदरपुर, डा० बारा (इलाहाबाद) । → सं० ०१-१३८ क ।

शालिहोत्र (पद्य)—त्रिविक्रमसेन कृत । र० का० सं० १६६३ (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर विद्यार्थी, रामगोपाल का मंदिर, अयोध्या ।→२०-१६७ ।

(ख) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६-३२२ ।

(ग) प्रा०—पं० गंगासहाय बाजपेयी, अलीपुर (रायबरेली) ।→२३-४३० ।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'अश्वचिकित्सा' । दयानिधि कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा० - पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर ।→०९-६२ ।

(ख) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—भैया महीपतसिंह, पयागपुर, डा० पयागपुर (बहराइच) ।→२१-८६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९०५ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-८६ बी ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१५३ ।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—नकुल कृत । वि० अश्वचिकित्सा ।

(क) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१७९ क ।

(ख) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-३१४ ।

(ग) लि० का० सं० १९९३ ।

प्रा०—पं० श्यामलाल मिश्र, मेजा मथुरा की गली, मथुरा ।→०९-२०४ ।

(घ) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→०० ९९ ।

(ङ) प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुपवली, डा० सरपतहा (जौनपुर) ।→ →सं० ०४ १७९ ख ।

शालिहोत्र (पद्य)—निधान (सुकवि) कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० अश्व चिकित्सा ।

(क) लि० का० सं० १८१२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-३३४ ।

(ख) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—ठा० ललिताबख्शसिंह, तालुकेदार, नीलगाँव (सीतापुर) । → १२-१२४ ।

(ग) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—ठा० उदरेजसिंह, उमरा, डा० सैफाबाद (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-१९३ ।

(घ) लि० का० सं० १९०० ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-३०४ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १९०३ ।

प्रा०—श्री चंडीप्रसाद, पैंड़िया, डा० चिताही (बस्ती) ।→सं० ०७-१०९ ।

(च) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—भैया महिपालसिंह, पयागपुर (बहराइच) ।→२३-३०४ बी ।

शालिहोत्र (पद्य)—पाठकदास (द्विज) कृत। र० का० सं० १८३१। लि० का० सं० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-३१३।

शालिहोत्र (पद्य)—पृथ्वीराज (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १९०१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-९४।
(एक अन्य प्रति श्री बिहारी चौबे, पन्ना के पास है।)

शालिहोत्र (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। लि० का० सं० १९२३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-१३५ (विवरण अप्राप्त)।

शालिहोत्र (पद्य)—मणिराम (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १९३५। वि० नाम से स्पष्ट
प्रा०—श्री मन्नू मिश्र, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-२६८।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—मानसिंह (अवस्थी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०६-७३।
(ख) लि० का सं० १९०५।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-२६३।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १८९४। लि० का० सं० १९५१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० माताप्रसाद दूबे, चंदनपारा (इलाहाबाद)।→२०-१६१।

शालिहोत्र (पद्य)—रामदया कृत। वि० अश्वविद्या।
(क) प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह रईस तालुकेदार, अगनेश, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर)।→२३-३४२ जी।
(ख) प्रा०—ठा० महादेव वैद्य, मलिकमऊ चौबारा (रायबरेली)। → सं० ०४-१३०।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)—शिवदास (राय) कृत। वि० हाथियों की चिकित्सा।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-१०८।

शालिहोत्र (पद्य)—श्रीधर कृत। र० का० सं० १८९६। वि० अश्वविद्या।
(क) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—ठा० दुर्गासिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४०१ ए।
(ख) लि० का० सं० १९२७।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। → २६-४५५ ए।
(ग) लि० का० सं० १९३९।

प्रा०—ठा० उमरावसिंह, संडीला, डा० मछरहट्टा (सीतापुर) ।→२६–४५५ बी ।

(घ) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर) ।→१२–१७७ ए ।

(ङ) प्रा०—टैगोर पुस्तकालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । → सं० ०४–४१८ ।

शालिहोत्र (पद्य)—सहदेव (?) कृत । वि० अश्वचिकित्सा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२८० ।

शालिहोत्र (पद्य)—हुलास (पाठक) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६–१८३ ए ।

(ख) प्रा०—पं० शिवकुमार ओझा, व्याकरणाचार्य (धर्मसंघ सभा प्रचारक), ओझोली, डा० बरहलगंज बाजार (गोरखपुर) ।→सं० ०१–४६२ ।

शालिहोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर, नौगवाँ (आगरा) ।→२६–४७३ ।

शालिहोत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—मुं० झिंगामल, सिठौली, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६–४७२ ।

शालिहोत्र (घोरान की वैदगई) (गद्य)—सादिक कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० अश्वचिकित्सा ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४४६ ।

शालिहोत्रप्रकाश→'शालिहोत्र' (गंजनसिंह कृत) ।

शालिहोत्रप्रकाशिका→'शालिहोत्र' (श्रीधर कृत) ।

शास्त्रार्थ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्वामी दयानंद सरस्वती और काशी के पंडितों का शास्त्रार्थ ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) । → १७–८० (परि० ३) ।

शाहआलम—दिल्ली के मुगल बादशाह शाहआलम (बहादुरशाह प्रथम) के प्रपौत्र । हरिलाल मिश्र के आश्रयदाता । सं० १८१६ से १८६३ तक वर्तमान । → ०२–२८; ०६–२६: ०६–११३ ।

शाह जू (पंडित)—ब्राह्मण । ओड़छा (बुंदेलखंड) निवासी । दीवान राजसिंह के पुत्र कुँवर लक्ष्मणसिंह के आश्रित । सं० १७६४ के लगभग वर्तमान ।

बुंदेलवंशावली (पद्य)→०६–१०७ बी ।

लक्ष्मणसिंहप्रकाश (पद्य)→०६–१०७ ए ।

शाहनामा (गद्य)—मिश्र (?) कृत । वि० राजा युधिष्ठिर के समय से बादशाह शाह आलम तक के सम्राटों की वंशावली ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१११ ।

शाहफकीर→'फकीरशाह' (यारी साहब के शिष्य) ।

शाहफकीर के शिष्य (पद्य)—शकीरशाह कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१४६ ।

शाह मीराँ जी—(?)

शाहीदतुल तहकीक (पद्य)→४१-२०१ ।

शाहीदतुल तहकीक (पद्य)—शाह मीराँ जी कृत । वि० सूफी सिद्धांत ।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, १३, चैथम लाइन, इलाहाबाद ।→४१-२०१ ।

शिक्षा (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री रसिकेंद्र, कालपी (हमीरपुर) ।→२०–४ सी ।

शिक्षाककाबत्तीसी (पद्य)—श्रीधर (गौड़) कृत । वि० उपदेश ।

(क) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । →२६–४५४ ई ।

(ख) प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६–४५४ डी ।

शिक्षापत्र (गद्य)—हरिराय कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० कृष्णोपासना की शिक्षा ।

प्रा०—श्री जमुनालाल चौबे, घंटाघर, अलीगढ़ ।→२९–१४५ ।

शिक्षापत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पुष्टिमार्गीय वैष्णवों के लिये गोस्वामी गोकुलनाथ की शिक्षा ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामबन, भरतपुर ।→१७–९२ (परि०३) ।

शिक्षापत्र टीका (गद्य)—अन्य नाम 'इकतालीस शिक्षापत्र टीका' । गोपेश्वर कृत । वि० पुष्टिमार्ग की विवेचना (हरिराय के गोपेश्वर के नाम भेजे गए इकतालीस पत्रों की व्याख्या) ।

(क) लि० का० सं० १८८९ ।

प्रा०—पं० ग्यारसीराम पटवारी, कुम्हेर (भरतपुर) ।→३८–५३ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९१९ ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, मथुरा ।→३५–२९ बी ।

(ग) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामबन, भरतपुर । → १७–८८ (परि०३) ।

(घ) प्रा०—श्री अमोलकराम, मोसेरस, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–२९ ए ।

(ङ) प्रा०—पं० जमनाप्रसाद इमलीवाले, गोकुल (मथुरा) ।→३५–२९ सी ।

(च) प्रा०—पं० मथुराप्रसाद, जतीपुरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । → ३८–५३ बी ।

टि० खो० वि० १७-८८ (परि०३) के हस्तलेख को भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है ।

शिक्षापत्री (पद्य)—सहजानंद कृत । र० का० सं० १८८२ । वि० उपदेश ।

प्रा०—श्री राजधर चपरासी, भार्गवबैंक, भैरोंबाजार, आगरा ।→३२-१६४ ।

शिक्षाप्रकाश (पद्य)—चरणदास कृत । र० का० सं० १८१० । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३७ ए ।

शिक्षाबत्तीसी (पद्य)—अजीतसिंह (मेहता) कृत । र० का० सं० १६१८ । वि० उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ़) । → २६-५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०— लाला रतनलाल, मोहारी, सदारपुर (सीतापुर) ।→२६-६ ए ।

(ग) प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, भगवाबाँ, डा० बंथर (उन्नाव) ।→२६-६ बी ।

(घ) प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर(खीरी) ।→२६-६सी ।

(ङ) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । →२६-६ डी ।

(च) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, जसरथपुर, डा० फीरोजाबाद (आगरा) । → →२६-५ बी ।

शिक्षामृत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वल्लभ संप्रदायांतर्गत पाँच प्रकार की भक्तियों का वर्णन ।

प्रा०—पं० रामकिशनदास, दाऊजी का मंदिर, कालीदह, वृंदावन (मथुरा) ।→ १५-३०६ ।

शिक्षाशतार्द्ध (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० भैरवप्रसाद गौड़, भगवंतपुर, डा० मेंड (अलीगढ़) ।→२६-४६६ ।

शिक्षाशतार्ध (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२५ । वि० उपदेश ।

प्रा०—पं० राजाराम, नरहा (सीतापुर) ।→२६ ११६ (परि०३) ।

शिखनख (पद्य)—जवाहिरराय कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-८४ सी ।

शिखनख (पद्य)—रसरूप कृत । वि० राधा जी का नखशिख ।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०५-७६ ।

शिखनख (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—गो० श्रीकृष्णलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→०६-३०७ सी ।

शिखनख (पद्य)—हनुमान कृत । वि० शृंगार ।

(क) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, बघेशगंज, रायबरेली ।→२३-१४७ ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०१-४७६ क ।

(ग) प्रा०—श्री केदारनाथ अवस्थी, रामनाथखेड़ा, डा० बिहार (उन्नाव) । →सं० ०४-१२८ ।

शिखनख→'नखशिख' (गुलामनबी उप० 'रसलीन' कृत) ।

शिखनख टीका→'नखशिख सटीक' (मणिराम कृत) ।

शिखनख दर्पण (पद्य)—गोपाललाल कृत । र० का० सं० १८२९ । लि० का० सं० १९५६ । वि० बलभद्र कृत 'नखशिख' की टीका ।

प्रा०—लाला हीरालाल, चौकीनवीस, चरखारी ।→०६-४० ए ।

शिखनख वर्णन→ नखशिख' (बलभद्र कृत) ।

शिखनख वर्णन→'नखशिख राधाजी को' (चंदन कृत) ।

शिखरमाहात्म्य (पद्य)—मनशुद्धसागर (जैन) कृत । र० का० सं० १८४५ (?) । वि० समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४–२८१ ख ।

(ख) लि० का० सं० १९०२ ।

प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० ०४–२८१ ग ।

(ग) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२६४ ।

शिरोमणि (जैन)—सं० १७५१ के लगभग वर्तमान ।

धर्मसार (पद्य)→३२–२०० ।

शिरोमणि (मिश्र)—माथुर ब्राह्मण । शाहजहाँ बादशाह के आश्रित । इनके पितामह परमानंद (शतावधानी) और पिता मोहन क्रमशः बादशाह अकबर और जहाँगीर के आश्रय में रहते थे । सं० १६९७ के लगभग वर्तमान ।

उरबसीनाममाला (पद्य)→०६–२३५; २०–१७८; सं० ०१–४१२ ।

शिरोमनिदास—जैन मतावलंबी । भट्टारक सकलकीर्ति के शिष्य । सं० १७५१ के लगभग वर्तमान ।

धर्मसार (पद्य)→सं० ०४–१८० ।

शिल्पशास्त्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात (विश्वकर्मा ?) । लि० का० सं० १९४७ । वि० शिल्प विद्या ।

प्रा०—श्री बाबूराम मिस्त्री, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१७७ ।

शिल्पशास्त्र भाषा टीका तथा राजवल्लभे वास्तुशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० राधेश्याम ज्योतिषी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२-२८१ ।

शिल्पसार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात (विश्वकर्मा ?) । लि० का० सं० १९४७ । वि० शिल्प विद्या ।

प्रा०—श्री बाबूराम मिस्त्री, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१७८ ।

शिव—असनी (फतेहपुर) निवासी ब्राह्मण । मृत्यु सं० ११०५ ।

भँडुवा (पद्य)→२०-१८० ।

शिव—(?)

अवतारचरित्र (पद्य)→सं० ०४-३८१ ।

शिव (कवि)—भाट । संभवतः पयागपुर (बहराइच) निवासी । जुलफिकार खाँ के आश्रित । सं० १८०० के लगभग वर्तमान ।→०४-२० ।

पिंगलछंदोबोध (पद्य)→२३-३९१ ।

शिव (कवि)—ग्वालियर नरेश महाराज दौलतराव सिंधिया के आश्रित । सं० १८५७ के लगभग वर्तमान ।

बागविलास (पद्य)→०६-२३६ ।

शिवअंबिका स्तोत्र (पद्य)—ईश कृत । वि० शिव पार्वती की स्तुति ।

प्रा०—श्री शिवकुमार ओझा, ओझौली, डा० बरहलगंज बाजार (गोरखपुर) ।→सं० ०१-२० ।

शिवगीता (भाषार्थ) (पद्य)—जयकृष्ण कृत । र० का० सं० १८२४ । वि० शिव जी की महिमा ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६१ ।

शिवगुलाम—बंथर (उन्नाव) निवासी ।

शृंगारसार (पद्य)→२६-४१० ।

शिवगुलाम (मिश्र)—पाली (हरदोई) के निवासी । राखन के आश्रयदाता ।→१२-१४२ ।

शिवगोपाल—दिल्ली निवासी । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।

औषधियूनानीसार (गद्य)→२६-३०१ ।

शिवचंद (सेवक)—विविध कवि कृत 'शंकरपचीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२-७? (ग्यारह) ।

शिवजीअष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२७ । वि० स्तोत्र ।

प्रा०-श्री श्यामसुंदर अग्रवाल, जगनेर (आगरा) ।→२९-५०२ ।

शिवजी की विनती (पद्य)—जयलाल कृत । लि० का० सं० १९२४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला रामभरोसे, खड़की खेड़ा, चमयानी (उन्नाव) ।→२६-२४० सी ।

शिवदहलसिंह (ठाकुर)—गर्ग गोत्रीय । ये अपने को सुमंत (महाराज दशरथ के मंत्री)

के पुत्र का वंशज बतलाते हैं। इनके विष्णुप्रसादसिंह और ठा० भागीरथीसिंह नाम के दो मित्र थे।

राधाष्टक (पद्य)→सं० ०१-४१३।

शिवतत्वप्रकाश (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८०७। वि० शिवदुर्गा भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरासंसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)। →सं० ०४-३७८ झ।

(ख) मु० का० सं० १६३८।

प्रा०—पं० गोमतीप्रसाद, विशुनपुरा, कप्तानगंज (बस्ती)।→सं० ०४-३७८ ज।

शिवदत्त (त्रिपाठी)—ब्राह्मण। वनउधदेश (संभवतः प्रयाग में) के अंतर्गत पटीपुर के राजा जबरेससिंह के आश्रित।

दशकुमारचरित (पद्य)→सं० ०१-४१४।

शिवदत्त (मिश्र)—सनाढ्य ब्राह्मण। काशी निवासी। अनंतर सादाबाद में रहने लगे थे।

सर्वसंग्रहवैद्यक (भाषा) (गद्य)→३२-२०२।

शिवदत्त रामप्रसाद—सं० १६२६ के लगभग वर्तमान।

ज्ञान की बारहमासी (पद्य)→२६-४४३ डी, ई।

ब्रह्मावर्तमाहात्म्य (पद्य)→२६-४४३ ए, बी, सी।

शिवदयाल—माली। दुर्गाकुंड (काशी) निवासी। इन्होंने श्यामाबेटी जी की आज्ञा से यह रचना की थी। सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान।

गोपाललालजी काशी पधारे सो प्रकार (गद्य)→४१-२६२।

शिवदयाल—खत्री। प्रयाग निवासी। नारायणदास के पुत्र। सं० १८६३ के लगभग वर्तमान।

शिवप्रकाश (पद्य)→०६-२६३ बी।

सिद्धसागरतंत्र (पद्य)→०६-२६३ ए।

शिवदयाल जलालाबाद (फर्रुखाबाद) निवासी। सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।

राधाजी की बारहमासी (पद्य)→२६-४४४।

शिवदानसिंह—कहीं के राजकुमार। मंगल मिश्र के आश्रयदाता। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान→०६-१८८।

शिवदास—संभवतः पश्चिमी राजस्थान के निवासी।

देवीचरित्र (अनु०) (पद्य)→सं० ०१-४१५।

शिवदास—(?)

अलंकारशृंगार (टीका सहित) (गद्यपद्य)→सं० ०४-३८२।

शिवदास→'हजारीदास' ('कायाविलास' आदि के रचयिता)।

शिवदास (राय)—भाट। अकबरपुर (कानपुर निवासी। दतिया नरेश दलपतिराव के आश्रित। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।
लोकउक्तिरसउक्ति (पद्य)→०६–२४१; २०–१८१।
शालिहोत्र (गद्यपद्य)→०६–१०८।
सरसरस (पद्य)→०६–३१४ बी।

शिवदास गदाधर—ब्राह्मण। समोगरा (बलरामपुर, गोंडा) के निवासी। रामदीन के पुत्र। राजा दिग्विजयसिंह (बलरामपुर, गोंडा के राजा) के आश्रित। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।
दिग्विजैचंपू (पद्य)→सं० ०१–४१६।

शिवदीन--बिलग्राम निवासी। सं० १६०१ के लगभग वर्तमान।
कृष्णदत्तरासा (पद्य)→२३–३६०।

शिवदीनदास--गंगापुर ग्राम (प्रतापगढ़) के निवासी। सं० १८६१ के पूर्व वर्तमान।
ज्ञानकवित्त (पद्य)→सं० ०४–३८३ क।
पद (पद्य)→सं० ०४–३८३ ख।
राधाकृष्ण-विहार-कुंज-कल्पलतिका (पद्य)→२६–४४५।

शिवनरेशसिंह—जगतापुर ग्राम (बहराइच) के निवासी। पिता का नाम विजयसिंह। पितामह का नाम मंगसिंह। रैकवार क्षत्रिय। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।
कविकुलकुमुदकलाधर (पद्य)→सं० ०४–३८४।

शिवनाथ—नरहरि महापात्र के वंशज। ब्रजवेश के पिता। असनी (फतेहपुर) निवासी। रीवाँ नरेश महाराज जयसिंह और विश्वनाथसिंह के आश्रित। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।→२०–३।
रायसा या रासो (पद्य)→२०–१८२।
वंशावली (पद्य)→०१–१०६।
विक्रमबत्तीसी (पद्य)→२३–३६२।

शिवनाथ—भैया बहादुरसिंह (बलरामपुर) के आश्रित। सं० १८५४ के लगभग वर्तमान।
बहादुरसिंह (भैया) का रासा (पद्य)→२०–१८३।

शिवनाथ (द्विवेदी)—कुशलसिंह के आश्रित। सं० १८२८-१८४६ के लगभग वर्तमान। संभवतः आश्रयदाता के साथ मिलकर ग्रंथ की रचना की थी।
नखशिख (पद्य)→०६–१६१।
रसरंजन (पद्य) →२३–३६३ बी; २६–४४६ ए से ई तक; २६–३११; ४१–५१४ (अप्र०)।
रसवृष्टि (पद्य)→२३–३६३ ए; पं० २२–१००।

शिवनारायण (स्वामी)—राजपूत। बाघराय के पुत्र। दुलहरन के शिष्य। शिव-खो० सं० वि० ५८ (११००–६४)

नारायणी पंथ के प्रवर्तक। इनके पूर्वज कन्नौज से चंदवार (बलिया) आए थे। वहीं आपका जन्म हुआ। स्वस्थापित ससना नामक गाँव में ससनाधाम नाम से इनकी समाधि बनी है। कविता काल सं० १७६१-१८११।

गुरुअन्यास कथा (पद्य)→४१-२६३ क, ख।

टीका (पद्य)→४१-२६३ ग।

नामरहित ग्रंथ (पद्य)→४१-२६३ छ।

बानी (पद्य)→४१-२६३ घ।

रूपसरी (पद्य)→४१-२६३ ङ।

लव (पद्य)→४१-२६३ च।

शब्दग्रंथ संत महिमा (पद्य)→४१-२६३ ज।

शब्दावली (पद्य)→४१-२६३ झ।

संतउपदेश (पद्य)→०६-२६४ ई: २६-४४८।

संतपरवाना (पद्य)→०६ २६४ डी।

संतवाणी (पद्य)→सं० ०४-३८५।

संतविचार (पद्य)→०६-२६४ सी।

संतविलास (पद्य)→०६-२८४ बी।

संतबोजन (गद्य)→४१-२६३ ञ।

संतसुंदर (पद्य)→०६-२६४ ए।

संतसरन (पद्य)→३५-६३।

संताखरी (पद्य)→४१-२६३ ट।

हुकुमनामा (पद्य)→४१-२६३ ठ।

शिवपच्चीसी (पद्य)—बनारसी कृत। र० का० सं० १७५०। लि० का० सं० १८८०। वि० शिव का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, बिलारा, डा० बिसावर (मथुरा)।→३५-१० बी।

शिवपार्वती-विवाह (पद्य)—अन्य नाम 'शिवविवाह कवितावली'। रामऔतार कृत। र० का० सं० १९१९। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १९४१।

प्रा०—पं० हरस्वरूप, सुघरवा, डा० शाहजनपुर (हरदोई)।→२९-२८६ ए।

(ख) लि० का० सं० १९४९।

प्रा०—श्री शिवलाल शर्मा, प्रधानाध्यापक, धूमरी, डा० सरौढ़ (एटा)। → २९-२८६ बी।

शिवपार्वती-संवाद (पद्य)—भोलानाथ कृत। वि० रामविजय के संबंध में शिव पार्वती का संवाद।

प्रा० - ठा० खेजनबसिंह, सिकंदराराव (अलीगढ़)।→२६-४७ ए।

शिवपुराण (पद्य)—महानंद (वाजपेयी) कृत। र० का० सं० १६२६ से पूर्व। वि० शिवपुराण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १६२७।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-२५२ ए। (पूर्वार्द्ध)।
(ख) लि० का० सं० १६२८।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-२५२ बी। (उत्तरार्द्ध)।

शिवपुराण (भाषा) (गद्य)—प्यारेलाल (कश्मीरी) कृत। वि० शिवमाहात्म्य।
(क) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—पं० श्रीराम शास्त्री, रुद्रपुर, डा० नौखेड़ा (एटा)।→२६-२७६ बी।
(ख) प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद मिश्र, एटा।→२६-२७६ सी।

शिवप्रकाश—डुमरौंव के राजा जयप्रकाश के छोटे भाई। सुप्रसिद्ध राजा भोज के वंशज।
रामतत्वबोधिनी टीका (गद्य)→सं० ०४-३८६।

शिवप्रकाश (पद्य)—शिवदयाल कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६४०। वि० वैद्यक।
प्रा०—बाबू सोहनलाल जैन, त्रिपोलिया (इलाहाबाद)।→०६-२६३ बी।

शिवप्रसन्नसिंह—होलागढ़ (इलाहाबाद) के राजा महरवानसिंह के पुत्र। देवीदत्त शुक्ल (धीर) के आश्रयदाता।→सं० ०१-१६३।

शिवप्रसाद—कायस्थ। ढिंगवस (प्रतापगढ़) के राजा महिपालसिंह और भिनगा नरेश शिवसिंह के आश्रित। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।
अमरकोष (भाषा) (पद्य)→२३-३६४ ए; २३-३६७ ए, बी।
छंदसार पिंगल (पद्य)→१६-४५०; ३८-१४३।
टेकचरित्र (पद्य)→१७-१७१; सं० ०४-३८८।
वैद्यजीवन (भाषा) (पद्य)→२३-३६४ बी।

शिवप्रसाद—भगरौगहे (लखनऊ से ग्यारह कोस पूर्व) ग्राम के निवासी। किसी रामबक्स नामक सूर्यवंशी क्षत्रिय के आश्रित।
जयदायक (समरसार) (पद्य)→सं० ०४-३८७।

शिवप्रसाद—ब्राह्मण। राजाराम के पुत्र। इनके पितामह बीकानेर में दीवान थे। सं० १८३० के लगभग वर्तमान।
अद्भुतरामायण (पद्य)→०६-२६५।

शिवप्रसाद (महंत)—सरैया (बहराइच) निवासी। सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान।
ककहरा (पद्य)→२३-३६५।

शिवप्रसाद (राय)—कायस्थ। दतिया निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान। ये दतिया के राजा परीक्षित की ओर से बाँदा में वकील थे।
रसभूषण (पद्य)→०६-१०६।

शिवप्रसाद(सितारेहिंद)—सं० १८८० में जन्म। बाबू गोपीचंद के पुत्र। राय डालचंद तथा

रत्नकुँवरि के पौत्र। भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र के विद्यागुरु। संस्कृत, हिंदी, अरबी, फारसी, अंग्रेजी और बंगला के अच्छे ज्ञाता। इन्होंने सं० १६०२ के सिख युद्ध में अंग्रेजों की बड़ी सहायता की थी। साहित्य से विशेष रुचि होने के कारण सरकार ने इन्हें विद्यालय निरीक्षक नियुक्त किया था। विद्यालयों में हिंदी का प्रचार बढ़ाने और शिक्षा विषयक ग्रंथों की पूर्ति के उद्देश्य से इन्होंने अनेक विषयों पर ३५ पुस्तकें लिखी। सं० १६४४ में 'राजा' की पदवी प्राप्त की। काशी में सं० १६५२ में मृत्यु।→०६–१६५; ०६–२६७; २३–३५६।

मनुधर्म-सार (गद्य)→२६–३१२।

शिवप्रसादसिंह—खानीपुर (लखनऊ) निवासी।

संग्रह (पद्य)→२६–४५१।

शिवबख्शराय—बाँगड़मऊ (हरदोई) के खत्री। नानकचंद के पुत्र। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।

पवनपरीक्षा (पद्य)→२६–४४२; ४१–२६५।

रामायणशृंगार (पद्य)→१२–१७५।

शिवबक्ससिंह—सोमवंशी क्षत्री। समोगरा (प्रयाग) के निवासी। देवीबक्ससिंह के पुत्र। इनके वंशज अभी तक उक्त गाँव में रहते हैं। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

कुंडलिया (पद्य)→सं० ०१–४१७ क।

राधेहरि-मिलन मनमई (पद्य)→सं० ०१–४१७ ख।

शिवभोग—(?)

लोगतारिका (पद्य)→३२–२०१।

शिवमहिम्न (पद्य)—दयाल (कवि) कृत। वि० संस्कृत के महिम्नस्तोत्र का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–६६।

शिवमाहात्म्य (भाषा) (पद्य)—जयकृष्ण कृत। र० का० सं० १८२५। लि० का० सं० १८५८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८६।

शिवमुकुंद→'मुकुंद' ('गंगापुरान' के रचयिता)।

शिवरत्न (मिश्र)—सं० १८५६ के लगभग वर्तमान।

बैतालपचीसी (पद्य)→२६–३१४।

शिवराज (महापात्र)—महापात्र कविराज के पुत्र सदानंद और उनके (सदानंद) पुत्र सुखलाल के वंशज। संभवतः गुरु का नाम मुनिभट्टमयूर। रामपुर के राजा बैरिसाल के आश्रित। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

कृष्णविलास (पद्य)→२३–३६६; सं० ०४–३८६ क।

रससागर (पद्य)→सं० ०४–३८६ ख।

शिवराजभूषण (पद्य)—भूषण कृत । र० का० सं० १७३० । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—पं० रामभरोसे 'विशारद', मानोपुर, इटौंजा (लखनऊ)। → २६-४७ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६०२ ।
प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३-६१ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक', लखनऊ ।→२३-६१ बी ।
(घ) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-६७ बी ।
(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-५८ ।
(च) प्रा०—श्री चतुर्भुजसहाय वर्मा, वाराणसी ।→१२-२४ ।

शिवराजभूषण के कवित्त→'शिवराजभूषण' (भूषण कृत) ।

शिवराम—भरतपुर नरेश सवाई प्रतापसिंह के आश्रित । सं० १८४७ के लगभग वर्तमान ।
प्रेमपचीसी (पद्य)→१७-१७६ ।

शिवराम—(?)
हिकमतलक्षणावली→पं० २२-१०१ ।

शिवराम—(?)
कवित्त (पद्य)→४१-२६४ ।

शिवराम(भट्ट)—ओड़छा नरेश विक्रमाजीत (लघुजन) के आश्रित । सं० १८४७ के लगभग वर्तमान ।
विक्रमविलास (पद्य)→०६-११० ।

शिवराम (शास्त्री)—संभवतः सं० १६२७ के लगभग वर्तमान ।
वैद्यकसंग्रह (गद्य)→२६-३१३ ए, बी ।

शिवराम (स्वामी)—कायस्थ । कारों (बलिया) निवासी । जन्मकाल सं० १७३७ । वैष्णव संप्रदाय के महात्मा । प्रसिद्ध औघड़पंथी कीनाराम के गुरु ।
भक्तिजयमाल (पद्य)→०६-२६६; ४१-२६६; सं० ०१-४१८ ।

शिवरीमंगल (पद्य)—तुलसीदास (?) और रामदास कृत । वि० शिवरी का राम प्रेम ।
प्रा०—ठा० विष्णुसिंह, उखाँड़, डा० भदान (मैनपुरी) ।→३२-२२१ डी ।

शिवलाल—(?)
भक्तविरुदावली (पद्य)→३५-६२ ए, बी ।

शिवलाल (पाठक)—इनके एक शिष्य ने 'रामचरितमानसमुक्तावली' की रचना की थी । सं० १८७५ के लगभग वर्तमान ।→०३-१० ।

अभिप्रायदीपक (पद्य)→०४-११२; २६-४४६ ।

मानसमयंक (पद्य)→०४-११३ ।

शिवविनयपचीसी (पद्य)—आतम (कवि) कृत । वि० शिव स्तुति ।

प्रा०—बाबू नानकप्रसाद, हरदासपुर (रायबरेली) ।→२३-२२ ।

शिवविनोद (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १९२६ । लि० का० सं० १९२६ । वि० शिवस्तुति ।

प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, फाजिलनगर, डा० बिल्हौर (कानपुर)। → २६-१५३ बी ।

शिवविलास (पद्य)—गोवर्द्धनधर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १९२४ । लि० का० सं० १९२५ । वि० 'काशीखंड' के सोलह अध्यायों का अनुवाद ।

प्रा०—पं० शिवदत्त मिश्र, फाजिलनगर, डा० बिल्हौर (कानपुर)। → २६-१५३ ए ।

शिवविवाह कवितावली→'शिवपार्वती-विवाह' (रामऔतार कृत) ।

शिवव्रत कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शिवजी के व्रत करने की कथा और उसका विधान ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७ ६१ (परि० ३) ।

शिवशक्ति रमल विचार→'रमलप्रश्न' (भगवानदास कृत) ।

शिवसई (पद्य)—हरिदत्त कृत । र० का० सं० १९०९ । लि० का० सं० १९०९ । वि० शिव की स्तुति ।

प्रा०—ठा० मौलाबक्शसिंह रईस, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ २३-१५७ ।

शिवसगुणविलास (पद्य)—देवनाथ कृत । र० का० सं० १८४० । लि० का० सं० १९०२ । वि० व्यापार परीक्षा, रोगपरीक्षा, चौरप्रश्न, संग्राम प्रश्न आदि का वर्णन ।

प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह रईस, डा० सिसइया (बहराइच) ।→२३-९१ ।

शिवसागर (पद्य)—दलेलसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १७५७ । वि० ब्रह्मवैवर्त-पुराण के आधार पर सृष्टि निरूपण और देव चरित्र वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८१६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०० च ।

(ख) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—पं० देवीदत्त शुक्ल, संपादक, 'सरस्वती', प्रयाग ।→४१-१०० छ ।

(ग) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—परिवर्तन पुस्तकालय, जमनीपुर, डा० हनुमानगंज (इलाहाबाद)। → २०-१२ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०० अ ।

(ङ) प्रा०—पं० रामनाथ, गोवर्धनसराय, वाराणसी ।→२०-३२ ए ।

शिवसिंह—भिनगा राजकुल के रईस । उमरावसिंह और कालीप्रसादसिंह के पिता । युवराजसिंह के पितामह । शिवप्रसाद कायस्थ के आश्रयदाता ।→०५-८८; २३-१६७; २३-२०२; २३-३६४ ।

काव्यदूषणप्रकाश (पद्य)→२३-३६७ एफ ।

भक्तिप्रकाश (पद्य)→२३-३६७ सी ।

रामचंद्रचरित (पद्य)→२३-३६७ जी ।

वृत्तमंजरी (भाषा) (पद्य)→२३-३६७ डी ।

वृत्तरत्नावली (भाषा) (पद्य)→२३-३६७ ई ।

श्रुतिबोध (भाषा) (पद्य)→२३-३६७ एच ।

शिवसिंह (सेंगर)—काँथा (उन्नाव) के तालुकेदार । कुछ समय तक पुलिस इंस्पेक्टर का भी कार्य किया । जन्म सं० १८९० । सं० १९३३ के लगभग वर्तमान ।

गोकर्णमाहात्म्य (गद्य)→२६-४५२ ए, बी ।

शिवसिंहसरोज (गद्य)→२३-३९८ ।

शिवसिंहसरोज (गद्य)—शिवसिंह (सेंगर) कृत । लि० का० सं० १९३१ । वि० हिंदी साहित्य का इतिहास ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौली, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२३-३९८ ।

शिवस्तुति (पद्य)—तुकाराम कृत । वि० शिवजी की स्तुति ।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, जसवंतनगर (इटावा) ।→३८-१५२ ।

शिवस्तुति (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १९४८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-३४६ एल ।

शिवस्तुति (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० सं० १९३२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामदीन गौड़, सिरहपुरा (एटा) ।→२६-४७ जी ।

शिवस्तोत्र (पद्य)—जानकीमंगल कृत । वि० शिवस्तुति ।

प्रा०—मुंशी शिवधारीलाल, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→२६-१९५ ।

शिवस्तोत्र (पद्य)—शंभुनाथ कृत । लि० का० सं० १९२६ । वि० शिवस्तुति ।

प्रा०—ददनसदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१-४०६ ।

शिवस्मरण (पद्य)—परशुराम कृत । लि० का० सं० १९१५ । वि० वैराग्य । →पं० २२-८२ ।

शिवस्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२० । वि० स्वरोदय ।

प्रा०—पं० देवीप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५०३ ।

शिवाजी—महाराष्ट्र साम्राज्य के सुप्रसिद्ध संस्थापक। जन्म सं० १६८४। मृत्यु सं० १७३७। भूषण कवि के आश्रयदाता।→००-४०; ०२-१४।

शिवानंद—भृगु आश्रम से पाँच कोस दूर हरदोग्राम के निवासी। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।

अगुनसगुन-निरूपन कथा (पद्य)→०१-७७।

शिवानंद—सं० १८७८ के लगभग वर्तमान।

रामध्यानमंजरी (पद्य)→१७-१७४।

शिवानंद (स्वामी)—(?)

अंबाआरती (पद्य)→३८-१४२।

त्रिमूर्तिआरती (पद्य)→२६-४४७।

शिवाराम—गौतम गोत्रीय किसी हरदयालसिंह के आश्रित।

कवित्त (पद्य)→सं० ०७-१८५।

शिष्यसवाल→'ब्रह्मविचार' (रचयिता अज्ञात)।

शीघ्रबोध (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा)। → २६-४६७।

शीघ्रबोध (भाषा) (गद्य)—काशीनाथ (भट्टाचार्य) कृत। वि० संस्कृत 'शीघ्रबोध' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—श्री प्रागनारायण अध्यापक, दुर्गापुर, डा० भौली (उन्नाव)। → २६-२२८ डी।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, गागीमऊ, डा० सिधौली (सीतापुर)। → २६-२२८ सी।

(ग) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० रामभज, बेनीमाधौपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२२८ ए।

(घ) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पुरा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-२२८ बी।

शीघ्रबोध (भाषा) (पद्य)—रघुबरदास कृत। र० का० सं० १६११। लि० का० सं० १६३७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० शिवप्रतापसिंह, कबला, डा० जैला (बहराइच)।→२३-३३२।

शीघ्रबोध (भाषाटीका) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०१। वि० ज्योतिष।

प्रा०—सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फीरोजाबाद (आगरा) ।→२६–[illegible] ।

शीघ्रबोध वार्तिक→'शीघ्रबोध (भाषा)' (काशीनाथ भट्टाचार्य कृत) ।

शीघ्रबोध सटीक (गद्य)—गुलाबदास कृत । र० का० सं० १८०२ । वि० संस्कृत के 'शीघ्रबोध' की टीका ।

(क) लि० का० सं० १८२३ ।

प्रा०—ठा० लोकमानसिंह, अकबरपुर, डा० मुस्तफाबाद (मैनपुरी) ।→१२-१८ ।

(ख) लि० का० सं० १८२३ ।

प्रा०—श्री उमादत्त अध्यापक, चाऊ, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-१३० ।

शीघ्रबोध सटीक (गद्य)—भगवानदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-३७ ए ।

(ख) प्रा०—पं० कैलासपति तैनगुरिया पुरोहित, बिजौली, डा० बाह (आगरा) । →२६-३७ बी ।

शीतलदास—बहरामऊ (सुवेह परगना, अयोध्या) ग्राम के निवासी । सं० १९२९ के के लगभग वर्तमान ।

रामायणमाहात्म्य (पद्य)→सं० ०१-४१६; सं० ०४-३६० क, ख ।

विवेकमाल (पद्य)→सं० ०४-३६० ग ।

विवेकसार (गद्यपद्य)→२३-३८८ ।

शीतलदास (महंत)→'शीतलप्रसाद' (टट्टी संप्रदाय के महंत) ।

शीतलदोन—(?)

पद (पद्य)→सं० ०१-४२०

शीतलप्रसाद—टट्टी संप्रदाय के महंत । खड़ीबोली के कवि । सं० १७८० के लगभग वर्तमान ।

गुलजारचमन (पद्य)→०९-२९२; १७-१७२; २०-१७६ ।

शीतलप्रसाद (पंडित)—जन्मस्थान जुरिया (रहीमाबाद) । सूबासिंह के आश्रित । सं० १९०६ के लगभग वर्तमान ।

राधारहस्य (पद्य)→२६-३०५ ।

शीतलाष्टक (पद्य)—काशीप्रसाद (शुक्ल) कृत । वि० शीतलादेवी की स्तुति ।

प्रा०—पं० कृष्णकुमार शुक्ल, रामदयाल का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →सं० ०४-३१ ग ।

शीलकथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । वि० शील गुण का महत्व ।

(क) प्रा०—श्री रामशारदा, सहायक अध्यापक, रसौली (बाराबंकी) । → २३-५१ बी ।

(ख) प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १० ६७ छ ।

(ग) प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६७ ब ।

शीलदेव (जैन) – (?)

धूलिभद्र की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-८१ ।

शील (शालि) महामुनि चरित्र (शीलभद्रचरित्र)→'शालिभद्र की चौपाई' (जिनसिंह कृत) ।

शीलमणि—अवध के कोई राजकुमार । सं० १६०१ के लगभग वर्तमान । संभवतः किसी ने इनके नाम से ग्रंथ रचना की है ।

अष्टयाम (पद्य)→२०-१७७ ।

आनंदरस (पद्य)→२३-३८७ ।

इश्कलतिका (पद्य)→१७-१७१ ।

शीलरासा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शील के गुण और महिमा ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-६० (परि०३) ।

शीलसतीनाम कीर्तन (पद्य)—टीकम (मुनि) कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० एक जैन स्त्री का चरित्र ।

प्रा०—स्वा० रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली ।→दि० ३१-८८ ।

शुकदेव—सं० १७१७ के लगभग वर्तमान ।

वणिकप्रिया (पद्य)→०५-८५ ।

शुकदेव की उत्पत्ति कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० श्रवणलाल, रुदमुली, डा० बाह (आगरा) ।→२६-५०६ ।

शुकदेवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पौराणिक कथा ।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-५०८ ।

शुकप्रभावती-संवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शुक और प्रभावती की कथा ।

(क) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—लाला बैजूमल, चौरापुर (हरदोई) ।→२६-५११ ।

(ख) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—लाला रामदयाल, बाजनगर, डा० नौखेड़ा (एटा) ।→२६-५१० ।

शुकबहत्तरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८१६ । वि० प्रभावती और शुक की कथा ।

प्रा०—लाला पंडित, बाजूपुर, डा० मुरौंव (हरदोई) ।→२६-५०७ ।

शुकरंभा-संवाद (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १८८८ । लि० का० सं० १६२० । वि० भोग एवं त्याग विमर्श ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-७१ एफ ।

शुक्राचार्य—(?)

दत्तस्तोत्र (पद्य)→३५-६१ ।

शुक्लांबरधर→'नागरीदास' (बिहारिनदास के शिष्य) ।

शुभकरन (कवि)—अनवर खाँ के आश्रित। सं० १७७१ के लगभग वर्तमान।

अनवरचंद्रिका (पद्य) →०४-३१; ०६-१३०; २३-४०६; २६-४६०; ४१-५६५ (अप्र०)।

शुभचंद्राचार्य—जैन मतावलंबी। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।

पांडवपुराण (गद्य)→सं० ०४-३६१।

शून्यविलास (पद्य)—हजारीदास कृत। वि० शून्य का माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १६८८।

प्रा०—पं० परमेश्वरदत्त, जगदिसवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली)। → ३५-४० ए।

(ख) लि० का० सं० १६८८।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडेय का पुरवा, तिलोई (रायबरेली)। →सं० ०४-४२७ ग।

शून्यसार (पद्य)—बख्तावर कृत। र० का० सं० १८६०। वि० अद्वैत वेदांत।

(क) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-४६।

(ख) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० केदारनाथ दूबे, हाथरस।→१७-१२।

शृंगार (पद्य)—बेनी (कवि) कृत। र० का० सं० १८१७। लि० का० सं० १८२०। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६२।

शृंगार (सिंगार)—संभवतः सखी संप्रदाय के कोई वैष्णव।

बलदेवरासमाला (पद्य)→०६-३३२।

शृंगारकुंडली (पद्य)—लक्ष्मीप्रसाद (मुसाहिब) कृत। र० का० सं० १६०६। लि० का० सं० १६५३। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। → ०५-८१।

शृंगारकृत (?)→'रसरत्नावली' (मंडन कृत)।

शृंगार के कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—चौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-३१०।

शृंगारचरित्र (पद्य)—देवकीनंदन कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १६४१। वि० नायिकाभेद और अलंकार।

प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-६५ ए; २३-६० डी।

शृंगारछंदावली (पद्य)—किशोरीलाल कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० रतनलाल शर्मा, अकुल्हा (इटावा)।→३५-५५ ए।

श्रृंगारतिलक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० । वि० कालिदास कृत 'श्रृंगारतिलक' का अनुवाद ।

प्रा०—श्री कृष्णदेव पांडेय, गूजरपार, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़) । → सं० ०१–५६६ ।

श्रृंगारतिलक (भाषा) (पद्य)—भूप (कवि) कृत । लि० का० सं० १६३३ । वि० श्रृंगार ।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, श्रीनगर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–५६ ।

श्रृंगारदर्पण (पद्य)—आजम खाँ कृत । र० का० सं० १७८६ । वि० नायिकाभेद और नवरस ।

प्रा०—बाबू राधारमणप्रसादसिंह रईस, सहतवार (बलिया) ।→०६–११ ।

श्रृंगारदर्पण (पद्य)—नंदराम कृत । र० का० सं० १६२७ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद, ग्रा० सालेहनगर, डा० माल (लखनऊ) । → सं० ०७–६४ ।

श्रृंगारनिर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । र० का० सं० १८०७ । वि० नवरस और नायिकाभेद आदि ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–६१ एल ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० विपिनविहारी, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)। →२३–५५ एच ।

(ग) लि० का० सं० १६४७ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडलहाउस, लखनऊ ।→२६–६१ एम ।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०१–४६ ।

(ङ) प्रा०—भैया संतबक्ससिंह, गुठवारा (बहराइच) ।→२३–५५ आई ।

(च) प्रा०—श्री रामबहादुरसिंह, बड़वा, प्रतापगढ़ ।→२६–६१ एन ।

श्रृंगारपचीसी (पद्य)—गोपालदत्त कृत । वि० श्रृंगार और गंगा जी की स्तुति ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२५४ (विवरण अप्राप्त) ।

श्रृंगारपचीसी तिलक समेत→'कवित्त श्रृंगारपचीसी सटीका' (गोपाल बक्शी कृत) ।

श्रृंगारमंजरी (पद्य)—प्रतापसाहि कृत । र० का० सं० १८६० । लि० का० सं० १८६० । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी ।→०६–६१ सी ।

श्रृंगारमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र० का० सं० १८५२ । वि० भर्तृहरि के श्रृंगारशतक का अनुवाद ।

(क) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६–२०५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२१२ ङ।

शृंगारमंक्तावली (पद्य)—गौरगनदास कृत। वि० चैतन्य महाप्रभु की वंदना।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)।→२६-११२ ए।

शृंगारमंदार (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० कृष्ण जन्माष्टमी आदि की लीला।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-५६ बी।

शृंगारमणि (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधा का नखशिख वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११७ ग।

शृंगारमाधुरी→'शृंगाररसमाधुरी' (कलानिधि कृत)।

शृंगार रस के भावादि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नायिकाभेद और रसादि वर्णन।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद शर्मा, बकेवर (इटावा)।→३५-३११।

शृंगाररस-मंडन (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।

प्रा०—महंत लखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-३२।

शृंगाररस-मंडन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विट्ठलेश्वर विरचित 'शृंगाररस-मंडन' का अनुवाद (श्रीकृष्ण का गोपियों के संग विहार तथा राधिका जी का विरह वर्णन)।

प्रा०—लक्ष्मण किला, अयोध्या।→१७-६५ (परि० ३)।

शृंगाररस-माधुरी (पद्य)—अन्य नाम 'शृंगारमाधुरी'। कलानिधि (कृष्ण कवि) कृत। र० का० सं० १७६६। वि० रस और नायिकाभेद।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२-१७६ सी।

(ख) प्रा०—श्री मगन जी उपाध्याय भट्ट, मथुरा।→१७-६३ ए।

(ग) प्रा०—पं० इंद्र मिश्र, ब्रह्मपुरी, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-२०६।

शृंगाररस-सिंधु (पद्य)—भगवतदास कृत। र० का० सं० १७७०। लि० का० सं० १७७७। वि० शृंगार रस का विवेचन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२४५।

शृंगारलतिका (गद्यपद्य)—मानसिंह (द्विजदेव) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

(क) प्रा०—राजा लालताबक्ससिंह, तालुकेदार, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-२६२।

(ख) प्रा०—श्री पन्नगेश, कनकभवन, अयोध्या।→सं० ०४-२६६।

शृंगारविलास (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४७१ क।

शृंगारविलासिनी (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि० नायिकाओं के लक्षण आदि।

प्रा०—श्री मुरलीधर केशवदेव मिश्र, जगनेर (आगरा)।→२६-८० बी।

श्रृंगारशतक (पद्य)—गोपालदास (चाचाक) कृत। वि० नायिकाभेद और रस का संक्षिप्त वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५७ च।

श्रृंगारशतक (पद्य)—नवीन कृत। वि० नायिकाभेद।
(क) लि० का० सं० १८३५।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, श्रीनगर, डा० लखीमपुर (खीरी)। → २६-३३० ए।
(ख) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—पं० चंद्रशेखर दूबे, बह्मनेवा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३३० बी।

श्रृंगारशतक (?) (पद्य)—महेश (महेश जू) कृत। वि० श्रृंगार।
प्रा०—श्री जगप्रसाद पांडेय, कूरेडीह, डा० रानीगंज (प्रतापगढ़)। → सं० ०४-२६२।

श्रृंगारशतक टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ। →सं० ०७-२५५।

श्रृंगारशिक्षा (पद्य)—वृंद (कवि) कृत। र० का० सं० १७४८। वि० नायिकाभेद और सोलह श्रृंगार वर्णन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-४२।

श्रृंगारशिरोमणि (पद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि० श्रृंगार रस और नायिकाभेद।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। →२३-१८४ ए।
(ख) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—पं० श्रीपाल तिवारी, खजुरी, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर)। → २३-१८४ बी।
(ग) लि० का० सं० १६४३।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६-१३६।
(घ) लि० का० सं० १६४३।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ।→२३-१८४ सी।
(ङ) लि० का सं० १६४३।
प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)।→ २३-१८४ डी।
(च) लि० का० सं० १६४३।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-२०२।

शृंगारशिरोमणि (पद्य)—प्रतापसिंह कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६-६१ डी।

शृंगारसंग्रह (पद्य)—सरदार द्वारा संगृहीत। र० का० सं० १६०५। लि० का० सं० १६३२। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, द्वारा पं० ब्रह्मदत्त पांडेय, नवाबगंज (कानपुर)।→०६-२८३ ए।

शृंगाररसन (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६७१। लि० का० सं० १७७७। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ द।

शृंगाररसत→'शृंगाररसतलीला' (ध्रुवदास कृत)।

शृंगाररसतलीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार और उनका सौंदर्य।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००-६।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५६ ई (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-७३ एस।

शृंगारसागर (पद्य)—चंद्रदास कृत। र० का० सं० १८०५। लि० का० सं० १६०६। वि० कृष्ण के स्वरूप का वर्णन।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६५।

शृंगारसागर (पद्य)—मोहनलाल कृत। र० का० सं० १६१६। लि० का० सं० १६३६। वि० अलंकार और नायिकाभेद।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५-७०।

शृंगारसार (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। वि० नायिकाभेद और रस वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१-५४५(अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० रेवतीनंदन (रेवतीरमण) मिश्र, बेरी, डा० बरारी (मथुरा)। →३८-१०२।

(ग) प्रा०—श्री बहुरी चिरंजीलाल, भैरोंबाजार, आगरा।→२६-२४०।

शृंगारसार (पद्य)—शिवगुलाम कृत। वि० शृंगाररस का संग्रह।

प्रा०—पं० रामप्रसाद दूबे, पीर का नगरा, डा० पटियाली (एटा)।→ २६-३१०।

शृंगारसार (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७८५। वि० शृंगार वर्णन।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२-२११।

शृंगारसुख (पद्य)—रूपसनातन कृत। वि० बृहद्गौतमीतंत्र के आधार पर रासलीला का वर्णन।

प्रा० दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२२३ (विवरण अप्राप्त) ।

श्रृंगारसुख-सागर-तरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १६३२ ।
वि० नखशिख और नायिकाभेद ।
प्रा०—राजा ललताबख्शसिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर) ।→ २३–८६ डब्ल्यू ।

श्रृंगारसुधाकर (पद्य)—द्विज (कवि) कृत । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण पांडेय, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं०१ ०–६२ ।

श्रृंगारसुधाकर (पद्य)—बलदेव (द्विज) कृत । र० का० सं० १६११ ।
वि० श्री कृष्णलीला ।
(क) लि० का० सं० १६३३ ।
प्रा०—पं० चक्रधर अवस्थी, मानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–३१ डी ।
(ख) मु० का० सं० १६३३ ।
प्रा०—राजपुस्तकालय, किला (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–२३१ ।

श्रृंगारसौरभ (पद्य)—राम जी (भट्ट) कृत । वि० नायिकाभेद ।
(क) लि० का सं० १६०४ ।
प्रा०—पं० दुर्गादत्त अवस्थी, कंपिला (फर्रुखाबाद) ।→१७–१४८ ।
(ख) लि० का० सं० १६४२ ।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→१२–१४६ ।
(ग) लि० का० सं० १६४२ ।
प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज (लखनऊ) ।→२३–४०५ ।
(घ) लि० का० सं० १६४२ ।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→ सं० ०४–३२८ ।

श्रृंवंगसार→'सर्वांगसार' (नवलराम कृत) ।

शेख—दिल्ली की एक रंगरेजिन, जिसके प्रेम में प्रसिद्ध कवि आलम ब्राह्मण से मुसलमान हो गए थे और उसके साथ विवाह किया था । आकार के कवित्त, आलमकेलि, कवितासंग्रह, कवित्तसंग्रह और कवित्तचतुःशती में आलम के साथ इनकी कविताएँ संगृहीत हैं ।→०३–३१; ४१–१२; सं० ०१–१८; सं० ०४–१५ ।
टि० कुछ लोगों के अनुसार आलम और शेख एक ही हैं ।

शेखअहमद—शाहि मुहुर्दा औलिया के पुत्र पीरबलालमुहुदी के शिष्य । सं० १७७८ के पूर्व वर्तमान ।
वियोगसागर, मोहनी (पद्य)→सं० ०१–४२१ ।

शेखनिसार—शेखपुर (मुलतानपुर) के निवासी । गुलाममुहम्मद के पुत्र और शेखमुहम्मद के पौत्र । इनके पुरखे रोम देश में रहते थे । शेख हबीबुल्ला ने—जो इनके मूल

पुरुष थे—अकबर बादशाह के समय शेखपुर गाँव बसाया। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।

युसुफजुलेखा (पद्य)→सं० ०१–४२२।

शेखमुहम्मद असगर हुसेन (हकीम)→'असगरहुसेन' ('यूनानीसार' के रचयिता)।

शेखसाँई→'आलम' (सुप्रसिद्ध कवि)।

शेरशाह सूरी—सूर वंश के प्रसिद्ध बादशाह। वास्तविक नाम फरीद। हसन (हुसेन) नामक जागीरदार के पुत्र। सं० १५४३ के लगभग जन्म। सलीमशाह (जलाल खाँ) और दौलत खाँ के पिता। कुछ समय तक दिल्ली के भी शासक रहे। कुशल बादशाह। सं० १६०२ में मृत्यु। तानसेन के आश्रयदाता।→००–४; ००–५४; ०१–१२।

शेरसिंह (कुँवर)—जोधपुर नरेश महाराज विजयसिंह के पुत्र। सं० १८५० में अपने पिता की मृत्यु के उपरांत इनके पोते महाराज भीमसिंह ने इनका वध किया था।

रामकृष्ण-जस (पद्य)→०२–१६।

शोकविनाश (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १६१२। मु० का० सं० १६३३। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाईस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१–८७ ख।

शोधकपटल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक और ज्योतिष।

प्रा०—बाबू त्रिवेनीप्रसाद, सहायक कोर्ट इंसपेक्टर, देवरिया (गोरखपुर)। →२६–१२० (परि० ३)।

शोभा (कवि)—व्रजेंद्र नवलसिंह (भरतपुर नरेश) के आश्रित। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

नवलरसचंद्रोदय (पद्य)→१७–१७८।

शोभाचंद—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। ब्रह्मभाट राय ताराचंद के पुत्र। किसी जयसिंह के सेवक। सं० १५८१ के लगभग वर्तमान।

भक्तिविधान (पद्य)→सं० ०१–४२३।

शोभाराम (महाराज)—कामवन (भरतपुर) के निवासी। संभवतः वहीं के किसी आनंदलाल के आश्रित। भरतपुर के राजा जसवंतसिंह के समकालीन।

गणितबोधनी (प्रथम भाग) (गद्यपद्य)→सं० ०१–८२४।

श्याम (कवि)—(?)

कृष्णध्यान चतुराष्टक (पद्य)→३८–१५०।

श्याम (कवि)—(?)

वैद्यक (पद्य)→४१–३०५।

श्याम (कवि)—(?)

स्वरविलास (पद्य)→सं० ०४–१६२ ।

श्यामदास—(?)

विष्णुस्वामी-चरितामृत (पद्य)→४१–१०६ ।

श्यामदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२–५७ (छत्तीस) ।

श्यामदासी (बाई)—चरणदास जी के गुरु की पुत्री । इंद्रकुमारी बाई की बहन । सं० १८१० के लगभग वर्तमान । चरणदास ने इनके पढ़ने के लिये एक ग्रंथ की रचना की थी ।→१२–३७ ।

श्यामराम—कायस्थ । मारवाड़ निवासी । इंद्रभान के पुत्र । रामकरण के पिता । सं० १७७५ के लगभग वर्तमान ।

ब्रह्मांडवर्णन (पद्य)→०२–८० ।

श्यामराम—सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान ।

द्वादशराशिविचार (पद्य)→सं० ०१–४६५ ।

श्यामलाल - गौरीलखा (कानपुर) निवासी । सं० १६०८ के पूर्व वर्तमान ।

नवरत्न (भाषा) (पद्य)→२६–३२१ ए, बी ।

श्यामलाल (माथुर)—मथुरा निवासी । सं० १८६४ के लगभग वर्तमान ।

दानलीला (पद्य)→२६–३२२ बी ।

सैरवाटिका (पद्य)→२६–३२२ ए ।

श्यामविलास (पद्य)—गौरीशंकर कृत । लि० का० सं० १६३३ । वि० कृष्णचरित्र । प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, जयलाल का नगरा, डा० नदरई (एटा) । → २६–१०२ ई ।

श्यामविलास→'भागवत (दशमस्कंध भाषा)' (गिरिधारीदास कृत) ।

श्यामश्यामा-चरित्र (पद्य) - गिरिधरदास (गिरिधारी) कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० कृष्णचरित्र ।

प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–११७ ।

श्यामसखे—(?)

रागप्रकाश (पद्य)→२०–१६२ ।

श्यामसगाई (पद्य)—उदय (कवि) । कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० कृष्ण विवाह की कथा ।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल, अकबरा, डा० रुनकुता (आगरा) ।→१२–२२१ एन ।

श्यामसगाई (पद्य)—नंददास कृत । वि० कृष्ण राधिका की सगाई ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७–११६ सी ।

(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–२०० ई (विवरण अप्राप्त) ।

श्यामस्वरूप (त्रिपाठी)—पिता का नाम बैजनाथ त्रिपाठी । पुत्र का नाम रामकुमार त्रिपाठी (ग्रंथ स्वामी) ।

गोचारणलीला (पद्य)→सं० ०७–१८६ ।

श्यामा बेटी—काशी के गोस्वामी गोपाललाल जी के पुत्र गिरधरलाल की पुत्री । इन्हें संस्कृत, ब्रजभाषा और गुजराती का अच्छा ज्ञान था । जन्म सं० १८६६ के लगभग ।→००–६; ०६–६३; ४१–२६२ ।

वनयात्रा (पद्य)→३५–४८ ।

श्रवणाख्यान (पद्य)—दलपतिराम कृत । र० का० सं० १६२४ । वि० श्रवण की कथा ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६–५२ ।

श्रवांगजोग→'सर्वांगजोग' (सुंदरदास कृत) ।

श्राद्धप्रकाश (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्राद्ध विवेचन ।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, द्वारा 'सनाढ्य' कार्यालय (इटावा) ।→३५–३०७ ।

श्रावकाचार (पद्य)—बुलाकीदास कृत । र० का० सं० १७४७ । वि० जैन साधुओं के विहित आचार ।

(क) लि० का० सं० १७१२ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–७१ ।

(ख) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६१ ख ।

श्रावकाचार (पद्य)—भागचंद्र कृत । र० का० सं० १६१२ । वि० अमितगति कृत जैन धर्म विषयक 'श्रावकाचार' की टीका ।

प्रा०—लाला ऋषभदस जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–३३ ।

श्रावकाचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६६ । वि० श्रावकों के लिये विहित आचार ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, अबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१७६ ।

श्री आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप (गद्य)—हरिराम कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के आत्मस्वरूप का वर्णन ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन (भरतपुर) ।→१७–७४ बी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभुजी की (प्राकट्य) वार्ता द्वादश कुंजभावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि० धर्म ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–८८ ग ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता (गद्य)—हरिराय कृत । वि० संप्रदाय के आचार्य की कथा ।

(क) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा ।→१७–७४ सी ।

(ख) प्रा०—श्री मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा ।→०६–११५ ए ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की निजवार्ता तथा घरूवार्ता (गद्य)—हरिराय कृत ।

लि० का० सं० १६२१ । वि० वल्लभ संप्रदाय की अंतरंग बातें ।

प्रा०—श्री मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा ।→०६–११५ सी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता (गद्य)—हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के चौरासी प्रमुख शिष्यों की कथा ।

प्रा०—श्री मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा ।→०६–११५ वी ।

श्रीकृष्ण (भट्ट)→'कलानिधि' ('अलंकारकलानिधि' आदि के रचयिता) ।

श्रीकृष्ण (मिश्र)—लोकमणि मिश्र के पुत्र । सं० १७६८ के लगभग वर्तमान ।

तिमिरदीप (पद्य)→१२–१७८; १७–१८०; ४१–२६८ ।

प्रश्नतंत्र (पद्य)→२६–४५७ ।

श्रीकृष्णखंड (पद्य)—वैद्यनाथ (बैजनाथ) कृत । र० का० सं० १६३७ । लि० का० सं० १६३६ । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—श्री अमरनाथ शुक्ल, नऊआडाँडी, डा० बादशाहपुर (जौनपुर) । → सं० ०४–३७१ ।

श्रीकृष्ण गंगाधर—सं० १७१६ के लगभग वर्तमान ।

कुंडनिर्माण-वार्तिक (गद्य)→सं० ०१–४२६ ।

श्रीकृष्णग्वालिनि को झगरा (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला' । संगम कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० श्रीकृष्ण की दानलीला का वर्णन ।

प्रा०—श्री साहित्यसदन, सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ़, डा० खजुरो (बछरावाँ) (रायबरेली) ।→सं० ०४–३६६ ।

श्रीकृष्णचरित्र (पद्य)—लछिमनदास कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १८७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–३७१ ।

श्रीकृष्णचर्चरीक→'श्रीकृष्ण (मिश्र)' ('तिमिरदीप' के रचयिता) ।

श्रीकृष्णचैतन्यदेव (निज जू)—माध्वगौड़ेश्वर संप्रदाय के अनुयायी । राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिंद' के पिता बाबू हरखचंद के गुरु । सं० १६११ के लगभग वर्तमान ।

रसकौमुदी (पद्य)→२३–२१७ ।

राजनीतिशतक भाषा कुंडलिया (पद्य)→सं० ०४–४१ ।

सौंदर्यचंद्रिका (पद्य)→०६–३०२ ।

श्रीकृष्णजन्मखंड (पद्य)—बलदेवदास (जौहरी) कृत । र० का० सं० १६०२ । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

(क) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह सेंगर, तालुकेदार, कौंथा (उन्नाव) ।→२३–३० ए ।

(ख) मु० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–२३० ।

श्रीकृष्णदास—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) के शिष्य । संभवतः राधावल्लभ संप्रदायानुयायी ।

श्रीकृष्णदासजू कौ मंगल (पद्य)→४१–२६६ ।

श्रीकृष्णदासजू कौ मंगल (पद्य)—श्रीकृष्णदास कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–२६६ ।

श्रीकृष्णदेवरुक्मिणीबेलि (पद्य)—अन्य नाम 'बेलरा' । पृथ्वीराज (राठौर) कृत । र० का० सं० १६३७ के लगभग । वि० कृष्ण रुक्मिणी का विवाह ।

(क) लि० का० सं० १६६६ ।

प्रा० - विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–८७ ।

(ख) प्रा०-सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२११ ।

(ग)→दि० ३१–६६ ।

श्रीकृष्णपद (पद्य)—टोडाराम कृत । वि० राम और कृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—पं० चोखेलाल मिश्र, गढ़ी परसोची, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२–२१७ ।

श्रीकृष्ण लाला→'रससिंधु' ('षट्ऋतुमार्तंड' के रचयिता) ।

श्रीकृष्णलीला-पद-संग्रह (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । लि० का० सं० १८०७ । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री बिहारीजी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद ।→४१–४४८ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ में हरिदास, हितहरिवंश और दामोदरहित आदि अन्य कवि भी संगृहीत हैं ।

श्रीकृष्णविवाह-उत्कंठाबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३१ । वि० श्रीकृष्ण की विवाह विषयक उत्कंठा ।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७–३४ एफ ।

श्रीकृष्णश्रुति-विरुदावली→'हरिभक्ति-सिद्धांत-सागर' (फतेहसिंह कृत) ।

श्रीकृष्णसुमिरन-पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३० । वि० कृष्ण भक्ति और ज्ञान ।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७–३४ सी ।

श्रीकृष्णस्तोत्र (पद्य)—सुखलाल (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६७६ । वि० श्री कृष्ण की स्तुति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६२ ।

श्रीकृष्णाश्रय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्णभक्ति निवेचन ।

प्रा०—श्री नत्थीलाल गुसाईं, बरसाना (मथुरा) ।→३५–३०६ ।

श्रीगोपाल→'रामानंद' ('लीलारतनचूड़ामणि' के रचयिता) ।

श्री गोवर्द्धनधर को वर्षभर को शृंगार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८५७

लि० का० सं० १८५८ । वि० गोवर्द्धन पर श्रीनाथजी के वर्षभर के शृंगारों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५६७ ।

श्रीगोविंद—सरयू नदी के उत्तर गोपालपुर के राजा कृष्णकिशोर के आश्रित । सं० १८६७-८० के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→०६–१०० बी ।

ब्रह्मवैवर्तपुराण (पद्य)→२३–४०३ ।

विलासतरंग (पद्य)→०६–१०० ए ।

श्रीचूनरी (पद्य)—भगोतीदास कृत । र० का० सं० १६८० । वि० जीव (शिवसुंदरी) और जिन भगवान का आध्यात्मिक मिलन ।

प्रा०—श्री वल्लभराम, मगोरी (मथुरा) ।→३८–८ ए ।

श्रीचूनरी (पद्य)—हेम कृत । वि० जैन तीर्थंकर नेमचंद के वैराग्य की कथा ।

प्रा०—पं० वल्लभराम, मगोरी (मथुरा) ।→३८–६४ ।

श्रीजी→'प्राणनाथ' (धामीपंथ के प्रवर्तक) ।

श्री ठाकुरजी के षोडशचिन्ह (सचित्र) (पद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । वि० भगवान के चरणों के षोडश चिन्हों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४८६ ड ।

श्री दयालजी की आरती (पद्य)—हरिदास कृत । वि० निरंजन की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०६ ।

श्रीधर—वास्तविक नाम सभासिंह । खीरी जिले (संभवतः ढखवावैल स्थान) के निवासी । पृथ्वीराज चौहान के वंशज । पिता का नाम बखतसिंह । पितामह का नाम हेमसिंह । परपितामह का नाम गजराज । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।→०६–१०६ ।

विद्वन्मोदतरंगिणी (पद्य)→१२–१७७ बी; २३–४०१ बी ।

शालिहोत्र (पद्य)→१२–१७७ ए; २३–४०१ ए; २६–४५५ ए, बी; सं० ०४–४१८ ।

श्रीधर—अन्य नाम मुरलीधर । ओझा ब्राह्मण । प्रयाग निवासी । नवाब मुसल्लह खाँ (?) के आश्रित । सं० १७६७ के लगभग वर्तमान ।

भाषाभूषण (पद्य)→४१–२७० ।

श्रीधर—(?)

रुपैयाअष्टक (पद्य)→३८–१४५ ।

श्रीधर—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→ ०२–५७ (जाँच) ।

श्रीधर (गौड़)—गौड़ ब्राह्मण । सलेमाबाद निवासी । सं० १९२१ के लगभग वर्तमान ।

छींक और शकुन विचार (पद्य)→२६–४५६ ।

दशाकुमार→पं० २२–११६ ।

शिक्षा ककाबत्तीसी (पद्य)→२६-४५४ डी, ई।

सामुद्रिक (गद्य)→२६-४५४ सी।

हनुमानविजय (पद्य)→२६-४५४ ए, बी; सं० ०४-३६३।

श्रीधर (सीधर)—(?)

मानलीला (पद्य)→३८-१४०।

श्रीधर (स्वामी)—उप० सनेही। वल्लभाचार्य के अनुयायी। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।

भागवत (भावार्थदीपिका) (गद्य)→२६-३१५ ए से ई तक।

सूरशतक पूर्वार्द्ध टीका (गद्यपद्य)→२३-४०२।

हरिदेवसनेह के कवित्त (पद्य) →१२-१७६।

श्रीधरानंद—भरतपुर निवासी।

साहित्यसारचिंतामणि (गद्यपद्य)→३२-२०५।

टि० श्री मुनि कांतिसागर के अनुसार ये भरतपुराधीश महाराजा सूरजमल्ल की महारानी किशोरी के दानाध्यक्ष श्री मिश्र रामबल के पुत्र थे। इनका जन्मनाम घासीराम था तथा ये सं० १८७२ के लगभग वर्तमान थे।

श्रीधाम की पहेली (गद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—मुंशी वंशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ)।→२६-२६६ बी।

श्रीधाम को वर्णन—'प्रेमपहेली' (प्राणनाथ कृत)।

श्रीनागपिंगल (पद्य)—माखन कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१६१।

श्रीनाथजी की सेवाविधि (गद्य)—गोपिकालंकार (गोस्वामी) कृत। वि० धर्म।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→सं० ०१-६३।

श्रीनाथजी के शृंगार के बखान के नौ रंग (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० धर्म।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→सं० ०१-६८ घ।

श्रीनित्तकीर्तन→'नित्यकीर्तन' (अष्टछाप के कवि कृत)।

श्रीनिवास संभवतः वृंदावन के रंगनाथ मंदिर के पुजारी।

ब्रह्मोत्सवआनंदनिधि (पद्य)→२०-१८४।

श्रीनिवास—(?)

सद्गुरुमहिमा (पद्य)→सं० ०१-४२८।

श्रीनिवास—(?)

जानकीसहस्रनाम (पद्य)→०६-३३०।

श्रीनिवास—(?)

हनुमानपच्चीसी (पद्य)→सं० ०१–४२६

श्रीपति—धर्मदास के पुत्र। पयागपुर (बहराइच) निवासी। गंग, खड्गसेन और दलपति के भाई। चारों भाई अच्छे कवि थे। सं० १७१६ के लगभग वर्तमान।→२०–४१।

महाभारत (कर्णपर्व) (पद्य)→२०–१८५; सं० ०१–४३० क, ख।

श्रीपति—काशी निवासी।

श्रीपति के कवित्त (पद्य)→सं० ०१–४३१।

श्रीपति (भट्ट)—गुजराती औदीच्य ब्राह्मण। इलाहाबाद के नवाब सैयद हिम्मत खाँ के आश्रित। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।

हिम्मतप्रकाश (पद्य)→०६–२३८; २६–११७।

श्रीपति (मिश्र)—कालपी (जालौन) निवासी। सं० १७७७ के लगभग वर्तमान।

अनुप्रास (पद्य)→०६–३०४ बी।

काव्यसरोज (पद्य)→०६–३०४ ए; २३–४०४ ए, बी; २६–४५६।

काव्यसुधाकर (पद्य)→२३–४०४ सी।

विनोदाय काव्यसरोज (पद्य)→०४–४८; ०६–३०४ सी।

श्रीपति के कवित्त (पद्य)—श्रीपति कृत। वि० भक्ति और श्रृंगार।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४३१।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीपालपुराण (भाषा)'। परिमल्ल (कवि) कृत। र० का० सं० १६५१। वि० जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल का चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८०७।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४–२०२ क।

(ख) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—पूर्ववत्।→सं० ०४–२०२ ख।

(ग) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—पूर्ववत।→सं० ०४–२०२ ग।

(घ) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—पूर्ववत।→सं० ०४–२०२ घ।

(ङ) लि० का० सं० १९१३।

प्रा०—पूर्ववत।→सं० ०४–२०२ ङ।

(च) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–३०६।

(छ) लि० का० सं० १९३७।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–७४ क।

(ञ) लि० का० सं० १९५१ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–७४ ख ।

(झ) प्रा०—श्री जैन मंदिर, नारखी (आगरा) ।→०६-१६१ ।

श्रीपालचरित्र (?)—विनयविजयगणि कृत । वि० जैन धर्म विषयक ग्रंथ । → दि० ३१–६५ ।

श्रीपालचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीपालविनोद' । विनोदीलाल कृत । र० का० सं० १७५० । वि० जैन धर्मानुयायी राजा श्रीपाल के चरित्र का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०४–३६२ ग ।

(ख) लि० का० सं० १८९४ ।

प्रा०—पूर्ववत ।→सं० ०४–३६२ घ ।

श्रीपालपुराण (भाषा)→'श्रीपालचरित्र' (परिमल्ल कवि कृत) ।

श्रीपालरासो (पद्य)—ब्रह्मरायमल कृत । र० का० सं० १६३० । वि० उज्जैन के राजा पुहपाल के जामाता श्रीपाल का यश वर्णन ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१२४ ।

श्रीपालविनोद →'श्रीपालचरित्र' (विनोदीलाल कृत) ।

श्रीप्रकाशकिताब की प्रकरण (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० धामी पंथानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत रजनौली मठ (प्रनामी संप्रदाय), सिरसी (बस्ती) । → सं० ०४–२१८ घ ।

श्रीप्रधान (कठेरावारे)→'प्राणसुख' ('तरंगमेघमालिन' के रचयिता) ।

श्रीभट्ट—अन्य नाम भट्टाचार्य । वृंदावन निवासी । निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव । निमादित्य के शिष्य और परशुराम, हरिदेव (हरिप्रिया) तथा हरिदास के गुरु । जन्म सं० १६०१ (?) । 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत ।→००–७५; ०२–५७ (नौ); १२–७४; १२–१२६; २३–१६२ ।

आदिवाणी जुगलसत सिद्धांत (पद्य)→४१–२७१ ।

जुगलसत (पद्य)→००–३६; ०६–२३७; ०६–२६६, २३–४०० ए, बी; २६–४० ।

पद (पद्य)→३२–२०४ बी ।

पदमाला (पद्य)→३२–२०४ ए ।

श्रीभट्टदेव→'श्रीभट्ट' (वृंदावन निवासी निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव) ।

श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका (भाषा) (पद्य)—दयाराम भाई कृत । वि० भागवत की अनुक्रमणिका ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१४६ ग ।

श्रीमन्महासीलाभरणभूषित (?) (पद्य)—बुलाकीदास कृत। लि० का० सं० १८४८। वि० जैन धर्म।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३२-३४ बी।

श्रीमहाप्रभुजी के स्वरूप चिंतन को पद (पद्य)—निश्चयदास कृत। वि० श्री वल्लभाचार्य के स्वरूप का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१६७।

श्रीमहाप्रभु श्री गुसाँईजी को स्वरूप विचार (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० धर्म।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-८८ ख।

श्रीराम (वाजपेयी)—सं० १८४३ के पूर्व वर्तमान।
समरसार (गद्य)→सं० ०४-३६४ क, ख।

श्रीराम (भट्ट)→'रामजी (भट्ट)' ('छंदमंजरी' आदि के रचयिता)।

श्रीराम को परमधाम वर्णन (पद्य)—भवानीप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० रामभक्ति।
प्रा०—महंत जगदेवदास, पहरीगनेशपुर, डा० रायबरेली (रायबरेली)। → सं० ०४-२५५।

श्रीरामचरित्र रागसैरा (पद्य)—दुरुदीन कृत। वि० रामरावण युद्ध।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-२४।

श्रीरामनौरत्न-विनय (पद्य)—जानकीप्रसाद कृत। र० का० सं० १६०८। वि० रामभक्ति।
(क) लि० का० सं० १६२१।
प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६-१६६ बी।
(ख) मु० का० सं० १६२३।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१३० ख।
(ग) प्रा०—मुंशी चतुरविहारीलाल, सढ़वा चंदिका, डा० अंतू (प्रतापगढ़)। →२६-१६६ सी।

श्रीलाल—सिंधु नदी के तट के निवासी। सं० १६७४ के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२-२०७।

श्रीलाल—सं० १६३० के लगभग वर्तमान।
चाणक्यनीतिदर्पण (गद्य)→२६-४५८।

श्रीलाल (पंडित)—इलाहाबाद निवासी। उत्तरप्रदेश के तत्कालीन शिक्षा संचालक विलियम हैंडफोर्ड के आश्रित। सं० १६२२ के लगभग वर्तमान।
गणितप्रकाश (गद्य)→२६-११६ ए, बी, सी; सं० १०-१२५।
भाषाचंद्रोदय (गद्य)→सं० ०१-४१२ क।

भूगोलसार (गद्य)→३८-१४७ ।

महाजनीसारदीपिका (गद्य)→२६-३१६ डी, ई ।

विद्यांकुर (गद्य)→सं० ०१-४३१ ख ।

श्रीलाल (शाह)→'लाल जी (शाह)' ('हरिवंशपुराण भाषानुवाद' के रचयिता) ।

श्रीलाल रघुवंशवल्लभ→'रघुवंशवल्लभ (श्रीलाल)' ('मनसंबोध' के रचयिता) ।

श्री वचनामृत और बैठकवार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६११ । वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य की ज्ञान और उपदेश विषयक शिक्षा ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७-८६ (परि० ३) ।

श्री वल्लभाचार्यजी की वंशावली तथा स्वरूप वर्णन (पद्य)—जगतानंद कृत । र० का० सं० १७८१ । वि० श्री वल्लभाचार्य जी की वंशावली ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-११६ ग ।

श्रीवास्तवन के पटा को अष्टक (पद्य)—प्रताप कृत । लि० का० सं० १६३७ । वि० श्रीवास्तव कायस्थों का वर्णन ।

प्रा०— लाला कल्याणसिंह, मुतसद्दी, टीकमगढ़ ।→०६-६२ बी ।

श्री स्वामिनीजी ठाकुरजी के सवैया (पद्य)—लालस्वामी (हित) कृत । लि० का० सं० १६४७ । वि० कृष्ण जी की महिमा ।

प्रा०—निंबार्क पुस्तकालय, महंतदास का मंदिर, नानपारा (बहराइच) । → २३-२४५ ।

श्रुतपंचमीकथा (पद्य)—ब्रह्मरायमल कृत । र० का० सं० १६३३ । लि० का० सं० १८४६ । वि० धनिश्री और कमल श्री की जैन कथा आदि ।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-६८ ।

श्रुतसागर—सं० १६०५ के लगभग वर्तमान ।

रोहिणीमुनि चतुष्पदी (पद्य)→दि० ३१-८२ ।

श्रुतिबोध (भाषा) (पद्य)—शिवसिंह कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३-३६७ एच ।

श्रेणिकचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रेणिकमहाराजचरित्र' । लक्ष्मीदास (लखमीदास) कृत । र० का० सं० १७३३ । वि० जैन धर्मानुयायी श्रेणिक राजा की कथा ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-१३० बी ।

(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४-३५२ ।

श्रेणिकमहाराजचरित्र→'श्रेणिकचरित्र' (लक्ष्मीदास कृत) ।

श्लेष (पद्य)—सेनापति कृत । वि० श्लेष अलंकार ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१७६ ।

श्लेषार्थविंशति (पद्य)—कन्हैयालाल (भट्ट) उप० कान्ह कृत। वि० श्लेषालंकार पूर्ण काव्य।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३१।

षटऋतुकवित्त (पद्य)—सेनापति कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-५१।

षटऋतु की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की षटऋतु की वार्ता।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→ १७-८३ (परि० ३)।

षटऋतुपदावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० छः ऋतुओं का वर्णन तथा जानकी विवाह।

प्रा०—पं० बद्रीदत्त, पूरा बाजार (फैजाबाद)।→२०-१६२।

षटऋतुबरवा-वर्णन (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ छ।

षटऋतुमार्तंड (गद्यपद्य)—रससिंधु कृत। र० का० सं० १६३०। वि० भक्ति और कृष्णलीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३२५।

षटऋतुवर्णन (पद्य)—रामनारायण कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—अयोध्या के महाराज का पुस्तकालय, अयोध्या।→०६-२५२।

षटऋतुवर्णन (पद्य)—सरदार कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-२८३ सी।

षटऋतु संबंधी कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्तवसंत'। ग्वाल (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—पं० रघुरदयाल, रजौरा, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३५-३३ ए।

(ख) प्रा०—पं० श्रीनारायण, भाड़री, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→ ३५-३३ बी।

(ग) प्रा०—चौधरी प्रसादराम शर्मा, भरथना (इटावा)।→३५-३३ सी।

(घ) प्रा०—पं० सोहनपाल, द्वारा पं० लक्ष्मीनारायण, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)।→३८-५५ बी।

षटकर्महठजोग→'षटरूपमुक्ति' (स्वा० चरणदास कृत)।

षटकर्मोपदेशरत्नमाला (भाषा) (पद्य)—लालचंद पांडेय (जैन) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० षटकर्मोपदेश वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-२३७।

(ख) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—श्री जैनमंदिर, अछनेरा (आगरा) ।→२३-१३२ बी ।

(ग) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-११७ ।

षटदर्शनसार (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८४७ । वि० विभिन्न दर्शनों का सारांश ।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी ।→३५-४६ बी ।

षटनारीषटवर्णन (पद्य)—बलभद्र कृत । वि० कोकशास्त्र ।

प्रा०—श्री रामचंद्र वकील, ढोलपुर, डा० फीरोजाबाद (आगरा) ।→१२-११ ।

षटपंचाशिका (गद्य)—बद्रीलाल कृत । वि० ज्योतिष (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १८९७ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, देवदारपुर (खीरी) ।→२६-२३ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९२५ ।

प्रा०—पं० नत्थूसिंह, अलीपुर, दिल्ली ।→दि० ३१-६ ।

(ग) लि० का० सं० १९३३ ।

प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, शिकोहाबाद, डा० मुरादाबाद (उन्नाव) । → २६-२३ बी ।

(घ) लि० का० सं० १९३३ ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, लखनपुर, डा० मगरैर (उन्नाव) ।→२६-२३ सी ।

षटपंचाशिका (पद्य)—राजाराम कृत । लि० का० सं० १७६१ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३११ (विवरण अप्राप्त) ।

षटपंचाशिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२० । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा (बुलंदशहर) ।→१७-८२ (परि० ३) ।

षटपंचाशिका ज्योतिष (पद्य)—पृथ्वीजस (पृथुयश) कृत (अनुवादक अज्ञात) । लि० का० सं० १९१८ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, बारा नगरी, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-३५६ ।

षटपंचाशिका टीका सहित (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८४२ । लि० का० सं० १८६६ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा (बुलंदशहर) ।→१७-८१ (परि० ३) ।

षटपद के भेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० छप्पय छंदों के भेदोपभेद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-४९६ ।

षटप्रदर्शनीनिर्णय (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'षटप्रश्न' या 'षटप्रश्नी' । मनोहरदास (निरंजनी) कृत । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८२३ ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-५८ ।

(ख) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-११३ डी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-११ ।

षटप्रश्नी (प्रश्न)→'षटप्रदर्शनीनिर्णय' (मनोहरदास निरंजनी कृत) ।

षटरहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'षटचतुरभगिनी-रहस्य' । पर्वतदास (जन) कृत । र० का० सं० १७४० । रामकलेवा आदि का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—पं० रामविलास, रामनगर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) ।→ २६-२६५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—ठा० जगपालसिंह, वीरपुर, परगना अकोना (बहराइच) । → २३-३१२ डी ।

(ग) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, पंडित का पुरवा, सिसैया (बहराइच) । → २३-३१२ ई ।

(घ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, कफारा, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-३४५ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—बाबा शिवपुरी, कश्मीरी मुहल्ला, लखनऊ ।→२६-३४५ ई ।

(च) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री भगतरामदास, मीरपुर, डा० बारहद्वारी (एटा) ।→२६-२६५ बी ।

(छ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर) । → २६-३४५ डी ।

(ज) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, सिसैया (बहराइच) ।→ २३-३१२ सी ।

षटरहस्यनिरूपण→'षटरहस्य' (पर्वतदास जन कृत) ।

षटरूपमुक्ति (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य और सायुज्य मुक्ति का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद तिवारी, अंता, डा० ककवन (कानपुर) । → २६-७८ एम ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा)। →२६-६५ ओ।

षटशास्त्र-विचार (पद्य)—बलिराम कृत। वि० षट दर्शन सार।

प्रा०—पं० गोपालदत्त, शीतलाघाटी (मथुरा)। →३८-१५६ बी।

षटशास्त्रवेद-द्वादश-महावाक्य-विचार (पद्य)—वनमाली कृत। वि० शास्त्रों और वेदों की व्याख्या।

प्रा०—पं० वृंदावन उपाध्याय, औरैया (इटावा)। →३८-४ ए।

षटषष्टिअपराधा (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धांत।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०१-४८६ च।

संकटचौथीमहिमा→'गणेशकथा' (केशवराय कृत)।

संकटमोचन (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि०का० सं० १६३४। वि० हनुमान जी की स्तुति।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →३६-४८८ आर[१]।

संकटमोचन (पद्य)—नवनिधिदास कृत। लि० का० सं० १६६२। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—श्री लक्ष्मणप्रसाद सुनार, मौजहल्दी (बलिया)। →०६-२१२।

संकटमोचन (पद्य)—लालगुलाम (द्विवेदी) कृत। र० का० सं० १६२६। वि० हनुमान जी की वंदना।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०६-२४७ ए।

संकटव्रतकथा (पद्य)—हरिशंकर (द्विज) कृत। र० का० सं० १६५४। लि० का० सं० १८०६। वि० गणेश जी की कथा।

प्रा०—पं० वासुदेव पांडेय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। →२६-१७२।

संकटाश्वरीस्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० काशी की संकटा देवी की स्तुति।

प्रा०—पं० रोशनलाल सारस्वत, जौंधेरी (आगरा)। →२६-४७८।

संकठाप्रसाद (तिवारी)—हरिदासपुर (रायबरेली) के निवासी। कान्यकुब्ज ब्राह्मण। पुत्रों के नाम हृदयनारायण और सूर्यकुमार। पुत्री का नाम हरिदोई। ८५ वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हुआ। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।

भजन (पद्य)→सं० ०४-३६५।

संकठास्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संकठा देवी की स्तुति।

प्रा०—श्री रघुवरदास, सूरजनगर, डा० नौगवाँ (आगरा)। →३५-२६६।

संकेतसुगल (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८३०। वि० राधाकृष्ण का रासविलास।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)। →०१-६६।

संकाचारज→'शंकराचारज' (सुप्रसिद्ध शंकराचार्य के कोई अनुयायी)।

संक्षेप दशम→'भागवत (दशमस्कंध)' (श्रीलाल कृत)।

संक्षेप लीलावती→'अंककौतूहल' (पीतमदास कृत)।

संख्यादरसन—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२-११ (उन्नीस)।

संगम—सं० १६०७ के पूर्व वर्तमान।

श्रीकृष्णग्वालिनि को झगरा (पद्य)→सं० ०४-१६६।

संगमलाल—सुवंश शुक्ल के वंशज। टेढ़ा (उन्नाव) निवासी।

कवित्त (पद्य)→२३-३७२।

संगीत (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० संगीत।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५६८।

संगीत (भाषा)→'संगीतदर्पण' (हरिवल्लभ कृत)।

संगीतकल्पद्रुम→'रागसागर' (कृष्णानंद कृत)।

संगीत की पुस्तक (पद्य)—अन्य नाम 'संगीतरत्नाकर'। गौरीशंकर (भट्ट) कृत। वि० राग रागिनियों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—लाला गूजरमल गढ़िया, डा० उमरगढ़ (एटा)।→२६-१०१ डी।

(ख) प्रा०—कवि विश्रामसिंह, भवानीपुर, डा० सरोढ़ (एटा)। →२६-१०१ ई।

संगीतदीपिका (पद्य)—शारंगधर कृत। वि० संगीत।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद)।→सं० ०१-४१०।

संगीतपच्चीसी (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० रामलीला।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→१२-५६ ई।

संगीतसार (पद्य)—तानसेन कृत। लि० का० सं० १८८८। वि० संगीत शास्त्र।

प्रा०—बांधवेश पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-१२।

संगीतसार-सुराराध्य→'संगीतदर्पण' (हरिवल्लभ कृत)।

संगृहीतलतिका (पद्य)—दानाराम (दीनदास) कृत। वि० कजली, भजन, ठुमरी आदि का संग्रह।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० शिवदयाल वाजपेयी, सिंहपुर, डा० सरोढ़ (एटा)।→२६-६० ए।

(ख) लि० का० सं० १६४८।

प्रा०—मुंशी लालाराम कायस्थ, राकामाली, डा० औरंगाबाद (सीतापुर)। →२६-६० डी।

संग्रह (पद्य)—अमरनाथ कृत। र० का० सं० १८३३। वि० तुलसीदास, बिहारी, गंग

और काशीराम की कविताओं का संग्रह ।→पं० २२-१ ।

संग्रह (पद्य)—आलम और शेख कृत । वि० आलम और शेख की कविताओं का संग्रह ।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । →२३-६ डी ।

संग्रह (गद्यपद्य)—उमरायसिंह कृत । वि० शकुन, हनुमान का सीता के पास संदेश ले जाना, सुदामा की कथा और नायिकाभेद आदि ।

प्रा०—श्रीमती रानी कुँवरि, भू० पू० अध्यापिका, कन्या पाठशाला, सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-२२५ ।

संग्रह (पद्य)—केवलकृष्ण कृष्ण कवि) कृत । वि० विविध कवियों के सवैयों और कवित्तों का संग्रह ।

प्रा०—पं० भवदेवदत्त शर्मा, कुरावली (मैनपुरी) ।→३८-८४ जी, एच ।

संग्रह (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि० विविध ।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ ।→२३-११४ ।

संग्रह (पद्य)—जयलाल कृत । वि० शंकर और कृष्ण जी की विनय आदि ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—श्री विश्रामसिंह कवि, भवनियापुर, डा० सरौढ़ (एटा) ।→ २६-१७४ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—लाला दिलसुखराय, नगराभगत, डा० पटियाली (एटा) । → २६-१७४ डी ।

संग्रह (पद्य)—दुर्गाप्रसाद (वाजपेयी) कृत । वि० कृष्ण, गणेश, गंगा आदि के भजन ।

प्रा०—चौधरी दाऊदयाल, मुचेहरा, डा० जसवंतनगर (इटावा) ।→३८-४६ ।

संग्रह (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० राग रागिनी, गजल, भजन इत्यादि ।

प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा) ।→२६-२४७ ई ।

संग्रह (पद्य)—निहालदास कृत । लि० का० सं० १८६८ । होरी और बारहमासी आदि ।

प्रा०—ठा० रामनरेशसिंह, तारापत का निवादा, डा० भलियाबुजुर्ग (खीरी) । →२६-११६ सी ।

संग्रह (पद्य)—प्रियादास कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—लाला दिलसुखराय, नगराभगत, पटियाली (एटा) ।→२६-२७३ जी ।

संग्रह (गद्यपद्य)—बनारसी कृत । लि० का० सं० १६७० । विविध ।

प्रा०—पं० देवदत्त, सादाबाद (मथुरा) ।→१८-५ ।

संग्रह (पद्य)—माधुरीदास कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर ।→०२-१०४ (नौ) ।

संग्रह (पद्य)—शिवप्रसादसिंह कृत । वि० विविध विषयक पुरुषोत्तम, नरहरि, तोष आदि की कविताओं का संग्रह ।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-४५१ ।

संग्रह (पद्य)—हरिबख्शसिंह कृत । वि० रामविनय और पिंगल ।
प्रा०—लाला द्वारकाप्रसाद, मोढ़ा, डा० भरथना (इटावा) ।→३८-५६ ।

संग्रह (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) । → २३-१६६ सी ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, मतिराम, देव आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० रामसहाय कारिंदा, पैगू, डा० भारौल (मैनपुरी) ।→३५-२६७ ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि (आलम, कालिदास, देव आदि) कृत । वि० शृंगार वर्णन ।
प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५-२६८ ।

संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० ब्रह्मानंद मिश्र, सहायक अध्यापक, हाईस्कूल, प्रतापगढ़ । → १७-७५ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३३ । वि० कृष्णदास कृत रुक्मिणीविवाह और नारायणदास कृत राधाविवाह आदि का संग्रह ।
प्रा०—श्री अश्विनीकुमार वैद्य, बलदेव (मथुरा) ।→१७-७२ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राग रागिनी ।
प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुरजा ।→१७-७३ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० प्रेमादि वर्णन ।
प्रा०—ठा० बद्रीनाथसिंह, खरौंहीं, डा० मानधाता (प्रतापगढ़) । → २६-१०३ (परि०३) ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० गंगाधर, कोटला (आगरा) ।→२६-४८० ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० बच्चूलाल शर्मा, कुकावली (मैनपुरी) ।→३५-२६४ ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति, विराग एवं प्रेम ।
प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५-२६५ ।

संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम और कृष्ण विषयक काव्य संग्रह ।
प्रा०—पं० रामजी शर्मा, असरोही, डा० करहल (मैनपुरी) ।→३५-२६६ ।

संग्रहकविताई (सारसंग्रह (पद्य)—विविध कवि (केशव, घनानंद, ठाकुर आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२-२७८ ।

संग्रह कवित्त फुटकर (पद्य)—विभिन्न कवि कृत । वि० विविध ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४६८ (अप्र०) ।

संग्रहख्याल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ईश्वरोपासना, स्त्री शिक्षा आदि ।
प्रा०—श्री सालिगराम, जलाली (अलीगढ़) ।→१७-७४ (परि०३) ।

संग्रहग्रंथमाला (पद्य) – सेवकराम कृत । वि० गंगा, दुर्गा, शिव आदि की स्तुति ।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद, मनौना, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६-४३५ ।

संग्रहलतिका→'संगृहीतलतिका' (दाताराम कृत) ।

संग्रहसार (पद्य)—विविध कवि (काशीराम, मंडन, सेनापति आदि) कृत । लि० का० सं० १६३४ । वि० स्फुट ।
प्रा०—सिंगोई कृष्णसिंह रईस, गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१७-७६ (परि०३) ।

संग्रहावली→'नानार्थनवसंग्रहावली' (मातादीन शुक्ल कृत) ।

संग्रामजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२० से १५४० के बीच में । वि० वैराग्य ।→पं० २२-३७ आई ।

संग्रामदर्पण (पद्य) – सोमनाथ कृत । र० का० सं० १७८६ । लि० का० सं० १८१० । वि० स्वरोदय के अनुसार राजाओं के संग्राम जीतने का ज्ञान ।
प्रा०—पं० रेवतीनंदन मिश्र, वेरी, डा० बरारी (मथुरा) ।→३८-१४४ ।

संग्रामदर्पण (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—सेट अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४८१ ।

संग्रामरत्नाकर (पद्य)—रसानंद (भट्ट) कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १६१४ । वि० महाराज युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—श्री ब्रजवासीलाल, गोपीनाथ चौबे, विश्रामघाट, मथुरा ।→०६-२६० ।

संग्राम राजा बलभद्रसिंह चहलारी→'अंग्रेजजंग' (मथुरेश कवि कृत) ।

संग्रामसार→'महाभारत (द्रोणपर्व भाषा)' (कुलपति मिश्र कृत) ।

संग्रामसिंह (राजा)—सिरमौर वंश के राजा । काव्य, पिंगल, भूगोल, खगोल आदि के अच्छे ज्ञाता । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।
काव्यार्णव (पद्य)→०६-२७६, २६-४२१ ।

संघपट्टा ग्रंथ बालावबोध (गद्य)—लक्ष्मीवल्लभ कृत । र० का० सं० १७४७ । लि० का० सं० १७४७ । वि० जैन ग्रंथ संघपट्ट का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१७२ ।

संक्षेप तिमिरनाशक (पद्य)—कृष्णविष्णु (पंडित) कृत । वि० इतिहास ।
प्रा०—श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय, शेखपुरा, डा० तेजीबाजार (जौनपुर) । → सं० ०४-४३ ।

संजीवन (वैद्यक) (गद्यपद्य)—आलम (चाँदसुत सैयद) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० बाबूराम पुरोहित, कैस्थ, डा० मलाजनी (इटावा) ।→३५-३ ।

संजीवनचरितावली (पद्य)— ब्रजनिधिवल्लभ कृत। र० का० सं० १७५५। वि० हित हरिवंश तथा उनके वंशजों का वर्णन।
प्रा०—गो० युगलवल्लभ, राधावल्लभजी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →१२-३२।

संजीवनसार (पद्य)- नोनेशाह कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १९२८। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री हरिचरण उपाध्याय, कालीमर्दनपुरा, समथर।→०६-८० सी।

संज्यानाथ— सं० १८५६ के पूर्व वर्तमान।
अवधूतगीता (भाषा टीका) (पद्य)→सं० ०१-४३३।

संत (कविराज)—रीवाँ राज्य निवासी। दरभंगा नरेश महाराज लक्ष्मीश्वरसिंह के दरबारी कवि। सं० १९४२ के लगभग वर्तमान।
लक्ष्मीश्वरचंद्रिका (पद्य)→०० ५१।

संतउपदेश (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० उपदेश।
(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-२९४ ई।
(ख) प्रा०—श्री भागवतलाल, प्रतापगढ़।→२६-४४८।

संतदास- संभवतः शाहपुरा (राजस्थान) के संत स्वा० रामचरण के दादा गुरु। सं० १८३० के लगभग वर्तमान।
बानी या साखी (पद्य)→२३-३७५ ए, बी।
वाणीश्रग्गभै (पद्य)→सं० ०७-१८६।
साखी (पद्य)→सं० ०१-४३४।
सुमिरन को अंग (पद्य)→४१-२७४।

संतदास—च्यवनी ग्राम (डलमऊ, रायबरेली) के निवासी। सं० १९११ के लगभग वर्तमान।
भक्तिबिलास (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-३९८।

संतदास— ब्रजवासी। सं० १६८० के लगभग वर्तमान।
गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (पद्य) →१२-१६१; २६-४२८ ए, बी; ४१-५६६ (अप्र०); सं० ०७-१८७।

संतदास—अन्य नाम संतरसिक। सं० १९२३ के पूर्व वर्तमान।
भँवरगीत (पद्य)→सं० ०१-४३५।

संतदास—(?)
आरती (पद्य)→सं० ०७-१८८।

संतदास→'हजारीदास' ('बानी' आदि के रचयिता)।

संतदास की बानी→'बानी या साखी' (संतदास कृत)।

संतपरवाना (पद्य)→शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-२६४ डी ।

संतबख्श (कायस्थ)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । नरही (लखनऊ) के महंत ।

कोटवार्वदन (पद्य)→२३-३७३ बी ।

सत्यप्रकाश (गद्यपद्य)→२३-३७३ ए ।

संतबख्श (बंदीजन)—होलपुर (बाराबंकी) निवासी ।

नखशिख (पद्य)→२३-३७४ ।

संत या संतन (कवि)—आजमऊ (रायबरेली) निवासी ।

अध्यात्मलीलावती (गद्यपद्य)→सं० ०४-३६७ ।

संतरसिक→'संतदास' (भँवरगीत' के रचयिता) ।

संतलाल (जैन)—पंडित और कवि ।

सिद्धिचक्रविधान (गद्यपद्य)→सं० १०-१२६ क, ख ।

संतबाणी (?) (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-३८५ ।

संतविचार (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-२६४ सी ।

संतविनय-शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० भक्तमाल के आधार पर संतों के नाम और वंदना ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ ब ।

संतविलास (पद्य)—नित्यानंद कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० अवतारों और भक्तों का वर्णन ।→पं० २२-७८ ।

संतविलास (पद्य)—रामावतारदास कृत । र० का० सं० १६२५ । लि० का० सं० १६२८ । वि० स्तुति, नीति, शिक्षा और शृंगार ।

प्रा०—श्री रामकरण शुक्ल, गवर्नमेंट माडल नार्मल स्कूल, इलाहाबाद । → सं० ०१-३६० ।

संतविलास (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० आत्मज्ञान ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) । →०६-२६४ बी ।

संतबोजन (गद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० संतासंतों के गुणागुण एवं पंच तत्वादि वर्णन ।

प्रा०—महंत राजकिशोर रतसंड (बलिया) ।→४१-२६३ अ ।

संतसई (पद्य)—जयसिंह (रायराजा) कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० ज्ञान और भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, राजपुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर ।→०६-१३६ ।

(ख) लि० का० सं० १६५७ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ सं० ४०-११७ ।

संतसरन (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री लाडिलीप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-६३।

संतसहस्रनाम (पद्य)—कुबेरदास कृत। लि० का० सन् १२७३ साल। वि० एक सहस्र संतों के नाम।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।→ सं० ०४-३७।

संतसिंह—सिख। पंजाबी। सूरतसिंह ज्ञानी के पुत्र। सं० १८८१-८८ में वर्तमान।
भावप्रकाशिनी टीका (गद्यपद्य)→०६-७८; ०६-२८२ ए से जी तक; २६-४२६ ए, बी।

संतसुंदर (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८११। वि० संतों का माहात्म्य।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-२६४ ए।

संतसुमिरनी (पद्य)—गंगादास कृत। वि० भक्तों का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२५२ ए (विवरण अप्राप्त)।

संतसुमिरनी (नाल) (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० गुरु महिमा, भक्ति, ईश्वर को जानने के उपाय आदि।
प्रा०—श्री जुगलकिशोर, देवनंदपुर (रायबरेली)।→२३-२६३ जी।

संताक्षरी (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० सांसारिक सुख दुःख और संत महिमा।
प्रा०—महंत श्री राजकिशोर, रतसंड (बलिया)।→४१-२१३ ट।

संतानकल्पलतिका (पद्य)—मुन्ना कृत। वि० वध्या चिकित्सा।
(क) प्रा०—ठा० रघुराजसिंह मुख्तार, मौड़र भासौना, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६-३११।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२६६।

संतान सातैं की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भादों शुक्ला सप्तमी की संतान सातैं की कथा का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० श्रीनारायण शर्मा, भाड़री, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→ ३५-३०० ए।
(ख) प्रा०—पं० विद्याराम शर्मा, परतापनेर (इटावा)।→३५-३०० बी।

संतों की गाली (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० आध्यात्मिक गाली।
प्रा०—पं० सत्यनारायण त्रिपाठी, भौंदा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-२'४ डी।

संतों की वाणी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० श्रीकृष्ण जन्म, बधाई, छठी आदि।

प्रा०—पं० तुलसीराम गोस्वामी, नंद जी के मंदिर का घेरा डा० नंदग्राम (मथुरा) ।→३२-२३२ एन ।

संतोष (वैश्य)—अन्य नाम मनसंतोष । संभवतः चंदेरी (ग्वालियर) के निवासी ।
विषनाशन (पद्य)→०६-३२४; ४१-१८३ ।

संतोषबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८१२ । वि० जीव विषयक ज्ञान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२१ च ।

संतोषसिंह—सिख । पटियाला निवासी । सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।
रामायण वाल्मीकीय (पद्य)→०३-१२१ ।

संतोषसुरतरु (गद्यपद्य)—माणिकदास कृत । लि० का० सं० १६१३ । वि० भक्ति की महिमा आदि ।
प्रा०—श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१३३ ।

संदेहबोध (गद्य)—अन्य नाम 'देवधर्मदूषक-मुखचपेटिका' । साहबदीन कृत । र० का० सं० १६०७ । वि० अवतार वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-३०

संदेहसागर→'योगसंदेहसागर' (स्वा० चरणदास कृत) ।

संप्रदायनिर्णय और प्रार्थनाशतक (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि० सखी समाज और रामनाम की महिमा ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर ।→०६-२७६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

संबंध (पद्य)—महामति (महामंत) कृत । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१०८ डी ।

संबोधपंचासिका→'बावनअच्छरी छै ढाल' (द्यानतराय कृत) ।

संबोधिपंचाशिका (भाषा) (पद्य)—बिहारीदास कृत । र० का० सं० १७५८ । वि० जैन ग्रंथ संबोधिपंचाशिका का अनुवाद ।
प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००-११६ ।

संमतसार (ग्रंथ) (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १६०० । वि० तत्वज्ञान ।
प्रा०—बाबा परागशरणदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५-१४ एच ।

संमेदशिखरपूजा (पद्य)—जवाहिरलाल कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० जैनपूजन ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-६७ ।

संयोगबत्तीसी (पद्य) —मान कवि या मुनिमान कृत। र० का० सं० १७३१। वि० नायिकाभेद वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कांकरोली।→सं० ०१–२६२ क।

संवत्सरफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवतों का फल।

(क) प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)। → ३५–२६१ ए।

(ख) प्रा०—पं० हरदयाल, भदेसरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३५–२६१ बी।

संवत्सरफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवत्सरों का फल।

प्रा० पं० रामदयाल शर्मा, जगौरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)। → ३५–२६१ सी।

संवत्सरफल (गद्यपद्य) – रचयिता अज्ञात। वि० साठ संवत्सरों का फल।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल पुजारी, नगलाआशा, डा० बलरई (इटावा)। → ३५–२६२।

संवत्सरसमुच्चय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संवत्सरों के नाम और उनके शुभाशुभ का वर्णन।

प्रा०—पं० मातादीन नंबरदार, कंजरा, डा० करहल (मैनपुरी)।→३५–२६३।

संवर (कवि)—जैन। सं० १८२७ के पूर्व वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→२६–४२२।

संवाद पलकराम नानकपंथी और तुलसीसाहब (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। वि० नानकपंथी पलकराम और तुलसीसाहब का धार्मिक विवाद।

प्रा०—बाबा शिवगिरि, राजारामपुर, डा० सहावर (एटा)।→२६–३२६ डी।

संवाद फूलदास कबीरपंथी और तुलसीसाहब (पद्य)—तुलसीसाहब कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० कबीरपंथी फूलदास और तुलसी साहब का धार्मिक विवाद।

प्रा०—बाबा शिवगिरि, राजारामपुर, डा० सहावर (एटा)।→२६–३२६ सी।

संस्कृत के काल (गद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० संस्कृत के दसों कालों की परिभाषा और व्याख्या सहित उदाहरण।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, मुहल्ला छपैटी, इटावा।→३८–८४ आई।

संस्कृत के कुछ पद्यखंडों पर सवैये (पद्य)—बालगोविंद कृत। वि० कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम वर्णन आदि।

प्रा०—पं० श्रीकृष्ण, छपैटी, इटावा।→३८–२।

संस्कृत भक्तमाल की टीका (गद्य)—बैजनाथ कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६३१। वि० भक्तों की कथा।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालालरोड, ऐशबाग, लखनऊ।→ →सं० ०७–११५।

संस्कृत व्याकरण (गद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण कवि) कृत । वि० व्याकरण ।
प्रा०—श्री भवदत्त शर्मा, रियासत मुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी) । →३८-८४ जे ।

सकलगहरा ग्रंथ या रमैणी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० १०-६ घ ।
(ख) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७-११ प ।

सखीसमाज नाटक (पद्य)—केशवकीर्ति (केशव मिश्र) कृत । लि० का० सं० १७६० । वि० राधाकृष्ण की सखियों और सखाओं का वर्णन ।
प्रा०—राज पुस्तकालय, किला प्रतापगढ़, प्रतापगढ़ । →सं० ०८-३६ ।

सगारथलीला (पद्य)—केशरीसिंह (नंद) कृत । वि० राधाकृष्ण का व्याह ।
(क) लि० का० सं० १६२० ।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर । →०५-३७ ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-२६६ (विवरण अप्राप्त) ।

सगुन→'सगुनावली' (भड्डरी कृत) ।

सगुन नवौ दिशा को (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—पं० शालिगराम दीक्षित, जामू, डा० संडीला (हरदोई) । →२६-१०५ (परि० ३) ।

सगुनपरीक्षा (गद्य)—गोकुलचंद कृत । लि० का० सं० १६२७ । वि० शकुन ।
प्रा०—लाला दिलसुखराय, नगराभगत, डा० पटियारी (एटा) । →२६-१२७ ।

सगुनपरीक्षा (गद्य)—मणिराम कृत । र० का० सं० १८१४ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—पं० यशोदानंदन तिवारी, कौंथा (उन्नाव) । →२३-२६६ ।

सगुनमाला→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सगुनविचार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सगुनासगुन जानने की विधि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या । →१७-१० (परि० ३) ।

सगुनविलास (पद्य)—उदयनाथ कृत । र० का० सं० १८४१ । वि० ईश विनय, सगुनावली और कृष्ण ।
(क) लि० का० सं० १६१६ ।
प्रा०—पं० मूलचंद तिवारी, झौंझर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२६-४८६ ।

(ख) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा० — ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया (सीतापुर) ।→१२-१६१ ।

(ग) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा० —ठा० रामसिंह, रघुनाथपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-४१६ ।

सगुनसुभाषित (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६८ । वि० शकुन ।

प्रा० —श्री चिरंजी वैद्य, बेलनगंज, आगरा ।→२६-४६७ ।

सगुनावली (पद्य)—अन्य नाम 'छींक व शकुन विचार' तथा 'भड्डुलीसगुनावली' । भड्डुलि (भड्डुरी) कृत । वि० शकुन विचार ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा० —पं० शिवकुमार, गोपालपुर, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-४६ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा—पं० रामदत्त दूबे, मुबारकपुर, डा० लहरपुर (सीतापुर) ।→२६-४६ डी ।

(ग) प्रा० —पं० रामनाथ पांडे, प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़) ।→२६-४६ ई ।

(घ) प्रा० —पं० लक्ष्मीनारायण पटवारी, धनुवाँखेड़ा (इटावा) ।→३५-६० ।

(ङ) प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८-७ ए ।

(च) प्रा० —चौधरी जुगलकिशोर, करहला, डा० बरसाना (मथुरा) । → ३८-७ बी ।

(छ) प्रा० —श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, इलाहाबाद । → ४१-५६६ (अप्र०) ।

सगुनावली (पद्य)—मोहन कृत । र० का० सं० १८७८ । लि० का० सं० १६२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० —पं० केवलराम, भरतपुर, डा० सौंख (मथुरा) ।→३८-६८ ।

सगुनावली (गद्यपद्य)—व्यास कृत । लि० का० सं० १८२७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० बिसवाँ आनंदभवन पुस्तकालय, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-५०६ डी ।

सगुनावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० झाड़फूँक ।

प्रा० —पं० भगवानदत्त, बेनीपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) । → २३-१०६ (परि० ३) ।

सगुनावली → रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सगुनौटी (ॲंकारवल) (गद्य)—गणराम (ऋषि) कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० शकुन ।

प्रा० —श्री हनुमतदत्त त्रिपाठी, सनातन धर्मोपदेशक, इस्माइलगंज, इलाहाबाद ।→ सं० ०१-७५ ।

सगुनौती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा० —पं० विंध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक संस्कृत पाठशाला, गोंडा,

डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६-१०७ (परि०३) ।

सगुनौती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शकुन ।

प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह कूर्म, जौखंडी, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६-४६८ ।

सगुनौती→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सगुनौती और शिवाशकुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शकुन ।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४७० ।

सगुनौतीपरीक्षा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३२ । वि० शकुन ।

प्रा०—श्री कीर्तिभानुराय, मालगुजार, रायवाड़ा, डा० कटनी (जबलपुर) । → २६-४६६ ।

सगुनौनीप्रश्न (पद्य ?) - परशुराम कृत । वि० शकुन विचार ।→पं० २२-८१ ।

सच्चिदानंदलहरी (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत । वि० वेदांत ।

प्रा०—महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल) ।→१२-१७० सी ।

सच्चिदानंदविहार-स्तोत्र (पद्य)—भागवतदास कृत । वि० भगवद्स्तोत्र ।

प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग ।→४१-१७३ भ ।

सजनबहोरा (पद्य)—वंशी (कवि) कृत । र० का० सं० १७८० । वि० नंद तथा वृषभानु द्वारा वरवधू के लिये भेंट भेजने का वर्णन ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-११ ।

सज्जनचित्त-वल्लभनामा (गद्य)—हरगूलाल (जैन) कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१३६ क ।

(ख) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१३६ ख ।

(ग) लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१३६ ग ।

सज्जनविलास (पद्य)—दत्त (देवदत्त) कृत । र० का० सं० १८०४ । लि० का० सं० १८४६ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-३६ ।

सतकबीरबंदीछोर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्मज्ञान ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१७७ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

सतकविकुलदीपिका (पद्य)—भारथसाहि (भारथसिंह) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० साहित्यशास्त्र और कवि शिक्षा वर्णन ।

प्रा०—ठा० लाल संकर्षणसिंह, सुंदरपुर, डा० बारा (इलाहाबाद) । → सं० ०१-२५७ ।

सतगीता (पद्य)—सतीराम कृत । वि० दुर्वासा के संमुख पांडवों का पराक्रम प्रदर्शन ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१२५ (विवरण अप्राप्त) ।

सतगुरसाहब की साखी (पद्य)—तुलसी (दास) साहब कृत । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—श्री धर्मपाल बोहरे, सखीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→१२–२२१ सी ।

सतगुरुप्रसादशरण (स्वामी)—ब्राह्मण । कमोलिया गाँव (?) में जन्म । नैमिषारण्य (हरदोई) निवासी । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

उपदेश (पद्य)→२०–१७५ ।

सतनाम (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञान और वैराग्य ।

प्रा०—श्री लछमनप्रसाद सुनार, हल्दी (बलिया) ।→०६–१४३ क्यू' ।

सतनाम (पद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि० ज्ञान और ईश्वर महिमा ।

प्रा०—बाबू अमीरचंद ठाकर, व्यवस्थापक, वी० डी० गुप्ता एंड कं०, चौक बाजार (बहराइच) ।→२३–२६३ एफ ।

सतपंचचौपाई (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० सीता राम का नखशिख सौंदर्य ।

प्रा०—लाला तुलसीराम निगम, रायबरेली ।→२३–४३२ बी' ।

सतपंचासिका (पद्य)—रामचरणदास कृत । र० का० सं० १८४२ । वि० पंचतत्व एवं रसादि वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→२६–३७८ डी ।

(ख) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—महंत जानकीशरण, अयोध्या ।→०६–२४५ बी ।

सतबारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'दत्तलाल की बारहखड़ी' । दत्तलाल (दत्त) कृत । र० का० सं० १७६० । वि० शिक्षाप्रद भजन ।

(क) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७–४१ बी ।

(ख) प्रा०—पं० बाबूलाल शर्मा, क्लर्क, विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय, मेरठ ।→१२–४८ ।

(ग) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७–४१ ए ।

(घ) प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५६ ।

(ङ)→पं० २२–१३ ।

सतसंग को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० सतसंग की महिमा ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ आई' ।

सतसंगति-महातम (पद्य)—भागवत कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत आशारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) ।→सं० ०७–११६ ।

सतसंगविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९१६ । वि० मूर्तिपूजा का मंडन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५१ ।

सतसंगसार (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत । वि० सतसंग माहात्म्य ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६-३४ एल ।

सतसंगसार (पद्य)—सूरतराम (जन) कृत । वि० सतसंगति माहात्म्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०७-२०१ च ।

सतसई→'बिहारी सतसई' (बिहारीलाल कृत) ।

सतसैया→'भूपति सतसई' (गुरुदत्तसिंह कृत) ।

सतसैया टीका→'बिहारी सतसई की टीका' (राधाकृष्ण चौबे कृत) ।

सतसैया टीका→'हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई)' (हरिचरणदास कृत) ।

सतसैया दरियासाहब (पद्य)—दरिया साहब कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० ज्ञान ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) । → ०६-५५ एल ।

सतसैयाबरनार्थ (गद्य)—अन्य नाम 'देवकीनंदनतिलक' । ठाकुर (कवि) कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० बिहारी सतसई की टीका ।
(क) लि० का० सं० १९१० ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०४-१८ ।
(ख) लि० का० सं० १९६३ ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) । → २६-४७८ ।

सतहंसी (पद्य)—रामहरी (जौहरी) कृत । र० का० सं० १८३३ । वि० राधाकृष्ण और गोपियों की रासलीला ।
प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा) । → २६-२८३ ई ।

सतहरिश्चंद कथा→'हरिचंदसत' (ध्यानदास कृत) ।

सतिलक कवित्त शृंगार पचीसी→'कवित्त शृंगारपचीसी सटीका' (गोपाल बकसी कृत) ।

सतीप्रसाद—कमौली (वाराणसी) जमींदार बटुकबहादुरसिंह के आश्रित ।
जयचंदवंशावली (पद्य) → ०६-३१० ।

सतीबानी (पद्य)—नोहरदास कृत । वि० अद्वैतवाद की व्याख्या तथा हरिभजन की महिमा ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या । → १७-१३० ।

सतीराम—(?)
सतगीता (पद्य) → ०६-३२५ ।

सतीबिलास (पद्य)—विरंचिकुँवरि कृत । र० का० सं० १९०५ वि० पतिव्रत धर्म की महिमा ।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०४-३६ ।
(ख) प्रा०—श्री भगवानबख्शसिंह, अमेठीराज, सुलतानपुर । → २३-४४१ ।

(ग) प्रा०—महाराजकुमार रणंजयसिंह जी, अमेठी (सुलतानपुर)। → सं० ०७-१०८।

सतीस्तुति→'खवासखाँ की कथा' (अमोलक कृत)।

सत्तनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६६३। लि० का० सं० १७७७। वि० संत के लक्षणों का वर्णन।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ ख।

सत्तभक्त-उपदेश (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १६३३। वि० उपदेश।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। → २६-४८२ एस।

सत्तररेखता→'अंगदवीर' (देवीदास कृत)।

सत्तरामायण (पद्य)—चंद्रकीर्ति कृत। वि० रामायण की कथा।→पं० २२-१७।

सत्तानिश्चय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४८। वि० जैन धर्म।

प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर)।→१७-८५ (परि०३)।

सत्य (कवि)—(?)

सामुद्रिक (गद्यपद्य)→सं० ०४-३६६।

सत्यनारायण (उल्था) (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत। वि० सत्यनारायण कथा।

प्रा०—पं० देवीप्रसाद, हरनाथपुर (इटावा)।→३८-१६२ बी।

सत्यनारायणअष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। र० का० सं० १६३६। वि० सत्यनारायण जी की स्तुति।

प्रा०—पं० चक्रपाणि मिश्र, विशारद, अध्यापक हेनावली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-४१ डी।

सत्यनारायण कथा (गद्य)—गंगाधर (शास्त्री) कृत। र० का० सं० १८५४। लि० का० सं० १६२२। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० सहजराम, शिवपुर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर)।→२६-१२८।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—नंदकिशोर कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० सं० १६०७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, वरनापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३१७।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—माखनलाल कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६-६६ बी।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—रामप्रसाद (गूजर) कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, पृथ्वीपुरा, डा० किरावली (आगरा)।→३२-१८३।

सत्यनारायण कथा (पद्य)—शंकर कृत। र० का० सं० १६६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री शंकर कवि, केसीघाट, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६६।

सत्यनारायण कथा (भाषा) (पद्य)—रामदीन कृत । र० का० सं० १८७९ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर) ।→१०-१४८ ।

(ख) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५५० (अप्र०) ।

सत्यनारायण कथा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० हरनामसिंह, दाईपुर, डा० अतरौली (हरदोई) ।→२६-४६१ ।

सत्यनारायण कथा (भाषा टीका) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० मिट्ठूलाल मिश्र, अध्यापक, पीपलवाला, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-४६० ।

सत्यनारायण की कथा (पद्य)—ईश्वरनाथ कृत । लि० का० सं० १६११ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री जयदेव मिश्र, सरहैंदी, डा० जगनेर (आगरा) ।→२६-१६० ।

सत्यनारायण की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री पन्नालाल तिवारी, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा) ।→२६-४६२ ।

सत्यनारायण की कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० गोपीचंद, यमरौली कटारा (आगरा) ।→२६-४६४ ।

सत्यनारायण की कथा (भाषा) (पद्य)—गणेशदत्त कृत । लि० का० सं० १६४० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० बिहारीलाल शुक्ल, गढ़ी मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ) ।→२६-२०६ ।

सत्यनारायण की कथा (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६१७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० सूर्यपाल, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६-४६३ ।

सत्यनारायणव्रत कथा (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० नरोत्तमदास लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-३० ए ।

सत्यनारायणव्रत कथा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० गोपालप्रसाद, कोटकी, डा० जारखी (आगरा) ।→२६-४६५ ।

सत्यप्रकाश (गद्यपद्य)—संतबख्श (कायस्थ) कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० जगजीवनदास का चरित्र वर्णन ।

प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, यादवपुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। → २३-३७३ ए।

सत्यप्रबंध (पद्य)—गदाधर (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० सं० १८८०। वि० बहुला व्याघ्र की पौराणिक कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-६३।

सत्यवती कथा (पद्य)—ईश्वरदास (इसरदास) कृत। वि० इंद्रपति राजा के पुत्र ऋतुवर्ण और मथुरा के राजा चंद्रउदय की पुत्री सत्यवती की प्रेम कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२२।

सत्यवती कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मथुरा के राजा की पुत्री सत्यवती की कहानी।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→४१-४१८।

सत्यसार (पद्य)—जयगोविंद (गोविंद) कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—महंत त्रिवेणीशरण, पलटूदास का अखाड़ा, अयोध्या।→२०-७१।

सत्योपाख्यान→'सूतशौनक-संवाद' (ललकदास कृत)।

सत्रह (सतर) भेदपूजा (पद्य)—गुणसागर (जैन) कृत। वि० जिनदेव की पूजा के सत्रह प्रकारों का वर्णन।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६४।

सत्संगमहिमा (पद्य)—किशोरीअली कृत। र० का० सं० १८३८। लि० का० सं० १८४६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, फतेहपुर सीकरी (आगरा)। → ३२-१२० सी।

सदल (मिश्र)—ब्राह्मण। बिहार निवासी। ये कलकत्ते के फोर्ट विलियम कालेज में अध्यापक थे और डाक्टर गिलक्राइस्ट की संरक्षकता में काम करते थे। हिंदी गद्य के सुप्रसिद्ध चार उन्नायकों में से एक ये भी हैं। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

नासिकेतोपाख्यान (गद्य)→०१-३४।

सदाचारप्रकाश (पद्य)—जयतराम कृत। र० का० सं० १७६५। लि० का० सं० १८७३। वि० भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—पं० रघुनाथ शर्मा, गयाघाट, वाराणसी।→०६-१४०।

सदानंद—संभवतः भगवंतराय खीची के आश्रित। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।

भगवंतरायरासा (पद्य)→२३-३६४ ए, बी; ४१-५६७ (अप्र०)।

सदानंद—(?)

विचारमाला की टीका (गद्यपद्य)→सं० ०१-४३६।

सदानंद—दोहाराम के भानजे। ऋषिनाथ के आश्रयदाता।→सं० ०४-२१।

सदानंद→'हुसेनअली' ('पुहुपावती' के रचयिता)।

सदानंद (कायस्थ)—काशिराज के दीवान के संबंधी। ऋषिनाथ ब्रह्मभट्ट के आश्रयदाता। सं० १८३० के लगभग वर्तमान।→२०-१६६।

सदानंददास—जन्म सं० १६८०।
नंदजी की वंशावली (पद्य)→०६-२७१; २३-३६५।

सदाफकीरी (पद्य)—इलाहीबक्श (रमजानशेख) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब, मुदर्रिस इस्लामिया स्कूल, पाइकनगर (प्रतापगढ़)।→२६-१८४ ई।

सदाराम—राजगढ़ (मध्यप्रदेश) के निवासी। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।
अखंडप्रकाश (पद्य)→०६-२७२ ए; सं० ०१-४३७।
अनुभवआनंद-सिंधु (पद्य)→ ०६-२७२ सी।
ज्ञानसमुद्र (पद्य)→२०-१६६।
नाटकदीपिका (गद्य)→०६-२७२ डी।
बोधविलास (पद्य)→०६-२७२ बी।

सदालाल—संभवतः पंजाब निवासी।
अंग (पद्य)→४१-२७५।

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)—तापा (तापान) कृत। वि० शिव पार्वती का विवाह।
प्रा०—पं० भेदीराम, चंद्रभाननगर, डा० फरह (मथुरा)।→३८-१५१।

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)—दयाराम कृत। लि० का० सं० १६१५। वि० शिव पार्वती विवाह।
प्रा०—बाबू किशनस्वरूप अग्रवाल, कोशी इंद्रगंज, डा० कोसीकलाँ (आगरा)।→३८-३८।

सदाशिवपंजर(पद्य)—अवधूतसिंह कृत। र० का० सं० १८४४। लि०का० सं० १८४४। वि० शिव स्तुति।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-११ सी।

सदासुख (जैन)—डेडराय के वंशज दुलीचंद के पुत्र। कासलीवाल गोत्रीय खंडेलवाल वैश्य। महाराज रामसिंह द्वितीय (सं० १८६२-१६३७) के समय में जयपुर में वर्तमान।
तत्वार्थसूत्र की टीका या देश भाषा मय टिप्पण (गद्य)→सं० ०१-१२७ क, ख, ग, घ।
भगवती आराधना की देश भाषा मय वचनिका (गद्य)→सं० १०-१२७ ङ।
रत्नकरंड श्रावकाचार की देश भाषा मय वचनिका (गद्य) →२६-३००; सं० १०-१२७ च, छ।

सदासुख (मिश्र)—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।

अष्टावक्रोक्ति (भाषा) (पद्य)→२०-१७० ।

सद्‌गुरुमहिमा (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि० सद्‌गुरु महिमा, वंदना आदि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-६६ ए ।

सद्‌गुरुमहिमा (पद्य)—श्रीनिवास कृत । वि० गुरु महिमा ।
प्रा०—पं० विश्वनाथ तिवारी, नंदना, डा० बरहजबाजार (गोरखपुर) । → सं० ०१-४२८ ।

सद्‌गुरुविनय (पद्य)—शालिग्राम (परमहंस) कृत । लि० का० सं० १६४० । वि० सद्‌गुरु की भक्ति और विनय ।
प्रा०—ठा० हगपालसिंह, महुआडाँड, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६-४१७ ।

सद्‌गुरुस्तोत्र (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला श्रीनारायण पटवारी, धरवार, डा० बलरई (इटावा) । → ३८-१०८ सी ।

सधना —नाभादास कृत 'भक्तमाल' के सधना कसाई ।
पद (पद्य)→सं० १०-१२८ ।

सनातनव्यवहारिणी भाषा विवृत्ति (गद्य)—सुखानंद कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० लौकिक व्यवहारों का वर्णन ।
प्रा०—पं० गणपतिराम शर्मा, चुंगी दफ्तर के निकट, शाहदरा, दिल्ली । → दि० ३१-४ ।

सनेहमंजरी (पद्य)—सुंदरलाल (सुंदरसखि) कृत । र० का० सं० १६१६ । लि० का० सं० १६२५ (के लगभग) । वि० राधाकृष्ण एवं पति से कपट रहित प्रेम रखने का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२८८ ग ।

सनेहलीला (पद्य)—मोहनदास (जनमोहन) कृत । वि० कृष्ण का ऊधो द्वारा यशोदा को संदेश भेजना ।
(क) लि० का० सं० १८३४ ।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०६-२६७.(विवरण अप्राप्त) ।
(ख) लि० का० सं० १८७७ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-५४ ।
(ग) लि० का० सं० १८६४ ।
प्रा०—श्री मतंगध्वजप्रसादसिंह, विस्वाँ (अलीगढ़) ।→१७-२०४ ।
(घ) लि० का० सं० १६४० ।
प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, ग्राम नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) । → २६-३०७ ए ।

(ङ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण मिश्र, पुरा कोलाहल, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६-३०७ बी ।

(च) प्रा०—पं० गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-४१ ।

सनेहलीला (पद्य)—रसिकराय कृत । ऊधो और गोपियों का संवाद ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—ठा० गंगाबख्शसिंह, बंगलाकोट, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) । → २६-४०४ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३१६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—ठा० जोधासिंह, मिलिया, ईसानगर (खीरी) ।→२६-४०४ बी ।

(घ) प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-१६४ ।

सनेहलीला (पद्य)—विष्णुदास कृत । वि० श्रीकृष्ण का ब्रजवासियों एवं माता पिता के प्रति प्रेम ।

(क) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-४६६ ।

(ख) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर) ।→२० २०४ बी ।

सनेहलीला→'सनेहसागर' (हंसराज बख्शी कृत) ।

सनेहलीलामृत-पच्चीसी (पद्य)—हनुमंत कवि और रामनारायण कृत । वि० गोपी उद्धव संवाद ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४७५ ।

सनेहसंग्राम (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र० का० सं० १८५२ । वि० राधाकृष्ण की पारस्परिक लड़ाई ।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा ।→००-७८ ।

सनेहसागर (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत । वि० कृष्ण की बाललीला, राधाप्रेम, राधाकृष्ण विवाह, कृष्ण का सखी तथा राधा का सखाभाव आदि वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४८ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ा बाजार, कालपी ।→००-१३५ ।

(ख) लि० का० सं० १८६१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-१६५ बी ।

(ग) लि० का० सं० १८६१ ।

प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) । →२६-११७ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८८२ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–४५ सी।

(ड) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—श्री नत्थूदास वैश्य, पुरानी बस्ती, कटनी।→२६–१३७ ए।

सनेही→'श्रीधर (स्वामी)' ('भागवतभावार्थ-दीपिका' आदि के रचयिता)।

सनेहीराम—सूदन ने 'सुजानचरित' में इनका उल्लेख किया है। सं० १८०३ के पूर्व वर्तमान।→००–८१।

रसमंजरी (पद्य)→०६–२७५।

सनेहीराम—(?)

लीला (पद्य)→३८–१३५।

सन्निपातकलिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—बाबा विनतीदास, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा)।→२६–४७६।

सन्निपातचंद्रिका (पद्य)—गुरुप्रसादनारायण कृत। र० का० सं० १६१२। लि० का० सं० १६१३। वि० वैद्यक।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, मुहल्ला सदावर्ती, आजमगढ़। → ४१–५१।

सन्यासनिर्णय (गद्य)—हरिराय कृत वि० वल्लभाचार्य जी द्वारा भक्ति विषयक सन्यास का वर्णन।

प्रा०—पं० रामदत्त, हौंतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३५–३८ ई।

सन्यासविधि (पद्य)—भोलागिरि (महंत) कृत। वि० सन्यासियों की नित्यक्रिया।

प्रा०—गो० पातीराम, पैगू, डा० भारौल (मैनपुरी)।→३२–२५।

सपतवारजोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० सात वारों का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६६ त।

सपतविचार→'नैकाव्यकथा' (सर्वेश्वरदास गोसाँई कृत)।

सप्तक→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत)।

सप्तदेवस्तुति (पद्य)—गंगाराम (मिश्र) कृत। र० का० सं० १६०८। लि० का० सं० १६४२। वि० सात देवताओं की स्तुति।

प्रा०—पं० बैजनाथ शुक्ल, सिकंदरपुर बुमनी, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३–११७।

सप्तपदीरमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० अध्यात्म।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४१ यू।

सप्तबंध्यालक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१६। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्रीभोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, बाता (फतेहपुर)।→सं० ०१–५६६।

सप्तवार (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० योगी को प्रत्येक वार (दिन) का अपने अनुकूल उपयोग करने का ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६ ठ ।

सप्तव्यसन (पद्य)—रंगलाल कृत । लि० का० सं० १६३७ । वि० जुआ, मांस, मदिरा, वेश्यागमन, तस्करी, आखेट और परस्त्रीगमन नामक सात व्यसनों के त्यागने का उपदेश ।

प्रा०—जैन मंदिर दरियाबाग (बाराबंकी) ।→२३-३५३ ।

सप्तव्यसन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४-४६७ ।

सप्तव्यसन पुराण की भाषा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । र० का० सं० १८१४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८१४ ।

प्रा० —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६७ भ ।

(ख) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६७ ञ ।

(ग) लि० का० सं० १६५४ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६७ ट ।

सप्तशतक→'तुलसीसतसई' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सप्तश्लोकी गीता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६७ । वि० कृष्ण का अर्जुन को उपदेश ।

प्रा०—पं० बाबूलाल, सलेमपुर, डा० फरैह (मथुरा) ।→१३-२०१ ।

सप्तश्लोकी गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सात श्लोकों में गीता वर्णन ।

प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह कूर्म, जौखंडी, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६-४८२ ।

सप्तसतिका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य)—संग्रहकार अज्ञात । वि० बिहारी के ५०० से अधिक दोहों का संग्रह—उनका संबंध बतलाते हुए ।

प्रा०—श्री गोविंदराम ब्राह्मण, हिंगोटखेरा, डा० बमरौलीकटारा (आगरा) । → २६-५३ बी ।

सप्तसतिका (बिहारी सतसई)→'बिहारी सतसई' (हरजू सुकवि कृत) ।

सबद (पद्य)—केसरीदास और मुनीदास कृत । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत श्री अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०७-२३ ।

सबदकामसाबनवा→शब्दकामनाबंद' (प्रागदास कृत) ।

सबद फुटकर (पद्य)—चैन जी (बाबा) कृत । लि० का० सं० १७६७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-४७ ।

सबदी (पद्य)—अजैपाल कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-१ ।

सबदी (पद्य)—कणेरी कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८ ।

सबदी (पद्य)—गरीब जी कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-२५ ।

सबदी (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० योग और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, रियासत अठदमा (बस्ती) ।→सं० ०४-७६ ।

सबदी (पद्य)—घोड़ाचोली कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-३० ।

सबदी (पद्य)—चरपटनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८३६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-४६ ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१११ ख ।

सबदी (पद्य)—चुणकरनाथ (चौणकनाथ) कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-३४ ।

सबदी (पद्य)—चौरंगीनाथ कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० १०-३५ ।

सबदी (पद्य)—जलंध्रीपाव कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-४१ ।

सबदी (पद्य)—दत्त कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-५५ ।

सबदी (पद्य)—देवल जी कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-५६ ।

सबदी (पद्य)—धुँधलीमल कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-६४ ।

सबदी (पद्य)—पारबती कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७७ ।

सबदी (पद्य)—पृथ्वीनाथ कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७६ क ।

सबदी (पद्य)—बालगुदाई कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८८ ।

सबदी (पद्य)—बालनाथ कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८६ ।

सबदी (पद्य)—भरथरी जी कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० योग ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०९–१३८ ।

सबदी (पद्य)—महादेव कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१०६ ।

सबदी (पद्य)—मींडकीपाव कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–११० ।

सबदी (पद्य)—हणवंत कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०७ ।

सबदी (पद्य)—हरताली कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१४२ ।

सबदी (पद्य)—हालीपाव कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० योग विषयक ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१४५ ।

सबदी या माता मैणावंती गोपीचंद संवाद (पद्य)—गोपीचंद कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२७ ।

सबलश्याम→'सबलस्याम' ('भागवत भाषा दशमस्कंध' के रचयिता) ।

सबलसिंह (चौहान)—चंदगढ़ (?) के राजा मित्रसेन के पूर्वज । ये सिपाही थे । सबलस्याम से भिन्न । सं० १७१४ के लगभग वर्तमान ।
महाभारत (भाषा) (पद्य)→०४–६६; ०६–२२४ ए, बी; पं० २२–६७; २३–३६३ ए से आर तक; २६–४१२ ए से बी तक; सं० ०४–४०० ।

सबलस्याम (सबलश्याम)—अमोघा नगर (अमोढ़ा राज्य, बस्ती) के निवासी । सूर्यवंशी क्षत्रिय । राजा वीरसिंह (अमोढ़ा राज्य, बस्ती) के छोटे भाई । सं० १६८८ में उत्पन्न ।
बरवैषट्ऋतु (पद्य)→सं० ०१–४३८ ।
भागवत भाषा (दशमस्कंध) (पद्य)→१२–१६०; २३–३६३ ए (ए), ए (बी), ए (सी), ए (डी), ए (ई), ए (एफ), ए (जी); २६–४१३ ए, बी; सं० ०४–४०१ ।

सबसुख—कायस्थ । झाँसी निवासी । ओड़छा (बुंदेलखंड) के राजा विक्रमाजीत के आश्रित । सं० १८७२ के लगभग वर्तमान ।
चित्रगुप्तप्रकाश (पद्य)→०६–१०६ ।

सब्द→'सद या शब्द' (दादूदयाल कृत) ।

सभाचंद—आजमगढ़ जिले के निवासी । जगतसिंह और आजम खाँ के आश्रित । सं० १७०० के लगभग वर्तमान ।
कलिचरित्र (पद्य)→०६–२७० ।

सभाजीत→'सभाजीतसर्वनीति' (रामदया कृत)।

सभाजीतज्योतिष (पद्य)—रामदया कृत। लि॰ का॰ सं॰ १६२१। वि॰ ज्योतिष। ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा॰—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा॰ सिसैया (बहराइच)।→ २३–३४२ सी।

सभाजीतरागमाला (पद्य)—रामदया कृत। लि॰ का॰ सं॰ १६२१। वि॰ संगीत। ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा॰—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा॰ सिसैया (बहराइच)।→ २३–३४२ डी।

सभाजीतवैद्यक (पद्य)—रामदया कृत। लि॰ का॰ सं॰ १६२१। वि॰ वैद्यक। ('दयाविलास' का एक खंड)।
प्रा॰—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा॰ सिसैया (बहराइच)। → २३–३४२ एफ।

सभाजीतसर्वनीति (पद्य)—रामदया कृत। वि॰ काव्यशिक्षा और राजनीति आदि।
(क) लि॰ का॰ सं॰ १६२१।
प्रा॰—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा॰ सिसैया (बहराइच)। → २३–३४२ बी।
(ख) प्रा॰—श्री शिवकुमार ओझा व्याकरणाचार्य, ओझौली, डा॰ बरहलगंज बाजार (गोरखपुर)।→सं॰ ०१–३४४ क।
(ग) प्रा॰—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर नौलखा, डा॰ हँडियाखास (इलाहाबाद)।→सं॰ ०१–३४४ ख।

सभाजीतसामुद्रिक (पद्य)—रामदया कृत। वि॰ सामुद्रिक शास्त्र। ('दयाविलास' का एक खंड)।
(क) लि॰ का॰ सं॰ १६२१।
प्रा॰—लाला भगवतप्रसाद, सधुआपुर, डा॰ सिसैया (बहराइच)।→ २३–३४२ ई।
(ख) प्रा॰—श्री महावीरप्रसाद मिश्र, इस्माइलगंज (इलाहाबाद)।→ सं॰ ०१–३४४ ग।

सभाजीतसार (पद्य)—रामदया कृत। वि॰ ज्योतिष, सामुद्रिक, शालिहोत्र और वैद्यक।
प्रा॰—एल॰ एस॰, मेडिकल हाल, बदायूँ।→१२–१४५।

सभाप्रकाश (पद्य)—त्रिलोकसिंह कृत। लि॰ का॰ सं॰ ११०५। वि॰ राजनीति।
प्रा॰—नागरी प्रचारिणीसभा, वाराणसी।→०६–३२१।

सभाप्रकाश (पद्य)—द्विज (कवि) कृत। र॰ का॰ सं॰ १८३६। लि॰ का॰ सं॰ १८६६। वि॰ नीति और राजनीति।

प्रा०—बाबू रूपनारायण वर्मा, पन्ना।→०६–१६५ (विवरण अप्राप्त)।

सभाप्रकाश (पद्य)—बुद्धिसिंह (बुधदेवसिंह) कृत। र० का० सं० १८६७। वि० राजनीति।

(क) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५२७ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १६५५।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१७।

सभाप्रकाश (पद्य)—हरिचरणदास कृत। र० का० सं० १८१४ (?)। वि० अलंकार और नायिकाभेद।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६–२५५ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०–५६ बी।

सभाभूषण (पद्य)—गंगाराम कृत। र० का० सं० १७४४। वि० संगीत।

(क) लि० का० सं० १७६६।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–८७।

(ख) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२–५८।

सभामंडन (पद्य)—अमीरदास कृत। र० का० सं० १८८४। लि० का० सं १६५१। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–१२४ ए (विवरण अप्राप्त)।

सभामंडल शृंगार लीला→'सभामंडली' (ध्रुवदास कृत)।

सभामंडली (पद्य)—अन्य नाम 'सभामंडल-शृंगारलीला' और 'सभामंडली-शृंगार'। ध्रुवदास कृत। र० का० सं० १६८१। वि० राधाकृष्ण के निकुंज सभामंडल का वर्णन।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–११।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। →०६–७३ एन।

(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०३ त (अप्र०)।

सभामंडली-शृंगार→'सभामंडली' (ध्रुवदास कृत)।

सभाविनोद (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८६०। लि० का० सं० १८८७। वि० राजकीय बही खाते और कागज पत्रादि की विधि।

प्रा०—लाला देवीदीन, अजयगढ़।→०६–६६।

सभाविलास (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८७०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→ २९–२६६ सी ।

(ख) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, बिगहापुर (उन्नाव) ।→२६–२१२ ई ।

(ग) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—ठा० हरिहरसिंह, छावनी, एटा ।→२६–२१२ डी ।

(घ) लि० का० सन् १२६३ ।

प्रा०—श्री कृष्णकुमार शुक्ल, रायदयाल का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →सं० ०४–३५७ ।

(ङ) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । →२६–२१६ डी ।

(च) प्रा०—ठा० देवीसिंह सेंगर, गंजमऊ, डा० दरियावगंज (एटा) ।→ २६–२१२ एफ ।

(छ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२४३ क ।

सभासार (पद्य)—सुदर्शन (शाह) कृत । वि० नीति ।

प्रा०—पं० शिवानंद, टेहरी (गढ़वाल) ।→१२–१८३ ।

सभासार नाटक (पद्य)—रघुराम कृत । र० का० सं० १७५७ । वि० नीति ।

(क) लि० का० सं० १८२७ ।

प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद ।→०६–२१८ ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री कृष्णसिंह खजांची, गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१२–१४० ।

सभासिंह—पन्ना नरेश । छत्रसाल के पौत्र । अमानसिंह और हिंदूपति के पिता । राज्यकाल सं० १७६६-१८०६ । हंसराज बख्शी, करण भट्ट, रतन कवि, और फतेहसिंह के आश्रयदाता ।→०५–५४; ०५–८३; ०६–३१; ०६–४५; ०६–५७; ०६–८०; ०६–२६६; २०–४८ ।

सभासिंह→'श्रीधर' ('शालिहोत्र' के रचयिता) ।

समंतसार-वचनावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६५३ । वि० धर्मादि ।

प्रा०—पं० संतप्रसाद शर्मा, मिर्जाबाग (प्रतापगढ़) ।→२६–११० (परि० १) ।

समतानिवास (ग्रंथ) (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० सं० १८५२ । लि० का० सं० १६०० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा रामगिरि, भूषणपुर, डा० गौंडा (अलीगढ़) ।→२६–२८१ सी ।

समन—(?)

वैतसमन त्रैज का (पद्य)→सं० ०४–४०१ ।

समनसिंह बख्शी (समनेश)—कायस्थ। रीवाँ नरेश विश्वनाथसिंह के आश्रित। इनके पूर्वज गुजरात से आकर दिल्ली में रहने लगे थे। पिता का नाम शिवदास। पितामह का नाम केसवराइ। सं० १८७९ के लगभग वर्तमान।

पिंगलकाव्यभूषण (पद्य)→००–४२; सं० ०४–४०३।

रसिकविलास (पद्य)→०६–२२७।

समयनीतिशतक (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १९०१। लि० का० सं० १९०१। वि० राजाओं के लिये समयानुसार नीति पर चलने का वर्णन।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–६५ बी।

समयपचीसी (पद्य)—हितचंदलाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। →०६–३९ डी।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी (मिरजापुर)। →०९–४३ जी।

समयपरीक्षा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शकुन।

प्रा०—पं० संतोषीलाल, नौनेरा, डा० कमतरी (आगरा)।→२९–४७४।

समयप्रबंध (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।

प्रा०—राव रामनारायण, बिजावर।→०६–१२२ एफ (विवरण अप्राप्त)।

समयप्रबंध (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० सीताराम का विहार एवं ध्यानोपासना।

(क) प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०९–१५४ बी।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–९९ डी, ई।

समयप्रबंध (पद्य)—कृष्णदास कृत। लि० का० सं० १९५१। वि० राधाकृष्ण लीला।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–९६।

समयप्रबंध (पद्य)—चतुरअलि कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३९।

समयप्रबंध (पद्य)—जगन्नाथ कृत। लि० का० सं० १८७७। वि० राधाकृष्ण की दैनिक लीला।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, आनरेरी मजिस्ट्रेट, वृंदावन(मथुरा)।→१२–७९।

समयप्रबंध (पद्य)—दामोदरदास कृत। लि० का० सं० १८५१। वि० प्रातः से सायं तक के राधाकृष्ण विषयक भजन और कीर्तन।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०९ ५३।

समयप्रबंध (पद्य)—पीतांबरदास कृत। लि० का० सं० १८०१। वि० कृष्ण भक्ति, रासलीला और वृंदावन शोभा आदि।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–३१५ सी।

समयप्रबंध (पद्य)—बिहारिनदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) लि० का० सं० १९१८।

प्रा०—बाबू प्यारेकुमार निगम, रायबरेली ।→०६–११ ।

(ख) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३–६४ ।

समयप्रबंध (पद्य)—हितचंदलाल कृत । वि० राधाकृष्ण के नैत्यिक कर्म ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–४३ एच ।

समयप्रबंध (पद्य)—हितरूपलाल कृत । लि० का० सं० १६६७ । वि० राधाकृष्ण संयोग शृंगार ।

प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →३८–१२६ ए ।

समयप्रबंध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८१३ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ ए ।

समयप्रबंध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३५ । लि० का० सं० १८३५ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ सी ।

समयप्रबंध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ एम ।

समयप्रबंध (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७७ । वि० वैष्णवों के राधारमण संप्रदाय में गाए जानेवाले दैनिक भजन ।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→००–६० ।

समयप्रबंध सेवा सात समैं की भावना (पद्य)—नागरीदास कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० हित संप्रदाय के सिद्धांत और सेवाभाव वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१–१८६ ।

समयबोध (पद्य)—कृपाराम कृत । र० का० सं० १७७२ । वि० ज्योतिष ।

(क) प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज, बाराबंकी ।→०६–१५६ ।

(ख) प्रा०—बाबू जयमंगलराय बी० ए०, एल० टी०, गाजीपुर ।→२६–२४५ बी ।

समयसार की वचनिका नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जैन दर्शन ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१६३ ख ।

समयसार ग्रंथ की वचनिका (गद्यपद्य) —जयचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८६४ । वि० आत्मस्वरूप वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–१८७ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। →सं० १०–३६ ज।

समयसार नाटक (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। र० का० सं० १६६३। वि० तत्वज्ञान विषयक जैन ग्रंथ 'समयसार' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १७२८।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–११ बी।

(ख) लि० का० सं० १७३८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१२७ क।

(ग) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७–१२७ ख।

(घ) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→००–१३२।

(ङ) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–३६ बी।

(च) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–८४ ङ।

(छ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। →सं० १०–८४ च।

(ज) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। →सं० १०–८४ छ।

(झ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। →सं० १०–८४ ज।

(ञ) लि० का० सं० १७१८।→४१–५२१ (अप्र०)।

समयसार नाटक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१३। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६३ क।

समयसुंदर—जैन। सं० १६६८ के लगभग वर्तमान।

आलोयणबत्तीसी (पद्य)→दि० ३१–७६।

समयसुंदरोपाध्याय—जैन। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।

विशेषशतक (गद्य)→दि० ३१–७८।

समबहेत (ग्रंथ) (पद्य)— यज्ञप्रसाद कृत। र० का० सं० १८७७ (?)। लि० का० सं० १६५५। वि० नीति।

प्रा०—पं० बालाप्रसाद, जैनगरा, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→सं० ०४–३१२ ग

समरकविता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१२। वि० युद्धविद्या।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–४१६।

समरदास—मगरौड़ा (सीतापुर) निवासी। सं० १९०० के लगभग वर्तमान।
भजनावली (पद्य)→२६–४१६ बी।
रामसुयशपताका (पद्य)→११–१६४; २६–४१६ एच।
रामायण (पद्य)→२३–३७०; २६–४१६ ए से जी तक।

समरविजय→'समरसार' (तीर्थराज कृत)।

समरसार (पद्य)—कवींद्र सरस्वती कृत। लि० का० सं० १८११। वि० रण में जाने के समय मुहूर्त विचार।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१६।

समरसार (पद्य)—खुमान (मान) कृत। लि० का सं० १९४०। वि० विक्रमाजीत के पुत्र कुँवर धर्मपाल की वीरता का वर्णन।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–७० बी।

समरसार (पद्य)—गोपाल (जन) कृत। र० का० सं० १८३३। वि० रण में जाने का मुहूर्त।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–३।

समरसार (पद्य)—अन्य नाम 'समरविजय'। तीर्थराज कृत। र० का० सं० १८०७। वि० युद्ध पूर्व का शकुन विचार।
(क) लि० का० सं० १८२६।
प्रा०—पं० अवधबिहारी मिश्र पुजारी, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६–४८१ ए।
(ख) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद जू जिगानियाँ, हजूरपुर (बहराइच)।→२३–४२८।
(ग) लि० का० सं० १९०१।
प्रा०—पं० कालिकाप्रसाद दूबे, गौरैया रसूलपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४८१ बी।
(घ) लि० का० सं० १९०६।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, खानीपुर, तालाबख्शी (लखनऊ)। → २६–४८१ सी।
(ङ) लि० का० सं० १९१५।
प्रा०—श्री कामताप्रसाद दारोगा, अजयगढ़।→०६–११५।
(च) लि० का० सं० १९३२।
प्रा०—ठा० हुलाससिंह जमींदार, संडीला, डा० मछरेहटा (सीतापुर)। → २६–४८१ डी।
(छ) प्रा०—पं० छोटेलाल पहलवान, सजुहा (फतेहपुर)।→१०–१६४ ए।
(ज) प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर।→१०–१६४ बी।
(झ) प्रा०—पं० प्यारेलाल शर्मा, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१–८२।

समरसार (पद्य)—अन्य नाम 'युद्धसार का चिंतावली'। मिहिर कृत। वि० युद्ध ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२६४।

(ख) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—श्री प्रागदत्त ओझा, पूरेबेचूलाला, डा० सिंदुरवा (सुलतानपुर)। → सं० ०४-२६६ ख।

(ग) प्रा० -श्री दयाराम दूबे, साहपुर, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२६६ क।

समरसार (गद्य)—श्रीराम (वाजपेयी) कृत। वि० युद्ध ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १८४३।

प्रा०—पं० रामहरख गुसाँई गुसाँई का पुरा (दाईंगो), डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२६४ क।

(ख) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—पं० रामलाल, महुली, बस्ती।→सं० ०४-२६४ ख।

समरसार (पद्य)—हरकर्ण (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८५०। लि० का० सं० १८६५। वि० युद्ध ज्योतिष।

प्रा०—श्री चंद्रभूषण शुक्ल, शुक्लपुर (डेहरा), डा० विशेश्वरगंज (सुलतानपुर) →सं० ०४-४३०।

समरसार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७६३। लि० का० सं० १८२६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)। →२६-१०६ (परि० १)।

समरसार (भाषा तिलक) (गद्य)—विश्राम (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० युद्ध ज्योतिष।

प्रा०—ठा० अचलसिंह, खजुरौ, डा० बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-३६१।

समरसिंह (महाराज) - कोई राजा। सं० १८४० के पूर्व वर्तमान।

महिम्नस्तोत्र (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-४३६।

समरांतसार (पद्य)—मंगल (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८७६। लि० का० सं० १६००। वि० महाभारत (शल्यपर्व) का अनुवाद।

प्रा०—निंमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना।→०६-१८८।

समर्पणश्लोक गद्यार्थ की टीका (गद्य)—गिरिधर कृत। र० का० सं० १६८० से १७१६। वि० पुष्टिमार्गीय दीक्षा पद्धति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-७८।

समस्यापूर्ति (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत। वि० समस्याओं की पूर्तियाँ।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-६१ एफ।

समस्यापूर्ति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० समस्या पूर्तियों का संग्रह।
प्रा०—चौहरे गदाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-२६० ।

समस्यावली (छमिछावली (पद्य)—बनादास कृत । र० का० सं० १६३६ । वि० सीताराम के नाम की महिमा तथा द्वैताद्वैत ।
प्रा० – महंत भगवानदास, भवहरण कुंज, अयोध्या ।→२०–११ ई ।

समाज के पद (पद्य)—हित वृंदावनदास कृत । वि० कृष्णजन्म ।
प्रा०—पं० तुलसीराम गोस्वामी, नंदजी के मंदिर का घेरा, डा० नंदग्राम (मथुरा) ।→१२–२३२ एम ।

समाधतंत्र बालाबोध (गद्य)—पर्वतधर्मार्थी (जैन) कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० जैन दर्शन ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–७६ ।

समाधान—जाति के बंदीजन । चरखारी (बुंदेलखंड) के निवासी ।
लक्ष्मणशतक (पद्य)→सं० ०१–४४० क, ख; सं० ०८–४०८ ।

समाधिजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०–१५४० । वि० योग ।→सं० २२–१७ एच ।

समुझिसार (पद्य)—भीषमदास कृत । लि० का० सं० १६०१ । वि० वेदांतसार और ज्ञान माहात्म्य ।
प्रा०—बाबा परागशरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । →३५–१४ जी ।

समेदशिखरमाहात्म्य (पद्य)—लालचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८४२ । लि० का० सं० १८६० । वि० जैन तीर्थ समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–११८ ।

सम्मन—ब्राह्मण । मल्लावाँ (हरदोई) निवासी । सं० १८३४ के लगभग वर्तमान ।
सम्मन के दोहे (पद्य)→०६–२२८ ।

सम्मन के दोहे (पद्य)—सम्मन कृत । वि० नीति और उपदेश ।
प्रा० - बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ०६–२२८ (विवरण अप्राप्त) ।

सम्यक्तकौमुदी (भाषा) (पद्य)—कासीदास कृत । र० का० सं० १७२२ । लि० का० सं० १६०४ । वि० जैन भक्तों की कथाएँ ।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । वि० →सं० ०४–३३ ।

सम्यक्तकौमुदी (भाषा) (पद्य)—जोधराज गोदीका (जैन) कृत । र० का० सं० १७२४ । सम्यक्त व्यक्तियों की कथाएँ ।
(क) लि० का० सं० १८४६ ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२१–१६४ ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०७-६६ ।

(ग) लि० का० सं० १६४५ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । →सं० १०-४६ ।

सम्यक्तकौमुदी कथा (पद्य)—विनयचंद कृत । र० का० सं० १८८५ । लि० का० सं० १६२७ । वि० बुद्ध श्रेणिक को सम्यक ज्ञान का उपदेश देना ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली । →दि० ३१-६४ ।

सम्यक्तलीलाविलास (पद्य)—विनोदीलाल कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० सम्यक व्यवहार की कथाएँ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । →सं० १०-१२१ घ ।

सरजूदास—किसी सतनामी महंत के शिष्य । सं० १६३८ के पूर्व वर्तमान ।

विरहसागर (पद्य)→२३-३७७ ।

सरजूशतक (पद्य)—प्रयागदत्त कृत । वि० सरजू का माहात्म्य वर्णन ।

प्रा०—श्री जगदेव पांडेय, पूरेवेद, डा० अमोढ़ा (बस्ती) । →सं० ०४-२१४ ख ।

सरदार (कवि)—ललितपुर (झाँसी) निवासी । हरिजन के पुत्र । काशी नरेश महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित । सं० १६०० से १६४० के लगभग वर्तमान ।

काशीराजप्रकाशिका (गद्यपद्य)→०४-५६ ।

तर्कप्रकाश (भाषा) (गद्यपद्य)→सं० ०१-४४१ क ।

मानसरहस्य (गद्यपद्य)→११-२७६ ।

रामकथा कल्पद्रुम (पद्य)→सं० ०१-४४१ ख ।

रामरत्नाकर (पद्य)→०४-७३ ।

रामरसयत्रयंत्र (गद्यपद्य)→०४-८६ ।

व्यंगविलास (पद्य)→०६-२८३ बी ।

शृंगारसंग्रह (पद्य)→०६-२८३ ए ।

षटऋतु वर्णन (पद्य)→०६-२८३ सी ।

साहित्यसुधाकर (पद्य)→०३-६२; २०-१७४ ।

सुखविलासिका (पद्य)→०४-५७ ।

सरदार (नरेश)—कन्हैया लाल भट्ट (कान्ह) के आश्रयदाता । →सं ०१-३१ ।

सरदारसिंह (राजा)—बनेड़ा (मेवाड़) के जागीरदार । महाराज सुल्तानसिंह के पुत्र मेवाड़ के महाराणा राजसिंह के वंशज । सं० १८०५ के लगभग वर्तमान ।

सुरतरंग (पद्य)→०२-२; सं० ०१-४४२ ।

सरनामसिंह (राजा)—नसरथपुर नरेश । विष्णुदत्त के आश्रयदाता । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान । →१७-२०१; २६-५०० ।

सरफराज (गिरि)- स्वामी शंकराचार्य के गिरि संप्रदाय के अनुयायी। उमरावगिरि के पुत्र। देवकीनंदन के आश्रयदाता। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।→०१-५७

सरफराजचंद्रिका (पद्य)—देवकीनंदन कृत। र० का० सं० १८४३। वि० अलंकार। प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-५७।

सरमद (मुहम्मद औलिया)—संभवतः दाराशिकोह (शाहजहाँ के ज्येष्ठ पुत्र) के उपदेशक। हिंदू मुसलमानों की एकता के समर्थक।

बैत की सरमद (सद्य)→सं० ०१-२७६; सं० ०१-४४३।

सरयूदास—कनपुरिया (कलचुरि ?) क्षत्री। अंगदसिंह के पुत्र। शंकरगंज (रायबरेली) निवासी।

कवितावली (पद्य)→२६-४३०।

सरयूदास—उप० सुधामुखी। प्रमोदवन (अयोध्या) निवासी।

पदावली (पद्य)→१७-१६६ ए।

रसिकवस्तुप्रकाश (पद्य)→१७-१६६ सी।

सर्वसारोपदेश (पद्य)→१७-१६६ बी।

सरयूराम (पंडित)—अवध वासी। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।

जैमिनीपुराण (पद्य)→२३-३७८; २६-४३१।

सरसदास—स्वा० हरिदास के अनुयायी। बिहारिनदास के शिष्य। नरहरिदास के गुरु। वृंदावन निवासी।

बानी (पद्य)→०६-२२६; २३-३७६।

सरसदास की बानी→'बानी' (सरसदास कृत)।

सरसमंजावली (पद्य)—अन्य नाम 'मंजु'। सहचरीशरण कृत। वि० कृष्णभक्ति और प्रार्थना।

(क) लि० का० सं० १९०४।

प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर।→०६-२२५ (विवरण अप्राप्त)। (सं० १९५६ की एक प्रति चरखारी के लाला हीरालाल के पास है)।

(ख) प्रा०—पं० राधाचंद वैद्य, बड़ेचौबे, मथुरा।→१७-१६६ बी।

सरसरस (पद्य)—व्रजनाथ कृत। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३६७।

सरसरस (पद्य)—शिवदास (राय) कृत। र० का० सं० १७६४। लि० का० सं० १९५४। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ शर्मा वैद्य, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३१४ बी।

टि० खोज विवरण में यह ग्रंथ भूल से सूरति मिश्र कृत मान लिया गया है।

सरस्वती—माधव या मधुकर के आश्रित। सं० १८८६ में वर्तमान।

रसरूप (पद्य)→१८–१३७ ।

सरस्वती→'कवींद्र सरस्वती (काशी निवासी) ।

सरस्वतीप्रसाद (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत । वि० ब्रजलीला और नायिकाभेद ।

प्रा०—भट्ट मगन जी उपाध्याय, तुलसी चौतरा, मथुरा ।→१७–७८ डी ।

सरस्वती स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सरस्वती की प्रार्थना और महिमा का वर्णन ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–७८ (परि० ३)।

सरूपदास→'स्वरूपदास' ('पांडवयशेंदुचंद्रिका' के रचयिता) ।

सरूपसिंह—ओड़छा के राजा विक्रमाजीत (लघुजन) के आश्रित । इन्होंने तथा किशोरदास चौबे ने 'लघुसतसैया' की टीका की थी ।→०६–६७ ।

सरोधा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्वरोदय ।

प्रा०—पं० रोशनलाल शर्मा, जोंधरी (आगरा) ।→२६–४८६ ।

सरोधोज्ञान→'कबीरस्वरोदय' (प्रागदास कृत) ।

सर्कराज—महुली राज्य (अयोध्या के पूर्व) के सूर्यवंशी राजा । संभवतः अहलाददास के आश्रयदाता । इनके वंशज अब भी महसों (बस्ती) में रहते हैं । सं० १८१४ के लगभग वर्तमान ।→सं० ०४–११ ।

सर्वंगी (पद्य)—रज्जब कृत । वि० भक्ति और उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६५० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६० ख ।

(ख) लि० का० सं० १८३६ । प्रा०—पूर्ववत ।→सं० ०७–१६० ग ।

(ग) लि० का० सं० १८७२ । प्रा०—पूर्ववत ।→सं० ०७–१६० घ ।

सर्वगुण (पोथी) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७४ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० पंचमराम पाठक, नामपुरगढ़ौली, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) ।→२६–५२ (परि० ३) ।

सर्वग्रंथमत (पद्य)—सेनापति (त्रिवेदी) कृत । लि० का० सं० १६३३ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लालगंज बाजार (प्रतापगढ़) । →सं० ०४–४२३ ।

सर्वग्रंथोक्ति (गद्य)—पतितदास कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा—पं० चंद्रशेखर (बब्बन) मिश्र, नैरोपुर, डा० बरुआ (जौनपुर) । →सं ०४–१६६ ख ।

सर्वजीत—(?)

विष्णुपद (पद्य)→०४–५४ ।

सर्वज्ञबावनी (पद्य)—मीरजन कृत । र० का० सं० १६८३ । वि० ईश्वर और गुरु की भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—लाला माधोराम, पोरिया, डा० लखनौ (अलीगढ़) ।→२६–४५ ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—चौधरी गंगासिंह, विशुनपुर, डा० कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२३–२४ ।

सर्वसंग्रह (पद्य)—कृष्णविहारी कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० संगीत और सामुद्रिक ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–२४६ ।

सर्वसंग्रह (वैद्यक) (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । र० का० सं० १६०० । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—वैद्य रामचरन गौड़, मूसागढ़, डा० मेंडू (अलीगढ़) ।→२६–१५३ ए ।

(ख) प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) । → २६–१५३ बी ।

सर्वसंग्रह वैद्यक (भाषा) (गद्य)—शिवदत्त (मिश्र) कृत । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० नंदराम, सादाबाद (मथुरा) ।→३२–२०२ ।

सर्वसार उपदेश→'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' (अनाथदास कृत) ।

सर्वसार-संग्रह→'अवगतउल्लास' (दयालनेमि कृत) ।

सर्वसारोपदेश (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१६६ बी ।

सर्वसिद्धांत श्रीराम मोक्ष परिचय (गद्यपद्य)—नायक कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० ब्रह्मज्ञान और रामजी के अवतारों की कथा ।

प्रा०—महंत श्री रामचरित्तर भगत, मनिअर (मठ), बलिया ।→४१–१२८ ख ।

सर्वसुखदास—वृंदावन निवासी । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८८० के पूर्व वर्तमान ।

कवित्तादि (पद्य)→४१–२७८ ।

माँझबत्तीसी (पद्य)→३८–१३८ ।

सेवकबानी की टीका (पद्य)→०६–२८५; ४१–५६८ (अप्र०) ।

सर्वसुखशरण—संभवतः अयोध्या निवासी कोई महंत । सं० १८७३ के पूर्व वर्तमान ।

तत्वबोध (पद्य)→०६–२८४; १७–१७० बी ।

बारहमासी विनय (पद्य)→१७–१७० ए ।

सर्वांगजोग (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि० योग ।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →सं० ०७–१६३ ड ।

(ख) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६३ ढ ।

(ग) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)। →२६-४७० ए।

(घ)→०२-२५ (पाँच)।

सर्वांगपीरमोचन→हनुमानबाहुक' (गो० तुलसीदास कृत)।

सर्वांगवर्णन (पद्य)—विविध कवि (त्रिजै, गंग, रावराना सुकवि आदि) कृत। वि० नखशिख।

प्रा०—श्री रामचंद्र 'साहित्यरत्न', डा० ढोलपुरा (आगरा)।→३२-२८०।

सर्वांगसार (पद्य) नवलराम कृत। र० का० सं० १८३४। वि० भक्ति और ज्ञान।→ पं० २२-७७ बी।

सर्वार्थपुराण (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८४४। वि० वेद, पुराण और षट्शास्त्रों के आधार पर ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद त्रिपाठी, जैनगरा, डा० राजाफत्तेहपुर (रायबरेली)। → सं० ०४-२३६ च।

सर्वेश्वरजी का अष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। वि० सर्वेश्वर जी की स्तुति।

प्रा०—पं० चक्रपाणि मिश्र, विशारद, अध्यापक सेनाबली, डा० मिरसागंज (मैनपुरी)।→१२-४१ ई।

सर्वेश्वरदास (गोसाईं)—कुरथाग्राम (गाजीपुर) के समीप गंगातट पर निवास स्थान। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।

नैकाव्यकथा (सपतवीचार) (पद्य)→सं० ०१-४४४ क, ख; सं० ०७-१६०।

सर्वोत्तमस्तोत्र (पद्य)— गोकुनाथ कृत। वि० भगवान की स्तुति।

प्रा०—पं० हरेकृष्ण, काँवर, डा० कोसी (मथुरा)।→३२-६५ सी।

सर्वोत्तमस्तोत्र की संस्कृत टीका का हिंदी पद्यानुवाद (पद्य)—गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत। वि० स्तुति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-८०।

सर्वोपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० अथर्ववेद के 'सर्वोपनिषद्' का अनुवाद।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल, गोर्द्धन (मथुरा)।→३८-२१ आई।

सलूनोपूजन (पद्य)—बाबूलाल रघुसुत या रघुवरसुत कृत। वि० जैन धर्मानुसार सलूनो पूजाविधान।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-८७ ख।

सलोकमहल्लानो (पद्य)--नानक (गुरु) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०- श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविल जज, सुलतानपुर।→सं० ०१-१८६ क।

सवइया भेट का (पद्य)—रज्जबदास कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० दादू का गुण गौरव।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६० क।

सवईया या किवत (पद्य)—मुकनदास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१५३ ख।

सवितादत्त—हरदोई जिले के निवासी। कुँवर कृष्णसाहि के आश्रित। सं० १७३५ के लगभग वर्तमान।

कृष्णविलास (पद्य)→२६–४३२।

सवैया (पद्य)—माधोदास कृत। वि० भक्ति, नाम और सत्संगति की महिमा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०८–१५१।

सवैया (पद्य)—रसखान कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० श्रृंगार।

प्रा०—भैया संतबख्शसिंह, गुठवा, बहराइच।→२३–३५५।

सवैया (पद्य)—रामचरण कृत। वि० भक्ति का उपदेश।

प्रा०—पं० हुन्नलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–१७५ डी[२]।

सवैया (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरसवैया' और 'सुंदरविलास' आदि। सुंदरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—बाबू कुँवरबहादुर जी, पँड़रिया, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)।→२६–४७० बी।

(ख) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० हरिशंकर वैद्य, नगीना (बिजनौर)।→१२–१८४ बी।

(ग) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० कृपानंद मिश्र, आलूजी का फरस, ४।४५, रामघाट, वाराणसी। → ४१–५७१ (अप्र०)।

(घ) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—पं० जगन्नाथ बाजपेयी, माखी, डा० नेवटनी (उन्नाव)। → २६–४७० सी।

(ङ) लि० का० सं० १६२७।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–२४२ ए, सी (विवरण अप्राप्त)।

(च) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—ठा० शिवबक्ससिंह, बसंतपुर, डा० पयागपुर (बहराइच)।→ २१–४१५ एफ।

(छ) लि० का० सं० १६७६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६३ ग।

(ज) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-२५ ।

(झ) प्रा०—ठा० विश्वेश्वरसिंह इंद्रबख्शसिंह, हरिहरपुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३-४१५ जी ।

(ञ) प्रा०—पं० अवधेश पांडे, खँमरिया पांडे की, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→२३-४१५ एच ।

(ट) प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, बेनीपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) । →२६-४७० डी ।

(ठ) प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद शर्मा, खानपुर; नरेला, दिल्ली ।→दि० ३१-८६ ।

(ड)→०२-२५ (एक) ।

(ढ)→पं० २२-१०७ सी ।

सवैया (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६६ ग ।

सवैया तथा कीर्तन पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि० का सं० १८४४ । वि० कृष्णभक्ति आदि ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५-३०२ ।

सवैया तुलसी (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० आपा पंथ के सुरति ज्ञान का मंडन ।
प्रा०—श्री धर्मपाल बोहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→३२-२२२ डी ।

सवैया भेंट के (पद्य)—अन्य नाम 'छीतरदासजी का सवइया' । छीतरदास कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० स्वामी दादूदयाल जी और गरीबदास का गुण गौरव ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-५० ।

सवैया या झूलना (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि० का० सं० १७७८ । वि० शृंगार ।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१-१२६ छ ।

ससिनाथ→'शशिनाथ' ('सुजानविलास' के रचयिता) ।

ससुरारिपचीसी (पद्य)—देवकीनंदन कृत । र० का० सं० १८३२ । वि० ससुराल के सुख और आमोद प्रमोद का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—लाला कन्हैयालाल, बहुराजपुर, डा० कासगंज (एटा) ।→२६-८१ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—पं० देवदत्त, लखरामपुर, डा० कौड़िया (बहराइच) ।→२३-९० बी ।

(ग) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—पं० शिवदयाल, तीन काने (बहराइच) ।→२३-९० सी ।

(घ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० रामजीवन कवि, खसपुरा, डा० रामपुर (एटा) ।→२६–८१ ए ।

(ङ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन संग्रहालय, प्रयाग ।→४१–५०६ (अप्र०) ।

सहचरीशरण—वृंदावन निवासी । स्वा० हरिदास के शिष्य । सखी संप्रदाय के वैष्णव । निंबार्काचार्य के अनुयायी । संभवतः पंजाबी । सं० १६०७ के लगभग वर्तमान ।

गुरुप्रणालिका (पद्य)→१२–१६१ ए ।

सरसमंजावली (पद्य)→०६–२२५; १७–१६६ बी ।

ललितप्रकाश (पद्य)→१२–१६१ बी; १७–१६६ ए ।

सहज—सं० १६०० के पूर्व वर्तमान ।

एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→३८–१३३ ।

सहजप्रकाश बहुअंग (पद्य)—सहजोबाई कृत । र० का० सं० १८०० । वि० गुरु महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया →०६–२२६ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरों का रास्ता, जयपुर ।→००–१२६ ।

(ग) प्रा०—महंत रामलखन, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०–१७१ ।

सजमानलीला (पद्य)—बालसनेही दास कृत । वि० राधा का कृष्ण से मान करना ।

प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१२ ।

सहजराम—वैश्य । अयोध्या (रामकोट) के निवासी । सं० १७८६ के लगभग वर्तमान ।

कवितावली (पद्य)→२३–३६७ ए ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२६–४१५ बी, सी; ४१–२७६; सं० ०४-४०५ क, ख ।

प्रह्लादचरित्र इतिहास (पद्य)→१२–१६२; २३–३६७ बी, सी; सं० ०४-४०५ ग, घ ।

रघुवंशदीपक (पद्य)→१२–१६३; २३–३६७ डी ।

हनुमानलीला (पद्य)→२६–४१५ ए; सं० ०४–४०५ ङ ।

सहजराम—किसी रियासत के नाजिर । राम कवि के आश्रयदाता । राम कवि ने इन्हीं के नाम पर 'सहजराम चंद्रिका' की रचना की थी । सं० १८३४ के लगभग वर्तमान । →०४–६१; २३–३४४ ।

सहजरामचंद्रिका (गद्यपद्य)—राम (कवि) कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० केशव कृत कविप्रिया की टीका ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–६१ ।

(ख) प्रा०—पं० रामदेव भट्ट, नुनरा लमहा (सुलतानपुर) ।→२३–३४४ ।

टि० खो० वि० ०४–६१ में भूल से सहजराम को पुस्तक का रचयिता मान लिया गया है ।

सहजसनेही→'मोहन' ('अष्टावक्र' के रचयिता) ।

सहजानंद – गोकुल निवासी । रामप्रसाद और इच्छाराम के भाई । सं० १८२२ के लगभग वर्तमान ।

शिक्षापत्री (पद्य)→३२–१६४ ।

सहजानंद (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→०२-२५ (ग्यारह) ।

सहजोबाई—धूसर वैश्य । परीक्षितपुर (दिल्ली) निवासिनी । हरिप्रसाद की पुत्री । स्वा० चरणदास की शिष्या । सं० १८०० के लगभग वर्तमान ।→दि० ३१–१८ ।

शब्द (पद्य)→००–१३१ ।

सहजप्रकाश-बहुअंग (पद्य)→००–१२८; ०६–२२६; २०–१७१ ।

सहजोबाई की बानी (पद्य)→२६–४१६ ।

सोलहतिथि-निर्णय (पद्य)→००–१३० ।

सहजोबाई की बानी (पद्य)—सहजोबाई कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा मनीरामदास, अरगाँव, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–४१६ ।

सहदेव—रामगढ़ निवासी ।

नंदगाँव बरसाने की होरी (पद्य)→२६–४१४ ।

सहदेव—(?)

गजप्रकाश (गद्यपद्य)→०६–३२३ ।

शालिहोत्र (पद्य)→४१–२८० ।

सहदेव—(?)

ज्योतिष (पद्य)→सं० ०१–४४५ ।

सहदेव→'मडुलि (मडुरी)' (प्रसिद्ध शकुनशास्त्री) ।

सहसनामचौपही→'सहस्रनामचौपही' (महाराज रामसिंह कृत) ।

सहस्रनाम (पद्य)—भीखासाहब कृत । वि० भगवान के सहस्रनाम वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८३८–४० के लगभग ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१७४ घ ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी (गाजीपुर) ।→सं० ०७–१४० ।

(ग) लि० का० सं० १६३८ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–६८ ।

सहस्रनाम (पद्य)—सूरदास कृत । वि० श्रीकृष्ण सहस्रनाम ।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, मथुरा ।→सं० १०–१३४ ।

सहस्रनामचौपही (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत । वि० श्रीकृष्ण सहस्रनाम ।

प्रा०—बाबा गोपालदास, चैतन्यरोड, वाराणसी ।→४१–२३० ख ।

सहस्रनामपाठ (पद्य)—जवाहिरलाल कृत । र० का० सं० १६०५ । लि० का० सं० १६४० । वि० जैन सहस्रनाम ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४–१२२।

सहायराम (सहाईराम)—(?)

अयोध्यामाहात्म्य (पद्य)→२६–३०१।

सहिबाज खाँ—सिंधु नदी से लगे हुए प्रदेश के अंतर्गत जलालपुर के राजा। जटमल नाहर के आश्रयदाता। सं० १६६३ के लगभग वर्तमान।→सं० ०१–१२४।

साँईझूला—झूलाखाँप के चारण। ईडर नरेश महाराज कल्याणसिंह के आश्रित। सं० १६४० के लगभग वर्तमान।

रुक्मिणीहरण (पद्य)→४१–२८१।

सांगीतगुलशन (पद्य)—जसवंतराय (लाला) कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६१८। वि० संगीत।

प्रा०—श्री रामगौरी गौड़पुर, डा० जलेसर (एटा)।→२६–१६६।

सांगीतगोवर्द्धनलीला (पद्य)—कुँवरसेन (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १६३१। वि० गोवर्द्धन लीला का वर्णन।

प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोला गोकर्णनाथ (खीरी)। →२६–२५३ बी।

सांगीतचिंतामणि (पद्य)—चिंतामणि कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० रागरागनियों का वर्णन।

प्रा०—लाला देवीराम पटवारी, अगसौली (अलीगढ़)।→२६–७१ बी।

सांगीतदर्पण (पद्य)—हरिवल्लभ कृत। वि० संगीत।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)→२३–१५० ई।

(ख) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३–१५० एफ।

(ग) प्रा०—एसियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–६१।

(घ) प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, एरा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–७३ बी।

सांगीतध्रुवचरित्र (पद्य)—नयनसुख कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० ध्रुव की कथा।

प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२६–३३१।

सांगीतबदरेमुनीर (पद्य)—धनपति (धन्नूलाल) कृत। र० का० सं० १६२८। लि० का० सं० १६३७। वि० प्रेमाख्यान।

प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२६-१०२।

सांगीतबालचरित्र (पद्य)—कुँवरसेन (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६०२। वि० कृष्ण की बाललीला।

प्रा०—लाला सीताराम, संगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२३-२५३ए।

सांगीतमाला (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।

प्रा०—पं० राजनाथ मिश्र, बिलसढ़ पट्टी, डा० अलीगंज (एटा)।→ २६-२७३ एफ।

सांगीतरत्नाकर (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।

प्रा०—श्री रामदास गोसाँई, गढ़ी जैसिंह, डा० सिकंदरराऊ (अलीगढ़)।→ २६-२७३ ई।

सांगीतरत्नाकर→'संगीत की पुस्तक' (गौरीशंकर भट्ट कृत)।

सांगीतरत्नाकर→'सांगीतविहार' (गौरीशंकर भट्ट कृत)।

सांगीतलैलामजनूँ (पद्य)—बिसराम कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० लैलामजनूँ की प्रेमकथा।

प्रा०—ठा० रामनरेशसिंह, तारापत का निवादा, डा० भलियाबुजुर्ग (खीरी)। →२६-६६ सी।

सांगीतविहार (पद्य)—अन्य नाम 'सांगीतरत्नाकर'। गौरीशंकर (भट्ट) कृत। र० का० सं० १६२६ (?)। वि० संगीत।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—ठा० जवाहरसिंह, खेतुई, डा० मुरादाबाद (हरदोई)। → २६-१०१ एफ।

(ख) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—पं० देवीप्रसाद शास्त्री, सकटिया, डा० महोली (सीतापुर)।→ २३-१३३ बी।

सांगीतसार (पद्य)—देवीप्रसाद कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६५२। वि० संगीत।

प्रा०—लाला रामनाथ गुप्त, जादोनगर, डा० हाथरस (अलीगढ़)।→ २६-८४ डी।

साँचनिषेध-लीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० ईश्वर भक्ति का माहात्म्य

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३५-७४ डी।

साँझी (पद्य)—घनश्यामदास कृत। वि० कृष्णोत्सव की साँझी का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३६ सी ।

साँझीकीर्तन (पद्य)—ब्रजभूषण (गोस्वामी) कृत । लि० का० सं० १९९० । वि० भक्ति ।

प्रा०–श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४०२ ख ।

साँझीलीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२९४ ख ।

साँबरतंत्र (गद्य)—नैनायोगिनी कृत । लि० का० सं० १८९३ । वि० मंत्रादि ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी) ।→०९–२०६ ।

साँबरतंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२४ । वि० तंत्र मंत्र और औषधियाँ ।

प्रा०—बाबू खुमानसिंह बुलंदशहर ।→१७–७१ (परि० ३) ।

साँभरयुद्ध (पद्य)—कलानिधि (श्रीकृष्ण भट्ट) कृत । वि० जयपुर नरेश सवाई जयसिंह का दिल्ली के सेनापति सैयद हुसेनअली और सैयद अबदुल्ला के साथ साँभर में युद्ध ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, द्वारा पं० ब्रह्मदत्त पांडे, नवाबगंज, कानपुर ।→०९–३०१ ।

साँसगुंजार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० कबीर और धर्मदास संवाद के रूप में ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०९–१४३ जे' ।

(ख) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११ न ।

(ग) प्रा०—पं० वैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२९–१७८ बी ।

साईंदास—कोई पंजाबी ।

सिहरफी (पद्य)→पं० २२–९८ ।

साखी (पद्य)—*अन्य नाम 'कबीर की साखी'*। कबीरदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७४० ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–५३ ।

(ख) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–९ ड ।

(ग) लि० का० सं० १७९७ ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–१०३ ओ ।

(घ) लि० का० सं० १७९७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–११ फ।

(ङ) लि० का० सं० १८२१।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–३५।

(च) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—महंत जानकीदास, मऊ, छतरपुर।→०६–१७७ ओ (विवरण अप्राप्त)।

(छ) प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)। → ०६–१४३ वी।

(ज) प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, एतमादपुर (आगरा)।→३२–१०३ वाई।

(झ) प्रा०—श्री सुंदरलाल, बरचावली, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)। → ३२–१०२ जेड।

(ञ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ घ (अप्र०)।

(ट) प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी, एम० ए०, एलएल० बी०, बलिया। → ४१–४७७ ङ (अप्र०)।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–११ ब।

(ड)→पं० २२–५१ सी।

साखी (पद्य)—काजी कादन जी और अन्य साधु (माणिक और सालूर) कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१२।

साखी (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–२४ घ।

(ख) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—पूर्ववत।→सं० ०७–३० ग।

साखी (पद्य)—जवाहिरपनि कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१२० ख।

साखी (पद्य)—तुरसीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–५१।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–७० ङ।

साखी (पद्य)—दरियासाहब कृत। लि० का० सं० १६३८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—साधु निरंजनदास, कुटी भैरोपुर, डा० भीमापार बाजार (गाजीपुर)।→सं० ०१–१५१ ख।

साखी (पद्य)—अन्य नाम 'अनभैशास्त्र' (ग्रंथ)' तथा 'अनभैकृत्याध्यात्म'। दादूदयाल कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६६० ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८१ ङ ।
(ख) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० १०-५७ घ ।
(ग) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० ०७-८१ च ।
(घ) लि० का० सं० १८०६ ।
प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० ०७-८१ छ ।
(ङ) प्रा०—उपर्युक्त ।→सं० १०-५७ ग ।

साखी (पद्य)—परशुराम कृत । वि० साधु संगति की महिमा और वैराग्य की प्रशंसा ।
प्रा०—पं० महावीर दीक्षित, चंडियाना, फतेहपुर ।→२०-१२६ ।

साखी (पद्य)—परस जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७५ ख ।

साखी (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७८ ख

साखी (पद्य)—फरीद (सेख) कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-८१ ।

साखी (पद्य)—बुल्लासाहब कृत । लि० का० सं० १८१८-१८४० (लगभग) । वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६५ ।

साखी (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री मथुराप्रसाद महेशप्रसाद, कड़ा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-२७५ ।

साखी (पद्य)—मुकुंददास कृत । वि० धामी पंथ के सिद्धांत और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—मठाधीश, रजनौली मठ (धामीपंथ), डा० सिरसी (बस्ती) । → सं० ०४-१०० ।

साखी (पद्य)—रामचरण कृत । वि० नाम माहात्म्य, गुरुमाहात्म्य, भक्ति और ज्ञान का उपदेश ।
प्रा०—लाला जयकुमार गुप्त, फरिहा (मैनपुरी) ।→३२-१७५ ए[२] ।

साखी (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० कबीर की साखियों पर टीका ।
प्रा०—महंत लखनलालसरन, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६-३२६ एच ।

साखी (पद्य)—संतदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४३४ ।

साखी (**पद्य**)—सिध्यादास (सिद्धराम) कृत । र० का० सं० १८१० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६८५ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→ २६–४३७ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६८६ ।

प्रा०—पं० रतननारायण, जगदीशपुर, डा० इन्हौंना (रायबरेली) । → सं० ०४–४०६ ख ।

साखी (**पद्य**)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६६ थ ।

साखी (**पद्य**)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१४१ ग ।

साखी →'ज्ञानीजी की साखी (ज्ञानीजी कृत) ।

साखी →'दोहावली' (दूलनदास कृत) ।

साखी→'पद' (नामदेव कृत) ।

साखी→'बानी (साखी)' (संतदास कृत) ।

साखी→'वाणी' (बखना जी कृत) ।

साखी (**केशोदास**) (**पद्य**)—केशवदास कृत । वि० सद्गुरु की महानता ।

प्रा०—गो० कुंजीलाल, बरसाना (मथुरा) ।→३२–११२ ।

साखी (**गोसाँई तुलसीदास की**) (**पद्य**)—तुलसीदास (?) कृत । लि० का० सं० १८६८ । वि० ज्ञान, उपदेश आदि ।

प्रा०—पं० गोविंदराम, पुरवा गजाधर तिवारी, अमहट (सुलतानपुर) । → २३–४३२ टी[२] ।

साखी (**ज्ञानखंड**) (**पद्य**)—नानक (गुरु) कृत । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० धीरजराम पुजारी, बड़ी संगति, बहराइच ।→२३–६३ ई ।

साखी (**टेक कौ अंग**) (**पद्य**)—रामचरण कृत । वि० सुमिरण परिचय और उपदेश ।

प्रा०—पं० शिवनारायण, लमौआ, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२–१७५ सी[२] ।

साखी (**मन कौ अंग**) (**पद्य**)—रामचरण कृत । वि० मन की विषमता और उसके वशीकरण से लाभ ।

प्रा०—पं० शिवनारायण, लमौआ, शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२–१७५ बी[२] ।

साखी (**माया कौ अंग**) (**पद्य**)—रामचरण कृत । वि० माया से बचाव और ब्रह्म में लीनता ।

प्रा०—पं० पूरनमल, भैजुआ, डा० औरौंव (मैनपुरी)।→३२-१७५ जेड।

साखी कबीर→'साखी' (कबीरदास कृत)।

साखी दसपातसाह की (पद्य)—स्वरूपदास कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० सिक्खों के दस गुरुओं का वर्णन।

प्रा०—शारदा बुधेलसिंह, गुदड़ी बाजार, बहराइच।→२३-४२४।

साखी बिहारिनदास जी की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५३। वि० ज्ञान, भक्ति आदि।

प्रा०—श्री राधाचंद्र वैद्य, बड़े चौवे, मथुरा।→१७-१०१ (परि० ३)।

साखीशब्द (पद्य)—मदनसाहब कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री चंद्रभूषणदास, उदासी कुटी, जगनीपुर, डा० जामताली (प्रतापगढ़)। →सं० ०४ २७७ ग।

साखीसबुदी (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३९ ड।

सागर →'प्रकरण सागरन का' (प्राणनाथ या महामति कृत)।

सागर (कवि)—मालवा नरेश जोरावरसिंह के आश्रित। सं० १७८८ के लगभग वर्तमान। राजा जोरावरसिंह ने रामगढ़ किला के निकट मानपुर ग्राम में कवियों की एक सभा बुलाई थी जिसमें चंद के पुत्र बाघेरा भाट और आमेरगढ़ के कवि नान्हूराम उपस्थित थे, जिन्होंने इन्हें साहित्यशास्त्र पर ग्रंथ लिखने को कहा।

कविताकल्पतरु (पद्य)→सं० ०४-४०६।

सागरदान (चारण)—साँदू चारण। आसोप (जोधपुर) के ठाकुर केशरीसिंह के आश्रित। सं० १८६७ के पूर्व वर्तमान।

गुणविलास (पद्य)→०१-८१।

साचार—पिता का नाम तारानाथ।

रसरत्न (पद्य)→सं० ०४-४०७।

साठक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८०३। लि० का० सं० १८०३। वि० संवत्सरों का फलाफल।

प्रा०—पं० वासुदेव शर्मा, कोटला (आगरा)।→२६-४८७।

साठा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८९। वि० साठ संवत्सरों का फलाफल वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५७०।

साठिक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संवत्सरों का फलाफल।

प्रा०—श्री मेघराज ब्राह्मण, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा)।→२६-४८८।

साठिकमत (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८९८। वि० संवत्सरों का फलाफल।

प्रा०—श्री दौलतराम पुजारी, सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा) ।→२६–४८६ ।

साठिका (गद्य)—दुर्गादेवी (?) कृत । लि० का० सं० १७५६ । वि० संवत्सरों के नाम के साथ देश भेद से उसका फलाफल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०६ ।

साठिका (पद्य)—बालदास कृत । लि० का० सं० १८६४ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० उमाशंकर, साँड़ी (हरदोई) ।→१२–१० ।

साठिका (संवत्सर) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८१७ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४६८ ।

साठिकाफल (गद्य)—लक्ष्मीधर कृत । र० का० सं० १६७४ । लि० का० सं० १६७४ । वि० साठ वर्षों का फलाफल ।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतेहपुर)। →२०–६४ ।

साठो (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा (बुलंदशहर)।→१७–८४ (परि० ३) ।

सातवार रा दूहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४२० ।

सातसखी रा दूहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नीति ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४२१ ।

सात स्वरूप के कीर्तन (पद्य)—द्वारिकेश (गोस्वामी) कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के सात स्वरूपों—मथुरेश जी, विट्ठलनाथ जी, द्वारिकाधीश जी, गोकुलचंद्रमा जी, गोकुलनाथ जी और मदनमोहन एवं श्रीनाथ जी का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१६८ ।

सादिक—घोड़ों के व्यापारी कोई मुसलमान । सं० १८६६ के पूर्व वर्तमान ।

शालिहोत्र (घोरान की बैदगई) (पद्य)→सं० ०१–४४६ ।

साध को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० साधुओं के लक्षण ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ एच' ।

साध कौ ब्यौरौ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५६ । वि० साधु रहनी की विधि का उपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२५६ ।

साध कौ ब्यौरो→'नाममाला' (रचयिता अज्ञात) ।

साधप्रछ्याजोग (ग्रंथ)→'साधप्रच्छा' (पृथ्वीनाथ कृत) ।

साधप्रच्छा (पद्य)→पृथ्वीनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–७६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११८ ख ।

साधमहमाँ कौ अंग (पद्य)—सेवादास कृत । वि० साधु माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०३ घ ।

साधुगुणमाला (पद्य)—जयमल (ऋषि) कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० साधु चरित्र वर्णन ।

प्रा०—स्वा० रविदत्त शर्मा, आयुर्वेद वैद्य भूषणभिषक, नरेला, दिल्ली । → दि० ३१–३६ ।

साधुजन—(?)

ध्रुवचरित्र (पद्य)→सं० ०१–४४७ ।

साधुमहातम (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री कुंजीलाल भट्ट, अनहेला, डा० किरावली (आगरा)। → २६–१७८ क्यू ।

साधुवंदना (पद्य)—बनारसीदास कृत । वि० जैन मतानुसार साधुओं के २८ मूल गुणों का वर्णन ।

(क) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१०५ ।

(ख) प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–१६ ए ।

साधुशरण—अन्य नाम साधूराम । स्वा० चरणदास की शिष्य परंपरा में लछिदास के शिष्य ।

अध्यात्मबोध (पद्य)→४१–२८२ ।

साधुसुलक्षणजोग (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८२८ ।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व-विद्यालय, वाराणसी ।→३५–१०० डी ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७० च ।

साधू जी (बाबा साधू)—स्वा० दादूदयाल जी के शिष्य । राघोदास के भक्तमाल के अनुसार माड़ोठी के निवासी ।

बाणी या साखी (पद्य)→सं० ०७–१६१ क ।

शब्द या पद (पद्य)→सं० ०७–१६१ ख ।

साधूराम→'साधुशरण' ('अध्यात्मबोध' के रचयिता) ।

सावरमंत्र (गद्य)—दामोदर (पंडित) कृत । वि० प्रसिद्ध सावर मंत्र की प्रशंसा ।

(क) लि० का० सं० १६५६ ।

प्रा० पं० रामसेवक मिश्र, मिरकनगर, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → २६-२५५ ए।

(ख) प्रा०—पं० रामगोपाल, यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली। → दि० ३१-६३ सी।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ को खोज विवरणों में भूल से नित्यनाथ कृत माना गया है।

सावरमंत्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्र मंत्र।

प्रा०—पं० बिहारीलाल प्रधानाध्यापक, नौगवाँ (आगरा)।→२६-४६६।

सावरमंत्र शास्त्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० झाड़फूँक।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-११५ (परि० १)।

सामंतसिंह (फीबा)—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-७२ (सात)।

सामरथी (द्विज)—(?)

प्रेममंजरी (पद्य)→२६-४२०।

सामुद्रिक (पद्य)—उत्तमदास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज जगदंबाप्रतापसिंह का पुस्तकालय, अयोध्या।→२०-२००।

सामुद्रिक (पद्य)—ताहिर कृत। र० का० सं० १६७८। लि० का० सं० १६०४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० दयाशंकर पाठक, मंडी रामदास, मथुरा।→१७-२।

सामुद्रिक (पद्य)—तेजनाथ कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० महेशसिंह कोहली, बेचईसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३-४२५।

सामुद्रिक (पद्य)—दयाराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मातादीन खजांची, गौरहार।→०६-१५४ ए (विवरण अप्राप्त)।

सामुद्रिक (पद्य)—बाँकेराम (दीक्षित) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, खेड़वा, डा० महोली (सीतापुर)।→२६-४० ए।

(ख) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६-४० बी।

सामुद्रिक (पद्य)—बालकदास कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० भानुदत्त, मुनई, डा० करछना (इलाहाबाद)।→२०-१०।

सामुद्रिक (गद्य)—महादेव (जोशी) कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामप्रसाद दूबे, भरांसेपुर, डा० बमरौली (उन्नाव)।→२६-२७६।

सामुद्रिक (गद्य)—यदुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८०३। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३४४ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि० का० सं० १९२४।
प्रा०—ठा० कृष्णपालसिंह, तिवारीपुर, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़)। → २६–५०७।

सामुद्रिक (गद्य)—रत्न (भट्ट) कृत। र० का० सं० १७४५। लि० का० सं० १८८१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुर, दतिया।→०६–२१६ (विवरण अप्राप्त)।
(सं० १८८६ की एक प्रति चरखारी नरेश का पुस्तकालय, चरखारी में है)।

सामुद्रिक (पद्य)—राम कृत। लि० का० सं० १९०४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामकुमार, बलुबन का शिवपुर, डा० कोहड़ौर (प्रतातपगढ़)। → सं० ०४–३२३।

सामुद्रिक (पद्य)—वृंदावन कृत। लि० का० सं० १९१६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–३१।

सामुद्रिक (गद्य)—श्रीधर (गौड़) कृत। र० का० सं० १९२८। लि० का० सं० १९४१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री लालताप्रसाद दूबे, अदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४१४ सी।

सामुद्रिक (गद्यपद्य)—सत्य (कवि) कृत। वि० हस्तरेखा शास्त्र।
प्रा०—श्री तामेश्वरप्रसाद मिश्र, नगही, डा० गायघाट (बस्ती)। → सं० ०४–३९९।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० बाँकेलाल शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–४७५।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८९०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—वैद्य सीताराम, बमनोई, अलीगढ़।→२९–४७६।

सामुद्रिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० हस्तरेखा।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६–१११ (परि० ३)।

सामुद्रिक की टीका→'पुरुष स्त्री की परीक्षा' (रचयिता अज्ञात)।

सामुद्रिकनारी-दूषण (पद्य)—कोका (पंडित ?) कृत। वि० सामुद्रिक शास्त्र।
(क) लि० का० सं० १७१०।
प्रा०—पं० गंगाराम गौड़, जलाली (अलीगढ़।→२९–१९९ ए।
(ख) लि० का० सं० १८९०।

प्रा०—पं० बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा० आवागढ़ (एटा) ।→२६–१६६ सी ।

सामुद्रिकभेद (पद्य)—रामदयाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद त्रिपाठी, सिखौं, भिटौरा (फतेहपुर) ।→२०–१४३ ।

सामुद्रिकलक्षण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग ।→४१–४२२ ।

सामुद्रिकलक्षण-नारी-दूषण→'सामुद्रिकनारी-दूषण' (कोका पंडित ? कृत) ।

सारंगधर—सं० १७७४ के पूर्व वर्तमान ।

विरामचंद्रिका (पद्य) →सं० ०४–४०८ ।

सारंगधर (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६६ । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य ज्योतिषी, सिकंदराबाद (बुलंदशहर) । → १७–७७ (परि० ३) ।

सारंगधरवैद्यक (गद्यपद्य)—नयनसुख (नैनकवेस्वर) कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१७८ ।

सारंगधरवैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८४८ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री व्रजभूषण पाठक, बसारतपुर, डा० कंजा (जौनपुर) ।→सं० ०४–४६६ ।

सारंगधरसंहिता (पद्य)—नेतसिंह कृत । र० का० सं० १८०८ । वि० वैद्यक (संस्कृत ग्रंथ 'शारंगधर' का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा० - लाला राधाकृष्ण, बड़ाबाजार, कालपी ।→००–१३८ ।

(ख) प्रा०—लाला जगन्नाथप्रसाद, कल्विनगंज, बाँदा ।→०६–२१५ ।

सारंगधरसंहिता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री रामगोपाल मुराई वैद्य, अली का ताल, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६–११२ (परि० ३) ।

सारगीता (गद्य)—सुखदास कृत । वि० भगवद्गीता का सारांश ।

(क) लि० का० सं० १८१२ ।

प्रा०—लाला रामस्वरूप, लमौरा, डा० रामपुर (एटा) ।→२६–२३४ जी ।

(ख) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—श्री रामभजदत्त, इस्तपुर, डा० चाँदपहाड़ी (अलीगढ़) ।→२६–२३४ एच ।

(ग) प्रा०—ठा० श्रीनाथसिंह रईस, एतमादपुर (आगरा) ।→२६–२३४ आई ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–३०२ ।

सारगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वेदांत दर्शन ।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—पं० रामनाथ मिश्र, इमलिया, डा० सदारपुर (सीतापुर)। → २६-११३ (परि०३)।

(ख) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—वैद्य रामभूषण, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। → २६-११३ (परि०३)।

(ग) प्रा०—पं० मन्नीलाल गंगापुत्र तिवारी, मिश्रिख (सीतापुर)। → २६-११३ (परि० ३)।

सारचंद्रिका (पद्य)—किशोरीअली कृत। र० का० सं० १८३७। वि० सत्संग की महिमा।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)।→०६-१५१।

(ख) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-९७।

(ग) प्रा०—गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुरसीकरी (आगरा)।→ ३२-१२० डी।

सारचंद्रिका (पद्य)—जगन्नाथ (भट्ट) द्वारा संगृहीत। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—एतमादपुर, आगरा।→२६-१६४ ए।

(ख) प्रा०—पं० मिठ्ठूलाल मिश्र, पीपलवाला, फीरोजाबाद (आगरा)।→ २६-१६४ बी।

सारभेद (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १९३५। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-२४ इ।

सारशब्दावली (पद्य)—बनादास कृत। लि० का० सं० १९३१। वि० भक्ति।

प्रा०—पुजारी मोहनदास, भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०-११ क्यू।

सारसंग्रह (पद्य)—प्रवीन (कवि) कृत। लि० का० सं० १९४४। वि० भक्ति और श्रृंगार।

प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। → सं० ०४-२१५।

सारसंग्रह (पद्य)—शंकर (पांडे) कृत। र० का० सं० १८९२। लि० का० सं० १८९२। वि० नीति।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-२७६।

सारसंग्रह (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८४५। वि० भक्ति।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)।→०१-१०२।

सारसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। →
२६–११४ (परि० ३)।

सारसंग्रह→'दोहासारसंग्रह' (दाराशाहि कृत)।

सारसंग्रह→वैद्यकभाषासारसंग्रह' (गंगाराम कृत)।

सारस्वतसार मधुकर कलानिधि (पद्य)—माधव जू (माधवदास) कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० नवरस और नायिकाभेद।

प्रा० पं० कृष्णविहारी मिश्र (नयागाँव), माडल हाउस, लखनऊ।→२६-२७६।

सारस्वतीयप्रक्रिया (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६वीं शती। वि० संस्कृत व्याकरण।→२६–८८।

सालिंगासदावृत्त (गद्यपद्य)--भेदीराम कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० सालिंगा और सदावृत्त की कहानी।

प्रा०—लाला दीपचंद सोनी, शाहपुर मुद्रक, अलीगढ़।→२६-४३ बी।

सालू—(?)

सालू की वाणी (पद्य)→३८–१३४।

सालू की वाणी (पद्य)—सालू कृत। वि० निर्गुण मतानुसार गुरु भक्ति।

प्रा०—पं० कृष्णचंद्र, पैंठो, डा० डीग (भरतपुर)।→३८–१३४।

सालोत्तर→'शालिहोत्र' (ताराचंद या चेतनिचंद कृत)।

साल्हा (पद्य)--चंद्रिकादास कृत। र० का० सं० १६२१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा सेवादास, समाधि गिरधारी साहब, नोबस्ता (लखनऊ)। →
सं० ०७-४२।

सावंतसिंह—भारतशाह के पितामह। बिजन (टीकमगढ़) के जागीरदार। रानी मोहन कुँवरि के पति। वैकुंठमणि शुक्ल के आश्रयदाता। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान।→०६–५ बी; ०६–१४।

सावंतसिंह (झोबा)—विविध कवि कृत। 'शंकरपच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।
→०२–७२ (सात)।

सावंतसिंह (महाराज)→'नागरीदास' (कृष्णगढ़ नरेश)।

साबर (संपाहुली) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लिं० का० सं० १९६२। वि० मंत्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-५००।

साषी संतन को (पद्य) - विविध कवि (दादू, व्यास, नरसिंह आदि) कृत। वि० कबीर की महिमा।

प्रा०—श्री दाताराम महंत, मेवली, डा० अगनेर (आगरा)।→३२–२७७।

साहबदीन (साधु)—क्षत्रिय। अमरसिंह के पुत्र। विरंजिकुँवरि के पति। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।→०४–१६; २३–४४१।

संदेहबोध (गद्य)→०४–३० ।

साहबदीनदास—टिपरी, रामपुर (खीरी) के निवासी । सं० १६२१ के लगभग वर्तमान ।
छत्तीसअच्छरी (पद्य)→२३–३६६ ।

साहबराय—सक्सेना कायस्थ । नारायणदास के पुत्र । दयालदास के पौत्र । ब्रज निवासी बाबा नंद के शिष्य ।
रामायण (पद्य)→३८–१३२ ।

साहबसिंह (राय)—(?)
कोश (गद्य)→१७–१६४ ।

साहिजादे माजम के कवित्त→'मुअज्जमशाह के कवित्त' (जैतसिंह कृत) ।

साहित्यचंद्रिका (गद्यपद्य)—करण (भट्ट) कृत । वि० बिहारी सतसई की टीका ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–५७ ।

साहित्यतरंगिणी (पद्य)—वंशीधर कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६०७ । वि० काव्यांग वर्णन ।
प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१२ ।

साहित्यशिरोमणि (पद्य)—निहाल (कवि) कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० साहित्य और पिंगल ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१०५ ।

साहित्यसार (पद्य)—मतिराम कृत । लि० का० सं० १८६४ । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

साहित्यसार-चिंतामणि (गद्यपद्य)—श्रीधरानंद कृत । वि० अलंकार निरूपण ।
प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२०५ ।

साहित्यसुधाकर (पद्य)—सरदार (कवि) कृत । र० का० सं० १६०२ । वि० पिंगल और काव्य के लक्षण ।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–६२ ।
(ख) प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१७४ ।

साहित्यसुधानिधि (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० सं० १८५८ । वि० अलंकार और छंदादि ।
(क) लि० का० सं० १८६२ ।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–१७६ एन ।
(ख) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–६४ ए, बी ।
(ग) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–१२७ ए।

(घ) लि० का० सं० १९४३ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–१७६ एम ।

(ङ) लि० का० सं० १९४३ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–१६२ बी ।

(च) लि० का० सं० १९४३ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) । → सं० ०४–१०६ ख ।

साहित्यसुधानिधि (पद्य)—हरिप्रसाद कृत । र० का० सं० १९३३ । वि० काव्यांग ।

(क) लि० का० सं० १९३३ ।

प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुर कलाँ, डा० अजगैन (उन्नाव) । → २६–१७० ए ।

(ख) लि० का० सं० १९८३ ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल विशारद, अध्यापक, नगरमहापालिका स्कूल, कबीरचौरा, वाराणसी ।→२६–१७० बी ।

साहित्यसुधासागर (पद्य)—अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत । र० का० सं० १८९७ । वि० शिव, ब्रह्मा विष्णु आदि की महिमा ।

प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) । →२३–२४ डी ।

साहिबजी की कविता (पद्य)—मुरलीधर कृत । वि० स्वामी प्राणनाथ की प्रशंसा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७६ ।

सिंगारतिलक (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १७०९ । लि० का० सं० १७७८ । वि० संस्कृत ग्रंथ 'शृंगारतिलक' का अनुवाद ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ट[1] ।

सिंगारशतक→'शृंगारशतक' (गोपालदास चारण कृत) ।

सिंघ (नृप)—चरखारी नरेश । मोहनदास मिश्र (शिवराम) के आश्रयदाता । → सं० ०१–३०९ ।

सिंधु (कवि)—उप० आनंद । महाराज जगतसिंह (उदयपुर के राणा, राज्यकाल सं० १८९८ के लगभग) के समकालीन ।

दिनमणिवंशावली गुण-कथन (पद्य) →सं० ०१–४४८ ।

सिंह→'मानसिंह (द्विज)' ('बहुलाकथा' के रचयिता) ।

सिंहलकुमारचौपई (पद्य)—सुंदर कृत । र० का० सं० १६०० । वि० सिंहल कुमार के वैराग्य की कथा ।→पं० २२–१०६ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—काजिमअली जवान कृत । र० का० सं० १८५८ । लि० का०

सं० १९१० । वि० ग्वालियर के सुंदर कवि की सिंहासन बत्तीसी का खड़ीबोली में अनुवाद ।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर ।→०६–१८० (विवरण अप्राप्त) ।

(एक अन्य प्रति लाला देवीप्रसाद, छतरपुर के पास है ।)

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—गंगाराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा) ।→०३–६ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—परमसुख कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९०५ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ाबाजार, कालपी ।→००–१३७ ।

(ख) लि० का० सं० १९०५ ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–५१३ (अप्र०) ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२०८ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७४ सी ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—विनयसमुद्र कृत । र० का० सं० १६११ । लि० का० सं० १८२४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—चारण बालकदान जी, खाटा, जोधपुर ।→०१–७४ ।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)—सेनापति कृत । लि० का० सं० १८२८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० —पं० नरोत्तमदास, जियालाल का मुहल्ला, मुरादाबाद ।→१२–१७२ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७६३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री किरोड़ीसिंह, बाटी, डा० राल (मथुरा) ।→३८–१६६ ।

सिंहासनबत्तीसी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९०५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० - ठा० नैनसिंह, हरीपुर, डा० माधोगंज (हरदोई) ।→२६–५०० ।

सिंहासनबत्तीसी→'विक्रमबत्तीसी' ।

सिंहासनबत्तीसी→'सुजानविलास' (शशिनाथ या सोमनाथ कृत) ।

सिकंदरफिरंगी—आलमगीर बादशाह के आश्रित कोई हकीम । सं० १८२० के पूर्व वर्तमान ।

बाजनामा (गद्य)→सं० ०१-४४६ ।

सिकरावली (पद्य)—जयदयाल कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—पं० झिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती) ।→सं० ०४-११६ ।

सिखनख (सवैया) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नखशिख ।

प्रा०—पं० आत्माराम, रावल, डा० गोकुल (मथुरा) ।→३१-३०५ ।

सिखरचंद→'छोटेलाल' ('छंदप्रबंधसूत्र' के रचयिता) ।

सितकंठ—बरेली निवासी । सं० १७२७ के लगभग वर्तमान ।

तत्वमुक्तावली (गद्यपद्य)→०६-२६१ ।

सिद्धगरीब—'सिद्धों की वाणी' में इनके पद संगृहीत हैं ।→४१-५६ (चौदह) ।

सिद्धदास→'सिध्यादास (सिद्धदास)' ('ग्यानी' आदि के रचयिता) ।

सिद्धदासजी की शब्दावली→'शब्दावली' (सिध्यादास या सिद्धदास कृत) ।

सिद्धनाथ—(?)

रसरत्नाकर→पं० २२-१०२ ।

सिद्धवंदना (पद्य)—प्रेमदास (प्रेम) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० सिद्धों की वंदना ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१२३ ।

सिद्धसागरतंत्र (पद्य)—शिवदयाल कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० तंत्र, मंत्र और औषधियों आदि का वर्णन ।

प्रा०—बाबू सोहनलाल जैन, त्रिपौलिया, इलाहाबाद ।→०६-२६३ ए ।

सिद्धसिद्धांतपद्धति (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वेदांत तथा परमनाथ की उपासना । (संभवतः गोरखनाथ कृत ग्रंथ का अनुवाद । जोधपुर के महाराज मानसिंह के समय में अनूदित) ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-७५ ।

सिद्धहड़ताली—'सिद्धों की वाणी' में इनके पद संगृहीत हैं ।→४१-५६ (तेरह) ।

सिद्धांत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री राधाचंद्र चौबे, बड़े चौबे, मथुरा ।→१७-८७ (परि०२) ।

सिद्धांत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गुरु रामदास के सिद्धांत ।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शर्मा, पंडित का पुरवा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-११७ (परि०३) ।

सिद्धांत आदि फुटकर विषय वर्णन (पद्य)—सुंदरलाल (सुंदरसखि) कृत । र० का० सं० १९१७ । लि० का० सं० १९२५ । वि० दास के लक्षण और भक्ति आदि ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२८८ क ।

सिद्धांत के पद (पद्य)—कृष्णचंद्र (हित) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

(क) प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-९५ ।

(ख) प्रा०—नगरमहापालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-३१ ख ।

सिद्धांत के पद (पद्य)—वंशीअली कृत । वि० राधाकृष्ण की आराधना के सिद्धांत ।

प्रा०—श्री राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→३५-१०३ ए ।

सिद्धांतगणना (पद्य)—दीपविजय कृत । र० का० सं० १-८१ । लि० का० सं० १६०० । वि० जैन धर्म के द्वादशांगी सूत्रों का वर्णन ।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली । →दि० ३१-३० ए, बी ।

सिद्धांतचौंतीसी (पद्य)—अन्य नाम 'बारहखड़ी' । जनकराजकिशोरीशरण कृत । वि० अध्यात्म ।
(क) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१० ।
(ख) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६-१३४ एम ।

सिद्धांतजोग (पद्य)—कमाल कृत । लि० का० सं० १८३३ । वि० योग दर्शन ।
प्रा०—पं० सीतलप्रसाद, फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२३-२०३ ।

सिद्धांतपंचमात्रा (पद्य)—राघवानंद (स्वामी) कृत । वि० योग और वैष्णव भक्ति ।
प्रा०—महात्मा रामशरण, हनुमान जी का मंदिर, दानघाटी, गोवर्द्धन (मथुरा) । →३५-७६ ।

सिद्धांतपदावली (पद्य)—कृपानिवास कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-१६ ख ।

सिद्धांतबोध (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० अध्यात्म ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—लाला झन्नूमल, गौरियाकलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव) ।→२६-१४ ई ।
(ख) प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, इटावा ।→२६-१४ एफ ।

सिद्धांतबोध (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत । वि० ब्रह्मज्ञान ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-१६ ।

सिद्धांतमुक्तावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । र० का० सं० १८७५ । वि० वैष्णव भक्ति के सिद्धांत ।
(क) लि० का० सं० १६०७ ।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-१११ ।
(ख) लि० का० सं० १६२६ ।
प्रा०—महंत ललनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→०६-११४ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६-१८१ डी (विवरण अप्राप्त) ।
(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-८३ बी ।

(ङ) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, ललुहा (फतेहपुर)।→२०-६६।

सिद्धांतमुक्तावली (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा०—पं० राधेश्याम, परसिया, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३२-७२ बी।

सिद्धांतरहस्य (गद्य)—गोकुलनाथ कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांतों की व्याख्या।
प्रा०—पं० तोताराम, करहला, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२-६५ डी।

सिद्धांतविचार (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला और भक्ति के सिद्धांत।
(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। →०६-७३ आई।
(ख) प्रा०—पं० रामचंद्र वैद्य, चिकित्सा चूड़ामणि, भारत औषधालय, मथुरा। →१७-५१ बी।

सिद्धांतविचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१०। वि० भगवद्भक्ति एवं कृष्ण की शृंगारोपासना।
प्रा०—पं० जमुनाहरि, महोली (मथुरा)।→३५-३०८।

सिद्धांतसार (पद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत। वि० मोक्ष और ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-८३।

सिद्धांतसार (पद्य)—नथमलबिलाला (जैन) कृत। र० का० सं० १८३४। लि० का० सं० १८८६। वि० जैन धर्म के सिद्धांत।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७-६५।

सिद्धांतसार (पद्य)—हितरूपलाल (गोस्वामी) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५८ एच।

सिद्धिइकबीस गोरखनाथजी का—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। →०२-६१ (छब्बीस)।

सिद्धिचक्र-विधान (गद्यपद्य)—संतलाल (जैन) कृत। वि० पूजापाठ।
(क) लि० का० सं० १६५८।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१२६ क।
(ख) लि० का० सं० १६८२।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१२६ ख।

सिद्धिसागर→'राशिमाला' (रचयिता अज्ञात)।

सिद्धों की वाणी (पद्य)—गोरखनाथ, भर्तृहरि, गोपीचंद, जलंधरीपाव, पृथ्वीनाथ, चौरंगीनाथ, कणेरीपाव, हालीपाव, मीडकीपाव, हणवंत, नागाअरजन, हरताली, गरीब, धुँधलीमल, रामचंद्र, बालगुदाई, घोड़ाचोली, अजैपाल, चौणकनाथ, देवलनाथ, महादेव, पारबती, मालीपाव, सुकुलहंस और दत्तात्रेय के पदों का संग्रह। लि० का० सं० १८५५। वि० संसार को असार मानकर मुक्ति का उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५६ ।

सिध्यादास (सिद्धदास)—इरगाँव (सुलतानपुर) निवासी । सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । दूलनदास के शिष्य । सं० १८१० के लगभग वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→२६-४३७ ए ।

बानी (पद्य)→सं० ०४-४०६ क ।

विरहसत (पद्य)→२६-४३७ डी; सं० ०४-४०६ ख, ग ।

शब्दावली (पद्य)→२३-३८६; २६-४३७ बी; सं० ०४-४०६ घ, ङ ।

साखी (पद्य)→२६-४३७ सी; सं० ०४-४०६ च ।

सिपहदार खाँ—उप० बेगुनदास । कोल (संभवतः अलीगढ़) निवासी । मुसलमान । सं० १६१२ के पूर्व वर्तमान ।

पदमाला श्री जगन्नाथजी (पद्य)→सं० ०४-४१० ।

सियाकरमुद्रिका (पद्य)—सीतारामानन्यशीलमणि कृत । वि० सीताराम का वर्षाविहार और वर्षाऋतु की शोभा आदि ।

प्रा०—स्वा० रामवल्लभशरण, सद्गुरु सदन, अयोध्या ।→१७-१७३ ।

सियाराम—सं० १८१३ के लगभग वर्तमान ।

जानकीविजय (पद्य)→२६-४५३ ए, बी, सी ।

वैराग्यसंदीपनी टीका (गद्य)→सं० ०१-४५० ।

सियाराम-गुणानुवाद (पद्य)—अह्लाददास कृत । र० का० सं० १८१४ । वि० सीताराम का गुणानुवाद ।

प्रा०—पं० राजेश्वरप्रसाद शुक्ल, बनगवाँ, डा० महसों (बस्ती) । → सं० ०४-११ ।

सियाराम-चरण-चंद्रिका (पद्य)—लछिराम कृत । वि० सीताराम की भक्ति ।

प्रा०—श्री सेवतीलाल पनवारी, बाकरगंज, फैजाबाद ।→२०-६३ ।

सियाराम-रसमंजरी (पद्य)—जानकीचरण कृत । र० का० सं० १८८१ । वि० सीताराम के चरणों का माहात्म्य ।

(क) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या ।→०६-२४५ ई ।

(ख) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-८४ बी ।

टि० खो० वि० ०६-२४५ ई पर प्रस्तुत पुस्तक को भूल से रामचरणदास कृत मान लिया गया है ।

सियारामशरण—अयोध्या निवासी । सं० १६०६ के पूर्व वर्तमान ।

वर्णप्रतिज्ञानोपदेश (पद्य)→१७-१७७ ।

सियालालसनय-रसवर्द्धिनी-कवित्तदाम (पद्य)—रामरतन कृत । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५६ ।

सियाबरकेलि-पदावली (पद्य)—ज्ञानअली कृत। लि० का० सं० १६५६। वि० सीताराम चरित्र।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६-१०३।

सिरसागढ़ की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आल्हा का एक भाग।

प्रा०—ठा० रामलालसिंह, शेरपुर लवल, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → २६-५०१।

सिष (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ ष।

सिषरभुजचूड़ालापाख्यानं (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजा शिखरध्वज और चूड़ाला की कथा तथा वशिष्ठ मुनि द्वारा श्री रामचंद्र जी को उपदेश।

प्रा०—पं० छेदीलाल तिवारी, काकोरी (लखनऊ)।→सं० ०७-२५७।

सिषसागर-पवनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६६५। लि० का० सं० १७७७। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ भ।

सिसटपरमाँण (ग्रंथ)—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। → ०२-६१ (सत्ताईस)।

सिहरफी (पद्य)—अन्य नाम 'बाबेनानकदीयाँबेतालीस'। नानक (गुरु) कृत (?)। वि० उपदेश।→पं० २२-७० बी।

सिहरफी (पद्य)—साँईंदास कृत। वि० उपदेश।→पं० २२-६८।

सीतपतली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३८। वि० सीता का पाताल गमन वर्णन।

प्रा०—श्री रामनरेश दुबे, गजहड़ा, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)। → सं० ०१-५७१।

सीतल (कवि)—सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

लोलंबराजवैद्यक (पद्य)→३८-१४१।

सीतल (जैन)—सं० १८३८ के लगभग वर्तमान।

सुदृष्टतरंगिनी (गद्य)→००-११६; सं० ०४-४११; सं० १०-१२६।

सीताचरित्र (पद्य)—राइचंद्र (रायचंद्र) कृत। र० का० सं० १७१३। वि० रविषेण के पद्मपुराण के आधार पर सीता जी का चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८०१।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→ सं० ०४-३२६ ग।

(ख) लि० का० सं० १८०८।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→ सं० ०४-३२६ घ।

(ग) लि० का० सं० १८६२ ।
प्रा०—जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-३६२ ।
(घ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४-३२६ क ।
(ङ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४-३२६ ख ।

सीताचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सीता का पूर्व जन्म चरित्र ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५७२ ।

सीतापदचामर (भाषा टीका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सीतापद वंदना ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१७ (परि० ३) ।

सीतावनवास-कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सीता वनवास वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-५०१ ।

सीतामंगल (पद्य)—प्रियादास कृत । र० का० सं० १८७४ । वि० सीताराम का विवाह ।
प्रा०—लाला दामोदर वैद्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा) । → १२-१३८ डी ।

सीतायन (पद्य)—रामप्रियाशरण कृत । र० का० सं० १७६० । वि० सीताराम की कथा ।
(क) लि० का० सं० १८६७ ।
प्रा०—पं० सरयूप्रसाद, कनकभवन, अयोध्या ।→२०-१५५ ।
(ख) लि० का० सं० १९४२ ।
प्रा०—बाबा जानकीशरण, अयोध्या ।→०६-२५५ ।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१५५ ।

सीताराम—सरयूपारीण ब्राह्मण । धौकलराम उपाध्याय के पुत्र । जन्मस्थान मवैया (बहरेली) बलीपुर (बाराबंकी) । संस्कृत हिंदी के ज्ञाता । तिलोई (रायबरेली) के राजा शंकरसिंह के आश्रित । सं० १९५५ तक वर्तमान ।
काव्यकल्पतरु (पद्य)→२६-४४०, सं० ०४-४१३ क ।
रसिकबोध (गद्यपद्य)→३१-६१; सं० ०४-४१३ ख ।

सीताराम—हसनपुरा निवासी । हठीसिंह के पुत्र । सं० १८७० के लगभग वर्तमान ।
दिललगन-चिकित्सा (पद्य)→२३-३८६; २७-४३८ ए,बी,सी; २६-३०६ ए,बी,सी ।

सीताराम—दतिया नरेश राजा परीक्षित के आश्रित । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।
रामायण (पद्य)→०६-१११ ।

सीताराम—सं० १८२७ के लगभग वर्तमान ।
शकुनविचार (पद्य)→सं० ०४-४१२ ।

सीताराम (वैद्य)—अन्य नाम राम कवि। केशव के पुत्र। सं० १७६० के लगभग वर्तमान। ग्रंथ की रचना रौपड़ में हुई थी।

कवितरंग (पद्य)—पं० २२-६० ए; २६-४४१ ए, बी; २६-३०७ ए, बी, सी।

राजनीति (पद्य)→पं० २२-६० बी।

सीताराम (शुक्ल)—गौंडवा (हरदोई) निवासी। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।

कवित्तसंग्रह (पद्य)→२६-४३६।

प्रभातीभजन (पद्य)→२६-३०८।

सीताराम की गीत होली आदि (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० सीताराम की स्तुति और विहार।

प्रा०—बाबू कौशिल्यानंदन, शृंगारघाट, अयोध्या।→२०-५३।

सीताराम-गुणार्णव रामायण सप्तकांड (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० संभवतः अध्यात्म रामायण का अनुवाद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-२३।

सीतारामचंद्र-रहस्य-पदावली (पद्य)—रामसखे कृत। वि० श्री सीताराम की रहस्यमयी लीलाएँ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१५८ एफ.।

सीतारामजी के चरण चिह्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राम और सीता के चरण चिह्नों का वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-६६ (परि०३)।

सीताराम नखशिख→'नखसिख' (प्रेमसखी कृत)।

सीताराम-रस-तरंगिणी (गद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० रामजानकी की दिनचर्या।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ डी।

सीतारामरहस्य (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १८८०। वि० रामसीता की रासलीला।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२७६ एफ (विवरण अप्राप्त)।

सीतारामरासदीपिका→'रासदीपिका' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।

सीताराम-विनय-कवित्त (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैला सरैया, डा० बौरी (बहराइच)। →२३-१७८ डी।

सीताराम-विनय-दोहावली (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैला सरैया, डा० बौरी(बहराइच)।→२३-१७८ सी।

सीताराम-विवाह (पद्य)—मुन कृत। वि० रामजानकी का विवाह।

प्रा०—पं० मुरलीमनोहर त्रिवेदी, महोबा (हमीरपुर) ।→०६–२०१ ।

सीताराम-सिद्धांत-मुक्तावली→'सिद्धांतमुक्तावली' (जनकराजकिशोरीशरण कृत) ।

सीताराम-सिद्धांतानन्य-तरंगिणी (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । र० का० सं० १८८८ । वि० सीताराम की महिमा और स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६५८ ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–१३४ बी ।

(ख) प्रा०-श्री सद्गुरु सदन, अयोध्या ।→१७–८३ सी ।

सीतारामानन्यशीलमणि—संभवतः अयोध्या के कोई साधु।

सियाकरमुद्रिका (पद्य)→१७-१७३ ।

सीताशरण (साधु)—अयोध्या निवासी । सं० १६०० के लगभग वर्तमान । इन्हीं के कहने पर युगलानन्यशरण ने 'वचनावली' की रचना की थी ।→१२-८८ ।

सीतासत (भाषा) (पद्य)—भगौतीदास (कवि) कृत । र० का० सं० १६८४ । लि० का० सं० १८७० । वि० लंका में सीता जी के द्वारा सतीत्व रक्षा ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६५ ।

सीतास्वयंवर (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० —दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–७६ बी ।

सीतास्वयंवर→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत) ।

सीयाजोग (ग्रंथ)—कबीरदास कृत ।→पं० २२–५१ डी ।

सीलरास (पद्य)—विजयदेवसूरि कृत । लि० का० सं० १६६६ । वि० नेमिनाथ के पुत्र शीलकुमार का चरित्र ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–६१ ।

सीहा ओ—गुरु का नाम ज्ञानतिलोक । कोई सुनार जाति के भक्त ।

पद (पद्य)→सं० ०७–१६२ ।

सुंदर—संभवतः ग्वालियर निवासी सुंदरदास । सं० १६८१ के लगभग वर्तमान । → २६–४६६ ।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)→पं० २२–१०५ ।

सुंदर→'सुंदरदास' ।

सुंदर (कवि)—संभवत: २०वीं शताब्दी में वर्तमान ।

बारहमासी (पद्य)→सं० ०१–४५२ ।

सुंदरकली—मुसलमान कवियित्री । सन् १२६८ हि० के पूर्व वर्तमान ।

सुंदरकली हुदहुद का बारहमासा (पद्य)→०६–३१२; सं० ०४–४१४ ।

सुंदरकली कहानी—'सुंदरकली हुदहुद का बारहमासा' (सुंदरकली कृत) ।

सुंदरकली हुदहुद का बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरकली की कहानी'। सुंदर कली कृत। वि० लावनी शैली पर शृंगार वर्णन।

(क) लि० का० सन् १२९८।

प्रा०—श्री परमेसर लुहार, रायपुर (अमेठी), (सुलतानपुर)। → सं० ०४-४१४।

(ख) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०९-३१२।

सुंदरकांड (पद्य)—जगन्नाथ कृत। वि० रामचरित्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१-१२३।

सुंदरकांड→'रघुवंशदीपक' (सहजराम कृत)।

सुंदरकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

सुंदरकांड की टीका→'विमलवैराग्यसंपादिनी' (संतसिंह कृत)।

सुंदरकाव्य (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ। →०२-२५ (तीन)।

सुंदरकुँवरि—महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) की बहिन। कृष्णगढ नरेश महाराज राजसिंह की पुत्री। सं० १८४५ के लगभग वर्तमान।

गोपीमाहात्म्य (पद्य)→०१-१००।

नेहनिधि (पद्य)→०१-९७।

प्रेमसंपुट (पद्य)→०१-९५।

भावनाप्रकाश (पद्य)→०१-१०४।

रंगभर (पद्य)→०१-९६।

रसपुंज (पद्य)→०१-१०१।

रामरहस्य (पद्य)→०१-९८; सं० ०१-४५३।

वृंदावनगोपी-माहात्म्य (पद्य)→०१-१०३।

संकेतयुगल (पद्य)→०१-९९।

सारसंग्रह (पद्य)→०१-१०२।

सुंदरगीता (वैराग्य प्रकरण) (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० वैराग्य।

(क) लि०का० सं० १९१२।

प्रा०—महंत श्री रामचरित्तर भगत, मनिअर (मठ), बलिया। → ४१-५७० (अप्र०)।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७-१८५।

सुंदरचंद्रिकारसिक (पद्य)—सुंदरलाल (रसिकसुंदर) कृत। र० का० सं० १९०६। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कीमागरान का रास्ता, जयपुर। →००-१२५।

सुंदरदास—दादूदयाल जी के सुप्रसिद्ध शिष्य। खंडेलवाल वैश्य। शाह परमानंद के पुत्र। द्यौसा (जयपुर राज्य) के निवासी। जन्म सं० १६५३। मृत्यु सं० १७४६। हरिदास कृत 'दयालजी का पद' में भी संगृहीत। →०२-६४ (चौदह)।

अद्‌भुतग्रंथ (पद्य)→सं० ०१–४५१ ख।
अष्टक (पद्य)→सं० ०७–१६३ क।
उरांतप (पद्य)→०२–२५ (नौ)।
गुरुउपदेश-ज्ञान-अष्टक (पद्य)→सं० ०७–१६२ ख, ग।
गुरुदेवमहिमा-स्तोत्र-अष्टक (पद्य)→सं० ०७–१६३ घ, ङ।
गृहवैराग्यबोध (पद्य)→०२–२५ (बारह)।
चिंतावणी कौ ग्रंथ (पद्य)→०२–२५(तेरह); ०६–३११ डी; सं० ०७–१६३च, छ।
ज्ञानसमुद्र (पद्य)→०२–२५ (दो); ०३–३४; ०६–२४२ बी; पं० २२–१०७ ए; २३–४१५ ए, बी, सी।
ज्ञानसागर (पद्य)→०६–३११ ए।
ज्ञानी कौ अंग (पद्य)→सं० ०७–१६३ ज।
तर्कचिंतामणि (पद्य)→३२–२११; ४१-२८७; सं० ०७–१६३ झ।
त्रिविधअंतःकरण–भेद (पद्य)→०२–२५ (चौदह)।
दोहे (पद्य)→सं० ०७–१६३ ञ।
नाँवमहमा (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–१६३ ट।
पंचेंद्रियनिर्णय (पद्य)→१२–१८४ ए।
पद (पद्य)→०२–२५ (पंद्रह); सं० ०७–१६३ ठ।
विचारमाला (पद्य)→०६–३११ सी; पं० २२–१०७ डी।
वेदविचार (पद्य)→०२–२५ (आठ)।
वेदांतसार (पद्य)→२६–४७० ई।
शब्दसागर (पद्य)→२३–४१५ डी।
सर्वांगजोग (पद्य)→०२–२५ (पाँच); २६–४७० ए; सं० ०७–१६३ ड, ढ।
सवैया (पद्य)→०२–२५; ०२–२५ (एक); ०६–२४२ ए, सी; १२–१८४ बी; पं० २२–१०७ सी; २३–४१५ एफ, जी, एच; २६–४७० बी, सी डी; दि० ३१–८६; ४१–५७१ (अप्र०); सं० ०७–१६३ ण।
सहजानंद (पद्य)→०२–२५ (ग्यारह)।
सुंदरकाव्य (पद्य)→०२–२५ (तीन)।
सुंदरगीता (वैराग्य प्रकरण) (पद्य)→१७–१८५; ४१–५७० (अप्र०)।
सुंदरदास की बानी (पद्य)→०६–३११ बी।
सुंदरप्रबोध (पद्य)→सं० ०१–४५१ क।
सुंदरबावनी (पद्य)→०२–२५ (दस)।
सुंदरसत (भाषा) (पद्य)→पं० २२–१०७ बी।
सुंदराष्टक (पद्य)→०२–२५ (चार); २३–४१५ ई।
सुखसमाधि (पद्य)→०२–२५ (छै)।

स्वप्नबोध (पद्य)→०२–२५ (सात)।

हरिबोलचिंतामणि (पद्य)→००–२७; सं० ०७–१६३ त।

सुंदरदास—उप० सुंदर। ब्राह्मण। ग्वालियर निवासी। बादशाह शाहजहाँ और औरंगजेब के आश्रित। सं० १६८८ के लगभग वर्तमान। शाहजहाँ द्वारा कविराय और महाकविराय की पदवी से विभूषित हुए थे।

बारहमासी (पद्य)→०६–२४१ बी।

सुंदरशृंगार (पद्य)→००–१०६; ०२–३; ०६–२४१ ए; १७–१८४; २०–१८८ ए, बी, सी; २६–४६६ बी, सी; दि० ३१–८७।

सुंदरदास—ब्राह्मण। शाहमल के पुत्र। सं० १७०७ के लगभग वर्तमान। ग्वालियर निवासी सुंदरदास भी संभवतः यही हैं।→२६–४६६।

रुक्मांगद की एकादशी कथा (पद्य)→०६–३३४।

सुंदरदास—कायस्थ। दूलहराम के पुत्र। काशी निवासी। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान। 'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत → ०२–६४ (चौदह)।

विनयसार (पद्य)→०३–८८।

सुंदरश्यामविलास (पद्य)→०३–५७।

सुंदरदास—रामपुरी (अयोध्या ?) निवासी। कालूसुख के शिष्य।

रामचरित्र (पद्य)→३५–६६।

सुंदरदास—जैन। जिनसिंह सूरि के शिष्य। जैसलमेर निवासी। अनंतर मेड़ता (जोधपुर) में निवास। अमोलक (दानाध्यक्ष) के आश्रित। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।

सिंहलकुमारचौपई (पद्य)→पं० २२–१०६।

हनूमानचरित्र (पद्य)→२३–४१४।

सुंदरदास—(?)

त्रियाभोग (पद्य)→३२–२१०।

सुंदरदास (जैन)—भदावर रियासत (आगरा) के अंतर्गत अटेर निवासी। कालांतर में इंदौर में रहने लगे। पिता का नाम अमरसिंह।

सुंदरविलास (पद्य)→सं० ०७–१६४।

सुंदरदास की बानी (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १७६२। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत व्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)→०६–३११ बी।

सुंदरदास के अष्टक→'सुंदराष्टक' (सुंदरदास कृत)।

सुंदरदास के सवैया→'सवैया' (सुंदरदास कृत)।

सुंदरप्रबोध (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४५१ क ।

सुंदरबावनी (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→०२–२५ (दस) ।

सुंदरलाल—उप० सुंदरसखि । अन्य नाम रसिकसुंदर । कायस्थ । सुखलाल के पुत्र । निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी । जयपुर नरेश महाराज रामसिंह की फौज के नायब बख्शी । सखिभाव से युगलकिशोर के सेवक । सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।

गंगाभक्ति-विनोद (पद्य)→३५–८७ ए, बी ।

निकुंजरस-माधुरी (पद्य)→४१–२८८ ख ।

प्रियाभक्ति-रसबोधिनी-राधामंगल (पद्य)→००–१२८ ।

सनेहमंजरी (पद्य)→४१–२८८ ग ।

सिद्धांत आदि फुटकर विषय वर्णन (पद्य)→४१–२८८ क ।

सुंदरचंद्रिका-रसिक (पद्य)→००–१२५ ।

सुंदरलाल (वैश्य)—करहला (मथुरा) के निवासी । सं० १६०१ के लगभग वर्तमान ।

ऊषालीला (पद्य)→२६–३१८ सी ।

ध्रुवलीला (पद्य)→२६–४६६ ए; २६–३१८ ए ।

हरिश्चंद्रलीला (पद्य)→२६-३१८ बी ।

सुंदरविलास (पद्य)—सुंदरदास (जैन) कृत । र० का० सं० १६२१ । लि० का० सं० १६७६ । वि० संग्रह ग्रंथ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६४ ।

सुंदरविलास→'सवैया' (सुंदरदास कृत) ।

सुंदरशतक (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १६०४ । वि० हनुमान जी की स्तुति और कथा ।

(क) प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राजपुस्तकालय), रीवाँ ।→००–४५ ।

(ख) प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या ।→०६-२३७ ।

सुंदरशिकार→'अनघशिकार' (अयोध्याप्रसाद वाजपेयी कृत) ।

सुंदरश्रृंगार (पद्य)—सुंदरदास कृत । र० का० सं० १६८८ । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १७३० ।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–४६६ बी ।

(ख) लि० का० सं० १७७६ ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१०६ ।

(ग) लि० का० सं० १७६० ।

प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१–८७ ।

(घ) लि० का० सं० १७६१ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–३ ।

(ङ) लि० का सं० १८१२ ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → २६–४६६ सी ।

(च) लि० का० सं० १८२७ ।

प्रा०—ठा० कान्हसिंह, जम्मू ।→२०-१८८ बी ।

(छ) लि० का० सं० १८४४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-१८८ ए ।

(ज) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-२४१ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(झ) प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर ।→१७-१८४ ।

(ञ) प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर) । → १०-१८८ सी ।

सुंदरश्यामविलास (पद्य)—सुंदरदास कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० कृष्णलीला और भक्तों का वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-५७ ।

सुंदरसखि→'सुंदरलाल' ('निकुंजरसमाधुरी' आदि के रचयिता) ।

सुंदरसत (भाषा) (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।→पं० २२-१०७ बी ।

सुंदरसतशृंगार (पद्य)—सुंदरसिंह कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१११ ।

सुंदरसवैया→'सवैया' (सुंदरदास कृत) ।

सुंदरसिंह—भरतपुर राजवंश के महाराज कुमार । सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।

गौरीबाई की महिमा (पद्य)→०४-७४ ।

पंचाध्यायी (पद्य)→०४-७३ ।

सुंदरसतशृंगार (पद्य)→०३-१११ ।

हुस्नचमन (पद्य)→०४-७५ ।

सुंदराष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरदास के अष्टक' । सुंदरदास कृत । वि० गुरु माहात्म्य और निर्गुण ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—श्री रामाधीन मुराव, बदऊसराय, बाराबंकी ।→२३-४१५ ई ।

(ख)→०२-१५ (चार) ।

सुंदरीचरित्र→'उत्तमचरित्र' (अक्षर अनन्य कृत) ।

सुंदरीतिलक (पद्य)—गोवर्द्धनदास (सारस्वत) कृत । र० का० सं० १९३७ । लि० का० सं० १९३७ । वि० राधाकृष्ण के प्रेम विषयक कविताओं का संग्रह ।

प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, खेड़वा, डा० महोली (सीतापुर) ।→२६-१५० ।

सुंदरीतिलक (पद्य)—पुरुषोत्तम (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १९२६ । लि० का० सं० १९३० । वि० विविध ।

प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, तालुकेदार, सीतापुर ।→२६-३६४ ।

सुंदरीतिलक (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात। वि० विविध विषयक मतिराम और ठाकुर आदि की कविताओं का संग्रह।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, देवीपुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६–१४६।

सुआमैना-चरित्र (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण का परिहास।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ सी।

सुकबहत्तरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३१। वि० कहानी संग्रह।

प्रा०—पं० रामनारायनदत्त शास्त्री, ज्ञानपुर, डा० लखीमपुर (खीरी)। → २६–११८ (परि०३)।

सुकमालचरित्र (गद्य)—गोकुलगोलापूरब कृत। र० का० सं० १८७१। लि० का० सं० १६५८। वि० जैनधर्म के सिद्धांत।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोबा, इटौंजा (लखनऊ)।→२६–१२८।

सुकलहंस—कोई सिद्ध। 'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत।→४१–५६; ४१–२८६।

सुकवि—(?)

रामाष्टक (पद्य)→२६–४६४।

सुकसंवाद (पद्य)—चत्रदास कृत। वि० वैराग्य।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–३६।

सुकुमालचरित्र (गद्य)—नाथूलाल कृत। र० का० सं० १६१८। वि० जैनधर्मानुयायी सुकुमाल का चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–७२ ख।

(ख) लि० का० सं० १६६७।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४-१८८।

(ग) प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–७२ क।

सुकृतध्यान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १५१६ (अनु०)।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३२ ज।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–११ भ।

सुकसागर (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८५६। लि० का० सं० १८५६। वि० कर्मकांड, नवधा भक्ति, दया और क्षमादि का वर्णन।

प्रा०—महंत परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। → ३५–१४ के।

सुखजीवनप्रकाश (पद्य)—रामप्रसाद कृत । र० का० सं० १६१२ । लि० का० सं० १६३६ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री देवनारायण वैद्य, मोहनपुर, डा० बड़वान (हरदोई) ।→२६–२६० ।

सुखदान (कवि)—संभवतः राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी । १७वीं शताब्दी में वर्तमान ।

अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)→४१–२६० ।

सुखदानि—अयोध्या नरेश बख्तावरसिंह की रानी । सं० १८८८ के लगभग वर्तमान ।

बद्रीयात्रा कथा (पद्य)→सं० ०४–२२४ ।

सुखदास—साधु । रघुवरदास के भाई । सं० १६१७ के पूर्व वर्तमान ।

स्तुति (भवानी की) (पद्य)→२३–४११ ।

सुखदुख-वर्णन (पद्य)—गोपाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—चौ० प्रसादराम, ब्रह्मनीपुरा (इटावा)→३८–५४ ।

सुखदेव—(?)

गुरुमहिमा (पद्य)→सं० ०१–४५४ ।

सुखदेव (मिश्र)—कंपिला (फर्रुखाबाद) निवासी । पश्चात् दौलतपुर में निवास । शंभुनाथ मिश्र और मान कवि के गुरु । असोथर के राजा भगवंतराय खीची, अमेठी के राजा हिम्मतसिंह, औरंगजेब के वजीर फाजिलअली, डौंडियाखेड़ा के राजा मरदानसिंह आदि के आश्रित । सं० १७२८-४० के लगभग वर्तमान ।

अध्यात्मप्रकाश (पद्य)→०५–२७, ०६–२४० सी; १७–१८३ ए; २०–१८७ ए, बी; २३–४१२ ए, बी, सी, डी, ई; २६–४६५ ए, बी; दि० ३१–८० ए; सं० ०१–१६५ ।

छंदविचार (पद्य)→०६–३०७ बी; २३–४१२ जे; २६–४६५ सी ।

छंदोनिवासार (पद्य)→२३–४१२ एल; दि० ३१–८० बी ।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)→२३–४१२ पी, क्यू ।

पिंगल (पद्य)→२६–४६५ एफ ।

पिंगलछंदविचार (पद्य)→०३–१२३; ०६–२४० बी; १७–१८३ डी; २३–४१२ एफ, एच, के, सं० १०–१३० ।

फाजिलअलीप्रकाश (पद्य)→०६–३०७ ए; १७–१८३ सी; २०–१८७ सी; २३–४१२ एम, एन, ओ; २६–४६५ डी, ई ।

मरदानरसार्णव (पद्य)→०३–१२४; ०४–३३; २०–१८७ डी; २३–४१२ आर ।

रसरत्नाकर (पद्य)→४१–२६१ ।

वृत्तविचारपिंगल (पद्य)→०६–२४० ए; १७–१८३ बी; २०–१८७ ई; २३–४१२ जी, आई, एस, टी; २६–४६५ जी ।

शिखनख (पद्य)→०६–३०७ सी।

सुखदेवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शुकदेव मुनि का चरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४२३।

सुखदेव जी—चरणदास के गुरु। सं० १७६० के लगभग वर्तमान।→००–१२१; पं० २२–१८।

सुखदेवजी का संवाद→'सुखसंवाद' (खेमदास कृत)।

सुखदेवपुराण (पद्य)– वागेश्वर (भारती) कृत। लि० का० सं० १९०६। वि० शुकदेव मुनि की कथा।
प्रा०—श्री जगन्नाथ पांडेय, राजामऊ (रायबरेली)।→सं० ०४- ३६।

सुखदेवलाल—कायस्थ। मैनपुरी निवासी। सं० १७८६ के लगभग वर्तमान।
मानसहस रामायण (गद्य)→०६–३०८।

सुखदेवलीला (पद्य)—मुरलीदास कृत। वि० सुखदेव मुनि की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३०१ ख।

सुखनिदान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० निर्गुणज्ञान।
प्रा०—भारतकला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–२१ ज।

सुखनिधान—(?)
दोहा व पद (पद्य)→०६-३३३।

सुखपुंज→'नंदगोपाल' ('विनयविहार' के रचयिता)।

सुखबोध→'सुखराम' ('लघुपाराशरी सटीक' के रचयिता)।

सुखमंजरी-लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी। → ००–१३ (एक)।
(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ के।

सुखमनी (पद्य)— नानक (गुरु) कृत। वि० रामनाम की महिमा।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२०७।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१०१।
(ग) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—पं० लल्लूप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३–२६३ सी।
(घ) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—ठा० शिवनाथसिंह रईस, एतमादपुर (आगरा)।→२६–१६।
(ङ) प्रा०—श्री गोकुलप्रसाद, रतापुर (रायबरेली)।→२३–२६३ बी।

(च) प्रा०—श्री पुरुषोत्तमदास, बर्फ विक्रेता, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→ २६–३१५।

टि० खो० वि० २६–१६ में प्रस्तुत पुस्तक को गुरु अर्जुनदेव कृत माना है।

सुखराम (सुखबोध)—(?)

लघुपाराशरी सटीक (गद्य)→२६–४६८; सं० ०७–१६६।

सुखरामदास—रतलाम के निवासी। सं० १६०० में वर्तमान।

बूटीसंग्रह वैद्यक (गद्य)→३२–२०६।

सुखलाल—भाट। ओड़छा (बुंदेलखंड) निवासी। झुनरी के पुत्र। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।

दस्तूरअमल (पद्य)→०६–११३ ए।

नसीहतनामा (पद्य)→०६–११३ बी।

राधाकृष्ण-कटाक्ष (पद्य)→०६–११३ सी।

सुखलाल—सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

विवेकसागर (पद्य)→सं० ०४–४१६।

सुखलाल (कवि)—शाहदरा (दिल्ली) निवासी। गिरधारीसिंह के मित्र। बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।→दि० ३१–३३।

ख्याल निर्गुनसर्गुन (पद्य)→३२–२०८ ए।

ख्याल शहादत (पद्य)→३२–२०८ बी।

ख्यालों की पुस्तक (पद्य)→दि० ३१–८५; ३८–१४८ सी।

सुखलाल (कायस्थ)—काशी निवासी। अनंतर अयोध्या में रहने लगे थे। सं० १६१८ के पूर्व वर्तमान।

हनुमानजन्म (पद्य)→सं० ०४–४१५।

सुखलाल (गुसाईं)—संभवतः राधावल्लभ संप्रदाय के गुसाईं। सं० १८६० के पूर्व वर्तमान।

दंपतिभावामृत (पद्य)→३८–१४६।

सुखलाल (द्विज)—भदावर (ग्वालियर) राज्यांतर्गत अटेर निवासी। गोंडा के राजा गुमानसिंह के आश्रित। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।

वैद्यकसार (पद्य)→०६–३१०; २३–४१३।

सुखलाल (मिश्र)—(?)

श्रीकृष्णस्तोत्र (पद्य)→४१–२६२।

टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये कौशल्य गोत्रीय माध्यंदिनीय गौड़ ब्राह्मण

और बाबूराय के पुत्र थे। पानीपत से छै कोस दूर घटोत्कच के निकट घरौंदा ग्राम के निवासी थे। सं० १८०१ के लगभग वर्तमान थे।

सुखविलास (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८४६। लि० का० सं० १६०५। वि० सतगुर सेवा का फल।

प्रा०—बाबा परमानंददास, भुरसानकुटी, डा० भुरसान (अलीगढ़)। → २६–२८? आई।

सुखविलासिका (पद्य)—सरदार (कवि) कृत। र० का० सं० १६०३। वि० रसिकप्रिया की टीका।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–५७।

सुखसंवाद (पद्य)—अन्य नाम 'सुखसंवादजोग (ग्रंथ)' तथा 'सुखदेवजी का संवाद'। खेमदास कृत। वि० शुकदेव मुनि की कथा।

(क) लि० का० सं० १७०६।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६४।

(ख) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२७ ङ।

(ग) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२७ च, छ, ज।

(घ) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर।→०१–१३४।

सुखसंवादजोग (ग्रंथ)→'सुखसंवाद' (खेमदास कृत)।

सुखसखी—सखी संप्रदाय के वैष्णव।

आटोंसात्विक (पद्य)→०६–३०६ बी।

भक्तउपदेशनी (पद्य)→३५–६५ ए।

रंगमाला (पद्य)→०६–३०६ ए।

विहारबत्तीसी (पद्य)→३५–६५ बी।

सुखसदन (ग्रंथ) (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० भक्त तथा उनकी भक्ति।

प्रा०—महंत अशारामदास, कुटी गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७–३४ ङ।

सुखसनास (पद्य)—देवीदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८४७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० गुरुप्रसाददास, रमई, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४–१६६ क।

सुखसमाधि (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२–२५ (छै)।

सुखसमूह (पद्य)—रामकृष्ण कृत। वि० वैद्यक।

प्रा०—पं० रामशरण वैद्यराज, विद्यापुर, डा० किरावली (आगरा)। → ३२-१७६।

सुखसागर (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८१२ (लगभग)। वि० परब्रह्म का स्वरूप तथा कबीर का संसार में आने का हेतु।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → ४१-२१ घ।

सुखसागर (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १८१७। वि० शुकदेव मुनि का चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८११।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)। → सं० ०४-१८३ ढ।

(ख) लि० का० सं० १८८६ (लगभग)।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी)। → २६-३२७ बी।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सराय खीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर)। → २३-३०१ सी।

(घ) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० साहमऊ (रायबरेली)। → सं० ०४-१८३ ण।

(ङ) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)। → सं० ०४-१८३ ड।

सुखसागर (पद्य)—मलूकदास कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० भागवत लीलाओं का वर्णन।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → सं० ०४-२८८ अ।

सुखसागर → 'विवेकसागर' (सुखलाल कृत)।

सुखसागर कथा → 'सुखसागर' (नवलदास कृत)।

सुखसागरतरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। र० का० सं० १७४६। वि० नवरस, नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—महंत यशवंतसिंह, सिक्खों का मंदिर, अयोध्या। → २०-३६ डी।

(ख) लि० का० सं० १६४६।

प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)। → ०६-६४ डी।

(ग) प्रा०—श्री उमाकांत शुक्ल, हड़हाराज (बाराबंकी)। → २३-८६ एक्स।

सुखसागरपुराण (पद्य)—दयालदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१५० ।

सुखसारलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।
प्रा०—बाबा संतदास, राधा वल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ आर ।

सुखसिंधु→'जगन्नाथ' ('पीयूषरत्नाकर' के रचयिता) ।

सुखानंद—आगरा निवासी । सं० १६२७ के लगभग वर्तमान ।
गुलाबकेवड़ा (गद्य)→२६–४६६ ।

सुखानंद—संभवतः सुप्रसिद्ध स्वा० रामानंद जी के शिष्य और नाभादास कृत भक्तमाल के सुखानंद ।
पद (पद्य)→सं० १०–१३१ ।

सुखानंद—सं० १६२० के लगभग वर्तमान ।
वैद्यजीवन (पद्य)→२६–४६७ ।

सुखानंद—(?)
सनातनव्यवहारिणी भाषा विवृति (गद्य)→दि० ३१–८४ ।

सुखानंद जी—(?)
पद (पद्य)→सं० ०७–१६७ ।

सुखानंदननाथ—हरिहरानंद के शिष्य । शैव धर्मानुयायी । सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान ।
पशुमर्दन (भाषा) (गद्य)→सं० ०१–४५५ ।

सुगंधदशमी कथा (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत । वि० सुगंध दशमी व्रत कथा ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–२० ग ।

सुगंधदशमी व्रत कथा (पद्य)—हेमराज (जैन) कृत । वि० जैन पौराणिक कथा ।
प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहरौली, डा० चंद्रपुर (आगरा) ।→३२–२२६ ।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से विश्वभूषण कृत मान लिया गया है ।

सुगमनिदान (पद्य)—विष्णुगिरि (गोस्वामी) कृत । र० का० सं० १८०१ । वि० वैद्यक ।
प्रा० –पं० पुरुषोत्तम वैद्य, धुंधीकटरा, मिरजापुर ।→०२–१०६ ।

सुगुरुशतक (पद्य)—जिनदास कृत । र० का० सं० १८५२ । लि० का० सं० १६१४ ।
वि० अच्छे गुरु का माहात्म्य ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–६३ ।

सुघरसुनारीलीला (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० श्रीकृष्ण की सुनारीलीला ।
प्रा०—पं० शिवलाल, सौनई (मथुरा) ।→१८–१६४ ए ।

सुजसपताका→'रामसुयशपताका' (समरदास कृत) ।

सुजानचरित्र (पद्य)—सूदन कृत। वि० भरतपुर नरेश सूरजमल का अहमदशाह दुर्रानी आदि से युद्ध करने का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००-८१।

(ख) लि० का० सं० १९२७।

प्रा०—पं० नारायण कवि, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१२-१८१।

(ग) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास विट्ठलदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-१८१।

सुजानविनोद (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच)।→२३-१४।

सुजानविनोद (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। लि० का० सं० १८५७। वि० शृंगार रस।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१०८। (एक अपूर्ण प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

सुजानविलास (पद्य)—शशिनाथ (सोमनाथ) कृत। र० का० सं० १८०७। वि० सिंहासनबत्तीसी की कहानियाँ (संस्कृत से अनूदित)।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००-८२।

(ख) प्रा०—पं० नवनीत कवि, मारूगली, मथुरा।→१७-१७६ जी।

सुजानविलास→'सिंघासनबत्तीसी' (अखैराम कृत)।

सुजानसिंह—ओड़छा (बुंदेलखंड) नरेश राजा पहाड़सिंह के पुत्र। मेघराज प्रधान और सुदर्शन वैद्य के आश्रयदाता। सं० १७१०-१७२९ तक के लगभग वर्तमान। → ०५-८७; ०६-७४; ०६-११२; २३-४०६; २६-४६२; दि० ३१-५८।

सुजानसिंह—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के आश्रित। इन्होंने देवेश्वर माथुर के साथ 'पहौपप्रकाश (पुष्पप्रकाश)' की रचना की थी।→सं० ०१-१६६।

सुजानसिंह (महाराज)—उप० सूरजमल। भरतपुर नरेश। महाराज बदनसिंह के पुत्र। राज्यकाल सं० १८१२-१८२०। अखैराम, सूदन कवि और शशिनाथ (सोमनाथ) के आश्रयदाता। सं० १८२० में मुगलों के युद्ध में निहत हुए थे।→ ००-८१; ००-८२; सं० ०१-२।

सुजानहित (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० भक्ति, प्रेम और शृंगार।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाईजिन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ। →सं० ०४-१४ ग।

(ख) लि० का० सं० १९०३।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ। →सं० ०४-१४ ख।

(ग) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-४ बी।

(घ) प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, नौगवाँ (आगरा)।→२६-११५ बी।

सुजानहितप्रबंध→'सुजानहित' (आनंदघन कृत)।

सुथरादास—प्रयाग निवासी। बाबा मलूकदास जी के शिष्य और भानजे। सं० १७८४ के पूर्व वर्तमान।

परिचयी बाबा मलूकदासजी (पद्य)→१७-१६०; सं० ०४-४१७ क, ख, ग।

सुदर्शन—संभवतः सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→१:-१ २।

सुदर्शन (विप्र)—ब्राह्मण। अंजु ग्राम (अंतर्वेद) निवासी। रसूलगुलाब (?) के आश्रित। १७७७ के लगभग वर्तमान।

एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→१२-४७; २३-४०८; २५-४६३

सुदर्शन (वैद्य)—श्रीवास्तव कायस्थ। हम्मीरपुर निवासी। गिरधर के पुत्र। ओड़छा नरेश महाराज सुजानसिंह के आश्रित। सं० १७२६ के लगभग वर्तमान।

भिषजप्रिया (पद्य)→०५-८७; ०६-११२; २३-४०६; २६-४६२।

सुदर्शन (शाह)—टेहरी (गढ़वाल) के राजा। सं० १८७२-१२१६ तक वर्तमान।

सभासार (पद्य)→१२-१८३।

सुदर्शन (सेठ) को चौपाई (पद्य)—ऋषिराय ब्रह्महुलास कृत। लि० का० सं० १६४३। वि० जैन सेठ सुदर्शन की प्रशंसा।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-११।

सुदर्शनचरित्र (पद्य)—नंद (नंदलाल) कृत। र० का० सं० १६६३। वि० जैन धर्मानुयायी सुदर्शन सेठ की कथा।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-१७८ क, ख।

सुदर्शनदास—साधु। वृंदावन निवासी।

विनयपत्रिका (पद्य)→१२-१८२।

सुदामा—सं० १८८६ के पूर्व वर्तमान। गुरु का नाम संभवतः प्रीतिदास।

सुदामाजी की बारहखड़ी (पद्य)→२३-४०७; २६-४६१ ए, सी, डी, ई, एफ; दि० ३१-८३; ४१-५७२ (अप्र०)।

नाइनभेष (पद्य)→२६-४६१ बी।

सुदामा की कथा (पद्य)—रामदास कृत। लि० का० सं० १७८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ़।→४१-२२६।

सुदामा की कथा→'सुदामाचरित्र' (नरोत्तमदास कृत)।

सुदामाचरित्र (पद्य)—आनंददास कृत। वि० सुदामा की कथा का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१७।

सुदामाचरित्र (पद्य)—आलम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८७६।
प्रा०—पं० रेवतीप्रसाद, गढ़ी परसोत्ती, डा० सुरीर (मथुरा)।→३६-४।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१८ घ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—कमलानंद कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मनोहरलाल पाठक, श्री बलदेव (मथुरा)।→३६-५२।

सुदामाचरित्र (पद्य)—कलीराम कृत। र० का० सं० १७३१। लि० का० सं० १७३१।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८-७८।

सुदामाचरित्र (पद्य)—कल्याणदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—पं० भोलानाथ, कारब, डा० राया (मथुरा)।→३५-५०।
(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३५।

सुदामाचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'सुदामासमाज'। खंडन कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-५६ ए।
(सं० १८६० की एक अन्य प्रति पं० पीतांबर भट्ट, टीकमगढ़ के पास है।)

सुदामाचरित्र (पद्य)—गंग (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→००-२६।

सुदामाचरित्र (पद्य)—गिरिधरदास (गिरिधारी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६६१।
प्रा०—पं० उमेशदत्त त्रिपाठी, गौरा (उन्नाव)।→सं० ०४-६६ क।
(ख) प्रा०—पं० केदारनाथ तिवारी, उत्तरपाड़ा, रायबरेली।→२३-१२४ सी।

सुदामाचरित्र (पद्य)—गोपाल कृत। र० का० सं० १८५३। लि० का० सं० १६३१।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला रूपनारायण, पन्ना।→०६-२५३ ए (विवरण अप्राप्त)।

सुदामाचरित्र (पद्य)—दलजीत कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५२।

सुदामाचरित्र (पद्य)—धिरजाराम कृत। र० का० सं० १७८०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री नर्मदेश्वर धनधरा, डा० लोटन (बस्ती)।→सं० ०४-७३।

सुदामाचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'सुदामा की कथा' और 'सुदामालीला'। नरोत्तमदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३-३०० ए।
(ख) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—पं० कामताप्रसाद तिवारी, अटेर, डा० ससपन (लखनऊ)। → सं० ०७-६७।

(ग) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—मुंशी भोलाराम, मैंसोन, डा० खेरागढ़ (आगरा)। →२६. २४८।

(घ) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—पं० गोविंदलाल दूबे, निहालपुर, डा० नारायणदास खेड़ा (उन्नाव)। → २६-३२४ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→००-२२।

(च) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—पं० भगवानदीन, उर्दू अध्यापक, अजयगढ़ ।→०६-२०१ (विवरण अप्राप्त ।

(छ) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—श्री भगीरथीप्रसाद, उसका, डा० कौढ़ोर (प्रतापगढ़)।→२६-३२४ बी।

(ज) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—पं० सरजूप्रसाद, महरन, डा० मटेरा (बहराइच)।→२३-४०० बी।

(झ) प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगा जी का मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर)। → १७-१२४।

(ञ) प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, चंडियाना, फतेहपुर ।→२०-११७।

(ट) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६-३२४ सी।

(ठ) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-५२५ (अप्र०)।

सुदामाचरित्र (पद्य)— प्राणनाथ कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०५-५३।

सुदामाचरित्र (पद्य)—बनमाली कृत। र० का० सं० १८५८। वि० सुदामा की कथा।

प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० घनघटा (बस्ती)। → सं० ०४-२२७।

सुदामाचरित्र (पद्य)—बालकदास कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़ ।→०६-१३३ (विवरण अप्राप्त)।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भूधरदास कृत। लि० का० सं० १२३६ मुल्की (?)। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामनारायण, अमौली, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-४८।

सुदामाचरित्र (पद्य)—भृगुपति कृत। लि० का० सं० १८०३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० सरल चौबे रामनरेखन चौबे, सहतवार दखिनटोला बहुतर (बलिया) ।→४१-१७८ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—महाराजदास कृत । र० का० सं० १६१६ । लि० का० सं० १६५४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० बरातीलाल, मुकरीम नगर, धोपीटोला, डा० हसनगंजबार (लखनऊ) । →२६-२८२ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—राखन कृत । लि० का० सं० १६५७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—बाबू चतुर्भुजसहाय वर्मा, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→१२-१४१ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत ब्रजलाल, जमीदार, सिराथू (इलाहाबाद) ।→०६-१५ बी ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—हलधरदास कृत । र० का० सं० १६१७ (१८००) । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८८२ ।

प्रा०—धर्मपत्नी स्वर्गीय पं० कन्हैयालाल पुजारी, देवीमंदिर, सिरसागंज (मैनपुरी) । →२६-१६३ ।

(ख) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→०६-१०४ ।

(ग) प्रा० – पं० रामभरोसे, द्वारा पं० मनपोखन, दहवा, डा० बढ़ेपुरा (इटावा) । →दि० ३१ ३५ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७०६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६३ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-५७१ ।

सुदामाजी को बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'ककहरा' । सुदामा कृत । वि भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—ठा० अयोध्यासिंह, सदरपुर, डा० मारापुर, परगना चाँदा (सुलतानपुर)। →२३-४०७ ।

(ख) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—श्री तुलसीदास का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग ।→४१-५७१ (अप्र०) ।

(ग) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद शुक्ल, शिवगंज डा० हरगाँव (सीतापुर) ।→२६-४६१ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६४५ ।

प्रा०—ठा० जोधासिंह, मिठुलिया, डा० ईसानगर (खीरी) ।→२६-४६१ डी ।

(ङ) प्रा० – पं० शंकरराम तिवारी, पुरासैफू, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) । →२६-४६१ ए ।

(च) प्रा०—महंत मोहनदास, स्वामी पीतांबरदास का स्थान, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६-४६१ ई ।

(छ) प्रा०—श्री बद्रीनाथ भट्ट हुसेनगंज, लखनऊ ।→२६-४६१ एफ ।

(ज) प्रा०—पं० गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१-८३ ।

सुदामाजी की बारहखड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८५४ । वि० सुदामा चरित्र ।

प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुर्जा (बुलंदशहर) ।→१७-१८८ (परि० ३) ।

सुदामाजी के सवैया→'सुदामाचरित्र' (कल्याणदास कृत) ।

सुदामालीला→'सुदामाचरित्र' (नरोत्तमदास कृत) ।

सुदामासमाज→'सुदामाचरित्र' (खंडन कृत) ।

सुदृष्टतरंगिनी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८३८ । वि० जैनधर्म का प्रतिपादन ।

(क) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१२६ ।

(ख) लि० का० सं० १६७० ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → सं० ०४-४११ ।

(ग) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००-११६ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ को खो० वि० सं० ०४-४११; सं० १०-१२६ में सीतल जैन कृत माना गया है । पर वस्तुतः ग्रंथ अज्ञात कर्तृक है ।

सुधन्वाकथा→'जैमिनिपुराण' (पुरुषोत्तमदास कृत) ।

सुधा··· (पद्य)—लाल जी रंगखान कृत । लि० का० सं० १८४७ । वि० नायक नायिकाभेद ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुलनाथ का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । → ३५-५६ ।

टि० ग्रंथ का नाम अपूर्ण है ।

सुधाधरपिंगल (पद्य)—चंद कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—पं० कैलाशनारायण चतुर्वेदी, नगरा पाईसा (मथुरा) ।→३८-२० ।

सुधानिधि (पद्य)—तोषनिधि (तोषमणि) कृत । र० का० सं० १६६१ । लि० का० सं० १६४८ । वि० रस और नायिकाभेद ।

प्रा०—अयोध्यानरेश का पुस्तकालय, अयोध्या ।→०६-११६ ।

सुधानिधिकाव्य→'राधासुधानिधि सटीक' (हितदास कृत) ।

सुधामुखी—शीलमणि के शिष्य । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

भक्तनामावली (पद्य)→२०-१८६; २३-४१० ।

सुधामुखी→'सरयूदास' (प्रमोदवन, अयोध्या निवासी) ।

सुधारस या सुधासर→'प्रबोधरससुधासागर' (नवीन कृत) ।

सुधासार (पद्य)—छत्र (कवि) कृत । र० का० सं० १७७६ । लि० का० सं० १८५१ । वि० भागवत (दशम स्कंध) का अनुवाद ।

प्रा०—पं० नरोत्तमदास, लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–६८ एफ ।

सुधासिष (ग्रंथ) (पद्य)—आन कवि (न्यामत खाँ) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२१ ष ।

सुनारिनलीला (पद्य)—हरिवंशराय कृत । वि० कृष्ण का सुनारिन रूप धारण कर राधिका से मिलना ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं० श्याममनोहर शुक्ल, मानपुरा (हरदोई) ।→२६–१४८ डी ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—ठा० परशुसिंह, रामनगर, डा० बारा (सीतापुर) ।→२६–१४८ ई ।

सुनारिनलीला→'छद्मलीला' (हितरूपलाल कृत) ।

सुनीतिपंथप्रकाश (पद्य)—निहाल (कवि) कृत । र० का० सं० १८३६ । वि० राजनीति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१०६ ।

सुनीतिप्रकाश (पद्य)—भूपति कृत । र० का० सं० १८३१ । वि० राजनीति की कहानियाँ (फारसी से अनूदित) ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–२ ।

सुनीतिरत्नाकर (पद्य)—निहाल (कवि) कृत । र० का० सं० १६०२ । लि० का० सं० १६०२ । वि० नीति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१०७ ।

सुन्नूलाल—(?)

वैद्यजीवन (गद्य)→२०–१८६ ।

सुपच की लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पौराणिक कथा ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→२६–५१२ ।

सुबरनबेलि→'सोनकुँअरि' (जयपुर की रानी) ।

सुबरनबेलि की कविता (पद्य)—सोनकुँअरि (सुबरनबेलि) कृत । लि० का० सं० १८३४ । वि० कृष्णोत्सव के गीत ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२३६ (विवरण अप्राप्त) ।

सुबोध (पद्य)—गंगाप्रसाद कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १६१६ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—हकीम गंगासहाय, बदायूँ ।→१२–५७ ।

सुभाषित (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६१७ । लि० का० सं० १६३० । वि० उपदेश ।

प्रा०—लाला प्रभुदयाल, आलमनगर, लखनऊ ।→२६-११६ (परि० ३) ।

सुभाषित ग्रंथ या सुभाषित उपदेश रत्नावली→'सुभाषितावली' (खुशालचंद काला कृत) ।

सुभाषितावली (पद्य)—खुशालचंद (काला) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० प्राकृत के 'सुभाषित' ग्रंथ का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-७७ ।

(ख) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—जैन मंदिर, रायभा, डा० किरावली (आगरा)।→३२-२३० ।

(ग) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदिनीगंज, प्रतापगढ़ ।→२६-२३६ ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ का मूल से खो० वि० दि० ३१-७७ में सबलसिंह पंड्या कृत तथा ३२-२३० में वीतरागदेव कृत माना है ।

सुमतिनाथ—जैन । खतरगच्छ (मुलतान) निवासी । चहड़मल के आश्रित । सं० १७२२ के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानकला (पद्य ?)→पं० २२-१०४ ।

सुमनघन (पद्य)—गंगादास कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० शेखसादी कृत 'गुलिस्ताँ' का अनुवाद ।

प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय बलरामपुर ।→०६-८५ ।

सुमनप्रकाश (पद्य)—भोलानाथ कृत । वि० नायक नायिकाभेद ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१६ ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०१-२६४ ।

सुमरणमंगल (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० रामचंद्र जी का नखशिख ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ एल ।

सुमरन को अंग (पद्य)—हजारीदास (संतदास) कृत । वि० रामनाम महिमा और नाम स्मरण का फल ।

प्रा० - संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१-२७४ ।

सुमिरननामपाखी (पद्य)—धर्मदास कृत । लि० का० सं० १८७४ । वि० कबीरपंथ के सिद्धांत ।

प्रा०—बाबू अमीरचंद, प्रबंधक बी० डी० गुप्ता एंड कं०, चौक बाजार, बहराइच ।→२३-१०० सी ।

सुमिरनसाठिका (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० जीव की महिमा, ईश्वर प्रेम आदि ।

प्रा०—पं० दीनानाथ, रामनगर (बहराइच) ।→२३-१६८ एन ।

सुमिरनसिंगार (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० राम और कृष्ण की स्तुति ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ एम ।

सुमेरशिखर (समेदशिखर ?) माहात्म्य (पद्य)—गुलाबराइ मोतीराइ कृत । र० का० सं० १८४१ । लि० का० सं० १८४१ । वि० समेदशिखर का माहात्म्य वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०८-७० ।

सुरतरंग (पद्य)—सरदारसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १८०५ । वि० संगीत ।

(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-२ ।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४४२ ।

सुरतराम→'रामसागर' (आनंदराम द्वारा संगृहीत, जिसमें इनकी भी बानियाँ हैं) ।

सुरतांवलोला (पद्य)—जीवनधन कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० राधाकृष्ण का दाम्पत्य विलास ।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद ।→४१-८२ ।

सुरतिशब्द-संवाद (पद्य)—अन्य नाम 'सुरतिसंवाद' । कबीरदास कृत । वि० ज्ञान योग ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं० जयमंगलप्रसाद वाजपेयी, रमुआ (फतेहपुर) ।→२०-७४ सी ।

(ख) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) । → २६-१७८ आर ।

सुरतिसंवाद→'सुरतिशब्दसंवाद' (कबीरदास कृत) ।

सुरतोल्लास (पद्य)—वल्लभरसिक कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२-१४ सी ।

सुरमाबारी (पद्य)—गल्लू जी (महाराज) कृत । र० का० सं० १६१० । वि० श्रीकृष्ण की छद्मलीला ।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, घेरा राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा) । → २६-१०३ बी ।

सुरसुंदरीकथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७१४ । वि० पुत्ररक्षा व्रत की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४२४ ।

सुरसुंदरीचरित्र (पद्य)—रेइ (मुनि) कृत। र० का० सं० १६४४। लि० का० सं० १७०८। वि० सुरसुंदरी की कथा।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-५६।

सुरापचीसी (पद्य)—अवधूतसिंह कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० सं० १८४०। वि० सुरापान की महिमा।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-१ डी।

सुरेंद्रकीर्ति—ग्वालियर के जैन भट्टारक। सं० १७४० के लगभग वर्तमान।

रविव्रत कथा (पद्य)→२३-४२०।

सलेमान (शेख)—(?)

खालिकनामा (पद्य)→०६-२८६।

सुलोचनासत(पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० मेघनाथ वध और सुलोचना का सती होना।

प्रा०—श्री रामअनंद तिवारी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। → सं० ०१-५७४।

सुवंश (शुक्ल)—बिसवाँ (सीतापुर) निवासी। राजा उमरावसिंह और सूबासिंह के आश्रित। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।

अमरकोष (पद्य)→०५-८८; २०-१६१; २३-४२२ डी; २६-४७५ ए, बी; सं० ०४-४१६ क।

उमरावबृत्ताकर (पद्य)→२३-४२२ ई।

ढेफी (पद्य)→०२-१०७; २३-४२२ ए; सं० ०४-४१६ ख।

द्विघटिका (पद्य)→१२-१८०।

पिंगल (पद्य)→०६-३०६; २६-४७५ सी, डी।

रसतरंगिनी (पद्य)→२६-४७५ एफ।

रसमंजरी (पद्य)→२६-४७५ ई।

रामचरित्र (पद्य)→२३-४२२ बी।

स्फुटकाव्य (पद्य)→२३-४२२ सी।

सुवंशराय→'सुवंस (कवि)' ('जैमिनिअश्वमेध' के रचयिता)।

सुवंस (कवि)—पूरा नाम सुवंशराय। संभवतः कोई गोस्वामी। गदाधर के पुत्र। गोवर्द्धन के पौत्र। सं० १७१० के लगभग वर्तमान।

जैमिनिअश्वमेध (पद्य)→३५-६८।

नरसिंहपचासिका (पद्य)→सं० ०१-४५६।

सुवरण—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१-४५७।

सुवर्णमाला (पद्य)– गिरिधर (भट्ट) कृत । र० का० सं० १९०८ । वि० नायिकाभेद ।
प्रा०—ठा० हनुमंतसिंह, गौरहार ।→०६–३८ बी ।

सुवृत्तहार (पद्य)—गजराज कृत । र० का० सं० १९०३ । वि० पिंगल ।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३–७१ ।
(ख) प्रा०—श्री रमाकांत उपाध्याय, महरेव, डा० गुतवन (जौनपुर) । → सं० ०१–७३ ।

सुसिद्धांतोत्तम रामखंड (किष्किंधा, उत्तरकांड) (पद्य)—रुद्रप्रतापसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १८८३ (लगभग) । वि० रामचरित्र ।
(क) मु० का० सं० १९६८ ।
प्रा०—श्री महंत जी, गुरुद्वारा, शाहाबाद, डा० मानिकपुर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–३५० ।
(ख) प्रा०—श्री डेरातर के महाराज, माँडा (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–३६१ ।

सुक्तावली (भाषा) (पद्य)—फतेचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १९०२ । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १९०६ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–८० क ।
(ख) लि० का० सं० १९४० ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–८० ख ।

सुक्तिमुक्तावली (पद्य)—बनारसीदास कृत । र० का० सं० १६९१ । वि० जैन धर्म विषयक सूक्तियाँ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, अमीनाबाद पार्क, लखनऊ । → २६–६९ बी ।

सूक्ष्मवेद (पद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८३७ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री वशिष्ठ उपाध्याय, पोस्टमास्टर, चिरयाकोट (आजमगढ़) । → सं० ०१–१०० ड ।

सूक्ष्मवेदांत (पद्य)—रामदास कृत । वि० वेदांत ।
प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा) ।→३२–१७६ सी ।

सूतशौनक-संवाद (पद्य)—ललकदास कृत । र० का० सं० १८२५–५० । वि० रामकथा ।
सत्योपाख्यान
(क) लि० का० सं० १८५० ।
प्रा०—ठा० अनिरुद्धसिंह प्रबंधक, राज्य नीलगाँव, नीलगाँव (सीतापुर) । → २३–२४१ सी ।
(ख) लि० का० सं० १९३१ ।
प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→२६–२७१ ।

(ग) लि० का० सं० १९३१ ।
प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-२४१ डी ।
कौशलखंड
(घ) लि० का० सं० १८५१ ।
प्रा०—ठा० गंगाबक्शसिंह, सिसइया (बहराइच) ।→२३-२४१ ए ।
(ङ) लि० का० सं० १९२० ।
प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-२४१ बी ।

सूत्रजी (टीका सहित) (गद्य)--रचयिता अज्ञात । वि० जैन धर्मानुसार मोक्ष साधन ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१८० ।

सूत्रजी की टीका (गद्य)—मकरंद (जैन) कृत । वि० जैन दर्शन ।
(क) लि० का० सं० १९०० ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१०२ क ।
(ख) लि० का० सं० सं० १९३७ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१०२ ख ।

सूत्रार्थपातंजलि (भाषा) (गद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८४१ । वि० योग ।
प्रा० पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१९५ सी ।

सूदन - चौबे ब्राह्मण । मथुरा निवासी । वसंतराम के पुत्र । भरतपुर नरेश सुजानसिंह (सूरजमल) के आश्रित । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।
सुजानचरित्र (पद्य)→००-८१; १२-१८१; १७-१८१ ।

सूबासिंह (सुब्बासिंह)→'श्रीधर (राजा)' ।

सूमसागर (पद्य)—देवीदास (देवो) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० सूमों के भेद ।
(क) प्रा०—तुलसी सतसंग सभा अयोध्या ।→२०-४० ।
(ख) प्रा०—बाबू रामचंद्र एम० ए०, एल एल० बी०, अमीनाबाद, लखनऊ । →२३-६४ ।

सूआज (जैन)—(?)
आत्मानुशासन की भाषा वचनिका (गद्य)→सं० १०-१३२ ।

सूर—गुरु का नाम संभवतः तुलसी साहब (आपापंथी साधु) ।→१२-१९०; सं० ०७-०४ ।
झूलना (पद्य)→सं० ०७-१९८ ।

सूरकिशोर—संभवतः मिथिला निवासी ।
मिथिलामाहात्म्य (पद्य)→१७-१८८ ।

सूरगूढ़ार्थ पदसंग्रह और अर्थ→'दृष्टिकूट के पद' (बालकृष्ण वैष्णव कृत) ।

सूरज (सूर्य)—ज्योतिषी। १८वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान। सूदन ने इनकी प्रशंसा की है।

कर्मविपाक (गद्य)→०६–३०५।

सूरजदास—संभवतः प्राणनाथ के शिष्य। भोजपुरी भाषी प्रदेश के निवासी। सं० १७८५। के पूर्व वर्तमान।

एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→१७–१८७ बी; २३–४१७ बी; २६–४७३ ए; ४१–५७४ क (अप्र०); सं० १०–१३३ क, ख।

रामजन्म (पद्य)→१७–१८७ ए; २३–४१७ सी; २६–४७३ बी; ४१–५७४ ख (अप्र०); सं० १०–१३३ क, ख।

रामरहारी (लवकुशकांड) (पद्य)→सं० ०१–४५८।

रुक्मांगद की कथा एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→२३–४१७ ए।

सूरजपुराण (पद्य)—अंजनीदास कृत। वि० सूर्य कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० १०–१।

सूरजपुराण (पद्य)—गेंदीराय (देव) कृत। वि० सूर्य की स्तुति।

प्रा०—पं० हरिमोहन मिश्र, सिंगरावली, डा० तौंतपुर (आगरा)।→२६–११४।

सूरजपुराण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० सूर्य की कथा और माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—ठा० शिवसिंह, विक्रमपुर, डा० ओयल (खीरी)।→२६–४८५ बी।

(ख) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० रामअवतार, पंडित का पुरवा, डा० रसिया (बहराइच)। → २३–४३२ डब्ल्यू।

(ग) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री रामेश्वरप्रसाद, टेवा (प्रतापगढ़)।→२६–४८५ सी।

(घ) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्रामदास, डा० बरियावाँ (प्रतापगढ़)।→ २६–४८५ डी।

(ङ) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० शुकदेवप्रसाद मिश्र, चौंडियाना (फतेहपुर)।→२०–१६६ ए।

(च) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। → २६–४८५ ई।

(छ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—श्री हजारीलाल, रडुआ (रायबरेली)।→२३–४३२ एक्स।

(ज) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—श्रीमती महंतनी लक्ष्मणदासी, कुटी बाबा भामदास, डा० केसरगंज (सुलतानपुर) ।→२३-४३२ वाई[२] ।

(झ) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—श्री शिवरतन पांडेय भिटारी, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६-४८५ एफ ।

(ञ) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—ठा० रामदौरसिंह, पिथौरा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→२३-४३२ जेड[२] ।

(ट) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—श्री शिवधारीलाल, भमरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→२६-४८५ जी ।

(ठ) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा० पं० महावीरप्रसाद, कपथुआ, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→१७-१६७ ।

(ड) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६-४८५ एच ।

(ढ) प्रा०—लाला कौलेश्वरलाल, मदोरा (गाजीपुर) ।→०६-३२३ एम ।

(ण) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर) । → ३०- ६६ बी ।

(त) प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६-४८५ आई ।

(थ) प्रा०—पं० गंगासहाय, डा० बुआणा (दिल्ली) ।→दि० ३१-६२ ।

सूरजप्रकाश (पद्य)—करनीदान (कवि) कृत । र० का० सं० १७८७ । वि० महाराज अभयसिंह और उनके पूर्वजों का यश वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-२४ ।

सूरजमल→'सुजानसिंह' (भरतपुर नरेश) ।

सूरजमल की कृपाण (पद्य)—दत्त (कवि) कृत । वि० भरतपुर नरेश सूरजमल की कृपाण का ओजस्वी वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-१४८ ।

सूरजराज (कवि)—संभवतः 'रामजन्म' के रचयिता सूरजदास । →१७-१८७, २३-४१७; २६-४७३ ।

रामचरित्र (पद्य)→सं० ०७-१६६ ।

सूरत—जैन । सं० १६०३ के पूर्व वर्तमान ।

बारहखड़ी (पद्य)→सं० २२-१०८ ।

सूरत (कवि)→'सूरति (मिश्र)' ('अमरचंद्रिका' आदि के रचयिता) ।

सूरतप्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'भावदीपक' । गंगाराम (यति) कृत । र० का० सं० १८८३ । वि० वैद्यक ।→पं० २२-३१ बी ।

सूरतराम (जन)—गुरु का नाम रामचरण। सं० १८५२ के पूर्व वर्तमान।→२३-४१८; सं० ०७-१६५।

ककाबत्तीसी (पद्य)→३५-६७ बी।

चिंतावणिबोध (ग्रंथ) (पद्य)→३५-६७ ए; सं० ०७-२०१ क।

नौंवबत्तीसी (पद्य)→सं० ०७-२०१ ख।

पद (पद्य)→सं० ०७-२०१ ग।

पदवधावणा (पद्य)→३५-६७ सी।

भ्रमखंडन (पद्य)→सं० ०७-२०१ घ।

सतसंगसार (पद्य)→सं० ०७-२०१ च।

सूरतराम की बानी (पद्य)→२३-४१८; सं० ०७-२०१ ङ।

सूरतराम की बानी (पद्य)—अन्य नाम 'वाणीअणभै'। सूरतराम (जन) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५२।

प्रा०—श्री हरवंशराय, टिकारी (रायबरेली)।→२३-४१८।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०१ ङ।

सूरति (मिश्र)—आगरा निवासी। कान्यकुब्ज ब्राह्मण। पिता का नाम सिंघमनि। गुरु का नाम गंगेस। जन्म सं० १७४०। अमरसिंह, मसरुल्ला खाँ, बीकानेर नरेश जोरावरसिंह और दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के आश्रित। अलीमुहिब्ब खाँ 'प्रीतम' के गुरु। सं० १७६६ से १८०० तक कविता काल।

अमरचंद्रिका (पद्य)→०६-२४३ सी; ०६-३१४ सी; २३-४१६ सी; २६-४७४ ए, आई।

अलंकारमाला (पद्य)→०३-१०४।

कविप्रिया सटीक (पद्य)→१२-१८६; २३-४१६ ए।

काव्यसिद्धांत (पद्य)→०६-२४३ ई।

छंदसार (पद्य)→४१-२६३ ख।

नखशिख (पद्य)→२३-४१६ बी; सं० ०१-४५६।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→४१-२६३ क।

बैतालपचीसी (पद्य)→२६-४७४ बी, सी, डी, ई; सं० ०७-२००।

भक्तविनोद (पद्य)→१७-१८६ बी।

रसगाहकचंद्रिका (पद्य)→०६-२४३ ए, डी; ०६-३१४ ए; १७-१८६ ए; पं० २२-१०६; २६-४७४ एफ, जी।

रसरत्न (पद्य)→०१-८६; ०२-६६; ०६-२४३ बी; २०-१६०; २६-४७४ एच।

श्रृंगारसार (पद्य)→३२-२११।

सूरदया—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–४६० ।

सूरदास—ब्राह्मण । ब्रज निवासी । वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । भक्त और महात्मा । हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि । वल्लभाचार्य जी के शिष्य । अष्टछाप के कवियों में ये प्रमुख थे ।

अष्टपदीवनयात्रा (पद्य)→२६–४७१ ए ।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)→१७–१८६ ई; सं० ०१–४६१ ट ।

दानलीला (पद्य)→सं० ०१–४६१ छ, ज ।

पंचाध्यायी (रासलीला) (पद्य)→सं० ०१–४६१ झ ।

बिसातिनलीला (पद्य)→२६–४७१ बी; २९–३१६ जे, के; सं० ०४–४२० ख ।

भ्रमरगीत (पद्य)→२३–४१६ ए, बी; ४१–२९४ क ।

रागमाला (पद्य)→२९–३१६ आई ।

राधाकृष्णमंगल (पद्य)→०६–२४४ ए; २५–४७१ जी, एच ।

रुक्मिणीविवाह और सुदामाचरित्र (पद्य)→२३–४१६ ई ।

वंशीलीला (पद्य)→२६–४७१ बी; ३२–२१२ जे; सं० ०१–४६१ ञ ।

विष्णुपद (पद्य)→२३–४१६ डी ।

साँझीलीला (पद्य)→४१–२९४ ख ।

सूरपचीसी (पद्य)→१२–१८५ बी ।

सूररतन (पद्य)→२९–३१६ सी ।

सूररामायण (पद्य)→सं० ०१–४६१ ख ।

सूरसागर (पद्य)→०१–२१; ०६–२४४ सी, डी; १२–१८५ ए, सी; १७–१८६ ए, बी, सी, डी; २३–४१६ एफ, जी, एच, आई, जे; २६–४७१ एम, एन; २९–३१६ ए, बी, डी, ई, एफ, जी,एच; ३२–२१२ सी,जी, एच; ४१–२९४ ग से ढ तक; सं० ०४–४२० ग; सं० ०७–२०२ ।

सूरसागर के पद (पद्य)→३२–२१२ आई ।

सूरसागरसार (पद्य)→०९–३१३ ।

सूरसाठि (पद्य)→सं० ०१–४६१ क ।

सूरसारावली (पद्य)→सं० ०१–४६१ ग ।

सेवाफल (पद्य)→सं० ०१–४६१ ङ, च ।

सूरदास—संभवतः 'सूरसागर' के रचयिता सुप्रसिद्ध भक्त सूरदास ।

सहस्रनाम (पद्य)→सं० १०–११४ ।

सूरदास—सं० १८३६ के पूर्व वर्तमान ।

बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१–४६२ ।

सूरदास—(?)

अर्जुनगीता (पद्य)→२६–४७२ ।

सूरदास—(?)

कबीर (पद्य)→२३-४१६ सी ।

सूरदास—(?)

गोपालगारी (पद्य)→सं० ०१-४६३ ।

सूरदास—(?)

घूघरों का पद (पद्य)→४१-२६८ ।

सूरदास—(?)

नागलीला (पद्य)→०६-२४४ ई; २६-४७१ एफ; सं० ०४-४२० क ।

सूरदास—(?)

पदसंग्रह (पद्य)→०६-२४४ बी; ३२-२१२ ई ।

सूरदास—(?)

द्रौपदी के भजन (पद्य)→३२-२१२ डी ।

सूरदास (?)

प्राणप्यारी (पद्य)→१७-१८६ एफ ।

सूरदास—(?)

बारहखड़ी (पद्य)→३२-२१२ ए ।

सूरदास—(?)

रामजी की बारहमासी (पद्य)→२६-४७१ आई, जे, के ।

सूरदास—(?)

बारहमासा (पद्य)→२६-४७१ सी ।

सूरदासजी के दृष्टिकूट सटीक→'दृष्टिकूट के पद' (बालकृष्ण वैष्णव कृत) ।

सूरपचीसी (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबू कृष्णजीवनलाल वकील, महाबन ।→१२-१८५ बी ।

सूररतन (पद्य)—सूरदास (?) कृत । लि० का० सं० १८७४ । वि० भजन ।

प्रा०—पं० बालकृष्ण, अर्जुनपुर, डा० पटियाली (एटा) ।→२६-३१६ सी ।

सूररामायण (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-४६१ ख ।

सूरशतक पूर्वार्द्ध टोका (गद्यपद्य)—श्रीधर (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८८२ । लि० का० सं० १६२१ । वि० सूरदास कृत कूट पदों की टीका ।

प्रा०—पं० रामशंकर बाजपेयी, बहोरी के बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-४०२ ।

सूरसागर (पद्य)—सूरदास कृत । र० का० सं० १६३१ (?) । वि० भागवत के बारह स्कंधों तथा रामायण की संक्षिप्त कथा ।

(क) लि० का० सं० १७६१ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-२४४ सी (विवरण अप्राप्त)।

(दो अन्य प्रतियाँ दतियानरेश के पुस्तकालय में हैं तथा सं० १८७१ की एक प्रति बिजावरनरेश के पुस्तकालय, में है।)

(ख) लि० का० का० सं० १७९८।

प्रा०—ठा० रामप्रसादसिंह, बरौली, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→१७-१८६ बी (संपूर्ण भागवत)।

(ग) लि० का० सं० १८२७।

प्रा०—पं० गंगाप्रसाद, कजरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-४७१ एम (कृष्ण जन्म से लेकर कृष्ण के ब्रज में रहने तक की कथा)।

(घ) लि० का० सं० १८४४।

प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नयामंदिर, गोकुल (मथुरा)। →२३-२१ एच (संपूर्ण भागवत)।

(ङ) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री श्यामसुंदरलाल, मशकगंज, लखनऊ।→०१-२३ (भागवत की कथा, बारहों अध्याय)।

(च) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ ख (संपूर्ण भागवत)।

(छ) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—श्री गयादीन पांडेय, आशापुर, डा० अमरगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०१-४२० ग।

(ज) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, सिसैया (बहराइच)।→२३-४१६ एफ (श्री कृष्ण की लीला जन्म से अंत तक)।

(झ) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—पं० लालमणि वैद्य, पवायाँ (शाहजहाँपुर)।→१२-१८५ सी (संपूर्ण भागवत तथा रामायण)।

(ञ) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—अमीरउद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय, लखनऊ। →सं० ०७-२०१ (भागवत के दशम, एकादेश और द्वादश स्कंध)।

(ट) लि० का० सं० १९१७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६४ ङ (संपूर्ण भागवत)।

(ठ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। →२३-४१६ आई (संपूर्ण भागवत)।

खंडित प्रतियाँ

(क) लि० का० सं० १७४५।

प्रा० --पं० नटवरलाल चतुर्वेदी, कोटेवाले, सीतलपायसा, मथुरा ।→१७-१८६ ए (दशम स्कंध से द्वादश स्कंध तक) ।

(ढ) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—ठा० नैनसिंह, हरिपुरा, डा० माधोगंध (हरदोई) । →२६-३१६ सी (श्रीकृष्ण जन्म से लेकर गोपी उद्धव संवाद तक) ।

(ण) लि० का० सं० १८२० ।

प्रा०—बाबा नागरीदास, कालीमर्दन घाट, वृंदावन (मथुरा) ।→३२-२१२ जी (भागवत दशमस्कंध) ।

(त) लि० का० सं० १८३१ ।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→२६-३१६ ए (स्फुट) ।

(थ) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६४ ट (दशम स्कंध भागवत तथा कृष्ण चरित्र) ।

(द) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—बाबू कृष्णजीवनलाल वकील, महावन ।→१२-१८५ ए (दशम स्कंध को छोड़कर भागवत के शेष ग्यारह स्कंध) ।

(ध) लि० का० सं० १८७१ ।

प्रा०—श्री मतंगध्वजप्रसादसिंह, बिसवाँ (अलीगढ़) । →१७-१८६ सी (प्रथम स्कंध से नवम स्कंध तक) ।

(न) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—श्री मतंगध्वजप्रसादसिंह, बिसवाँ (अलीगढ़) ।→१७-१८६ डी (दशम स्कंध से बारहवाँ स्कंध तक) ।

(प) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, गोकुलपुरा, आगरा ।→३२-२१२ सी (भागवत और रामायण की कथा) ।

(फ) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—ठा० जगदीशसिंह, महरूडीह, डा० मलाकहरहर (इलाहाबाद) । →४१-२६४ छ (भागवत नवम स्कंध) ।

(ब) लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६४ ज (कृष्णलीला) ।

(भ) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२६४ द (प्रथम से नवम स्कंध तक) ।

(म) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—लाला जयंतीप्रसाद, बलहुर (कानपुर) ।→२६–३१६ डी (दशम से बारह स्कंध तक) ।

(य) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, मड़ौली, डा० कादिरगंज (एटा) ।→२६–३१६ ई, एफ, एच (द्वादश स्कंध) ।

(र) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—ठा० रामसिंह, दीनाखेड़ा, डा० सोरों (एटा) । →२६–३१६ जी (एकादश स्कंध) ।

(ल) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६४ ठ (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध) ।

(व) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—महंत श्री ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा (बलिया) ।→४१–२६४ ञ (भागवत दशम स्कंध) ।

(श) प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६–२४४ डी (विवरण अप्राप्त) (दशम स्कंध) ।

(ष) प्रा०—पं० बद्रीनाथ, प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । → २३–४१६ जो, एच (बाललीला तथा जन्मलीला) ।

(स) प्रा०—पं० दुर्गाचरण दीक्षित, सीकरी, डा० तंबोर (सीतापुर) । → २६–४७१ एन (उद्धव गोपी संवाद) ।

(ह) प्रा०—श्री मुरारीलाल केडिया, नंदनसाहु की गली, वाराणसी । → ४१–२६४ ग (जन्म से लेकर मथुरा गमन तक की कथा) ।

(क[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६४ घ (प्रथम से ग्यारह स्कंध तक) ।

(ख[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६४ झ (भागवत दशम स्कंध तथा विष्णुपद) ।

(ग[1]) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६४ ड (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध) ।

(घ[1]) प्रा०—ठा० पद्मबख्शसिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३–४१६ जे ।

सूरसागर के पद (पद्य)—सूरदास कृत । वि० राधाकृष्ण का शृंगार, भक्ति, प्रेम आदि ।

प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोत्तीगढ़ी, सुरीर (मथुरा) ।→३२–२१२ आई ।

सूरसागरसार (पद्य)—सूरदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–३१३ ।

सूरसागरादि (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, तुलसीदास, किशोरीदास आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति आदि ।

प्रा०—पं० बसंतलाल, नोहझील (मथुरा) ।→३२–२८२ ।

सूरसाठि (पद्य)—सूरदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञान ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४६१ क ।

सूरसारावली (पद्य)—सूरदास कृत । वि० रामचरित्र और श्रीकृष्ण लीलाएँ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४६१ ग ।

सूरसिंह—जोधपुर नरेश । महाराज गजसिंह के पिता । नरहरिदास के आश्रयदाता ।
सं० १६७४ के पूर्व वर्तमान ।→०२-२०; ०२-४८; ०६-२१० ।

सूरसिंह (जिन)—सं० १६७८ के लगभग वर्तमान ।
शीलभद्रमहामुनि-चरित्र-→पं० २२-४८ ।

सूरसेन—संभवतः राजस्थान के निवासी ।
कुँवर सदैवच्छ सावलिंग्यारी वार्ता (गद्यपद्य)→सं० ०१-४६५ ।

सूरिया—(?)
सूरिया रा दूहा (पद्य)→४१-४२५ ।

सूरिया रा दूहा (पद्य)—सूरिया कृत । वि० नीति ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४२५ ।

सूर्यकथा (पद्य)—भूपराम कृत । वि० सूर्य की महिमा, व्रत और अन्य कथाएँ ।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद ।→४१-१७७ ।

सूर्यकांड (पद्य)—दासराम कृत । लि० का० सं० १९११ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर (गोराबाजार), (गाजीपुर) ।
सं० ०१-१५७ ।

सूर्यकुमार—(?)
जानकीविजय (पद्य)→२३-४२१ ए, बी ।

सूर्यनारायणलाल—कोढ़ (मिरजापुर) निवासी । सं० १९४५ के पूर्व वर्तमान ।
कवितावली पूर्तिप्रभाकर (पद्य)→२६-३२० ।

सूर्यपुराण (पद्य)—भागवतदास कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० सूर्य की महिमा ।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग ।→४१-१७३ ज ।

सूर्यपुराण→'सूरजपुराण' (तुलसीदास कृत) ।

सूर्यबक्ससतई→'हरिदास' ('कवित्तरामायण' के रचयिता) ।

सूर्यमाहात्म्य (पद्य)—भवानीदास कृत । लि० का० सं० १९२० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवइयाँ (फतेहपुर) ।→२०-१६ ।

सूर्यमाहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० राममनोहर, कौड़िहार, डा० छटरामपुर (इलाहाबाद) ।→४१-४२६ ।

सूर्यवंशी (और) चंद्रवंशी राजाओं के नाम (गद्य)—वंशीधर कृत । र० का०
सं० १९०७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० रामौतार अध्यापक, नगला वीरसिंह, डा० मारहरा (एटा) । → २६-२६ एच ।

(ख) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—लाला भोलानाथ हकीम, जगरावा, डा० कादिरगंज (एटा) । → २६-२६ जे ।

(ग) प्रा०—लाला स्यामसुंदर पटवारी, सराय रहमतखाँ, डा० विजयगढ़ (अलीगढ़) । → २६-२६ आई ।

सूषण—(?)

भाषापंचपक्षी (पद्य) → सं० ०४-४२१ ।

सृष्टि की उत्पत्ति (?) (पद्य)—गुलाबहसनपीर कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति वर्णन ।

प्रा०—मुहम्मद इस्माइल, लंभुआबाजार (सुलतानपुर) । → सं० ०४-७२ ।

सृष्टिक्रम कथन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संसार की उत्पत्ति का क्रम ।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ़ । → ४१-४२७ ।

सृष्टिपुराण (गद्य)—सेवादास कृत । वि० सृष्टि की रचना का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १७७२ ।

प्रा०—श्री रायलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) । → २६-४३४ ।

(ख) लि० का० सं० १७६४ ।

प्रा०—श्री महंत जी, डिडवाना राज (जोधपुर) । → २३-३८१ ई ।

सृष्टिसागर (पद्य)—भीषमदास (बाबा) कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—महंत परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) । → ३५-१४ जे ।

(ख) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—महंत सतनदास बाबा, उजेहनी, डा० राजाफतेपुर (रायबरेली) । → सं० ०४-२६४ ।

सेंत को ढोला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कुँवर ढोला की प्रसिद्ध दंत कथा ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर । → १७-८६ (परि०३) ।

सेउसमन की परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत । वि० सेऊ और समन नामक भक्तों का परिचय वृत्त ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → ४१-२ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०७-३ ट ।

(ग) प्रा०—पं० श्यामलाल, आरौंज, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२-६ ।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → सं० ०४-४ ।

सेऊसमंत जी—'नामदेव आदि की परची संग्रह' नामक संग्रह ग्रंथ में इनके कुछ पद संगृहीत हैं।→०२-१३३ (चार)।

सेणी—(?)

सेणी रा दोहा (पद्य)→४१-२६६।

सेणी रा दोहा (पद्य)—सेणी कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२६६।

सेतुरंजनरास (पद्य)—धनेसरसूरि कृत। र० का० सं० १६८२। लि० का० सं० १७८७। वि० सेतुरंजन की प्रशंसा।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-२७।

सेन जी या सैंना जी→'सैन (सैंनदास)' ('कबीररैदास-संवाद' आदि के रचयिता)।

सेनापति—कान्यकुब्ज दीक्षित ब्राह्मण। परशुराम के पौत्र। गंगाधर के पुत्र। हीरामणि दीक्षित के शिष्य। जन्म सं० १६८४। कविता काल लगभग सं० १७०६। अनूपशहर (बुलंदशहर) के निवासी। अंत समय में सन्यासी होकर वृंदावन में रहने लगे थे।→२३-१६७।

कवित्त (पद्य)→६-२११; ४१-२६७।

कवित्तरत्नाकर (पद्य)→०६-२८७; २३-३७६ ए, बी; २६-४३३ ए, बी।

कवित्तरामायण (पद्य)→३२-१६६ ए।

रसतरंग (पद्य)→१२-१७१।

रसायन (पद्य)→३२-१६६ बी।

श्लेष (पद्य)→२०-१७६।

षट्ऋतुकवित्त (पद्य)→०५-५१।

सेनापति—ये गुरु गोविंदसिंह की सभा में लेखक थे।

चाणक्यशास्त्र (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-४२२।

सेनापति (चतुर्वेदी)—(?)

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→१२-१७२।

सेनापति (त्रिवेदी)—ब्राह्मण। गंगातीर के निवासी। राजा बरिबंडसिंह (संभवतः महाराजा बलवंतसिंह, बनारस राज्य) के आश्रित।

सर्वग्रंथमत (पद्य)→सं० ०४-४२३।

सेल्हा (पद्य)—मोहन (साईं) कृत। लि० का० सं० १६६३। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—मुं० केवलबहादुर श्रीवास्तव, उप० 'मलूक', पूरे बिंधाप्रसाद दीवान, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-३०६ ज।

सेवक—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित।→०२-७२।

अकबरनामा (पद्य)→०६-३१६।

सेवक→'सेवकराम' (असनी निवासी)।

सेवक→'सेवकहित' (वृंदावन निवासी) ।

सेवक (सुकवि)—सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान ।

रामायण (पद्य)→सं० ०१-४६६ ।

सेवक की बानी (पद्य)—कृष्णचंद्र (हित) कृत । वि० हित हरिवंश जी की धार्मिक शिक्षा ।

प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२-१२२ ।

सेवकचरित (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० हित हरिवंश के शिष्य सेवक जी का चरित्र ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१३७ ए ।

सेवकचरित (पद्य)—भगवतमुदित कृत । वि० राधावल्लभी श्री सेवक जी की कथा ।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६-२३ बी ।

सेवकजी की भक्ति परिचावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८४४ । लि० का० सं० १८५१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१९६ वी ।

सेवकजी की विरदावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८४४ । वि० सेवक जी का यश वर्णन ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१९६ एन ।

सेवकजू की जन्म बधाई (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० हित हरिवंश जी के शिष्य सेवक जी का जन्मोत्सव ।

प्रा०—गो० राधाकृष्ण महाराज, बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-१४२ ।

सेवकप्रयाग→'नाना कवि कृत शंकरपचीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२-७२ (तीन) ।

सेवकबानी (पद्य)—रसिकमोहनराय (महाराज) कृत । वि० गीतगोविंद के रचयिता जयदेव और उनके वंशजों की स्तुति ।

प्रा०—गो० यमुनावल्लभ, विहारीपुरा, वृंदावन (मथुरा) । (वर्तमान पता)-२७, बाँसतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता ।→३८-१२५ ।

सेवकबानी (पद्य)—व्यास (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८४३ । वि० राधाकृष्ण लीला और हरिवंश नाम की महिमा आदि ।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३-४५० ।

सेवकबानी टीका (पद्य)—सर्वसुखदास कृत । वि० सेवक कृत 'बानी' की टीका ।

(क) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-५६८ (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १९५४ ।

प्रा०—गो० गिरिधरलाल, हर्दीगंज, झाँसी ।→०६-२८५ ।

सेवकबानी को सिद्धांत (पद्य)—वल्लभदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६–३२५।

सेवकबानी फलस्तुति (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। लि० का० सं० १८४३। वि० सेवक जी कृत सेवकबानी का माहात्म्य।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधेश्याम का मंदिर, मिरजापुर।→०६–३३१ डी।

सेवकबानी सटीक रसिक मेदिनी (गद्यपद्य)—हरिलाल (व्यास) कृत। र० का० सं० १८३७। लि० का० सं० १६११। वि० सेवकबानी की टीका और राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६–११४।

सेवकराम—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। अनंतर जाति से बहिष्कृत होने के कारण भाट हो गए थे। असनी (फतेहपुर) निवासी। ऋषिनाथ के प्रपौत्र। ठाकुर कवि के पौत्र। धनीराम के पुत्र तथा मान के पिता। शंकर कवि के भाई। महाराज रामरतनसिंह और महाराज हरिशंकरसिंह के आश्रित। संभवतः काशी के बाबू देवकीनंदनसिंह के भी आश्रित। जन्म सं० १८७२ और मृत्यु सं० १६१८। →२६–१०३।
बरवैनखशिख (पद्य)→०६–२८६।
बागविलास (गद्यपद्य)→२३–३८३; ४१–२६८ क, ख।

सेवकराम—(?)
वशिष्ठ श्रीरामजू का संवाद (पद्य)→०६–२६०।

सेवकराम—(?)
संग्रहग्रंथमाला (पद्य)→२६–४३५।

सेवकहित (हितसेवक)—राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। श्री हितहरिवंश जी के शिष्य। वृंदावन निवासी।
बानी (पद्य)→०६–२३२; ३२–१६६; ४१–५७५ (अप्र०)।
हितहरिवंशजस और मंगल आदि (पद्य)→सं० ०४–४२४।

सेवकहित की बाणी→'बानी' (सेवकहित कृत)।

सेवादर्पन (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १८०५। वि० राधाकृष्ण की सेवा तथा पूजा की विधि।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६–२३१ बी।

सेवादास—पांडेय ब्राह्मण। अयोध्या निवासी। अलबेलेलाल जी के शिष्य। सं० १८२१ से १८४० के लगभग वर्तमान।
अलंकार (पद्य)→३२–१६७ बी; सं० ०१–४६८ क।
अलबेलेलालजू के छप्पय (पद्य)→३२–१६७ ए।

करुणाविरह (पद्य)→१२-१७३; १३-१८२; २६-१०४।
नखशिख (पद्य)→३२-१६७ सी; सं० ०१-४६८ ख।
रसदर्पण (पद्य)→३२-१६७ डी।

सेवादास—निरंजनी पंथ के अनुयायी। स्वा० हरिदास जी के शिष्य।
आत्मज्ञान (पद्य)→४१-२६६ क।
किवत (पद्य)→४१-२६६ ख।
कुंडलिया (पद्य)→पं० २२-६६ बी; ४१-२६६ ग।
गुरुमंत्रजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-६६ ए; ४१-२६६ घ, ङ, सं० ०७-२०३ क।
चंद्रायण (पद्य)→४१-२६६ च।
चिंतावणीजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ छ।
तत्वनिर्णय (पद्य)→४१-२६६ ज।
तिथिजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ झ।
धीरज का अंग (पद्य)→सं० ०७-२०३ ख।
नाँवमहमाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ ञ; सं० ०७-२०३ ग।
पद (पद्य)→पं० २२-६६ डी; ४१-२६६ ट।
परब्रह्म की बारहमासी (पद्य)→०६-३२७ ए।
परमार्थरमैनी (पद्य)→०६-३२७ बी।
बावनीजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ ठ।
रेखता (पद्य)→४१-२६६ ड।
वंदनाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ ढ।
सपतवारजोग (ग्रंथ) (पद्य)→४१-२६६ त।
सवैया (पद्य)→४१-२६६ ण
साखी (पद्य)→४१-२६६ थ।
साधमहमाँ कौ अंग (पद्य)→सं० ०७-२०३ घ।
सेवादासग्रंथमाला (पद्य)→पं० २२-६६ ई।
सेवादासजी की आरती (पद्य)→सं० ०७-२०३ ङ।
सेवादासजी की बानी (पद्य)→०६-२८८।

सेवादास—डिडवाना (राजपूताना) के महंत। सं० १७६४ के पूर्व वर्तमान।
गोरखगणेशगोष्ठी (गद्यपद्य)→२३-३८१ बी।
दयाबोध (पद्य)→२३-३८१ ए।
निरंजनपुराण (पद्य)→२३-३८१ डी।
महादेवगोरखगोष्ठी (पद्य)→२३-३८१ सी।
सृष्टिपुराण (गद्य)→२३-३८१ ई; २६-४३४।

सेवादास—नवरंग नगर निवासी। सं० १७०० के लगभग वर्तमान।
जैमिनिपुराण (पद्य)→२३-३८०।

सेवादास—कोई संत। गुरु का नाम गाजी गिरधरदास।
प्रसणसीधार (प्रश्नसंहार) (पद्य)→सं० ०७-२०४।

सेवादास→'सेवाराम' ('गंगाचरित्र' आदि के रचयिता)।

सेवादास (स्वामी)—कोई संतमतानुयायी।
बानी (पद्य)→सं० ०१ ४६७।

सेवादास की परचई (पद्य)—रूपदास कृत। र० का० सं० १८३२। वि० सेवादास का चरित्र।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१७०।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२६८।

सेवादासग्रंथमाला (पद्य)—सेवादास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।→पं० २२-६६ ई।

सेवादासजी की आरती (पद्य)—सेवादास कृत। वि० निरंजन की आरती।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०३ ङ।

सेवादासजी की बानी (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२८८।

सेवाफल (पद्य)—सूरदास कृत। वि० भगवान की सेवा का फल वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→सं० ०१-४६१ ङ, च।

सेवाफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० बालकृष्ण की भक्ति।
प्रा०—मदनमोहन जी का मंदिर, जतीपुरा (मथुरा)।→३५-३०३।

सेवाराम—बेगी ग्राम (मथुरा) के निवासी। ब्राह्मण। किसी राजा रामपाल के आश्रित। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।→३८-१।
गंगाचरित्र (पद्य)→३८-१३६ ए।
गीतामाहात्म्य (पद्य)→३२-१९८ सी।
नवपुराण (पद्य)→सं० ०१-४६६।
नासकेतपुराण (पद्य)→३८-१३६ बी।
भागवत (गद्य)→२९-१९८ बी।
भागवत दशमस्कंध (भाषा) (गद्य)→३२-१९८ ए; ३८-१३६ सी।

सेवाराम→'सेवकराम' ('बागविलास' आदि के रचयिता)।

सेवाराम (जैन)—द्योसा ग्राम के निवासी। पश्चात् डीग (भरतपुर) में रहे। पिता का नाम मायाचंद। जयपुर के टोडरमल्ल और राजमल्ल के उपदेश से

सावंतसिंह नरेश के राज्यकाल में देवगढ़ नगर में प्रस्तुत ग्रंथ की रचना की। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान।

मल्लिनाथचरित्र (गद्य)→४१-३००।

शांतिपुराण (पद्य)→२३-३८४; सं० ०४-४२५; सं० १०-१३६।

सेवाविधि (गद्य)—हरिराय कृत। र० का० सं० १८६४। वि० गोकुलनाथ जी की सेवा विधि।

प्रा०—श्री जमनाप्रसाद बोहरे, भदौरा, डा० (मथुरा)।→३२-८३ डी।

सेवाविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदायानुसार ठाकुर जी की सेवा विधि।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०३-२१८।

सेवाविधि→'अष्टयामसेवाविधि' (रामचरणदास कृत)।

सेवासखी—वल्लभ संप्रदाय की सखी शाखा के वैष्णव।

विवेकसारसूरति (पद्य)→२३-३८५ बी।

सेवासखी की बानी (पद्य)→२३-३८५ ए।

सेवासखी की बानी (पद्य)—सेवासखी कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० सखी संप्रदाय के सिद्धांत।

प्रा०—पं० रामबली दूबे, भिटौरालखन, डा० जैदपुर (बाराबंकी)। →२३-३८५ ए।

सेवासिंह—फतेहपुर राज्य (सीतापुर) के संस्थापक लुहगराई के पौत्र। जीतसिंह के पुत्र। फतेहपुर निवासी।

नलचरित्र (पद्य)→२६-४३६; ४१-३०१।

सेवोपदेश, निवेदन बिचार (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४४। वि० पुष्टि संप्रदाय के सिद्धांतानुसार सेवा, भक्ति और निवेदन मंत्र।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५७५।

सैंन (सैनदास)—प्रसिद्ध भक्त। धना के साथी। स्वा० रामानंद के शिष्य।

कबीररैदास-संवाद (पद्य)→४१-३०२; सं० ०७-२०५ क।

पद (पद्य)→सं० ०७-२०५ ख; सं० १०-१३५।

प्रभुतारैदासगोष्ठी (पद्य)→सं० ०४-४२६।

सैयद अमीन—शाह आरिफजंगबख्श के शिष्य। चिश्ती वंश की परंपरा से संबद्ध। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

रिसाला मजजूबुल सालकिन (गद्य)→४१-३०३।

सैयदपहाड़—काशी निवासी। सैयद हमजा के पुत्र।

रसरत्नाकर (पद्य)→०६–३०५ बी; ०६–२७३; २३–३६८ ।

रससागर (पद्य)→सं० ०१–४७० ।

रससार (ग्रंथ) (पद्य)→०६–३०५ सी ।

वैद्यमनोहर (पद्य)→०६–३०५ ए ।

सैरबाटिका (पद्य)—श्यामलाल (माथुर) कृत । र० का० सं० १८६४ । लि० का० सं० १६०० । वि० ध्रुव, प्रह्लाद और बलि का चरित्र तथा दानलीला, नागलीला आदि ।

प्रा०—मौलाना रसूल खाँ काजी, गोंगीरी, डा० सलेमपुर (अलीगढ़) । → २६–३२२ ए ।

सोजइया या सोझौ→'सोझ या सोझा जी' (पद' के रचयिता) ।

सोझ या सोझा जी—अन्य नाम सोझइया और सोझौ । कदाचित ये दादूपंथी राघवदास के भक्तमाल में आए सोझा सोझी भक्तों में से एक हैं । संभवतः बाल्यावस्था राजस्थान में बीती । पश्चात् रमते साधु के रूप में रहते रहे ।

पद (पद्य)→सं० १०–१३७ ।

सोनकुँवरि—उप० सुबरनबेलि । जयपुर नरेश की रानी । राधावल्लभ संप्रदाय की वैष्णव ।

सुबरनबेलि की कविता (पद्य)→०६–२३६ ।

सोनबीजक (पद्य)—परसनदास (पांडेय) कृत । र० का० सं० १६०० । वि० सोनारी विद्या का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—ठा० गयादीनसिंह, नोहर हमनपुर, डा० रखहा (प्रतापगढ़) । → २६–३४३ ।

(ख) प्रा०—श्री जदुनाथ चतुर्वेदी, बदली चौबे का पुरवा (मयास), डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–२०१ ।

सोनारीविद्या→'सोनबीजक' (परसनदास पांडेय कृत) ।

सोनालोहाबाद (पद्य)—बोधलाल कृत । वि० सोनालोहा का झगड़ा ।

प्रा०—महंत ईश्वरशरण भारती, बाँसी, डा० भाटपाररानी (गोरखपुर) । → सं० ०१-२४३ ।

सोने जू—छतरपुर राज्य (बुंदेलखंड) के संस्थापक । अमरसिंह के आश्रयदाता । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान ।→०६–३ ।

सोनेलोहे का झगड़ा (पद्य)—महावीर कृत । लि० का० सं० १६३० । वि० सोने लोहे का अन्योक्तिपरक विवाद ।

प्रा०—पं० देवतादीन मिश्र, सुलतानपुर, डा० थाना (उन्नाव) ।→२६–२८३ ।

सोनेलोहे की चरचा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सोने लोहे का अन्योक्तिपरक विवाद ।

प्रा०—श्री नत्थू बनिया, पुरानी बस्ती, कटनी (जबलपुर) ।→२६–५०५ ।

सोभ जी—(?)

पद (पद्य)→सं० ०७–२०६; सं० १०–१३८ ।

सोमनाथ –अन्य नाम शशिनाथ । माथुर ब्राह्मण (मिश्र) । नीलकंठ के पुत्र । भरतपुर के महाराजकुमार प्रतापसिंह के आश्रित । कविताकाल सं० १७८६–१८०६ ।

कृष्णलीलावली पंचाध्यायी (पद्य)→०६–२६८ बी ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→१७–१७६ बी ।

प्रेमपच्चीसी (पद्य)→सं० ०१–४७१ ख ।

ब्रजेंद्रविनोद दशमस्कंध भाषा उत्तरार्ध (पद्य)→१७–१७६ ए ।

माधवविनोद नाटक (पद्य) →०४–१७ ।

रसपियूसनिधि (पद्य)→०६–२६८ ए; १७–१७६ एफ; पं० २२–१०३; २३–३६६ ए, बी ।

रामकलाधर (पद्य)→१७–१७६ सी ।

रामचरित्ररत्नाकर (पद्य)→१७–१७६ डी, ई ।

शृंगारविलास (पद्य)→सं० ०१–४७१ क ।

संग्रामदर्पण (पद्य)→३८–१४४ ।

सुजानविलास (पद्य)→००–८२; १७–१७६ जी ।

सोमवंश की वंशावली (पद्य)–देवीदास कृत । लि० का० सं० १८११ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१६५ ।

सोथाजी श्रीराम→'हरकर्ण (मिश्र)' ('समरसार' के रचयिता) ।

सोरठे (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बुहगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । → सं० ०४–२०५ छ ।

सोलहकला (तिथि) (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८४७ । वि० आत्मज्ञान ।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय, का पुस्तकालय वाराणसी ।→३५–४६ डब्ल्यू ।

सोलहतिथि-निर्णय (पद्य)—सहजोबाई कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरान का रास्ता, जयपुर ।→००–१३० ।

सोला जैमाल (अर्थ सहित) (गद्य)— रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०८ । वि० जैन दर्शन ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१८६ ।

सोसासार (पद्य)— भीषमदास कृत। र० का० सं० १७६६। लि० का० सं० १८६६। वि० प्राणायाम और योगादि का वर्णन।
प्रा०—बाबा परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। → ३५-१४ आई।

सोहणी—संभवतः राजस्थानी।
बीझैसीणी रा दूहा (पद्य)→४१-३०४।

सोहन—(?)
रामजन्म (पद्य)→३५-६४।

सोहनलाल (चौबे)—सरवनपुर (मथुरा) निवासी।
ब्रजगोपिका विनय (पद्य)→०६-२६७।

सौंदर्यचंद्रिका (पद्य)—कृष्णचैतन्यदेव कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० राधाकृष्ण का सौंदर्य।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३०२।

सौंदर्यलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधिका जी का सौंदर्य।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ ओ।

सौंदर्यलहरी (पद्य)—मनियारसिंह कृत। र० का० सं० १८४३। वि० भवानी की स्तुति।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव)।→२३-२७०।

सौंदर्यलहरी टीका (पद्य)—द्विजलाल कृत। वि० संस्कृत ग्रंथ सौंदर्यलहरी का अनुवाद।
प्रा०—श्री अनिरुद्धनारायण तिवारी, मकरापारा, डा० रामपुर कारखाना (गोरखपुर)।→सं० ०१-३७१।

सौभाग्यलता (पद्य) रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ एन।

स्तुति (?)(पद्य)—माधवसिंह (राजा) कृत। वि० देवी देवताओं की स्तुतियाँ।
प्रा०—कुँ० हाकिमसिंह, खजुराहा, तहसील, रामनगर (छतरपुर)। → सं० ०१-२६० ख।

स्तुति भवानी की (पद्य)—सुखदास कृत। लि० का० सं० १६१७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बौंडी (बहराइच)।→२३-४११।

स्तुति महावीरजी की (पद्य)— जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६२२।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)।→ सं० ०४-१०५ क।

(ख) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६–१६२ एन, श्रो ।

(ग) प्रा०– महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २३–१७५ एफ ।

स्तुति श्री बजरंग की (पद्य)—नवलदास कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० हनुमान की स्तुति ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→ सं० ०४–१८३ क ।

स्तुति हिमवंतजी की (पद्य)—हिमवंत कृत । लि० का० सं० १८८१ । वि० शिवजी की स्तुति ।

प्रा०—पं० रामप्रपन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→२३–१६५ ।

स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण की स्तुति ।

प्रा०– नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४३० ।

स्तोत्रविधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७८४ । वि० स्तोत्र ।

प्रा०—बा० राधाकृष्ण, बुकिंग क्लर्क, मथुराकैंट, मथुरा ।→२६–५०६ ।

स्तोत्रसंग्रह (पद्य)—जयश्री (विप्र) कृत । र० का० सं० १८६० । लि० का० सं० १८७८ । वि० विविध देवी देवताओं के स्तोत्र ।

प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिषरत्न, बनजारान, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–४० ।

स्तोत्रसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९२३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१८२ ।

स्त्रीचिकित्सा (गद्य)—अन्य नाम 'बालतंत्र (भाषा)' । दीपचंद कृत । र० का० सं० १७६५ । वि० वैद्यक (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।→पं० २२–२१ ।

स्त्रीरोग-चिकित्सा (पद्य)—बाबासाहब (डाक्टर) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–१२ डी ।

स्नेहतरंग (पद्य)—बुद्धसिंह (रावराजा) कृत । र० का० सं० १७८४ । लि० का० सं० १८६४ । वि० रस, नायिकाभेद और अलंकार ।

प्रा०—प्रा० देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामबन (भरतपुर) ।→३८–१६ ।

स्नेहबिहार (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत । र० का० सं० १८५० । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।

(क) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१११ घ ।

(ख)→पं० २२–८६ ।

स्नेहसागर (चतुर्थ तरंग) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९३५। वि० राधाकृष्ण का प्रेम और विवाह वर्णन।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद)।→सं० ०१-५७६।

स्नेहामृत (पद्य)—रसिकसिरोमनि (हरिराय) कृत। वि० कृष्ण भक्ति और लीलाएँ।

प्रा०—पं० रामकिशनदास, दाऊजीमंदिर, कालीदह, वृंदावन (मथुरा)। → ३५-३८ सी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० वियोग शृंगार और राधाकृष्ण गुणानुवाद।

प्रा०—श्री जमुनादास कीर्तनिया, नवामंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-७ सी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—रामकृष्ण (चौबे) कृत। वि० कृष्ण गुणगान।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० डी।

स्फुट कवित्त (पद्य)—हित चंदलाल कृत। वि० विविध।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०९-४३ आई।

स्फुट कवित्त→'अस्फुट कवित्त' (गोपाललाल कृत)।

स्फुट काव्य (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत। वि० विविध।

प्रा०—बाबा बनमालदास गुंडा, रायबरेली।→२३-४२२ सी।

स्फुट दोहा→'दोहा' (रसनिधि कृत)।

स्फुट दोहा कवित्त और विष्णुपद (पद्य)—जानकीदास कृत। वि० विविध।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-५३ ए।

स्फुट दोहे (पद्य)—जमाल कृत। लि० का० सं० १८३९। वि० विविध।

प्रा०—पं० सिवप्रसाद मिश्र, मौजुमाबाद (फतेहपुर)।→२०-६५।

स्फुट पद (पद्य)—रामकृष्ण (चौबे) कृत। वि० विविध।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० सी।

स्फुट पद और कवित्त (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० होली तथा भक्ति विषयक पद।

प्रा०—पं० मूलचंद, बुखरारी डा० छाता (मथुरा)।→३८-२५ सी।

स्फुट पद टीका (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १९१६। लि० का० सं० १९१६। वि० हित हरिवंश जी के पदों की टीका।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०९-२३१ सी।

स्फुट रचना (पद्य)—बलदेव (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८७२ (लगभग)। वि० ईश्वरीय चमत्कार, राम का अयोध्या के जीवों का उद्धार और भक्ति आदि।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→४१-१५० क।

स्मरणमंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण का स्मरण।

प्रा०—गो० राधाचरण जी, वृंदावन (मथुरा)।→१७-९७ (परि०३)।

स्यमंतकोपाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्यमंतकमणि की कथा ।
प्रा०—बौहरे मन्नालाल, बाजऊ, डा० किरावली (आगरा) ।→२६-५१४ ।

स्यामदास→'घनस्याम' ('प्रह्लादलीला' के रचयिता) ।

स्यामसगाई (पद्य)—नंददास कृत । वि० राधाकृष्ण की सगाई का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-१७१ ग ।

स्यामसनेही (पद्य)—आलम कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी की कथा ।
(क) लि० का० सं० १७७५ ।
प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रोवि० हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ । → सं० ०४-१५ छ ।
(ख) प्रा०—पं० सियाराम शर्मा, फरहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → ३२-६ ।

स्यामीदास (स्वामीदास)—(?)
रामअक्षरी (पद्य)→सं० ०१-४७२ ।

स्वगुरुप्रताप (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि० गुरु की महिमा ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-४६ सी ।

स्वजनानंद (ग्रंथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १८०२ । वि० कृष्णचरित्र ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१-१२७ ।

स्वदृष्टितरंगिणी→'सुदिष्टतरंगिणी' (रचयिता अज्ञात) ।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)—अन्य नाम 'स्वप्नार्थचिंतामणि' । घनश्यामराय कृत । र० का० सं० १६२८ । वि० स्वप्नों का फलाफल ।
(क) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर) ।→२६-१३४ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—श्री रायलाल, रमुआँपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-१३४ बी ।
(ग) लि० का० सं० १६३४ ।
प्रा०—पं० श्रीकृष्ण दूबे, शिवदत्तपुर, डा० बरताल (सीतापुर) । → २६-१३४ सी ।

स्वप्नपरीक्षा (पद्य)—छत्रसाल (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८४६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर ।→०६-२१ सी ।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)—हुलासराय (वैद्य) कृत । र० का० सं० १६२० । लि० का० सं० १६२४ । वि० स्वप्नों के शुभाशुभ विचार तथा उनके कुपरिणामों से बचने के उपाय ।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६–१८२।

स्वप्नप्रबोध (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२–२५ (सात)।

स्वप्नभेद (पद्य)—अमरसिंह कृत। र० का० सं० १८६६। वि० स्वप्न शास्त्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–५।

स्वप्नविचार (पद्य)—पीतांबरराय कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० स्वप्न शास्त्र।

प्रा०—श्री ओंकारनाथ पांडेय, हैंसर बाजार (बस्ती)।→सं० ०४–२०८।

स्वप्नविचार (पद्य)—रघुपति कृत। वि० स्वप्नों के फलाफल।

प्रा०—पं० सोहनपाल शर्मा, नगला उत्तनिथौं, डा० करहल (मैनपुरी)। → दि० ३१·६६।

स्वप्नाध्याय (पद्य)—कृष्णसिंह कृत। लि० का० सं० १८६२। वि० स्वप्नों का शुभाशुभ वर्णन।

प्रा०—ठा० महेशसिंह, कोहली बेचईसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३–२२४।

स्वप्नार्थचिंतामणि→'स्वप्नपरीक्षा' (घनश्याम कृत)।

स्वयंप्रकाश—(?)

रामनाम-माहात्म्य (पद्य)→१७-१६१।

स्वयंबर→'जानकीमंगल' (गो० तुलसीदास कृत)।

स्वरभेद→'ज्ञानस्वरोदय' (स्वा० चरणदास कृत)।

स्वरविलास (पद्य)—श्याम (कवि) कृत। वि० संगीत।

प्रा०—श्री चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ़)। → सं० ०४–३६२।

स्वरूपदास—उप० रसाल। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।

पांडवयशेंदुचंद्रिका (पद्य)→२६–४२३; २६–४७६; ४१–३०७।

स्वरूपदास—(?)

साखी दसपातसाह की (पद्य)→२३–४२४।

स्वरूपसिंह—ओड़छा नरेश राजा वीरसिंहदेव के भाई चंद्रभान के पौत्र। मतिराम के आश्रयदाता। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।→२०–१०५; पं० २२–६४।

स्वरोदय (पद्य)—अखैराम कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० श्वास प्रश्वास के द्वारा शुभाशुभ विचार।

प्रा०—पं० गिरधर मिश्र, चंद्रमनगढ़ी, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२–४ ए।

स्वरोदय (पद्य)—उत्तमदास (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री बिहारी सुनार, अजयगढ़।→०६–३४० ए (विवरण अप्राप्त)।

(एक अन्य प्रति लाला जगतराज, टीकमगढ़ के पास है।)

स्वरोदय (पद्य)—उदयचंद (चौबे) कृत। र० का० सं० १८३०। लि० का० सं० १८३४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बद्रीनारायण भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-४१४।

स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० श्वास प्रश्वास के आवागमन से शुभाशुभ विचार।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२१ भ।

स्वरोदय (पद्य)—गुरुप्रसाद कृत। लि० का० सं० १९३७। वि० इड़ा पिंगला नाड़ी और स्वरभेदादि वर्णन।

प्रा०—श्री विष्णुदत्त (पुची महाराज), भौली, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-१६०।

स्वरोदय (पद्य)—बालचंद (बालनदास) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवशंकरराम मिश्र, परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-३०।

स्वरोदय (पद्य)—रतनदास कृत। वि० स्वरोदय शास्त्र।

(क) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़।→०६-३२० (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—पं० राधारमण, पंडित का पुरवा, डा० बेलारामपुर (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-३१९।

स्वरोदय (पद्य)—रसालगिरि गोसाईं) कृत। र० का० सं० १८७४। लि० का० सं० १९०१। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबा लक्ष्मणगिरि गोसाईं, छपती (मैनपुरी)।→०९-२७९ सी।

स्वरोदय (गद्य)—रामधन कृत। र० का० सं० १९२४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रघुनाथपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-३४३।

स्वरोदय (पद्य)—विश्वंभर कृत। वि० तत्वज्ञान, स्वर पहचान, स्वरसाधना आदि।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→ २६-५०२।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० राजाराम तिवारी, पंडित का पुरवा, बरीओज, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→४१-४३४।

स्वरोदय (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८९५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-४३३।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१७। वि० श्वास द्वारा शुभाशुभ विचार।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, झुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-१२१ (परि० ३)।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३० । वि० स्वरोदय शास्त्र ।
प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७-२५६ ।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० युद्ध के अवसर पर स्वरों का विचार ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१२० ।
टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवतः दत्त कृत है ।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शरीर के भिन्न भिन्न लक्षण और स्वरादि से कालज्ञान के लक्षण आदि का वर्णन ।
प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर) । → १७-६६ (परि०३) ।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० युद्ध, पंचतत्व और नाड़ी भेद आदि ।
प्रा०—पं० महेशप्रसाद मिश्र, लिदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→ ४१-३११ ।

स्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट । (संस्कृत के स्वरोदय ग्रंथ का अनुवाद) ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४३२ ।

स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट । (संस्कृत के स्वरोदय ग्रंथ का अनुवाद) ।
प्रा०—पं० जनार्दन तिवारी, गुसाईंपुर, डा० काजीपुर (बलिया) ।→४१-४३५ ।

स्वरोदय→'ज्ञानस्वरोदय' (स्वा० चरणदास कृत) ।

स्वरोदय (षटप्रकाश) (पद्य)—ऋषिकेश कृत । र० का० सं० १८०८ । वि० स्वरोदय ।
(क) लि० का० सं० १६२० ।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ । →०६-२२१ (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुरजा (बुलंदशहर) ।→ १७-१६५ ।
(ग) प्रा०—श्री अंबिकादत्त शुक्ल, शेरगढ़, डा० सूरतगंज (इलाहाबाद) । → सं० ०१-२८ ।

स्वरोदय (सरोद) (गद्य) रचयिता अज्ञात । वि० तत्वसार स्वरोदय ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-७६ (परि०३) ।

स्वरोदय तथा वेदांत (पद्य)—बालदास (माहात्मा) कृत । वि० कर्ता कर्म वर्णन तथा मीमांसादिक मत निरूपण ।
प्रा०—पं० रघुनाथप्रसाद, रुधैनी, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२-१२ ।

स्वरोदय पवनविचार→'पवनविजय स्वरोदय' (मोहनदास कृत) ।

स्वरोदयमनबोध (पद्य)—भवानीदास कृत । लि० का० सं० १६५० । वि० श्वांस द्वारा शकुन विचार ।

प्रा०—पं० काशीराम मिश्र, मलुइया (बहराइच) ।→२३–५३ ।

स्वरोदयशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्वरोदय ।

प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) ।→२६–४१२ ।

स्वर्गारोहण पर्व→'महाभारत' (ईश्वरदास कृत) ।

स्वर्गारोहनो→'रामस्वर्गारोहण' (लोनेदास कृत) ।

स्वर्गारोहनो पर्व→'स्वर्गारोहणपर्व (महाभारत)' (सबलसिंह चौहान कृत) ।

स्वर्गारोहिणि (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मोक्ष वर्णन ।

प्रा०—मुं० शिवधारीलाल, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई) । → २६–१२२ (परि०३) ।

स्वर्णादिधातुशोधन (गद्य-पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा) ।→३५–३१२ ।

स्वाँसगुंजार→'साँसगुजार' (कबीरदास कृत) ।

स्वाँसविलास (पद्य)—संतदास (हजारीदास) कृत । वि० शरीर के षट्चक्रों का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६४४ ।

प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती) ।→०६–२८१ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६८३ ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरे परान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–४२७ बी ।

स्वातिगसुभलच्छिन (पद्य)—आत्माराम कृत । लि० का० सं० १८०६ । वि० सात्विक जीवन का निरूपण ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–८ ।

स्वामिनीजी को ब्याह (पद्य)—नारायणदास (ब्रजवासिया) कृत । वि० राधाकृष्ण का विवाह ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१६२ ख ।

स्वामीकार्तिक—सं० १६२० के पूर्व वर्तमान ।

रागसंकीर्णरागमाला (पद्य)→सं० ०१–४७३ ।

स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८६३ । वि० वैराग्य ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२ क ।

(ख) लि० का० सं० १६५६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२ ख ।

स्वायंभु मुनि की कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत । वि० स्वायंभु मुनि के अवतार की कथा ।

प्रा०—बांधवेश भारती मंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ । → ००–१४६ ।

हंस—(?)

नामरहित ग्रंथ (पद्य)→१७–६७ ।

हंसजवाहिर (पद्य)—कासिम कृत । र० का० सन् ११४६ हि० (सं० १७८८) । वि० बलख के राजकुमार हंस और चीन की राजकुमारी जवाहिर की प्रेमकथा ।

(क) लि० का० सं० १६५८ ।

प्रा०—शेख कादिरबख्श, मकर्री खोह, मिर्जापुर ।→०२–१११ ।

(ख) मु० का० सं० १६५३ ।

प्रा०—पांडेय श्यामनारायण जी, रियासत जगदीशपुर (बस्ती) ।→सं० ०४–३२ ।

(ग) प्रा०—श्री हबीबुल्ला, रखहा बाजार, डा० खास (प्रतापगढ़) । → २६–२८७ ।

टि० खो० वि० २६–२८७ में रचयिता का नाम भूल से मखदूमशाह मान लिया गया है ।

हंसदूत (पद्य)—पन्नालाल (वैश्य) कृत । वि० गोपियों का हंस के द्वारा कृष्ण के पास संदेश भेजना ।

प्रा०—श्री लीलाधर गर्ग, कचहरीघाट, आगरा ।→१२–१६१ ।

हंसनादउपनिषद् (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—ठा० जाहरसिंह, बरनाहल (मैनपुरी) ।→३२–३८ ।

हंसनामा (पद्य)—नजीर कृत । वि० एक हंस की कहानी ।

(क) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—शेख मौलाबख्श अध्यापक, नाहिदपुर, डा० सहाँवर (एटा) । → २६–२५१ डी ।

(ख) लि० का० सं० १६१८ (?) ।

प्रा०—ठा० रतनसिंह, भरथा, डा० निसवाँ (सीतापुर) ।→२६–३३३ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—श्री शिवकंठ दूबे, देवदग्गपुर (खीरी) ।→२६–३३३ ए ।

हंसप्रमोध (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०–४० के बीच । वि० अध्यात्म ।→पं० २२–३७ डी ।

हंसमुक्तावली (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६१८ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ, छतरपुर ।→०६–१७७ एन (विवरण अप्राप्त) ।

हंसराज—संभवतः जाति के चंदेल । दुआरी नामक स्थान के निवासी ।

बारहमासा (पद्य)→४१–३०६ ।

हंसराज—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान । पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक ये भी हैं ।→०४–६७ ।

हंसराज (जैन)—वर्द्धमानसूरि के शिष्य।
ज्ञानद्विपंचाशिका (पद्य)→४१–३०८ ।

हंसराज (बख्शी)—कायस्थ। पन्ना निवासी। विजय सखी के शिष्य। सखी संप्रदाय के वैष्णव। पन्ना नरेश हृदयसाह, सभासिंह और अमानसिंह के आश्रित। कुछ समय तक ये ओड़छा में भी रहे। सं० १७८६–१८११ के लगभग वर्तमान।
कृष्णजू की पाती (पद्य)→०६–४५ ए ।
चुरिहारिनभेष (पद्य)→०६–४५ ई; २६–१६५ ए ।
जुगलस्वरूप-विरह-पत्रिका (पद्य →०५–४५ बी ।
फागतरंगिनी (पद्य)→०६–४५ डी ।
विरहविलास (पद्य)→२६–१६५ सी ।
सनेहसागर (पद्य)→००–१३५; ०६–४५ सी; २६–१६५ बी; २६–१३७ ए, बी ।

हंसचारस्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६३। वि० स्वरोदय।
प्रा०—श्री हरिहरदत्त द्विवेदी, बहरा, डा० तियारा (जौनपुर)। → सं० ०४–५०२ ।

हंसाभरण (पद्य) —मकरंद कृत। र० का० सं० १८२१। लि० का० सं० १६५५। वि० हास्यरस के कवित्तों का संग्रह।
प्रा०—कुमार रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर)।→१२–१०६ ।

हजारा (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश के एक हजार दोहों का संग्रह।
प्रा०—कुँअर सुरेशसिंह, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–१४६ ।

हजारीदास—अन्य नाम संतदास और शिवदास। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। उरेरमऊ (सुलतानपुर) के निवासी। गुरु का नाम गजाधरदास। ये और इनके गुरु किसी फौज में सिपाही थे। पेंशन मिलने पर दोनों विरक्त होकर भूलामऊ (बाराबंकी) में रहने लगे। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।
कायाबिलास (पद्य)→२६–४२७ ए ।
त्रिकांडबोध (पद्य)→३५–४० बी ।
बानी (पद्य)→सं० ०४–४२७ क ।
विपर्जेकअंग (विपर्यय को अंग) (पद्य)→२६–४२७ सी; सं० ०४–४२७ ख ।
शब्दसागर (पद्य)→२६–११० ।
शब्दावली (पद्य)→०६–२८१ ए ।
शून्यविलास (पद्य)→३५–४० ए; सं० ०४–४२७ ग ।
स्वामविलास (पद्य)→०६–२८१ बी; २६–४२७ बी ।

हजारीलाल—इटावा निवासी। सं० १६१६ के पूर्व वर्तमान।
उपदंशचिकित्सा (गद्य)→१६–१५१ ।

हजारीलाल—(?)

गंगापंचक (पद्य)→दि० ११-३७।

हजारीलाल (**कायस्थ**)—पुवायाँ निवासी।

बारहमासी (पद्य)→३५-४१।

हजारीलाल (**लाला**)—फरुखाबाद निवासी।

आल्हाखंड (आल्हानिकासी) (पद्य)→२६-१५२।

हजूरी (**संत**)—(?)

योगाद्भुतसार (पद्य)→१७-६६।

हठी (**द्विज**)—ब्राह्मण। कालिंजर (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।

राधाशतक (पद्य)→०५-८६; २३-१६३।

हणवंत—'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत।→४१-५६।

सबदी (पद्य)→सं० ०७-२०७।

हनुनाटक (**पद्य**)—मन जू कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० संक्षिप्त राम कथा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२६२ (विवरण अप्राप्त)।

हनुमंत (**कवि**)—ब्राह्मण। किसी नम्र स्थान के निवासी। सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।

पारासरी (भाषा) (पद्य)→सं० ०१-४७४।

हनुमंत कवि और रामनारायण—राधाकुंड (ब्रज) के निवासी।

सनेहलीलामृतपचीसी (पद्य)→सं० ०१-४७५।

हनुमंतविनय→'कपीसविनय' (मोहन कवि कृत)।

हनुमतअष्टोत्तर-शत-विजय (**पद्य**)—दयालदास कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० सं० १८६२। वि० एक झगड़े में विजय के हेतु हनुमानजी से विनय।

प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर)।→२०-३६।

हनुमतजसलीला (**पद्य**)—पहलाददास पाठक (जन) कृत। लि० का० सं० १८२४ वि० हनुमान जी का यश वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१३३।

हनुमतजी को नखसिख→'हनुमतनखशिख' (मान या खुमान कृत)।

हनुमतनाटक (**भाषा**)→'हनुमाननाटक' (हृदयराम कृत)।

हनुमतपंचक (**पद्य**)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १९१८। वि० हनुमान स्तुति।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, रईस, काँथा (उन्नाव)।→२३-४३२ बी।

हनुमतपचासा (**पद्य**)—अन्य नाम 'हनुमानजी के कवित्त'। भगवंतराय खीची कृत। वि० हनुमान जी की स्तुति।

(क) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६-४९ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-४३ ।

(ग) प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, दरबार, चरखारी ।→२६-४६ ए।

हनुमतपचीसी (पद्य)—इच्छाराम कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति।

प्रा०—श्री विहारी सुनार, अजयगढ़ ।→०६-२६३ बी (विवरण अप्राप्त) ।

हनुमतपचीसी (पद्य)—खुमान (मान) कृत । वि० हनुमान स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़ ।→०६-७० बी ।

(एक प्रति लाला वृंदावन, पन्ना के पास है) ।

(ख) लि० का० सं० १६६० ।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०६-७० सी ।

(एक प्रति लाला हीरालाल, चरखारी के पास है) ।

हनुमतपचीसी (पद्य)—गणेश (कवि) कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १६३२ । वि० हनुमान के बल पराक्रम का वर्णन ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-८३ ।

हनुमतपैज (पद्य)—लाल (कवि) कृत । वि० हनुमान और रावण का संवाद ।

(क) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—श्री कुँवरबहादुर, पहरिया डा० पट्टी (प्रतापगढ़)→२६-२५९ ।

(ख) लि० का० सं० १६५१ ।

प्रा०—बाबू राजेश्वरीप्रसाद रईस, रामपुर, कोथरा (सुलतानपुर) ।→२३-२४४ ।

(ग) प्रा०—कुँवर ब्रजराजसिंह, साहिपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) । → सं० ०१-३७३ ख ।

हनुमतबालचरित्र (पद्य)—ब्रजलाल (भट्ट) कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० हनुमान जी की बाल्यावस्था का चरित्र । (रामायण उत्तरकांड से अनूदित) ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-६१ ।

हनुमतबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—गुसाईं रामस्वरूपदास, सठियाँवाँ, डा० जहाँनागंजरोड (आजमगढ़) ।→ सं० ०१-३२ झ ।

हनुमतयश (पद्य)—आनंदीदीन कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

प्रा०—पं० विष्णुदत्त (पुत्ती महाराज), मौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-११ ए ।

हनुमतविजय (पद्य)—बनादास कृत । र० का० सं० १६४० । वि० हनुमान जी का चरित्र ।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरण कुंज, अयोध्या ।→२०-११ आर ।

हनुमतवीररत्ता (पद्य)—देवीदत्त शुक्ल (धीर) कृत । र० का० सं० १६०४ । लि० का० सं० १६०४ । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा०—श्री छोटेलाल मिश्र, हंसराजपुर, डा० होलागढ़ (इलाहाबाद) । → सं० ०१-१६३ क ।

हनुमतशिखनख (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमानजू को नखशिख' । खुमान (मान) कृत । वि० हनुमान जी का सौंदर्य ।
(क) लि० का० सं० १६२५ ।
प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०६-७० ई ।
(सं० १६१०, १६५२ और १६५६ की प्रतियाँ क्रमशः लाला वृंदावन, पन्ना, लाला हीरालाल, चरखारी तथा लाला परमानंद, टीकमगढ़ के पास हैं ।)
(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३-२१० ।
(ग) प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, चरखारी ।→२६-२३७ ई ।

हनुमतसिंह→'हिम्मतसिंह' (अमेठी के राजा) ।

हनुमताष्टक (पद्य)—गोपाल (जन) कृत । लि० का० सं० १८६५ । वि० हनुमान की स्तुति ।
प्रा०—श्री मुरारीलाल पाठक, सिरसा (इलाहाबाद)→सं० ०१-६० ।

हनुमन्नाटकदीपिका (पद्य)—परमानंद कृत । वि० संस्कृत के हनुमन्नाटक की टीका ।
प्रा०—पं० छोंनीलाल भट्ट, अजयगढ़ ।→०६-८८ ।

हनुमान—कायस्थ । लखनऊ निवासी ।
द्रोपदीअष्टक (पद्य)→सं० ०१-४७६ ख ।
शिखनख (पद्य)→२३-१४७; सं० ०१-४७६ क; सं० ०४-४२८ ।

हनुमानअष्टक (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा०—पं० सुखदेव शर्मा, शेरगढ़ (मथुरा) ।→३८-१५३ ए ।

हनुमानअष्टक (पद्य)—भागवतदास कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, सूरजकुंड, प्रयाग ।→४१-१७३ ख ।

हनुमानअष्टक (पद्य)—हरितालिकाप्रसाद (त्रिवेदी) कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।
प्रा०—पं० मुरलीमनोहर त्रिवेदी, महोबा (हमीरपुर) ।→०६-११८ ।

हनुमानचरित्र (पद्य)—सुंदरदास कृत । र० का० सं० १६१६ । लि० का० सं० १६१५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३-४१४)

हनुमानचालीसा (पद्य)—अन्य नाम 'बजरंगचालीसा' । तुलसीदास (?) कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।
→२६-४८५ एक्स।
(ख) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—श्री श्यामसुंदर अग्रवाल, जगनेर (आगरा)।→२६-१२५ वाई[२]।
(ग) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, मौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६-४८४ वाई।
(घ) प्रा०—पं० विद्याराम शर्मा, मक्खनपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-२२१ ए।

हनुमानचिंतामनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० हनुमान जी का यश।
प्रा०—पं० बच्चा पांडेय वैद्य, हुसनपुर, डा० जखनिया (गाजीपुर)। →सं० ०७-२६०।

हनुमानछबीसी (पद्य)—मनियारसिंह कृत। वि० हनुमान जी की वीरता का वर्णन।
प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, भुसौला माफी, डा० लोटन (बस्ती)। →सं० ०४-२८३।

हनुमानजन्म (पद्य)—सुखलाल (कायस्थ) कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० हनुमान जी का जन्मचरित्र।
प्रा०—मुं० सुखदेवराय, शुक्ल का पुरवा, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०८-४१५।

हनुमानजन्म-लीला (पद्य)—केशव कृत। लि० का० सं० १८६४। हनुमान जी की जन्म कथा।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६ १४६ बी।

हनुमानजयति (पद्य)—रामरतन लघुदास कृत। वि० हनुमान जी की स्तुति।
(क) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला, रायबरेली।→सं० ०४-३३६ ख।
(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३५८ क।

हनुमानजी का कवच (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०—पं० जीवाराम शर्मा, सौरई, डा० खदौली (आगरा)।→२६-३८४।

हनुमानजी का तमाचा (पद्य)—लक्ष्मण कृत। र० का० सं० १६०६। वि० हनुमान जी की प्रशंसा।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१०३ बी।

हनुमानजी की स्तुति (पद्य)—हरिसेवक (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-११ ए।

हनुमानजी के कवित्त (पद्य)—मनमोहन (मोहनदास) कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० हनुमान विनय।

प्रा०—श्री शिवविलास, बरिआरा (उन्नाव) ।→२६-३०७ सी ।

हनुमानजी के कवित्त→'हनुमतपचासा' (सुखदेव मिश्र कृत) ।

हनुमानजी के कवित्त→'हनुमानपचासा' (भगवंतराय खीची कृत) ।

हनुमानजू को नखशिख→'हनुमतशिखनख' (खुमान या मान कृत) ।

हनुमानटीका (पद्य)—तुलसी कृत । वि० हनुमानजी की स्तुति ।

(क) प्रा०—महंत व्रजलाल, जगदीशपुर (रायबरेली) ।→२६-४३१ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१४५ ।

हनुमानत्रिभंगीछंद (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० हनुमान जी की प्रशंसा ।

प्रा०—पं० भागवतप्रसाद, टेहू, डा० अहारन (आगरा) ।→२६-३२५ एच[3] ।

हनुमाननाटक (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० हनुमान द्वारा सीता की खोज और अहिरावण वध ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५-१०२ डी ।

हनुमाननाटक (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमतनाटक' । हृदयराम (राम कवि) कृत । र० का० सं० १६८० । वि० रामकथा (संस्कृत हनुमन्नाटक का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १९३० ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-२४३ ।

(ख) लि० का० सं० १९३६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१७ ।

(ग) लि० का० सं० १९४४ ।

प्रा०—श्री राधेराम, सहायक अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-१८० ।

(घ) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०९-११६ ।

(ङ) प्रा०—पं० धीरजराम पुजारी, भड़ीसंगत, बहराइच ।→२३-१६६ ।

(च)→पं० २२-४१ ए ।

हनुमानपंचक (पद्य)—खुमान (मान) कृत । वि० हनुमान स्तुति ।

प्रा०—लाला हीरालाल, चौकी नवीस, चरखारी ।→०६-७० ए ।

हनुमानपचासा (पद्य)—खुमान (मान) कृत । वि० हनुमान स्तुति ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-१४० ए ।

हनुमानपचीसी→'हनुमतपचीसी' (खुमान या मान कृत) ।

हनुमानपच्चीसी (पद्य)—श्रीनिवास कृत । वि० हनुमान की स्तुति ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४२९ ।

हनुमानपैज→'हनुमतपैज' (लाल कवि कृत) ।

हनुमानबंदीमोचन→'हनुमानसाठिक' (तुलसीदास ? कृत) ।

हनुमानबाललीला या हनुमानबालचरित→'हनुमानलीला' (सहजराम कृत) ।

हनुमानबाहुक (पद्य)—अन्य नाम 'बाहुक', 'बाहुकविनय', 'बाहुकस्तोत्र' और 'हनुमान स्तुति' । तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १८३५ ।
प्रा०—पं० भागीरथी पांडेय, पीपरपुर (सुलतानपुर) ।→२३-४३२ यू ।
(ख) लि० का० सं० १८५७ ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-३२३ के ।
(ग) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-६० ।
(घ) लि० का० सं० १८७४ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० ०१-१४१ छ ।
(ङ) लि० का० सं० १८७८ ।
प्रा०—पं० भवानी मिश्र, उत्तरगाँव, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर) । → २३-४३२ टी ।
(च) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । → २६-४८४ टी ।
(छ) लि० का० सं० १६०७ ।
प्रा०—पं० महावीर दीक्षित, चंडियाना (फतेहपुर) ।→२०-१६८ डी ।
(ज) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—पं० रघुनंदन मिश्र, मई, डा० बटेश्वर (आगरा) ।→२६-४८४ यू ।
(झ) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—श्री भावतलाल, प्रतापगढ़ ।→२६-४८४ वी ।
(ञ) लि० का० सं० १६१७ ।
प्रा०—बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→०६-३२३ डी ।
(ट) लि० का० सं० १६२८ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-२४५ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(सं० १६२८ की एक प्रति पं० बतोला उपाध्याय, नलबंदीपुर, समथर के पास है) ।
(ठ) लि० का० सं० १६२६ ।
प्रा०—पं० बैजनाथ, गोविंदपुर (रायबरेली) ।→२३-४३२ एस ।
(ड) लि० का० सं० १६३२ ।
प्रा०—ठा० जयबक्शसिंह, मियौरा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→२३-४३२ आर ।
(ढ) लि० का० सं० १६३४ ।
प्रा०—पं० श्यामा पांडेय औंदर, डा० जखनियाँ (गाजीपुर) ।→सं० ०७-७१ ।

(ग) लि० का० सं० १६४५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-४८४ ओ ।

(त) प्रा०—पं० श्यामबिहारी पांडेय, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → २३-४३२ क्यू ।

(थ) प्रा०—ठा० शिवलालसिंह, पिपरौली (आगरा) ।→२६-३२५ जेड[२] ।

हनुमानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमानबाललीला' या 'हनुमानबालचरित' । सहबराम कृत । वि० हनुमान चरित्र ।

(क) लि० का० सं० १८२८ ।

प्रा०—महंत जगदेवदास, पडरीगनेशपुर (रायबरेली) ।→सं० ०४-४०५ ङ ।

(ख) लि० का० सं० १८५४ ।

प्रा०—ठा० देवसिंह, छोटा गाँव, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-४१५ ए ।

हनुमानविजय (पद्य)—मनियारसिंह कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० रामायण के सुंदर कांड की कथा ।

प्रा०—पं० रामेश्वर, कोसी कलाँ (मथुरा) ।→३२-४५ ।

टि० खो० वि० में रचयिता का नाम चिंतामनि मनियारसिंह माना है, पर वस्तुतः नाम मनियारसिंह ही है ।

हनुमानविजय (पद्य)—श्रीधर कृत । र० का० सं० १६२१ । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर) ।→२६-४५४ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर, डा० जलालपुर (खीरी) ।→२६-४५४ बी ।

(ग) प्रा०—श्री रामकुबेर शुक्ल, नगरडीह, डा० त्रिसुंडी (सुलतानपुर) । → सं० ०४-३६३ ।

हनुमानविनय (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० हनुमान जी की स्तुति ।

(क) प्रा०—पं० सोहनलाल शर्मा, नगला अनिभा, डा० करहल (मैनपुरी) । →दि० ३१-६१ ।

(ख) प्रा०—पं० चक्रपाणि दूबे बलरई (इटावा) ।→२८-११३ बी ।

हनुमानविरुदावली (पद्य)—खुमान (मान) कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।→२०-१०० ।

हनुमानविरुदावली (पद्य)—भारतशाह कृत । वि० हनुमान जी की प्रशंसा ।

(क) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१४ बी ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-२५; ४१-५३२ (अप्र०)

हनुमानसाठिका (पद्य)—अन्य नाम 'बंदीमोचन,' 'बजरंगसाठिका' और 'हनुमानबंदीमोचन' । तुलसीदास (?) कृत । वि० हनुमान स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० मालाबबक्शी (लखनऊ)
→२६–४८४ आई ।
(ख) लि० का० सं० १६०६ ।
प्रा०—श्री चौहरिजालाल, नवाबगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–४८४ जेड ।
(ग) प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, अजगरा खुर्द, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) ।
→२६–४८४ डब्ल्यू ।

हनुमानसाठिका→'बजरंगसाठिका' (तुलसीदास ? कृत) ।

हनुमानस्तुति→'हनुमानबाहुक' (गो० तुलसीदास कृत) ।

हनुमानस्तुति→'हनुमानविनय' (तुलसीदास ? कृत) ।

हनुमानस्तोत्र (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० हनुमानजी की स्तुति ।
प्रा०—पं० गजाधर चौबे, बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६–४८४ ए' ।

हनुमानस्तोत्र (पद्य)—बलदेव कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० तुलसीराम वैद, माट (मथुरा) ।→३२–१३ ।

हनुवंतमोष्यगामी कथा→'हनूमानचरित्र' (ब्रह्मरायमल जैन कृत) ।

हनूमानचरित्र (पद्य) - अन्य नाम 'हनुवंतमोष्यगामी कथा' । ब्रह्मरायमल (जैन) कृत ।
र० का० सं० १६१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १६५६ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६३ ।
(ख) लि० का० सं० १७३० ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१२३ ।

हफीजुल्ला खाँ—मुसलमान । बन्नापुर (हरदोई) पाठशाला के अध्यापक । सं० १६३६
के लगभग वर्तमान ।
नवीनसंग्रह (पद्य)→सं० ०८–४२६ ।

हमीदउद्दीन (काजी)—संभवतः अवधवासी ।
तवल्लुद (पद्य)→२६–१६४ ।

हमीररायसा (पद्य)—जोधराज कृत । र० का० सं० १८५५ । वि० हमीर चरित्र ।→
पं० २२–४६ ।

हमीरसिंह—ओड़छा (बुंदेलखंड) के राजा । मदनसिंह और दामोदरदेव के आश्रय-
दाता । सं० १८८८ के लगभग वर्तमान ।→०६–२४ ।

हम्मीररासो (पद्य)—महेश कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–६१ ।
(ख) प्रा० - श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१–५३१ (अप्र०) ।

हम्मीरहठ (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८८१। वि० अलाउद्दीन खिलजी और रणथंभौर के राजा हमीरसिंहदेव का युद्ध।

(क) लि० का० सं० १६४५।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-१३।

(ख) लि० का० सं १६६७।

प्रा०—श्री चुन्नीलाल, द्वारा विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास की दुकान (कंठीमाला), विश्रांतघाट, मथुरा।→४१-४६१ (अप्र०)।

हम्मीरहठ (पद्य)—चंद्रशेखर कृत। लि० का० सं० १६०२। वि० हम्मीरसिंह चौहान का इतिहास।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१००।

हयग्रीव कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० भगवान विष्णु के हयग्रीव अवतार की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००-१५६।

हयातबेग (हजरत)—पीरगुरु के शिष्य। संभवतः सं० १८७७ के पूर्व वर्तमान।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)→४१-३१०।

हरकर्ण (मिश्र)—अन्य नाम सोयाजी श्रीराम। वत्सगोत्री ब्राह्मण। रावलपिंडी (पंजाब) के निवासी। दामोदर (कश्मीरी) के शिष्य। सं० १८५० के लगभग वर्तमान।

समरसार (पद्य)→सं० ०४-१३०।

हरगूलाल (जैन)—कुरु जांगल देशांतर्गत खतौली नगर के निवासी। वैश्य। किसी बालमुकुंद ब्राह्मण द्वारा इनका श्रुतियों में प्रवेश हुआ। सहारनपुर में जीविकोपार्जन किया।

सज्जनचित्त-वल्लभनामा (गद्य)→सं० १०-१३६ क, ख, ग।

हरगोविंद वाजपेयी या गोविंद (सुकवि)—सं० १६६७ में वर्तमान।

करनाभरण (पद्य)→पं० २२-३८; २३-१३७; सं० १०-१४० क, ख।

हरचंद→'हरिप्रसाद' ('साहित्यसुधानिधि' के रचयिता)।

हरजीनंदन—(?)

चतुर्विंसतितीर्थंकर (पद्य)→१७-१८ (परि० ३)।

हरजीमल्ल (जैन)—पानीपथ (पानीपत) के निवासी। गुरु का नाम विदिचंद साहमी। सं० १८४२ के लगभग वर्तमान।

चरचाशतक की वचनिका (गद्यपद्य)→२३-१४८; सं० १०-१४१ क, ख।

हरजू (सुकवि)—जौनपुर निवासी। किसी रामदत्त के आश्रित। सं० १८३६ के पूर्व वर्तमान।

बिहारी सतसई (पद्य)→४१-३१२; सं० ०१-४७७।

हरतालशोधन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक—हरतालशोधन की विधि।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६–१२३ (परि० १)।

हरतालिका की कथा (गद्य)—मीनराज (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १७८३।

वि० हरतालिका व्रत की कथा।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–७५।

हरतालिकाप्रसाद (त्रिवेदी)—भोजपुर (रायबरेली) निवासी।

हनुमानश्रष्टक (पद्य)→०६–११८।

हरताली—संभवतः नाथ परंपरा के कोई सिद्ध।

सबदी (पद्य)→सं० १०–१४२।

हरदास—सं० १६२७ के लगभग वर्तमान।

कृष्णजी का बारहमासा (पद्य)→२६–१६६ सी।

गिरिधरजी की मुरली (पद्य)→२६–१६६ ए, बी।

बारहमासी कृष्णजी की (पद्य)→२६–१६६ डी।

हरदास→'हरिदास' ('गुरुनामावली' के रचयिता)।

हरदासजी का पद (पद्य)—हरिदास (हरदास) कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और उपदेश।

प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ़)।→२६–१४० जी।

हरदेव—नागपुर के रघुनाथराव के आश्रित। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।

नायिकालक्षण (पद्य)→२६–१७१।

हरदेव→'हरिदेव (भट्टाचार्य)' ('रंगभावमाधुरी' के रचयिता)।

हरदेव (गिरि) काशी के परमहंस साधु। पश्चात् दलीपपुर गाँव में रहने लगे। विश्रामदास के गुरु। इन्होंने एक हनुमंत नृपति का उल्लेख किया किया है। सं० १६०१ के लगभग वर्तमान।

भगवतगीता (पद्य)→१७–६६ सं० ०१–४७८।

हरदेवसहाय—संभवः मेरठ या उसके आसपास के निवासी।

हरदेवसहाय की बारहखड़ी (पद्य)→सं० १०–१४३।

हरदेवसहाय की बारहखड़ी (पद्य)—हरदेवसहाय कृत। वि० शिक्षाप्रद दोहे।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१४३।

हरदौलचरित्र (पद्य)—बिहारीलाल कृत। र० का० सं० १८१५। लि० का० सं० १६१८। वि० वीरसिंहदेव के पुत्र कुँवर हरदौल की कथा।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर।→०५–६२।

हरनाम—सं० १६१० के लगभग वर्तमान।

बारहमासा (हरनाम का) (पद्य)→२६–१६७ ए, बी।

हरपाल (पारवाले)—जाट क्षत्रिय।

धनुषपैज (पद्य)→३२–७६।

हरप्रसाद—भाट। बिलग्राम (हरदोई) निवासी। मंसाराम के पुत्र। हरिवंश (पलीदे) के पौत्र। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।→१२–११०।

हरप्रसाद→'हरिप्रसाद' (सहजोबाई के पिता)।

हरलाल (चतुर्वेदी)—माथुर ब्राह्मण। मथुरा निवासी। संभवतः कृष्ण कवि के वंशज। सं० १८०१ के लगभग वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→३२-७५।

व्रजविनोदलीला पंचाध्यायी (पद्य)→१७-७३।

हरवंशपुराण (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १७८०। वि० नेमिनाथ जी तथा कृष्ण जी का वंश परिचय।

प्रा०—दिगंबर पंचायती मंदिर, आबूपूरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-२० घ।

हरवंशराय (राजा)—पन्ना नरेश। हरप्रसाद के आश्रयदाता। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।→०५-६५; ०६-४६।

हरसहाय—गाजीपुर निवासी। जीवनदास के शिष्य। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।

रामरत्नावली (पद्य)→०६-१०५ ए।

रामरहस्य (पद्य)→०६-१०५ बी।

हरसूब्रह्ममुक्तावली (पद्य)—अजगरनाथ कृत। र० का० सं० १६०४। वि० हरसूब्रह्म की कथा।

प्रा०—श्री देवराज पांडेय, नोनरा, डा० रामपुर (गाजीपुर)।→सं० ०१-५।

हरि (कवि)→'हरिचरणदास' ('कविप्रियाभरणाख्या' आदि के रचयिता)।

हरिअवतार कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० गज को ग्राह से छुड़ाने के समय भगवान विष्णु के हरि अवतार की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँ नरेशका पुस्तकालय) रीवाँ।→००-१५५।

हरिआचार्य—कोई भक्त।

अष्टयाम (पद्य)→०६-२६२।

हरिआनंद—ब्राह्मण। गंगा यमुना के बीच डिभाई नगर के निवासी। पिता का नाम दूलहराम। सीताराम नाम के इनके एक मित्र थे। सं० १८४६ के लगभग वर्तमान।

देवीविलास (पद्य)→सं० ०१-४७६।

हरिकलाबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१५। वि० व्रज पर होनेवाली एक चढ़ाई के समय परमेश्वर से प्रार्थना।

प्रा०—फौजदार मदनगोपाल शर्मा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ के।

हरिकीर्तन (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री तुलसीराम गोस्वामी, नंदजी के मंदिर का घेरा, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३२-१२१।

हरिकीर्तन (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवियों का संग्रह। लि० का० सं० १८६८। वि० वर्ष के उत्सव और भगवान का नित्य कीर्तन।

प्रा०—पं० गोपाल जी गोस्वामी, नंदग्राम (मथुरा)।→३२-२२६ ए।

हरिकृष्ण (आभा)—बैसवाड़ा निवासी । संभवतः संतोषदास के शिष्य ।
ज्ञानबोधप्रकाश (पद्य)→४१-३१४ ख ।
ज्ञानबोधामृत (पद्य)→४१-३१४ क ।

हरिकृष्ण (पांडेय)—घमसारा ग्राम (मैनपुरी) निवासी । सं० १८५५ के लगभग वर्तमान ।
अनंतचतुर्दशी की कथा (पद्य)→३२-८० ए ।
रत्नत्रयव्रत की कथा (पद्य)→३२-८० बी ।

हरिकृष्णदास—अन्य नाम कृष्णदास । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं० १६०७ के लगभग वर्तमान ।
रसमहोदधि (पद्य)→सं० ०१-४८० ।

हरिकेश (द्विज)—ब्राह्मण । जहाँगीराबाद (परगना सेंहुड़ा, दतिया) निवासी । पन्ना नरेश राजा छत्रसाल और हृदयसाहि तथा जैतपुर के राजा जगतराज के आश्रित सं० १७८२ के लगभग वर्तमान ।
जगतराजदिग्विजय (पद्य)→०६-४६ ए ।
ब्रजलीला (पद्य)→०६-४६ बी ।

हरिकेस या रषीकेश—कोई संत ।
परमोधलीला या जखड़ी (पद्य)→सं० ०७-२०८ ।

हरिगुरुस्तोत्र (पद्य)—जसराम (उपगारी) कृत । लि० का० सं० १८७१ । वि० हरि और गुरु की स्तुति ।
प्रा०—श्री रामेश्वर दूबे, खीरों (रायबरेली) ।→सं० ०४-१२३ घ ।

हरिचंद—बरसाना (व्रज) के निवासी ।
हरिचंदशतक (पद्य)→०६-१०७ ।

हरिचंद (गंगवाल)→'नाथूलाल' ('सुकुमालचरित्र' के रचयिता) ।

हरिचंद की कथा (पद्य)—नारायण कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-३०३ (विवरण अप्राप्त)

हरिचंदपुराण कथा (पद्य)—नारायणदेव कृत । र० का० सं० १४५३ । वि० अयोध्या के राजा हरिश्चंद्र की कथा ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००-८६ ।

हरिचंदशतक (पद्य)—हरिचंद कृत । वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-१०७ ।

हरिचंदसत (पद्य)—ध्यानदास कृत । वि० राजा हरिश्चंद्र की कथा ।
(क) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-६२ च ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-११६; सं० ०७-६२ घ।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—श्री रामदास वैरागी, कुटी बड़का नगला, डा० गुरसान (अलीगढ़)।→ २६-८६।

(घ) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर।→०१-१०७।

(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-६२ ङ, छ।

(च)→पं० २२-२८।

हरिचंदसत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७४०। वि० राजा हरिश्चंद्र की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२६१।

हरिचरचाविलास (पद्य)—मयाराम कृत। वि० रामकथा, कृष्णलीला और महाभारत का युद्ध आदि।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, नगर, डा० फतेहपुरसीकरी (आगरा)। → ३२-१४४।

हरिचरणदास—उप० हरि कवि। चैनपुर (सारन, बिहार) के निवासी। पिता का नाम रामधन। पितामह का नाम वासुदेव। इनके पूर्वज कोई विश्वंभर थे। पहले राजबढ़ैया ग्राम (नवापार के अंतर्गत) के राजा विश्वसेन के आश्रित थे। बाद में ये कृष्णगढ़ (राजस्थान) चले गए और वहाँ के राजा विरदसिंह के आश्रय में रहने लगे। जन्म सं० १७६६। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान।

कविप्रियाभरण (गद्यपद्य)→०४-५८; ०६-१०८; सं० ०४-४३१ क।

कविवल्लभ (पद्य)→०६-२५५ ए; सं० ०४-४३१ ख।

भाषाभूषण की टीका (गद्यपद्य)→०६-४०; २०-५६ ए; पं० २२-३६ ए, बी; ४१-३१३।

सामायणसार (पद्य)→४१-३१५।

सभाप्रकाश (पद्य)→२०-५६ बी; ०६-२५५ बी।

हररिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य)→०४-४; १७-७१; ४१-३१६; सं० ०४-४३१ ग।

हरिचरणदास—अयोध्या निवासी। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।

रामचरितमानस की टीका (गद्यपद्य)→२३-१५३।

हरिचरन (द्विज)—संभवतः भोजपुर प्रांत के निवासी।

फागु (पद्य)→ सं० ०१-४८१।

हरिचरितचंद्रिका (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि० का० सं० १८९०। वि० भागवत दशमस्कंध के आधार पर भगवान की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००-१८५।

हरिचरितामृत (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत । र० का० सं० १८७५ । वि० भगवान के मत्स्य, कूर्म, मोहनी और बराह अवतार का वर्णन ।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००-१४० ।

हरिचरितामृत (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत । वि० संक्षिप्त राम कथा, विशेषतः रामाश्वमेध वर्णन ।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००-१४४ ।

हरिचरित्र (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० भक्ति.उपदेश आदि ।
प्रा०—श्री रामधीन मुराऊ, बदौसराय (बाराबंकी) ।→२३-७५ बी ।

हरिचरित्र (पद्य) –लालचदास (हलवाई) कृत । र० का० सं० १५८७ । वि० भागवत का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १८५८ ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-२६१ बी ।
(ख) लि० का० सं० १८८१ ।
प्रा०—श्री वंशीधरराय, चौंडीपुर, डा० पचखौरा (गाजीपुर) ।→सं० ०७-१७४ ।
(ग) लि० का० सं० १८८२ ।
प्रा०—ठा० माधवराम, नवतला, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-२३८ ।
(घ) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३७७ ख ।
(ङ) लि० का० सं० १८६४ ।
प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, गाढ़ा, डा० रतनपुरा (बलिया) ।→४१-२४२ ख ।
(च) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार, रीवाँ ।→०६-१८६ (विवरण अप्राप्त) ।
(छ) लि० का० सं० १६६८ ।
प्रा०—ठा० शिवबालकसिंह, असना, डा० मनियर (बलिया) ।→५१-२४२ क ।
(ज) प्रा०—पं० दूबर शुक्ल वैद्य, शाहजादपुर (फैजाबाद) । → १७-२८ (परि०३) ।
(झ) प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२६१ ए ।
(ञ) प्रा०—श्री मुन्नी स्वर्णकार, पाली, डा० बहादुरगंज (गाजीपुर) । → सं० ०१-३७७ क ।

हरिचरित्र (पद्य)—हरिशंकर कृत । लि० का० सं० १८१८ । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—श्री हरिकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) ।→३८-६० ।

हरिचरित्र→'भागवत (दशमस्कंध)' (भूपति कृत) ।

हरिचरित्र→'भागवत भाषा (दशमस्कंध)' (सबलस्याम या सबलश्याम कृत) ।

हरिचरित्र (विराटपर्व) (पद्य)—लखनसेनि कृत। र० का० सं० १४८१। लि० का० सं० १८७७। वि० महाभारत विराटपर्व का अनुवाद।
प्रा०—ठा० शिवबरनसिंह रघुनाथसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद)।→ सं० ०१-३७०।

हरिचरित्रपारायण अमृत कथा (वृंदावनखंड) (पद्य)—भगवानदास कृत। र० का० सं० १६३१। वि० भागवत (पूर्वार्द्ध) की कथा।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-१६८।

हरिजन—कायस्थ। टीकमगढ़ (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १६०३ के लगभग वर्तमान।
तुलसीचिंतामणि (पद्य)→०६-४८।

हरिजनयशावली→'भक्तनामावली' (धुवामुखी कृत)।

हरिजस (पद्य)—चोपसिंह कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—श्रीराम पांडेय, बराछा (प्रतापगढ़)।→सं० ०४-६६।

हरिजीवन—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५७ (वीस)।

हरिजू (मिश्र)—आजमगढ़ निवासी। दिल्ली के बादशाह तथा आजमगढ़ के संस्थापक आजम खाँ के आश्रित। सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
अमरकोष (भाषा) (पद्य)→०६-११२।

हरितालिकाव्रत कथा (पद्य)—निर्मलदास कृत। र० का० सं० १८३६। लि० का० सं० १८३६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामशिरोमन तिवारी उप० 'दादू', बहादुरपुर, डा० पच्छिमसरीरा (इलाहाबाद)।→सं० ०१-१६६।

हरिदत्त—बैस क्षत्रिय। चैला (बाराबंकी) निवासी। सं० १६०६ के लगभग वर्तमान।
शिवसई (पद्य)→२३-१५७।

हरिदत्तसिंह (राजा)—शाकद्वीपी ब्राह्मण। संभवतः अयोध्या राज के वंशज।
राधाविनोद (पद्य)→०६-१७२; ०६-१११।

हरिदास—कायस्थ। पन्ना (बुंदेलखंड) निवासी। भैरवप्रसाद बख्शी के पुत्र। जन्म सं० १८७६। मृत्यु सं० १६००। पन्ना नरेश हरवंशराय के आश्रित।
अलंकारदर्पण (पद्य)→०६-४६ सी।
गोपालपचीसी (पद्य)→०६-४६ बी।
रसकौमुदी (पद्य)→०५-६५; ०६-४६ ए।

हरिदास—दादूपंथी। भाई का नाम बनवारी।
ग्रंथमौक्यो (पद और रमैनी) (पद्य)→सं० ०७-२१० क।

पद (पद्य)→सं० १०–१४४ क।
प्रेमसागर (पद और साखी) (पद्य)→सं० ०७–२१० ख।
रमैनी (पद्य)→सं० ०७–२१० ग; सं० १०–१४४ ख।
साखी (पद्य)→सं० १०–१४४ ग।

हरिदास—रामानंदी संप्रदाय के अनुयायी। गुरु का नाम कृष्णानंद।
नामदेव की परिचयी (पद्य)→सं० ०७–२११।

हरिदास—ब्राह्मण। डिडवाना (जोधपुर) निवासी। भीखादास के शिष्य। अरिमर्दनसिंह के आश्रित। सं० १८११ के लगभग वर्तमान।
भगवद्गीता सटीक (पद्य)→०४–७२; ०६–२५९ ए; १७–८१।
भाषा भागवत समूल एकादश स्कंध (पद्य)→०४–५५।
रामायण (पद्य)→०६–११०।
वैष्णववैरागी-संवाद (गद्यपद्य)→२३–१५६।

हरिदास—वास्तविक नाम सूर्यबक्स सप्तई। जायस (रायबरेली) निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
कवित्तरामायण (पद्य)→२६–१४१।

हरिदास—निंबार्क संप्रदाय के अनुयायी।
गुरुनामावली (पद्य)→२६–१४० सी; ३२–७७ बी।
भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२–७७ ए।

हरिदास—ओड़छा निवासी।
प्रस्तावरत्नाकर (गद्य)→२०–६०।

हरिदास—(?)
ब्रजलीला (पद्य)→सं० ०१–४८२।

हरिदास→'हरिचरणदास' ('कविप्रियाभरण' के रचयिता)।

हरिदास (जन)—(?)
पद (पद्य)→सं० ०१–४८४।

हरिदास (बाबा)—क्षत्रिय। बबुरिहा गाँव (महाराजगंज, रायबरेली) के निवासी। पिता का नाम लालसाहि। पितामह का नाम सुखसाहि। अयोध्या के प्रसिद्ध महात्मा रघुनाथदास के शिष्य। उच्च कोटि के संत। सं० १६३८ के लगभग वर्तमान।
भक्तिविलास (पद्य)→३५–३५; सं० ०४–४३२ ख।
मसलविवेक (पद्य)→सं० ०४–४३२ क।

हरिदास (बैन)—वृंदावन निवासी। टट्टी संप्रदाय के प्रवर्तक स्वामी हरिदास के अनुयायी। हरिदास के उत्तराधिकारी रामप्रसाद के शिष्य।
गोपीश्याम-संदेश (पद्य)→३५–३७ ए।

पदावली (पद्य)→३१—३७ बी।

हरिदास (स्वामी)—भक्त और संगीतज्ञ। प्रसिद्ध कवि। सनाढ्य ब्राह्मण। टट्टी संप्रदाय के प्रवंतक। देवचंद्र, अनन्यरसिक, सहचरीशरण, वल्लभरसिक, भगवतरसिक, विट्ठलविपुल और तानसेन के गुरु। धीर के पुत्र। ज्ञानधीर के पौत्र और ब्रह्मधीर के प्रपौत्र। प्रारंभ में हरिदासपुर में रहते थे। अनंतर वृंदावन में रहने लगे। जन्म सं० १५३७। मृत्यु सं० १६३२।→०० -२६; ००-६७; ०१-१२; ०६-२२५; पं० २२-१६; २३-२०; २३-८८।

केलिमाला (पद्य)→१२-७२; ३२-७८ बी।

पदसंग्रह (पद्य)→१२ ७८ सी।

बानी (पद्य)→०५-६७; ०६-१०६ बी; २३-१५५; २६-१४० ई, एच; १२-७८ए; ३५-३६ बी; ४१-३१८।

रस के पद (पद्य)→२६-१४० डी।

हरिदासजी के पद (पद्य)→००-३७।

हरिप्रकाश (पद्य)→२६-१४० ए।

हरिदास (स्वामी)—निरंजनी पंथ के संस्थापक। डिडवाना (जोधपुर-मेवाड़) निवासी। पीतांबरदास और सेवादास के गुरु। सं० १५२०-४० के लगभग वर्तमान।

अगाधअचिरजजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ ए।

अष्टपदीजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-३७ ए।

उतपतिअहेतजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ जी।

दयालजी का पद (पद्य)→०२-६४।

दयालजी की आरती (पद्य)→सं० ०७-२०६।

नाँवनिरूपणजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ ई।

निरंजनलीलाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ एफ।

निरपखामूल (ग्रंथ (पद्य)→पं० २२-३७ ई।

पूजाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-३७ जी।

ब्रह्मस्तुति (पद्य)→पं० २२-३७ बी।

मनपरसंगजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ डी।

मनहठजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ सी।

रागगौड़ा (पद्य)→पं० २२-३७ एफ।

वंदनाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ एच।

वीररसवैरागजोग (ग्रंथ) (पद्य)→३५-३६ आई।

संग्रामजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-३७ आई।

समाधिजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-३७ एच।

हंसप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२-३७ डी।

हरिदास की बानी (पद्य)→०६–१०६ ए।
हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)→पं० २२–३७ सी।

हरिदास (हरदास)—(?)
हरदासजी का पद (पद्य)→२६–१४० जी।

हरिदास (हरिराय ?)—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी।
गोवर्द्धनलीला (पद्य)→सं० ०१–४८३ क।
गुसाईंजी विट्ठलनाथजी की वनयात्रा (पद्य)→सं० ०१–४८३ ख।

हरिदास की बानी (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८१५। वि० ज्ञान और उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–१०६ ए।

हरिदास की वाणी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदास के पदन की टीका (पद्य)—अन्य नाम 'हरिदासजी की वाणी की टीका'। पीतांबरदास कृत। वि० हरिदास स्वामी के पदों की टीका।
(क) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-३१५ ए।
(ख) प्रा०—पं० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२–१६५ ए।

हरिदास ग्रंथमाला (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १५२० से १५४० के बीच। वि० संत और योगाभ्यास विषयक कहानियाँ।→पं० २२-३७ सी।

हरिदासजी की परिचयी (पद्य)— रघुनाथदास (रुघनाथदास) कृत। वि० स्वा० हरिदास जी का जीवनवृत्त।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१५८।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२३६।

हरिदासजी की वाणी की टीका→'हरिदास के पदन की टीका' (पीतांबरदास कृत)।

हरिदासजी के पद (पद्य)—हरिदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–३७।

हरिदासजी को मंगल (पद्य)—नागरीदास कृत। वि० गुरु प्रशंसा।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक, छतरपुर।→०५–४०।

हरिदासजू की बानी→'बानी' (हरिदास कृत)।

हरिदाससहाय (गिरि)—सन्यासी। मिरजापुर निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→०३–१६; २३–१५४।

हरिदेव—रतिराम के पुत्र। रसिकगोविंद के शिष्य। सं० १८९२ के लगभग वर्तमान।
छंदपयोनिधि (पद्य)→१७–७२ ए; सं० ०४–४३३।
वैद्यसुधानिधि (पद्य)→२६–१६६।

हरिदेव—ब्राह्मण। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।

गुरुशतक (पद्य)→१२-७६ ए; सं० ०१-४८५ क।
भूषणभक्तिविलास (पद्य)→१८-७२ बी; १२-७६ बी।
रामायण (रामवैभव) (पद्य)→सं० ०१-४८५ ख।

हरिदेव (जन)—सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→१८-५७।

हरिदेव (भट्टाचार्य)—अन्य नाम दरस। गोकुल (मथुरा) निवासी।
केशवजसचंद्रिका (पद्य)→२६-१४२ बी।
रंगभावमाधुरी (पद्य)→२६-१६८; २६-१४२ ए।

हरिदेव सनेह के कवित्त (पद्य)—श्रीधर (स्वामी) या सनेही कृत। वि० श्रीकृष्ण विषयक शृंगार वर्णन।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१७६।

हरिद्वार कुंभ के चौबोला (पद्य)—भोलाराम कृत। वि० कुंभ मेले का वर्णन।
प्रा०—ठा० जवाहरसिंह, गढ़िया, डा० भदान (मैनपुरी)।→३२-२७।

हरिनाथ—गुजराती ब्राह्मण। वाराणसी (बनारस) निवासी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
अलंकारदर्पण (पद्य)→०६-१७०।

हरिनाथ (महापात्र)—नरहरि महापात्र के पुत्र। संभवतः जहाँगीर के समकालीन। सं० १७६२ के पूर्व वर्तमान।→४१-१२०।
हरिनाथ महापात्र के कवित्त (पद्य)→४१-३१६।

हरिनाथ महापात्र के कवित्त (पद्य)—हरिनाथ कृत। वि० शंकर की वंदना और जहाँगीर की प्रशंसा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३१६।

हरिनाथविनोद (पद्य)—कान्ह कवि या लघुकान्ह कृत। र० का० सं० १६१६। लि० का० सं० १६१६। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद पाठक, मई. डा० केराकत (जौनपुर)।→सं० ०१-३८।

हरिनाम—संभवतः कबीर पंथी।
आत्मबोध (पद्य)→४१-३२० ख।
गोसइयाँ के बयान (बखान) की किताब (गद्यपद्य)→४१-३२० क।
पद (पद्य)→४१-३२० ग।

हरिनाम (मिश्र)—अन्य नाम हरिनारायण।
गोवर्द्धनलीला (पद्य)→३८-५८ ए।
बारहमासी (पद्य)→३८-५८ बी।

हरिनामगुरुनाम-चिंतामणि→'चिंतामणि' (मनसाराम कृत)।

हरिनामबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०१ । लि० का० सं० १८८६ । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२५० ए (विवरण अप्राप्त) ।

हरिनाममहिमा (पद्य)—दामोदरदास कृत । लि० का० सं० १८३४ । वि० भगवान की महिमा ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–१०२ ग ।

हरिनाममहिमावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०३ । लि० का० सं० १८४३ । वि० वैष्णव धर्म के सिद्धांत ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–३३१ ए ।

हरिनाममाला (पद्य)—निरंजनदास कृत । र० का० सं० १८८५ । वि० ईश्वर की नामावली ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२०२ (विवरण अप्राप्त) ।

हरिनामसुमिरनी (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत । वि० सीताराम के नाम स्मरण का माहात्म्य ।
(क) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—परमहंस द्वारिकादास बड़ी छावनी, अयोध्या (फैजाबाद) ।→२०–१३६ ।
(ख) प्रा०—पं० रामशंकर बाजपेयी, बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–३२८ ए ।

हरिनारायण—ब्राह्मण । कुम्हेर (भरतपुर) निवासी ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→३२–८१ ।

हरिनारायण—सं० १८१२ के लगभग वर्तमान ।
माधवानल की कथा (पद्य)→०५ ६१ ।

हरिनारायण→'हरिनाम (मिश्र)' ('गोवर्द्धनलीला' के रचयिता) ।

हरिप्रकाश (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत । वि० कृष्ण चरित्र तथा नाम माहात्म्य ।
प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, रुमाई, डा० एतमादपुर (आगरा) । → २६–१४० ए ।

हरिप्रकाश टीका (बिहारी सतसई) (गद्यपद्य)—हरिचरणदास कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० बिहारी सतसई की टीका ।
(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—श्री रामनारायण चौबे,मलौली चौबे, डा० घनघटा (बस्ती) । → सं० ०४–४३१ ग ।

(ख) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-४ ।

(ग) प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७-७१ ।

(घ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-३१६ ।

हरिप्रसाद—उप० हरचंद । रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह के आश्रित । सं० १६३२ के लगभग वर्तमान ।

साहित्यसुधानिधि (पद्य)→२६-१७० ए, बी ।

हरिप्रसाद—कायस्थ । कड़ा (प्रयाग) निवासी । कुछ दिन रानीपुर (झाँसी) में रहकर टीकमगढ़ राज्य के आश्रय में चले गए थे ।

हिसाब (पद्य)→०६-५० ।

हरिप्रसाद—सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

लघुतिब्बनिघंट (पद्य)→२६-१४३ ।

हरिप्रसाद—(?)

बालक रामविनोद नवरस (पद्य)→३२-८१ ।

हरिप्रसाद (मिश्र)—रामधन के पुत्र । पर्वती ग्राम (अयोध्या के निकट) के निवासी । सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।

रत्नमुहूर्त (पद्य)→२३-१५८; २६-१७१ ए, बी ।

हरिप्रिया→'हरिव्यासदेव' ('महावानी' के रचयिता) ।

हरिबख्शसिंह—बिसेन क्षत्री । प्रतापगढ़ निवासी । पृथ्वीलाल के पुत्र । चंद्रिकाबख्श के पौत्र । सं० १६०७ के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानमहोदधि (पद्य)→०६-१०६; २३-१५१ ।

युगलाष्टक (पद्य)→३५-३४ ।

रामरत्नावली (पद्य)→१७-६८ बी ।

रामायणशतक (पद्य)→१७-६८ ए ।

संग्रह (पद्य)→३८-५६ ।

हरिबोलचिंतामणि (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०० २७ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी →सं० ०७-१६३ त ।

हरिभक्तसिंह→'हरिबख्शसिंह' ('ज्ञानमहोदधि' आदि ग्रंथों के रचयिता) ।

हरिभक्तिप्रकाश (पद्य)—गंगाराम (पुरोहित) कृत । र० का० सं० १७६६ । लि० का० सं० १८४७ । वि० आध्यात्मिक ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३५-१६ ।

हरिभक्तिविलास (पद्य)—चंद्रशेखर कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० भक्त के लक्षण और कर्तव्य ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०१-१०१ ।

हरिभक्तिविलास (पद्य)—विक्रमसाहि कृत । र० का० सं० १८८० । वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३-७३ (उत्तरार्द्ध) ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३-७२ (पूर्वार्द्ध) ।

हरिभक्तिविलास (उत्तरखंड) (पद्य)—छबील (जन) कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० भागवत की कथाओं का संक्षिप्त वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१-७२ ।

हरिभक्ति-सिद्धांत-समुद्र (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीकृष्णश्रुति-विरदावली' । फतेहसिंह (हितराम) कृत । र० का० सं० १७२२ । लि० का० सं० १८६६ । वि० कृष्ण-भक्ति, वैराग्य, मोक्ष आदि ।

प्रा०—बाबू छत्रपतिसिंह जी रईस, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→२६-१२० ।

हरिभजन (पद्य)- दासगिरंद कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला जयनारायण, नगलाराजा, डा० नौखेरा (एटा) ।→२६-११६ ।

हरिभान—उप० भान । दीवान रणधीरसिंह बुंदेला के आश्रित । सं० १६१२ के पूर्व वर्तमान ।

नरेंद्रभूषण (पद्य)→२३-१५२ ।

हरिभुवनदास—(?)

विष्णुसहस्रनाम (पद्य)→सं० ०४-४३४ ।

हरियराय (हरिराय)—जैन मतावलंबी ।

हरिवंशपुराण (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-४३७ ।

हरिरस (पद्य)—आतम कृत । लि० का० सं० १७८१ । वि० भक्ति ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-३६ ।

हरिराधाविलास (पद्य)—मान (कवि) कृत । लि० का० सं० १८२२ । वि० राधा कृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—ठा० यदुनाथबाबूसिंह, हरिहरपुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) । →२३-२५६ ।

हरिराम—आगरा निवासी । गुजराती ब्राह्मण । लल्लूलाल के पुत्र । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

चौरासीवार्ताभाव (गद्यपद्य)→२३–१५६ बी।

जानकीरामचरित्रनाटक (गद्यपद्य)→०६–११६; २३–१५६ ए।

हरिराम—संभवतः पंजाब की ओर रहने वाले। सं० १६५१ के लगभग वर्तमान।

छंदरत्नावली (पद्य)→०६–२५७; १२–७३; पं० २२–३८; सं० ०४–४३५।

हरिराम→'रामहरी (चौहरी)' ('बुद्धिविलास' आदि के रचयिता)।

हरिराम (कविराज)—सं० १९१५ के लगभग वर्तमान।

मृगयाविहार (पद्य)→२६–१४४।

हरिराम (व्यास)→'व्यास जी' ('पदसंग्रह' आदि के रचयिता)।

हरिरामदास (निरंजनी)→'हरिराम' ('छंदरत्नावली' के रचयिता)।

हरिरामविलास (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत। वि० गाजीपुर निवासी महात्मा हरिराम की परिचर्या का वर्णन।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६–३४ एच।

हरिराय→'हरिदास' (वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी)।

हरिराय (गोस्वामी)—उप० रसिकदास, रसिकराय, रसिकप्रीतम आदि। गोकुल निवासी श्री वल्लभाचार्य के वंशज। सिंहाड़, नाथद्वारा (मेवाड़, उदयपुर) में स्थित श्री गोकुलनाथ जी के मंदिर के अधिष्ठाता। सं० १७५० के लगभग वर्तमान। 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→०२–५७ (दो)।

अष्टाक्षरमंत्र की टीका (गद्य)→सं० ०१–४८६ ग, घ।

कीर्तनसंग्रह (पद्य)→सं० ०१–४८६ द।

कुंभनदास की वार्ता चौरासी अपराध वर्णन (पद्य)→सं० ०१–४८६ थ।

कृष्णप्रेमामृत (गद्य)→३२–८३ ए; ३५–३८ डी।

गोकुलाष्टक की टीका (गद्य)→सं० ०१–४८६ ण।

चतुश्लोकी टीका (गद्य)→सं० ०१–४८६ त।

चिंतन (पद्य)→सं० ०१–४८६ ख।

चौरासी वैष्णवन की वार्ता की भाव टीका (गद्य)→सं० ०४–४३६।

दैन्यामृत (पद्य)→३५–३८ ए।

नवग्रहप्राकार (नवग्रहपूजन-प्रकार) (पद्य)→सं० ०१–४८६ ज।

नवरात्रि के कीर्तन (पद्य)→सं० ०१–४८६ छ।

नामरत्नस्तोत्र विवरण भाषा में (गद्य)→सं० ०१–४८६ झ।

नित्यकृत्य (गद्य)→४१–३२२।

नित्यभावना (सेवा तथा स्वरूप की) (गद्य)→सं० ०१–४८६ ञ।

नित्यलीला (पद्य)→००–३८; २३–१६०।

निरोधलक्षण (गद्य)→३५–३८ बी।

पुष्टिद्दढ़ाव (गद्य)→३२–८३ बी; सं० ०१–४८६ ट, ठ।

पुष्टिप्रवाहमर्यादा (गद्य)→३२-८३ सी ।

बरसदिन के उत्सव को भाव (गद्य)→सं० ०१-४८६ ढ ।

भावभावना (गद्य)→३२-८३ बी ।

मधुराष्टक की टीका (गद्य)→सं० ०१-४८६ क ।

यमुनाजी के नाम (गद्य)→१७-७४ ए ।

रसिकलहरी या कीर्तन (पद्य)→३८-५६ ।

वचनामृत (गद्य)→३५-३८ एफ ।

वर्षोत्सव (गद्यपद्य)→१७-७४ डी; ३२-८३ ई ।

वसंतहोरी की भावना (गद्य)→३२-८३ एफ ।

शिक्षापत्र (गद्य)→२६-१४५ ।

श्री आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप (गद्य)→१७-७४ बी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता (गद्य)→०६-११५ ए; १७-७४ सी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून की निजवार्ता तथा घरूवार्ता (गद्य)→०६-११५ सी ।

श्री आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता (गद्य) → ०६-११५ बी ।

श्री ठाकुरजी के षोडशचिह्न (सचित्र) (पद्य)→सं० ०१-४८६ ङ ।

षटषष्टिअपराध (गद्य , सं० ०१-४८६ च ।

सन्यासनिर्णय (गद्य)→३५-३८ ई ।

सेवाविधि (गद्य)→३२-८३ डी ।

स्नेहामृत (पद्य)→३५-३८ सी ।

होरी तथा डोल की भावना तथा तदात्मक वर्णन (गद्य)→सं० ०१-४८६ ख ।

हरिराय (पुरी)—आरंभिक नाम भोलाल पुरी ।

जोगरत्न (पद्य)→४१-३२१ ।

हरिलाल—राजपुर ग्राम (ब्रज) के निवासी । सं० १६०१ के पूर्व वर्तमान ।

ब्रजविहारलीला (पद्य)→सं० ०४-४३८ ।

हरिलाल (मिश्र)—आजमगढ़ निवासी बादशाह शाह आलम के आश्रित । सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

रामजी की वंशावली (पद्य)→०६-१३ ।

हरिलाल (व्यास)—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८३७ के लगभग वर्तमान ।

सेवकवानी सटीक रसिकमेदिनी (गद्यपद्य)→०६-११४ ।

हरिलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० कृष्णलीला का दार्शनिक विवेचन ।

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । → ३५-७४ ई ।

हरिलीला सोलहकला (पद्य)—भीम कृत। र० का० सं० १५४१। लि० का० सं० १७२६। वि० श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-२५६।

हरिवंश—उप० घसीटा। बिलग्राम (हरदोई) निवासी। जगदीश के पुत्र। मंसाराम के पिता। प्रसाद के पितामह। सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।→१२-११०।
नखशिख (पद्य)→१२-७१।

हरिवंश—पचवारा (मऊ) निवासी। सं० १८५५ के लगभग वर्तमान।
मनोरंजनमाला (पद्य)→३८-६१।

हरिवंश—(?)
पांडवगीता की टीका (गद्य)→३२-८५ ए।
रामचंद्रबनवास (पद्य)→३२-८५ बी।

हरिवंश —(?)
बारहमासा (पद्य)→सं० ०४-४३६।

हरिवंश—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-५७ (दस)।

हरिवंश→'हरिवंशराय' ('अनंतव्रत कथा' आदि के रचयिता)।

हरिवंश(जैन रचना) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण चरित्र (जिनसेनाचार्य कृत संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→सं० ०४-५०३।

हरिवंश (टंडन)—टंडन खत्री। मुगल दरबार से संबद्ध। पिता का नाम मधनंद या मदनंद। पितामह का नाम छज्जमल। सं० १६०६ के पूर्व वर्तमान।
रसमंजरी (पद्य)→०६-२५० बी; ३८-६२; सं० ०७-२१२।

हरिवंश (द्विज)—(?)
बराटिकाप्रश्न (पद्य)→सं० ०४-४४०।

हरिवंशअली—संभवतः सखी संप्रदायानुयायी
अष्टक (पद्य)→३८-६३।

हरिवंशचौरासी→'चोरासीपद' (हितहरिवंश कृत)

हरिवंशचौरासी टीका (गद्य)—प्रेमदास कृत। र० का० सं० १७६१। लि० का० सं० १६१३। वि० हित हरिवंश कृत 'हरिवंशचौरासी' की टीका।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-२०१ ए (विवरण अप्राप्त)।

हरिवंशचौरासी सटीक (पद्य)—लोकनाथ कृत। लि० का० सं० १८४८। वि० हरिवंश चौरासी की टीका।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२८८ (विवरण अप्राप्त

हरिवंशपुराण (भाषा) (पद्य)—हरिवराय (हरिराय) कृत । वि० जैन हरिवंश[illegible]
का अनुवाद ।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ ।
सं० ०४–४३७ ।

हरिवंशपुराण भाषानुवाद (पद्य)—लाल जी (शाह) कृत । र० का० [illegible]
वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं १८८२ ।
प्रा०—कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । →[illegible]
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२२४ ।

हरिवंशपुराण की भाषा वचनिका (पद्य)—दौलतराम कृत । र० का० सं० १८२९ ;
वि० नेमिनाथ और कृष्ण भगवान की कथा ।
(क) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६० अ ।
(ख) लि० का० सं० १९०१ ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, बाराबंकी ।→२३–८५ बी ।

हरिवंशराय—ब्राह्मण । सं० १८२२ के लगभग वर्तमान ।
अनंतव्रत कथा (गद्य)→२१–१४८ एफ ।
गणपति कृष्ण चतुर्थी व्रत कथा (पद्य)→०६–२६१ बी ।
पंछीचेतावनी (पद्य)→२९–१४८ एफ ।
रसिकविनोद (पद्य)→२६–१७४ ए, बी, सी; २९–१४८ ए, बी, सी ।
वैद्यविनोद (पद्य)→०६–२६१ ए ।
सुनारिनलीला (पद्य)→२९–१४८ डी, ई ।

हरिवंशराय—काशी निवासी । सं० १९२८ के लगभग वर्तमान ।
भगवतगीता (भाषा) (गद्य)→२६–१७५ ए, बी ।

हरिवल्लभ—ब्राह्मण । सं० १७७१ के लगभग वर्तमान ।
भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)→०२–९०; ०६–२६०; ०९–११७, १७–७०; पं० २२–३५ ए, बी; २१–१५० ए, बी, सी, डी; २६–१७३ ए, सी; २६–२४९· २९–१४७ ए, से एफ तक; २९–१४७ एच, आई, जे ।
राधानाममाधुरी (पद्य)→२९–१४७ जी; सं० ०१–४८७ ।
मांगीतदर्पण (पद्य)→०१–६१; २३–१५० ई, एफ; २६–१७३ बी ।

हरिविलास—दामोदर के पुत्र । गोमती तट (लखनऊ) निवासी । सं० १९१९ से १९३१ के लगभग वर्तमान ।
गोविंदविलास (पद्य)→सं० ०१–४८८; सं० ०४–४४१ ।

[illegible] (पद्य) →२३–१७७ ए; २६–१४६ बी, सी ।

[illegible]कर्षण (पद्य) →२६–१७७ सी; २६–१४६ डी ।

हरिविलाससंग्रह (पद्य) →२६–१७७ ई ।

हरिविलास—सं० १६२६ के पूर्व वर्तमान ।

गोविंदभूषण (पद्य) →२३–१६१; २६–१७८ ।

हरिविलाससंग्रह (पद्य)—हरिविलास कृत । र० का० सं० १६१६ । लि० का० सं० १६२७ । वि० [illegible] का प्रेम ।

प्रा०—ठा० [illegible]सिंह, मुबारकपुर, डा० [illegible] (उन्नाव) । →२६–१७७ बी ।

हरिविलासाख्य—'गोविंदविलास' (हरिविलास कृत) ।

हरिव्यास—रूपरसिक और अलिरसिकगोविंद के गुरु । वृंदावन निवासी । सं० १८५७ के पूर्व वर्तमान ।→०६–१२२; ०६–२२२ ।

हरिव्यासदेव—उप० हरिप्रिया । परशुराम के गुरु और श्रीभट्ट के शिष्य । निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव । परमहंस वंशाचार्य के नाम से विख्यात । १६वीं शताब्दी में वर्तमान । →००–७५; १२–१२६ ।

महावानी-अष्टकाल सेवासुख (पद्य) →१२–७४; २३–१६२ ए, बी; ३२–८६ ।

हरिशंकर—सं० १८४८ के पूर्व वर्तमान ।

हरिचरित्र (पद्य) →३८–६० ।

हरिशंकर (द्विज)—ब्राह्मण । राजा बरजोरसिंह के आश्रित । सं० १६५१ के लगभग वर्तमान ।

गणेशजू की कथा (पद्य) →०६–२५८ ।

संकटव्रत कथा (पद्य) →२६–१७२ ।

हरिश्चंद्र—(?)

मिताक्षरा अथवा व्यवहारचंद्रिका (गद्य)→३२–८४ ।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–६४ ई ।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)—जगन्नाथ (जन जगन्नाथ) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१०८ ।

(ख) प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१–१२४ ।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)—बेनीबख्श कृत। र० का० सं० १८३६। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६३१।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, त्रिसवाँ (सीतापुर)।→१२-१७।
(ख) लि० का० सं० १६३१।
प्रा०—श्री गयाप्रसाद, मनौना, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →२६-४२।

हरिश्चंद्रलीला (पद्य)—सुंदरलाल कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा शिवलाल, भीषमपुरा, डा० सासनी (अलीगढ़)।→२६-३१८ बी।

हरिसहचरीविलास (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की दिनचर्या।
प्रा० -- गो० गोवर्द्धनलाल, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३४ जी।

हरिसहाय (गिरि)→'हरिदाससहाय (गिरि)' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

हरिसिंघ—(?)
हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)→सं० ०७-२१३।

हरिसिंघ की चितावनी (पद्य)—हरिसिंघ कृत। लि० का सं० १७४०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२१३।

हरिसेवक (मिश्र)—ओड़छा (बुंदेलखंड) के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं० १८०८ के लगभग वर्तमान।
कामरूप की कथा (पद्य)→०५-६०; ०६-५१ बी।
हनुमानजी की स्तुति (पद्य)→०६-५१ ए।

हरिहरब्रह्म—(?)
शारदास्तोत्र (पद्य)→२६-१६६।

हरीतक्यादिनिघंटु (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१०। वि० निघंटु।
प्रा०—पं० केशवराम, शमशाबाद (आगरा)।→२६-३८१।

हरीदास→'हरिदास (स्वामी)' (निरंजनी पंथ के संस्थापक)।

हरीसिंह—सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नावली (पद्य)→०६-२५६।

हरेकृष्णदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। स्वामी हरिदास के अनुयायी। सं० १८७१ के लगभग वर्तमान।
हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)→२३-१४६।

हरेकृष्णदास की बानी (पद्य)—हरेकृष्णदास कृत। र० का० सं० ११७१। वि० राधाकृष्ण की स्तुति, गुणगान, भक्ति और वृंदावन की शोभा आदि।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-१४६।

हर्षकीर्तिसूरि—जैन साधु। नागपुर निवासी।
योगचिंतामणि (पद्य)→पं० २२-३६।

हर्षविजय—जैन।
रूपसुंदरी की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-३६।

हलधरदास—सं० १६२७ के लगभग वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→०६-१०४; २६-१६३; दि० ३१-३५।

हश्रनामा (पद्य)—इलाहीबख्श (रमजान) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० इसलाम धर्म के फारसी ग्रंथ 'हश्रनामा' का अनुवाद।
प्रा०—मुहम्मद सुलेमानसाहब मुदर्रिस, इस्लामियाँ मकतब, पाईकनगर (प्रतापगढ़)।→२६-१८४ बी।

हसन—सं० १८६० के पूर्व वर्तमान।
शकुनज्योतिष (पद्य)→सं० ०४-४४२।

हसनअली खाँ—संभवतः सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।
दस्तूर शिकार का (गद्य)→सं० ०१-४८६।

हस्तरेखादिलक्षण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामाधार, महवा, डा० बाह (आगरा)।→२६-३८६।

हस्तरेखाविचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→ २६-१२४ (परि० ३)।

हस्तामलक वेदांत (पद्य)—अखयराम कृत। वि० वेदांत ज्ञान।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-४।

हस्तिरुचि—(?)
वंध्याकल्प चौपाई (पद्य)→३५-३६ सी।
वैद्यवल्लभ (गद्य)→३५-३६ ए. बी।
टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये तपागच्छीय रुचि शाखा के यति थे तथा सं० १७२६ के लगभग वर्तमान थे।

हाथी को शालिहोत्र→ शालिहोत्र' (जनार्दन भट्ट कृत)।

हारमाला→'हारसमय' (नरसी मेहता कृत)।

हारसमय (पद्य)—अन्य नाम 'हारमाला'। नरसी (मेहता) कृत। लि० का० सं० १६४४। वि० भक्ति।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११६।

हालीपाव—गोरखनाथ के शिष्य। डा० बड़थ्वाल (योगप्रवाह) के अनुसार कान्हपाव नाम से भेष बदलकर रानी मैनावती के यहाँ भंगी के रूप में रहे। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१-५६; ४१-३२३।

सबदी (पद्य)→सं० १०-१४५।

हिंडोरा (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। लि० का० सं० १८५७। वि० राधाकृष्ण का झूला झूलना।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ एन।

हिंडोरा (पद्य)—ललितकिशोरीदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम वर्णन।

प्रा०—श्री गोपाल जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२-१३४ ए।

हिंडोरा और रेखता→'रेखता' (कबीरदास कृत)।

हिंडोल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री हरिकृष्ण वर्मा, छाता (मथुरा)।→३५-४६ एम।

हिंडोला राधाकृष्ण (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० राधाकृष्ण का हिंडोला झूलना।

प्रा०—श्री छीतरमल, पिथौरा, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ़)।→२६-१०७ एफ।

हिंदीउर्दू-ख्याल-संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२-१६१ बी।

हिंदीमतायलादीनों (पद्य)—खिरदमंदअली कृत। र० का० सं० १८४८। लि० का० सं० १८६४। वि० कुरान की आयतों का अनुवाद और व्याख्या।

प्रा०—बाबू ब्रजरत्नदास, बुलानाला, वाराणसी।→२०-८३।

हिंदूपति—अरवर (प्रतापगढ़) निवासी। राजा पृथ्वीसिंह के भाई। भिखारीदास के आश्रयदाता। सं० १८०३ के लगभग वर्तमान।→०४-२१; २०-१७; पं० २२-२२।

हिंदूपति—पन्ना नरेश। करण भट्ट के आश्रयदाता। सं० १८१५-१८३४ के लगभग वर्तमान।→०४-१५; ०६-५७; १७-६५; २३-२०४।

हिंदूपति—समथर नरेश। नवलसिंह प्रधान के आश्रयदाता। सं० १८७८ के लगभग वर्तमान।→०६-७६।

हिकमत (पोथी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० यूनानी वैद्यक।

प्रा०—वैद्य गुलजारीलाल विशारद, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४५४।

हिकमतयूनानी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० यूनानी वैद्यक।

प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)→२६-१८७।

हिकमतलक्षणावली—शिवराम कृत। वि० वैद्यक।→पं० २२-१०१।

हितअष्टक→'हिताष्टक' (गो० हितचंदलाल कृत)।

हितवल्लभदास—सं० १६६६ के पूर्व वर्तमान।
अनन्यमाल (पद्य)→३८–१५८।

हितउपदेशविलास (पद्य)—रामऔतारदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७-१६३।

हितकल्पतरु (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के गोस्वामी जी की वंशावली।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ एफ।

हितचंदलाल—अन्य नाम चंदहित और चंदलाल। वृंदावन निवासी गोस्वामी। हित हरिवंश के अनुयायी। संभवतः जयपुर नरेश के आश्रित। सं० १८२४-५४ के लगभग वर्तमान।
अभिलाषबत्तीसी (पद्य)→०६–३६ बी; ०६–४३ एफ।
उत्कंठामाधुरी (पद्य)→०६–४३ बी; १२–३५ एफ।
उपसुधानिधि सटीक (पद्य)→०६–३६ ए; १२–३५ ए।
बानी (पद्य)→१२–३५ सी।
भागवतसारपच्चीसी (पद्य)→००–६६; ०६–४३ सी।
भावनापच्चीसी (पद्य)→०६–३६ सी; ०६–४३ जे।
भावनासुबोधिनी (पद्य)→०६–४३ ई।
यमुनाष्टक सटीक (पद्य)→१२–३५ ई।
वृंदावनप्रकाशमाला (पद्य)→०६–४३ ए।
वृंदावनमहिमा (पद्य)→०६–४३ डी।
वृंदावनशतक (पद्य)→१२–३५ बी।
समयपचीसी (पद्य)→०६–३६ डी; ०६–४३ जी।
समयप्रबंध (पद्य)→०६–४३ एच।
स्फुट कवित्त (पद्य)→०६–४३ आई।
हितजी के कृपापात्र (पद्य)→३८–२२ बी।
हिताष्टक (पद्य)→१२–३५ डी; ३८–२२ ए।

हितचरित्र (पद्य)—भगवतमुदित कृत। वि० स्वा० हित हरिवंश और उनके अनुयायियों का वृतांत।
प्रा०—गो० गिरधरलाल, हरदीगंज, झाँसी।→०६–२३ ए।

हितचौरासी की टीका (गद्य)—प्रेमदासि (प्रेमदास) कृत। र० का० सं० १७९१। वि० हित हरिवंश जी कृत हित चौरासी की टीका।
प्रा०—श्री चंद्रभान विद्यार्थी, एम० ए० (हिंदी), लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२२२।

हितचौरासी टीका (पद्य)—मूल रचनाकार हित हरिवंश । टीकाकार अज्ञात । वि० हित हरिवंश कृत चौरासी पदों की टीका ।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–२१४ ।

हितचौरासीधनी→'चौरासीपद या पदी' (हित हरिवंश कृत) ।

हितजी के कृपापात्र (पद्य)—हितचंदलाल कृत । लि० का० सं० १६६८ । वि० हित हरिवंश जी के कृपापात्रों का वर्णन ।
प्रा०—गो० हितरूपलाल जी, अधिकारी, राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →३८-२२ बी ।

हितजी महाराज की बधाई (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत । वि० हित हरिवंश जी की बधाई ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६-३१ एफ ।

हितजू को मंगल (पद्य—चतुर्भुजदास कृत । वि० हित हरिवंश जी की प्रशंसा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१८४ सी (विवरण अप्राप्त) ।

हिततरंगिणी (पद्य)—कृपाराम कृत । र० का० सं० १५६८ (लगभग) । वि० नायिकाभेद ।
(क) लि० का० सं० १६६० ।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–१८० (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–११७ ।

हितदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । भोरी सखी के शिष्य । सं० १८३४ के लगभग वर्तमान ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→१२–७६ सी ।
राधासुधानिधि सटीक (गद्य)→१२–७६ बी; ३८–६६ ।
हितमालिका की टीका (रसिकलता) (गद्यपद्य)→१२–७६ ए ।

हितध्रुवदास→'ध्रुवदास' (हित हरिवंश जी के शिष्य) ।

हितपंचक (पद्य)—हितप्रसाद कृत । हित हरिवंश जी की महिमा ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–७७ ।

हितप्रसाद—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव ।
हितपंचक (पद्य)→१२–७७ ।

हितभजनदास—राधावल्लभी संप्रदाय के श्री चेतनदास के शिष्य । सं० १८७६ के पूर्व वर्तमान ।
हितभजनदास की बानी (पद्य)→४१–१७१ ।

हितभजनदास की बानी (पद्य)—हितभजनदास कृत । लि० का० सं० १८७५ । वि० राधाकृष्ण का प्रेमविहार ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-१७१ ।

हितमकरंद—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । सं० १८१८ में वर्तमान ।

मकरंदबानी (पद्य)→४१-१८० ।

हितमालिका की टीका (रसिकलता) (गद्यपद्य)- हितदास कृत । लि० का० सं० १९९३ । वि० राधावल्लभ संप्रदाय के भक्तों की नामावली ।

प्रा०—फौजदार मदनगोपाल शर्मा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-७६ ए ।

हितराम→'फतेहसिंह' ('हरिभक्तिसिद्धांत-समुद्र' के रचयिता) ।

हितरूपचरितावली (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० गो० रूपलाल की जीवनी ।

प्रा०—फौजदार मदनगोपाल शर्मा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१९६ यू ।

हितरूपलाल (रूपहित)—वास्तविक नाम रूपलाल गोस्वामी । जन्मकाल सं० १७३८ । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । वृंदावन निवासी । गो० हरिलाल के शिष्य । हित वृंदावनदास चाचा के गुरु । स्वा० हित हरिवंश की छठीं पीढ़ी में वर्तमान ।→१२-१९६ ।

गूढ़ध्यान (पद्य)→१२-१५८ डी ।

छद्मलीला (पद्य)→३८-१२९ बी ।

नित्यविहार-युगलध्यान (पद्य)→१२-१५८ जी ।

पद सिद्धांत के (पद्य)→१२-१५८ बी ।

प्रियाध्यान (पद्य)→१२-१५८ ई ।

बानीविलास (पद्य)→१२-१५८ जे ।

मानशिक्षाबत्तीसी (पद्य)→१५८ सी ।

मानसिकसेवा (पद्य)→१२-१५८ ए ।

रसरत्नाकर (पद्य)→१२-१५८ आई ।

वृंदावनरहस्य (पद्य)→१२-१५८ एफ ।

समयप्रबंध (पद्य)→३८-१२९ ए ।

सिद्धांतसार (पद्य)→१२-१५८ एच ।

हितरूपस्वामिनी-अष्टक (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधा की स्तुति ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-२५७ क ।

हितललित—उप० दीन । हितकीरति के पुत्र । हित हरिवंश के अनुयायी ।

हिताष्टक (पद्य)→३८-८९ ।

हितवृंदावनदास (चाचा)—गौड़ ब्राह्मण । पुष्कर निवासी । हित हरिवंश के अनुयायी । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । जन्म सं० १७६५ या १७७० । गो० हित रूपलाल के शिष्य । कुछ समय तक नागरीदास जी के भाई बहादुरसिंह की

(कृष्णगढ़ नरेश के आश्रित। जनश्रुति के अनुसार ये १ लाख पदों के रचयिता है जिनमें लगभग २० हजार पद प्राप्त हैं। रचनाकाल सं० १८००-१८४४ तक।

आनंदवर्द्धनबेलि (पद्य)→१७-३४ डी।
आभास प्रथपद को तथा पद (गद्यपद्य)→४१-२५७ क।
इष्टभजनपच्चीसी (पद्य)→१७-३४ एच।
करुणाबेलि (पद्य)→१२-१६६ एच।
कलिप्रतापबेलि (पद्य)→४१-२५७ ख।
कृपाअभिलाषबेलि (पद्य)→४१-२५७ झ।
ख्यालविनोद (पद्य)→१२-१६६ क्यू।
गुरुमहिमाप्रतापबेलि (पद्य)→२६-५८ बी।
छद्मषोडसी (पद्य)→१२-१६६ ओ, एस; ४१-५६३ क (अप्र०)।
छप्पय नाभादास कृत श्री हरिवंशजी के टीका (पद्य)→१७-३४ एम।
जगनिर्वेदपच्चीसी (पद्य)→१७-३४ आई।
जमुनाप्रतापबेलि (पद्य)→०६-२५० सी।
दीक्षामंगल (पद्य)→३२-२३२ बी।
नीतिकुंडलिया (पद्य)→४१-२५७ ग।
नौमसमय-प्रबंध-शृंखला-पच्चीसी (पद्य)→१७-३४ ई।
पद (पद्य)→१७-३४ एन; ३२-२३२ डी, ई।
पदसंग्रह (पद्य)→३२-२३२ एफ, जी; ४१-२५७ ज।
पदावली (पद्य)→३२-२३२ एन, आई, जे।
प्रार्थनापच्चीसी (पद्य)→१७-३४ जे।
भँवरगीत (पद्य)→१२-१६६ आई।
भक्तसुजसबेलि (पद्य)→१२-१६६ जी।
भजनउपदेशबेलि (पद्य)→३२-२३२ ए।
भावविलास (पद्य)→०६-३३१ सी।
मंगलविनोदबेलि (पद्य)→२६-५८ ए; ४१-५६३ ख (अप्र०)।
मनचितावनीबेलि (पद्य)→४१-२५७ च।
मनप्रबोधबेलि (पद्य)→४१-२५७ ङ।
माखनचोरलहरी (पद्य)→०६-२५० डी।
युगलप्रीति-प्रकाश-पच्चीसी (पद्य)→१७-३४ बी।
रसिकअनन्य (पद्य)→१२-१६६ पी, ३२-२३२ एल।
रसिकयश-वर्द्धनबेलि (पद्य)→१७-३४ ए।
राधाजन्मोत्सव के कवित्त (पद्य)→३२-२३२ के।
राधाजन्मोत्सवबेलि (पद्य)→१७-३४ के।
राधाबालविनोद (पद्य)→१२-१६६ बी।

रासउत्साह-वर्द्धनवेलि (पद्य)→१७-३४ जी ।
लाड़सागर (पद्य)→१२-१६६ एल ।
लाड़िलीजी की जन्मबधाई (पद्य)→१२-१६६ ई ।
लीला (पद्य)→१२-१६६ जे ।
विमुखउद्धारनवेलि (पद्य)→४१-२५७ घ ।
विवाहप्रकरण (पद्य)→०६-२५० बी ।
विवेकलक्षणबेलि (पद्य)→३२-२३२ ओ ।
वृंदावनजी की बानी (पद्य)→३२ २३२ पी ।
वृषभानुसुयशपच्चीसी (पद्य)→१७-३४ एल ।
व्रजप्रेमानंदसागर (पद्य)→१२-१६६ डी ।
व्रजविनोदवेलि (पद्य)→१२-१६६ टी ।
संतों की बाणी (पद्य)→३२- ३२ एन ।
समयप्रबंध (पद्य)→१२-१६६ ए ।
समयप्रबंध (पद्य)→१२-१६६ सी ।
समयप्रबंध (पद्य)→१२-१६६ एम ।
समाज के पद (पद्य)→३२-२३२ एम ।
सुघरसुनारी लीला (पद्य)→३८-१६४ ए ।
सेवकजी की भक्ति परिचावली (पद्य)→१२-१६६ वी ।
सेवकजी की विरदावली (पद्य)→१२-१६६ एन ।
सेवकबानी फलस्तुति (पद्य)→०६-३३१ डी ।
श्रीकृष्णविवाह-उत्कंठावेलि (पद्य)→१७-३४ एफ ।
श्रीकृष्णसुमिरन-पच्चीसी (पद्य)→१७-३४ सी ।
हरिकलावेलि (पद्य)→१२-१६६ के ।
हरिनामवेलि (पद्य)→०६-२५० ए ।
हरिनाममहिमावली (पद्य)→०६-३३१ ए ।
हितकल्पतरु (पद्य)→१२-१६६ एफ ।
हितरूपचरितावली (पद्य)→१२-१६६ यू ।
हितरूपस्वामिनीअष्टक (पद्य)→४१-२५७ ङ ।
हितहरिवंशचंद्रजू को सहस्रनामावली (पद्य)→०६-३३१ बी ।
हिताष्टक (पद्य)→१२-१६६ आर ।
होरीधमारि (पद्य)→३२-२३२ सी ।
हितशृंगार लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण की रासलीला ।
(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६-७३ टी ।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-१७४ क ।
हितसेवक→'सेवकहित' (राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी) ।

हितहरिलाल—हितहरिवंश के पुत्र। ध्रुवदास के गुरु। सं० १६८७ के लगभग वर्तमान।→०६–१५६।

हितहरिवंश (स्वामी)—गौड़ ब्राह्मण। पिता का नाम केशवदास मिश्र। माता का नाम तारावती। वृंदावन निवासी। राधा वल्लभी संप्रदाय के संस्थापक। जन्म सं० १५५६। संस्कृत और हिंदी के अच्छे विद्वान। कृष्णचंद्र (कृष्णदास) के पिता। ध्रुवदास, व्यास जी, देवचंद्र और चतुर्भुजदास के गुरु। सं० १६४० के लगभग वर्तमान। 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत। → ०२–५७ (सत्ताईस); ०६–१४८; १२–६५; २०–२०६; २३–८८; दि० ३१–२६।

चौरासीपद (पद्य)→०६–१७४; २३–१६८ ए, बी, सी; २६–१७६ ए, बी; २६–१५५ ए, बी, सी; सं० ०४–४४३ क।

फुटकरबानी (पद्य)→०६–१२०; सं० ०४–४४३ ख।

टि० खो० वि० सं० ०७–२१४ में 'चौरासीपद' ग्रंथ 'हितचौरासी टीका' नाम से सटीक प्राप्त हुआ है।

हितहरिवंश की जन्मबधाई (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का० सं० १८३३। वि० श्री हरिवंश जी के जन्मोत्सव की बधाई।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०४ ए (विवरण अप्राप्त)।

हितहरिवंशचंद्रजू को सहस्रनामावली (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१५। लि० का० सं० १६५४। वि० श्री हरिवंश जी के हजार नाम और उनकी वंदना।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, हरदीगंज, झाँसी।→०६–३३१ बी।

हितहरिवंश राजस और मंगल आदि (पद्य)—सेवकहित (हितसेवक) कृत। वि० हितहरिवंश जी का यश वर्णन।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। → सं० ०४–४२४।

हितहीरासखी—हितमहाप्रभु के अनुयायी। वृंदावन निवासी।

अनुभवरसअष्टयाम यथा चतुर्अष्टयाम (पद्य)→३८–६५ ए, बी।

हितामृतलतिका (पद्य)—रामलाल (राम कवि) कृत। वि० हितोपदेश की कथाएँ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१५६ बी।

हिताष्टक (पद्य)—चतुरशिरोमणिलाल कृत। वि० हितहरिवंश की प्रशंसा।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–४१।

हिताष्टक (पद्य)—रामनारायण कृत। लि० का० सं० १८७७। वि० हितहरिवंश जी की वंदना।

प्रा०—पं० हृदयराम, अगरवारा, डा० छाता (मथुरा)।→३८–१२१।

हिताष्टक (पद्य)—विष्णुसखी कृत। वि० हितहरिवंश जी की वंदना।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६४।

हिताष्टक (पद्य)—हितचंदलाल कृत । वि० हित हरिवंश जी की महिमा का गुणगान ।

(क) लि० का० सं० १६६८ ।

प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी, राधावल्लभ का मंदिर, मथुरा । →
३८-२२ ए ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-३५ डी ।

हिताष्टक (पद्य)—हितललित (दीन) कृत । वि० हितहरिवंश की वंदना ।

प्रा०—पं० हृदयराम, अगरवाला, डा० छाता (मथुरा) ।→३८-८६ ।

हिताष्टक (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० हितहरिवंश जी की प्रशंसा ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →
१२-१६६ आर ।

हिताष्टक→'अष्टक' (नागरीदास कृत) ।

हितोपदेश (पद्य)—चंदन कृत । र० का० सं० १५६३ । वि० 'हितोपदेश' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६६५ ।

प्रा०—कविरत्न सत्यनारायण शर्मा, आगरा ।→१७-३६ ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—ठा० शिवरत्नसिंह, शालिपुर, डा० बालपुर (गोंडा) ।→२०-२८ ।

हितोपदेश (गद्य)—देवीचंद कृत । लि० का० सं० १८५४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना ।→०६-६७ ।

हितोपदेश (पद्य)—नारायण (भट्ट) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८१८ ।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-३२२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह, लखदपुर (बहराइच) ।→२३-२६७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—श्री ब्रजमोहनलाल साहब, प्रतापगढ़ ।→२६-३२२ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—पं० ज्योतिस्वरूप, मंदिर स्वर्गद्वार, अयोध्या ।→२०-११५ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→
२३-२६७ बी ।

(च) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→
२३-२६७ सी ।

(छ) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—श्री संकटाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर) ।→२६-३२२ बी ।

(ञ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४-६०।

(झ) प्रा०—पं० शिवनंदन त्रिवेदी,जमींदार,असनी (फतेहपुर) ।→२०-११५ बी।

हितोपदेश (पद्य)—पदुमनदास कृत। र० का० सं० १७३८। लि० का० सं० १८७४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया) ।→२६-११६।

हितोपदेश (पद्य)—प्रयागदास कृत। र० का० सं० १८८७ (?)। लि० का० सं० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३ ६६।

हितोपदेश (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६८। वि० संस्कृत 'हितोपदेश' का अनुवाद।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-४३७।

हितोपदेश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य मुराऊ, अलीका ताल, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६-१२५ (परि० ३)।

हितोपदेश→'मित्रमनोहर' (वंशीधर प्रधान कृत)।

हितोपदेश→'हितामृतलतिका' (रामलाल कृत)।

हितोपदेश (भाषा) (पद्य)—कोविद कृत। लि० का० सं० १८९७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६२ बी।

हितोपदेशउपखाण (उपाख्यान) बावनी→'कुंडलिया' (अग्रदास कृत)।

हितोपदेश की कथा (पद्य)—जयसिंहदास कृत। र० का० सं० १७८२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-७८।

हितोपदेश टीका (सुहृदभेद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०२। वि० राजनीति।

प्रा०—श्री महादेवसिंह, रजनपुर (गंगासिंह का पुरवा), डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-५०४।

हिदायतनामा (पद्य)—कलक्टर ? (आगरा) कृत। र० का० सं० १९०६। लि० का० सं० १९०६। वि० कानून।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, गोकुलपुरा, आगरा।→३२-४६।

हिमवंत—सं० १८८१ के पूर्व वर्तमान।

स्तुति (हिमवंतजी की) (पद्य)→२३-१६५।

हिम्मत खाँ—बादशाह औरंगजेब के मंत्री खाँजहाँ के पुत्र। बलवीर और श्रीपति भट्ट के आश्रयदाता। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।→०१-८२; ०२-२८; ०६-२३८।

हिम्मतप्रकाश (पद्य)—श्रीपति (भट्ट)कृत । र० का० सं० १७११ । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद अध्यापक, कोटला (आगरा) ।→२६-३१७ ।
(ख) लि० का० सं० १९०५ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-२३८ (विवरण अप्राप्त) ।

हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि—उप० रंग । वास्तविक नाम गोसाईं अनूपगिरि । रजधान (कानपुर के सिकंदरा और फतेहपुर के खजुहा परगने) के गोसाईं । नवाब शुजाउद्दौला के जागीरदार । पद्माकर और ठाकुर आदि कवियों के आश्रयदाता । सं० १८७४ में वर्तमान ।→०५-३२; २६-३३८ ।
रसरंग (पद्य)→सं० ०१-२४६ ।

हिम्मतबहादुरबिरदावली (पद्य)—पद्माकर कृत । वि० हिम्मतबहादुर की प्रशंसा ।
(क) लि० का० सं० १९०६ ।
प्रा०—श्री गुमानसिंह अध्यापक, सूपा, बुंदेलखंड, डा० कुलपहाड़ (हमीरपुर) ।→२६-३३८ बी ।
(ख) प्रा०—लाला भगवानदीन, हाई स्कूल, छतरपुर ।→०५-४२ ।

हिम्मतसिंह—कायस्थ । बुंदेलखंड निवासी । सं० १७७४ के लगभग वर्तमान ।
दफ्तरनामा (पद्य)→०६-५२ ।

हिम्मतसिंह—सं० १८२५ के लगभग वर्तमान ।
गंगाप्रबोध गीता (पद्य)→सं० ०१-४९० ।

हिम्मतसिंह→'महीपति' ('कविकुलतिलकप्रकाश' के रचयिता) ।

हिम्मतसिंह (राजा)—अमेठी के राजा । सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता । सं० १७५५ के लगभग वर्तमान ।→०३-१२३; २०-१८७; दि० ३१-८० ।

हिम्मतसिंहदेव (महेंद्र)—अमेठी के राजा (?) । अमृत कवि के आश्रयदाता । सं० १८३३ के लगभग वर्तमान ।→१७-६ ।

हियहुलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० संगीत ।
प्रा०—श्री राममनोहर बिचपुरिया 'सम्राट', पुरानीबस्ती, कटनी (जबलपुर) ।→२६-३८८ ।

हियहुलास रागमाला-काव्य (पद्य)—लाल (कवि) कृत । र० का० सं० १८७० । वि० संगीत ।
प्रा० डा० चंद्रभानसिंह, रतसंड (बलिया) । वर्तमान पता-व्यवस्थापक,भारती प्रेस, बलिया ।→४१-२४३ ख ।
टि० प्रस्तुत पुस्तक 'सभाविलास' का एक अंश है ।

हिरण्यकश्यपबध→'प्रह्लादचरित्र' (सहजराम कृत) ।

हिरदैराम→'हृदयराम' ('धर्मचरित्र' के रचयिता) ।

हिसाब (गद्यपद्य)—गुलाबराय कृत । र० का० सं० १६०८ । लि० सं० का० १६०८ ।
विo गणित तथा अन्य स्फुट विषय ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-१३८ ।

हिसाब (पद्य)—हरिप्रसाद कृत । वि० गणित ।
प्रा०—लाला मुरलीधर, सुपरिंटेंडेंट (जागीरदारी), टीकमगढ़ ।→०६-५० ।

हीरामनि—कान्यकुब्ज दीक्षित ब्राह्मण । सेनापति के गुरु । सं० १७०६ के पूर्व वर्तमान ।
→०६-२८७ ।
एकादशीमाहात्म्य (पद्य)→२३-१६७ ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→२६-१५४ ।

हीरालाल—हेमराज के पुत्र । दलपतिराय के पौत्र । सं० १७०४ के लगभग वर्तमान ।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→०५-६४ ।

हीरालाल (जैन)—हस्तिनापुर के पश्चिम में स्थित पुरवडौत निवासी । जाति के अग्रवाल वैश्य । गुरु का नाम ठंढीराम ।
चंद्रप्रभुपुराण (भाषा) (पद्य)→सं० १०-१४७ ।

हीरालाल (लाला)—(?)
वनिकप्रिया (पद्य)→सं० ०१-४६१ ।

हीरालाल (वैश्य)—हलवाई । डोड़वा (कानपुर) निवासी । रामप्रसाद के पुत्र । सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।
औषधिसंग्रह (गद्य)→२३-१६६ ए ।
मदनसुधाकर (गद्यपद्य)→३२-८८ ।
रसमंजरी (गद्यपद्य)→२३-१६६ बी ।
वैद्यकगुटिका (गद्य)→२३-१६६ ई ।
वैद्यकरत्नसार (पद्य)→२३-१६६ जी ।
वैद्यकसार (गद्य)→२३-१६६ एच ।
शारंगधर (भाषा) (गद्यपद्य)→२३-१६६ डी, एफ ।
संग्रह (गद्य)→२३-६६ सी ।
सर्वसंग्रह (गद्य)→२६-१५३ ए, बी ।

हुकुमनामा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—महंत श्री राजकिशोर जी, रतसंड (बलिया) ।→४१-२६३ ठ ।

हुकुमराज—धामी संप्रदाय के अनुयायी । प्राणनाथ के शिष्य । १७वीं शताब्दी में वर्तमान ।
प्रभाती (पद्य)→२६-१८१ ।

हुक्कासुराहिया (पद्य)—अवधूतसिंह कृत । र० का० सं० १८४४ । लि० का० सं० १८४४ । वि० हुक्के की प्रशंसा ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-११ ए।

हुलास (पाठक)—(?)

वैद्यविलास (गद्यपद्य)→२६-१८१ बी; २६-१५६।

शालिहोत्र (पद्य)→२६-१८३ ए; सं० ०१-४६२।

हुलास (मिश्र)—शाकद्वीपी ब्राह्मण। रामनगर धमेड़ी (बाराबंकी) निवासी। राजा गुरुबक्ससिंह के आश्रित। सं० १८०० के लगभग वर्तमान।

बुद्धिप्रकाश (पद्य)→२३-१७० ए।

हुलास के अष्टक (पद्य)→२३-१७० बी।

हुलास के अष्टक (पद्य)—हुलास (मिश्र) कृत। वि० बाबा हरदेवलाल की स्तुति।

प्रा०—पं० मथुराप्रसाद मिश्र, रामनगर धमेड़ी, बाराबंकी।→२३-१७० बी।

हुलासदास—सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।

गणेश कथा (पद्य)→सं० ०१-४६३।

हुलासराय (वैद्य)—आगरा निवासी। सं० १६२० के लगभग वर्तमान।

स्वप्नपरीक्षा (गद्य)→२६-१८२।

हुलासलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →१२-१५४ ई।

हुसेनअली—उप० सदानंद। सैयद मुसलमान। गुरु का नाम केशवलाल (कनौ निवासी)। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।

पुहुपावती (पद्य)→सं० ०७-२१५।

हुसेनशाह—सहसराम (बिहार) के शासक। शेरशाह सूर के पिता। कुतबन के आश्रयदाता। सं० १५६६ के लगभग वर्तमान।→००-४।

हुस्नचमन (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। र० का० सं० १८७०। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-७१।

हृदयदास (स्वामी)—(?)

धर्मसंवाद वा धर्मसमाधि (पद्य)→३२-८६।

हृदयप्रकाश (पद्य)—रामसनेहीदास कृत। लि० का० सं० १६३८। वि० रामभक्ति।

प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला, रायबरेली।→सं० ०४-१४०।

हृदयप्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७०६। वि० सृष्टि निरूपण तथा आत्मज्ञान।

प्रा०—बाबू राममनोहर विचपुरिया पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६-१२६ (परि० ३)।

हृदयमानसीपूजा→'अष्टयामसेवा-विधि' (रामचरणदास कृत)।

हृदयराम—उप० राम कवि। पंजाब निवासी। कृष्णदास के पुत्र। सं० १६८० के लगभग वर्तमान।
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→पं० २२-४१ बी।
हनुमाननाटक (पद्य)→०४-१७; ०६-११६; ०६-२४३; पं० २२-४१ ए; २३-१६६; २६-१८०।

हृदयराम—सं० १६६० के लगभग वर्तमान।
धर्मचरित्र (पद्य)→४१-३२४।
बलिचरित्र (पद्य)→१२-७५।

हृदयराम—(?)
चित्रकूटविलास (पद्य)→सं० ०४-४४४।

हृदयविनोद→'कविहृदयविनोद' (ग्वाल कवि कृत)।

हृदयशाह (महाराजकुँवर दीवान)—महाराज छत्रसाल के पुत्र हृदयशाह से भिन्न कोई राजा। खरगराय के आश्रयदाता। सं० १७६५ के लगभग वर्तमान। → १२-६२।

हृदयसर्वस्व (पद्य)— रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण का प्रेम और भक्ति।
प्रा०—श्री श्यामसुंदर अग्रवाल एम० ए०, मुंसिफ महावन, नगरपालिका के कार्यालय के पास, मथुरा।→३५-१७५।

हृदयसाहि (सिंह)—पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के पुत्र। कुँवर मेदिनीमल्ल जू देव के पिता। राज्यकाल सं० १७८९-१७९६। हरिकेश द्विज, हंसराज बख्शी और रामकृष्ण के आश्रयदाता।→०५-६६; ०६-४५; ०६-४६; ०६-२४८।

हेम—राजस्थान निवासी। संभवतः गुरु का नाम गुणचंद।
श्रीचूनरी (पद्य)→३८-६४।

हेमनाथ—सं० १८७५ के पूर्व वर्तमान।
महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)→सं० ००४-४६५।

हेमरतन—राजस्थान (मेवाड़ ?) के निवासी। पद्मराज वाचक के शिष्य। सं० १६४५ के लगभग वर्तमान।
गोराबादल पद्मिनी चौपाई (पद्य)→सं० ०१-४६४।

हेमराज—रूपनगर (?) निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।
बैनबत्तीसी (पद्य)→सं० ०१-४६५।

हेमराज (जैन)—वीरपुर या वीरनपुर (आगरा ?) नगर निवासी। रूपचंद के शिष्य। सं० १७४२ के लगभग वर्तमान।
कर्मकांड (गद्य)→३२-८७ बी।
नयचक्रमूल टीका (गद्य)→सं० ०७-२१६ क।

पंचास्तिकाय (गद्य)→१७–७५; सं० १०–१४८।

प्रवचनसार सिद्धांत की बालविबोध टीका (गद्य)→सं० ०७–११६ ख।

भक्तामरस्तोत्र (भाषा (पद्य)→००–१०८; पं० २२–४०; २६–१७८; ३२–८७ ए; ४१–३६६ क, ख; सं० ०७–२१६ ग; सं० १०–१४६ क, ख; सं० १०–१७१।

रोहिणीव्रत की कथा (पद्य)→२३–१६४।

सुगंधदसमीव्रत कथा (पद्य)→३२–२२६।

हैदर—दिल्ली निवासी मुसलमान।

कासिदनामा (पद्य)→२६–१६२ ए, बी; २६–१३६ ए, बी।

होरा या शकुनगमन (गद्य)—केशवप्रसाद (दुवे) कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—ठा० खंजनसिंह, सिकंदराराऊ (अलीगढ़)।→२६–१६३ बी।

होरी (पद्य)—प्रेमसखी कृत। वि० होली संग्रह।

(क) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१३७ ए।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—लाला माताप्रसाद, सम्हन, तहसील मेजा (इलाहाबाद)।→२०–१३४ ए।

होरी (पद्य)—मोतीसखि कृत। लि० का० सं० १८८२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–३०८।

होरी (पद्य)—रूपसखी कृत। वि० राम और सीता की होली।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३२२ (विवरण अप्राप्त) (प्रस्तुत पुस्तक की एक प्रति इसी पुस्तकालय में और है)।

(ख) प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०–१६८।

होरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० होली के गीतों का संग्रह।

प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत कोठीवाल, बसुआपुर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)। →२६–१२७ (परि० ३)।

होरी→'होलिकाविनोद दीपिका' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।

होरी आदि का छंद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० कृष्ण और गोपियों की होली।

प्रा०—पं० सोहनपाल, द्वारा पं० लक्ष्मीनारायण, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)। →३८–५५ सी।

होरी के पद (पद्य)—विभिन्न कवि कृत। वि० कृष्णभक्ति विषयक होरी।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१–४७० (अप्र०)।

होरीछंदादिप्रबंध→ होरी' (प्रेमसखी कृत)।

होरी ज्ञान की (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८८८। वि० होरी के माध्यम से निर्गुण ज्ञान।

(क) लि० का० सं० १९२७।

प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० बेहड़ा (बहराइच)।→२६-११६ ई।

(ख) लि० का० सं० १९३०।

प्रा० - बाबा रामगिरि महंत, केशोपुरा, डा० तंबौर (सीतापुर)। → २६-११६ एफ।

(ग) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा)।→२६-६७ए।

होरी तथा डोल की भावना तथा तदात्मक वर्णन (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० डोलोत्सव वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४८६ ग।

होरीधमारि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० ब्रज में राधा की होरी। (इसमें कृष्णदास, कुंजलाल, कमलनैन, अचलदास, हरिदास, राघवदास, किशोरीलाल, रूपलाल और हितहरिलाल भी संगृहीत हैं)।

प्रा०—श्री प्रेमबिहारी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→ ३२-२३२ सी।

होलिकाविनोद-दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० श्री रामचंद्र जी का होली खेलना।

(क) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ जी।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३१७ (विवरण अप्राप्त)।

होली (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।→ सं० ०४-२०५ ज।

होली उषादि (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० ऊषा, रुक्मिणी, गजग्राह और द्रौपदी की कथा एवं होली वर्णन।

प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, फूलपुर, डा० भरथना (इटावा)।→३८-१०८ बी।

होलीगजल आदि (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—डा० महिपालसिंह, फरहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-१६६ जी।

होलीसंग्रह (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६३०। वि० राधाकृष्ण भक्ति।

प्रा०—ठा० हरविलाससिंह, रानीपुर, डा० जैथरा (एटा)।→२६-१०१ ए।

होलीसंग्रह (पद्य)—जगन्नाथ (जन) कृत। र० का० सं० १७७५। लि० का० सं० १८८५। वि० नाम मे स्पष्ट।

प्रा०—ठा० सूरतसिंह, शिवरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-१६४ ए।

होलीसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, गंगा जी का मंदिर, खुरजा।→१७-२६ (परि० ३)।

होलीसंग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० होली के गीत।

प्रा०—पं० बाबूराम अध्यापक, रामनगर, डा० अवागढ़ (एटा)।→२६-३८६।

परिशिष्ट

परिशिष्ट १

आइ ऐम अनेबुल टु एग्री विद दोज हू कंसिडर दैट द रिपोर्ट्स इन देयर प्रेजेंट फार्म आर वैल्यूलेस. आन द कांट्रेरी, आइ थिंक दैट दे हैव वेरी कंसिडरेबुल वैल्यू ऐज वर्क्स आव रेफरेंस, ऐंड आइ हैव आफेन यूज्ड देम माइसेल्फ ऐंड डेराइव्ड एसिस्टेंस फ्राम देम.

आइ कंसिडर, हाउएवर, दैट दे आर केपेबुल आव इंप्रूवमेंट ऐज टु देअर कंटेंट्स ऐंड बुड, इन रिगार्ड टु दिस प्वाइंट सजेस्ट दैट द लेट डाक्टर राजेंद्रलाल मित्राज नोटिसेज आव संस्कृत मैन्युस्क्रिप्ट्स पब्लिश्ड बाइ द गवर्नमेंट आव बेंगाल, कुड वेल बी टेकेन ऐज ए माडेल. ऐज इट इज, द हिंदी नोटिसेज फालो द फार्म आव दिस वेरी क्लोजली, एक्सेप्ट इन वन मोस्ट इंपार्टेंट पर्टिक्युलर. ए डेस्क्रिप्शन आव ए बुक इज आव लिट्ल वैल्यू टु स्टुडेंट्स अनलेस (बिसाइड्स द इनफर्मेशन गिवेन इन द रिपोर्ट्स) प्रेटीफुल इनफर्मेशन इज गिवेन ऐज टु इट्स कंटेंट्स. आन दिस प्वाइंट द हिंदी नोटिसेज आलटुगेदर फेल. मिअरली ए फिउ वर्ड्स आर गिवेन अंडर ईच हेड एफोर्डिंग ए सुपरफिशल ऐंड जेनेरल विउ आव द सब्जेक्ट. ह्वाट इज वांटेड इज ऐन आर्डर्ड समरी आव द कंटेंट्स आव ईच मैन्युस्क्रिप्ट. आव कोर्स दिस वुड नाट बी नेसेसरी इन द केस आव वेल नोन वर्क्स ह्विच हैव बीन फ्रिक्वेंट्ली प्रिंटेड, बट मोस्ट आव द वर्क्स डिस्क्राइब्ड इन दिस रिपोर्ट एग्जिस्ट ओनली इन मैन्युस्क्रिप्ट्स ऐंड सच डेस्क्रिप्शन ऐज द स्पोर्ट्स आव राधा ऐंड कृष्ण' (पेजेज १३०,१३१) 'लाडेशन आव भक्ति' (पेज १५५) आर 'द इनफर्मेशंस आव ईश्वर ऐंड लाडेशन आव हिज नेम' (पेज १५५) आर मैनिफेस्टली इंसफिशेंट. दीज एग्जांपुल्स आर टिपिकल आव द होल रिपोर्ट. आन पेजेज १३०,१३१ थ्री डिफरेंट वर्क्स बाइ द सेम आथर आर डेस्क्राइब्ड इन एग्जैक्टली द सेम वर्ड्स (फोर इन ईच केस) बट इट स्टैंड्स टु रीजन दैट देअर कंटेंट्स मस्ट हैव बीन डिफरेंट. ऐज आइ हैव नाट सीन देम, आइ कैनाट टेल ह्वाट द एकाउंट आव ईच शुड कंटेन, बट इट माइट बी समथिंग आव दिस काइंड वी वी. (आर पी पी.) ए-बी सच, वी वी. (आर पी पी.) सी-डी सच ऐंड सच, वी वी. (आर पी-पी.) ई-एफ सच ऐंड सच, ऐंड सो आन.

टु मेक माइ मीनिंग क्लियर आइ मे गिव ऐन इमैजिनरी एकाउंट आव द कंटेंट्स आव ऐन इमेजिनरी वर्क आन राधा ऐंड कृष्ण: वी वी. (आर पी पी.) १-१०

इनवोकेशन टु गणेश, प्रेज आव विष्णु, एकाउंट आव द ओरिजिन आव द कृष्ण इनकारनेशन; वी वी. (आर पी पी.) ११–१५ आथर्स एकाउंट आव हिमसेल्फ ऐंड आव हिज पैट्रन (गिविंग एनी डेट्स ऐंड नेम्स ऐवेलेबुल); वी वी. (आर पी पी.) १६–२१. कृष्ण वांडरिंग इन द फारेस्ट; वी वी. (आर पी पी.) २२–५० द मीटिंग विद राधा; वी वी. (आर पी पी.) ५१–१०० डेस्क्रिप्शन आव राधाज ब्यूटी; वी वी. (आर पी पी.) १०१–१५० कृष्ण लीव्स राधा; हर डिस्पेयर; वी वी. (आर पी पी.) १५१–२०० एराइवल आव उद्धव विद ए मेसेज फ्राम कृष्ण, एंड सो आन.

इन ए वर्क डीलिंग विद द 'लाडेशन आव भक्ति' इट आट टु बी पासिबुल टु गिव ऐन ऐकाउंट आव द जेनेरल विल्ड आव द वर्क, ऐंड आव द लाइंस एलौंग ह्विच द लाडेशन प्रोसीड्स; ऐंड इन ऐन एकाउंट आव ईश्वराज इनकारनेशंस ऐंड लाडेशन आव हिज नेम, वी माइट ऐट लीस्ट बी टोल्ड ह्वाट इनकारनेशंस आर डेस्क्राइब्ड ऐंड ह्वाट स्पेस आउट आव द होल इज डिवोटेड टु द लाडेशन. अगेन मेनी बुक्स आर मियरली डेस्क्राइब्ड ऐज 'नख शिखाज,' आर कैटेलाग्स आव फीमेल चार्म्स. देयर आर हंड्रेड्स आव दीज नखशिखाज, सम गुड ऐंड सम बैड, ऐंड आल डिफरेंट. मियरली टु नेम द वर्क ऐज ए नखशिख इज नाट सफिशयेंट. वी शुड बी गिवेन सम ऐकाउंट आव द प्रिंसिपुल्स आन ह्विच द कैटेलागिंग इज डन. इवेन ऐन ऐंथालाजी ऑर ए कलेक्शन आव सानेट्स बाइ वन आथर, आर द लाइक, इज बेस्ड आन सम सिस्टम ऐंड ए लिस्ट कुड बी गिवेन आव द वैरियस ग्रुप्स आव पोएम्स. इन द केस आव ऐन ऐंथालाजी, ए लिस्ट आव द नेम्स आव द आथर्स हूज पोएम्स आर कोटेड, इज आल इंपार्टेंट. इफ वी नो द डेट आव ऐन ऐंथालाजी ऐंड दैट ए सर्टेन आथर इज कोटेड इन इट, वी हैव ए '*टर्मिनस ऐड क्वेम*' ह्विच मे बी मोस्ट यूसफुल इन फिक्सिंग हिज डेट.

फार नैरेटिव वर्क, एस्पेशली दोज ह्विच आर हिस्टारिकल, और सेमी-हिस्टारिकल, सच ऐज द इंटरेस्टिंग मैन्युस्क्रिप्ट मेंशंड ऐज नंबर ६० आन पेज १३ द वैल्यू आव ऐन ऐबस्ट्रैक्ट आव द कंटेंट्स इज सेल्फ-एविडेंट.

परिशिष्ट २

सन् १९०० से १९५५ तक के खोज निरीक्षकों की सूची—उनके कार्यकाल और खोज विवरणों के प्रकाशन काल आदि के साथ इस प्रकार है—

क्रम संख्या खोज विवरण	खोज विवरण का काल	निरीक्षक एवं संपादक	कार्यकाल	खोज विवरण का प्रकाशक	खोज विवरण का प्रकाशन काल
१	१९०० ई०	डा० श्याम-	१९००–१९०८ ई०	उ० प्र०	१९०३ ई०
२	१९०१ ,,	सुंदर दास	,,	,, सरकार	१९०४ ,,
३	१९०२ ,,	,,	,,	,, ,,	१९०६ ,,
४	१९०३ ,,	,,	,,	,, ,,	१९०५ ,,
५	१९०४ ,,	,,	,,	,, ,,	१९०७ ,,
६	१९०५ ,,	,,	,,	,, ,,	१९०८ ,,
७	१९०६-८ ,,	,,	,,	ना० प्र०	१९१२ ,,
			१९२२-२३ ,,	सभा	
८	१९०९-११	श्री श्यामबिहारी मिश्र	१९०९-२० ,,	,,	१९१४ ,,
९	१९१२-१६ ,,	,,	,, ,,	,,	१९२४ ,,
१०	१९१७-१९ ,,	डा० हीरालाल	१९२३-३४ ,,	,,	१९२९ ,,
११	१९२०-२२ ,,	,,	,, ,,	,,	,, ,,
१२	१९२३-२५ ,,	,,	,, ,,	,,	१९३० ,,
१३	१९२६-२८ ,,	,,	,, ,,	,,	सं० २०१० वि
×	१९२२-२४ ,, (पंजाब खो० वि०)	श्री जगद्धर शर्मा गुलेरी	सं० १९७८-८० वि०	,,	१९३१ ई०
×	१९३१ ,, (दिल्ली खो० वि०)	डा० पीतांबर- दत्त बड़थ्वाल	सं० १९८७ वि० –१९८७ ,,	,,	सं० १९९६ वि०

१४	१९२९-३१ ,,	,,	,,	,,	,,	सं० २०११	वि०
१५	१९३२-३४ ,,	,,	,,	,,	,,		,,
१६	१९३५-३७ ,,	,,	,,	,,	,,	२०१२	,,
१७	१९३८-४० ,,	श्री पं० विद्याभूषण जी मिश्र	१९४०-४१ ई०		,,		,,
१८	१९४१-४३ ,,	१. श्री पं० विद्याभूषण जी मिश्र	,,	,,	,,	सं० २०१५	वि०
							,,
		२. ,, रामबहोरी शुक्ल		,,	,,		,,
		३. ,, पं० विश्वनाथ प्रसाद जी मिश्र	१९४२-५०		,,		
		४. डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	१९४१-४२				
१९	१९४४-४६ ,,	श्री पं० विश्वनाथ प्रसाद जी मिश्र			अप्रकाशित		
२०	१९४७-४९ ,,	डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	१९४७-४८ ,,		,,		
					,,		
		डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी	१९४९	,,	,,		
२१	१९५०-५२ ,,	,, हजारीप्रसाद द्विवेदी	१९५०-५५ ,,		,,		
२२	१९५३-५५ ,,	,,	,,		,,		

परिशिष्ट ३

नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा ५५ वर्षों की हिंदी खोज में १० वीं शताब्दी तक की रचनाएँ विवृत की गई हैं। विवृत ग्रंथों के विषय में पूरी जानकारी पहले ही दी जा चुकी है। कुछ महत्वपूर्ण और विशिष्ट ग्रंथों की संक्षिप्त सूची यहाँ प्रस्तुत की जा रही है। निम्नांकित विषयों के ग्रंथ खोज में उपलब्ध हुए—

१. रासो, इतिहास और विरुदावलियाँ। २. सिद्धों का साहित्य (योगधारा)। ३. संतसाहित्य (निर्गुणधारा)। ४. कृष्ण और रामभक्ति साहित्य (सगुणधारा)। ५. सूफी प्रेमकथाएँ। ६. भारतीय प्रेमकथाएँ। ७. साहित्यशास्त्र (रस, अलंकार, काव्यरचना और रीति) ८. पिंगल। ९. कोश। १० काव्य। ११. नाटक। १२. आत्मकथा, परिचयी और वार्ता। १३. यात्रा। १४. लावनी और ख्याल। १५. गद्य ग्रंथ।

(१) रासो, इतिहास और विरुदावलियाँ

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल	लिपिकाल	विशेष
१.	पृथ्वीराज रासो	चंदबरदाई	सं० १२५० वि०	×	इसकी ३४ प्रतियाँ मिली हैं जिनमें से एक में लि० का० सं० १६४० है।
२.	बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह	सं० १३५५	सं० १६६९	
३.	खुमान रासो	दलपति	१८ वीं शती (नाहटा)	×	
४.	गजसिंह महाराज जी का गुणरूपक कथा	केशवदास चारण	सं० १६८१	सं० १७८०	
५.	रघुनाथ नायक	महाराज राजसिंह	१८ वीं शती	×	

६.	हिम्मतबहादुर विरुदावली	पद्माकर	१६ वीं शती	×	
७.	हरिदौल चरित्र	बिहारीलाल	सं० १८१५	×	
८.	अकबरनामा	सेवक	×	×	सं० १४१४ से १८८८ तक का इतिहास
६.	रतन बावनी	केशवदास	१७ वीं शती	×	
१०.	वीरसिंह देव चरित्र	,,	,,	×	
११.	छत्र प्रकाश	गोरेलाल पुरोहित 'लाल'	१८ वीं ,,	×	
१२.	जैचंद वंशावली	सतीप्रसाद	×	×	
१३.	जगतराज दिग्विजय	हरिकेश द्विज	१८ वीं शती		
१४.	राणारासा	दयालदास	१७ वीं ,,		
१५.	सुजान चरित्र	सूदन	१८ वीं ,,		
१६.	वैस वंशावली	शंभुनाथ त्रिपाठी	१८ वीं ,,		
१७.	सोमवंश की वंशावली	देवीदास	सं० १८३१		
१८.	छत्रसाल विरुदावली	निवाज	१८ वीं शती		
१६.	भगवंतराय खीची की विरुदावली	गोपालराय	१८ वीं ,,		
२०.	,, ,,	शंभुनाथ	१८ वीं ,,		

(२) सिद्ध साहित्य (योगधारा)

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
१.	सबदी, पद और गोरखबोध आदि	गोरखनाथ	चौदहवीं शती वि०
२.	सबदी	भरथरी	,,
३.	,,	चिरपट	,,
४.	,,	गोपीचंद	,,
५.	,,	जलंधरी पाव	,,
६.	,,	पृथ्वीनाथ	,,
७.	,,	चौरंगीनाथ	,,
८.	,,	कणेरीपाव	,,
६.	,,	हालीपाव	,,
१०.	,,	मींडकीपाव	,,
११.	,,	हणवंत	,,

क्रम सं० ग्रंथ		ग्रंथाकार	रचनाकाल
	सबदी		
१२.	,,	नागा अर्जुन (नागार्जुन)	,,
१३.	,,	सिद्ध हरताली	,,
१४.	,,	सिद्ध गरीब	,,
१५.	,,	धूँधलीमल	,,
१६.	,,	रामचंद्र	,,
१७.	,,	बालगोदाई	,,
१८.	,,	घोड़ाचोली	,,
१९.	,,	अजैपाल	,,
२०.	,,	चौणकनाथ	,,
२१.	,,	देवलनाथ	,,
२२.	,,	महादेव	,,
२३.	,,	पारबती	,,
२४.	,,	सिद्ध माली पाव	,,
२५.	,,	सुकुलहंस	,,
२६.	,,	दत्तात्रेय	,,
२७.	,,	लाल या ठीकर	,,
२८.	,,	सतवंती	,,

(३) निर्गुणधारा (संत-साहित्य)

१.	पद, साखी और बानी	नामदेव	१४ वीं शती
२.	पद, साखी और रमैनी आदि	कबीर	१५ ,,
३.	पद, साखी, शब्द और प्रह्लाद लीला	रैदास	,, ,,
४.	ज्ञानतिलक; रामरक्षा आदि	स्वामी रामानंद	,, ,,
५.	बानी	पीपा	,, ,,
६.	अष्टांगयोग, गुरुनानक वचन, ज्ञानस्वरोदय, नानक जी का जाप सुखमनी	नानक	१६ वीं शती
७.	पद और साखी	दादूदयाल	१७ ,,
८.	सुंदरविलास, ज्ञानसमुद्र, बानी	सुंदरदास	,, ,,
९.	बानियाँ तथा पद आदि	हरिदास निरंजनी	१६ वीं शती
१०.	पद, साखी, रेखता आदि	सेवादास निरंजनी	१७ वीं शती
११.	पद, बानी आदि	तुरसीदास निरंजनी	१८ वीं ,,
१२.	बानियाँ और पद आदि	जगजीवन साहब	,, ,,
१३.	बानियाँ और पद	बाबा दूलनदास	,, ,,

१४.	पद	बावरी साहिबा	१७	,,
१५.	पद	बीरू साहब	,,	,,
१६.	शब्द, रमैनी और ककहरा	यारी साहब	१७ वीं शती	
१७.	साखी और शब्द	बुल्ला साहब	१८	,,
१८.	पद और शब्द	गुलाल साहब	,,	,,
१९.	कुंडलिया, रेखता तथा शब्दावली	भीखा साहब	,,	,,
२०.	शब्दावली	विरंच गोसाईं	१० वीं	,,
२१.	मंगलगीता	नवनिधिदास बाबा	,,	,,
२२.	पद तथा अन्य रचनाएँ	धरनीदास	१८ वीं	,,
२३.	भक्तमाल (इसमें निर्गुणी संतों का उल्लेख है)	राघवदास	,,	,,
२४.	पलटूदास की बानी	पलटूदास	१९ वीं	,,
२५.	शून्य विलास	संतदास	,,	
२६.	पद तथा बानियाँ	बाबा रामचरणदास (रामसनेही पंथी)	१९ वीं	,,
२७.	पद	उमा	,,	,,
२८.	रामायण और विश्वकारण	कुदरतीदास	,,	,,
२९.	पद तथा अन्य रचनाएँ	शिवनारायण स्वामी	१८ वीं	,,
३०.	बानी	मलूकदास	१७ वीं	,,

(४) रामकृष्ण भक्ति साहित्य (सगुणधारा)

१.	रामचरितमानस (चार प्रतियाँ प्राचीन हैं—(१) महाराज बनारस की, लि० का० सं० १७०१; (२) अयोध्या की प्रति, सं० १६६१; (३) राजापुर की प्रति, (४) सेवादास की प्रति, सं० १७२२, जो भारत कला भवन में है)	गो० तुलसीदास	१७ वीं शती	
२.	भक्तमाल	नाभादास	१७ वीं शती	
३.	ध्यान मंजरी और कुंडलिया	अग्रदास	,,	,,
४.	पदावली रामचरित सात कांड	काष्ठजिह्वा देव	१९ वीं	,,
५.	शृंगाररस मंडन	गो० विट्ठलनाथ	१७ वीं	,,
६.	सूरसागर (प्राचीन प्रतियाँ दो हैं—(१) सं० १७४५, (२) सं० १७९८)	सूरदास	,,	,,
७.	पद या परमानंदसागर	परमानंददास	,,	,,
८.	रास पंचाध्यायी, भ्रमर गीत और भागवत आदि	नंददास	,,	,,

क्रम सं० ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
९. पद	व्यास स्वामी	१७वीं शती
१०. हित चौरासी	हित हरिवंशजी	,, ,,
११. कवित्त, सवैया और दानलीला	रसखान	,, ,,
१२. बानी और ब्यालीसलीला	ध्रुवदास	,, ,,
१३. हित चरित्र	भगवत मुदित	,, ,,
१४. पद और बानियाँ	चाचा वृंदावनदास	१८ वीं ,,
१५. पद	श्री भट्ट जी (निंबार्क)	१६ वीं ,,
१६. पद और महाबानी	हरिव्यास देव जी	,, ,,
१७. परशुरामसागर	परशुराम	१७ वीं ,,
१८. पद तथा बानियाँ	स्वामी हरिदास (टट्टी संप्र०)	,, ,,
१९. पद	मीराबाई	,, ,,
२०. पद	गंगाबाई	,, ,,
२१. चंद्रचौरासी	गो० चंद्रप्रभु (माध्व संप्र०)	,, ,,
२२. पद तथा अन्य रचनाएँ	नागरीदास (राजा सावंतसिंह)	१८ वीं शती
२३. कवित्त, सवैया तथा अन्य रचनाएँ	घनानंद	,, ,,
२४. हरिलीला सोलह कला	भीम	१६ वीं शती
२५. कृपाकल्पतरु	रूपरसिक	१७ वीं ,,
२६. कुलजम स्वरूप	स्वामी प्राणनाथ (धामी संप्र०)	१८ वीं ,,
२७. रघुराजविलास, जदुराजविलास आदि	राजा रघुराजसिंह	२० वीं ,,
२८. राधारमण बिहार-माधुरी और मानमाधुरी आदि	माधुरीदास	१७ वीं ,,

(५) सूफी प्रेमकथानक काव्य

१. पद्मावती	जायसी	१६ वीं शती
२. मृगावती की कथा	कुतुबन	१६ वीं ,,
३. इंद्रावत	नूरमुहम्मद	१८ वीं ,,
४. हंसजवाहिर	कासिमशाह	१८ वीं ,,
५. ज्ञानदीप	शेख नबी	१७ वीं ,,
६. कामरूप की कथा	हरिसेवक	१९ वीं ,,
७. प्रेमरतन	फाजिलशाह	१९ वीं ,,
८. पुहुपावती	दुःखहरण	१८ वीं ,,
९. यूसुफ जुलेखा	शेखनिसार	१९ वीं ,,

१०. हंसनामा	नजीर	२० वीं ,,
११. कासिद्नामा	हैदर	×

(६) भारतीय प्रेमकथाएँ

१. लक्ष्मणसेन पद्मावती कथा	दामो	१६ वीं ,,
२. ढोला मारवणी चउपई	कुसललाभ	१७ वीं ,,
३. मृगावती की कथा	मेघराज प्रधान	१८ वीं ,,
४. मकरध्वज की कथा	,,	,, ,,
५. रसरतन	पुहकर कवि	१७ वीं शती
६. छिताई की कथा	रतनरंग	,, ,,
७. कामरूप का किस्सा	×	२० ,,
८. मैनसत के उत्तर	गंगाराम	,, ,,
९. रत्नावली रतनमंजरी, पुहुपवरिखा आदि	जान कवि	१७ वीं ,, ,,
१०. गोराबादल पद्मिनी चौपाई	हेमरतन	,, ,, ,,
११. माधवानल कामकंदला	आलम	,, ,,
१२. प्रेमविलास प्रेमलता कथा	जटमल नाहर	,, ,,
१३. चतुर्मुकुट की कथा	×	,,
१४. मधुमालती की कथा	चतुर्भुजदास	१६ वीं ,,
१५. पद्मावती चरित्र	लालचंद या लब्धोदय	१८ वीं ,,
१६. सुरसुंदरी चरित्र	रेड़ मुनि	१७ वीं ,,

(७) साहित्य शास्त्र (रस, अलंकार, काव्यरचना और रीति)

१. कविप्रिया	केशवदास	१७ वीं ,,
२. रसिक प्रिया	,,	,, ,,
३. काव्य निर्णय, रससार, शृंगारनिर्णय	भिखारीदास	१८ वीं ,,
४. हिततरंगिनी	कृपाराम	१६ ,, ,,
५. रूपविलास	रूपसाहि	१९ ,, ,,
६. अलंकारमणिमंजरी	ऋषिनाथ	१८ ,, ,,
७. व्यंगार्थ कौमुदी	प्रतापसाहि	१९ ,, ,,
८. काव्यविलास	,,	,, ,, ,,
९. काव्यसरोज	श्रीपति	१८ ,, ,,
१०. काव्यसुधाकर	,,	,, ,,

क्रम सं०. ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
११. साहित्यसार, रसराज और लक्षणशृंगार	मतिराम	१८ वीं शती
१२. काव्य रसायन	देव	,, ,,
१३. भाव विलास	,,	,, ,,
१४. भाषा काव्य प्रकाश	बलभद्र	१७ वीं ,,
१५. काव्यसिद्धांत, रसरत्नाकर अलंकार माला, रसगाहक चंद्रिका	सूरत मिश्र	१८ वीं ,,
१६. दूषणदर्पण	ग्वाल कवि	१९ वीं ,,
१७. रसरंग	,,	,, ,,
१८. काव्याभरण, रसकल्लोल, केसरी प्रकाश,	चंदन भाट	,, ,,
१९. दक्षणविलास	अहमदुल्ला	१८ वीं ,,
२०. कविकुलकल्पतरु	चिंतामणि	१८ वीं शती
२१. रसमंजरी	हरिवंश टंडन	,, ,,
२२. कवि सर्वस्व	जयगोविंद बाजपेयी	,, ,,
२३. काव्यरस	राजा जयसिंह	,, ,,
२४. सत्कविकुलदीपिका	भारतसाहि	१९ वीं ,,
२५. कविकुलतिलक प्रकाश	महीप या महीपति	१८ वीं ,,
२६. जगद्विनोद, पद्माभरण	पद्माकर	१९ वीं ,,
२७. सुंदरशृंगार	सुंदर कविराय	१७ वीं ,,
२८. रसरसार्णव	सुखदेव मिश्र	१८ वीं ,,
२९. रसरहस्य, युक्तितरंगिणी	कुलपति मिश्र	,, ,,
३०. रसविलास, अलंकार शिरोमणि, टिकैतराय प्रकाश	बेनी कवि	१९ वीं ,,
३१. नवरस तरंग, नानाराव प्रकाश	बेनी प्रवीन	,, ,,
३२. दलेलप्रकाश	थानकवि	,, ,,
३३. पशुपक्षी नायक नायिका लक्षण	बोधा	१७ वीं ,,
३४. सनेहतरंग	रावराजा बुद्धसिंह	१८ वीं ,,
३५. विक्रमविलास	नेवजीलाल दीक्षित	१७ वीं ,,
३६. वाग्विलास	सेवक	१९ वीं ,,
३७. हरिनाथ विनोद	लघुकान्ह	२० वीं ,,
३८. शृंगारविलास	सोमनाथ	१९ वीं ,,
३९. रसरत्नावली	मंडन	१८ वीं ,,
४०. श्रृंगारलतिका	दीनदयाल गिरि	२० वीं ,,

लो० सं० वि० ८४ (११००-६४)

क्रम सं० ग्रंथ	ग्रंथाकार	रचनाकाल
४१. शिवराजभूषण	भूषण	१८ वीं ,,
४२. रामप्रकाश	मुनिलाल	×
४३. कविकुलकंठाभरण	दूलह	१६ वीं ,,
४४. भाषाभूषण	राजा जसवंतसिंह	१८ वीं ,,
४५. भाषाभूषण	श्रीधर मुरलीधर	१८ वीं ,,
४६. श्लेषार्थविंशति	कान्ह	×
४७. यमकालंकार	वृंदकवि	१८ वीं ,,
४८. कविताकल्पतरु	सागर कवि	,, ,,
४९. वधूविनोद	कालिदास त्रिवेदी	,, ,,
५०. रसचंद्रोदय	उदयनाथ कवींद्र	,, ,,

(८) पिंगल

१. छंदार्णवपिंगल, छंदप्रकाश	भिखारीदास	१८ वीं शती
२. भाषापिंगल	चिंतामणि त्रिपाठी	,, ,,
३. छंदसार पिंगल	मतिराम	,, ,,
४. पिंगल, वृत्तविचार, छंदविचार	सुखदेव मिश्र	,, ,,
५. छंदसार	सूरत मिश्र	,, ,,
६. माधवसुयश प्रकाश	छविनाथ	१६ वीं शती
७. पिंगल	चतुर्भुज	१७ वीं ,,
८. षटपद के भेद (छप्पय छंदों के भेद; प्राचीन रचना है)	×	×
९. रूपदीप पिंगल	जयकृष्ण भोजग	१८ वीं ,,
१०. छंदरत्नावली	हरिराम	×

(९) कोश

१. अनेकार्थमंजरी और नाममंजरी	नंददास	१७ वीं ,,
२. नामप्रकाश	भिखारीदास	१८ वीं ,,
३. नामरत्नमाला कोश	गोकुलनाथ	१९ वीं ,,
४. नामचिंतामणि	नवलसिंह प्रधान	२० वीं ,,
५. नाममाला	चंदन	,, ,,

(१०) काव्य

१. पंचसहेलरी रा दूहा	छीहल	१६ वीं ,,
२. अहिल्यापूर्व प्रसंग	बारहट नरहरदास	१७ वीं ,,
	(नाहटा जी के अनुसार १८ वीं)	,,

क्रम सं०	ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल	
३.	सतसई	बिहारीलाल	१८ वीं	,,
४.	मतिराम सतसई	मतिराम	,,	,,
५.	सतसई	भूपति (राजा गुरुदत्तसिंह)	,,	,,
६.	चंदन सतसई	चंदन भाट	२० वीं	,,
७.	रुक्मिणी मंगल, छप्पय और कवित्त	नरहरि	१६ वीं शती	
		(नाहटा जी के अनुसार १७ वीं)		
८.	बाहुविलास	राजा राजसिंह	१८ वीं	,,
९.	अनुरागबाग, चकोरपंचक, दीपकपंचक	दीनदयालगिरि	२० वीं	,,
१०.	रामरसायन	पद्माकर	१९ वीं	,,
११.	कवित्त	ठाकुर	,,	,,
१२.	जंजीराबंद	कालिदास	१८ वीं	,,
१३.	रामचंद्रिका	केशवदास	१७ वीं	,,
१४.	कलिचरित्र	बाण कवि	,,	,,
१५.	प्रेमदीपिका	अक्षर अनन्य	१८ वीं शती	
१६.	बरवै, मदनाष्टक और सतसई	रहीम	१७ वीं	,,
१७.	कवित्त रत्नाकर	सेनापति	१७ वीं	,,
१८.	प्रेमतरंग चंद्रिका आदि	देव	१८ वीं	,,
१९.	कवित्त	आलम और शेख	१७ वीं	,,
२०	सुदामाचरित्र और स्यामसनेही	आलम	१७ वीं	,,
२१.	नखशिख	बलभद्र	१८ वीं	,,
२२.	गुलजार चमन	शीतल	,,	,,
२३.	राधाकृष्ण विलास	गोकुल बंदीजन	१९ वीं	,,
२४.	हम्मीरहठ, भक्तभावन और गोपपच्चीसी	ग्वाल	१८ वीं	,,
२५.	हम्मीरहठ	चंद्रशेखर वाजपेयी	१९ वीं	,,
२६.	कवित्त	गंग	१७ वीं	,,
२७.	सूक्ति मुक्तावली या बनारसी विलास	बनारसीदास	१८ वीं	,,
२८.	रामायण रामविलास	ईश्वरी त्रिपाठी	१९ वीं	,,
२९.	कन्हैया जन्म, बंशी, बंजारनामा, हंसनामा	नजीर	१७ वीं	,,
३०.	हरिभक्ति प्रकाश	गंगाराम पुरोहित 'गंग'	१८ वीं	,,
३१.	सुदामा चरित्र	नरोत्तम	१७ वीं	,,
३२.	,,	कलीराम	१८ वीं	,,

क्रम सं० ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
३३. रासपंचाध्यायी	बनगोपाल	१७ वीं ,,
३४. कान्ह की बारहमासी, हरिचरित्र विराटपर्व	लखसेनी	१५ वीं ,,
३५. वाग्विलास	सेवक	२० वीं ,,
३६. सत्यवती कथा, भरतविलाप	ईश्वरदास	१६ वीं ,,
३७. जेहली जवाहिर	प्राणनाथ सोती	१८ वीं ,,
३८. योगलीला	उदयराम	१८ वीं ,,
३९. दशकुमारचरित	शिवदत्त त्रिपाठी	१८ वीं ,,
४०. दिग्विजै चंपू	शिवदास गदाधरदास	२० वीं ,,
४१. वियोगसागर, मोहनी	शेखअहमद	१८ वीं ,,
४२. लक्ष्मणशतक	समाधान	×
४३. रसभमार और खटमल बाईसी	अलीमुहिब खाँ 'प्रीतम'	१८ वीं ,,
४४. भाषा भक्त चंद्रिका	विश्वनाथसिंह	१९ वीं ,,
४५. प्रेमरस सागर और कृष्ण चंद्रिका	अखैराम	,, ,,
४६. प्रेमपच्चीसी	सोमनाथ	,, ,,
४७. कवित्त	राजा बीरबल	१७ वीं शती
४८. विरही सुभान दंपति विलास	बोधा	१९ वीं ,,
४९. द्वारिका विलास	रामनारायण	,, ,,
५०. जानकीविजय रामायण	प्रसिद्ध	,, ,,
५१. श्रीपाल चरित्र	परिमल्ल कवि	१७ वीं ,,
५२. विरहविलास	हंसराज बख्शी	१८ वीं ,,
५३. सुदामाचरित्र	भूधरदास	१७ वीं ,,
५४. भूधरविलास	भूधरदास	१८ वीं ,,

(११) नाटक

१. प्रबोधचंद्रोदय नाटक	राजा जसवंतसिंह	१८ वीं शती
२. प्रबोधचंद्रोदय नाटक	सूरत मिश्र	,, ,,
३. करुणाभरण नाटक	लच्छीराम	,, ,,
४. नहुष नाटक	गिरिधरदास	२० वीं ,,

(१२) आत्मकथा, परिचयी और वार्ता

१. अर्द्धकथानक	बनारसीदास	१७ वीं ,,
२. पीपा की परिचयी	अनंतदास	,, ,,
३. कबीर की परिचयी	,,	,, ,,
४. त्रिलोचन की परिचयी	,,	,, ,,

क्रम सं० ग्रंथ	ग्रंथकार	रचनाकाल
५. धना जी की परिचयी	अनंतदास	१७वीं शती
नामदेव की परिचयी	,,	,, ,,
रैदास की परिचयी	,,	,, ,,
८. रांका बांका की परिचयी	,,	,, ,,
९. सेउ समन की परिचयी	,,	,, ,,
१०. हरिदास निरंजनी की परिचयी	रघुनाथदास	१८ वीं ,,
११. सेवादास की परिचयी	रूपदास	,, ,,
१२. चौरासी वैष्णवन की वार्ता	गो० गोकुलनाथ	१७ वीं ,,
१३. दो सौ बावन वैष्णवों की वार्ता	गो० गोकुलनाथ	,, ,,

(१३) यात्रा

१. वनयात्रा	जीमन महाराज जी की माँ	२० वीं ,,
२. बद्रीनाथ यात्रा कथा	अयोध्यानरेश बख्तावरसिंह की धर्म पत्नी	१९ वीं ,,
३. वनयात्रा	गो० गोकुलनाथ	१७ वीं ,,

(१४) लावनी और ख्याल

१. बारहमासी	खैराशाह	२० वीं शती (नाहटा जी के अनुसार १९ वीं शती)
२. लावनी तख्त	ननवाँ शुक्ल	२० वीं शती
३. ख्याल वर्षा	गिरिधारीसिंह	,, ,,
४. लावनी समझ प्रकाश	मुखलाल	,, ,,
५. ख्याल हता जवान	प्रभुदयाल	,, ,,
६. ख्याल वियोग	प्रभुदयाल	,, ,,
७. बारहमासी ख्याल	छज्जू	,, ,,

(१५) गद्य ग्रंथ

१. गोरखनाथ का गद्य (प्राचीन खड़ी बोली)	गोरखनाथ	१४ वीं ,,
२. योगाभ्यासमुद्रा (खड़ी बोली)	कुमरिपा	,, ,,
३. शृंगार मंडन (ब्रज)	गो० विट्ठलनाथ	१७ वीं ,,
४. चंद छंद बरनन की महिमा (खड़ी बोली)	गंग	,, ,,

५. नासिकेत पुराण (ब्रज)	नंददास	,,	,,
६. बैताल पच्चीसी (ब्रज)	सूरति मिश्र	१८ वीं	,,
७. व्यवहारपाद (ब्रज)	प्रियादास	२० वीं	,,
८. योग वाशिष्टसार (खड़ी बोली)	रामप्रसाद निरंजनी	१८ वीं	,,
९. तीरंदाजी रिसाला (खड़ी बोली)	ख्वाजा महम्मद फाजिल	१६ वीं	,,
१०. बचनिका (ब्रज)	बनारसीदास	१७ वीं	,,
११. इकतालीस (ब्रज)	गोपेश्वर जी	१८ वीं	,,
१२. पंचायत का न्यायपत्र (अवधी)	फणींद्र मिश्र	१७ वीं	,,
१३. ज्योतिष और गोलाध्याय (खड़ी बोली)	तामसन साहब	१९ वीं	,,
१४. चौरासी वैष्णवन की वार्ता (ब्रज)	गो० गोकुलनाथ	१७ वीं	,,
१५. दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता (ब्रज)	गो० गोकुलनाथ	,,	,,
१६. भूगोलसार (खड़ी बोली)	श्रीलाल	२० वीं	,,
१७. आचार्य महाप्रभून की द्वादश निजी वार्ता	हरिराय	१७ वीं	,,
१८. पांडव पुराण (जैन रचना)	×	१७ वीं शती (नाहटा जी के अनुसार १८ वीं)	
१९. तत्वज्ञान तरंगिणी (जैन रचना)	×	×	
२०. आदि पुराण की बालबोध वचनिका	दौलतराम	१९ वीं शती	
२१. पुण्याश्रव कथाकोस	दौलतराम	१८ वीं शती	
२२. मोहंमद गजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग	कृपाराम (सेवापंथी)	१९ वीं	,,
२३. सुदृष्ट तरंगिनी (खड़ी बोली)	सीतल जैन (?)	,,	,,